

प्रेरति

संनिडल अनुवाद

वषिय-सूची

पवतिर प्रेरति के काम, आरंभ [1A](#) [1B](#) [2](#) [3](#) [4](#) [5](#) [6](#) [7](#) [8](#) [9](#) [10](#) [11](#) [12](#) [13](#) [14](#)
[15](#) [16](#) [17](#) [18](#) [19](#) [20](#) [21A](#) [21B](#) [22](#) [23](#) [24](#) [25](#) [26](#) [27](#) [28](#) [29](#) [30](#) [31](#)
[32](#) [33](#) [34](#) [35](#) [36](#) [37](#) [38](#) [39](#) [40A](#) [40B](#) [40C](#) [41](#) [42](#) [43](#) [44](#) [45](#) [46](#) [47](#)
[48](#) [49](#) [50A](#) [51A](#)

याकूब का पत्र, [50B](#) से शुरू [51B](#) [52](#) [53](#) [54](#) [55](#) [56](#) [57A](#) [57B](#)

पतरस का पहला पत्र, आरंभ [58A](#) [58B](#) [58C](#) [58D](#) [59](#) [60](#) [61](#) [62](#) [63](#)

पतरस का दूसरा पत्र, आरंभ [64](#) [65](#) [66](#) [67](#) [68A](#)

1 यूहन्ना, आरंभ [68B](#) [69](#) [70](#) [71](#) [72](#) [73A](#) [73B](#) [73C](#) [74A](#) [74B](#)

यूहन्ना का दूसरा पत्र, पद [75](#) से आरंभ

यूहन्ना का तीसरा पत्र, [76](#) से शुरू

यहूदा का पत्र, [77](#) से शुरू [78](#)

रोमियों को पत्र, आरंभ [79a](#) [79B](#) [80](#) [81A](#) [81B](#) [82](#) [83](#) [84](#) [85](#) [86](#) [87](#) [88A](#) [88B](#)
[89](#) [90](#) [91](#) [92](#) [93](#) [94](#) [95](#) [96A](#) [96B](#) [96C](#) [97](#) [98](#) [99](#) [100](#) [101](#) [102](#) [103](#)
[104](#) [105](#) [106](#) [107](#) [108](#) [109](#) [110](#) [111](#) [112](#) [113](#) [114](#) [115](#) [116](#) [117](#) [118](#)
[119](#) [120](#) [121A](#) [121B](#)

कोरिन्थियों को पहला पत्र, आरंभ [122](#) [123](#) [124](#) [125A](#) [125B](#) [125C](#) [126](#) [127](#)
[128](#) [129](#) [130A](#) [130B](#) [131](#) [132](#) [133](#) [134](#) [135](#) [136](#) [137](#) [138](#) [139](#) [140](#)
[141](#) [142](#) [143A](#) [143B](#) [143C](#) [144](#) [145](#) [146](#) [147](#) [148](#) [149](#) [150](#) [151](#) [152](#)
[153](#) [154A](#) [154B](#) [155](#) [156](#) [157](#) [158](#) [159](#) [160](#) [161](#) [162](#) [163](#) [164](#) [165](#)
[166](#)

कोरिन्थियों को दूसरी पत्रिका, आरंभ [167A](#) [167B](#) [168](#) [169](#) [170](#) [171](#) [172](#) [173](#)
[174](#) [175](#) [176](#) [177](#) [178](#) [179](#) [180](#) [181](#) [182A](#) [182B](#) [183](#) [184](#) [185](#) [186](#)
[187](#) [188](#) [189](#) [190](#) [191](#) [192](#) [193](#) [194](#) [195](#) [196](#) [197](#)

गलातियों को पत्र, आरंभ [198](#) [199](#) [200](#) [201](#) [202](#) [203](#) [204](#) [205](#) [206](#) [207](#) [208A](#)
[208B](#) [209](#) [210A](#) [210B](#) [210C](#) [211](#) [212](#) [213](#) [214](#) [215A](#) [215B](#)

एफसियों को पत्र, आरंभ [216](#) [217](#) [218](#) [219](#) [220A](#) [220B](#) [221](#) [222](#) [223](#) [224A](#)
[224B](#) [225](#) [226](#) [227](#) [228](#) [229](#) [230A](#) [230B](#) [231](#) [232](#) [233](#) [234](#)

फलिपियों को पत्र, [235](#) से शुरू [236](#) [237](#) [238](#) [239](#) [240](#) [241](#) [242](#) [243](#) [244](#)
[245](#) [246](#) [247](#) [248](#)

कोलोसियों को पत्र, आरंभ [249A](#) [249B](#) [250](#) [251](#) [252](#) [253](#) [254](#) [255](#) [256](#) [257](#)
[258](#) [259](#) [260A](#) [260B](#) [261](#)

थसिलुनीकियों को पहला पत्र, आरंभ [262](#) [263](#) [264](#) [265](#) [266](#) [267](#) [268](#) [269](#) [270](#)
[271](#) [272](#) [273](#)

थेस्सलुनीकियों को दूसरी पत्रिका, आरंभ [274A](#) [274B](#) [275](#) [276](#) [277](#)

1 तिमोथी, अनुभाग [278](#) [279](#) [280A](#) [280B](#) [281](#) [282](#) [283](#) [284](#) [285A](#) [285B](#) [285C](#)
[286](#) [287](#) [288](#) [289](#)

तीमथयुस को दूसरी पत्रिका, आरंभ [290A](#) [290B](#) [291](#) [292](#) [293](#) [294](#) [295](#) [296](#)
[297](#) [298](#) [299](#)

तीतुस को पत्र, [300A](#) से शुरू [300B](#) [301](#) [302A](#) [302B](#)

फलिमोन को पत्र, [302C](#) से शुरू

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ [303](#) [304](#) [305](#) [306](#) [307](#) [308](#) [309](#) [310](#) [311A](#) [311B](#)
[312](#) [313](#) [314](#) [315](#) [316](#) [317](#) [318A](#) [318B](#) [319](#) [320](#) [321A](#) [321B](#) [322](#) [323](#)
[324](#) [325](#) [326](#) [327](#) [328](#) [329A](#) [329B](#) [330](#) [331A](#) [331B](#) [332](#) [333A](#) [333B](#)
[334](#) [335](#)

परशिष्ट

पत्र से पठन का क्रम:

सभी सप्ताहों के लिए	156
महान लेंट के दौरान	172

प्रोकमिन और अल्लेलुया:

रविवार	178
सप्ताह के दिन	181

बारह महीनों के लिए संग्रह:

[सितंबर](#) [अक्टूबर](#) [नवंबर](#) [दिसंबर](#) [जनवरी](#) [फरवरी](#)
[मार्च](#) [अप्रैल](#) [मई](#) [जून](#) [जुलाई](#) [अगस्त](#)

प्रोकमिन, अल्लेलुया और प्रेरति:

संतों के लिए सामान्य	238
वभिन्न अवसरों के लिए	244

पवतिर प्रेरितों के काम

पवतिर प्रेरितों के काम, आरंभ 1A

मैंने तुम्हें पहली पुस्तक लिखी, थेओफ़लिस, उन सब बातों के विषय में जो यीशु ने आरम्भ से लेकर उस दनि तक की जब तक कि वह स्वर्ग में उठाया गया, और पवतिर आत्मा के द्वारा उन प्रेरितों को आज्ञाएँ दीं जिन्हें उसने चुन रखा था, और जिन्हें उसने अपनी पीड़ा के बाद भी बहुत से अटल प्रमाणों सहित जीवित दिखाया, और चालीस दनि तक उन पर प्रगट होता रहा और परमेश्वर के राज्य के विषय में बातें करता रहा। और उन्हें इकट्ठा करके, उसने उनसे यह आज्ञा दी: 'यरूशलेम न छोड़ो, बल्कि पिता के प्रतिज्ञा की प्रतीक्षा करो, जिसके विषय में तुमने मुझसे सुना है; क्योंकि यहून्ना ने पानी से बपतिस्मा दिया, परन्तु तुम कुछ ही दनों में पवतिर आत्मा से बपतिस्मा पाओगे।' इसलिए वे एकत्रित हुए और उन्होंने उससे पूछा, 'प्रभु, क्या आप इस समय इस्राएल को राज्य पुनर्स्थापित करेंगे?' परन्तु उसने उनसे कहा, 'वे समय और तारीखें जानना तुम्हारे लिए ठीक नहीं है, जो पिता ने अपनी अधिकार-शक्ति से ठहराई हैं; परन्तु जब पवतिर आत्मा तुम पर आएगा, तब तुम शक्ति प्राप्त करोगे, और तुम यरूशलेम में, और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।'

प्रेरितों के काम 1:1-8
मसीह का महिमामय पुनरुत्थान

पवतिर प्रेरितों के काम, आरंभ 1B

मेरी पहली पुस्तक में, थेओफ़लिस, मैंने आरंभ से लेकर उस दनि तक जो कुछ भी यीशु ने किया और सिखाया, उसका एक वृत्तांत लिखा है, जब उन्हें स्वर्ग में उठा लिया गया। उन्होंने पवतिर आत्मा के द्वारा उन प्रेरितों को, जिन्हें उन्होंने चुन रखा था, आज्ञाएँ दीं, जिन्हें उन्होंने अपनी पीड़ा के बाद अनेक प्रमाणों सहित जीवित दिखाया, और चालीस दनि तक उनके साथ रहे तथा परमेश्वर के राज्य के विषय में बातें कीं। और जब वे भोजन कर रहे थे, तो उसने उन्हें यहूदा से बाहर न जाने की आज्ञा दी, बल्कि पिता के उस वचन की प्रतीक्षा करने के लिए कहा, 'जिसके विषय में तुमने मुझसे सुना है। क्योंकि यहून्ना ने पानी से बपतिस्मा दिया, परन्तु तुम कुछ दनों के बाद पवतिर आत्मा से बपतिस्मा पाओगे।' तो, जब वे इकट्ठा हुए, तो उन्होंने उससे पूछा, 'प्रभु, क्या आप इस समय इस्राएल को राज्य फिर से स्थापित करेंगे?' और उसने उनसे कहा, 'समय और तारीखें जानना तुम्हारे लिए नहीं है, जो पिता ने अपनी अधिकारिता से नश्चित की हैं। परन्तु जब पवतिर आत्मा तुम पर आएगा, तब तुम शक्ति प्राप्त करोगे, और तुम यरूशलेम में, और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।' और यह कहकर, जब वे ताक रहे थे, वह उठा लिया गया, और एक बादल ने उसे उनकी दृष्टि से छिपा लिया। और जब वे उसकी आकाश में उठे जाने को नहार रहे थे, तो देखो, श्वेत वस्त्र पहनि हुए दो पुरुष उनके पास आ खड़े हुए और उन्होंने कहा, 'हे गलीलियों, तुम क्यों खड़े आकाश को नहार रहे हो? यह यीशु, जो तुम से स्वर्ग में उठा लिया गया है, उसी रीति से आएगा जैसे तुम ने उसे स्वर्ग में जाते देखा है।' तब वे जैतून पहाड़ नामक पहाड़ी से यरूशलेम लौट गए, जो यरूशलेम के पास है और एक सब्बाथ के दनि के रास्ते के बराबर दूरी पर है।

प्रेरितों के काम 1:1-12
प्रभु का स्वर्गारोहण

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 2

उन दनों प्रेरित यरूशलेम से जैतून पहाड़ पर लौटे, जो यरूशलेम के पास एक सब्बाथ के दनि के रास्ते की दूरी पर है। और जब वे वहाँ पहुँचे, तो वे ऊपरी कमरे में गए, जहाँ वे ठहरे थे: पतरस और याकूब, यहून्ना और

पवतिर प्रेरितों के काम

अन्दरयास, फलिपि और थॉमस, बरथोलोमयुस और मत्ती, अल्फाएउस का पुत्र याकूब और कट्टर शमिोन, और याकूब का भाई यहूदा। ये सब सूत्रियों और यीशु की माता मरयिम और उसके भाइयों के साथ मलिकर नरिन्तर प्रार्थना में लगे हुए थे। और उन दानों प्रेरितों के बीच पतरस खड़ा हुआ और बोला (क्योंकि लगभग एक सौ बीस लोग इकट्ठे थे): 'भाइयो! यह आवश्यक था कि पवतिर आत्मा ने दाऊद के मुँह से यीशु को पकड़ने वालों के अगुआ यहूदा के वषिय में जो भवषियवाणी की थी, वह पूरी हो; उसे हमारे बीच में गनि लिया गया था और उसे इस सेवकाई का भाग मिला था।' इसलिए यह आवश्यक है कि जो कोई भी प्रभु यीशु के हमारे बीच रहने और सेवा करने के पूरे समय—यूहन्ना के बपतस्मा से लेकर जसि दनि उन्हें हमसे उठा लिया गया—हमारे साथ रहा है, वह हमारे साथ उनके पुनरुत्थान का गवाह बने।' और उन्होंने दो पुरुषों को प्रस्तुत किया: बरसब्स नामक यूसुफ, जसि यूसुत भी कहा जाता था, और मत्तयास; और उन्होंने प्रार्थना की और कहा: 'हे प्रभु, जो सब के हृदय को जानते हो, इन दोनों में से उस एक को हमें दिखाओ जसि तूने इस सेवा और उस प्रेरति पद के लिए चुना है, जसिसे यहूदा गरि गया, ताकि वह उसका स्थान ले ले।' और उन्होंने उनके लिए पासा फेंका, और पासा मत्तयास पर पड़ा, और वह ग्यारह प्रेरितों में शामिल किया गया।

प्रेरितों के काम 1:12-17; 21-26
ब्राइट वीक का सोमवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 3

उन दानों, जब पेंटेकोस्ट का दनि आ गया, तो सभी प्रेरति एक ही स्थान पर इकट्ठे थे। अचानक स्वर्ग से एक तेज हवा के चलने की सी आवाज आई, और जसि घर में वे बैठे थे, वह पूरा भर गया। और उनके पास आग की सी जीभें दिखाई दीं, जो उन पर वतिरति हुईं, और उन में से एक जीभ उन सब में से प्रत्येक पर आकर टकि गई। और वे सब पवतिर आत्मा से भर गए और आत्मा ने उन्हें जतिना सामर्थ्य दी, उतनी ही अन्य भाषाओं में बोलने लगे। अब यरूशलेम में यहूदी थे, जो स्वर्ग के नीचे के सब देशों से आए हुए धर्मनषिठ पुरुष थे। जब यह शब्द हुआ, तो भीड़ इकट्ठी हो गई और चकति रह गई, क्योंकि हर एक ने उन्हें अपनी-अपनी भाषा में बोलते हुए सुना। और वे सब चकति और हैरान होकर एक दूसरे से कहने लगे, 'क्या ये सब जो बोल रहे हैं, गलील के नहीं हैं?' फिर हम अपनी-अपनी जन्मभूमिकी भाषाएँ, जनिमें हम पैदा हुए हैं, कैसे सुन रहे हैं? परथियों, मीदयियों, ईलामीयों, और मसिपोटामयि के नविसी, यहूदी और कप्पाडोसियाई, पोंटस और एशियाई, फ्रीगियाई और पम्फलियाई, मसिरी और सइरेन के पास के लीबिया के प्रदेशों के लोग, और रोम से आए अतिथि—यहूदी और धर्म-परविरतित दोनों, करीती और अरब—हम उन्हें अपनी-अपनी भाषाओं में परमेश्वर के महान कार्यों के वषिय में बोलते हुए सुनते हैं?'

प्रेरितों के काम 2:1-11
पेंटेकोस्ट सप्ताह

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 4

उन दानों पतरस ग्यारहों के साथ खड़ा होकर ऊँचे स्वर में उनसे बोला: 'हे यहूदयि के लोगों, और तुम सब जो यरूशलेम में रहते हो! यह बात तुम्हें मालूम हो, और मेरी बातें ध्यान से सुनो: ये लोग, जैसा तुम समझते हो, नशे में नहीं हैं, क्योंकि अभी दनि का तीसरा घंटा है; परन्तु यह वही है जो यशायाह भवषियवक्ता ने कहा था: 'पछले दानों में,' परमेश्वर कहते हैं, 'मैं अपनी आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूँगा। तुम्हारे पुत्र और पुत्रियाँ भवषियदवाणी करेंगे, तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे, और तुम्हारे बूढ़े सपना देखेंगे। उन दानों मैं अपनी आत्मा अपने दासों और दासियों पर भी उंडेलूँगा, और वे भवषियदवाणी करेंगे। और मैं ऊपर आकाश में अद्भुत काम और नीचे पृथ्वी पर चनिह दिखाऊँगा: लहू, आग और धुएँ के सूतम्भ। यहोवा के उस महान और तेजस्वी दनि के आने से पहलि सूर्य अँधेरा और चन्द्रमा लहू का हो जाएगा। और ऐसा होगा कि जो कोई यहोवा का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।

प्रेरितों के काम 2:14-21
प्रकाश सप्ताह का मंगलवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 5

उन दानियों पतरस ने लोगों से कहा: 'हे इस्राएलियों, इन वचनों को सुनो: नासरी यीशु, जो परमेश्वर द्वारा सामर्थी कामों, अद्भुत कामों और चनिहों से तुम्हारे यहाँ परमेश्वर द्वारा प्रमाणित किया गया, जनिहें परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा किया, जैसा कि तुम स्वयं जानते हो, इस मनुष्य को, परमेश्वर की ठानी हुई योजना और पूर्वज्ञान के अनुसार सौंपे जाने पर, तुमने उसे लिया और अनुचित लोगों के हाथों द्वारा सूली पर चढ़ाकर मार डाला; परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुआ में से जिला उठा, क्योंकि मृत्यु उसे अपने पास नहीं रख सकती थी। क्योंकि दाऊद उसके वषिय में कहता है: 'मैं ने प्रभु को सदा अपने सामने देखा, क्योंकि वह मेरे दाहनि हाथ में है, इसलिये मैं न डगमगाऊँगा।' इसलिये मेरा हृदय आनन्दित हुआ और मेरी जीभ उल्लासित हुई; मेरा शरीर भी आशा में वशिराम करेगा, क्योंकि आप मेरी आत्मा को अधोलोक में नहीं छोड़ेंगे, और न ही आप अपने पवतिर जन को क्षय देखने देंगे। आपने मुझे जीवन का मार्ग दिखाया है; आप मुझे अपनी उपस्थिति में पूर्ण आनंद देंगे। भाइयो! मैं अपने पूर्वज दाऊद के वषिय में तुम से निर्भय होकर बात करना चाहता हूँ; वह मर गया और दफनाया गया, और उसकी कब्र आज तक हमारे यहाँ है। अब, एक भविष्यदवक्ता होकर और यह जानते हुए कि परमेश्वर ने उससे शपथ खाई थी कि वह उसकी संतान में से मसीह को उत्पन्न करेगा और उसे उसके सहिसन पर बठाएगा, उसने मसीह के पुनरुत्थान की भविष्यवाणी की, यह कहते हुए कि उसकी आत्मा नरक में नहीं छोड़ी गई, और न ही उसका शरीर क्षय को देखने लगा। इस यीशु को परमेश्वर ने जलाया, जिसके हम सब गवाह हैं। और इस प्रकार, परमेश्वर के दाहनि हाथ पर महिमामंद किए जाने और पति से पवतिर आत्मा का वचन प्राप्त करने के बाद, उसने वही उंडेल दिया है जो तुम अब देखते और सुनते हो। क्योंकि दाऊद स्वर्ग पर नहीं चढ़ा; परन्तु वही कहता है: 'प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा: "मेरे दाहनि बैठ, जब तक मैं तेरे बैरियों को तेरे पैरों के नीचे आसन न कर दूँ।"' इसलिये इस्राएल का सारा घराना निश्चय से जाने कि जसि यीशु को तुमने सलीब पर चढ़ाया, उसे परमेश्वर ने प्रभु और मसीह दोनों ठहराया है।

प्रेरितों के काम 2:22-36
प्रकाश सप्ताह का बुधवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 6

उन दानियों में पतरस ने लोगों से कहा: 'पश्चात्ताप करो, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम पर पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा ले; और तुम पवतिर आत्मा का वरदान पाओगे। क्योंकि यह प्रतज्ञा तुम्हारे और तुम्हारे बच्चों और जतिनों को दूर है, उन सब के लिए है, जिनको यहोवा हमारा परमेश्वर बुलाएगा।' और कई अन्य वचन बोलकर उन्होंने गवाही दी और उन्हें यह कहते हुए समझाया, 'इस टेढ़ी-टंगड़ी पीढ़ी से अपना उद्धार करो।' इस प्रकार जनिहोंने उसका संदेश स्वीकार किया, वे बपतिस्मा ले गए, और उस दानि लगभग तीन हजार प्राणियों का जोड़ हुआ। और वे प्रेरितों की शिक्षा में और संगति में, रोटी तोड़ने और प्रार्थना में लगे रहे। हर एक पर भय छा गया, और यरूशलेम में प्रेरितों के द्वारा बहुत से अद्भुत काम और चनिह किए गए।

प्रेरितों के काम 2:38-43
पवतिर सप्ताह का गुरुवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 7

उस समय, पतरस और यूहन्ना प्रार्थना के नौवें घण्टे पर एक साथ मंदिर की ओर जा रहे थे। और वहाँ एक जन्म से लंगड़ा आदमी था, जिसने वे प्रतिदिन सुन्दर द्वार नामक मंदिर के द्वार पर बठा देते थे, ताकि मंदिर में प्रवेश करने वालों से भीख माँगे। जब उसने पतरस और यूहन्ना को मंदिर के द्वार पर खड़े देखा, तो उसने उनसे भीख माँगी। पतरस और यूहन्ना ने उसकी ओर घूरकर कहा, 'हमारी ओर देखो।' और वह उनकी ओर ध्यान से देखने लगा, यह सोचकर कि शायद उनसे कुछ मलि जाए। पर पतरस ने कहा, 'मेरे पास न चाँदी है और न सोना; परन्तु जो मेरे पास है, वही मैं तुझे देता हूँ: नासरी यीशु मसीह के नाम पर, उठ और चल फिर।' और उसे दाहनि हाथ से पकड़कर उसने उसे उठा दिया; और तुरन्त उसके पैर और टखने बलवन्त हो गए,

पवतिर प्रेरितों के काम

और वह कूदकर खड़ा हो गया और चलने लगा, और उनके साथ मंदिर में जाता हुआ, कूदता और परमेश्वर की स्तुति कर रहा।

प्रेरितों के काम 3:1-8
प्रकाश सप्ताह का शुक्रवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 8

जबकलिंगड़ापन से चंगा हुआ आदमी पीटर और जॉन को छोड़ना नहीं चाहता था, तो सारी भीड़, आश्चर्य से भरकर, सुलैमान के नामक बरामदे में उनकी ओर दौड़ी। यह देखकर, पतरस ने लोगों से कहा: 'हे इस्राएलियों, तुम इस पर क्यों चकति हो, या तुम हम पर ऐसे क्यों ताक रहे हो, मानो यह हमारी अपनी शक्ति या भक्ति से हुआ हो कथिह आदमी चल रहा है? अब्राहम और इसहाक और याकूब के परमेश्वर, हमारे पिता-पुरखों के परमेश्वर ने अपने पुत्र यीशु का महमिमंडन किया है, जिससे तुमने पलातुस के सामने सौंप दिया और नकार दिया, जबकविह उसे रहि करना चाहता था। परन्तु तुमने पवतिर और धर्मी को अस्वीकार किया, और एक हतयारे को छोड़ने की याचना की, जबकतुमने जीवन के कर्ता को मार डाला। परमेश्वर ने उसे मरे हुआ में से जलिया, जिनके हम गवाह हैं। और उसके नाम पर विश्वास करने के कारण, उसी के नाम ने इस मनुष्य को, जिससे तुम देखते और जानते हो, बल दिया है, और उसी में विश्वास ने तुम सबके देखते-देखते उसे यह चंगापन प्रदान किया है।

प्रेरितों के काम 3:11-16
उज्जवल सप्ताह का शनिवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 9

उस समय पतरस ने लोगों से कहा: 'पश्चाताप करो और परमेश्वर की ओर लौट आओ, ताकतुम्हारे पाप मटि जाएँ, और प्रभु की उपस्थिति से ताजगी का समय आवे, और वह यीशु मसीह को भेजे, जिससे तुम्हारे लिए नियुक्त किया गया है—जिससे स्वर्ग को तब तक ग्रहण करना था जब तक कि पुराने समय से परमेश्वर के सभी पवतिर भवषियवक्ताओं के मुख से कही गई सभी बातों का समय पूरा न हो जाए। मूसा ने पुरखों से कहा: 'प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे भाइयों में से मेरे समान एक भवषियवक्ता खड़ा करेगा; जो कुछ वह तुमसे कहे, उसे तुम सुनना; और जो कोई उस भवषियवक्ता की न सुनेगा, वह लोगों से अलग कर दिया जाएगा।' और सामुएल से आरंभ करके, जितने भी भवषियवक्ताओं ने, उन्होंने भी इन दानों के वषिय में भवषियवाणी की। तुम भवषियवक्ताओं के पुत्र और उस वाचा के वंशज हो जो परमेश्वर ने तुम्हारे पतिरों के साथ की थी, जब उसने अब्राहम से कहा, 'और तेरे वंश में पृथ्वी के सब कुल आशीष पाएंगे।' परमेश्वर ने अपने पुत्र यीशु को जला उठाया और उसे पहले तुम्हारे पास आशीष देने के लिए भेजा, ताकविह तुम में से हर एक को उसके बुरे कामों से हटा दे।

प्रेरितों के काम 3:19-26
ईस्टर के बाद दूसरे सप्ताह का सोमवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 10

जब प्रेरित लोगो से बात कर ही रहे थे, तो याजक, मंदिर के रक्षकों के अधिकारी और सदूकियों ने उनके पास आकर आपत्तजिताई कवि लोगो को सखा रहे थे और यीशु के द्वारा मरे हुआ के जी उठने का प्रचार कर रहे थे; और उन्होंने उन पर हाथ रखकर उन्हें दूसरे दिन की सुबह तक हरिसत में रख दिया, क्योंकि तब तक शाम हो चुकी थी। तथापि, जो लोग यह संदेश सुनते थे, उनमें से कई विश्वास करने लगे; और ऐसे लोगों की संख्या लगभग पाँच हजार थी। अगले दिन, उनके शासक, बुजुर्ग, लखिरी, महायाजक अनान, कैयाफा, योहन, अलेक्जेंडर और महायाजक के कुल के अन्य लोग यरूशलेम में इकट्ठा हुए; और, उन्हें बीच में खड़ा करके, उन्होंने पूछा, 'तुमने यह कसि शक्ति से या कसिके नाम पर किया है?' तब पतरस, पवतिर आत्मा से भरकर, उन से कहने लगा: 'हे लोगों के हाकमिों और इस्राएल के बुजुर्गों! यदि आज हमें एक लंगड़े आदमी के लिए कएि गए भले काम के कारण—कविह कैसे चंगा हुआ—उसका हसिाब देने के लिए बुलाया गया है, तो यह आप

पवतिर प्रेरितों के काम

सबको और पूरे इस्राएल के लोगों को मालूम हो जाए कि यह नासरत के यीशु मसीह के नाम पर हुआ, जसि तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु जसि परमेश्वर ने मरे हुआँ में से जलाया; उसी ने इस आदमी को तुम्हारे सामने चंगा करके खड़ा किया है।

प्रेरितों के काम 4:1-10
ईस्टर के बाद दूसरे सप्ताह का मंगलवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 11

उस समय, यहूदी पतरस और यूहन्ना की नरिभीकता देखकर और यह जानकर कि वे अनपढ़ और साधारण मनुष्य थे, चकति हुए; फरि भी उन्होंने यह मान लिया कि वे यीशु के साथ रहे थे। और उस मनुष्य को, जो चंगा होकर उनके साथ खड़ा था, देखकर वे कुछ भी उत्तर न दे सके। और उन्हें महासभा से निकल जाने का आदेश देकर, वे आपस में इस वषिय पर वचार करने लगे, और कहने लगे, 'हम इन लोगों का क्या करें? क्योंकि यरूशलेम में रहने वाले सबको यह ज्ञात है कि उनके द्वारा एक स्पष्ट चमत्कार किया गया है, और हम इसे नकार नहीं सकते; परन्तु, यह भय कि यह बात लोगों में और अधिक प्रचारित न हो जाए, हम उन्हें धमकी देकर चेतावनी देंगे कि वे किसी से भी इस नाम का उल्लेख न करें। और, उन्हें बुलाकर, उन्होंने उन्हें किसी भी हालत में यीशु के नाम पर बोलने या सखाने से मना कर दिया। परन्तु पतरस और यूहन्ना ने उनसे उत्तर दिया: 'तुम स्वयं नरिणय करो कि परमेश्वर के सामने यह उचित है कि हम तुम्हारी आज्ञा मानीं या परमेश्वर की। हम जो देख चुके हैं और सुन चुके हैं, उसके बारे में बोलने से खुद को रोक नहीं सकते।' फरि भी, उन्हें धमकाने के बाद, उन्होंने उन्हें जाने दिया, क्योंकि उनके कारण दंडित करने का कोई रास्ता नहीं मिला; क्योंकि जो हुआ था उसके लिए सभी परमेश्वर की महिमा कर रहे थे। क्योंकि जसि आदमी पर चंगाई का यह चमत्कार किया गया था, वह चालीस वर्ष से अधिक आयु का था।

प्रेरितों के काम 4:13-22
ईस्टर के बाद दूसरे सप्ताह का बुधवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 12

उस समय, प्रेरितों को रहिा किए जाने के बाद, वे अपने लोगों के पास गए और उन्होंने मुख्य याजकों और बुजुर्गों द्वारा उनसे कही गई बातें बताईं। जब उन्होंने यह सुना, तो उन्होंने एक स्वर में परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए अपनी आवाज उठाई और कहा: 'हे प्रभु परमेश्वर, स्वर्ग और पृथ्वी, समुद्र और उन सब की सृष्टि के कर्ता! हमारे पिता दाऊद के मुख से, आपके सेवक के द्वारा, आपने पवतिर आत्मा के द्वारा कहा: 'जात जात क्यों क्रोधित होती है, और लोग व्यर्थ क्यों षड्यंत्र करते हैं? पृथ्वी के राजा खड़े हो गए हैं, और हाकमि प्रभु और उसके मसीह के वरिद्ध इकट्ठे हुए हैं। क्योंकि वास्तव में, इस नगर में, हेरोदेस और पोंतपिस पलातुस, अन्य जातियों और इस्राएल के लोगों के साथ, आपके पवतिर पुत्र यीशु के वरिद्ध इकट्ठे हुए हैं, जसि आपने अभषिक किया था, यह करने के लिए जो कुछ भी आपके हाथ और आपकी योजना ने पहले से ही निश्चित कर रखा था। और अब, हे प्रभु, उनकी धमकियों पर दृष्टि रख, और यह अनुग्रह कर कि तेरे दास नडिर होकर तेरा वचन बोलें, जब तू अपने पवतिर पुत्र यीशु के नाम से चंगा करने और चनिह और अद्भुत काम करने के लिए अपना हाथ बढ़ाए। और जब वे प्रार्थना कर रहे थे, तो जसि स्थान में वे इकट्ठे थे, वह कांप उठा, और वे सब पवतिर आत्मा से भर गए, और परमेश्वर का वचन नरिभयता से बोलने लगे।

प्रेरितों के काम 4:23-31
ईस्टर के बाद दूसरे सप्ताह का गुरुवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 13

उन दिनों, हननयाह नामक एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी सप्फरि के साथ मलिकर एक संपत्ति बेची; और अपनी पत्नी की जानकारी में उसने बकिरी से प्राप्त धन का एक हसिसा छपा लिया, केवल एक अंश ही लेकर उसे प्रेरितों के पैरों तले रख दिया। लेकिन पतरस ने कहा, 'हननयाह! तुमने शैतान को अपने हृदय में यह वचार डालने क्यों दिया कि तुम पवतिर आत्मा से झूठ बोलो और भूमि की बकिरी से प्राप्त आय का एक हसिसा

पवतिर प्रेरितों के काम

छपा लो? क्या जो कुछ तुम्हारे पास था वह तुम्हारा नहीं था, और क्या बकिरी की आय तुम्हारे अधिकार में नहीं थी? तुमने यह वचन अपने हृदय में क्यों उत्पन्न किया? तुमने मनुष्यों से नहीं, बल्कि परमेश्वर से झूठ बोला है।' ये बातें सुनते ही अनानयिस गरि पड़ा और मर गया; और जो भी यह सुनते रहे, उन सब पर बड़ा भय छा गया। तब जवान उठे, उसे दफनाने की तैयारी की, उसे बाहर ले जाकर दफना दिया। लगभग तीन घण्टे बाद उसकी पत्नी आई, यह न जानती थी कि क्या हुआ था। तब पतरस ने उससे पूछा, 'मुझे बता, क्या यह जमीन इसी दाम में बिकी थी?' उसने उत्तर दिया, 'हाँ, इसी दाम में।' पर पतरस ने उससे कहा, 'तुम दोनों ने प्रभु की आत्मा की परीक्षा करने की क्यों ठानी? देख, जनि लोगों ने तेरे पतिको फँसाया है, वे द्वार से आ रहे हैं; और वे तुझको भी बाहर ले जाएँगे।' उसी घड़ी वह उसके पाँवों पर गरि पड़ी और प्राण छोड़ दिए। और जवान लोग जब अन्दर आए, तो उन्होंने उसे मरा हुआ पाया; और उसे उठाकर ले जाकर उसके पतिके पास दफना दिया। और सारी कलीसिया में और जतिनों ने यह सुना, उन सब पर बड़ा भय छा गया।

प्रेरितों के काम 5:1-11
ईस्टर के बाद दूसरे सप्ताह का शुक्रवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 14

उस समय प्रेरितों के हाथों से लोगों में बहुत से चनिह और अद्भुत काम होते थे; और वे सब सुलैमान के बरामदे में एक साथ रहते थे। कनि्तु कोई भी बाहरी व्यक्ति उनके साथ जुड़ने की हिम्मत नहीं करता था, परन्तु लोग उन्हें बहुत आदर की दृष्टि से देखते थे। प्रभु के अनुयाइयों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी—बहुत से पुरुष और स्त्रियाँ—इसलिए वे बीमारों को सड़कों पर ले जाकर बसितरों और चटाइयों पर लट्टा देते थे, ताकि जब पतरस निकलता, तो कम से कम उसका साया उनमें से कुछ पर पड़ जाए। आसपास के कई नगरों से भी लोग बीमारों और दुष्टात्माओं से ग्रस्त लोगों को लेकर यरूशलेम आए, और वे सब चंगे हो गए। परन्तु महायाजक और सद्की पंथ के सब लोग ईर्ष्या से भर गए; उन्होंने प्रेरितों को पकड़कर सार्वजनिक जेल में डाल दिया। परन्तु प्रभु का एक स्वरगदूत रात को जेल के द्वार खोलकर उन्हें बाहर ले आया, और कहा, 'जाओ, मंदिर में खड़े हो जाओ और लोगों को जीवन के ये सब वचन सुनाओ।'

प्रेरितों के काम 5:12-20
ईस्टर के बाद दूसरा रविवार, संत थॉमस प्रेरित

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 15

उस समय, प्रेरित सुबह मंदिर में गए और शिक्षा दे रहे थे। इस बीच, महायाजक और उसके साथी आए और सनेदरी और इस्राएल के सब वृद्धों को इकट्ठा किया, और प्रेरितों को जेल से लाने के लिए भेज दिया। पर जब अधिकारी आए, तो उन्होंने उन्हें जेल में नहीं पाया; और लौटकर उन्होंने यह रिपोर्ट दी, कि 'हमने जेल को अच्छी तरह से बंद पाया और पहरेदार द्वार पर खड़े थे; परन्तु जब हमने उसे खोला, तो भीतर कोई नहीं मिला।' जब महायाजक, रक्षक-प्रमुख और अन्य महायाजकों ने ये बातें सुनीं, तो वे इस बात को लेकर चकति हो गए कि इसका क्या मतलब हो सकता है। तब कोई आया और उन्हें यह सूचना दी, कि 'देखो, जनिहें तुमने जेल में डाला था, वे मंदिर में खड़े होकर लोगों को सिखा रहे हैं।' तब रक्षक-सेनापति अपने सपिहियों के साथ गया और उन्हें बनिा जबरदस्ती के ले आया, क्योंकि वे लोगों से डरते थे, कहीं वे उन पर पत्थर न चला दें। जब वे उन्हें भीतर ले आए, तो उन्होंने उन्हें महासभा के सामने खड़ा किया; और महायाजक ने उनसे पूछा, 'क्या हमने तुम्हें इस नाम से शिक्षा देने के लिए सख्त मनाही नहीं की थी? और फिर भी तुमने यरूशलेम को अपनी शिक्षा से भर दिया है और इस मनुष्य के लहू का दोष हम पर लाना चाहते हो।' परन्तु पतरस और प्रेरितों ने उत्तर दिया, 'हमें मनुष्यों के बजाय परमेश्वर की आज्ञा माननी चाहिए। हमारे पूर्वजों के परमेश्वर ने यीशु को जिला उठाया, जिससे तुमने एक वृक्ष पर लटकाकर मार डाला था। परमेश्वर ने उसे अपने दाहिने हाथ से प्रधान और उद्धारकर्ता बनाकर ऊँचा किया, ताकि वह इस्राएल को पश्चाताप और पापों की क्षमा दे। हम इसकी गवाही देते हैं, और पवतिर आत्मा भी, जिससे परमेश्वर ने उनकी आज्ञा मानने वालों को दिया है। यह सुनकर वे क्रोधित हो गए और उन्हें मार डालने की साजिश रचने लगे।

प्रेरितों के काम 5:21-33
ईस्टर के बाद दूसरे सप्ताह का शनिवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 16

उन दानियों में, जब चेलों की संख्या बढ़ गई, तो हेलेनसिटी की ओर से यहूदियों के विरुद्ध यह शिकायत हुई, कि उनका विधवाओं को भोजन के प्रतिदिन के वितरण में अनदेखा किया जा रहा था। तब बारहों प्रेरितों ने, चेलों की सारी मंडली को इकट्ठा करके कहा: 'मेजों पर सेवा करने के लिए परमेश्वर के वचन की उपेक्षा करना हमारे लिए उचित नहीं है। इसलिये, भाइयो, अपने बीच से सात ऐसे पुरुष चुन लो, जो प्रतिष्ठिति और पवतिर आत्मा तथा बुद्धि से परिपूर्ण हों; हम यह काम उन पर सौंप देंगे, और अपना समय प्रार्थना और वचन की सेवा में लगा देंगे।' यह प्रस्ताव सारी मंडली को भाया; और उन्होंने स्तेफन, जो विश्वास और पवतिर आत्मा से परिपूर्ण मनुष्य था, और फलिपि, और प्रोकोरस, और निकानोर, और तमोन, और पारमेनास, और अंतियखिया का निकोलस, जो अन्यजातियों में से धर्मी हुआ था, को चुन लिया; उन्हें प्रेरितों के पास लाया गया, और प्रार्थना करने के बाद, प्रेरितों ने उन पर हाथ रखा। और परमेश्वर का वचन फैलता गया, और यरूशलेम में शिष्यों की संख्या बहुत बढ़ गई; और याजकों में से भी बहुत से विश्वास के आज्ञाकार हो गए।

प्रेरितों के काम 6:1-7

ईस्टर के बाद तीसरा सप्ताह, पवतिर मुरा-वाहक सत्रियाँ

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 17

उन दानियों विश्वास और सामर्थ्य से परिपूर्ण स्तेफन लोगों के बीच बड़े-बड़े चमत्कार और अद्भुत संकेत कर रहा था। तथाकथित लबिर्टीनों, क्रेतवासियों, मसिरवासियों और कलिकिया तथा एशिया के कुछ लोगों ने स्तेफन से वाद-विवाद किया; परन्तु वे उस बुद्धि और आत्मा का सामना न कर सके, जिससे वह बोलता था। तब उन्होंने कुछ लोगों को उकसाया कि वे कहें, 'हमने उसे मूसा और परमेश्वर के विरुद्ध अपमानजनक बातें करते सुना है।' और उन्होंने लोगों, बुजुर्गों और शास्त्रियों को भड़काया; और उस पर टूट पड़े, और उसे पकड़कर महासभा के सामने ले आए। और उन्होंने झूठे गवाह खड़े किए जिन्होंने कहा, 'यह आदमी इस पवतिर स्थान और व्यवस्था के विरुद्ध अपमानजनक बातें करना बंद नहीं करता।' क्योंकि हमने उसे यह कहते सुना है कि नासरी यीशु इस स्थान को नष्ट कर देगा और उन रीति-रिवाजों को बदल देगा जो मूसा ने हमें दिए हैं।' और सनेहदरनि में बैठे सभी लोगों ने, उसे देखते हुए, देखा कि उसका चेहरा स्वर्गदूत के चेहरे जैसा था। तब महायाजक ने कहा, 'क्या यह सच है?' परन्तु उसने उत्तर दिया, 'हे पुरुषो, भाइयो और पतिवर्ग, सुनो। महमिा का परमेश्वर हमारे पिता इब्राहीम के पास मसियोपोटामिया में प्रकट हुआ, जब वह हरान जाने से पहले वहाँ रहते थे, और उनसे कहा, 'अपने देश, अपने रक्षितेदारों और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में जाओ जहाँ मैं तुझे दिखाऊँगा।' इस प्रकार वह कलदीयों के देश से निकलकर हानान में बस गया; और वहाँ से, उसके पिता के मरने के बाद, परमेश्वर ने उसे इस देश में लाया जहाँ तुम अब रहते हो। फिर भी उसने उसे वरिसत में एक पैर की तली भर भूमि भी नहीं दी; पर सोलोमन ने उसके लिए एक घर बनाया। परन्तु सर्वोच्च परमेश्वर मनुष्यों के बनाए हुए मंदिरों में नहीं रहता, जैसा कि भविष्यवक्ता कहता है: 'स्वर्ग मेरा सहिसन है, और पृथ्वी मेरा पादपीठ है।' 'तुम मेरे लिए किस प्रकार का घर बनाओगे,' प्रभु कहता है, 'या मेरे विश्राम-स्थान के लिए क्या जगह? क्या ये सब वस्तुएँ मेरे ही हाथों ने नहीं बनाई हैं?' हे दुष्ट लोगों! अनछुए दिलों और कानों वाले लोग! तुम हमेशा पवतिर आत्मा का वरिध करते हो, जैसे तुम्हारे पूर्वज करते थे, वैसे ही तुम भी करते हो। तुम्हारे पूर्वजों ने कसि भविष्यवक्ता को नहीं सताया? उन्होंने तो उन लोगों को मार डाला जिन्होंने धर्मी के आगमन की भविष्यवाणी की थी, जिनके तुम अब विश्वासघाती और हत्यारे बन गए हो—तुम जिन्होंने स्वर्गदूतों की सेवा द्वारा व्यवस्था प्राप्त की और उसे नहीं माना। यह सुनकर वे मन ही मन कटागिए और उस पर दाँत पीसे। परन्तु स्तेफन, जो पवतिर आत्मा से परिपूर्ण था, ने स्वर्ग की ओर देखकर परमेश्वर का तेज देखा और यीशु को परमेश्वर के दाहनि ओर खड़ा देखा, और कहा, 'देखो, मैं स्वर्ग को खुला हुआ देखता हूँ और मनुष्य का पुत्र परमेश्वर के दाहनि ओर खड़ा है।' परन्तु वे ऊँचे स्वर से चिल्ला उठे, और अपने कानों पर हाथ रखकर, एक स्वर होकर उस पर टूट पड़े; और उसे नगर के बाहर ले जाकर पत्थर फेंकने लगे। तथापि गवाहों ने अपने वस्त्र साऊल नामक एक जवान के पाँवों में रख दिए, और स्तेफन पर पत्थर फेंकने लगे, जो

पवतिर प्रेरितों के काम

प्रार्थना कर रहा था और कह रहा था, 'हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा ग्रहण कर।' और घुटने टेककर, वह ऊँचे स्वर से चिल्लाया, 'प्रभु, इस पाप को इनके गानों में न लखि।' और यह कहकर, वह सो गया।

प्रेरितों के काम 6:8-7:5A, 47-60
ईस्टर के बाद तीसरे सप्ताह का सोमवार।
27 दसंबर, प्रथम शहीद और आर्चडीकन स्टीफन को

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 18

उस समय फलिपि सामरिया नगर में आकर मसीह का प्रचार करने लगा। लोग एकमत होकर फलिपि की बात सुनने लगे, क्योंकि वे उसके द्वारा कए जा रहे चमत्कारों को सुन रहे थे और देख रहे थे। क्योंकि बहुत से ऐसे लोग जिनमें अशुद्ध आत्माएँ थीं, वे एक बड़े पुकार के साथ निकल गईं, और बहुत से लकवाग्रस्त तथा लंगड़े चंगे हो गए। और उस नगर में बड़ी खुशी छा गई। अब उस नगर में समीन नाम एक आदमी था, जो पहले से ही जादू-टोना करता था और सामरिया के लोगों को चकति कर देता था, तथा स्वयं को कोई महान व्यक्ति बताता था। सबसे छोटे से लेकर सबसे बड़े तक, सभी लोग उस पर ध्यान देते थे, और कहते थे, 'यह परमेश्वर की महान शक्ति है।' और वे उस पर ध्यान देते थे क्योंकि काफी समय से वह अपनी जादू-टोने से उन्हें चकति कर रहा था। लेकिन जब उन्होंने फलिपि पर विश्वास किया, जो परमेश्वर के राज्य और यीशु मसीह के नाम का सुसमाचार प्रचार कर रहा था, तो पुरुष और स्त्रियाँ दोनों बपतिस्मा ले रहे थे। समीन ने भी विश्वास किया, और बपतिस्मा ले कर फलिपि के पास से नहीं हटा; और, कए जा रहे महान चमत्कारों और संकेतों को देखकर वह चकति हो गया। यरूशलेम में प्रेरितों ने, यह सुनकर किसिमरी लोग परमेश्वर का वचन ग्रहण कर चुके हैं, पतरस और यूहन्ना को उनके पास भेज दिया; और जब वे वहाँ पहुँचे, तो उन्होंने उनके लिए प्रार्थना की, कि वे पवतिर आत्मा प्राप्त करें। क्योंकि पवतिर आत्मा उनमें से किसी पर भी अभी तक नहीं आया था; उन्होंने केवल प्रभु यीशु के नाम पर बपतिस्मा लिया था। तब उन्होंने उन पर हाथ रखा, और उन्होंने पवतिर आत्मा प्राप्त किया।

प्रेरितों के काम 8:5-17
ईस्टर के बाद तीसरे सप्ताह का मंगलवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 19

उन दिनों, समीन ने जब देखा कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवतिर आत्मा दिया जाता है, तो उसने उनके पास पैसा लाकर कहा, 'यह सामर्थ्य भी मुझे दीजिए, ताकि जिस पर मैं अपने हाथ रखूँ, वह पवतिर आत्मा प्राप्त करे।' परन्तु पतरस ने उससे कहा, 'तेरा चाँदी तेरे साथ नाश हो, क्योंकि तूने यह सोचा कि परमेश्वर का वरदान पैसे से खरीदा जा सकता है। तुम्हारा इसमें कोई भाग या हिस्सा नहीं है, क्योंकि परमेश्वर के सामने तुम्हारा हृदय ठीक नहीं है। इसलिए, अपने इस पाप से मन फरिओ, और परमेश्वर से प्रार्थना करो; शायद तुम्हारे हृदय का इरादा तुम्हारे लिए क्षमा कर दिया जाए; क्योंकि मैं देखता हूँ कि तुम कटु कड़वाहट और अधर्म से बँधे हुए हो। समीन ने उत्तर दिया, 'मेरे लिए प्रभु से प्रार्थना करो, कि तुम्हारा कहा हुआ मुझ पर कुछ भी न पड़े।' गवाही देने और प्रभु का वचन प्रचार करने के बाद, वे यरूशलेम लौट गए और सामरिया के कई गांवों में सुसमाचार का प्रचार किया।

प्रेरितों के काम 8:18-25
ईस्टर के बाद तीसरे सप्ताह का बुधवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 20

उन दिनों प्रभु के स्वर्गदूत ने फलिपि से कहा, 'उठ, और यरूशलेम से गाजा तक जानेवाले सुनसान मार्ग पर दक्षिण की ओर जा।' सो वह उठकर गया। और देखो, एक इथियोपियाई आदमी, एक नपुंसक, इथियोपिया की रानी कैन्डैस का एक उच्च अधिकारी और उसके सारे खजाने का रखवाला, जो पूजा करने के लिए यरूशलेम आया था, लौट रहा था; और अपने रथ में बैठा हुआ भविष्यवक्ता यशायाह को पढ़ रहा था। आत्मा ने फलिपि से कहा, 'पास जा और इस रथ के बराबर-बराबर चल।' फलिपि पास गया और यह सुनकर कि वह भविष्यवक्ता यशायाह को पढ़ रहा है, उसने पूछा, 'क्या तू समझता है जो तू पढ़ रहा है?' उसने उत्तर दिया, 'कोई मुझे समझाए

बना मैं कैसे समझ सकता हूँ?' और उसने फलिपि से आकर उसके साथ बैठने का अनुरोध किया। अब वह जो धर्मग्रंथ का अंश पढ़ रहा था, वह यह था: 'वह एक भेड़ की तरह वध के लिए ले जाया गया; और जैसे एक मेमना अपने ऊन काटने वाले के सामने चुप रहता है, वैसे ही उसने अपना मुँह नहीं खोला।' उसकी नीचता में उसका न्याय किया गया। परन्तु उसकी पीढ़ी का वर्णन कौन कर सकता है? क्योंकि उसका जीवन पृथ्वी से लिया गया है।' उस नपुंसक ने फलिपि से कहा, 'मैं तुझ से वनिती करता हूँ, मुझे बता: भविष्यवक्ता किस के वषिय में कहता है? अपने वषिय में, या किसी और के?' फलिपि ने अपना मुँह खोलकर, इस धर्मग्रंथ के इस अंश से आरम्भ करके, उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया। इस बीच, जब वे अपनी यात्रा जारी रखे हुए आगे बढ़ रहे थे, तो वे कुछ पानी के पास पहुँचे; और उस नपुंसक ने कहा, 'देखो, यहाँ पानी है; मुझे बपतस्मा लेने से कौन रोकता है?' फलिपि ने उत्तर दिया, 'यदि तुम पूरे हृदय से विश्वास करते हो, तो (ले सकता है)।' उसने उत्तर दिया, 'मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है।' और उसने रथ को रोकने का आदेश दिया, और फलिपि तथा द्रोण दोनों पानी में उतर गए, और फलिपि ने उसे बपतस्मा दिया। जब वे पानी से ऊपर आए, तो पवतिर आत्मा द्रोण पर उतरा, परन्तु प्रभु का एक स्वर्गदूत फलिपि को उठा ले गया, और द्रोण ने उसे फरि कभी नहीं देखा, और वह आनंदति होकर अपने मार्ग पर चला गया।

प्रेरितों के काम 8:26-39
ईस्टर के बाद तीसरे सप्ताह का गुरुवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 21A

उन दानों फलिपि अजोटस में पहुँचा, और उस प्रदेश से होकर वह सब नगरों में सुसमाचार का प्रचार करता हुआ केसरिया तक गया। तथापि साऊल, जो प्रभु के शिष्यों के वरिद्ध धर्मकी और हत्या की साँसें ले रहा था, महापुजारी के पास गया और उससे दमशिक में यहूदी सभा-घरों के लिए पत्र माँगे, ताकि यदि विह इस शक्ति का अनुसरण करने वाले किसी भी पुरुष या सूत्री को पाए, तो उन्हें बंद करके यरूशलेम ले आ सके। परन्तु जब वह यात्रा करते हुए दमशिक के समीप पहुँचा, तो अचानक स्वर्ग से एक ज्योति उसके चारों ओर चमक उठी। वह भूमिपर गिर पड़ा और उसने एक स्वर सुना जो उससे कह रहा था, 'हे साऊल, साऊल! तू मुझे क्यों सताता है?' उसने कहा, 'हे प्रभु, आप कौन हैं?' और प्रभु ने कहा, 'मैं यीशु हूँ, जसि तू सताता है।' 'काँटों में पैर पटकना तेरे लिए कठिन है।' भय से काँपता हुआ, उसने पूछा, 'प्रभु, आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?' और प्रभु ने उससे कहा, 'उठ और नगर में जा, वहाँ तुझसे कहा जाएगा कि तुझे क्या करना है।' उसके साथ यात्रा कर रहे पुरुष वहाँ खड़े रह गए, आवाज तो सुनते रहे पर किसी को नहीं देख सके। साऊल जमीन से उठ खड़ा हुआ, परन्तु उसकी आँखें खुलने के बावजूद वह किसी को नहीं देख सकता था। इसलिए उन्होंने उसे हाथ से पकड़कर दमशिक में ले गए। तीन दिन तक वह न देख सका, न कुछ खाया-पिया। दमशिक में अननयिस नाम का एक चेला था; और प्रभु ने एक दर्शन में उससे कहा, 'अननयिस!' उसने उत्तर दिया, 'प्रभु, मैं यहाँ हूँ।' प्रभु ने उससे कहा, 'उठ, सीधी नामक गली में जा, और हूदा के घर पर तरस के साऊल नामक मनुष्य के वषिय में पूछ; वह अब प्रार्थना कर रहा है, और उसने एक दर्शन में अननयिस नामक मनुष्य को अपने पास आकर अपने हाथ उस पर रखने का देखा है, ताकि उसकी दृष्टि फिर आ जाए।' अननयिस ने उत्तर दिया, 'प्रभु, मैंने बहुतों से इस मनुष्य के वषिय में सुना है, कि उसने यरूशलेम में आपकी पवतिर जनों को कतिना कष्ट पहुँचाया है; और यहाँ भी उसे महापुजारियों से अधिकार मिला हुआ है कि विह आपके नाम का आह्वान करनेवाले सबको बंद कर दे।' परन्तु प्रभु ने उससे कहा, 'जा, क्योंकि विह मेरी चुनी हुई पात्र है, जो मेरी महिमा अन्य जातियों और राजाओं और इस्राएल के बेटों के सामने प्रचार करेगा। और मैं उसे यह दिखाऊँगा कि उसे मेरे नाम के कारण कतिनी पीड़ा सहनी होगी।' हनन्याह गया और घर में प्रवेश किया; और उस पर हाथ रखकर उसने कहा, 'भाई साऊल! प्रभु यीशु, जो तुम्हें रास्ते में दिखाई दिए जब तुम यात्रा कर रहे थे, ने मुझे भेजा है, ताकि तुम्हारी दृष्टि फिर से आ जाए और तुम पवतिर आत्मा से भर जाओ।' और तुरंत ऐसा हुआ कि मानो उसकी आँखों से पर्दा उठ गया, और वह फिर से देख सका; और वह उठ खड़ा हुआ, बपतस्मा लिया, और कुछ खाने-पीने से उसकी ताकत लौट आई।

प्रेरितों के काम 8:40-9:19
ईस्टर के बाद तीसरे सप्ताह का शुक्रवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 21ख

उन दनों दमशिक में अनानयिस नाम का एक चेला था; और प्रभु ने एक दर्शन में उससे कहा, 'अनानयिस!' उसने उत्तर दिया, 'मैं हाज़िर हूँ हे प्रभु।' प्रभु ने उससे कहा, 'उठ, सीधी नामक गली में जा, और हूदस के घर पर तरस के साऊल नामक एक मनुष्य के वषिय में पूछ; वह इस समय प्रार्थना कर रहा है, और उसने एक दर्शन में हनन्याह नामक एक मनुष्य को अपने पास आकर अपने हाथ उस पर रखने का देखा है, ताकि वह अपनी दृष्टि फिर से पा ले।' अनानयिस ने उत्तर दिया, 'प्रभु, मैंने बहुतों से इस मनुष्य के वषिय में सुना है, कि उसने यरूशलेम में आपके पवतिर जनो को कतिना हानि पहुँचाई है; और यहाँ भी उसे महापुजारियों से अधिकार मिला हुआ है कि वह आपके नाम का आह्वान करनेवाले सबको बंद कर दे।' परन्तु प्रभु ने उससे कहा, 'जा, क्योंकि वह मेरी चुनी हुई पात्र है, जो मेरी महिमा अन्यजातियों और राजाओं और इस्राएल के पुत्रों के सामने करेगा। और मैं उसे यह दिखाऊँगा कि उसे मेरे नाम के कारण कतिनी पीड़ा सहनी होगी।' हनन्याह गया और घर में प्रवेश किया; और उस पर हाथ रखकर कहने लगा, 'भाई साऊल! प्रभु यीशु, जो तुम्हें रास्ते में दिखाई दिए जब तुम यात्रा कर रहे थे, ने मुझे भेजा है ताकि तुम्हारी दृष्टि फिर से आ जाए और तुम पवतिर आत्मा से भर जाओ।' और तुरंत ऐसा हुआ जैसे उसकी आँखों से पर्दा उठ गया हो, और वह फिर से देख सका; और वह उठ खड़ा हुआ, बपतस्मा लिया, और कुछ खा-पीकर अपनी ताकत फिर से पा ली।

प्रेरितों के काम 9:10-19
1 अक्टूबर, संत अनानयिस प्रेरित

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 22

उन दनों में, साऊल ने दमशिक में शिष्यों के साथ कई दिन बताए। और तुरंत ही उसने यहूदी सभाघरों में यीशु के वषिय में प्रचार करना आरंभ किया, कि वह परमेश्वर का पुत्र है। जो भी उसे सुनते थे, वे चकति हो उठे और कहने लगे, 'क्या यह वही आदमी नहीं है जिसने यरूशलेम में इस नाम के पुकारने वालों को सताया था? और क्या वह इसी उद्देश्य से यहाँ नहीं आया था कि उन्हें गरिफ्तार करके मुख्य याजकों के पास ले जाए?' पर साऊल और अधिक बलवान होता गया, और इस बात को सिद्ध करके कि यह मसीहा है, दमशिक में रहने वाले यहूदियों को नरित्तर कर दिया। कुछ समय बीत जाने के बाद, यहूदियों ने उसे मारने की साजिश रची। लेकिन साऊल को उनकी योजना की खबर मलि गई। और वे उसे मारने के इरादे से दिन-रात द्वारों पर पहरा देते रहे। परन्तु चले उसे रात में ले गए और एक टोकरी में बठाकर दीवार से नीचे उतार दिया। साऊल यरूशलेम पहुँचा और चेलों के साथ मलिना चाहा; परन्तु वे सब उससे डरते थे और विश्वास नहीं करते थे कि वह चेला है। परन्तु बरनबाह उसे साथ ले जाकर प्रेरितों के पास ले गया, और उन्हें बताया कि उसने मार्ग में प्रभु को कैसे देखा था, और प्रभु ने उससे क्या कहा था, और उसने दमशिक में नडिर होकर यीशु के नाम का प्रचार कैसे किया था। और वह उनके साथ रहा, यरूशलेम में आ-जा करता रहा, और प्रभु यीशु के नाम में नरिभयता से प्रचार करता रहा। वह हेलेनसिंटों से भी बातें करता और बहस करता था; परन्तु वे उसे मार डालना चाहते थे। जब भाइयों को यह पता चला, तो उन्होंने उसे कैसरिया भेज दिया और वहाँ से तरस्ये भेज दिया। परन्तु यहूदिया, गलील और सामरीया के सभ चर्चों में शान्ति थी; वे दृढ़ होते जाते थे और प्रभु के भय में चलते थे; और पवतिर आत्मा से सांत्वना पाकर उनकी संख्या बढ़ती गई।

प्रेरितों के काम 9:19ख-31
ईस्टर के बाद तीसरे सप्ताह का शनिवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 23

उन दनों में, जब पतरस घूम रहा था, तो वह लूद में रहने वाले पवतिर लोगों के पास आया। वहाँ उसे एनेया नाम का एक आदमी मिला, जो आठ साल से पक्षाघात के कारण अपंग था और बसितर पर पड़ा था। पतरस ने उससे कहा, 'एनेया, यीशु मसीह तुम्हें चंगा करता है; उठ, अपना बसितर उठा।' और वह उसी घड़ी उठ गया। और लूद और शारोन में रहने वालों ने सब ने उसे देखा, और वे प्रभु की ओर फेर गए। यॉप्पा में ताबिथा नाम की एक शिष्या थी, जिसका अर्थ है 'हरणि'; वह भले कामों और गरीबों को उदारता से दान देने से परिपूर्ण थी। संयोग से उन दनों वह बीमार पड़कर मर गई। उन्होंने उसके शरीर को धोकर ऊपरी कमरे में रख दिया। अब

पवतिर प्रेरितों के काम

लूददा योपपा के पास था, इसलिए जब चेलों ने सुना कि पतरस वहाँ है, तो उन्होंने उसके पास दो आदमी भेजे और उससे वनिती की कविह उनके पास आने में देरी न करे। पतरस उठकर उनके साथ गया; और जब वह पहुँचा, तो उन्होंने उसे ऊपरी कमरे में ले जाकर सब वधिवाएँ उसके सामने रोती हुई खड़ी रहीं और दिखा रही थीं कि सिरना ने उनके साथ रहते हुए कैसे-कैसे वस्त्र और अंगरखे बनाए थे। पतरस ने सबको बाहर भेज दिया, घुटने टेककर प्रार्थना की, और शरीर की ओर मुड़कर कहा, 'तबिता, उठ।' और उसने अपनी आँखें खोलीं, और पतरस को देखकर उठ बैठी। उसने उसका हाथ पकड़कर उसे खड़ा किया; फिर, पवतिर लोगों और वधिवाओं को बुलाकर, उसे जीवति उनके सामने पेश किया। यह बात योपपा में सर्वत्र फैल गई, और बहुत से लोग प्रभु पर विश्वास करने लगे।

प्रेरितों के काम 9:32-42

ईस्टर के बाद चौथा सप्ताह, लकवाग्रस्त व्यक्ति के वधिय में

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 24

उन दिनों में, केसरिया में एक आदमी था जिसका नाम कोर्नेलियस था, जो इतालवी कोहोर्ट का एक शतपति था। वह एक धर्मपरायण व्यक्ति था जो परमेश्वर का भय मानता था, और उसका सारा घर भी ऐसा ही करता था। वह लोगों को उदारतापूर्वक दान देता था और नियमति रूप से परमेश्वर से प्रार्थना करता था। दिनि के लगभग नौवें घंटे पर, उसने एक दर्शन में परमेश्वर के एक स्वर्गदूत को साफ-साफ देखा जो उसके पास आया और कहा, 'कोर्नेलियस!' उसने भय से उसकी ओर देखकर कहा, 'प्रभु, क्या है?' स्वर्गदूत ने उत्तर दिया, 'तेरी प्रार्थनाएँ और दान-पुण्य परमेश्वर के सामने स्मरण किए गए हैं। अब योपपा भेजो और हवार्न को बुलाओ, जिससे पतरस भी कहते हैं। वह एक चमड़ा रंगने वाले शमिोन के यहाँ ठहरा है, जिसका घर समुद्र के किनारे है; वह तुम्हें और तुम्हारे पूरे घराने को बचाने के लिए वचन बताएगा।' जब कोर्नेलियस से बात करने वाला स्वर्गदूत चला गया, तो उसने अपने दो सेवकों और अपने साथ रहने वालों में से एक धर्मनष्टि सैनिक को बुलाया; और, उन्हें सब कुछ बताकर, उन्हें योपा भेज दिया। अगले दिनि, जब वे यात्रा करते हुए नगर के पास पहुँचे, तो पतरस प्रार्थना करने के लिए लगभग छठे घंटे पर घर की ऊपरी मंजलि पर गया। उसे भूख लगी और उसने कुछ खाने के लिए चाहा। जब वे भोजन की तैयारी कर रहे थे, तो वह आत्म-समार्थ में पड़ गया और उसने स्वर्ग खुलते हुए देखा और एक पात्र, जो एक बड़े चादर की तरह था, चारों कोनों से बँधा हुआ और धरती की ओर उतरता हुआ, उसके पास आ रहा था; उसमें पृथ्वी के सभी प्रकार के चार-पाँव वाले जीव, जंगली जानवर, रेंगने वाले जीव और आकाश के पक्षी थे। और एक स्वर ने उससे कहा, 'उठ, पतरस; मारकर खा।' पर पतरस ने कहा, 'कदापि नहीं, हे प्रभु; क्योंकि मैं ने कभी भी कोई अशुद्ध या साधारण वस्तु नहीं खाई।' फिर उस स्वर ने दूसरी बार उससे कहा, 'जिस परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है, उसे अशुद्ध मत कह।' यह तीन बार हुआ; और वह पात्र फिर स्वर्ग में उठा लिया गया।

प्रेरितों के काम 10:1-16

ईस्टर के बाद चौथे सप्ताह का सोमवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 25

उस समय, पतरस उन मनुष्यों के पास गया जो कोर्नेलियस ने उसके पास भेजे थे और कहा, 'मैं वही हूँ जिससे तुम ढूँढ़ रहे हो; तुम किस काम से आए हो?' उन्होंने उत्तर दिया, 'सैन्तुरयिन कोर्नेलियस, जो एक धर्मनष्टि और परमेश्वर का भय मानने वाला मनुष्य है, और जो यहूदी प्रजा के सब में आदरणीय है, उसे एक पवतिर स्वर्गदूत द्वारा आज्ञा दी गई थी कि वह तुम्हें अपने घर बुलाए और तुम्हारी बातें सुने।' तब पतरस ने उन्हें भीतर बुलाकर ठहराया। दूसरे दिनि, उठकर वह उनके साथ चल दिया, और योपपा के कुछ भाइयों ने भी उसके साथ यात्रा की। अगले दिनि वे केसरिया पहुँचे। कोर्नेलियस अपने रशितेदारों और घनष्टि मतिरों को इकट्ठा करके उनका इंतजार कर रहा था। जब पतरस भीतर आया, तो कोर्नेलियस उसके पास आकर उसके पैरों पर गिरकर उसे प्रणाम किया। पर पतरस ने उसे उठाते हुए कहा, 'खड़ा हो, मैं भी केवल एक मनुष्य हूँ।' और उससे बात करते हुए वह घर के भीतर गया और वहाँ बहुत से लोगों को इकट्ठा पाया। और उसने उनसे कहा, 'तुम जानते हो कि यह यहूदी के लिए अनुचित है कि वह किसी परदेशी के साथ मेलजोल करे

पवतिर प्रेरितों के काम

या उसके पास जाए; परन्तु परमेश्वर ने मुझे प्रकट किया है कि मुझे किसी मनुष्य को अशुद्ध या अस्वच्छ न कहना चाहिए। इसलिए, जब मुझे बुलाया गया, तो मैं बनिा किसी हचिकचाहट के आ गया। 'इसलिए मैं पूछता हूँ: आपने मुझे क्यों बुलवाया है?' कोर्नेलियस ने उत्तर दिया, 'चार दिन पहले मैं इसी घड़ी तक उपवास कर रहा था, और नौवें घंटे में मैं अपने घर में प्रार्थना कर रहा था, जब अचानक एक तेज-रौशनी वाले वस्त्रों में एक मनुष्य मेरे सामने खड़ा हुआ और कहा, "कोर्नेलियस! तेरी प्रार्थना सुनी गई है, और तेरे दान परमेश्वर के सामने स्मरण किए गए हैं।" 'इसलिए जोपा जाओ और शमिोन, जिसै पतरस भी कहते हैं, को बुलाओ; वह समुद्र के किनारे चमड़ा रंगाने वाले शमिोन के घर में ठहरा है; वह आएगा और तुम्हें बताएगा।' मैंने तुम्हें तुरंत ही बुलाया, और तुम आकर अच्छा किया। अब हम सब परमेश्वर के सामने हैं, यह सुनने के लिए कि परमेश्वर ने तुम्हें क्या आज्ञा दी है।

प्रेरितों के काम 10:21-33
ईस्टर के बाद चौथे सप्ताह का मंगलवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 26

उस समय पतरस ने अपना मुँह खोलकर कहा, 'मैं सचमुच समझ गया हूँ कि परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता, परन्तु हर जाति में जो कोई उससे डरता है और जो कुछ ठीक है, वही करता है, वह उसे ग्रहण करता है। उसने इस्राएल के लोगों के पास एक संदेश भेजा, जिसमें यीशु मसीह के द्वारा शान्ति का प्रचार किया गया; वही सबका प्रभु है। आप जानते हैं कि यहून्ना द्वारा प्रचारित बपतिस्मा के बाद, गलील से शुरू होकर यहूदिया में जो कुछ हुआ: कि परमेश्वर ने नासरी यीशु को पवतिर आत्मा और सामर्थ्य से कैसे अभिषिक्त किया, और कि वह भलाई करते और शैतान द्वारा उत्पीड़ित सभी को चंगा करते हुए कैसे घूमते रहे, क्योंकि परमेश्वर उनके साथ थे। और हम यहूदियों के देश और यरूशलेम में जो कुछ उसने किया, उसके सब गवाह हैं, और उन्होंने उसे आखिरकार एक वृक्ष पर लटकाकर मार डाला। परमेश्वर ने उसे तीसरे दिन मरे हुए में से जलाया, और उसे सब लोगों के सामने नहीं, बल्कि परमेश्वर द्वारा चुने हुए गवाहों के सामने प्रगट होने दिया—हमारे सामने, जिन्होंने मरे हुए में से उसके जी उठने के बाद उसके साथ खाया और पिया। और उसने हमें आज्ञा दी कि हम लोगों से प्रचार करें और गवाही दें कि वही परमेश्वर द्वारा नियुक्त जीवितों और मरे हुएों का न्यायी है। सभी भविष्यवक्ताओं उसकी गवाही देते हैं कि जो कोई उस पर विश्वास करता है, वह उसके नाम से पापों की क्षमा पाएगा।

प्रेरितों के काम 10:34-43
ईस्टर के बाद चौथे सप्ताह का गुरुवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 27

जब पतरस अभी भी बोल ही रहा था, कि जो वचन सुन रहे थे उन सब पर पवतिर आत्मा आया। और पतरस के साथ आए खतना किए हुए विश्वासियों में से लोग यह देखकर चकित रह गए कि पवतिर आत्मा का वरदान तो अन्यजातियों पर भी उंडेल दिया गया है, क्योंकि वे उन्हें अन्य-अन्य भाषाओं में बोलते और परमेश्वर की स्तुति करते सुन रहे थे। तब पतरस ने कहा, 'ये लोग जो हमारे ही समान पवतिर आत्मा प्राप्त कर चुके हैं, उन्हें पानी से बपतिस्मा लेने से कौन रोक सकता है?' और उसने आज्ञा दी कि उन्हें यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा दिया जाए। इसके बाद, उन्होंने उससे कुछ दिन उनके साथ ठहरने का अनुरोध किया। प्रेरितों और यहूदिया में रहने वाले भाइयों ने सुना कि अन्यजातियों ने भी परमेश्वर का वचन ग्रहण किया है। और जब पतरस यरूशलेम आया, तो खतना किए हुए विश्वासियों ने उसकी नदिा करते हुए कहा, 'तू खतना न किए हुए लोगों के पास गया और उनके साथ भोजन किया।' पर पतरस ने उन्हें क्रम से यह बात समझाना आरंभ किया, 'मैं योप्पा नगर में प्रार्थना कर रहा था, और समाधि में मुझे एक दर्शन हुआ: एक पात्र, जो एक बड़े चादर के समान था, स्वर्ग से अपनी चारों कोनों से लटका हुआ देखा गया, और वह मेरे पास आ गया। मैंने उसमें झाँका और जब मैं गौर कर रहा था, तो मैंने पृथ्वी के चार-पाँव वाले जानवर, जंगली जानवर, रेंगने वाले जीव और आकाश के पक्षी देखे। और मैंने एक आवाज सुनी जो मुझसे कह रही थी, 'उठ, पतरस; मारकर खा।' लेकिन मैंने कहा, 'कदापि नहीं, हे प्रभु, क्योंकि कोई अशुद्ध या मैला पदार्थ मेरे मुँह में कभी नहीं आया।' और स्वर्ग

पवतिर प्रेरितों के काम

से दूसरी बार उस स्वर ने मुझसे कहा, 'जसिको परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है, उसे अशुद्ध न कह।' यह तीन बार हुआ, और फरि सब कुछ स्वर्ग में उठा लिया गया।

प्रेरितों के काम 10:44-11:10
ईस्टर के बाद चौथे सप्ताह का शुक्रवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 28

उन दानियों, स्तेफन के बाद उत्पन्न हुए उत्पीड़न से भटककर शिष्य फनिसिया, साइप्रस और अंतीयकिया तक पहुँचे, और यहूदियों के सवा कसी और को वचन का प्रचार नहीं किया। अब उनमें से कुछ साइप्रस और करिनियीय थे; और जब वे अंतीयकिया आए, तो उन्होंने यूनानियों से बात की, प्रभु यीशु की घोषणा करते हुए। और प्रभु का हाथ उन पर था, और बहुत से लोग विश्वास करके प्रभु की ओर मुड़े। यह समाचार यरूशलेम में मंडली तक पहुँचा, और उन्होंने बरनबास को अंतीयकिया भेजा। जब वह वहाँ पहुँचा और परमेश्वर की कृपा देखकर, वह आनन्दित हुआ और सबको प्रोत्साहित किया कि वे एक सच्चे हृदय से प्रभु के प्रतिनिष्ठितान रहें; क्योंकि वह एक भला मनुष्य था, जो पवतिर आत्मा और विश्वास से भरपूर था। और प्रभु के पास बहुत से लोग जुड़ गए। तब बरनबास सौलस को खोजने के लिए तर्क्य गया; और जब उसे पाकर, वह उसे अन्तयोकिया ले आया। वे एक पूरे वर्ष तक मंडली में इकट्ठा होते रहे और बहुत से लोगों को सिखाते रहे, और एंटीओक में ही शिष्यों को पहली बार 'ईसाई' कहा जाने लगा। फरि शिष्यों ने यह नरिणय लिया कि वे अपनी-अपनी सामर्थ्य के अनुसार यहूदिया में रहने वाले भाइयों के लिए सहायता भेजें, और उन्होंने ऐसा ही किया; उन्होंने जो कुछ इकट्ठा किया था, उसे बरनबास और सऊल के द्वारा बुजुर्गों के पास भेज दिया।

प्रेरितों के काम 11:19-26; 29-30
ईस्टर के बाद का पाँचवाँ सप्ताह, सामरी स्त्री के वषिय में

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 29

उन दानियों राजा हेरोदेस ने कलीसिया के कुछ लोगों पर हाथ डाला कि उन्हें हानि पहुँचाए, और यूहन्ना के भाई याकूब को तलवार से मार डाला। यह देखकर कडिससे यहूदियों को प्रसन्नता हुई, उसने पतरस को भी गरिफ्तार कर लिया – क्योंकि यह अखमीरा रोटी का पर्व था – और उसे हरिसत में लेकर जेल में डाल दिया, और चार दस्तों सैनिकों को उसकी रखवाली के लिए नियुक्त किया, यह इरादा करके कि वह उसे फसह के बाद लोगों के सामने लाएगा। इस प्रकार पतरस जेल में पहरा दे रहे थे, जबकि कलीसिया उसकी खातरि परमेश्वर से मन लगाकर प्रार्थना कर रही थी। जब हेरोद उसे बाहर लाने ही वाला था, उसी रात पतरस दो सपिहियों के बीच सो रहे थे, दो बेड़ियों से बँधे हुए, और पहरेदार जेल के द्वार पर पहरा दे रहे थे। और देखो, प्रभु का एक स्वर्गदूत प्रकट हुआ, और जेल में प्रकाश से भर गया। स्वर्गदूत ने पतरस को बगल में ठोकर मारकर जगाया और कहा, 'जल्दी उठ।' और उसके हाथों से बेड़ियाँ उतर गईं। स्वर्गदूत ने उससे कहा, 'अपना कमरबंद कस और अपने जूते पहनि।' उसने वैसा ही किया। फरि स्वर्गदूत ने उससे कहा, 'अपना ओढ़ना ओढ़ और मेरे पीछे-पीछे चल।' पतरस बाहर निकलकर उसका अनुसरण करने लगा, यह न समझते हुए कि जो स्वर्गदूत कर रहा था वह सचमुच हो रहा था, बल्कि उसे लगा कि वह एक दर्शन देख रहा है। पहले और दूसरे पहरेदारों के पास से गुजरने के बाद, वे शहर में जाने वाले लोहे के फाटक पर पहुँचे, जो अपने आप उनके लिए खुल गया; वे बाहर निकले, एक गली में चले और अचानक स्वर्गदूत उसके साथ नहीं रहा। तब पतरस होश में आकर बोला, 'अब मुझे सचमुच पता चल गया है कि प्रभु ने अपना स्वर्गदूत भेजा और मुझे हेरोद के हाथ से और यहूदी लोगों की सारी अपेक्षाओं से बचा लिया।'।

प्रेरितों के काम 12:1-11
ईस्टर के बाद चौथे सप्ताह का शनिवार।
23 अप्रैल, महान शहीद सेंट जॉर्ज।
30 अप्रैल, संत याकूब प्रेरित, जेबेदी के पुत्र

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 30

उस समय, पतरस ने चारों ओर देखकर यूहन्ना के नाम की माँ मरयिम के घर पर पहुँचा, जसि मरकुस कहा जाता था, जहाँ बहुत से लोग इकट्ठा हुए थे और प्रार्थना कर रहे थे। जब पतरस ने द्वार पर दस्तक दी, तो रोदा नाम की एक दासी सुनने के लिए बाहर आई; और, पतरस की आवाज़ पहचानकर, वह इतनी प्रसन्न हुई कि उसने द्वार नहीं खोला, बल्कि दौड़कर अंदर गई और बताया कि पतरस द्वार पर खड़े हैं। उन्होंने उससे कहा, 'क्या तुम्हें होश है?' लेकिन उसने जोर देकर कहा कि विही है। उन्होंने कहा, 'यह उसका स्वर्गदूत है।' इस बीच, पतरस द्वार पर खटखटाता रहा। जब उन्होंने द्वार खोला, तो उन्होंने उसे देखकर अचंभित हो गए। परन्तु उसने उन्हें चुप रहने का इशारा किया, और उन्हें बताया कि प्रभु ने उसे कैदखाने से कैसे बाहर निकाला था, और कहा, 'यह बात याकूब और भाइयों को बता देना।' फिर, बाहर निकलकर, वह किसी और जगह चला गया।

प्रेरितों के काम 12:12-17
ईस्टर के बाद के पाँचवें सप्ताह का सोमवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 31

उन दानियों, बरनबास और साउल, अपना काम पूरा करके, यरूशलेम से (अंत्यिक) लौटे, और अपने साथ यूहन्ना, जसि मरकुस भी कहते हैं, को भी ले आए। अंत्यिकिया में, वहाँ की कलीसिया में कुछ भवषियदवक्ता और शक्तिशाली थे: बरनबास, समीओन (जसि नीगर कहा जाता था), क्रेते का लूक्युस, मनाहेन (जो हेरोदेस टेट्रार्क के साथ पला-बढ़ा था), और साउल। जब वे प्रभु की सेवा कर रहे थे और उपवास कर रहे थे, पवतिर आत्मा ने कहा, 'बरनबास और सौल को उस काम के लिए मेरे पास अलग कर दो, जसिके लिए मैंने उन्हें बुलाया है।' तब, उपवास और प्रार्थना करने के बाद, उन्होंने उन पर हाथ रखा और उन्हें भेज दिया। ये पुरुष, पवतिर आत्मा द्वारा भेजे गए, सेलेucia गए, और वहाँ से साइप्रस के लिए नौका से रवाना हुए; और, सलामिस में रहते हुए, उन्होंने यहूदी सभा-घरों में परमेश्वर का वचन प्रचार किया; उनके साथ यूहन्ना भी सेवा में सहायता करने के लिए था। द्वीप के सरि तक, यानी पफोस तक यात्रा करने के बाद, उन्होंने बार्-येसू नाम का एक यहूदी जादूगर और झूठा नबी पाया, जो समझदार प्रान्तपाल सेरगीयस पॉलुस के साथ था। उसने बरनबास और सौल को बुलाया, क्योंकि वह परमेश्वर का वचन सुनना चाहता था। पर जादूगर एलमिस (क्योंकि उसका नाम इसका ही अर्थ है) ने उनका वरिध किया और राज्यपाल को विश्वास से फेरने की कोशिश की। परन्तु साउल, जसि पौलुस भी कहा जाता है, पवतिर आत्मा से भरकर, उस पर अपनी दृष्टि टिकाकर कहने लगा: 'हे सब छल और सब दुष्टता से भरे मनुष्य, हे शैतान के पुत्र, हे सब धार्मिकता के शत्रु! क्या तू प्रभु के सीधे मार्ग से लोगों को भटकाना बंद नहीं करेगा? और अब, देख, प्रभु का हाथ तुझ पर है: तू कुछ समय के लिए अंधा हो जाएगा और सूर्य का प्रकाश न देखेगा।' और अचानक उस पर अंधेरा और धुंध छा गई, और वह इधर-उधर टटोलता हुआ किसी से हाथ पकड़कर ले जाने के लिए खोजने लगा। तब उस उपराज्यपाल ने जो हुआ था, उसे देखकर विश्वास किया, और प्रभु की शिक्षा पर चकति हुआ।

प्रेरितों के काम 12:25-13:12
ईस्टर के बाद के पाँचवें सप्ताह का मंगलवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 32

उन दानियों पफोस से नौकायन करके पौलुस और उसके साथी पम्फुलीया के परस में पहुँचे। परन्तु यूहन्ना उनसे अलग होकर यरूशलेम लौट गया। वे परस से आगे बढ़कर पसीदिया के अन्त्यिकिया में पहुँचे और सबत के दिन यहूदी सभाघर में जाकर बैठ गए। व्यवस्था और भवषियदवक्ताओं के पढ़ने के बाद, सभा के अगुवों ने उन्हें यह संदेश भेजा: 'भाइयो, यदि तुम्हारे पास लोगों के लिए कोई शिक्षा का वचन है, तो कृपया बोलो।' पौलुस खड़ा हुआ, उसने अपने हाथ से इशारा किया, और कहा: 'हे इस्राएल के लोगों और हे परमेश्वर के भय मानने वालों, सुनो। ईश्वर ने इस लोगों में से हमारे पूर्वजों को चुन लिया और मसिर की भूमि में रहते हुए उन्हें एक महान राष्ट्र बनाया; और एक प्रबल हाथ से उन्हें वहाँ से बाहर निकाला, और लगभग चालीस वर्ष तक उन्हें जंगल में खलियाया। और, कनान देश में सात जातियों को नष्ट करने के बाद, उसने उनकी भूमि को उनके

पवतिर प्रेरितों के काम

बीच वरिसत के रूप में बाँट दिया। और उसके बाद, लगभग चार सौ पचास वर्षों तक, उसने उन्हें भवषियवक्ता शमूएल के समय तक न्यायाधीश दिए। तब उन्होंने एक राजा माँगा, और परमेश्वर ने उन्हें कशि के पुत्र साऊल को दिया, जो बनियामीन कुल का एक मनुष्य था। इस प्रकार चालीस वर्ष बीत गए। उसे अस्वीकार करने पर, परमेश्वर ने दाऊद को उनका राजा नियुक्त किया, जिसके बारे में उन्होंने गवाही देते हुए कहा: 'मैंने अपनी इच्छा के अनुसार एक मनुष्य पाया है, दाऊद, यशै का पुत्र, जो मेरी सारी इच्छा पूरी करेगा।' उसके वंश से, परमेश्वर ने यीशु को, जो इस्राएल का उद्धारकर्ता है, खड़ा किया, जैसा कि उन्होंने वादा किया था। उनके प्रकट होने से ठीक पहले, यूहन्ना ने इस्राएल के सभी लोगों को मन-परवर्तन के बपतिस्मा का प्रचार किया।

प्रेरितों के काम 13:13-24
ईस्टर के बाद के 5वें सप्ताह का बुधवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 33

उन दिनों, जब उसकी सेवा समाप्त होने को थी, यूहन्ना ने कहा: 'तुम मुझे क्या समझते हो? मैं वह मसीह नहीं हूँ; परन्तु देखो, मेरे बाद एक आ रहा है, जिसके पैरों का जूता खोलने के भी मैं योग्य नहीं हूँ। हे पुरुषो, हे भाइयो, हे अब्राहम की संतति, और तुम जो परमेश्वर का भय मानते हो! तुम्हारे पास उद्धार का यह वचन भेजा गया है। क्योंकि यरूशलेम के नविसयियों और उनके शासकों ने, उसे न पहचानकर और उसकी नंदि करके, उन भवषियदवाणी के वचनों को पूरा किया जो हर सब्बाथ को पढ़े जाते थे; और, उसमें मृत्यु-योग्य कोई दोष न पाकर, उन्होंने पलातुस से उसकी मृत्यु की याचना की। जब उन्होंने उसके वषिय में लिखा हुआ सब कुछ पूरा कर लिया, तब उन्होंने उसे क्रूस से उतारकर कब्र में रखा। परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुआ में से ज़िला दिया। वह कई दिनों तक उन लोगों को दिखाई दिया जो गलील से उसके साथ यरूशलेम आए थे, और जो अब लोगों के सामने उसके गवाह हैं। और हम तुम्हें यह सुसमाचार सुनाते हैं कि परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों से किया हुआ वाचा हमारे लिए, उनके वंशजों के लिए, यीशु को मरे हुआ में से ज़िलाकर पूरा किया है।

प्रेरितों के काम 13:25-32
29 अगस्त, जॉन द बैपटिस्ट की शरीच्छेद

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 34

उन दिनों में, पौलुस और बरनबास लिकोनिया के नगर लीस्ट्रा और डर्बे और उनके आस-पास के कषेत्रों में गए, और वहाँ उन्होंने सुसमाचार का प्रचार किया। लुसत्रा में एक आदमी बैठा था जो अपने पैरों का इस्तेमाल नहीं कर सकता था; वह जन्म से लंगड़ा था और कभी चला नहीं था। वह पौलुस की बात सुन रहा था; और पौलुस ने उसे ध्यान से देखा और जब उसने देखा कि उसके पास चंगा होने का विश्वास है, तो ऊँचे स्वर में कहा, 'मैं तुझ से प्रभु यीशु मसीह के नाम में कहता हूँ: सीधा खड़ा हो जा।' और वह तुरन्त कूदकर खड़ा हो गया और चलने लगा। जब लोगों ने जो पौलुस ने किया था, वह देखा, तो उन्होंने लिकोनियाई भाषा में ऊँचे स्वर से कहा, 'देवता मनुष्य का रूप धारण करके हमारे पास उतर आए हैं।' और उन्होंने बरनबास को 'जीउस' और पौलुस को 'हेरमसि' कहा, क्योंकि वह मुख्य वक्ता था। जीउस मूर्तों के पुरोहिता, जिसका मंदिर उनके शहर के बाहर था, ने शहर के द्वार पर बैल लाए और वहाँ मालाएँ रख दीं, और भीड़ के साथ मलिकर बलदिन करने का इरादा किया। परन्तु जब प्रेरितों बरनबास और पौलुस ने यह सुना, तो उन्होंने अपने वस्त्र फाड़े और भीड़ में दौड़ पड़े, और ऊँचे स्वर से पुकार कर कहने लगे, 'हे मनुष्यों! तुम यह क्या कर रहे हो? हम भी तुम्हारे समान मनुष्य ही हैं, और हम तुम्हें यह शुभ समाचार सुनाने आए हैं, कि तुम इन झूठे देवताओं से मुड़कर जीवते परमेश्वर की ओर लौट आओ, जिसने आकाशों और पृथ्वी और समुद्र, और उन सब में जो कुछ भी है, जिसने अतीत की पीढ़ियों में सभी राष्ट्रों को अपनी-अपनी राह चलने दिया, फिर भी वह अपने भले कामों के द्वारा स्वयं की गवाही देना कभी बंद नहीं हुआ, हमें आकाश से वर्षा और फलदायी मौसम देता है, और हमारे हृदयों को भोजन और आनंद से भर देता है।' और यह कहकर, वे बड़ी मुश्किल से भीड़ को मना सके कि वे उनके लिए बलदिन न करें और घर चले जाएँ।

प्रेरितों के काम 14:6-18A
ईस्टर के बाद चौथे सप्ताह का बुधवार, मध्य-पेंटेकोस्ट

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 35

उन दनों, पौलुस और बरनबास दरबे को रवाना हुए। उस नगर में सुसमाचार का प्रचार करके और काफी संख्या में शिष्य बना लेने के बाद, वे लकियाँ के लूसत्रे, इकोनयुम और अंतयिखिया होकर लौटे, और वहाँ के शिष्यों को दृढ़ बनाते हुए, उन्हें विश्वास में बने रहने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, और यह सखाते हुए कि हमें परमेश्वर के राज्य में कई क्लेशों के द्वारा प्रवेश करना चाहिए। प्रत्येक कलीसिया के लिए बुजुर्ग नयिकृत करके, उन्होंने प्रार्थना और उपवास किया, और उन्हें उसी प्रभु के हवाले किया जिस पर उन्होंने विश्वास किया था। तब, पसीदिया से होकर वे पम्फुलीया में आए, और परग में प्रभु का वचन प्रचार करके अतलिया उतर गए; और वहाँ से वे नाव द्वारा उस अंताकिया को लौटे, जहाँ से उन्हें उस काम के लिए परमेश्वर की कृपा में सौंपा गया था, जिसमें उन्होंने अब पूरा कर लिया था। वहाँ पहुँचकर और मंडली को इकट्ठा करके, उन्होंने वे सब बातें बताईं जो परमेश्वर ने उनके साथ की थीं, और यह भी कि उसने कैसे अन्यजातियों के लिए विश्वास का द्वार खोल दिया था।

प्रेरितों के काम 14:20-27
ईस्टर के बाद के 5वें सप्ताह का गुरुवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 36

उन दनों, फरीसियों के पंथ में से जो विश्वास कर चुके थे, उनमें से कुछ उठे और कहने लगे कि अन्यजातियों का खतना होना चाहिए और उन्हें मूसा की व्यवस्था का पालन करने की आज्ञा दी जानी चाहिए। प्रेरितों और बुजुर्गों ने इस मामले पर विचार करने के लिए इकट्ठा हुए। बहुत चर्चा के बाद, पतरस उठ खड़ा हुआ और उनसे कहने लगा: 'भाइयो! तुम जानते हो कि आरंभ से ही परमेश्वर ने मुझे तुम में से चुन लिया था, ताकि अन्यजातियों में मुँह से सुसमाचार का वचन सुनकर विश्वास में आएँ; और परमेश्वर, जो हृदय को जानता है, ने उन पर भी पवतिर आत्मा देकर गवाही दी, जैसा उसने हम पर भी किया; और उसने हम और उन में कोई भेदभाव नहीं किया, और उनके हृदयों को विश्वास द्वारा शुद्ध किया। तो फिर, तुम अब परमेश्वर की परीक्षा क्यों कर रहे हो कि शिष्यों पर ऐसा जुआ डालो जिससे न तो हमारे पूर्वजों ने और न ही हम स्वयं उठा सके? परन्तु हम विश्वास करते हैं कि हम प्रभु यीशु मसीह की कृपा से उद्धार पाए हैं, ठीक वैसे ही जैसे वे पाए हैं। तब सारी मंडली चुप हो गई और वे बरनबास और पौलुस की बात सुनने लगे, जिन्होंने यह बताया कि परमेश्वर ने उन के द्वारा अन्यजातियों के बीच कौन-कौन से चिन्ह और अद्भुत काम किए। जब उन्होंने बोलना समाप्त कर दिया, तब याकूब ने यह कहते हुए बोलना आरंभ किया: 'हे भाइयो, मेरी सुनो। समीन ने समझाया है कि परमेश्वर ने कैसे सबसे पहले अन्यजातियों की ओर अपना ध्यान दिया, ताकि अपने नाम के लिए एक प्रजा बना सके। और यह भविष्यवक्ताओं के वचन के अनुसार है, जैसा कि लिखा है: 'इसके बाद मैं फिर से दाऊद का गरिब हुआ डेरा फिर से खड़ा करूँगा; मैं जो उसमें नष्ट हो गया है, उसे फिर से खड़ा करूँगा, और मैं उसे फिर से बनाऊँगा, ताकि मनुष्यों की बची हुई पीढ़ी और वे सब जातियाँ जिनमें मेरा नाम प्रचारित किया गया है, प्रभु की खोज करें,' यह उन सब बातों को करने वाले प्रभु का वचन है। परमेश्वर के सभी कार्य सनातन काल से ही उनके ज्ञात हैं। इसलिए, मैं यह सबसे अच्छा समझता हूँ कि जो लोग अन्यजातियों में से परमेश्वर की ओर मुड़ रहे हैं, उनके मार्ग में कोई बाधा न डालूँ, बल्कि उन्हें लिखूँ कि उन्हें मूर्तियों से दूषित भोजन, व्यवहार, गला घोटकर मारे गए जानवरों का मांस और रक्त से परहेज करना चाहिए, और यह कि उन्हें दूसरों के साथ वैसा व्यवहार न करना चाहिए जैसा वे स्वयं के साथ नहीं चाहते। क्योंकि मूसा का व्यवस्था-विधान प्राचीन काल से हर नगर में प्रचारित किया गया है, और यह हर सब्बाथ पर यहूदी सभाघरों में पढ़ा जाता है। तब प्रेरितों और बुजुर्गों ने, सारी मंडली के साथ मिलकर, विचार-विमर्श किया और अपने बीच से कुछ पुरुष चुनकर, उन्हें पौलुस और बरनबास के साथ अंतीयकिया को भेज दिया, अर्थात्: यहूदा, उपनाम बरसबबास, और सलिस, जो भाइयों में प्रसिद्धि पुरुष थे; और उन्होंने उन्हें यह लिखकर भेज दिया: 'प्रेरितों और बुजुर्गों की ओर से, भाइयों सहित, अंतीयक, सीरिया और कलिकिया के अन्यजात भाइयों को: नमस्कार। क्योंकि हमें यह सुनकर दुःख हुआ है कि हमारे यहाँ से कुछ लोग निकलकर अपने शब्दों से तुम्हें परेशान कर रहे हैं और तुम्हारे मन को अस्थिर कर रहे हैं, यह कहते हुए कि तुम्हें खतना कराना चाहिए और व्यवस्था का पालन करना चाहिए—

पवतिर प्रेरति के काम

जसिके लिए हमने उन्हें अधिकार नहीं दिया था—इसलिए हम, एकतर होकर, सर्वसम्मति से यह नरिणय लया है कि कुछ लोगों को चुनकर उन्हें हमारे प्रिय बरनाबास और पौलुस के साथ तुम्हारे पास भेजें, ऐसे लोग जिन्होंने हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम के लिए अपना जीवन जोखिम में डाला है। इसलिए हमने यहूदा और सलास को भेजा है, जो आकर आपसे यह बातें व्यक्तिगत रूप से भी कहेंगे। क्योंकि पवतिर आत्मा और हमें यह उचित लगा है कि हम आप पर इन आवश्यक बातों के अलावा और कोई बोझ न डालें: कि आप मूर्तों के सामने बलदान किए गए भोजन, लहू, गला घोटकर मारे गए जानवरों के मांस और व्यभिचार से दूर रहें; और दूसरों के साथ वैसा व्यवहार न करें जैसा आप अपने लिए नहीं चाहते। यदि तुम इन बातों का पालन करोगे तो यह उत्तम होगा। वदि।" इस प्रकार जो भेजे गए थे, वे अंतीयकिया आकर, लोगों को इकट्ठा करके, यह पत्र पहुँचाया। जब उन्होंने इसे पढ़ा, तो वे इस शक्ति पर आनन्दित हुए। यहूदा और सलास, जो भविष्यदवक्ता भी थे, भाइयों को लंबी बातें करके समझाया और उन्हें दृढ़ किया। वहाँ कुछ समय रहने के बाद, भाइयों ने उन्हें प्रेरति के पास शांति से वदि किया। पर सलास वहाँ ही रहना पसंद किया। (यहूदा, तथापि, यरूशलेम लौट गया।)

प्रेरति के काम 15:5-34
ईस्टर के बाद के पाँचवें सप्ताह का शुक्रवार

पवतिर प्रेरति के काम, अध्याय 37

उन दिनों में, पौलुस और बरनाबास कई अन्य लोगों के साथ अंतीयक में रह रहे थे, और प्रभु का वचन सखा रहे थे और प्रचार कर रहे थे। कुछ समय बाद, पौलुस ने बरनाबास से कहा, 'आओ हम उन सभी नगरों में वापस चलें जहाँ हमने प्रभु का वचन प्रचार किया था, यह देखने के लिए कि वे कैसे हैं।' बरनाबास अपने साथ यूहन्ना, जिसे मरकुस कहा जाता है, को ले जाना चाहता था। लेकिन पौलुस को यह उचित नहीं लगा कि वे उस व्यक्ति को साथ ले जाएँ जसिने पम्फुलीया में उन्हें छोड़ दिया था और उस काम के लिए उनके साथ नहीं गया था जसिके लिए उन्हें भेजा गया था। इससे उनमें असहमत हो गई, और वे अलग हो गए; बरनाबास, मार्क को साथ लेकर साइप्रस के लिए जहाज से रवाना हो गया, जबकि पौलुस, सलास को चुनकर, भाइयों द्वारा परमेश्वर की कृपा के साथ भेजा गया, और सीरिया तथा कलीकिया से होकर गया, और कलीसियाओं को मजबूत करता गया।

प्रेरति के काम 15:35-41
ईस्टर के बाद के 5वें सप्ताह का शनिवार

पवतिर प्रेरति के काम, अध्याय 38

उन दिनों, जब प्रेरति प्रार्थना के स्थान पर जा रहे थे, तो हम एक भविष्यवाणी की आत्मा से ग्रस्त दासी से मिले, जो अपने मालिकों के लिए बहुत लाभ कमाती थी। पौलुस और हम लोगों का पीछा करते हुए, वह चलिाकर कहने लगी, 'ये पुरुष परमप्रभु परमेश्वर के सेवक हैं, जो हमें उद्धार का मार्ग बता रहे हैं।' वह कई दिनों तक ऐसा ही करती रही। पौलुस ने क्रोधित होकर मुड़कर आत्मा से कहा, 'येशु मसीह के नाम में मैं तुझे आज्ञा देता हूँ कि तू उससे निकल आ।' और उसी घड़ी आत्मा निकल आया। तब उसके मालिकों ने, जब देखा कि उनकी लाभ की आशा मटि गई, पौलुस और सलास को पकड़कर बाजार में magistrates के पास घसीट ले गए। और, उन्हें अधिकारियों के सामने लाकर, उन्होंने कहा, 'ये यहूदी हमारे नगर में अशांति मचा रहे हैं और ऐसी रीतियों का प्रचार कर रहे हैं जिन्हें हम रोमियों को न तो स्वीकार करना चाहिए और न ही अपनाना चाहिए।' भीड़ भी उन पर टूट पड़ी, और अधीक्षकों ने उनके कपड़े उतारकर उन्हें कोड़े मारने का आदेश दिया; और जब उन्होंने उन पर बहुत मार डाली, तो उन्हें जेल में डाल दिया, और जेलर को यह आज्ञा दी कि वह उन्हें अच्छी तरह पहरा दे। यह आज्ञा पाकर, उसने उन्हें भीतरी कोठरी में डाल दिया और उनके पैरों में बेड़ी डाल दी। आधी रात के समय, पौलुस और सलास प्रार्थना कर रहे थे और परमेश्वर के भजन गा रहे थे, जबकि दूसरे बंदी उन्हें सुन रहे थे। अचानक एक बड़ा भूकंप आ गया, जसिसे जेल की नींव हलि गई; तुरंत ही सभी दरवाजे खुल गए, और सभी की बेड़ियाँ ढीली हो गईं। कारागारपाल, जागकर जब उसने देखा कि जेल के द्वार खुले हुए हैं, तो उसने अपनी तलवार खींच ली और यह सोचकर कि कैदी भाग गए हैं, खुद को मारने ही वाला था। पर पौलुस ने ऊँचे स्वर में पुकारकर कहा, 'खुद को हानि मत पहुँचाओ, क्योंकि हम सब यहीं हैं।'

पवतिर प्रेरितों के काम

उसने एक दीपक माँगा, दौड़कर जेल में गया, और काँपते हुए पौलुस और सलास के पैरों पर गरि पड़ा; फरि उन्हें बाहर ले आकर बोला, 'हे साहबिों, मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए?' उन्होंने उत्तर दिया, 'प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, और तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।' और उन्होंने प्रभु का वचन उसी को और उसके घर में रहने वालों सबको सुनाया। और उसी रात के समय ले जाकर उसने उनके घाव धोए और तुरन्त बपतस्मा लिया, और अपने घराने के सब लोगों सहति। और उन्हें अपने घर में ले जाकर भोजन परोसा और अपने घराने के सब लोगों सहति इस बात पर आनन्द किया कि वह परमेश्वर पर विश्वास करने लगा।

प्रेरितों के काम 16:16-34
ईस्टर के बाद का छठा सप्ताह, अंधे आदमी के बारे में

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 39

उन दनों में, पौलुस और सला, अम्फिपोलिस और अपोलोनिया से होकर, थसिसलुनीके आए, जहाँ एक यहूदी सभा-घर था। पौलुस, जैसा कि उसकी रीति थी, उनके पास गया और तीन सप्ताहों तक धर्मशास्त्र से उन्हें समझाता और यह साबित करता रहा कि मसीह को दुख भोगना और मरे हुएों में से जी उठना आवश्यक था, और यह कि वही मसीह यीशु है, जिसमें मैं तुम्हारे पास प्रचार करता हूँ। और उनमें से कुछ ने विश्वास किया और पौलुस और सलास के साथ मलि गए, जनि में परमेश्वर का भय मानने वाले बहुत से यूनानी और कुछ प्रतर्षित स्त्रियाँ भी थीं। परन्तु अवशिवासी यहूदी, ईरूष्या से भरकर, बाजार से कुछ नकिम्मा आदमी इकट्ठे कर, भीड़ जमा करके नगर में हलचल मचाने लगे; और येशू के घर जाकर, यह माँग करने लगे कि उन्हें लोगों के सामने लाया जाए। लेकिन जब उन्हें वे नहीं मलि, तो उन्होंने जेसन और कुछ भाइयों को नगर के अधिकारियों के सामने घसीट लाया, और चलिलाने लगे कि ये 'संसार के वकिषेपक' यहाँ भी आ गए हैं, और जेसन ने इनका स्वागत किया है, और ये सब यीशु को राजा मानकर कैसर की आज्ञाओं के विरुद्ध काम कर रहे हैं। उन्होंने इस बात को सुन रहे लोगों और नगर के अधिकारियों को भड़काया। लेकिन अधिकारियों ने जेसन और अन्य लोगों से बयान लेकर उन्हें छोड़ दिया। परन्तु भाइयों ने तुरन्त पौलुस और सलास को रातों-रात बेरिया भेज दिया; और जब वे वहाँ पहुँचे, तो वे यहूदियों के सब्बाथ-घर में गए। वहाँ के लोग थसिसलुनीके के लोगों से अधिक खुले विचारों वाले थे; उन्होंने बड़ी उत्सुकता से इस संदेश को ग्रहण किया, और यह देखने के लिए कि ये बातें सच हैं या नहीं, वे प्रतदिनि धर्मग्रंथों की जाँच करते थे। और उनमें से कई विश्वास करने लगे, जनिमें कुछ प्रमुख यूनानी स्त्रियाँ और पुरुष भी शामिल थे। लेकिन जब थसिसलुनीके के यहूदियों को यह पता चला कि बेरिया में भी पौलुस ने परमेश्वर का वचन प्रचार किया है, तो वे वहाँ भी आ गए और भीड़ को भड़काया और उत्तेजित किया। तब भाइयों ने तुरन्त पौलुस को वदिा कर दिया, मानो वह तट की ओर जा रहा हो; जबकि सलास और तीमुथियुस वहीं ठहरे रहे। जो लोग पौलुस के साथ यात्रा कर रहे थे, वे उसे एथेन्स तक साथ ले गए; और यह आज्ञा पाकर कि सलास और तीमुथियुस जल्द से जल्द उसके पास आएँ, वे चल पड़े।

प्रेरितों के काम 17:1-15
ईस्टर के बाद छठे सप्ताह का सोमवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 40A

उन दनों, जब पौलुस एथेन्स में सलास और तीमुथियुस की प्रतीक्षा कर रहे थे, तो नगर को मूर्तियों से भरा देखकर वे बहुत दुखी हुए। इसलिए वे यहूदियों और परमेश्वर की उपासना करने वालों के साथ यहूदी सभा-घर में, और प्रतदिनि बाजार में, वहाँ आने-जाने वालों के साथ तर्क-वतिर्क करने लगे। कुछ एपकियूरियन और स्टोइक दार्शनिक उससे बहस करने लगे; और कुछ ने कहा, 'यह बकबक करने वाला क्या कहना चाहता है?', जबकि अन्य ने कहा, 'ऐसा लगता है कि वह वदिशी देवताओं के बारे में उपदेश दे रहा है', क्योंकि वह उनके सामने यीशु और पुनरुत्थान का प्रचार कर रहा था। इसलिए उन्होंने उसे पकड़कर अरेओपागोस ले आए और कहा, 'क्या हम जान सकते हैं कि यह नई शिक्षा क्या है जो तुम प्रचार कर रहे हो?' क्योंकि तुम हमारे कानों में कुछ अजीब बातें डाल रहे हो। इसलिए हम जानना चाहेंगे कि यह सब क्या है।' अब एथेनियाई और वहाँ रहने वाले परदेशी अपना समय कुछ नया सुनने या कहने के अलावा और किसी काम में अधिक खुशी से नहीं लगाते थे। और पौलुस, अरेओपागोस में खड़ा होकर, बोला: 'एथेन्स के लोगों! मैं जो कुछ भी देखता हूँ, उससे पाता हूँ

पवतिर प्रेरितों के काम

कतिम हर मामले में बहुत धार्मिक हो। क्योंकि जब मैं घूम रहा था और तुम्हारे पवतिर स्थानों को ध्यान से देख रहा था, तो मुझे एक वेदी माली जसि पर लिखा था, "एक अज्ञात ईश्वर को"। यही परमेश्वर है, जसि तुम अनजाने ही पूजते हो, उसी का मैं तुमको प्रचार करता हूँ। वही परमेश्वर जसिने संसार और उसमें जो कुछ भी है, उसे बनाया—वह, जो स्वर्ग और पृथ्वी का प्रभु है, मनुष्यों के बनाए मंदिरों में नहीं रहता, और न ही उसे मनुष्यों के हाथों की सेवा की आवश्यकता है, मानो उसे किसी वस्तु की आवश्यकता हो, क्योंकि वह स्वयं सभी को जीवन और श्वास और सब कुछ देता है। एक ही वंश से उसने समस्त मानव जात को उत्पन्न किया कि वे सारी पृथ्वी के मुख पर बसें, और उसने उनके समयों और उनकी बस्तियों की सीमाएँ ठहराई, ताकि वे परमेश्वर को खोजें, किहीं वे उसे ढूँढ़कर पा लें—यद्यपि वह हम में से किसी से भी दूर नहीं है: क्योंकि उसी में हम जीते हैं, और घूमते हैं, और अपनी सत्ता रखते हैं, जैसा कि तुम्हारे ही कुछ कवियों ने भी कहा है: 'हम उसकी संतान हैं।' इसलिए, परमेश्वर की संतान होने के नाते, हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि दविता सोने, चांदी या पत्थर जैसी है, जो मानव कला और कल्पना द्वारा बनाई गई एक मूर्ति हो। इसलिए, अज्ञानता के समय को पार करके, परमेश्वर अब सब लोगों को हर जगह आज्ञा देते हैं कि वे मन फरिऐं, क्योंकि उन्होंने एक दिन ठहराया है जसि दिन वह मनुष्य के द्वारा संसार का न्याय धार्मिकता से करेगा, जसि उन्होंने नयुक्त किया है, और उसे मरे हुआँ में से जलाकर सबको इसका प्रमाण दे दिया है। मरे हुआँ के जी उठने के वषिय में सुनकर, कुछ लोग उस का उपहास करने लगे, और कुछ ने कहा, 'हम तुझ से इस वषिय में फरि किसी और समय सुनेंगे।' इस प्रकार पौलुस उनके बीच से चला गया। परन्तु कुछ मनुष्य उसके साथ मलि गए और वशिवास किया; जनि में एरोपागोस का दयिनीसयुस, दामारसि नाम की एक स्त्री, और अन्य लोग भी थे।

प्रेरितों के काम 17:16-34
3 अक्टूबर, संत डायोनसियस द एरओपाजेट

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 40B

उस समय एथेनियाई लोगों ने पौलुस को पकड़कर अरेओपागोस ले आए और कहा, 'क्या हम जान सकते हैं कि यह नई शिक्षा क्या है जो तुम प्रचार कर रहे हो?' क्योंकि आप हमारे कानों में कुछ अजीब बातें डाल रहे हैं। इसलिए हम जानना चाहेंगे कि यह सब क्या है।' अब एथेनियों और वहाँ रहने वाले परदेशियों का समय कुछ नया सुनने या कहने में ही बीतता था। और पौलुस, एरेओपागोस में खड़ा होकर, बोला: 'एथेन्स के लोगों! मैं जो कुछ भी देखता हूँ, उससे मैं पाता हूँ कि तुम हर मामले में बहुत धार्मिक हो। क्योंकि जब मैं घूम रहा था और तुम्हारे पवतिर स्थानों को ध्यान से देख रहा था, तो मुझे एक वेदी माली जसि पर लिखा था, "एक अज्ञात देवता को"। यही परमेश्वर है, जसि तुम बना जाने पूजते हो, उसी का मैं तुमको प्रचार करता हूँ। वही परमेश्वर जसिने संसार और उसमें की सब वस्तुओं को बनाया—वह, जो स्वर्ग और पृथ्वी का प्रभु है, मनुष्यों के बनाए हुए मंदिरों में नहीं रहता, और न ही उसे मनुष्यों के हाथों की सेवा की आवश्यकता है, मानो उसे किसी वस्तु की कमी हो, क्योंकि वह स्वयं सबको जीवन और साँस और सब कुछ देता है। उसने एक ही मनुष्य से सब मनुष्यों की जातियों को सारी पृथ्वी के मुख पर बसाया, और उनके समयों और रहने की सीमाओं को ठहराया, ताकि वे परमेश्वर को खोजें, किहीं ऐसा न हो कि वे उसे ढूँढ़कर पा लें—यद्यपि वह हम में से किसी से भी दूर नहीं है: क्योंकि हम उसी में जीते और चलते-फरिते और अपनी सत्ता रखते हैं।

प्रेरितों के काम 17:19-28A
ईसटर के बाद छठे सप्ताह का मंगलवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 40ख

उन दिनों, पौलुस एथेन्स से नकिलकर कोरिन्थुस आया; और वहाँ उसने अक्विला नामक एक यहूदी को पाया, जो पोंटुस का रहने वाला था और हाल ही में इटली से आया था, और उसकी पत्नी प्रस्किल्ला को भी – क्योंकि क्लौडियस ने सभी यहूदियों को रोम छोड़ने का आदेश दिया था – वह उनके पास गया; और चूँकि उनका धंधा एक ही था, वह उनके साथ रहने और काम करने लगा; क्योंकि उनका धंधा तंबू बनाना था। वह हर सब्बाथ को सभा-घर में बात करता और यहूदियों तथा यूनानियों दोनों को समझाने का यत्न करता था। जब

पवतिर प्रेरितों के काम

मैसेडोनिया से सलास और तीमुथयुस आए, तो पवतिर आत्मा से प्रेरति होकर पौलुस यहूदियों के सामने गवाही देने लगा कथीशु ही मसीहा है। परन्तु जब वे उसका वरीध करने लगे और उसे अपमानति करने लगे, तो उसने अपना अंगोछा झाड़कर उनसे कहा, 'जब तुम पर अपना लहू डालो, तो इसका दोष मुझ पर न हो; अब से मैं अन्यजातियों के पास जाऊँगा।' और वह वहाँ से नकिलकर जस्टस नामक एक परमेश्वर-भयभीत मनुष्य के घर गया, जिसका घर यहूदी-सभा के पास था। क्रसिपास, जो यहूदी-सभा का अध्यक्ष था, अपने सारे घर-परिवार सहित प्रभु पर विश्वास कर लिया; और कोरन्थियों में से भी बहुतों ने यह संदेश सुनकर विश्वास किया और बपतस्मा लिया। तब प्रभु ने रात के एक दर्शन में पौलुस से कहा, 'डरो मत, पर बोलो और चुप न रहो, क्योंकि मैं तेरे संग हूँ, और कोई तुझे हानि पहुँचाएगा, क्योंकि इस नगर में मेरी बहुत प्रजा है।' और वह वहाँ एक वर्ष और छः महीने तक ठहरा, और परमेश्वर का वचन सखाता रहा।

प्रेरितों के काम 18:1-11

11 मई, कॉन्स्टेंटिनोपल की पुनः कब्जा।
नगर की नींव पर

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 41

उन दिनों, पौलुस, कैसरिया में रहने के बाद, यरूशलेम जाकर मंडली को नमस्कार किया और अंताकिया चला गया। और वहाँ कुछ समय रहने के बाद, वह नकिल पड़ा और गलातिया और फ्राइजिया के प्रदेशों में एक के बाद एक यात्रा करता हुआ, सभी शिष्यों को दृढ़ करता गया। अलेक्जेंडरिया का रहने वाला अपोलोस नाम का एक यहूदी आया, जो वाक्पटु था और धर्मग्रंथों में पारंगत था। उसे प्रभु के मार्ग की शिक्षा मिली थी और वह आत्मा में उत्साही था, और वह प्रभु के विषय में ठीक-ठीक बोलता और सखाता था, यद्यपि वह केवल यूहन्ना के बपतस्मा को जानता था। वह यहूदी सभा में साहस से बोलने लगा। उसे सुनकर, अक्विला और प्रसिचिला ने उसे अपने यहाँ ठहराया और प्रभु के मार्ग को उसे और भी ठीक से समझाया। और जब उसने अखैया जाने का निश्चय किया, तो भाइयों ने वहाँ के शिष्यों को उसके विषय में समाचार भेजकर उन्हें उससे मिलाया; और जब वह वहाँ पहुँचा, तो उसने अनुग्रह से विश्वास करने वालों को बहुत सहायता दी, क्योंकि उसने यहूदियों के सामने सार्वजनिक रूप से बड़ी दृढ़ता से तर्क देकर, धर्मग्रंथों से यह साबित किया कथीशु ही मसीहा है।

प्रेरितों के काम 18:22-28

ईस्टर के बाद छठे सप्ताह का बुधवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 42

उन दिनों, जब अपोलोस कोरन्थ में था, पौलुस ऊपरी प्रदेशों से होकर एफ़सिस आया और वहाँ कुछ शिष्यों को पाकर उनसे पूछा, 'क्या तुमने विश्वास करने पर पवतिर आत्मा ग्रहण किया?' उन्होंने उत्तर दिया, 'हमने तो यह भी नहीं सुना कि पवतिर आत्मा है।' उसने उनसे पूछा, 'तो फिर तुम किसके द्वारा बपतस्मा ले चुके हो?' उन्होंने उत्तर दिया, 'यूहन्ना के बपतस्मा से।' पौलुस ने कहा, 'यूहन्ना ने मन-परिवर्तन के स्नान से स्नान दिया, और लोगों से कहा कि वे उसके बाद आने वाले पर विश्वास करें, अर्थात् मसीह यीशु पर।' यह सुनकर, वे प्रभु यीशु के नाम से बपतस्मा ले गए; और जब पौलुस ने उन पर हाथ रखा, तो पवतिर आत्मा उन पर उतर आया, और वे अन्य भाषाओं में बोलने और भविष्यद्वाणी करने लगे। वे सब मिलाकर लगभग बारह थे। जब वह यहूदी सभा-घर में गया, तो उसने तीन महीने तक वहाँ नडिर होकर प्रचार किया, और परमेश्वर के राज्य के विषय में चर्चा और गवाही दी।

प्रेरितों के काम 19:1-8

ईस्टर के बाद छठे सप्ताह का शुक्रवार।
7 जनवरी, संत जॉन बपतस्मादाता

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 43

उन दिनों, सप्ताह के पहले दिन, जब शिष्य भोजन तोड़ने के लिए इकट्ठा हुए थे, तो पौलुस, जो दूसरे दिन नकिलने का इरादा रखता था, उनसे बातें करने लगा और मध्यरात्रिक अपना प्रवचन जारी रखा। जहाँ हम

पवतिर प्रेरितों के काम

इकट्ठे थे, ऊपरी कमरे में बहुत से दीये जल रहे थे। जब पौलुस देर तक बातें कर रहे थे, तो यूतखिस नाम का एक जवान आदमी, जो खड़की की चौखट पर बैठा था, गहरी नींद में पड़ गया; और, लड़खड़ाकर, वह तीसरे मंजलि से गरि पड़ा जबकिविह आधा सोया हुआ था और उसे मृत पाया गया। पौलुस नीचे उतर आए, उन पर झुक पड़े, और उन्हें गले लगाकर कहा, 'घबराओ नहीं, क्योंकि उसकी आत्मा उसमें ही है।' फिर वे ऊपर गए, रोटी तोड़कर खाई, और देर तक बातें करते रहे, यहाँ तक कि भोर हो गई, और तब वे चले गए। इस बीच, लड़का जीवित वापस आ गया और वे बहुत सांतवना पाए।

प्रेरितों के काम 20:7-12
ईस्टर के बाद छठे सप्ताह का शनिवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 44

उन दनों पौलुस ने एफ़सिस से होकर न जाने का नश्चय किया, ताकिविह एशिया में अपने प्रवास को लंबा न खींचे; क्योंकिविह पेंटेकोस्त के दनि तक, यदसिंभव हो, यरूशलेम में पहुँचने के लिए जल्दी में था। मलिटिस से उन्होंने एफ़सिस में समाचार भेजकर कलीसिया के बुजुर्गों को बुलाया; और जब वे उसके पास आए, तो उसने उनसे कहा: 'अपना और उस सारी भेड़-बकरियों के झुंड का ध्यान रखना, जिसके लिए पवतिर आत्मा ने तुम्हें देखभाल करनेवाला नियुक्त किया है, ताकि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिससे उसने अपने ही लहू से मोल लिया है। क्योंकि मैं जानता हूँ कि मेरी वदिाई के बाद, क्रूर भेड़ियाँ तुम्हारे बीच में आ जाएँगी और झुंड को नहीं बख्शेंगी; और तुम्हारे ही बीच से ऐसे लोग उठ खड़े होंगे जो टेढ़ी-टेढ़ी बातें करेंगे, ताकि चले उन्हें पीछे कर लें। इसलिए चौकस रहो, और यह याद रखो कि तीन वर्ष तक, दनि-रात, मैं तुम में से हर एक को आँसुओं के साथ चेतावनी देते रहे। और अब, भाइयो, मैं तुम्हें परमेश्वर और उसकी कृपा के वचन के हवाले करता हूँ, जो तुम्हें दृढ़ करने और पवतिर कएि हुए सब लोगों में वरिसत देने में समर्थ है। मैंने किसी से न चाँदी, न सोना और न ही वस्त्र चाहा है: तुम स्वयं जानते हो कि इन ही हाथों ने मेरी और मेरे साथियों की जरूरतें पूरी की हैं। मैंने हर बात में तुम्हें दिखाया है कि इसी तरह काम करके हमें कमजोरों की सहायता करनी चाहिए और प्रभु यीशु के वचनों को याद रखना चाहिए, क्योंकि उन्होंने स्वयं कहा था, 'प्राप्त करने से देना अधिकि धन्य है।' यह कहकर, वह घुटनों के बल झुककर उन सब के साथ प्रार्थना करने लगा।

प्रेरितों के काम 20:16-18A; 28-36
ईस्टर के बाद का 7वां सप्ताह, प्रथम सार्वभौमिक परषिद के पवतिर पतिाओं

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 45

उन दनों, पौलुस और उसके साथी रवाना होकर केसरिया आए; और, सात डकिनों में से एक, सुसमाचार प्रचारक फलिपि के घर में जाकर, वे उसके यहाँ ठहरे। उसकी चार कुंवारी बेटियाँ थीं जो भवषियवाणी करती थीं। जब हम कई दनों तक उनके साथ रहे, तो यहूदिया से अगबस नाम का एक भवषियवक्ता आया। वह हमारे पास आया, पौलुस का कमरबंद ले लिया, उससे अपने हाथ और पैर बाँध दिए, और कहा, 'पवतिर आत्मा इस प्रकार कहते हैं: "जसि मनुष्य का यह कमरबंद है, उसे यहूदियों द्वारा यरूशलेम में इसी प्रकार बाँधा जाएगा और अन्यजातियों के हवाले कर दिया जाएगा।"' जब हमने यह सुना, तो हम और वहाँ के वशिवासियों ने दोनों ने उससे यरूशलेम न जाने के लिए वनिती की। पर पौलुस ने उत्तर दिया, 'तुम क्या कर रहे हो? तुम क्यों रो रहे हो और मेरा हृदय तोड़ रहे हो? मैं न केवल बंदी होने के लिए तैयार हूँ, बल्कि मैं प्रभु यीशु के नाम के लिए यरूशलेम में मरने को भी तैयार हूँ।' जब हम उसे मना न सके, तो हम चुप हो गए और कहा, 'प्रभु की इच्छा पूरी हो!'

प्रेरितों के काम 21:8-14
ईस्टर के बाद के 7वें सप्ताह का सोमवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 46

उस समय, पौलुस ने उन लोगों को साथ लेकर और उनके साथ शुद्ध होकर, दूसरे दनि मंदिर में गया और शुद्धिकरण के दनों की समाप्तकी घोषणा की, जब उनके प्रत्येक के लिए बलदान चढ़ाया जाना था। जब

पवतिर प्रेरितों के काम

सात दिन पूरे होने को थे, एशिया के यहूदियों ने उसे मंदिर में देखकर भीड़ को भड़काया और उस पर हाथ डालकर चलिलाने लगे, 'हे इसराएल के लोगों, बचाओ! यह आदमी हर जगह लोगों, व्यवस्था और इस स्थान के वरिद्ध सिखाता है; और इतना ही नहीं, उसने ग्रीकों को मंदिर में भी ले जाकर इस पवतिर स्थान को अपवतिर किया है।' क्योंकि उन्होंने पहले शहर में पौलुस के साथ एफीसी का त्रोफ़िमोस देखा था और यह मान लिया था कि पौलुस उसे मंदिर में ले गया था। सारा नगर हलचल में आ गया, और भीड़ इकट्ठी हो गई; और, पौलुस को पकड़कर, वे उसे मंदिर से बाहर खींच ले गए, और दरवाजे तुरंत बंद हो गए। जैसे ही वे उसे मारने ही वाले थे, सेनापति के पास यह खबर पहुँची कि सारा यरूशलेम हंगामा मचा हुआ है। वह तुरंत सपिहयों और शतकों को लेकर उनकी ओर दौड़ा; परन्तु जब उन्होंने सेनापति और सपिहयों को देखा, तो वे पौलुस को मारना बंद कर दिया।

प्रेरितों के काम 21:26-32
ईस्टर के बाद के 7वें सप्ताह का मंगलवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 47

उस समय, पौलुस ने सनेदरीन पर दृष्टिकरके कहा: 'हे पुरुषो और भाइयो! मैंने आज के दिन तक परमेश्वर के सामने नरिमल अंतकरण से जीवन यापन किया है।' परन्तु महायाजक अनानयिस, जो उसके सामने खड़ा था, ने आज्ञा दी कि उसके मुँह पर चपत मारी जाए। तब पौलुस ने उससे कहा: 'परमेश्वर तुझे चपत मारे, हे पुत्री हुई दीवार! तुम तो कानून के अनुसार न्याय करते हो, फिर भी कानून के वरिद्ध मुझे मारने का आदेश देते हो।' पास खड़े लोगों ने कहा, 'क्या तू परमेश्वर के महायाजक का अपमान कर रहा है?' पौलुस ने उत्तर दिया, 'भाइयो, मुझे यह नहीं पता था कि वह महायाजक है; क्योंकि लिखा है, "अपने लोगों के हाकमि के बारे में बुराई न बोल।"' जब पौलुस ने यह जान लिया कि कुछ सदूकियों और कुछ फरीसियों में से हैं, तो उसने महासभा में पुकारा: 'हे भाइयो! मैं एक फरीसी और फरीसी का पुत्र हूँ; मृतकों के पुनरुत्थान की आशा के कारण ही मैं आज मुकदमे में खड़ा हूँ।' जब उसने यह कहा, तो फरीसियों और सदूकियों के बीच विवाद हो गया, और सभा दो दलों में बँट गई। क्योंकि सदूकियों का कहना है कि पुनरुत्थान है, न स्वर्गदूत, न आत्मा; पर फरीसी दोनों का स्वीकार करते हैं। वहाँ एक बड़ा शोर मच गया; और फरीसियों के पक्ष के शास्त्री उठ खड़े हुए और तर्क करने लगे, कहने लगे, 'हम इस मनुष्य में कोई दोष नहीं पाते; पर यदि किसी आत्मा या स्वर्गदूत ने उससे बात की हो, तो हम परमेश्वर के विरोधी नहीं बनेंगे।' लेकिन जैसे-जैसे विवाद और भड़क उठा, तो सेनापति को डर लगा कि वे पौलुस को फाड़ डालेंगे, इसलिए उसने सपिहयों को नीचे उतरने, उसे उनके बीच से निकालने और छावनी में ले जाने का आदेश दिया। अगली रात प्रभु उसकी ओर प्रकट हुए और कहा, 'हे पौलुस, हमिमत रख; क्योंकि जैसे तूने यरूशलेम में मेरी गवाही दी है, वैसे ही तुझे रोम में भी गवाही देनी होगी।'

प्रेरितों के काम 23:1-11
ईस्टर के बाद के 7वें सप्ताह का बुधवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 48

उन दिनों राजा अग्रपिपा और बेरेनीस कैसरिया आए ताकि वे फस्टस को सम्मान दें। और जब वे वहाँ कई दिन रहे, तो फस्टस ने राजा के सामने पौलुस के मुकदमे का जिक्र किया, और कहा, 'यहाँ एक आदमी है जिसने फेलिक्स ने हरिसत में छोड़ दिया था; जिसके खिलाफ, जब मैं यरूशलेम में था, मुख्य याजकों और यहूदी बुजुर्गों ने शिकायत की, और माँग की कि उसे दोषी ठहराया जाए।' मैंने उनसे कहा कि रोमियों की यह रीति नहीं है कि किसी को मृत्युदंड के लिए सौंप दिया जाए, जब तक कि अभियुक्त के सामने उसके अभियुक्ता उपस्थित न हों और उसे अपने ऊपर लगे आरोपों का बचाव करने का अवसर न दिया जाए। जब वे यहाँ आए, तो बना किसी वलिंब के, अगले ही दिन मैं न्यायपीठ पर बैठ गया और उस आदमी को मेरे सामने लाने का आदेश दिया। उसके चारों ओर खड़े उसके अभियोजकों ने वे आरोप नहीं लगाए जिनकी मैंने उम्मीद की थी; लेकिन वे उससे परमेश्वर की उपासना और यीशु नामक एक व्यक्ति के बारे में कुछ विवाद कर रहे थे, जो मर गया था, जिसके बारे में पौलुस का दावा था कि वह जीवित है।

प्रेरितों के काम 25:13-19
ईस्टर के बाद के 7वें सप्ताह का गुरुवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 49

उस समय अग्रपिपा ने पौलुस से कहा, 'तुम्हें अपना पक्ष रखने की अनुमति है।' तब पौलुस ने अपना हाथ बढ़ाकर अपनी वकालत में यह कहना शुरू किया: 'राजा अग्रपिपा, मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूँ कि आज मैं यहूदियों द्वारा मुझ पर लगाए गए सभी आरोपों पर आपके सामने अपना बचाव कर सकूँ, विशेष रूप से क्योंकि आप यहूदियों की सभी रीति-रिवाजों और विवादास्पद विचारों से परिचित हैं। इसलिए मैं आपसे नविदन करता हूँ कि आप खुले मन से मेरी बात सुनें। सभी यहूदी मेरे जीवन से परिचित हैं, जो मैंने अपने बचपन से बताया है, और जैसा मैंने शुरू में यरूशलेम में अपने लोगों के बीच बताया; वे मुझे लंबे समय से जानते हैं, और यदि वे गवाही देने को तैयार हों, तो वे पुष्टि करेंगे कि मैं हमारे धर्म की सबसे कठोर शक्तिषाओं के अनुसार एक फरीसी के रूप में रहा हूँ। इसी कारण, जब मैं महापुजारियों से अधिकार और आज्ञा लेकर दमशिक की ओर जा रहा था, तो हे प्रभु, दिने के बीचों-बीच रास्ते में मैंने स्वर्ग से एक प्रकाश देखा, जो सूर्य से भी अधिक तेज था, और वह मुझ पर और मेरे साथियों पर चमका। हम सब ज़मीन पर गिर पड़े, और मैंने हबिरू में मुझसे बात करते हुए एक आवाज़ सुनी: 'हे साऊल, साऊल! तू मुझे क्यों सताता है? जो काँटों पर पैर रखता है, उसके लिए यह कठिन है।' मैंने कहा, 'हे प्रभु, आप कौन हैं?' उसने कहा, 'मैं यीशु हूँ, जैसा तू सता रहा है। परन्तु उठ और अपने पाँवों पर खड़ा हो जा; क्योंकि मैं तुझ पर इसी उद्देश्य से प्रकट हुआ हूँ: कि तुझे अपना सेवक और गवाह नियुक्त करूँ, जो तूने देखा है और जो मैं तुझ पर प्रकट करूँगा, और तुझे यहूदी लोगों और परदेशियों से बचाऊँ, जिनके पास मैं तुझे अब भेजता हूँ, कि तू उनकी आँखें खोल दे, ताकि वे अंधेरे से प्रकाश में और शैतान की शक्ति से परमेश्वर की ओर मुड़ जाएँ, और, मुझ पर विश्वास करके, पापों की क्षमा और पवतिर लोगों के साथ भाग प्राप्त करें।' इसलिए हे राजा अग्रपिपा, मैंने इस स्वर्गीय दर्शन के विरोध में कोई विरोध नहीं किया, परन्तु पहिले दमशिक और यरूशलेम के लोगों को, और फिर सारे यहूदिया देश और अन्यजातियों को प्रचार किया, और उन्हें मन फरिने और परमेश्वर की ओर फरिने और मन फरिव के योग्य काम करने के लिए कहता रहा।

प्रेरितों के काम 26:1-5; 12-20
21 मई, संत कॉन्स्टेंटाइन द ग्रेट

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 50A

उन दिनों, जब यह नरिणय हो गया था कि हमें इटली के लिए समुद्रयात्रा करनी है, तो पौलुस और कुछ अन्य कैदियों को अगुस्ता कोहोर्ट के एक शतानीक, जसिका नाम जूलियस था, के हवाले कर दिया गया। हम अदरमुटयिम के एक जहाज पर चढ़ गए और समुद्रयात्रा आरंभ की, हमारा इरादा एशिया के तट के साथ-साथ यात्रा करने का था। हमारे साथ थसिसलुनीके का एक मकदूनयिआई अरसितारखुस भी था। अगले दिने हम सידोन में उतरे। जूलियस ने पौलुस के साथ दयालुता से व्यवहार करते हुए उसे अपने मतिरों से मलिने और उनकी सहायता प्राप्त करने की अनुमति दे दी। वहाँ से प्रस्थान करके, प्रतकिल हवाओं के कारण हम साइप्रस पहुँचे, और, सलिसिया और पम्फलिया के सामने समुद्र पार करके, हम लकिया में मयरा पहुँचे। वहाँ सेनापति को इटली जा रही एक अलेक्जेंडरियाई जहाज मलि और उसने हमें उस पर चढ़ा दिया। कई दिनों तक धीरे-धीरे नौकायन करते हुए, और हमारे लिए प्रतकिल हवा के कारण मुश्कलि से कनइडस के स्तर तक पहुँचने पर, हम सल्मोन के पास क्रीट के पास पहुँचे। वहाँ से मुश्कलि से गुज़रने के बाद, हम गुड हार्बरस नामक एक जगह पर पहुँचे, जसिके पास लासिया नामक नगर था। लेकिन चूँकि काफी समय बीत चुका था, और नौकायन खतरनाक हो गया था—क्योंकि सुरक्षित यात्रा का मौसम पहले ही बीत चुका था—पौलुस ने उनसे कहा, 'हे लोगों! मैं देख सकता हूँ कि इस यात्रा में न केवल माल और जहाज को, बल्कि हमारी जान को भी बहुत कठिनाइयाँ और भारी हानि होगी।' लेकिन शताब्दी ने पौलुस की बातों की अपेक्षा नाविकों और जहाज के कप्तान पर अधिक भरोसा किया। और चूँकि बंदरगाह सरदियों के लिए उपयुक्त नहीं था, इसलिए कई लोगों ने वहाँ से प्रस्थान करने की सलाह दी ताकि, यदि संभव हो, तो वे फेनक्स पहुँच सकें, जो क्रीट में एक बंदरगाह है और दक्षिण-पश्चिमी तथा उत्तर-पश्चिमी हवाओं से सुरक्षित है, और वहाँ सरदियाँ बता सकें। एक दक्षिणी हवा चलने लगी, और यह सोचकर कि वे अपना उद्देश्य पहले ही हासिल कर चुके हैं, वे नौका

लेकर क्रीट के पास-पास चल पड़े। लेकिन जल्द ही यूरोक्लडोन नामक एक प्रचंड हवा उनके वरिद्ध उठ खड़ी हुई। जहाज इतना उछल-पछल गया था कि वह हवा का सामना नहीं कर सका, और हम लहरों की दया पर इधर-उधर बहते रहे। और, क्लॉडा नामक एक छोटे से द्वीप पर अटक जाने के बाद, हम बड़ी मुश्किल से जहाज को तैरता रख सके। नाव को कनारे पर लाकर, हमने जीवनरक्षक नावों का उपयोग करना शुरू किया और जहाज को बाँध दिया; इस डर से कि कहीं हम किसी उथले पानी में न फँस जाएँ, हमने पाल उतार दिया और इस प्रकार हम हवा के भरोसे बहते चले गए। अगले दिन, जब तूफ़ान हमें बुरी तरह से झकझोर रहा था, तो हमने माल को फेंकना शुरू कर दिया, और तीसरे दिन हमने अपना सारा सामान अपने ही हाथों से समुद्र में फेंक दिया। लेकिन कई दिनों तक न तो सूर्य दिखाई दिया और न ही तारे, और तूफ़ान लगातार जारी रहा, जिससे हमारी उद्धार की सारी आशा अंततः मटि गई। और चूँकि हम इतने लंबे समय से बिना भोजन के थे, पौलुस उनके बीच में खड़ा हुआ और कहा: 'हे पुरुषो! तुम्हें मेरी बात माननी चाहिए थी और क्रीत से प्रस्थान नहीं करना चाहिए था; तब हम इन कठिनाइयों और इस हानि से बच जाते। लेकिन अब मैं तुम्हें हौसला रखने के लिए कहता हूँ, क्योंकि तुम में से किसी की भी जान नहीं जाएगी, केवल जहाज की जाएगी। क्योंकि परमेश्वर का एक स्वर्गदूत, जिसके मैं हूँ और जिसकी मैं सेवा करता हूँ, कल रात मेरे पास आया और कहा, 'हे पौलुस, मत डर! तुझे तो सीज़र के सामने खड़ा होना ही है; और देख, परमेश्वर ने तेरे साथ नौकायन करने वालों को भी तुझ पर अनुग्रह किया है।' इसलिये, साहस रखो, हे पुरुषो, क्योंकि मैं परमेश्वर पर भरोसा रखता हूँ कि जैसा मुझसे कहा गया है, वैसा ही होगा। हम किसी द्वीप पर अवश्य ही कनारे पर फँके जाएँगे। चौदहवीं रात को, जब हम एड्रियाटिक सागर में उड़ाए जा रहे थे, तो आधी रात के समय नाविकों को संदेह हुआ कि वे किसी भूमिके पास आ रहे हैं; और, उन्होंने गहराई नापकर पाया कि वह बीस फरसेम (लगभग 36 मीटर) थी; फिर, थोड़ी आगे चलकर, उन्होंने फिर से नापकर पाया कि वह पंद्रह फरसेम (लगभग 24 मीटर) थी। चट्टानी उथले पानी पर अटक जाने के डर से, उन्होंने पीछे से चार लंगर गरिआ और भोर का इंतज़ार करने लगे। जब नाविक जहाज से भागने की कोशिश करने लगे और एक नाव को समुद्र में उतार रहे थे, यह दिखावा करते हुए कि वे जहाज के अग्रभाग से लंगर डालने का इरादा रखते हैं, तो पौलुस ने शताब्दी और सैनिकों से कहा: 'जब तक वे जहाज पर नहीं रहेंगे, तुम बच नहीं सकते।' तब सैनिकों ने नाव को पकड़े हुए रस्सियाँ काट दीं, और वह समुद्र में गरि गई। प्रातः होने से पहले, पौलुस ने सभी को कुछ खाने के लिए आग्रह किया, और कहा, 'आज चौदहवां दिन है जब से तुम बिना कुछ खाए-पिए इंतज़ार कर रहे हो। इसलिये मैं तुमसे आग्रह करता हूँ कि कुछ खा लो; इससे तुम्हारे जीवन का उद्धार होगा, क्योंकि तुम में से किसी के भी सरि का एक भी बाल नष्ट नहीं होगा।' ऐसा कहकर, उसने कुछ रोटी ली, सभी के सामने परमेश्वर का धन्यवाद किया, उसे तोड़ा और खाने लगा। तब वे सब भी हौसला पाकर खाने लगे। जहाज पर हम दो सौ सत्तावन जने थे। तृप्त होकर, उन्होंने जहाज को हल्का करने के लिए गेहूँ को समुद्र में फेंकना शुरू कर दिया। जब दिन चढ़ा, तो वे जमीन को नहीं पहचान सके, लेकिन उन्होंने एक खाड़ी देखी जिसके कनारे पर उतराई थी, और उन्होंने संकल्प लिया कि यदि संभव हो तो जहाज को उसी की ओर मोड़ेंगे। और, लंगर उठाकर, वे समुद्र पार चले गए; पतवारें ढीली करके और हवा पकड़ने के लिए एक छोटी पाल चढ़ाकर, वे कनारे की ओर बढ़ चले। वे एक रेतीले तट पर अटक गए, और जहाज फँस गया। जहाज का अगला हिस्सा जोर से अटका और स्थिर रहा, जबकि पिछला हिस्सा लहरों की ताकत से टकरा रहा था। सैनिकों ने कैदियों को मार डालने का फैसला किया था ताकि कोई भी तैरकर तट पर न पहुँच सके और बच न सके। लेकिन शतपति, पौलुस को बचाना चाहकर, उन्हें इस इरादे से रोक दिया, और तैरने वालों को पहले कूदकर कनारे पहुँचने का आदेश दिया, जबकि बाकी लोग खुद को बचाने के लिए, कुछ तख्तों पर, और अन्य जो कुछ भी जहाज से पा सकते थे, उस पर सवार हो गए; और इस तरह वे सब सुरक्षित रूप से कनारे पहुँच गए।

प्रेरितों के काम 27:1-44
ईस्टर के बाद के 7वें सप्ताह का शुक्रवार

पवतिर प्रेरितों के काम, अध्याय 51A

उस समय, बच निकलने के बाद, जो लोग पौलुस के साथ थे, उन्होंने जाना कि उस द्वीप का नाम मेलिट्टा था। स्थानीय लोगों ने हम पर बहुत दया दिखाई, क्योंकि बिारशि और ठंड के कारण, उन्होंने आग जलाई और

हम सभी का स्वागत किया। जब पौलुस ने बहुत सारी सूखी लकड़ियाँ इकट्ठी करके आग पर डाल रहा था, तो गर्मी से भगा हुआ एक वषिला साँप उसके हाथ से लपिट गया। जब स्थानीय लोगों ने उसके हाथ से लटकता हुआ साँप देखा, तो उन्होंने एक-दूसरे से कहा, 'यह आदमी नश्चिन्त ही एक हतुयारा होगा, क्योंकि सिमुदर से बचने के बाद भी ईश्वर का न्याय उसे जीवित रहने नहीं देता।' लेकिन उसने साँप को आग में झाड़ दिया और उसे कोई हानि नहीं हुई। उन्होंने उम्मीद की थी कि उसके शरीर पर चकत्ते नकिल आएँगे, या वह उसी घड़ी मर जाएगा; लेकिन, जब उन्होंने काफी देर तक इंतजार किया और देखा कि उसे कोई हानि नहीं हुई, तो उन्होंने अपना मन बदल लिया और कहा कि वह एक देवता है। उस स्थान के पास द्वीप के राज्यपाल, पब्लियस नामक व्यक्ति की जागीरें थीं; उसने हमारा स्वागत किया और तीन दिनों तक हमारी मेजबानी की। पब्लियस का पति बुखार और पेट दर्द से पीड़ित था; पौलुस उसके पास गया, प्रार्थना की, और उस पर हाथ रखकर उसे चंगा कर दिया। इसके बाद, द्वीप पर अन्य बीमार लोग आए और चंगे हो गए; उन्होंने हमें बहुत सम्मान दिया और, जब हम प्रस्थान करने वाले थे, तो उन्होंने हमें हमारी जरूरत की हर चीज़ उपलब्ध कराई। तीन महीने बाद, हम एक अलेक्जेंडरियाई जहाज, जिसका नाम डायोस्कुरी था, पर सवार होकर रवाना हुए, जो उस द्वीप पर सरदी बंती रहा था, और, सरिक्यूज़ पहुँचने के बाद, हम वहाँ तीन दिन रुके। वहाँ से नौकायन करके हम रगिया पहुँचे; और चूँकि दूसरे ही दिन दक्षिण की हवा चली, हम दूसरे दिन पुतेओली पहुँचे, जहाँ हमने भाइयों को पाया, और उनसे सात दिन रहने के लिए कहा गया, जिसके बाद हम रोम के लिए रवाना हुए। वहाँ के भाइयों ने हमारे बारे में सुनकर, एप्यिन वे और तीन सरायों तक हमें मलिन के लिए बाहर आ गए। उन्हें देखकर, पौलुस ने परमेश्वर का धन्यवाद किया और हर्षित बँधी। जब हम रोम पहुँचे, तो शताब्दी ने कैदियों को सेनानायक के हवाले कर दिया, जबकि पौलुस को एक सपिही के पहरे के साथ अकेले रहने की अनुमति दी गई। तीन दिन बाद, पौलुस ने यहूदियों के प्रमुख पुरुषों को बुलाया, और जब वे इकट्ठा हो गए, तो उसने उनसे कहा: 'भाइयो और मतिरो! मैंने अपनी प्रजा या अपने पूर्वजों की रीति-रिवाजों के विरुद्ध कुछ भी नहीं किया है, फरि भी मुझे बेड़ियों में जकड़कर यरूशलेम से रोमियों के हवाले कर दिया गया। 'उन्होंने, मेरे मामले की जाँच करने के बाद, मुझे रहित करना चाहा, क्योंकि मुझ में मृत्युदंड के योग्य कोई अपराध नहीं है; परन्तु यहूदियों के विरोध करने पर, मुझे नरिणय के लिए कैसर के पास अपील करनी पड़ी—हालाँकि, अपने लोगों के विरुद्ध कोई आरोप लगाने के लिए नहीं। इसीलिए मैंने आपको बुलाया है, ताकि मैं आपसे मल्लूँ और बात करूँ, क्योंकि मुझे इन बेड़ियों में इस्राएल की आशा के कारण ही बाँधा गया है।' उन्होंने उत्तर दिया, 'हमने यहूदियों से आपके वषिय में न कोई पत्र प्राप्त किया है, और न ही यहाँ आए भाइयों में से किसी ने आपके वषिय में कुछ बताया है या आपकी नदि की है। तथापि, हम आपसे आपके वचार सुनना चाहेंगे; क्योंकि हम जानते हैं कि इस शकिषा के वषिय में सर्वतर बहुत विवाद है। और, उसके लिए एक दिन नश्चित करके, बहुत से लोग सराय में उसे देखने आए; और वह सुबह से शाम तक उन्हें परमेश्वर के राज्य के वषिय में समझाता रहा, और मूसा की व्यवस्था और भवषियदवक्ताओं से यीशु के वषिय में प्रमाण देता और उन्हें समझाता रहा। कुछ लोग उसकी बातों से राजी हो गए, जबकि अन्य वशिवास नहीं करते थे। लेकिन जब वे आपस में ही असहमत हो गए, तो वे चले गए, जब पौलुस ने ये शब्द कहे: 'पवतिर आत्मा ने यशायाह भवषियवक्ता के द्वारा हमारे पूर्वजों से ठीक ही कहा था: "इस प्रजा के पास जाओ और कहो: 'तुम कानों से सुनोगे पर समझोगे नहीं, और आँखों से देखोगे पर देखोगे नहीं।' क्योंकि इन लोगों का हृदय कठोर हो गया है; उनके कान सुनने के लिए बधिर हो गए हैं, और उन्होंने अपनी आँखें बंद कर ली हैं, कहीं ऐसा न हो कि वे अपनी आँखों से देखें, और अपने कानों से सुनें, और अपने हृदय से समझें, और लौट आएँ—और मैं उन्हें चंगा करूँ। इसलिए, यह जान लो: परमेश्वर का उद्धार अन्यजातियों के पास भेजा गया है; वे इसे सुनेंगे।' जब उसने यह कहा, तो यहूदी चले गए और आपस में जोरदार बहस करने लगे। और पौलुस वहाँ पूरे दो साल तक रहा, अपना खर्च स्वयं उठाते हुए और जो भी उसके पास आता था, उसे स्वीकार करते हुए, परमेश्वर के राज्य का प्रचार करते हुए और प्रभु यीशु मसीह के वषिय में पूरी नरिभीकता से और बनिा किसी रोक-टोक के सखाते रहे।

याकूब का पत्र

याकूब का पत्र, आरंभ 50B

याकूब, परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह का दास, दूर-दूर फैले हुए बारह गोत्रों को—शुभकामनाएँ। मेरे भाइयो और बहनो, जब भी तुम वभिनिन परीक्षाओं का सामना करो तो इसे शुद्ध आनन्द समझो, यह जानते हुए कि तुम्हारे विश्वास की परीक्षा धीरज उत्पन्न करती है; और धीरज को अपना पूरा काम करने दो, ताकि तुम परपिक्व और पूरण बनो, और तुम्हें किसी भी चीज की कमी न हो। यदि तुम में कोई बुद्धि में कमी महसूस करता है, तो वह परमेश्वर से मांगे, जो सभी को उदारतापूर्वक और बना किसी नदि के देता है, और उसे यह दी जाएगी। परन्तु उसे विश्वास से मांगे, और इसमें कोई संदेह न करे, क्योंकि जो संदेह करता है वह समुद्र की लहर के समान है, जिससे हवा से इधर-उधर उछाला जाता है। ऐसे मनुष्य को यह आशा नहीं रखनी चाहिए कि वह प्रभु से कुछ पाएगा। दृष्टिमान मनुष्य अपने सब मार्गों में अस्थिर होता है। जो भाई नीच है, वह अपनी ऊँचाई पर घमण्ड करे, और जो धनी है, वह अपनी नीचता पर, क्योंकि वे घास पर के फूल के समान क्षण भर में सूख जाएँगे। सूरज उगता है, गर्मी चढ़ती है, और गर्मी से घास सूख जाती है; उसका फूल झड़ जाता है, और उसकी सुंदरता फीकी पड़ जाती है; वैसे ही धनी मनुष्य भी अपने मार्गों में मुरझा जाता है। धन्य है वह मनुष्य जो परीक्षा में स्थिर रहता है, क्योंकि जब वह परखा जा चुका होगा, तो उसे जीवन का मुकुट मिलेगा, जिससे प्रभु ने उनसे प्रेम करने वालों से वादा किया है। परीक्षा में पड़ने पर कोई भी यह न कहे, 'ईश्वर मुझे परीक्षा में डाल रहे हैं'; क्योंकि ईश्वर बुराई से परीक्षा में नहीं पड़ सकते, और न ही वे स्वयं किसी को परीक्षा में डालते हैं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी ही इच्छा से बहककर और लुभाकर परीक्षा में पड़ता है; फिर, जब इच्छा गर्भ धारण कर लेती है, तो वह पाप को जन्म देती है; और पाप, जब वह परपिक्व हो जाता है, तो मृत्यु को जन्म देता है। मेरे प्रिय भाइयो और बहनो, धोखा न खाओ। हर अच्छी भेंट और हर उत्तम वरदान ऊपर से, ज्योतियों के पति के पास से आता है, जिसमें न कोई परिवर्तन है और न पलटने का साया। अपनी इच्छा से उसने हमें सत्य के वचन द्वारा उत्पन्न किया, ताकि हम उसकी सृष्टि की एक प्रकार की पहिली उपज हों।

याकूब 1:1-18
31वें सप्ताह का बुधवार

याकूब का पत्र, अध्याय 51B

मेरे प्रिय भाइयो, हर एक मनुष्य सुनने में शीघ्र, बोलने में धीमा, और क्रोध करने में धीमा हो; क्योंकि मनुष्य का क्रोध परमेश्वर की धार्मिकता उत्पन्न नहीं करता। इसलिये, सब प्रकार की मलनिता और बुराई के अवशेष को दूर करके, वह वचन नम्रता से ग्रहण करो जो तुम्हारे आत्माओं को बचा सकता है। शब्द के कर्मी बनो, न कि केवल सुनने वाले जो स्वयं को धोखा देते हैं। क्योंकि जो कोई वचन सुनता है और उसे व्यवहार में नहीं लाता, वह उस मनुष्य के समान है जो दर्पण में अपने जन्मजात अंगों को देखता है: वह स्वयं को देखकर चला जाता है, और तुरंत भूल जाता है कि वह कैसा दिखता है। पर जो कोई भी सदिध व्यवस्था, अर्थात् स्वतंत्रता की व्यवस्था, में ध्यान से झाँकता है और उसी में स्थिर रहता है—और केवल सुनने वाला ही नहीं, बल्कि उस काम का करने वाला बनता है—तो वह जो कुछ भी करता है, उसमें धन्य होगा। यदि तुम में से कोई यह सोचता है कि वह धार्मिक है, पर अपनी जीभ पर संयम नहीं रखता और अपने ही हृदय को धोखा देता है, तो उसकी धार्मिकता व्यर्थ है। परमेश्वर पति के सामने शुद्ध और नरिमल भक्तियह है: संकट में अनाथों और वधवाओं की देखभाल करना और स्वयं को संसार से कलंकित न होने देना।

याकूब 1:19-27
31वें सप्ताह का गुरुवार

याकूब का पत्र, अध्याय 52

भाइयो, हमारे महमिा के प्रभु यीशु मसीह में पक्षपात न करके विश्वास रखो। क्योंकि यदि सोने की अंगूठी और भड़कीले वस्त्र पहनि कोई धनी मनुष्य तुम्हारी सभा में आ जाए, और एक गरीब मनुष्य मैले वस्त्र पहनि भी आ जाए, और तुम भड़कीले वस्त्र पहनि वाले को देखकर उससे कहो, 'तुम यहाँ बैठो,' और गरीब से कहो, 'वहाँ खड़ा रहो, या मेरे पैरों के पास यहाँ बैठो,' तो क्या तुम अपने ही मन में न्याय नहीं कर रहे हो और बुरे वचारों से न्यायी नहीं बन रहे हो? सुनो, मेरे प्रिय भाइयो और बहनो: क्या परमेश्वर ने इस संसार के गरीबों को विश्वास में धनी और उस राज्य के वारिस नहीं बनाया है, जिसका उसने अपने प्रेम करने वालों से वादा किया है? परन्तु तुम ने गरीबों को तुच्छ जाना है। क्या अमीर वे नहीं हैं जो तुम पर अत्याचार करते हैं और तुम्हें अदालत में घसीटते हैं? क्या वे वही नहीं हैं जो उस शुभ नाम पर कलंक लगाते हैं, जिससे तुम बुलाए गए हो? यदि तुम राजसी व्यवस्था को पूरा करते हो, जैसा लिखा है: 'अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो', तो तुम अच्छा करते हो। लेकिन यदि तुम पक्षपात करते हो, तो तुम पाप कर रहे हो और व्यवस्था तोड़ने वाले ठहरे हो। जो कोई सारे व्यवस्था का पालन करता है, पर एक ही बात में चूक करता है, वह सारे व्यवस्था को तोड़ने का दोषी हो गया है। क्योंकि जिसने कहा, 'व्यभिचार मत करना', उसी ने यह भी कहा, 'हत्या मत करना'; इसलिए, यदि तुम व्यभिचार नहीं करते पर हत्या करते हो, तो तुम भी व्यवस्था के उल्लंघनकर्ता हो। स्वतंत्रता के विधान से परखा जाएँगे, इस प्रकार बोलो और ऐसा करो। क्योंकि जो कोई भी पूरे विधान का पालन करता है, पर एक ही बात में चूक जाता है, वह पूरे विधान का उल्लंघन करता है। क्योंकि जिसने कहा, 'व्यभिचार मत करना', उसी ने यह भी कहा, 'हत्या मत करना'; इसलिए, यदि तुम व्यभिचार नहीं करते पर हत्या करते हो, तो तुम भी विधान के उल्लंघनकर्ता हो।

याकूब 2:1-13
31वें सप्ताह का शुक्रवार

याकूब का पत्र, अध्याय 53

भाइयो और बहनो, यदि कोई दावा करे कि उसका विश्वास है पर उसके काम नहीं हैं, तो उससे क्या लाभ? क्या ऐसा विश्वास उसे बचा सकता है? यदि कोई भाई या बहन नंगा हो और दैनिक भोजन से वंचित हो, और तुम में से कोई उनसे कहे, 'सुरक्षित जाओ, गर्म रहो और तृप्त रहो,' परन्तु उनकी शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा न करे, तो उससे क्या लाभ? इस प्रकार विश्वास भी, यदि कर्म रहित हो, तो अपने आप में मृत है। परन्तु कोई कहे, 'तेरा विश्वास है, और मेरे पास कर्म हैं'; मुझे अपना विश्वास अपने कर्मों के बिना दिखा, और मैं अपने कर्मों से अपना विश्वास तुम्हें दिखाऊँगा। तुम विश्वास करते हो कि परमेश्वर एक है; तुम अच्छा करते हो; यहाँ तक कि दुष्टात्माएँ भी विश्वास करती हैं और काँपती हैं। पर हे मूर्ख, क्या तू यह जानना चाहता है कि कर्म रहित विश्वास मृत है? क्या हमारे पिता इब्राहीम अपने कर्मों से धर्मी नहीं ठहराए गए, जब उन्होंने अपने पुत्र इसहाक को वेदी पर चढ़ाया? क्या आप देखते हैं कि विश्वास उसके कर्मों के साथ मिलकर काम करता था, और उसके कर्मों से उसका विश्वास सिद्ध हुआ? और पवित्रशास्त्र का वचन पूरा हुआ: 'इब्राहीम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिए धार्मिकता में गिना गया, और वह परमेश्वर का मित्र कहलाया गया'। क्या आप देखते हैं कि मनुष्य कर्मों से धर्मी ठहरता है, न कि केवल विश्वास से? इसी प्रकार, क्या राहाब वेश्या भी अपने कर्मों से धर्मी नहीं ठहरी, जब उसने जासूसों का स्वागत किया और उन्हें एक दूसरे मार्ग से भेज दिया? क्योंकि जैसे आत्मा के बिना शरीर मृत है, वैसे ही कर्म के बिना विश्वास भी मृत है।

याकूब 2:14-26
32वें सप्ताह का सोमवार

याकूब का पत्र, अध्याय 54

भाइयो, बहुत से शक्तिषक न बनो, यह जानते हुए कि हम पर और भी सख्त न्याय होगा, क्योंकि हम सब कई तरह से ठोकर खाते हैं। जो कोई अपनी बातों में ठोकर नहीं खाता, वह एक सिद्ध मनुष्य है, जो पूरे शरीर पर लगाम लगा सकता है। देखो, हम घोड़ों के मुँह में लगाम डालकर उन्हें अपने वश में कर लेते हैं, और उनके

पूरे शरीर को घुमा लेते हैं। देखो, जहाज़ भी, चाहे वे कतिने ही बड़े क्यों न हों और चाहे हवाएँ उन्हें कतिनी ही जोर से क्यों न चलाएँ, उन्हें एक छोटी चप्पू से चलाया जाता है, जहाँ नावकि चाहता है; उसी तरह जीभ—एक छोटा अंग—परन्तु वह बहुत कुछ करती है। वचिार करो किकैसे एक छोटी आग कतिनी बड़ी चीज़ को आग लगा देती है! और जीभ एक आग है, अन्याय की एक शोभा; जीभ हमारे अंगों में इस प्रकार स्थिति है कियह पूरे शरीर को अशुद्ध कर देती है और जीवन के मार्ग को आग लगा देती है, और स्वयं गेहेनना से आग लगाई जाती है। क्योंकिहिर प्रकार के जानवर और पक्षी, रेंगने वाले जीव और समुद्री जीव को तो मनुष्य के स्वभाव से वश में किया जाता है और किया भी गया है, पर कोई भी जीभ को वश में नहीं कर सकता: यह एक अनयित्ति बुराई है; यह घातक वषि से भरा है। इसी से हम परमेश्वर पतिा का धन्यवाद करते हैं, और इसी से हम परमेश्वर के स्वरूप में बनाए गए मनुष्यों को शाप देते हैं। एक ही मुँह से आशीष और शाप निकलना उचित नहीं है, हे मेरे भाइयो।

याकूब 3:1-10
32वें सप्ताह का मंगलवार

याकूब का पत्र, अध्याय 55

भाइयो, क्या एक ही झरने से मीठा और कड़वा पानी निकल सकता है? नहीं, मेरे भाइयो, अंजीर के पेड़ पर जैतून नहीं उगते, और न ही अंगूर की बेल पर अंजीर होते हैं। इसी तरह, एक ही झरना नमकीन और मीठा पानी दोनों नहीं दे सकता। यदतिम में कोई बुद्धमिा और समझदार है, तो वह अपने अच्छे आचरण और कोमल बुद्धि से इसे प्रदर्शति करे। पर यदतिम अपने मन में कटु ईर्ष्या और झगड़ा पालते हो, तो घमंड न करो और सत्य के वरिध में झूठ न बोलो। यह ऊपर से आने वाली बुद्धि नहीं है, बल्कि सांसारिक, आध्यात्मिक-रहति, शैतानी है; क्योंकि जहाँ ईर्ष्या और झगड़ा होता है, वहाँ अव्यवस्था और हर तरह का बुरा काम होता है। पर जो बुद्धि ऊपर से आती है, वह सबसे पहले, शुद्ध, फरि शांतपूरण, सौम्य, वविकशील, दया और उत्तम फलों से परपूरण, नषिपकष और ईमानदार। और धार्मकिता का फल शांति से बीजा जाता है, जो शांति स्थापति करने वालों द्वारा होता है। तुम्हारे संघर्ष और झगड़े कहाँ से आते हैं? क्या ये तुम्हारी कामनाओं से नहीं आते, जो तुम्हारे ही अंगों में युद्ध करती रहती हैं? तुम कुछ चाहते हो और तुम्हारे पास नहीं होता; तुम हत्या करते हो और ईर्ष्या करते हो—और प्रापूत नहीं कर सकते; तुम झगड़ते और लड़ते हो—और तुम्हारे पास नहीं है, क्योंकि तुम माँगते नहीं। तुम माँगते हो और प्रापूत नहीं करते, क्योंकि तुम भलाई के लिए नहीं माँगते, बल्कि अपनी कामवासनाओं पर खर्च करने के लिए माँगते हो। हे व्यभिचारियों! क्या तुम नहीं जानते कि संसार से मतिरता करना परमेश्वर से बैर करना है? इसलिये, जो कोई संसार का मतिर बनना चाहता है, वह परमेश्वर का शत्रु बनता है। या क्या तुम सोचते हो कि शास्त्र व्यर्थ ही कहता है, 'जो आत्मा हम में वास करता है, वह ईर्ष्या से जलता है'? परन्तु वह और भी अधिक अनुग्रह देता है; इसलिये यह कहा गया है, 'परमेश्वर घमण्डी लोगों का वरिध करता है, परन्तु नम्र लोगों पर अनुग्रह करता है।'

याकूब 3:11-4:6
32वें सप्ताह का बुधवार

याकूब का पत्र, अध्याय 56

प्रयि, परमेश्वर के अधीन हो जाओ; शैतान का वरिध करो, और वह तुमसे दूर भाग जाएगा। परमेश्वर के निकट आओ, और वह तुमसे निकट आएगा; हे पापियों, अपने हाथ शुद्ध करो, और हे दो मन वालों, अपने हृदय को शुद्ध करो। शोक मनाओ, और रोओ; तुम्हारी हँसी शोक में और तुम्हारी खुशी दुख में बदल जाए। प्रभु के सामने स्वयं को नम्र करो, और वह तुम्हें ऊँचा उठाएगा। हे भाइयो, एक-दूसरे के बारे में बुराई न बोलो: जो अपने भाई के बारे में बुराई बोलता है या अपने भाई का न्याय करता है, वह व्यवस्था के बारे में बुराई बोलता है और व्यवस्था का न्याय करता है; और यदतिम व्यवस्था का न्याय करते हो, तो तुम व्यवस्था के करनेवाले नहीं, बल्कि न्यायकर्ता हो। एक ही वधि-दाता और न्यायी है, जो बचा भी सकता है और नाश भी कर सकता है; और तुम कौन होते हो जो दूसरे का न्याय करो? अब सुनो, तुम जो कहते हो, 'आज या कल हम किसी नगर में जाकर वहाँ एक वर्ष बतिाएंगे और व्यापार करके लाभ कमाएँगे'; तुम जो नहीं जानते कि किल क्या होगा:

क्योंकि तुम्हारा जीवन क्या है? एक भाप जो थोड़ी देर के लिए दिखाई देती है और फिर गायब हो जाती है। यह कहने के बजाय कि, 'यदि प्रभु चाहेंगे, और हम जीवित रहे, तो हम यह या वह करेंगे' – तुम, अपनी घमंड में, डींगें हाँकते हो; ऐसी सारी डींगें बुरी हैं। इसलिए, जो कोई भी भलाई करना जानता है और उसे नहीं करता, वह पाप करता है। हे अमीरों, सुनो: आने वाली आपदाओं के कारण रोओ और विलाप करो। तुम्हारा धन सड़ गया है, और तुम्हारे कपड़े कीड़ों ने खा लिए हैं। तुम्हारा सोना और चाँदी जंग लगा गए हैं, और उनका जंग तुम्हारे वरिद्ध गवाही देगा और आग की तरह तुम्हारा मांस खा जाएगा: तुमने अंतर्निहित दानों में अपने लिए खजाना इकट्ठा किया है। देखो, जिस मजदूरी को तुमने अपने खेतों में काम करने वाले मजदूरों की रोक ली है, वह पुकार रही है, और कटनी करने वालों की पुकार सेनाओं के प्रभु के कानों तक पहुँच गई है। तुमने पृथ्वी पर ऐश-ओ-आराम में जीवन व्यतीत किया और अपने आपको विलासिता में डुबोया; तुमने अपने दिलों को जैसे वध के दान के लिए मोटा किया है। तुमने धर्मी को दोषी ठहराया और मार डाला; वह तुम्हारा वरिद्ध नहीं करता। इसलिए, भाइयों, प्रभु के आने तक धीरज धरो। देखो, किसान पृथ्वी से कीमती फसल की आशा करता है और उसके लिए धीरज धरता है, जब तक कि वह पहले और बाद की वर्षा प्राप्त न कर ले। तुम भी धीरज धरो; अपने हृदयों को मजबूत करो, क्योंकि प्रभु का आना निकट है। भाइयो और बहनो, एक दूसरे से शिकायत न करो, कहीं ऐसा न हो कि तुम पर न्याय किया जाए: देखो, न्यायी द्वार पर खड़ा है।

याकूब 4:7-5:9
32वें सप्ताह का गुरुवार

याकूब का पत्र, आरंभ 57A

भाइयो, प्रभु के नाम में बात करने वाले भविष्यदवक्ताओं को दुख और धीरज का उदाहरण मानो। देखो, हम धीरज धरने वालों को धन्य गनिते हैं। तुमने अय्यूब के धीरज के बारे में सुना है और देखा है कि प्रभु ने उसे क्या दिया, क्योंकि प्रभु बहुत दयालु और करुणामय है। सबसे बढ़कर, मेरे भाइयो, शपथ मत खाओ—न तो आकाश की, न पृथ्वी की, और न किसी अन्य शपथ की—बल्कि तुम्हारा 'हाँ' 'हाँ' और तुम्हारा 'नहीं' 'नहीं' रहे, ताकि तुम न्याय के दण्ड के अधीन न हो जाओ। क्या तुम में कोई दुखित है? वह प्रार्थना करे। क्या कोई प्रसन्न है? वह भजन गाए। यदि तुम में कोई बीमार है, तो वे मंडली के बुजुर्गों को बुलाएँ, और वे उनके लिए प्रार्थना करें, और प्रभु के नाम पर उन पर तेल लगाएँ। और विश्वास की प्रार्थना बीमार को चंगा करेगी, और प्रभु उन्हें उठा देगा; और यदि उन्होंने पाप किए हैं, तो उन्हें क्षमा मिल जाएगी। एक दूसरे के सामने अपनी-अपनी गलतियों को मानो और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करो, ताकि तुम चंगे हो जाओ: एक धर्मी व्यक्ति की प्रार्थना में बहुत शक्ति होती है। एलिया भी हम ही जैसे एक मनुष्य थे, और उन्होंने बड़ी लगन से प्रार्थना की कि विरषा न हो; और तीन साल और छह महीने तक देश में वर्षा नहीं हुई। और उसने फिर से प्रार्थना की, और आकाश ने वर्षा दी, और पृथ्वी ने अपना फल उत्पन्न किया। हे भाइयो और बहनो! यदि तुम में कोई सत्य से भटक जाए, और कोई उसे फिर से सीधा मार्ग पर लाए, तो उसे यह जान लेना चाहिए कि जो किसी पापी को उसके भटकने के मार्ग से फेर देता है, वह उसकी आत्मा को मृत्यु से बचाएगा और बहुत से पापों को ढाँपेगा।

याकूब 5:10-20
20 जुलाई, नबी एलियाह।
सूखे के दौरान

याकूब का पत्र, आरंभ 57B

भाइयो, प्रभु के नाम में बोलनेवाले भविष्यदवक्ताओं को दुख और धीरज का उदाहरण समझो। देखो, हम धीरज धरनेवालों को धन्य गनिते हैं। तुमने अय्यूब की सहनशीलता के बारे में सुना है और देखा है कि प्रभु ने क्या किया, क्योंकि प्रभु बहुत दयालु और करुणामय है। सबसे बढ़कर, मेरे भाइयो और बहनो, कसम मत खाओ—न तो आकाश की, न पृथ्वी की, और न किसी अन्य कसम की—बल्कि तुम्हारा 'हाँ' 'हाँ' और तुम्हारा 'नहीं' 'नहीं' रहे, ताकि तुम न्याय के अधीन न हो जाओ। यदि तुम में से कोई दुखित है, तो वह प्रार्थना करे। यदि कोई प्रसन्न है, तो वह भजन गाए। यदि कोई बीमार है, तो वह मंडली के बुजुर्गों को बुलाए, और वे उनके

याकूब का पत्र

लिए प्रार्थना करें, और प्रभु के नाम पर तेल लगाकर उनकी मालिश करें। और विश्वास की प्रार्थना रोगी को चंगा करेगी, और प्रभु उसे उठा देगा; और यदि उसने पाप किए हैं, तो उन्हें क्षमा किया जाएगा। अपनी-अपनी दोषों को एक दूसरे के सामने मानो और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करो, ताकि तुम चंगे हो जाओ: एक धर्मी मनुष्य की दृढ़ प्रार्थना में बहुत शक्ति होती है।

याकूब 5:10-16
बीमारों के विषय में

पतरस का पहला पत्र

पतरस का पहला पत्र, आरंभ 58A

यीशु मसीह का प्रेरित पतरस, उन प्रवासियों को जो पोंटस, गलातिया, कपाडोसिया, एशिया और बथिनिया में बखिरे हुए हैं, जिन्हें परमेश्वर पति की पूर्वज्ञान के अनुसार, पवित्र आत्मा के पवित्र करने के काम के द्वारा, यीशु मसीह के आज्ञाकार होने और उसके लहू से छड़िकाए जाने के लिए चुना गया है: तुम्हारे ऊपर अनुग्रह और शान्तिकी वृद्धि हो। यही उद्धार था जिसकी भविष्यदवक्ताओं ने खोज और खोजबीन की, जब उन्होंने आपके लिए नयित अनुग्रह के विषय में भविष्यदवाणी की, और यह पूछते रहे कि उन में मसीह का आत्मा जो कुछ और कब का संकेत दे रहा था, जबकि वह मसीह के दुःख-क्लेश और उसके बाद होने वाली महिमा की भविष्यवाणी कर रहा था। उन्हें यह प्रगट किया गया था कि जो बात अब स्वर्ग से भेजे गए पवित्र आत्मा के द्वारा सुसमाचार का प्रचार करने वालों द्वारा आप लोगों को सुनाई जा रही है, वह उनके अपने लाभ के लिए नहीं, बल्कि हमारे लाभ के लिए थी—एक ऐसा संदेश जिस पर स्वर्गदूत भी दृष्टि डालने के लिए लालायित हैं। क्योंकि पवित्रशास्त्र में लिखा है: 'देखो, मैं सयियों में एक चुना हुआ और कीमती मूलधार-पत्थर रखता हूँ; और जो कोई उस पर विश्वास करेगा वह लज्जित नहीं होगा।' इसलिये जो विश्वास करते हैं, उनके लिये वह अनमोल है, परन्तु जो विश्वास नहीं करते, उनके लिये वह वही पत्थर है जिससे राजमस्त्रियों ने अस्वीकार किया था, परन्तु जो एक कोना-पत्थर बन गया है; ठोकर खाने का पत्थर और ठोकर का चट्टान, जिस पर वे ठोकर खाते हैं क्योंकि वे आज्ञा नहीं मानते, और इसी कारण वे ठुकराए हुए हैं। परन्तु तुम एक चुनी हुई वंशावली, एक राजसी याजकवृन्द, एक पवित्र राष्ट्र, और उसकी विशेष संपत्तिकी प्रजा हो, ताकि तुम उस की उत्तमताओं का प्रचार करो, जिस ने तुम्हें अन्धकार से निकाल कर अपनी अद्भुत रोशनी में बुलाया; जो पहिले कोई प्रजा न थे, परन्तु अब परमेश्वर की प्रजा हो; जो पहिले दया न पाए थे, परन्तु अब दया पाए हो।

1 पतरस 1:1-2, 10-12; 2:6-10
32वें सप्ताह का शुक्रवार

पतरस का पहला पत्र, आरंभ 58B

भाइयो, हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर पति धन्य हों, जिन्होंने अपनी महान दया में हमें मरे हुएों में से जी उठाने के द्वारा नया जीवन दिया है, एक जीवित आशा और एक अविनाशी वरिसत के लिए, शुद्ध, जो न फीके पड़ने वाली है, और स्वर्ग में आपके लिए रखी गई है, परमेश्वर की शक्तिद्वारा विश्वास के माध्यम से आपके उद्धार के लिए सुरक्षित, जो अन्तिम समय में प्रकट होने के लिए तैयार है। इस पर आनन्दति हो, यद्यपि तुम्हें अब, यदि आवश्यक हो, तो विभिन्न परीक्षाओं के द्वारा कुछ समय के लिए थोड़ा दुःख उठाना पड़ सकता है, ताकि तुम्हारा विश्वास परखा जाकर आग में परखे जाने वाले नाशवान सोने से भी अधिक कीमती सिद्ध हो—यीशु मसीह के प्रकट होने पर महिमा, सम्मान और गौरव के लिए, जिससे तुमने न देखकर भी प्रेम किया है, और जिसमें, यद्यपि तुमने उसे अभी तक नहीं देखा है, तुम विश्वास करते हो; और तुम एक अकथनीय और महिमामय आनंद से आनंदित होते हो, जैसे तुम अपने विश्वास के द्वारा अपनी आत्माओं का उद्धार प्राप्त करते हो।

1 पतरस 1:3-9
29 जून, संत पतरस और पौलुस प्रेरित, पेरमिया 1

पतरस का पहला पत्र, पाठ 58ख

प्रिय, अपने मन के कमर कस लो, होशियार रहो, और अपनी आशा पूरी तरह उस अनुग्रह पर रखो जो यीशु मसीह के प्रगट होने पर तुम्हें मलिनने वाला है। आज्ञाकारी बच्चों की तरह, उस पुरानी लालसा के अनुसार मत चलो जो तुम्हें तुम्हारी अज्ञानता में थी, बल्कि उस पवतिर की अनुकरणा करो जिसने तुम्हें बुलाया, और तुम भी अपने सारे आचरण में पवतिर बनो। क्योंकि लिखा है: 'पवतिर बनो, क्योंकि मैं पवतिर हूँ।' और यद्यपि तुम उसे पतिता कहो, जो नष्टिपक्ष होकर हर एक के कर्मों के अनुसार न्याय करता है, तो परदेशी होने के नाते यहाँ भय के साथ अपना समय व्यतीत करो, यह जानते हुए कि तुम अपनी व्यर्थ रीति से छुटकारा नहीं पाए, जो तुम्हारे पूर्वजों से तुम्हें मली थी, न कि नाशवान चाँदी या सोने से, बल्कि मसीह के अनमोल लहू से, जो एक नरिदोष और नरिदोष मेम्ने के समान है।

1 पतरस 1:13-19

29 जून, संत पतरस और पौलुस प्रेरति, पेरमिया 2

पतरस का पहला पत्र, ईस्वी 58 में आरंभ

प्रिय, मैं तुमसे आग्रह करता हूँ कि परदेशी और नरिवासति के रूप में, उन सांसारिक इच्छाओं से दूर रहो जो आत्मा से लड़ती हैं, और अन्यजातियों के बीच एक सदाचारी जीवन जियो, ताकि वे तुम्हें दुष्ट कहकर ननिंदा करें, परन्तु दण्ड के दनि, जब वे तुम्हारे भले कामों को देखेंगे, तो परमेश्वर की महिमा करें। इसलिये, प्रभु के नमितित हर प्रकार के मानवीय अधिकार के अधीन रहो: चाहे राजा के रूप में जो सर्वोच्च अधिकार है, या राज्यपालों के रूप में जो उसके द्वारा दुष्टों को दण्ड देने और भलाई करने वालों की प्रशंसा करने के लिए भेजे गए हैं – क्योंकि परमेश्वर की यही इच्छा है, कि हम भलाई करके मूर्खों के अज्ञान को चुप करा दें – स्वतंत्र लोगों के रूप में, अपनी स्वतंत्रता का उपयोग बुराई के आवरण के लिए न करें, बल्कि परमेश्वर के सेवकों के रूप में करें। सभी का सम्मान करें, भाईचारे से प्रेम करें, परमेश्वर का भय मानें, राजा का सम्मान करें। दासों, अपने स्वामियों की हर बात का पालन करो, केवल उन लोगों का ही नहीं जो भले और कोमल हैं, बल्कि उन लोगों का भी जो कठोर हैं। क्योंकि यह परमेश्वर को भाता है कि यदि कोई परमेश्वर का स्मरण रखते हुए अन्याय सहन करे। क्योंकि इसमें क्या श्रेय है यदि तुम अपनी बुराइयों के लिए पीटे जाने पर ही धीरज धरते हो? परन्तु यदि तुम भलाई करते और दुख सहते हुए धीरज धरते हो, तो यह परमेश्वर को भाता है। क्योंकि तुम्हें इसी के लिए बुलाया गया है, क्योंकि मसीह ने भी हमारे लिए दुख उठाया, हमारे लिए एक नमूना छोड़ दिया, ताकि हम उसके पदचिन्हों पर चलें। उसने कोई पाप नहीं किया, और उसके मुँह में कोई छल नहीं पाया गया। जब उन्हें गाली दी गई, तो उन्होंने गाली नहीं दी; जब उन्हें पीड़ा दी गई, तो उन्होंने धमकी नहीं दी, बल्कि उन्होंने स्वयं को उस परमेश्वर के हवाले कर दिया जो न्याय करता है। उन्होंने स्वयं हमारे पापों को अपने शरीर में वृक्ष पर उठा लिया, ताकि पाप से मुक्त होकर हम धार्मिकता के लिए जी सकें।

1 पतरस 2:11-24क

29 जून, संत पतरस और पौलुस प्रेरति, पेरमिया 3

पतरस का पहला पत्र, अध्याय 59

प्रिय, मसीह ने हमारे लिए दुख उठाया, हमें एक उदाहरण छोड़ते हुए, ताकि हम उसके पदचिन्हों पर चलें। उसने कोई पाप नहीं किया, और न ही उसके मुँह में कोई छल पाया गया। जब उसे कोसा गया, तो उसने बदले में अभिशाप नहीं दिया; जब उसे पीड़ा दी गई, तो उसने धमकी नहीं दी, बल्कि स्वयं को उस धर्मी न्यायी के हवाले कर दिया। उसने स्वयं हमारे पापों को अपने शरीर में वृक्ष पर उठा लिया, ताकि पाप से मुक्त होकर हम धार्मिकता के लिए जी सकें; उसकी चोटों से तुम्हारा चंगा किया गया है। क्योंकि तुम भटकते हुए भेड़ों के समान थे (जिनका कोई चरवाहा नहीं था), पर अब तुम अपने प्राणों के चरवाहे और नरीक्षक के पास लौट आए हो। इसी तरह, हे पतनियों, अपने-अपने पतियों के अधीन रहो, ताकि जो पतिविचन की आज्ञा नहीं मानते, वे बिना किसी बात कहे ही पतनियों के आचरण से प्रभावित हो जाएँ, जब वे तुम्हारा पवतिर और ईश्वर-भययुक्त आचरण देखें। तुम्हारा शरंगार केवल बाहरी न हो—जैसे चोटीयाँ, सोने के गहने, या सुंदर वस्त्र—बल्कि हृदय का भीतरी मनुष्य हो, एक कोमल और शांत आत्मा की अक्षय सुन्दरता के साथ, जो परमेश्वर

पतरस का पहला पत्र

के दृष्टि में बहुमूल्य है। इसी प्रकार, प्राचीन समय की पवित्र स्त्रियाँ, जो परमेश्वर में आशा रखती थीं, अपने पतियों की आज्ञा मानकर स्वयं को सुसज्जित करती थीं। इस प्रकार सारा ने इब्राहीम की आज्ञा मानी और उसे 'प्रभु' कहा। यदि तुम भलाई करते हो और किसी भी भय से परेशान नहीं होते हो तो तुम उसकी संतान हो। इसी प्रकार, हे पतियों, अपनी पत्नियों के साथ समझदारी से व्यवहार करो, उन्हें कमजोर पात्र के रूप में सम्मान दो, क्योंकि वे अनुग्रह-पूर्ण जीवन की सह-वारसि हैं, ताकि तुम्हारी प्रार्थनाएँ बाधित न हों। अंत में, तुम सब एकमत, दयालु, एक दूसरे से प्रेम करने वाले, करूणामय, कृपालु और नम्र हो; बुराई का बदला बुराई से और अपमान का बदला अपमान से न चुकाओ, बल्कि इसके विपरीत, यह जानते हुए आशीर्वाद दो कि तुम्हें आशीर्वाद का वारसि होने के लिए बुलाया गया है।

1 पतरस 2:21ख-3:9
33वें सप्ताह का सोमवार

पतरस का पहला पत्र, अध्याय 60 की शुरुआत

प्रिय, जो कोई जीवन से प्रेम करता है और शुभ दिन देखना चाहता है, वह अपनी जीभ को बुराई से और अपने होठों को कपटपूर्ण बातों से दूर रखे; वह बुराई से दूर हो जाए और भलाई करे; वह शांति की खोज करे और उसका पीछा करे, क्योंकि यहोवा की दृष्टि धारियों पर है और उसके कान उनकी प्रार्थना के लिए खुले हैं, परन्तु यहोवा का मुँह उन पर है जो बुराई करते हैं। (ताकि वह उन्हें पृथ्वी पर से मटा दे)। और यदि तुम भलाई के इच्छुक हो तो तुम्हें कौन हानि पहुँचाएगा? परन्तु यदि तुम धार्मिकता के कारण दुख भी भोगो तो धन्य हो; उनकी धमकियों से न डरना और न व्याकुल होना। अपने दिलों में प्रभु परमेश्वर को पवित्र मानो; और जो कोई तुमसे तुम्हारे भीतर की आशा के विषय में पूछता है, उसे कोमलता और आदर के साथ उत्तर देने के लिए सदा तैयार रहो। अपना वविक नरिमल रखो, ताकि जो तुम्हारे दुष्ट होने का आरोप लगाते हैं, वे मसीह में तुम्हारे अच्छे आचरण की नदि करने पर लज्जित हों। क्योंकि, यदि ईश्वर की यही इच्छा हो, तो भलाई करने के लिए दुख सहना, बुराई करने के लिए सहने से बेहतर है; क्योंकि मसीह ने भी, हमें ईश्वर के पास लाने के लिए, हमारे पापों के लिए एक बार दुख उठाया—धर्मी ने अधर्मीयों के लिए—जबकि देह में मार डाले गए, पर आत्मा के द्वारा जीवित कर दिए गए, उसी के द्वारा, जब वे बंदीगृह में आत्माओं के पास उतर गए और उन पर प्रचार किया जिन्होंने नोआ के दिनों में, जब जहाज बन रहा था, परमेश्वर के धीरज के समय अवज्ञा की थी, जिनके विषय में यह जलप्रलय हुआ, और जिनमें से केवल आठ प्राणियों को ही बचाया गया। इसी प्रकार बपतिस्मा भी, जो इसी नमूने के अनुरूप है—शारीरिक अशुद्धि को धोने के लिए नहीं, बल्कि नरिमल अंतःकरण की परमेश्वर से प्रतर्जना के लिए—हमें यीशु मसीह के पुनरुत्थान के द्वारा बचाता है, जो स्वर्ग में आरोहण करके परमेश्वर के दाहिने हाथ पर वरिजमान हैं, और जिनके अधीन स्वर्गदूत, अधिकारी और सामर्थ्य सब हो गए हैं।

1 पतरस 3:10-22
33वें सप्ताह का मंगलवार

पतरस का पहला पत्र, अध्याय 61

प्रिय, जैसे मसीह ने हमारे लिए देह में दुख उठाया, वैसे ही तुम भी उसी मानसिकता से स्वयं को सुसज्जित करो; क्योंकि जो देह में दुख उठाता है, वह पाप करना बंद कर देता है, ताकि वह अपने देह में शेष समय मनुष्य की इच्छाओं के अनुसार नहीं, बल्कि परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जाए। क्योंकि यह काफी है कि तुमने अतीत में अन्यजातियों की इच्छा के अनुसार अशुद्धता, कामवासना (sodomy, bestiality, lustful thoughts), मद्यपान, अतृप्ति और मूर्खतापूर्ण मूर्तपूजा में लपित होकर जीवन व्यतीत किया; इसीलिए वे हैरान हैं कि तुम उनकी तरह की अनेकता में शामिल नहीं होते, और वे तुम्हारी नदि करते हैं। वे उसी को उत्तर देंगे जो शीघ्र ही जीवितों और मरे हुएों का न्याय करने वाला है। क्योंकि इसी लिए मसीह का सुसमाचार मरे हुएों को भी प्रचार किया गया था, ताकि वे शरीर में मनुष्यों के न्याय के अनुसार दंडित होकर, आत्मा में परमेश्वर के अनुसार जीवित हों। वैसे भी, सब बातों का अंत निकट है। सबसे बढ़कर, एक दूसरे से पूरी लगन से प्रेम करो, क्योंकि प्रेम बहुत से पापों को ढाँप देता है। बिना शिकायत के एक दूसरे की मेजबानी करो। एक दूसरे की सेवा

पतरस का पहला पत्र

करो, और हर कोई उस वरदान के अनुसार सेवा करे जो उसे मिला है, जैसे परमेश्वर की वभिनिन अनुग्रहों के अच्छे प्रबंधक। यदि कोई बोलता है, तो ऐसा बोले जैसे परमेश्वर के वचन बोलता हो; यदि कोई सेवा करता है, तो ऐसा करे जैसे परमेश्वर द्वारा दी हुई शक्ति से करता हो, ताकि हर बात में यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर की महिमा हो, जिसके लिए महिमा और सामर्थ्य युगानुयुग रहे। आमीन।

1 पतरस 4:1-11
33वें सप्ताह का बुधवार

पतरस का पहला पत्र, अध्याय 62

प्रिय, जब तुम्हारे परीक्षा के लिए आग की कसौटी तुम पर आती है, तो यह देखकर अचरज न करो कि तुम्हारे साथ कोई अजीब बात हो रही है; बल्कि मसीह की पीड़ाओं में सहभागी होने के कारण आनंदति हो, ताकि जब उसकी महिमा प्रकट हो, तब तुम भी आनंदति और अति-आनंदति हो सको। यदि मसीह के नाम के कारण तुम्हारा अपमान किया जाता है, तो तुम धन्य हो, क्योंकि महिमा का आत्मा, परमेश्वर का आत्मा, तुम पर रहता है। वे उसी का अपमान करते हैं, परन्तु तुम में उसकी महिमा होती है। बस यह ध्यान रखें कि आप में से कोई हत्यारे, या चोर, या दुष्ट, या किसी की संपत्ति पर अतिक्रमण करने वाले के रूप में पीड़ित न हो; परन्तु यदि किसी को एक मसीही के रूप में अपमानित किया जाता है, तो उसे लज्जित न हो, बल्कि ऐसे भाग्य के लिए परमेश्वर की महिमा करे। क्योंकि यह समय आ गया है कि परमेश्वर के घर से न्याय शुरू हो; और यदि यह पहले हमसे ही शुरू होता है, तो उन लोगों का क्या परिणाम होगा जो परमेश्वर के सुसमाचार के अधीन नहीं होते? और यदि धर्मी भी मुश्किल से बचेंगे, तो दुष्ट और पापी का क्या हाल होगा? इसलिये, जो परमेश्वर की इच्छा के अनुसार दुख उठाते हैं, वे अपना जी एक विश्वासयोग्य सृष्टिकर्ता के हाथ सौंप दें, और भलाई करते रहें। मैं तुम्हारे चरवाहों से आग्रह करता हूँ—एक सह-चरवाहा और मसीह के दुखों का साक्षी, और प्रकट होने वाली महिमा में सहभागी के रूप में—जो परमेश्वर का झुंड तुम्हारे बीच है, उसकी चरवाई करो, न कि जबरदस्ती से, परन्तु स्वेच्छा से, जैसा परमेश्वर चाहता है; न कि नीच लाभ के लिए, परन्तु उत्सुकता से; न कि उन पर प्रभुत्व करके जिनके तुम रखवाले हो, परन्तु झुंड के लिए आदर्श बनकर; और जब मुख्य चरवाहा प्रगट होगा, तो तुम कभी न मुरझाने वाला महिमा का मुकुट प्राप्त करोगे। इसी तरह, हे चरवाहों के अधीन रहने वालों, उनकी आज्ञा मानो; और तुम सब एक दूसरे के साथ अपने व्यवहार में नम्रता से आच्छादित हो जाओ, क्योंकि परमेश्वर घमण्डी लोगों का वरिध करता है, परन्तु नम्र लोगों पर अनुग्रह करता है।

1 पतरस 4:12-5:5
33वें सप्ताह का गुरुवार

पतरस का पहला पत्र, अध्याय 63

भाइयो और बहनो, परमेश्वर के सामर्थी हाथ के नीचे हो जाओ, ताकि वह उचित समय पर तुम्हें ऊँचा उठाए। अपनी सारी चिन्ता उसी पर डाल दो, क्योंकि उसको तुम्हारा ध्यान है। संयम से रहो और जागते रहो। तुम्हारा वरिधी शैतान गरजने वाले सहि की नाई इस खोज में रहता है, कि कैसे को फाड़ जाए। मजबूत विश्वास से उसका वरिध करो, यह जानते हुए कि संसार भर में तुम्हारे भाइयों और बहनों को भी ऐसी ही पीड़ाएँ सहनी पड़ रही हैं। परन्तु अनुग्रह का सर्वसमर्थ परमेश्वर, जिसने तुम्हें मसीह यीशु में अपनी अनन्त महिमा के लिए बुलाया है, वह स्वयं तुम्हारी थोड़ी सी पीड़ा के बाद तुम्हें सिद्ध कर देगा, दृढ़ कर देगा, बलवान कर देगा और स्थिर कर देगा। उसकी महिमा और सामर्थ्य युगानुयुग होती रहे। आमीन। मैंने यह संदेश सल्वानुस के द्वारा तुम्हें संक्षेप में लिखा है, जसि मैं तुम्हारा विश्वासयोग्य भाई मानता हूँ, ताकि तुम्हें प्रोत्साहित करूँ, सांतवना दूँ और इस बात की गवाही दूँ कि यह परमेश्वर का सच्चा अनुग्रह है जसिमें तुम खड़े हो। बाबेल में कलीसिया, जो तुम्हारे समान चुनी गई है, और मेरा पुत्र मार्क, तुम्हें नमस्कार भेजते हैं। प्रेम के चुम्बन से एक दूसरे को नमस्कार करो। मसीह यीशु में तुम सब पर शान्ति हो। आमीन।

1 पतरस 5:6-14
25 अप्रैल, संत मरकुस प्रेरति

पतरस का दूसरा पत्र

पतरस का दूसरा पत्र, आरंभ 64

समिोन पतरस, जो यीशु मसीह का दास और प्रेरित है, उन लोगों को जो हमारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की सच्चाई के द्वारा हम जैसे अनमोल विश्वास में भागी हुए हैं: परमेश्वर और हमारे प्रभु यीशु मसीह के ज्ञान में तुम्हारी कृपा और शान्ति बढ़ती जाए। क्योंकि उसकी द्रव्य सामर्थ्य ने हमें जीवन और भक्ति के लिए सब कुछ दिया है, उस के ज्ञान के द्वारा जसिने हमें अपनी महिमा और भलाई से बुलाया है, जसिसे हमें महान और बहुमूल्य प्रतर्जिजाएँ दी गई हैं, ताकि उनके द्वारा तुम द्रव्य स्वभाव के सहभागी बनो, क्योंकि तुम उन कामवासनाओं से बच नकिले हो जो संसार में भ्रष्टता उत्पन्न करती हैं: इसलिए, इन बातों को करने के लिए पूरी कोशिश करके अपने विश्वास में सदगुण, सदगुण में आत्म-संयम, आत्म-संयम में संयम, संयम में धीरज, धीरज में भक्ति, भक्ति में भाईचारा और भाईचारे में प्रेम दिखाओ। यद्यपि गुण तुम में हैं और बढ़ते रहते हैं, तो तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के ज्ञान में प्रगतिकरने और फल देने से कभी चूकोगे नहीं। परन्तु जसि में ये गुण नहीं हैं, वह अंधा है, जो दूरदर्शिताहीन हो गया है और अपने पछिले पापों से शुद्ध किए जाने को भूल गया है। इसलिए, हे भाइयो और बहनियो, अपनी बुलाहट और चयना को पुख्ता करने के लिए हर संभव प्रयास करो।

2 पतरस 1:1-10
33वें सप्ताह का शुक्रवार

पतरस का दूसरा पत्र, अध्याय 65

भाइयो, अपनी बुलावा और चयना को पुष्ट करने के लिए हर संभव प्रयास करो; क्योंकि यदि तुम ऐसा करोगे, तो तुम कभी ठोकर नहीं खाओगे, और इस प्रकार तुम्हें हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनंत राज्य में मुक्त प्रवेश दिया जाएगा। इसी कारण, मैं तुम्हें इस बात की याद दलाना कभी बंद नहीं करूँगा, यद्यपि तुम इसे पहले से ही जानते हो और सत्य में स्थिर हो। जब तक मैं इस पृथ्वी के घर में हूँ, तब तक मैं आपको स्मरण दलाता रहूँ, यह उचित समझता हूँ, यह जानते हुए कि मैं शीघ्र ही अपना घर छोड़कर जाऊँगा, जैसा कि हमारे प्रभु यीशु मसीह ने मुझे प्रगट किया है। इसलिए मैं यह यत्न करूँगा कि मेरी प्रस्थान के बाद भी, आप इसे हमेशा ध्यान में रखें। क्योंकि हिमने आपको हमारे प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ्य और आगमन का प्रचार किया, न कि चालाकी से रची गई कहानियों का अनुसरण करके, बल्कि उसकी महिमा के स्वप्रत्यक्षदर्शी बनकर। क्योंकि जब महिमामय तेज से एक स्वर उनके पास आया, और कहा गया: 'यह मेरा प्रिय पुत्र है, जसि में मैं प्रसन्न हूँ।' और यह स्वर हम स्वयं स्वर्ग से सुन चुके हैं, जब हम उनके साथ पवित्र पर्वत पर थे। इसके अलावा, हमारे पास भविष्यद्वाणी का वचन पुष्ट है; और तुम इस पर ध्यान देना अच्छा करते हो, जैसे कि एक अंधेरी जगह में चमकने वाले दीपक पर, जब तक कि दिनि न फूट पड़े और भोर का तारा तुम्हारे दिलों में न चमके।

2 पतरस 1:10-19
6 अगस्त, प्रभु का रूपांतरण

पतरस का दूसरा पत्र, अध्याय 66

प्रिय, सबसे पहले यह जान लो कि धर्मग्रंथ में कोई भी भविष्यवाणी किसी की अपनी व्याख्या का विषय नहीं है। क्योंकि भविष्यवाणी का आरंभ कभी भी मनुष्य की इच्छा से नहीं हुआ, परन्तु परमेश्वर के पवित्र मनुष्यों ने पवित्र आत्मा के प्रेरित होने पर कहा। लोगों में झूठे भविष्यदवक्ता भी थे, ठीक उसी तरह जैसे तुम में झूठे शिक्षक होंगे, जो वनिशकारी विधर्म लाएँगे और जनिके उद्धारकर्ता प्रभु को अस्वीकार करके

पतरस का दूसरा पत्र

अपने ऊपर शीघ्र वनिश लाएँगे। और बहुत से लोग उनकी भ्रष्टता का अनुसरण करेंगे, और उनके कारण सत्य का मार्ग ननिदति होगा। और लोभ के कारण वे चापलूसी के शब्दों से तुम्हें फँसाएँगे; उनका न्याय बहुत पहले से तैयार है, और उनका वनिश सोया नहीं है। क्योंकि यदि परमेश्वर ने पाप करने वाले स्वर्गदूतों को नहीं बख्शा, बल्कि उन्हें अंधकार की बेड़ियों में जकड़कर न्याय के समय तक हरिसत में रखने के लिए सौंप दिया; और यदि उसने पहले संसार को नहीं बख्शा, परन्तु नोआ, धार्मिकता के प्रचारक के आठ लोगों के घर को सुरक्षित रखा, जब उसने अधर्मी संसार पर जलप्रलय लाया; और यदि उसने सदोम और गमोरा के नगरों को वनिश के लिए ठहराया, उन्हें राख में बदल दिया, और आने वाले अधर्मी लोगों के लिए एक उदाहरण बनाया, जबकि उसने धर्मी लूत को बचाया, जो दुष्टों के बीच रहने से थक गया था, उसे बचाया (क्योंकि यह धर्मी मनुष्य, उनके बीच रहते हुए, उनके अधर्मी कर्मों को देखकर और सुनकर, अपनी धर्मी आत्मा में प्रतदिनि पीड़ति होता था) – फरि, नश्चय ही, प्रभु जानते हैं कि भिक्तमिनों को परीक्षा से कैसे बचाना है, और अधर्मियों को न्याय के दनि दंडति होने के लिए कैसे रखना है।

2 पतरस 1:20-2:9
34वें सप्ताह का सोमवार

पतरस का दूसरा पत्र, आरंभ 67

प्रयि, प्रभु जानते हैं कि धर्मी को परीक्षा से कैसे बचाना है, और अधर्मी को न्याय के दनि दण्डति होने के लिए कैसे रखना है, वशिषकर उन लोगों को जो शरीर की अशुद्ध वासनाओं के पीछे चलते हैं, जो अधिकार का तरिस्कार करते हैं, अभिमिनी, स्वच्छंद हैं, और बड़े लोगों की नदिा करने से नहीं हचिकचाते, जबकि स्वर्गदूत, यदयर्पा वे शक्ति और सामर्थ्य में उनसे श्रेष्ठ हैं, प्रभु के सामने उनके वरिद्ध दोषारोपण नहीं करते। वे मूक पशुओं की तरह हैं, जो स्वभाव से प्रेरति होते हैं, और केवल पकड़े जाने और नष्ट कएि जाने के लिए पैदा होते हैं; वे उस बात की नदिा करते हैं जसि वे नहीं समझते; अपने भ्रष्ट स्वभाव के कारण वे नष्ट हो जाएँगे। उन्हें अपने अधर्म का प्रतफिल मल्लिगा, क्योंकि वे दैनिकि वलिसति में आनंद लेते हैं; कलंक फैलाने वाले और अपवतिर करने वाले, वे आपके साथ भोजन करते समय अपनी ही धोखाधड़ी में मग्न रहते हैं। उनकी आँखें कामवासना और अनवरत पाप से भरी हैं; वे अस्थरि आत्माओं को बहकाते हैं; उनके हृदय लालच में प्रशक्षति हैं: ये शाप के पुत्र हैं। सीधा मार्ग छोड़कर वे भटक गए हैं, और बीओर के पुत्र बलाम के पदचनिहों पर चल रहे हैं, जसिने अनुचति लाभ से प्रेम कयिा था, परन्तु अपनी अधर्म में वह उजागर हो गया: एक गूंगे गधे ने, जो मनुष्य की वाणी में बोल उठा, भवषियवक्ता की मूर्खता को रोक दिया। वे नरिजल झरने, आँधी से उड़ाई गई बादल और कुहरे हैं: उनके लिए अनंतकाल के घोर अंधकार का स्थान सुरक्षति है। क्योंकि वे दखिावटी, व्यर्थ के शब्द बोलकर, कामुक वासनाओं और व्यभिचार के द्वारा उन लोगों को फँसाते हैं जो सत्य से भटक गए हैं। वे उनसे सवतंत्रता का वादा करते हैं, जबकि वे स्वयं भ्रष्टता के दास हैं; क्योंकि जो कसिी चीज से पराजति हो जाता है, वह उसका दास है। क्योंकि यदि वे हमारे प्रभु और उदधारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान के द्वारा संसार की अशुद्धियों से बच नकिलने के बाद, फरि से उनमें फँस जाते हैं और उनसे पराजति हो जाते हैं, तो ऐसे लोगों की दूसरी दशा पहली से भी बदतर है। उनके लिए यह बेहतर होता कि वे धार्मिकता के मार्ग को कभी जानते ही न, बजाय इसके कि जानते होने के बाद, उन्हें दएि गए पवतिर आज्ञा से फरि जाएँ। परन्तु उनके साथ जो होता है वह इस सच्ची कहावत के अनुसार है: 'कुकुर अपनी उल्टी में लौटता है,' और 'सूअर धोए जाने के बाद कीचड़ में लौटने जाता है।'

2 पतरस 2:9-22
34वें सप्ताह का मंगलवार

पतरस का दूसरा पत्र, आरंभ 68A

प्रयि, यह अब दूसरा पत्र है जो मैं तुम्हें लिख रहा हूँ; इनमें मैं तुम्हारे शुद्ध मन को स्मरण के लिए जगा रहा हूँ, ताकि तुम पवतिर भवषियदवक्ताओं द्वारा पहले से कहे गए वचनों और तुम्हारे प्रेरतिों द्वारा प्रदतत प्रभु और उदधारकर्ता की आज्ञा को याद रखो। सबसे पहले, तुम्हें यह समझना चाहिए कि अंतमि दनिों में उपहास करने वाले आएँगे, जो अपनी दुष्ट इच्छाओं के अनुसार चलेंगे, और कहेंगे, 'उसके आने का वचन कहाँ

रहा? क्योंकि जब से हमारे पूर्वज सो गए हैं, तब से सब कुछ उसी तरह बना हुआ है जैसा सृष्टि की शुरुआत से था। जो लोग ऐसा सोचते हैं, वे यह नहीं समझते कि आरंभ में परमेश्वर के वचन द्वारा आकाश और पृथ्वी पानी से बने थे और पानी के द्वारा: क्योंकि उस समय की दुनिया पानी में डूबकर नष्ट हो गई। परन्तु वर्तमान आकाश और पृथ्वी, उसी वचन द्वारा सुरक्षित, न्याय के दिन की आग और दुष्टों के नाश के लिए रखे जा रहे हैं। प्रिय, एक बात ऐसी है जिससे आपको अनभिज्ञ नहीं रहना चाहिए: प्रभु के पास एक दिन हजार वर्षों के बराबर है, और हजार वर्ष एक दिन के बराबर। प्रभु अपने वचन को पूरा करने में सुस्त नहीं हैं, जैसा कि कुछ लोग सुस्ती समझते हैं; परन्तु वह हम पर धीरज रखते हैं, और नहीं चाहते कि कोई नाश हो, बल्कि यह चाहते हैं कि सब पश्चाताप करें। परन्तु प्रभु का दिन चोर की नाई आएगा; और तब आकाश बड़े शब्द से चले जाएंगे, और तत्त्व जलकर घुल जाएंगे, और पृथ्वी और उस पर की सब रचनाएं जळि जाएंगी। यदि इन सब चीजों को इस प्रकार नष्ट किया जाना है, तो तुम्हें पवित्र आचरण और भक्ति में किस प्रकार के लोग होना चाहिए, जब कि तुम परमेश्वर के दिन के आगमन की प्रतीक्षा और लालसा करते हो, जिस दिन आकाश आग में जलकर नष्ट हो जाएगा और तत्त्व आग से घिल जाएंगे? परन्तु हम, उसकी प्रतीक्षा के अनुसार, नए आकाशों और नई पृथ्वी की प्रतीक्षा करते हैं, जहाँ धार्मिकता वास करती है। इसलिए, हे प्रिय, जब तुम इन बातों की प्रतीक्षा कर रहे हो, तो इसी का यत्न करो कि वह तुम्हें इस संसार में दाग-धब्बे रहित और नरिदोष पाए; और प्रभु के धीरज को उद्धार का साधन समझो, जैसा कि हमारे प्रिय भाई पौलुस ने भी, उसे दी गई बुद्धि के अनुसार, तुम्हें लिखा है, और जैसा कि वह अपनी सब पत्राओं में इस विषय में कहता है, जिनमें कुछ बातें समझने में कठिन हैं, जिनमें अज्ञानी और अस्थिर लोग अन्य धर्मग्रंथों की तरह अपनी ही विनाश के लिए टेढ़ा मोड़ देते हैं। इसलिए हे प्रिय, चूंकि तुम्हें इन बातों की पहली से ही चेतावनी दी जा चुकी है, सावधान रहो, कहीं ऐसा न हो कि तुम दुष्टों की भूल से बहक जाओ और अपनी दृढ़ स्थिति से गरि जाओ, परन्तु हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और ज्ञान में बढ़ते जाओ। उसकी महिमा अब और युगानुयुग होती रहे। आमीन।

2 पतरस 3:1-18
34वें सप्ताह का बुधवार

योहान का पहला पत्र

योहान का पहला पत्र, आरंभ 68B

जो आरम्भ से था, जसि हमने सुना है, जसि हमने अपनी आँखों से देखा है, जसि हमने नहारना और अपने हाथों से छूना है, जीवन के वचन के वषिय में—क्योंकि जीवन प्रगट हुआ, और हमने इसे देखा है और इसकी गवाही देते हैं, और आप लोगों को यह अनंत जीवन प्रचार करते हैं, जो पतिता के साथ था और हमारे प्रतप्रकट हुआ—जो हमने देखा और सुना है, वही हम आप लोगों को प्रचार करते हैं, ताकि आप भी हमारे साथ सहभागिता रखें; और हमारी सहभागिता पतिता और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है। और हम ये बातें तुम्हें इसलए लिखते हैं कि तुम्हारी खुशी पूरी हो जाए। और यह वही संदेश है जो हमने उससे सुना है और तुम्हें सुनाते हैं: परमेश्वर प्रकाश है, और उसमें बलिकुल भी अंधरा नहीं है। यदि हम यह दावा करते हैं कि हमारी परमेश्वर के साथ सहभागिता है, और फिर भी अंधकार में चलते हैं, तो हम झूठ बोलते हैं और सत्य के अनुसार नहीं जीते; परन्तु यदि हम प्रकाश में चलते हैं, जैसे कि वह प्रकाश में है, तो हम एक दूसरे के साथ सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु मसीह का लहू हमें हर पाप से शुद्ध करता है।

1 यूहन्ना 1:1-7
8 मई, संत जॉन द थियोलोजियन

यूहन्ना का पहला पत्र, पद 69

प्रयि, यदि हम कहें कि हम में कोई पाप नहीं है, तो हम स्वयं को धोखा देते हैं, और सत्य हम में नहीं है। यदि हम अपने पापों का अंगीकार करें, तो वह, जो वशिवासयोग्य और धर्मी है, हमारे पापों को क्षमा करेगा और हमें हर अधर्म से शुद्ध करेगा। यदि हम कहें कि हम ने पाप नहीं किया, तो हम उसे झूठा ठहराते हैं, और उसका वचन हम में नहीं है। मेरे बच्चों! मैं तुम्हें यह इसलए लिखता हूँ कि तुम पाप न करो; परन्तु यदि कोई पाप करे, तो पतिता के पास हमारा एक वकील है, धर्मी यीशु मसीह; वह हमारे पापों का प्रायश्चित है, और न केवल हमारे पापों का, बल्कि सारी संसार के पापों का भी। और इसी से हम जान जाते हैं कि हम उससे जानते हैं: कि हम उसकी आज्ञाओं को मानते हैं। जो कोई यह कहता है, 'मैं उसे जान गया हूँ', और उसके आज्ञाओं का पालन नहीं करता, वह एक झूठा है, और सत्य उस में नहीं है; परन्तु जो कोई उसकी आज्ञा का पालन करता है, उस में परमेश्वर का प्रेम सिद्ध हो गया है: इससे हम जानते हैं कि हम उस में हैं। जो कोई यह कहता है कि वह उसमें वास करता है, उसे ठीक वैसे ही चलना चाहिए जैसे वह चला।

1 यूहन्ना 1:8-2:6
34वें सप्ताह का गुरुवार

यूहन्ना का पहला पत्र, अध्याय 70 की शुरुआत

प्रयि, मैं तुम्हें कोई नई आज्ञा नहीं लिखता, परन्तु एक प्राचीन आज्ञा लिखता हूँ, जो तुम्हें आरम्भ से माली है। वह प्राचीन आज्ञा वही वचन है जो तुमने आरम्भ से सुना है। तौभी मैं तुम्हें एक नई आज्ञा भी लिखता हूँ, जो उसमें और तुम में सच्ची है; क्योंकि अंधरा जाता रहता है, और सच्चा प्रकाश पहली से ही चमक रहा है। जो कोई अपने भाई से बैर रखकर प्रकाश में होने का दावा करता है, वह अब भी अंधरे में है। जो कोई अपने भाई से प्रेम करता है, वह प्रकाश में बना रहता है, और उस में ठोकर खाने का कोई कारण नहीं है। पर जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, वह अंधरे में है, और अंधरे में चलता है, और नहीं जानता कि वह कहाँ जाता है, क्योंकि अंधरे ने उसकी आँखें अंधा कर दी हैं। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे बालको, क्योंकि तुम्हारे पाप उसके नाम के कारण क्षमा हुए हैं। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे पतिरों, क्योंकि तुमने उसे जान लिया है जो आरम्भ से है। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे जवानों, क्योंकि तुम ने दुष्ट पर जय प्राप्त की है। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे लड़कों,

क्योंकि तुम पति को जान गए हो। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे पतिओं, क्योंकि तुम उस को जान गए हो जो आरम्भ से है। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे जवानो, क्योंकि तुम दृढ़ हो, और परमेश्वर का वचन तुम में स्थिर है, और तुम ने दुष्ट पर जय प्राप्त की है। दुनिया से प्रेम न करो, और न ही दुनिया की वस्तुओं से: जो कोई दुनिया से प्रेम करता है, उसमें पति का प्रेम नहीं है। क्योंकि जो कुछ भी दुनिया में है—मांस का वासना, आँखों की वासना, और जीवन का घमंड—वह पति से नहीं है, बल्कि इस दुनिया से है। और दुनिया और उसकी वासनाएँ बीत रही हैं, पर जो कोई परमेश्वर की इच्छा करता है, वह हमेशा के लिए जीवित रहेगा।

1 यूहन्ना 2:7-17
34वें सप्ताह का शुक्रवार

यूहन्ना का पहला पत्र, आरंभ 71

हे बालको, यह अन्तमि समय है। और जैसे तुम ने सुना है कविरीधी मसीह आने वाला है, वैसे ही अब भी बहुत से वरीधी मसीह प्रगट हो चुके हैं; इससे हम जान जाते हैं कयिह अन्तमि समय है। वे हम में से निकल गए, परन्तु वे हम में से न थे; क्योंकि यदि वे हम में से होते, तो हमारे साथ ही रहते; परन्तु वे निकल गए, और इससे यह प्रगट हो गया कि वे सब हम में से न थे। परन्तु तुम में पवित्र जन की अभिषिक्ता है और तुम सब कुछ जानते हो। मैं ने तुम्हें यह लिखा है, न कि इसलिये कि तुम सत्य को नहीं जानते, पर इसलिये कि तुम जानते हो, और इसलिये भी कि हेर एक झूठ सत्य से नहीं है। झूठा और कौन है, सवाय उसके जो इनकार करता है कयिशी मसीह है? यही मसीह-वरीधी है, जो पति और पुत्र दोनों का इनकार करता है। जो पुत्र का इनकार करता है, उसके पास पति भी नहीं है; पर जो पुत्र की गवाही देता है, उसके पास पति भी है। इसलिए जो कुछ तुमने आरम्भ से सुना है, वही तुम में बना रहे; यदि जो कुछ तुमने आरम्भ से सुना है, वही तुम में बना रहेगा, तो तुम पुत्र में और पति में बने रहोगे। और जो प्रतज्जा उसने हमसे की है, वह अनन्त जीवन है। मैं तुम्हें यह उन लोगों के वषिय में लिखता हूँ जो तुम्हें भटका रहे हैं। इसके अलावा, जो अभिषिक्त तुम से प्राप्त किया है वह तुम में बना रहता है, और तुम्हें किसी के सखाने की आवश्यकता नहीं है; पर जैसे यह अभिषिक्त ही तुम को सब कुछ सखाता है, और सत्य है, और झूठ नहीं, वैसे ही उस बात में बने रहो जो उसने तुम को सखाई है। इसलिये हे बच्चों, उसमें बने रहो, ताकि जब वह प्रगट हो, तब हमें विश्वास हो और उसकी आने पर हम उसके साम्हने लज्जति न हों। यदि तुम जानते हो कि वह धर्मी है, तो यह भी जानो कि जो कोई धार्मिकता का अभ्यास करता है, वह उसी से जन्मा है। देखो, पति ने हम पर कैसा प्रेम किया है कि हम परमेश्वर के पुत्र कहलाने और होने पाएँ। दुनिया हमें नहीं जानती क्योंकि उसने उसे नहीं पहचाना। प्रिय लोगों, हम अब परमेश्वर की संतान हैं; परन्तु हम क्या होंगे, यह अभी प्रकट नहीं हुआ है। हम केवल इतना जानते हैं कि जब वह प्रकट होगा, तो हम भी उसके समान होंगे, क्योंकि हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। और जो कोई भी उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आप को पवित्र करता है, जैसे वह पवित्र है। जो कोई भी पाप करता है, वह अवज्जा भी करता है; और पाप ही अवज्जा है। और आप जानते हैं कि वह हमारे पापों को दूर करने के लिए प्रकट हुआ, और यह कि उसमें पाप नहीं है। जो कोई भी उसमें बना रहता है, वह पाप नहीं करता; जो कोई पाप करता है, उसने न तो उसे देखा है और न ही उसे जाना है। हे बच्चों! कोई भी तुम्हें धोखा न दे। जो कोई धार्मिकता का अभ्यास करता है, वह धर्मी है, जैसे वह धर्मी है। जो कोई पाप करता है, वह शैतान का है, क्योंकि शैतान ने पहले पाप किया था। इसी कारण से परमेश्वर का पुत्र प्रकट हुआ: शैतान के कामों को नाश करने के लिए। परमेश्वर से जन्मा हुआ हर कोई पाप नहीं करता, क्योंकि उसका बीज उसमें बना रहता है; और वह पाप नहीं कर सकता, क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है। इसी से परमेश्वर की संतान और शैतान की संतान अलग पहचानी जाती हैं।

1 यूहन्ना 2:18-3:10क
35वें सप्ताह का सोमवार

यूहन्ना का पहला पत्र, आरंभ 72

प्रिय, जो कोई धार्मिकता का अभ्यास नहीं करता वह परमेश्वर का नहीं है, और जो कोई अपने भाई से प्रेम नहीं करता वह भी ऐसा ही है। क्योंकि आरंभ से ही तुम यह संदेश सुन रहे हो कि हमें एक दूसरे से प्रेम

करना चाहिए, जैसा कि काइन नहीं करता था, जो दुष्ट का था और उसने अपने भाई की हत्या कर दी। और उसने उसे क्यों मारा? क्योंकि उसके अपने कर्म बुरे थे, जबकि उसके भाई के कर्म धार्मिक थे। मेरे भाइयो और बहनो, यदि संसार तुम से बैर रखता है तो अचम्भा न करो। हम जानते हैं कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुँच गए हैं, क्योंकि हम अपने भाइयों और बहनों से प्रेम करते हैं; जो अपने भाई या बहन से प्रेम नहीं करता, वह मृत्यु में बना रहता है। जो अपने भाई या बहन से बैर रखता है, वह मनुष्यहत्यारा है; और तुम जानते हो कि कोई मनुष्यहत्यारा ऐसा नहीं, जिसके भीतर अनन्त जीवन वास करता हो। हम इस से प्रेम को जानते हैं, कि उस ने हमारे लिए अपनी जान दे दी; और हमें भी अपने भाइयों के लिए अपनी जान देनी चाहिए। पर जो कोई संसार की संपत्ति रखता है और अपने भाई को आवश्यकता में देखकर भी उस पर अपना हृदय बंद रखता है, तो परमेश्वर का प्रेम उस में कैसे बना रह सकता है? हे मेरे बच्चों! हम वचन और वाणी में नहीं, बल्कि काम और सच्चाई में प्रेम करें। और इसी से हम जानते हैं कि हम सत्य के हैं, और इसी से हम अपने मन को उसके सामने शान्त करते हैं; क्योंकि यदि हमारा मन हमें दोषी ठहराता है, तो परमेश्वर तो और भी अधिक दोषी ठहराएगा, क्योंकि परमेश्वर हमारे मन से बड़ा है और सब कुछ जानता है।

1 यूहन्ना 3:10ख-20
35वें सप्ताह का मंगलवार

पहला यूहन्ना का पत्र, आरंभ 73A

प्रिय, यदि हमारा हृदय हमें दोषी नहीं ठहराता, तो हमें परमेश्वर के सामने विश्वास है, और जो कुछ भी हम मांगते हैं, वह हमें मिलता है, क्योंकि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं और उसकी दृष्टि में जो ठीक है, वही करते हैं। और उसकी आज्ञा यह है: कि हम उसके पुत्र यीशु मसीह के नाम पर विश्वास करें और एक दूसरे से प्रेम करें, जैसे उसने हमें आज्ञा दी है। और जो उसकी आज्ञाओं का पालन करता है, वह उसी में स्थिर रहता है, और वह उनमें रहता है। और इसी से हम जान जाते हैं कि वह हम में रहता है, उस आत्मा से जो उसने हमें दिया है। हे प्रिय, हर आत्मा पर विश्वास न करो, पर आत्माओं की परीक्षा करो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं या नहीं, क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यदवक्ता संसार में निकल पड़े हैं। इस प्रकार तुम परमेश्वर की आत्मा (और धोखे की आत्मा) को पहचान सकते हो: हर आत्मा जो यह स्वीकार करती है कि यीशु मसीह देह में आए हैं, परमेश्वर की है; और हर आत्मा जो यह स्वीकार नहीं करती कि यीशु मसीह देह में आए हैं, परमेश्वर की नहीं है, बल्कि मसीह-विरुद्ध की आत्मा है, जिसके विषय में तुमने सुना है कि वह आने वाला है, और वह पहले से ही संसार में है। हे बच्चों, तुम परमेश्वर के हो, और तुम उन पर जय प्राप्त कर चुके हो; क्योंकि जो तुम में है, वह संसार में जो है, उससे महान है। वे संसार के हैं; इसलिये वे संसार के दृष्टिकोण से बोलते हैं, और संसार उनकी सुनता है। हम परमेश्वर के हैं; जो परमेश्वर को जानता है, वह हमारी सुनता है; जो परमेश्वर का नहीं है, वह हमारी नहीं सुनता। इसी से हम सत्य की आत्मा और भ्रम की आत्मा को पहचानते हैं।

1 यूहन्ना 3:21-4:6
35वें सप्ताह का बुधवार।
26 सितंबर, संत जॉन द थ्योलोजियन, प्रेरित, प्रथम पठन

यूहन्ना का पहला पत्र, आरंभ 73B

प्रिय, यदि परमेश्वर ने हमसे इतना प्रेम किया, तो हमें भी एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए। परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा। यदि हम एक दूसरे से प्रेम करते हैं, तो परमेश्वर हम में वास करता है, और उसका प्रेम हम में सिद्ध हो जाता है। हम जानते हैं कि हम उसमें और वह हम में वास करता है, इस बात से कि उसने हमें अपनी आत्मा दी है। और हमने देखा है और गवाही देते हैं कि पिता ने पुत्र को संसार का उद्धारकर्ता बनाकर भेजा है। जो कोई यह स्वीकार करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, उसमें परमेश्वर वास करता है, और वह परमेश्वर में वास करता है। और हमने उस प्रेम को जान लिया है जो परमेश्वर ने हम पर किया है, और हम उस पर विश्वास करते हैं। परमेश्वर प्रेम है, और जो प्रेम में बना रहता है, वह परमेश्वर में बना रहता है, और परमेश्वर उसमें।

1 यूहन्ना 4:11-16

यूहन्ना का पहला पत्र, आरंभ 73B

प्रिय, किसी ने कभी परमेश्वर को नहीं देखा। यदहिम एक दूसरे से प्रेम करते हैं, तो परमेश्वर हम में वास करता है, और उसका प्रेम हम में सदिध हो जाता है। हम जानते हैं कि हम उसमें वास करते हैं और वह हम में, उस आत्मा के द्वारा जो उसने हमें दिया है। और हमने देखा है और गवाही देते हैं कि पिता ने पुत्र को संसार का उद्धारकर्ता बनाकर भेजा है। जो कोई यह स्वीकार करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, उसमें परमेश्वर वास करता है, और वह परमेश्वर में वास करता है। और हम ने उस प्रेम को जान लिया है जो परमेश्वर ने हम से किया है, और उस पर विश्वास किया है। परमेश्वर प्रेम है, और जो प्रेम में वास करता है, वह परमेश्वर में वास करता है, और परमेश्वर उसमें वास करता है। प्रेम में हम इस प्रकार सदिध होते हैं कि हमें न्याय के दिन निश्चय हो, क्योंकि जैसा वह है, वैसे ही हम भी इस संसार में हैं। प्रेम में भय नहीं है; पर सदिध प्रेम भय को दूर कर देता है, क्योंकि भय के साथ पीड़ा जुड़ी है। जो डरता है, वह प्रेम में सदिध नहीं हुआ है। आओ हम उससे प्रेम करें, क्योंकि उसने पहलें हमसे प्रेम किया।

1 यूहन्ना 4:12-19

26 सतिंबर, संत योहन द थयोलोजियन

यूहन्ना का पहला पत्र, आरंभ 74A

प्रिय, यदि कोई कहे, 'मैं परमेश्वर से प्रेम करता हूँ', और अपने भाई से बैर रखे, तो वह झूठा है; क्योंकि जो अपने भाई से प्रेम नहीं करता, जैसा उसने देखा है, वह परमेश्वर से कैसे प्रेम कर सकता है, जैसा उसने नहीं देखा? और हमसे उसकी यह आज्ञा है, कि जो कोई परमेश्वर से प्रेम करता है, वह अपने भाई से भी प्रेम करे। हर वह जो यह मानता है कि यीशु मसीह हैं, परमेश्वर से जन्मा है, और हर वह जो पिता से प्रेम करता है, वह उनके द्वारा जन्मे पुत्र से भी प्रेम करता है। हम जानते हैं कि हम परमेश्वर के बच्चों से प्रेम करते हैं जब हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। क्योंकि परमेश्वर से प्रेम करना यही है कि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करें; और उसकी आज्ञाएँ बोझिल नहीं हैं। क्योंकि परमेश्वर से जन्मा हुआ हर एक संसार पर जय प्राप्त करता है; और संसार पर जय प्राप्त करने वाली वजिय हमारा विश्वास है। वह कौन है जो संसार पर जय प्राप्त करता है, यदि वह नहीं जसिने यह माना कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है?

1 यूहन्ना 4:20-5:5

26 सतिंबर, संत योहन द थयोलोजियन, 3रा पेरमिया

यूहन्ना का पहला पत्र, आरंभ 74B

प्रिय, यदि कोई कहे, 'मैं परमेश्वर से प्रेम करता हूँ', और अपने भाई से बैर रखे, तो वह झूठा है; क्योंकि जो अपने भाई से प्रेम नहीं करता, जैसा उसने देखा है, वह परमेश्वर से कैसे प्रेम कर सकता है, जैसा उसने नहीं देखा? और हमसे उसकी यह आज्ञा है, कि जो कोई परमेश्वर से प्रेम करता है, वह अपने भाई से भी प्रेम करे। हर वह जो यह मानता है कि यीशु मसीह हैं, परमेश्वर से जन्मा है, और हर वह जो पिता से प्रेम करता है, वह उनके द्वारा जन्मे पुत्र से भी प्रेम करता है। हम जानते हैं कि हम परमेश्वर के बच्चों से प्रेम करते हैं जब हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं और उनकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। क्योंकि परमेश्वर से प्रेम करना यही है कि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करें; और उसकी आज्ञाएँ बोझिल नहीं हैं। क्योंकि परमेश्वर से जन्मा हुआ हर एक संसार पर जय प्राप्त करता है; और संसार पर जय प्राप्त करने वाली वजिय यह है—हमारा विश्वास। वह कौन है जो संसार पर जय प्राप्त करता है, यदि वह नहीं जसिने विश्वास किया कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है? यह यीशु मसीह है, जो जल और लहू और आत्मा से आया—केवल जल से नहीं, बल्कि जल और लहू से; और आत्मा उसकी गवाही देता है, क्योंकि आत्मा ही सत्य है। क्योंकि स्वर्ग में तीन गवाही देते हैं: पिता, वचन और पवित्र आत्मा; और ये तीनों एक हैं। और पृथ्वी पर गवाह तीनों हैं: आत्मा, पानी और लहू; और ये तीनों एकमत हैं। यदहिम मानवीय गवाही को स्वीकार करते हैं, तो परमेश्वर की गवाही

उससे भी बड़ी है, क्योंकि यह परमेश्वर की गवाही है, जिससे परमेश्वर ने अपने पुत्र के वषिय में गवाही दी है। जिसने परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास किया है, उसके भीतर यह गवाही है; और जिसने परमेश्वर पर विश्वास नहीं किया है, उसने परमेश्वर को झूठा ठहराया है, क्योंकि यह उस गवाही पर विश्वास नहीं करता है, जो परमेश्वर ने अपने पुत्र के वषिय में दी है। यह गवाही यह है कि परमेश्वर ने हमें अनंत जीवन दिया है, और यह जीवन उसके पुत्र में है। जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है; जिसके पास परमेश्वर का पुत्र नहीं है, उसके पास जीवन नहीं है। मैंने ये बातें तुम्हें लिखी हैं जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, ताकि तुम जानो कि परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करके तुम्हारे पास अनंत जीवन है। और हम में उस पर यह भरोसा है कि जब भी हम उसकी इच्छा के अनुसार कुछ माँगते हैं, तो वह हमें सुनता है। और चूँकि हम जानते हैं कि यह हमारी हर माँगी हुई बात सुनता है, हम यह भी जानते हैं कि हमने उससे जो कुछ भी माँगा है, वह हमें मलि चुका है। यदि कोई अपने भाई को ऐसा पाप करते देखे जो मृत्यु तक नहीं ले जाता, तो वह प्रार्थना करे, और परमेश्वर उसे जीवन देगा—अर्थात् उसको जो ऐसा पाप करता है जो मृत्यु तक नहीं ले जाता। एक पाप है जो मृत्यु की ओर ले जाता है; मैं यह नहीं कह रहा कि उसे उसके लिए प्रार्थना करनी चाहिए। सारी अधर्मकृति पाप है; पर एक पाप ऐसा है जो मृत्यु की ओर नहीं ले जाता। हम जानते हैं कि जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता; पर जो परमेश्वर से जन्मा है वह अपने आपको सुरक्षित रखता है, और दुष्ट उस पर हाथ नहीं डालता। हम जानते हैं कि हम परमेश्वर से हैं और सारी दुनिया दुष्टता में पड़ी है। हम यह भी जानते हैं कि परमेश्वर का पुत्र आ गया है और उसने हमें समझ और ज्ञान दिया है, ताकि हम सच्चे परमेश्वर को और उसके सच्चे पुत्र, यीशु मसीह को जान सकें। वही सच्चे परमेश्वर और अनंत जीवन है। हे बच्चों, मूर्तियों से अपना बचाव करो। आमीन।

1 यूहन्ना 4:20-5:21
35वें सप्ताह का गुरुवार

यूहन्ना का दूसरा पत्र

यूहन्ना का दूसरा पत्र, पद 75

चुनी हुई महिला और उसकी संतानों को, जनिहें मैं सच्चाई में प्रेम करता हूँ—और केवल मैं ही नहीं, बल्कि वे सभी जनिहोंने सच्चाई को जान लिया है—उस सच्चाई के लिए जो हम में वास करती है और हमेशा हमारे साथ रहेगी। परमेश्वर पति और पति के पुत्र प्रभु यीशु मसीह की ओर से, सच्चाई और प्रेम में, अनुग्रह, दया और शांति आप पर बनी रहे। मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे कुछ बच्चे सत्य में चल रहे हैं, जैसे हमें पति से आज्ञा मिली है। और अब मैं तुझ से वनिती करता हूँ, हे माता—न कि मैं तुझ पर कोई नई आज्ञा भेजता हूँ, पर वही आज्ञा जो हम आरम्भ से पाए हुए हैं—कि हम एक दूसरे से प्रेम करें। क्योंकि प्रेम यह है कि हम उसकी आज्ञाओं के अनुसार चलें। यह वही आज्ञा है जो तुमने आरंभ से सुनी है, कि तुम्हें इसे मानना चाहिए। क्योंकि संसार में बहुत से धोखेबाज निकल आए हैं, जो यह स्वीकार नहीं करते कि यीशु मसीह देह में आया; ऐसा व्यक्ति धोखेबाज और मसीह-विरुद्धी है। अपना ध्यान रखो, ताकि हम उस परश्रम को व्यर्थ न खोएँ जो हमने किया है, बल्कि पूर्ण प्रतफल प्राप्त करें। जो कोई मसीह की शिक्षा से आगे जाता है और उसमें स्थिर नहीं रहता, उसमें परमेश्वर नहीं है; जो कोई मसीह की शिक्षा में स्थिर रहता है, उसमें पति और पुत्र दोनों हैं। यदि कोई तुम्हारे पास आता है और यह शिक्षा नहीं लाता, तो उसे न तो अपने घर में ठहराओ और न ही उसे नमस्कार करो। क्योंकि जो कोई उसे नमस्कार करता है, वह उसके बुरे कामों में भाग लेता है। मुझे तुम्हें लिखने के लिए बहुत कुछ है, परन्तु मैं स्याही और कागज से ऐसा करना नहीं चाहता; बल्कि मैं आशा करता हूँ कि मैं तुम्हारे पास आकर मुँह से बात करूँ, ताकि तुम्हारा आनन्द परपूर्ण हो जाए। तुम्हारी चुनी हुई बहनि के बच्चे तुम्हें नमस्कार भेजते हैं। आमीन।

2 यूहन्ना 1:1-13
35वें सप्ताह का शुक्रवार

योहन का तीसरा पत्र

यूहन्ना का तीसरा पत्र, आरंभ 76

बुजुर्ग – प्रिय गाइउस को, जसि मैं सच्चाई में प्रेम करता हूँ। प्रिय, मैं प्रार्थना करता हूँ कि तू उत्तम स्वास्थ्य से युक्त रहे और हर प्रकार से समृद्धि पाए, जैसे तेरी आत्मा समृद्धि पाती है। क्योंकि जब भाई आए और उन्होंने तेरी सच्चाई पर गवाही दी, तो मैं बहुत आनन्दित हुआ, जैसे तू सच्चाई में चलता है। मुझे इससे बड़ी प्रसन्नता नहीं होती कि मैं सुनूँ कि मेरे बच्चे सच्चाई में चल रहे हैं। हे प्रिय, जो काम तू भाइयों और परदेशियों के लिए करता है, उसमें तू विश्वासयोग्यता से काम कर रहा है। उन्होंने कलीसिया के सामने तेरे प्रेम की गवाही दी है। यद्यपि परमेश्वर के लिए उन्हें वृद्धि करे, तो अच्छा होगा, क्योंकि वे उसके नाम के लिए निकल गए हैं और उन्होंने अन्यायियों से कुछ भी नहीं लिया। इसलिए हमें ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए, ताकि हम सत्य के सहकर्मी बन सकें। मैंने मंडली को लिखा था; परन्तु दियोत्रेपसि, जो उनमें पहला बनना पसंद करता है, हमें ग्रहण नहीं करता। इसलिये, यदि मैं आऊँगा, तो मैं उसके कामों को, जो वह कर रहा है, स्मरण दिलाऊँगा, और अपनी बुरी बातों से हमारी निन्दा कर रहा है; और इतना ही नहीं, वह स्वयं भाइयों को ग्रहण नहीं करता, और जो ऐसा करना चाहते हैं, उन्हें रोकता है, और उन्हें मंडली से निकाल देता है। हे प्रिय, बुराई का अनुकरण न करो, पर भलाई का करो। जो कोई भी अच्छा काम करता है, वह परमेश्वर से है; जो कोई भी बुरा काम करता है, उसने परमेश्वर को नहीं देखा है। हर कोई, और स्वयं सत्य भी, डेमट्रियस के बारे में गवाही देता है; हम भी गवाही देते हैं, और आप जानते हैं कि हमारी गवाही सच है। मुझे लिखने के लिए बहुत कुछ था, पर मैं आपको स्याही और कलम से लिखना नहीं चाहता; बल्कि मैं आशा करता हूँ कि मैं आपको शीघ्र ही देखूँगा और आमने-सामने बात करूँगा। तुम्हारे साथ शान्ति हो। तुम्हारे प्रति नमस्कार भेजते हैं; तुम भी उन सबको नाम से नमस्कार कहना। आमीन।

3 यूहन्ना 1:1-15
चीज सप्ताह का सोमवार

यहूदा का पत्र

यहूदा का पत्र, आरंभ 77

यहूदा, यीशु मसीह का दास और याकूब का भाई, उन लोगों के लिए जो बुलाए गए हैं, परमेश्वर पति द्वारा पवतिर किए गए हैं और यीशु मसीह द्वारा सुरक्षित रखे गए हैं: तुम्हारे लिए अनुग्रह, शांति और प्रेम में वृद्धि हो। प्रिय, यद्यपि मैं तुम्हें हमारे सामान्य उद्धार के विषय में लिखने का उत्सुक था, परन्तु मुझे यह आवश्यक लगा कि मैं लिखकर तुम्हें उस विश्वास के लिए लड़ने की घोरता करूँ जो पवतिर लोगों को एक बार सदा के लिए सौंपा गया था। क्योंकि कुछ लोग चुपके से घुस आए हैं—जो प्राचीन काल से ही इसी न्याय के लिए ठहराए गए थे—धर्म-विरुद्ध लोग जो हमारे परमेश्वर की कृपा को अनैतिकता का प्रमाणपत्र बना लेते हैं और हमारे एकमात्र शासक, परमेश्वर, और हमारे प्रभु यीशु मसीह का इनकार करते हैं। मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ—यद्यपि आप यह पहले से ही जानते हैं—कि प्रभु ने लोगों को मसिर देश से निकालने के बाद, जो विश्वास नहीं करते थे, उन्हें नष्ट कर दिया; और जो स्वर्गदूत अपने पद की गरिमा में नहीं रहे, परन्तु अपने निवास स्थान को छोड़ गए, उन्हें भी महान् दिन के न्याय तक अनन्त बेड़ियों में, अंधकार में रखता है। जैसे सदोम और गमोरा और आसपास के नगर, जिन्होंने उनके समान व्यवहार किया और अस्वाभाविक कामों का अनुसरण किया, उन्हें अनन्त आग की यातना दी गई और उन्हें एक उदाहरण के रूप में स्थापित किया गया—वैसे ही इन स्वर्गदृष्टाओं के साथ भी होगा, जो देह को अशुद्ध करते हैं, अधिकार का अनादर करते हैं और श्रेष्ठ शक्तियों की निंदा करते हैं। जब महादूत माइकल मूसा की देह के विषय में शैतान के साथ विवाद कर रहे थे, तो उन्होंने उसे दोषी ठहराने का साहस नहीं किया, बल्कि कहा, 'प्रभु तुझे डांटे।' पर ये लोग उन बातों की निंदा करते हैं जिन्हें वे नहीं समझते; और जिन्हें वे स्वभाव से जानते हैं, जैसे नरिवचन पशु, उन्हीं बातों को वे भ्रष्ट करते हैं।

यहूदा 1:1-10
चीज सप्ताह का मंगलवार

यहूदा का पत्र, अध्याय 78

उनके लिए हाय! क्योंकि वे काइन के मार्ग पर चलते हैं; वे बालाम के लोभ के प्रलोभन से भटक जाते हैं; और वे कोराह की नाफरमानी में नाश हो जाते हैं। ऐसे लोग तुम्हारे प्रेम-भोज में एक ठोकर का पत्थर हैं; तुम्हारे साथ भोजन करते हुए, वे नडिर होकर अपना पेट भरते हैं। वे नरिजल बादल हैं, जिन्हें हवा इधर-उधर घुमाती रहती है; पतझड़ के वृक्ष, जो निष्फल हैं, दो बार मरे हुए और उखाड़े हुए हैं; उफनती समुद्र की लहरें, जो अपनी ही लज्जा से झाग करती हैं; भटकते तारे, जिनके लिए घोर अंधकार का अखंड निवास सदा के लिए सुरक्षित है। आदम से सातवीं पीढ़ी के हनोक ने भी उनके विषय में यह भविष्यवाणी की, कि: 'देखो, यहोवा अपने लाखों पवतिर स्वर्गदूतों के साथ आ रहा है—सब पर न्याय करने के लिए, और उनके बीच के सब अधर्म करने वालों को उनके अधर्म के सब कामों के लिए, और उन सब कठोर वचनों के लिए दोषी ठहराने के लिए, जो अधर्मी पापियों ने उसके विरुद्ध कहे हैं।' ये आलोचक हैं, जो कभी संतुष्ट नहीं होते, अपनी ही वासनाओं (दुष्टता और अधर्म से) का अनुसरण करते हैं; उनके मुँह से घमंड भरे शब्द निकलते हैं; वे लाभ के लिए पक्षपात करते हैं। परन्तु हे प्रिय, हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरितों की भविष्यवाणी को स्मरण करो। उन्होंने तुम्हें बताया था कि अनन्त के दिनों में उपहास करने वाले प्रगट होंगे, जो अपनी-अपनी अभक्ति की इच्छाओं के अनुसार चलेंगे। ये वे लोग हैं जो (विश्वास की एकता से) स्वयं को अलग कर लेते हैं, जो शरीर के हैं और जिनमें आत्मा नहीं है। पर हे प्रिय, तुम अपने पवतिरतम विश्वास पर स्वयं को दृढ़ करते हुए, पवतिर आत्मा में प्रार्थना करते रहो, परमेश्वर के प्रेम में स्वयं को बनाए रखो, जब तक कि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह की उस कृपा की प्रतीक्षा कर रहे हो, जो अनन्त जीवन की ओर ले जाती है। किसी के प्रति दयालु बनो,

योहान का पहला पत्र

वविक दखिओ; दूसरों को भय के साथ बचाओ, उन्हें आग से छीनकर; और भय के साथ उनकी नदिा करो, यहाँ तक कि उस वस्त्र से भी घृणा करो जो शरीर से मलनि हो गया है। अब उस परमेश्वर पर महमिा हो, जो तुम्हें गरिने से बचाने और अपनी महमिा के सामने नरिदोष ठहराने में समर्थ है, और जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमारे उद्धारकर्ता, एकमात्र बुद्धमिान परमेश्वर को, आनन्द के साथ महमिा और भव्यता, सामर्थ्य और अधिकार मिले, युगों से पहले और अब और युगानुयुग। आमीन।

यहूदा 1:11-25
चीज सप्ताह का गुरुवार

रोमियों का पत्र

रोमियों का पत्र, आरंभ 79A

पौलुस, यीशु मसीह का दास, जसै परेरति होने के लिए बुलाया गया, और परमेश्वर के सुसमाचार के लिए अलग किया गया, जसिकी उसने पवतिर धर्मग्रंथों में पहले से अपनी भविष्यदवाणियों के द्वारा प्रतजिजा की थी, अपने पुत्र के वषिय में, जो देह में दाऊद की संतान से उत्पन्न हुआ, और शक्ति में परमेश्वर का पुत्र ठहरा, पवतिर आत्मा के द्वारा, मरे हुएों में से जी उठने के द्वारा, हमारे प्रभु यीशु मसीह के वषिय में, जसिके द्वारा हमें अनुग्रह और परेरतित्व मिला है, कहिम सब जातियों को उसके नाम की आज्ञाकारिता में वशिवास के अधीन करें—जनिमें तुम भी हो, जनिहें यीशु मसीह ने बुलाया है—रोम में सब परमेश्वर के प्रयिजन, जो पवतिर होने के लिए बुलाए गए हैं: तुम्हें अनुग्रह और हमारे पति परमेश्वर तथा प्रभु यीशु मसीह की ओर से शान्तिमिले। हे भाइयो, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अनभिज्ञ रहो कि मैं कई बार तुम्हारे पास आने का इरादा किया था (परन्तु अब तक रोक दिया गया), ताकि मैं तुम्हारे और अन्य जातियों के बीच भी फल लाऊँ। मैं यूनानियों और अजगरो, बुद्धिमिनों और अज्ञानी लोगों, दोनों का ऋणी हूँ। इसलए, जहाँ तक मेरी बात है, मैं रोम में रहने वालों को भी सुसमाचार का प्रचार करने के लिए तैयार हूँ। क्योंकि मैं मसीह के सुसमाचार से लज्जति नहीं हूँ, क्योंकि यह हर उस व्यक्ति के उद्धार के लिए परमेश्वर की सामर्थ्य है जो वशिवास करता है, पहले यहूदी के लिए, फिर यूनानी के लिए। उसमें परमेश्वर का धार्मिक-स्वभाव वशिवास से वशिवास तक प्रगट होता है, जैसा कलिखा है: 'धर्मी वशिवास से जीवति रहेगा।'

रोमियों 1:1-7; 13-17
पेंटेकोस्ट के बाद के पहले सप्ताह का मंगलवार

रोमियों को पत्र, आरंभ 79B

भाइयो और बहनो, परमेश्वर हमारे पति और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम पर अनुग्रह और शान्ति हो। सबसे पहले, मैं यीशु मसीह के द्वारा अपने परमेश्वर को तुम सब के लिए धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि तुम्हारा वशिवास संसार भर में प्रचारति हो रहा है। ईश्वर मेरा गवाह है—जसिकी मैं अपने पुत्र के सुसमाचार में अपनी आत्मा से सेवा करता हूँ—कि मैं तुम्हें नरिन्तर स्मरण करता हूँ, और अपनी प्रार्थनाओं में हमेशा यह मांग करता हूँ कि परमेश्वर की इच्छा से मुझे किसी समय तुम तक आने का अवसर मिले, क्योंकि मैं तुम्हें देखने के लिए लालायति हूँ, ताकि मैं तुम्हारे निर्माण के लिए कोई आध्यात्मिक वरदान तुम्हें दे सकूँ, अर्थात्, हम दोनों के साझा वशिवास—आपके और मेरे—से आप के साथ सांत्वना पाने के लिए।

रोमियों 1:7-12
पहले सप्ताह का शनिवार

रोमियों की पुस्तक, अध्याय 80 की शुरुआत

भाइयो, परमेश्वर का क्रोध स्वर्ग से उन सब अधर्मी और अधार्मिकता पर प्रगट होता है, जो मनुष्य अपनी अधार्मिकता से सत्य को दबा देते हैं। क्योंकि परमेश्वर के वषिय में जो कुछ जानना हो सकता है, वह उन पर प्रगट है, क्योंकि परमेश्वर ने उसे उन पर प्रगट कर दिया है। क्योंकि उसकी अतर्क्य सामर्थ्य और दिव्य स्वभाव, जो सृष्टि के आरम्भ से ही सृजति वस्तुओं में स्पष्ट रूप से देखे जाते हैं, उन पर प्रगट हैं, ताकि वे बहाना न कर सकें। तथापि, यद्यपि वे परमेश्वर को जानते थे, फिर भी उन्होंने उसे परमेश्वर के रूप में महिमा नहीं दी और न ही धन्यवाद दिया, बल्कि उनके विचार व्यर्थ हो गए और उनका मूर्ख हृदय अंधकारमय हो गया; खुद को बुद्धिमिमान समझकर वे मूर्ख बन गए, और अविनाशी परमेश्वर की महिमा को नश्वर मनुष्य, और पक्षियों, और चौपायों, और रेंगने वाले जीवों जैसी मूर्त के लिए बदल दिया—इसलए

रोमियों को पत्र

परमेश्वर ने उन्हें उनके हृदयों की वासनाओं में अशुद्धता के हवाले कर दिया, ताकि वे अपने ही शरीरों को अपवर्तित करें। उन्होंने परमेश्वर की सच्चाई को झूठ के लिए बदल दिया, और सृष्टिकर्ता के बजाय प्राणी की उपासना और सेवा की, जो युगानुयुग धन्य है। आमीन। इसलिये परमेश्वर ने उन्हें लज्जास्पद वासनाओं के हवाले कर दिया: उनकी स्त्रियों ने प्राकृतिक संबंधों को त्यागकर अस्वाभाविक संबंधों को अपना लिया; और उसी प्रकार पुरुषों ने भी स्त्रियों के साथ प्राकृतिक संबंध त्यागकर एक-दूसरे के प्रति वासना में डूब गए, पुरुषों ने पुरुषों के साथ लज्जास्पद कृत्य किए और अपने इस भूल के लिए उचित दंड अपने ऊपर ले लिया।

रोमियों 1:18-27
सप्ताह 1 का बुधवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 81A

भाइयो, चूंकि अन्यजातियों ने अपनी समझ में परमेश्वर की परवाह नहीं की, इसलिए परमेश्वर ने उन्हें एक भ्रष्ट मन के हवाले कर दिया—ताकि वे अश्लीलता करें, और इस प्रकार वे हर प्रकार के अधर्म, व्यभिचार, धोखाधड़ी, लालच से भर गए, द्वेष; वे ईर्ष्या, हत्या, कलह, धोखा और दुष्टता से भरे हैं; वे गपशप करने वाले, बदनाम करने वाले, ईश्वर-द्वेषी, अपराधी, घमंडी, अहंकारी, बुराई के आविष्कारक, माता-पिता की आज्ञा न मानने वाले, अज्ञानी, अवशिवासी, परेमहीन, नरिंदी और दयाहीन हैं। वे परमेश्वर के उस न्याय को जानते हैं कि जो ऐसे काम करते हैं वे मृत्यु के योग्य हैं; फिर भी वे न केवल इन्हें करते हैं, बल्कि इन्हें करने वालों को अनुमोदन भी देते हैं। इसलिए, हे मनुष्य, चाहे जो भी तू हो, जब तू दूसरे का न्याय करता है, तो तेरा कोई बहाना नहीं है; क्योंकि जिस न्याय से तू दूसरे का न्याय करता है, उसी से तू स्वयं को दोषी ठहराता है, क्योंकि दूसरे का न्याय करते हुए तू स्वयं वही काम कर रहा है। और हम जानते हैं कि ऐसे कर्म करने वालों के लिए परमेश्वर का न्याय सचमुच प्रतीक्षा कर रहा है। हे मनुष्य, क्या तू सच में सोचता है कि जब तू स्वयं ऐसे कर्म करता है और फिर भी ऐसे कर्म करने वालों की नंदा करता है, तो तू परमेश्वर के न्याय से बच जाएगा? या क्या तू परमेश्वर की दया, सौम्यता और धैर्य की संपदा को अनदेखा करता है, यह न समझते हुए कि परमेश्वर की दया तुझे पश्चात्ताप की ओर ले जाती है? परन्तु तुम्हारी हठीलापन और अवशिवासी मन के कारण, तुम अपने लिए क्रोध का भण्डार जमा कर रहे हो, उस दिन के लिए जब परमेश्वर का न्याय प्रकट होगा और वह प्रत्येक व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार प्रतिलिपि देगा: उन लोगों को जो भले कामों में स्थिर रहकर महिमा, सम्मान और अमरत्व की खोज करते हैं – उन्हें अनन्त जीवन देगा; परन्तु जो हठी हैं और सत्य की आज्ञा नहीं मानते, बल्कि अधर्म में लगे रहते हैं, उन पर क्रोध और प्रचंड क्रोध होगा। जो कोई भी बुराई करता है, उस पर शोक और संकट होगा, पहले यहूदी पर, और फिर यूनानी पर।

रोमियों 1:28-2:9
पहले सप्ताह का गुरुवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 81B

भाइयो, जो कोई भलाई करता है, उस पर महिमा, सम्मान और शान्ति हो, पहली यहूदी पर, फिर यूनानी पर! क्योंकि परमेश्वर के यहाँ पक्षपात नहीं है। जो बिना व्यवस्था के पाप करते हैं, वे व्यवस्था के अनुसार नाश पाएँगे; परन्तु जो व्यवस्था के अधीन पाप करते हैं, वे व्यवस्था के द्वारा दोषी ठहराए जाएँगे (क्योंकि परमेश्वर के सामने धर्मी वे नहीं हैं जो व्यवस्था सुनते हैं, बल्कि वे हैं जो व्यवस्था पर चलते हैं; क्योंकि जब व्यवस्था रहति अन्यजाति, स्वाभाविक रूप से वह करते हैं जो व्यवस्था की माँग है, तो वे, यद्यपि उनके पास व्यवस्था नहीं है, अपने लिए एक व्यवस्था हैं: वे दिखाते हैं कि व्यवस्था की माँगें उनके हृदयों पर लिखी हुई हैं, उनका वविक गवाही देता है, और उनके वचन कभी एक-दूसरे का आरोप लगाते हैं और कभी एक-दूसरे का बचाव करते हैं) उस दिन पर जब, मेरी सुसमाचार के अनुसार, परमेश्वर यीशु मसीह के द्वारा मनुष्यों की गुप्त बातों का न्याय करेगा।

रोमियों 2:10-16
सप्ताह 2

रोमियों का पत्र, आरंभ 82

भाइयो, जब गैर-यहूदी, जिनके पास व्यवस्था नहीं है, स्वभाव से ही वह करते हैं जो व्यवस्था की माँग करती है, तो वे अपने लिए एक व्यवस्था हैं, यद्यपि उनके पास व्यवस्था नहीं है: वे दिखाते हैं कि व्यवस्था का काम उनके हृदयों पर लिखा है, उनका वविक इसकी गवाही देता है, और उनके वचन कभी एक-दूसरे का आरोप लगाते और कभी एक-दूसरे का बचाव करते हैं, उस दिन जब, मेरी सुसमाचार के अनुसार, परमेश्वर यीशु मसीह के द्वारा मनुष्यों के गुप्त कामों का न्याय करेगा। अब, तुम स्वयं को यहूदी कहते हो, और व्यवस्था में सांतवना पाते हो, और परमेश्वर में घमंड करते हो, और उसकी इच्छा जानते हो, और व्यवस्था से शक्ति होकर यह वविक रखते हो कि क्या उत्तम है, और इस बात का विश्वास रखते हो कि तुम अंधों के मार्गदर्शक हो, अंधकार में प्रकाश, मूर्खों का शक्ति, बच्चों का शक्ति, क्योंकि तुझ में व्यवस्था के द्वारा ज्ञान और सत्य का मानक है: तो यह कैसे है कि, दूसरों को सिखाते हुए, तू स्वयं को नहीं सिखाता? तू चोरी न करने का उपदेश देता है, फिर भी तू चोरी करता है? तू कहता है, 'व्यभिचार मत करो', फिर भी तू व्यभिचार करता है? तू मूर्तियों से घृणा करता है, फिर भी तू पवित्र वस्तुओं का अपमान करता है? क्या तुम व्यवस्था पर घमंड करते हो, फिर भी व्यवस्था को तोड़कर परमेश्वर का अपमान करते हो? क्योंकि, जैसा लिखा है, तुम्हारे कारण अन्यजातियों में परमेश्वर के नाम का अपमान होता है। यद्यपि तुम व्यवस्था का पालन करते हो तो खतना लाभदायक है; परन्तु यद्यपि तुम व्यवस्था के उल्लंघन करते हो, तो तुम्हारा खतना खतना हो गया है। तो फिर, यदि कोई अनसुनत व्यक्ति व्यवस्था की माँगों का पालन करता है, तो क्या उसकी अनसुनतता को सुनत नहीं मान लिया जाएगा? और क्या वह व्यक्ति जो स्वभाव से अनसुनत है, पर व्यवस्था को पूरा करता है, तुम पर दोष नहीं लगाएगा, जो व्यवस्था का उल्लंघन करने वाले हो, भले ही शास्त्र और तुम्हारी सुनत का कोई महत्व न हो? क्योंकि यहूदी वह नहीं जो केवल बाहरी रूप से ऐसा प्रतीत होता है, और न ही खतना वह है जो केवल मांस में बाहरी रूप से होता है; बल्कि यहूदी वह है जो अंतरमन से ऐसा है, और खतना वह है जो हृदय का, आत्मा में होता है, न कि शास्त्र में: उसकी प्रशंसा मनुष्यों से नहीं, बल्कि परमेश्वर से होती है।

रोमियों 2:14-29
पहले सप्ताह का शुक्रवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 83

भाइयो, यहूदी वह नहीं जो केवल बाहरी रूप से ऐसा प्रतीत होता है, और न ही खतना वह है जो देह में बाहरी रूप से होता है; परन्तु यहूदी वह है जो भीतरी रूप से ऐसा है, और खतना वह है जो हृदय का, आत्मा में होता है, न कि व्यवस्था की पुस्तक में: उसकी प्रशंसा मनुष्यों से नहीं, बल्कि परमेश्वर से होती है। तो यहूदी होने में क्या लाभ है, या खतना होने में क्या फायदा है? हर तरह से एक बड़ा लाभ है, और सबसे बढ़कर इस बात में कि परमेश्वर का वचन उन्हें सौंपा गया है। क्योंकि अगर कुछ लोग अवशिवासी रहे, तो क्या उनकी अवशिवासिता परमेश्वर की विश्वासिता को शून्य कर देगी? कदापि नहीं। परमेश्वर विश्वासयोग्य है, परन्तु हम आदमी झूठा है, जैसा लिखा है: 'तू अपने वचन में धर्मी ठहरेगा, और न्याय में जयवन्त होगा।' तो फिर, यदि हमारी अधर्मिकता परमेश्वर की धर्मिकता को प्रगट करने का कारण बने, तो हम क्या कहेंगे? क्या परमेश्वर अन्यायी है जब वह अपना क्रोध उंडेलता है? (मैं मनुष्य की रीति से कहता हूँ।) कदापि नहीं। क्योंकि अगर मेरी अवशिवासिता से परमेश्वर की विश्वासिता और भी अधिक प्रगट होती है, तो उसकी महिमा के लिए मुझे पापी क्यों ठहराया जाना चाहिए? और क्या हमें बुराई करनी चाहिए ताकि भलाई हो, जैसा कि कुछ लोग हम पर बदनामी से आरोप लगाते हैं कि हम यही सिखाते हैं? ऐसे लोगों के लिए न्याय की प्रतीक्षा है। तो फिर, क्या? क्या हमें कोई बढत हासिल है? बलिकूल नहीं। क्योंकि हम पहले ही दिखा चुके हैं कि यहूदी और यूनानी दोनों ही पाप के अधीन हैं, जैसा कि लिखा है: 'कोई भी धर्मी नहीं, एक भी नहीं; कोई भी समझदार नहीं; कोई भी परमेश्वर की खोजी नहीं; सब भटक गए हैं; सब के सब नकिम्मे हो गए हैं; कोई भी भलाई करने वाला नहीं, एक भी नहीं।' उनके गले खुली कब्रें हैं; वे अपनी जीभ से धोखा देते हैं; उनके होंठों पर साँप का वषि है।

रोमियों को पत्र

उनके मुँह बदनामी और कटुता से भरे हैं। उनके पैर लहू बहाने में चपल हैं; वनिश और दुख उनके मार्गों की नशिनी है; वे शांति का मार्ग नहीं जानते। उनकी आँखों के सामने परमेश्वर का कोई भय नहीं है।

रोमियों 2:28-3:18
दूसरे सप्ताह का सोमवार

रोमियों को पत्र, आरंभ 84

भाइयो, हम जानते हैं कि व्यवस्था जब बोलती है, तो वह व्यवस्था के अधीन लोगों से बोलती है, ताकि हर एक का मुँह बंद हो जाए और सारी दुनिया परमेश्वर के सामने दोषी ठहरे; क्योंकि व्यवस्था के कामों से कोई भी प्राणी उसके सामने धर्मी नहीं ठहरेगा; क्योंकि व्यवस्था से पाप का ज्ञान होता है। परन्तु अब, व्यवस्था के बनि, परमेश्वर का धार्मिक-स्वभाव प्रगट हुआ है, जैसा कि व्यवस्था और भवषियदवक्ताओं ने गवाही दी है—परमेश्वर का धार्मिक-स्वभाव जो यीशु मसीह में विश्वास करने वालों के लिए विश्वास के द्वारा है, क्योंकि विश्वास करने वालों में कोई भेदभाव नहीं है: क्योंकि सबने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रह गए हैं, और उन सबको नःशुल्क, उसकी कृपा से, मसीह यीशु में छुटकारा पाने के द्वारा, जसि परमेश्वर ने विश्वास के द्वारा, उसके लहू के माध्यम से प्रायश्चिति का बलदान ठहराया, ताकि अपनी धार्मिकता प्रकट करे—उसकी सहनशीलता के समय में पहलि कएि गए पापों को क्षमा करके—ताकि वह वर्तमान समय में अपनी धार्मिकता प्रकट करे, ताकि वह धर्मी ठहरे और उस पर भी धर्मी ठहरावे जो यीशु पर विश्वास करता है।

रोमियों 3:19-26
दूसरे सप्ताह का शनिवार

रोमियों का पत्र, पद 85 से आरंभ

भाइयो, हम मानते हैं कि मनुष्य व्यवस्था के कामों के बनि, विश्वास से धर्मी ठहरता है। क्या परमेश्वर केवल यहूदियों का परमेश्वर है, और अन्यजातियों का नहीं? नश्चय ही अन्यजातियों का भी, क्योंकि परमेश्वर एक ही है, जो खतना कएि हुआओं को विश्वास से और खतना न कएि हुआओं को भी विश्वास से ही धर्मी ठहराएगा। तो क्या हम विश्वास के द्वारा व्यवस्था को नरिसत करते हैं? कतई नहीं; वरन् व्यवस्था को स्थरि करते हैं। तो फरि हम क्या कहें कि हमारे पूर्वज इब्राहीम ने देह के अनुसार क्या प्राप्त किया? यदइब्राहीम कर्मों के द्वारा धर्मी ठहराया गया होता, तो उसे घमंड करने का अवसर मलिता, परन्तु परमेश्वर के सामने नहीं। क्योंकि पवित्रशास्त्र क्या कहता है? 'इब्राहीम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिए धार्मिकता में गनिा गया।'

रोमियों 3:28-4:3
तीसरे सप्ताह का शनिवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 86

भाइयो, जो कोई कर्म करता है, उसका प्रतफल अनुग्रह नहीं, बल्कि एक ऋण माना जाता है। परन्तु जसिने कर्म नहीं किया, परन्तु उस पर विश्वास करता है जो दुष्टों को भी धर्मी ठहराता है, उसका विश्वास धार्मिकता के रूप में गनिा जाता है। इस प्रकार दाऊद भी उस मनुष्य को धन्य कहता है जसि परमेश्वर कर्मों के बनि धार्मिकता का हसिाब देता है: 'धन्य हैं वे जनिके अधर्म क्षमा कर दएि गए और जनिके पाप ढँक दएि गए। धन्य है वह मनुष्य जसि प्रभु पाप नहीं लगाएँगे।' क्या यह आशीष खतना से संबंधति है, या अखतना से? हम कहते हैं कि अब्राहम के विश्वास को उसे धार्मिकता के रूप में गनिा गया था। यह कब श्रेय दया गया? खतना होने के बाद या पहले? बाद में नहीं, बल्कि पहले। और उसने खतना के चहिन को उस धार्मिकता की मुहर के रूप में प्राप्त किया जो उसे खतना न होने की अवस्था में अपने विश्वास के द्वारा मलिी थी, ताकि वह उन सभी का पतिा बने जो खतना न होने की अवस्था में विश्वास करते हैं, ताकि उनहीं भी धार्मिकता का श्रेय मलि सके, और खतना कएि हुआओं का भी पतिा, न केवल उन लोगों का जो खतना कएि गए हैं, बल्कि उन

रोमियों को पत्र

लोगों का भी जो हमारे पति इब्राहीम के उस विश्वास के पदचिह्नों पर चलते हैं, जो उनके पास खतना न किए हुए अवस्था में था।

रोमियों 4:4-12
दूसरे सप्ताह का मंगलवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 87

भाइयो, यह प्रतज्ञा कि इब्राहीम और उसकी संतान संसार की वारसि होंगी, उसे व्यवस्था के द्वारा नहीं, बल्कि विश्वास की धार्मिकता के द्वारा दी गई थी। यदि व्यवस्था पर भरोसा करने वाले वारसि हों, तो विश्वास व्यर्थ हो जाता है और प्रतज्ञा नरिस्त हो जाती है; क्योंकि व्यवस्था क्रोध उत्पन्न करती है, क्योंकि जहाँ व्यवस्था नहीं, वहाँ उल्लंघन नहीं। इसलिए यह विश्वास के द्वारा है, ताकि यह अनुग्रह के द्वारा हो, ताकि वाचा उन सब के लिए दृढ़ हो—न केवल व्यवस्था के अधीन वालों के लिए, बल्कि विश्वास के अनुसार अब्राहम की संतान के लिए भी, जो हम सब के पति हैं (जैसा लिखा है: 'मैं ने तुझे बहुत सी जातियों का पति बनाया है'), परमेश्वर के सामने, जसि पर उन्होंने विश्वास किया—वह जो नरिजीयों को जीवित करता है और जो नहीं हैं, उन्हें अस्तित्व में बुलाता है। उसने आशा के विपरीत आशा में विश्वास किया, और इसी से वह अनेक राष्ट्रों का पति बना, जैसा कविता गया है: 'इस प्रकार तेरी संतति होगी।' और, अपने विश्वास में हताश न होकर, उसने यह न माना कि उसका अपना शरीर, लगभग सौ वर्ष का होकर, लगभग मृतक समान था, और न ही सारा की कोख बाँझ थी; वह परमेश्वर के वचन के विषय में विश्वास से न डगमगाया, बल्कि विश्वास में दृढ़ रहा, और परमेश्वर की महिमा की, और पूरी तरह से यह मानकर चलता रहा कि जो उसने वादा किया है, वह उसे पूरा करने में समर्थ है। इसीलिए उसे यह धार्मिकता के रूप में गनि लिया गया। इसके अलावा, यह केवल उसी के संबंध में नहीं लिखा गया है कि उसे यह गनि लिया गया, बल्कि हमारे संबंध में भी; यह हमें भी गनि लिया जाएगा, जो उस पर विश्वास करते हैं जसिने हमारे प्रभु यीशु मसीह को मरे हुएों में से जलाया, जो हमारे पापों के लिए सौंप दिया गया और हमारी धार्मिकता के लिए जलाया गया।

रोमियों 4:13-25
दूसरे सप्ताह का बुधवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 88A

भाइयो, विश्वास द्वारा धर्मी ठहरने के बाद, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ हमारा मेल है, जसिके द्वारा, विश्वास के द्वारा, हम उस अनुग्रह तक पहुँच पाए हैं जसिमें हम खड़े हैं, और हम परमेश्वर की महिमा की आशा में घमण्ड करते हैं। और न केवल इतना ही, बल्कि हम अपनी कष्टों पर भी घमण्ड करते हैं, यह जानते हुए कि कष्ट धीरज उत्पन्न करता है, और धीरज चरित्र उत्पन्न करता है, और चरित्र आशा उत्पन्न करता है; और आशा हमें लज्जति नहीं करती, क्योंकि परमेश्वर का प्रेम पवित्र आत्मा के द्वारा हमारे हृदयों में डाल दिया गया है, जो हमें दिया गया है। क्योंकि मसीह ने, जब हम अभी भी नरिबल थे, नयित समय पर अधर्मियों के लिए प्राण दिए। क्योंकि शायद कोई धर्मी मनुष्य के लिए प्राण दे; परन्तु भला करने वाले के लिए शायद कोई प्राण देने को भी तैयार हो जाए। परमेश्वर ने हमसे अपना प्रेम इस प्रकार दिखाया कि जब हम पापी ही थे, तब मसीह हमारे लिए मरा। अतः चूँकि हम अब उसके लहू के द्वारा धर्मी ठहरे हैं, तो हम उसके द्वारा परमेश्वर के क्रोध से कहीं अधिक उद्धार पाएँगे! क्योंकि यदि हम शत्रु ही थे, तो हम उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा परमेश्वर से मेल खाते थे; तो अब जब हम मेल से मलि चुके हैं, तो हम उसके जीवन के द्वारा उद्धार पाएँगे, यह तो और भी निश्चित है।

रोमियों 5:1-10
सप्ताह 3

रोमियों का पत्र, आरंभ 88B

भाइयो, जब हम अभी भी दुर्बल थे, तो नयित समय पर मसीह अधर्मी लोगों के लिए मरा। क्योंकि धर्मी मनुष्य के लिए शायद ही कोई मरेगा; यद्यपि भले करने वाले के लिए कोई न कोई मरने को भी तैयार हो सकता

रोमियों को पत्र

है। परन्तु परमेश्वर हमसे अपनी प्रीति का प्रमाणीकरण इस प्रकार करता है कि जब हम पापी ही थे, तब मसीह हम पर प्राण दे दिया। अतः अब जब हम उसके लोहू के द्वारा धर्मी ठहरे हैं, तो हम उसके द्वारा परमेश्वर के क्रोध से उद्धार पाएंगे। क्योंकि यदि हम शत्रु ही थे, और उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा हम से मेल हो गया, तो अब जब हम मेल किए हुए हैं, तो हम उसके जीवन के द्वारा उद्धार पाएंगे। केवल इतना ही नहीं, बल्कि हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर में भी घमण्ड करते हैं, जिसके द्वारा हमें अब मेल मिलाप प्राप्त हुआ है।

रोमियों 5:6-11
शुक्रवार को तीसरे पहर

रोमियों की पुस्तक, आरंभ 89

भाइयो, जब हम अभी भी शत्रु थे, तब भी हम उसके पुत्र की मृत्यु द्वारा परमेश्वर से मेल-मिलाप कर गए; तो अब जब हम मेल-मिलाप कर चुके हैं, तो उसके जीवन के द्वारा हम और भी अधिक उद्धार पाएंगे। और केवल इतना ही नहीं, बल्कि हम हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर में भी घमण्ड करते हैं, जिसके द्वारा हमें अब मेल-मिलाप प्राप्त हुआ है। इसलिये, जैसे एक मनुष्य के द्वारा पाप संसार में प्रवेश किया, और पाप के द्वारा मृत्यु, वैसे ही मृत्यु सब मनुष्यों तक फैल गई, क्योंकि सब ने पाप किया। क्योंकि व्यवस्था से पहले भी पाप संसार में था; पर जहाँ व्यवस्था नहीं थी, वहाँ पाप गिना नहीं जाता। तथापि आदम से लेकर मूसा तक मृत्यु राज करती रही, उन लोगों पर भी जो पाप नहीं भी करते थे, ठीक उसी प्रकार जैसे आदम के अपराध के द्वारा—जो आने वाले का एक प्रकार था। परन्तु अनुग्रह का वरदान अपराध के समान नहीं है। क्योंकि यदि एक के अपराध के कारण बहुतों की मृत्यु हुई, तो कतिनी ही अधिक परमेश्वर का अनुग्रह और एक मनुष्य, यीशु मसीह, के अनुग्रह से दिया गया वरदान बहुतों पर प्रचुर हुआ है। और अनुग्रह का उपहार उस व्यक्ति के न्याय के समान नहीं है जिसने पाप किया है; क्योंकि एक अपराध के लिए न्याय ननिंदा की ओर ले जाता है, लेकिन अनुग्रह का उपहार कई अपराधों से धर्मी ठहराने की ओर ले जाता है।

रोमियों 5:10-16
दूसरे सप्ताह का गुरुवार

रोमियों को पत्र, पद 90

भाइयो और बहनियो, यदि एक मनुष्य के अपराध के कारण मृत्यु उस एक मनुष्य के द्वारा राज्य करती है, तो जो लोग अनुग्रह और धार्मिकता का वरदान प्राप्त करते हैं, वे एक मनुष्य, यीशु मसीह के द्वारा जीवन में कतिने अधिक राज्य करेंगे। इसलिये, जैसे एक मनुष्य के अपराध के कारण सभी मनुष्यों पर दण्ड आया, वैसे ही एक मनुष्य की धार्मिकता के द्वारा सभी मनुष्यों पर जीवन की ओर ले जाने वाली धार्मिक ठहराई आई। क्योंकि जैसे एक मनुष्य की अवज्ञा के कारण बहुत से लोग पापी ठहरे, वैसे ही एक मनुष्य की आज्ञाकारिता के द्वारा बहुत से लोग धर्मी ठहराए जाएंगे। परन्तु व्यवस्था बाद में आई, और इस प्रकार अपराध और भी बढ़ गया। परन्तु जहाँ पाप बढ़ा, वहाँ अनुग्रह और भी अधिक बढ़ा, ताकि जैसे पाप मृत्यु में राज्य करता था, वैसे ही अनुग्रह भी धार्मिकता के द्वारा राज्य करे, और हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा अनन्त जीवन लाए। तो फिर हम क्या कहें? क्या हम पाप में बने रहें, ताकि अनुग्रह बढ़े? कदापि नहीं! हम पाप के प्रतिमिरे हैं; तो फिर हम उसमें कैसे जीवित रह सकते हैं?

रोमियों 5:17-6:2
दूसरे सप्ताह का शुक्रवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 91

भाइयो, क्या हम सब जनिहोंने मसीह यीशु में बपतिस्मा लिया है, उसके मृत्यु में बपतिस्मा नहीं ले चुके? इसलिये हम बपतिस्मा के द्वारा उसके साथ दफनाए गए, ताकि जैसे पिता की महिमा से मसीह मरे हुआँ में से जी उठे, वैसे ही हम भी नए जीवन में चलें। क्योंकि यदि हम उसकी मृत्यु के समानता में उसके साथ एक हुए हैं, तो निश्चय ही हम उसके पुनरुत्थान के समानता में भी उसके साथ एक होंगे, यह जानते हुए कि हमारा पुराना

रोमियों को पत्र

स्वभाव उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया, ताकि पाप का शरीर नष्ट कर दिया जा सके, ताकि हम अब पाप के दास न रहें; क्योंकि जो मरा है, वह पाप से मुक्त हो गया है। तो यदि हम मसीह के साथ मर गए हैं, तो हम विश्वास करते हैं कि हम उसके साथ जीवित भी होंगे, यह जानते हुए कि मसीह मरे हुए में से जी उठा है, और फिर कभी नहीं मरता: मृत्यु अब उस पर अपना अधिकार नहीं रखती। क्योंकि उसने जो मृत्यु भोगी, वह पाप के लिए एक बार ही भोगी; परन्तु जो जीवन वह जीता है, वह परमेश्वर के लिए जीता है। इसी प्रकार, अपने आपको पाप के प्रतिमिरा हुआ और मसीह यीशु हमारे प्रभु में परमेश्वर के प्रति जीवित समझो।

रोमियों 6:3-11
पवित्र शनिवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 92

भाइयो, अपने आपको पाप के लिए मरा हुआ और मसीह यीशु में परमेश्वर के लिए जीवित समझो। इसलिए अपने नश्वर शरीरों में पाप को राज्य करने न दो, कि तुम उसकी अभिलाषाओं के अधीन हो जाओ; और अपने अंगों को अधर्म के साधन के रूप में पाप के अधीन न करो, बल्कि स्वयं को परमेश्वर के अधीन करो, जैसे कि जो मरे हुए में से जी उठे हों, और अपने अंगों को परमेश्वर के अधीन करो, जैसे कि धार्मिकता के साधन। पाप पर तुम्हारा अधिकार न चले, क्योंकि तुम व्यवस्था के अधीन नहीं, बल्कि अनुग्रह के अधीन हो। तो फिर क्या? क्या हमें इसलिये पाप करना चाहिए क्योंकि हम व्यवस्था के अधीन नहीं, परन्तु अनुग्रह के अधीन हैं? कदापि नहीं। क्या तुम नहीं जानते कि तुम जनिके आज्ञाकारिता के दास बनते हो, उन्हीं के दास बनते हो—चाहे पाप के, जो मृत्यु की ओर ले जाता है, या आज्ञाकारिता के, जो धार्मिकता की ओर ले जाती है? परमेश्वर का धन्यवाद हो कि यदि पति तुम कभी पाप के दास थे, फिर भी तुम उस शिक्षा के ढाँचे के प्रति हृदय से आज्ञाकार हो गए, जिससे तुम्हारे सुपुर्द किया गया था।

रोमियों 6:11-17
चौथे सप्ताह का शनिवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 93

भाइयो और बहनो, पाप से मुक्त होकर, आप धार्मिकता के दास बन गए हैं। मैं आपके शरीर की दुर्बलता के कारण, मानवीय दृष्टिकोण से बात कर रहा हूँ। जैसे तुम पहले अपने अंगों को अशुद्धता और अधर्म के दास के रूप में अधर्मी कामों के लिए अर्पित करते थे, वैसे ही अब अपने अंगों को पवित्रता के दास के रूप में पवित्र कामों के लिए अर्पित करो। क्योंकि जब तुम पाप के दास थे, तो तुम धार्मिकता से स्वतंत्र थे। तब तुम्हारा क्या फल होता था? उन कामों का, जिनसे तुम अब लज्जित होते हो, क्योंकि उनका अंत मृत्यु है। पर अब जब तुम पाप से स्वतंत्र हो गए हो और परमेश्वर के दास बन गए हो, तो तुम्हारा फल पवित्रता है, और इसका अंत अनंत जीवन है। क्योंकि पाप का वेतन मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह में अनंत जीवन है।

रोमियों 6:18-23
सप्ताह 4

रोमियों का पत्र, आरंभ 94

भाइयो और बहनो, क्या तुम नहीं जानते—क्योंकि मैं उन लोगों से कह रहा हूँ जो व्यवस्था को जानते हैं—कि व्यवस्था मनुष्य पर तब तक अधिकार रखती है जब तक वह जीवित रहता है? एक विवाहित स्त्री अपने जीवित पति के द्वारा व्यवस्था से बंधी रहती है; परन्तु यदि उसका पति मर जाए, तो वह विवाह की व्यवस्था से मुक्त हो जाती है। इसलिए, जब उसका पति जीवित है, तब यदि वह दूसरे पुरुष से विवाह करती है, तो उसे व्यभिचारिणी कहा जाता है; परन्तु यदि उसका पति मर जाए, तो वह व्यवस्था से स्वतंत्र हो जाती है, और यदि वह दूसरे पुरुष से विवाह करे तो व्यभिचारिणी नहीं ठहरेगी। इसी प्रकार, हे मेरे भातरो, तुम भी मसीह की देह के द्वारा व्यवस्था के प्रतिमिर हो, ताकि तुम दूसरे की—उसकी जो मरे हुए में से जलाया गया है—हो जाओ और परमेश्वर के लिए फल लाओ। क्योंकि जब हम शरीर के अनुसार जीते थे, तो व्यवस्था द्वारा

रोमियों को पत्र

प्रकट की गई पापी इच्छाएँ हमारे अंगों में कार्य कर रही थीं, जो मृत्यु का फल उत्पन्न करती थीं; परन्तु अब, उस व्यवस्था के प्रतिमरे होने के कारण, जिससे हम बंधे थे, हम उससे स्वतंत्र हो गए हैं, ताकि हम आत्मा की नूतनता में परमेश्वर की सेवा करें, और न कि व्यवस्था के पुराने अक्षर के अनुसार। तो फिर हम क्या करें? क्या व्यवस्था में पाप है? कतई नहीं। परन्तु मैं व्यवस्था के सवाय पाप को न जानता था। क्योंकि यदि व्यवस्था यह न कहती, 'तुम लालच न करना,' तो मैं लालच के विषय में न जानता। परन्तु पाप ने आज्ञा के द्वारा अवसर पाकर मुझ में हर प्रकार की लालच उत्पन्न की; क्योंकि व्यवस्था के बिना पाप मरा हुआ है। मैं कभी व्यवस्था के बिना जीता था; परन्तु जब आज्ञा आई, तो पाप जीवित हो उठा और मैं मर गया; और इस प्रकार वह आज्ञा, जो जीवन के लिए दी गई थी, मेरे लिए मृत्यु का कारण बनी, क्योंकि पाप ने आज्ञा के अवसर का लाभ उठाकर मुझे धोखा दिया और उसी के द्वारा मुझे मार डाला। इसलिए व्यवस्था पवित्र है, और आज्ञा पवित्र, धर्मी और अच्छी है। तो फिर, क्या जो अच्छा है वह मेरे लिए मृत्यु का कारण बन गया? कतई नहीं; पर पाप, जो पाप के रूप में प्रकट होता है, क्योंकि वह अच्छी वस्तु के द्वारा मेरे लिए मृत्यु लाता है, ताकि आज्ञा के द्वारा पाप अतिशय दुष्ट बन जाए।

रोमियों 7:1-13
तीसरे सप्ताह का सोमवार

रोमियों का पत्र, 95 में आरंभ

भाइयो, हम जानते हैं कि व्यवस्था आध्यात्मिक है, परन्तु मैं शारीरिक हूँ, पाप के अधीन बेचा गया हूँ। क्योंकि मैं जो करता हूँ, वह मैं नहीं समझता; क्योंकि मैं वह नहीं करता जो मैं चाहता हूँ, परन्तु जिस मैं घृणा करता हूँ, वही मैं करता हूँ। अब यदि मैं वह करता हूँ जो मैं नहीं चाहता, तो मैं व्यवस्था से सहमत हूँ कि वह अच्छी है; और इस प्रकार अब यह मैं नहीं हूँ जो यह करता हूँ, परन्तु जो पाप मुझ में वास करता है। क्योंकि मैं जानता हूँ कि मुझ में, अर्थात् मेरे शरीर में, कोई भलाई वास नहीं करती; क्योंकि मुझ में भलाई करने की इच्छा तो है, परन्तु मैं उसे करने की सामर्थ्य नहीं पाता। जो भलाई मैं करना चाहता हूँ, वह मैं नहीं करता; परन्तु जो बुराई मैं नहीं करना चाहता, वही मैं करता हूँ। यदि मैं वह करता हूँ जो मैं नहीं करना चाहता, तो अब यह मैं नहीं हूँ जो यह करता हूँ, बल्कि पाप है जो मुझ में वास करता है। इस प्रकार मैं इस व्यवस्था को कार्यरूप में पाता हूँ कि जब मैं भलाई करना चाहता हूँ, तो बुराई मेरे साथ मौजूद रहती है। क्योंकि मैं अपने भीतरी मनुष्य में परमेश्वर की व्यवस्था में आनंदित होता हूँ; परन्तु मैं अपने अंगों में एक दूसरी व्यवस्था देखता हूँ जो मेरे मन की व्यवस्था के विरुद्ध युद्ध करती है और मुझे मेरे अंगों में व्याप्त पाप की व्यवस्था का कैदी बना देती है। मैं कतिना दुखी मनुष्य हूँ! मुझे इस मृत्यु के शरीर से कौन बचाएगा? मैं हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ। तो फिर, मैं मन से परमेश्वर की व्यवस्था की सेवा करता हूँ, परन्तु शरीर से पाप की व्यवस्था की। इसलिए अब मसीह यीशु में जो हैं, उन पर कोई दण्ड नहीं है, जो शरीर के अनुसार नहीं बल्कि आत्मा के अनुसार चलते हैं; क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप और मृत्यु की व्यवस्था से मुक्त कर दिया है।

रोमियों 7:14-8:2
तीसरे सप्ताह का मंगलवार

रोमियों को पत्र, आरंभ 96A

भाइयो, मसीह यीशु में जीवन के आत्मा का विधान मुझे पाप और मृत्यु के विधान से मुक्त कर चुका है। चूंकि मांस के कारण कमजोर हुआ कानून शक्तिहीन था, परमेश्वर ने पाप के लिए बलदान स्वरूप पापी मांस के समान अपने पुत्र को भेजा, और मांस में पाप को निन्दित किया, ताकि जो लोग न तो मांस के अनुसार बल्कि आत्मा के अनुसार चलते हैं, उनमें कानून की धार्मिकता पूरी हो। क्योंकि जो शरीर के अनुसार जीते हैं, वे शरीर की बातों में अपना मन लगाते हैं, परन्तु जो आत्मा के अनुसार जीते हैं, वे आत्मा की बातों में अपना मन लगाते हैं। जो मन शरीर की ओर झुकता है वह मृत्यु है, परन्तु जो मन आत्मा की ओर झुकता है वह जीवन और शान्ति है; क्योंकि जो मन शरीर की ओर झुकता है वह परमेश्वर के विरोधी है; क्योंकि वह परमेश्वर की व्यवस्था के अधीन नहीं होता, और न ही हो सकता है। इसलिए जो शरीर के अनुसार जीते हैं, वे परमेश्वर को प्रसन्न

रोमियों को पत्र

नहीं कर सकते। परन्तु यदि परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है, तो तुम शरीर के अनुसार नहीं, बल्कि आत्मा के अनुसार जीते हो। यदि किसी में मसीह की आत्मा नहीं है, तो वह उसका नहीं है। परन्तु यदि मसीह तुम में है, तो शरीर पाप के कारण मरा हुआ है, परन्तु आत्मा धार्मिकता के कारण जीवित है। यदि उस की आत्मा, जिसने यीशु को मरे हुएओं में से जलाया, तुम में वास करती है, तो वह, जिसने मसीह को मरे हुएओं में से जलाया, तुम्हारे मरणासन्न शरीरों को भी अपनी आत्मा के द्वारा, जो तुम में वास करती है, जीवित कर देगा। इसलिए, भाइयों और बहनों, हम शरीर के ऋणी नहीं हैं, ताकि शरीर के अनुसार न जीएँ; क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार जीओगे, तो मर जाओगे, पर यदि तुम आत्मा के द्वारा शरीर के कर्मों को मार डालोगे, तो जीओगे।

रोमियों 8:2-13
तीसरे सप्ताह का बुधवार

रोमियों की पत्र, आरंभ 96B

भाइयो, चूंकि व्यवस्था, शरीर के कारण दुर्बल होकर, शक्तिहीन थी, परमेश्वर ने पाप के लिए एक बलदान के रूप में पापी मनुष्य के समान अपने पुत्र को भेजा, और शरीर में पाप को दोषी ठहराया, ताकि व्यवस्था की धार्मिकता हम में पूरी हो, जो शरीर के अनुसार नहीं बल्कि आत्मा के अनुसार चलते हैं। क्योंकि जो शरीर के अनुसार जीते हैं, वे शरीर की बातों में मन लगाते हैं, परन्तु जो आत्मा के अनुसार जीते हैं, वे आत्मा की बातों में मन लगाते हैं। जो मन शरीर की ओर झुकता है वह मृत्यु है, परन्तु जो मन आत्मा की ओर झुकता है वह जीवन और शान्ति है; क्योंकि जो मन शरीर की ओर झुकता है वह परमेश्वर के विरोधी होता है; वस्तुतः वह परमेश्वर की व्यवस्था के अधीन नहीं होता, और न ही हो सकता है। इसलिए जो शरीर के अनुसार जीते हैं, वे परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर सकते। परन्तु यदि परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है, तो तुम शरीर के अनुसार नहीं, बल्कि आत्मा के अनुसार जीते हो।

रोमियों 8:3-9A
28 दिसंबर, नकिमेडिया के पवित्र शहीद

रोमियों को पत्र, आरंभ 96B

भाइयो, जो शरीर के अनुसार चलते हैं, वे परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर सकते। परन्तु तुम शरीर के अनुसार नहीं, वरन् आत्मा के अनुसार चलते हो, यदि परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है। अब यदि किसी में मसीह का आत्मा नहीं है, तो वह उसका नहीं है। परन्तु यदि मसीह तुम में है, तो शरीर पाप के कारण मरा हुआ है, परन्तु आत्मा धार्मिकता के कारण जीवित है। और यदि उस की आत्मा, जिसने यीशु को मरे हुएओं में से जलाया, तुम में वास करती है, तो वह, जिसने मसीह को मरे हुएओं में से जलाया, तुम्हारे मरणासन्न शरीरों को भी अपने आत्मा के द्वारा, जो तुम में वास करता है, जीवन देगा। इसलिए, भाइयों और बहनों, हम शरीर के ऋणी नहीं हैं, ताकि शरीर के अनुसार न जीएँ; क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार जीओगे तो मर जाओगे, पर यदि आत्मा के द्वारा शरीर के कर्म मारे डालोगे तो जीओगे। क्योंकि जितने लोग परमेश्वर की आत्मा से संचालित होते हैं, वे सब परमेश्वर की संतान हैं।

रोमियों 8:8-14
4 जनवरी, 70 पवित्र प्रेरित

रोमियों का पत्र, आरंभ 97

भाइयो, जो कोई परमेश्वर की आत्मा के द्वारा संचालित है, वे परमेश्वर की संतान हैं। क्योंकि तुम दासत्व की आत्मा नहीं प्राप्त किए, कफिरि भय में पड़ो; परन्तु तुम दत्तक ग्रहण करने की आत्मा प्राप्त किए, जिसके द्वारा हम 'अबबा, हे पिता!' कहकर पुकारते हैं। यही आत्मा हमारे आत्मा के साथ गवाही देती है, कि हम परमेश्वर के बच्चे हैं। और यदि हम पुत्र हैं, तो वारस—परमेश्वर के वारस और मसीह के सह-वारस हैं, बशर्ते कि हम उसके साथ दुख उठाएँ, ताकि हम उसके साथ महिमामय भी हों। क्योंकि मैं यह मानता हूँ कि इस समय की कठिनाइयाँ उस महिमा के बराबर भी नहीं हैं जो हम पर प्रकट होने वाली है। क्योंकि सृष्टि बिड़ी उत्सुकता से परमेश्वर के पुत्रों के प्रकट होने की प्रतीक्षा कर रही है; क्योंकि सृष्टि व्यर्थता

रोमियों को पत्र

के अधीन हो गई, अपनी इच्छा से नहीं, बल्कि उस की इच्छा से जसिने उसे अधीन किया, इस आशा में कि सृष्टि स्वयं नाश के दासत्व से मुक्त होकर परमेश्वर के पुत्रों के गौरव की स्वतंत्रता में ले आई जाएगी।

रोमियों 8:14-21
पाँचवें सप्ताह का शनिवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 98

भाइयो, हम जानते हैं कि सारी सृष्टि आज तक एक साथ कराहती और पीड़ित है; और केवल इतना ही नहीं, बल्कि हम स्वयं भी, जिनके पास आत्मा का पहला फल है, अपने भीतर कराहते हैं, पुत्रत्व की प्रतीक्षा में, अपने शरीरों की मुक्ति के लिए। क्योंकि हम आशा में उद्धार पाए हैं। पर आशा, जब वह साकार हो जाए, तो वह आशा नहीं रहती; क्योंकि जो कोई किसी वस्तु को देखता है, वह उसकी आशा क्यों करेगा? परन्तु जब हम उस बात की आशा करते हैं जसि हम नहीं देखते, तो धीरज से उसकी प्रतीक्षा करते हैं। इसी तरह, आत्मा हमारी दुर्बलता में हमारी सहायता करता है; क्योंकि हम नहीं जानते कि हमें कैसे प्रार्थना करनी चाहिए, परन्तु आत्मा स्वयं शब्दों से परे गहरी आहें भरकर हमारे लिए मध्यस्थता करता है। और जो हृदयों की परीक्षा करता है, वह जानता है कि आत्मा का मन क्या है, क्योंकि आत्मा परमेश्वर की इच्छा के अनुसार संतों के लिए मध्यस्थता करता है।

रोमियों 8:22-27
तीसरे सप्ताह का गुरुवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 99

भाइयो, हम जानते हैं कि जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं, उनके लिये सब कुछ मलिकर भलाई ही करता है, अर्थात् उन्हीं के लिये जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए गए हैं। क्योंकि जिन्हें उसने पहली से जान लिया था, उन्हें उसने पहले से ही अपने पुत्र के स्वरूप के समान होने के लिए ठहराया था, ताकि वह बहुत भाइयों में पहलौठा हो। और जिन्हें उसने पूर्वनिर्धारित किया, उन्हें उसने बुलाया भी; और जिन्हें उसने बुलाया, उन्हें उसने धर्मी ठहराया भी; और जिन्हें उसने धर्मी ठहराया, उन्हें उसने महिमामय किया भी। तो इस पर हम क्या कहेंगे? यदि परमेश्वर हमारे पक्ष में है, तो हमारा वरिधी कौन हो सकता है? जसिने अपने ही पुत्र को हमारे सब के लिए सौंप दिया, वह हमारे साथ सब कुछ अनुग्रह से क्यों नहीं देगा? परमेश्वर के चुने हुएों पर कौन दोष लगायेगा? यह परमेश्वर है जो उन्हें धर्मी ठहराता है। उन्हें कौन दोषी ठहराएगा? मसीह यीशु मरे, और इससे भी बढ़कर, उन्हें जलाया भी गया; वे परमेश्वर के दाहिने हाथ पर हैं, और हमारे लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। हमें परमेश्वर के प्रेम से कौन अलग कर सकता है: क्लेश, या संकट, या उत्पीड़न, या अकाल, या नग्नता, या संकट, या तलवार? जैसा कि लिखा है: 'तेरी खातिर हम दिन भर मारें जाते हैं; हम वध के भेड़ों के समान गनि जाते हैं।' परन्तु हम इन सब पर उस एक के द्वारा जय प्राप्त करते हैं, जसिने हम से प्रेम किया। क्योंकि मैं निश्चय जानता हूँ, कि न मृत्यु, न जीवन, न स्वर्गदूत, न प्रधानताएँ, न सामर्थ्य, न वर्तमान, न भविष्य, न ऊँचाई, न गहराई, और न कोई सृजित वस्तु हमें हमारे प्रभु मसीह यीशु में परमेश्वर के प्रेम से अलग कर सकेगी।

रोमियों 8:28-39
शहीदों के लिए

रोमियों को पत्र, आरंभ 100

भाइयो, मैं मसीह में सत्य कहता हूँ: मैं झूठ नहीं बोलता—मेरा वविक पवतिर आत्मा में गवाही देता है—कि मेरे हृदय में बड़ी व्यथा और अनवरत क्लेश है: मैं स्वयं अपनी कलीसिया के भाइयों, अर्थात् देह के अनुसार अपने कुलजनों, इस्राएलियों के लिए मसीह से अलग हो जाना चाहूँगा, जिनके लिए पुत्रत्व, महिमा, वादे, व्यवस्था का दिया जाना, आराधना और प्रतजिजाएँ हैं; उनके ही पूर्वज हैं, और देह के अनुसार मसीह उन्हीं में से आए, जो सर्व पर परमेश्वर हैं, और युगानुयुग धन्य हैं। आमीन।

रोमियों 9:1-5
छठे सप्ताह का शनिवार

रोमियों को पत्र, अध्याय 101

भाइयो, ऐसा नहीं है कि परमेश्वर का वचन असफल हो गया हो; क्योंकि जो इस्राएल से हैं, वे सब इस्राएल नहीं हैं; और अब्राहम के वंशज सब उसके संतान नहीं हैं, परन्तु यह कहा गया है, 'इसहाक से तेरी संतति नामित होगी।' अर्थात्, जो देह के संतान हैं, वे परमेश्वर के संतान नहीं हैं, परन्तु प्रतज्जिजा के संतान ही बीज के रूप में गनि जाते हैं। और प्रतज्जिजा का वचन यह था: 'इसी समय मैं आऊँगा, और सारा के एक पुत्र होगा।' और यह एकमात्र उदाहरण नहीं था; बल्कि रिबिका के वषिय में भी ऐसा ही था, जब उसने हमारे पिता इसहाक से एक ही समय में दो पुत्रों को गर्भ में धारण किया। क्योंकि वे अभी उत्पन्न भी नहीं हुए थे और न तो उन्होंने कोई भलाई की थी और न कोई बुराई, ताकि परमेश्वर का चुनाव का उद्देश्य कर्मों पर नहीं बल्कि उस पर निर्भर करे जो बुलाता है—तब उससे कहा गया: 'बड़ा छोटे की सेवा करेगा', जैसा कलिखा है: 'याकूब से तो मैं प्रेम करता हूँ, पर एसाव से मैं घृणा करता हूँ। तो फिर, हम क्या कहेंगे? क्या परमेश्वर अन्यायी है? कतई नहीं! क्योंकि वह मूसा से कहता है: 'मैं जिस पर दया करना चाहूँगा, उस पर दया करूँगा, और जिस पर तरस करना चाहूँगा, उस पर तरस करूँगा।' तो फिर, यह मनुष्य की इच्छा या प्रयास पर नहीं, बल्कि परमेश्वर पर निर्भर करता है जो दया दिखाता है। क्योंकि पवित्रशास्त्र फरिँन से कहता है: 'मैंने तुझे इसी नमितित उत्पन्न किया है, कि मैं तुझ में अपनी सामर्थ्य दिखाऊँ, और मेरा नाम सारी पृथ्वी पर प्रचारित हो।' इसलिये वह जिस पर चाहे उस पर दया करता है, और जिससे चाहे कठोर बनाता है। तुम मुझ से कहोगे, 'वह फिर दोष क्यों लगाता है? क्योंकि उसकी इच्छा के विरुद्ध कौन ठहर सकता है?'

रोमियों 9:6-19
तीसरे सप्ताह का शुक्रवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 102

भाइयो, परमेश्वर जिस पर चाहता है उस पर दया करता है, और जिससे चाहता है उसे कठोर बना देता है। आप मुझसे कहेंगे, 'तो फिर वह अभी भी दोष क्यों लगाता है? क्योंकि उसकी इच्छा के विरुद्ध कौन टक सकता है?' पर हे मनुष्य, तू कौन है जो परमेश्वर से विवाद करे? क्या जो वस्तु बनाई गई है, वह उसे बनाने वाले से कह सकती है, 'तूने मुझे ऐसा क्यों बनाया?' क्या कुम्हार को मट्टी पर अधिकार नहीं है कि वह एक ही गोले से एक पात्र आदर के योग्य और दूसरा अनादर के योग्य बना दे? तो फिर, क्या होगा यदि परमेश्वर, अपनी क्रोध दिखाने और अपनी सामर्थ्य प्रकट करने की इच्छा से, वनिश के लिए तैयार क्रोध के पात्रों को बड़े धीरज के साथ सहन करता रहा, ताकि वह उसी समय दया के पात्रों पर, जिनमें उसने महिमा के लिए तैयार किया है—हम पर, जिनमें उसने न केवल यहूदियों में से बल्कि अन्यजातियों में से भी बुलाया है—अपनी महिमा की संपत्ति प्रकट कर सके? जैसा कि होशे की पुस्तक में लिखा है: 'मैं उन लोगों को जिनमें मेरी प्रजा नहीं कहा जाता था, "मेरी प्रजा" कहूँगा, और जिससे प्रिय नहीं कहा जाता था, उसे "प्रिय" कहूँगा।' और ठीक उसी स्थान पर जहाँ उनसे कहा गया है, 'तुम मेरी प्रजा नहीं हो', वहाँ उन्हें 'जीवित परमेश्वर के पुत्र' कहा जाएगा। और यशायाह इस्राएल के वषिय में घोषणा करता है: 'यदि इस्राएल के पुत्र समुद्र के किनारे की रेत के समान भी होते, तो भी केवल एक अंश ही बचाया जाएगा; क्योंकि प्रभु इस मामले को समाप्त कर देगा और इसे शीघ्रता से न्याय में नपिता देगा; प्रभु पृथ्वी पर अपना निर्णायक न्याय करेगा।' और, जैसा कि यशायाह ने भविष्यवाणी की थी: 'यदि सेनाओं का यहोवा हमें एक वंश न छोड़ गया होता, तो हम सदोम के समान और गमोरा के समान हो जाते।' तो फिर हम क्या कहेंगे? जो अन्यजाति धार्मिकता के पीछे न दौड़े, उन्होंने धार्मिकता प्राप्त की है—वह धार्मिकता जो विश्वास से आती है। परन्तु इस्राएल, जो धार्मिकता के विधान का अनुसरण कर रहा था, धार्मिकता के विधान तक नहीं पहुँचा। क्यों? क्योंकि उन्होंने इसे विश्वास से नहीं, बल्कि विधान के कर्मों से प्राप्त करने की कोशिश की। क्योंकि वे उस ठोकर के पत्थर पर ठोकर खा गए, जैसा लिखा है: 'देखो, मैं सियोन में एक ठोकर का पत्थर और ठोकर खाने का एक चट्टान रखता हूँ; परन्तु जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह लज्जित नहीं होगा।'

रोमियों 9:18-33
चौथे सप्ताह का सोमवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 103

भाइयो, मेरी हृदय की इच्छा और परमेश्वर से इस्राएल के लिए मेरी प्रार्थना यह है कि वे उद्धार पाएँ। क्योंकि मैं गवाही देता हूँ कि उन में परमेश्वर के प्रतिजिलन है, परन्तु सही ज्ञान के अनुसार नहीं। क्योंकि परमेश्वर की धार्मिकता को न समझकर और अपनी धार्मिकता स्थापित करने का यत्न करके, वे परमेश्वर की धार्मिकता के अधीन नहीं हुए; क्योंकि व्यवस्था का पूरा करना मसीह है, जो हर उस पर विश्वास करता है, उसे धार्मिकता प्रदान करता है। मूसा व्यवस्था से आने वाली धार्मिकता के विषय में लिखता है: 'जो इन बातों को करता है, वह इनके द्वारा जीवित रहेगा।' परन्तु जो धार्मिकता विश्वास से आती है, वह इस प्रकार कहती है: 'अपने मन में यह न कह, "स्वर्ग में कौन चढ़ जाएगा?"'—अर्थात् मसीह को नीचे लाने के लिए। या, 'गहराई में कौन उतरेगा?'—अर्थात् मसीह को मरे हुएों में से ऊपर उठाने के लिए। परन्तु पवित्रशास्त्र क्या कहता है? 'वचन तेरे नकिट है, तेरे मुँह में और तेरे मन में'—अर्थात् विश्वास का वचन, जसि हम प्रचार करते हैं। क्योंकि यदि तू अपने मुँह से यह स्वीकार करे कि यीशु प्रभु हैं, और अपने हृदय में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उन्हें मरे हुएों में से जिलाया है, तो तू उद्धार पाएगा; क्योंकि हृदय से विश्वास किया जाता है और धर्मी ठहराया जाता है, और मुँह से स्वीकार किया जाता है और उद्धार पाया जाता है।

रोमियों 10:1-10
सप्ताह 5

रोमियों का पत्र, आरंभ 104

भाइयो, पवित्रशास्त्र कहता है: 'जो कोई उस पर विश्वास करेगा वह लज्जति नहीं होगा।' यहाँ यहूदी और यूनानी में कोई भेदभाव नहीं है, क्योंकि सभी का एक ही प्रभु है, जो उन सभी के प्रतिनिधी है जो उस से प्रार्थना करते हैं। क्योंकि जो कोई प्रभु के नाम का आह्वान करेगा वह उद्धार पाएगा। लेकिन वे उस पर कैसे आह्वान कर सकते हैं जसि पर उन्होंने विश्वास ही नहीं किया? वे उस पर कैसे विश्वास कर सकते हैं, जसिके बारे में उन्होंने सुना ही नहीं? और जब कोई प्रचार न करे तो वे कैसे सुन सकते हैं? और जब तक उन्हें भेजा न जाए तो वे प्रचार कैसे कर सकते हैं? जैसा कि लिखा है: 'उनके पाँव कतिने सुन्दर हैं जो शान्तिका शुभ समाचार लाते हैं, जो भलाई का शुभ समाचार लाते हैं।' परन्तु सभी ने शुभ समाचार की आज्ञाकारिता नहीं की। क्योंकि यशायाह कहता है: 'हे प्रभु, कसिने हमारी बात पर विश्वास किया?' तो विश्वास सुनने से आता है, और सुनना परमेश्वर के वचन के द्वारा होता है। पर मैं पूछता हूँ: क्या उन्होंने नहीं सुना? वरन्, उनकी ध्वनि सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं। मैं फिर पूछता हूँ: क्या इस्राएल ने नहीं जाना? पर मूसा पहले कहते हैं: 'मैं तुम्हें एक ऐसे राष्ट्र के द्वारा ईर्ष्यालु करूँगा जो मेरी प्रजा नहीं है; मैं तुम्हें एक ऐसे राष्ट्र के द्वारा क्रोधित करूँगा जसिमें समझ नहीं है।' और यशायाह नडिर होकर कहते हैं: 'मुझे उन लोगों ने पाया जिन्होंने मुझे नहीं खोजा; मैं उन लोगों के सामने प्रकट हुआ जिन्होंने मुझसे नहीं पूछा।' और इस्राएल के विषय में वे कहते हैं: 'मैंने दनि भर अपना हाथ एक अवज्ञाकारी और हठीकी प्रजा की ओर बढ़ाया है।' तो मैं पूछता हूँ: क्या परमेश्वर ने शायद अपने लोगों को त्याग दिया है? कतई नहीं। क्योंकि मैं भी एक इस्राएली हूँ, अब्राहम की संतान, बिन्यामीन के कुल का। परमेश्वर ने अपने लोगों को नहीं त्यागा, जिन्हें उसने पहले से जाना था।

रोमियों 10:11-11:2A
चौथे सप्ताह का मंगलवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 105

भाइयो, क्या तुम नहीं जानते कि शास्त्र एलिया के विषय में क्या कहता है? कि वह इस्राएल के विषय में परमेश्वर से कैसे शिकायत करता है, यह कहते हुए: 'हे प्रभु, उन्होंने तेरे भविष्यदवक्ताओं को मार डाला और तेरे वेदियों को ढाँ दिया; मैं ही अकेला रह गया हूँ, और वे मेरी भी जान लेना चाहते हैं।' तब परमेश्वर का उससे क्या उत्तर है? 'मैंने अपने लिए सात हजार पुरुष रखे हुए हैं जिन्होंने बाल के सामने घुटने नहीं टेके।' इसी प्रकार वर्तमान समय में भी, अनुग्रह के चुनाव के द्वारा, एक अवशेष सुरक्षित रखा गया है। परन्तु यदि अनुग्रह से है, तो कर्मों से नहीं; अन्यथा अनुग्रह अनुग्रह न रहेगा। और यदि कर्मों से है, तो यह अब अनुग्रह

रोमियों को पत्र

नहीं रहा; अन्यथा कर्म कर्म न रहेगा। तो फिर क्या? इस्राएल ने वह नहीं पाया जिसकी उसे खोज थी; परन्तु चुने हुए ने तो पाया, और बाकी के कठोर हो गए, जैसा लिखा है: 'परमेश्वर ने उन पर अचेतता का आत्मा, ऐसी आँखें दीं जिनसे वे न देख सकें, और ऐसे कान जिनसे वे न सुन सकें, यहाँ तक कि आज के दिन तक।' और दाऊद कहता है: 'उनकी मेज़ उनके लिए एक फंदा, एक जाल और एक पाश बन जाए; उनके नेत्र अंधे हो जाएँ कि वे न देख सकें, और उनकी कमर सदा के लिए झुका दे।' तो मैं पूछता हूँ: क्या वे इस तरह ठोकर खाकर पूरी तरह गरि गए हैं? कतई नहीं। परन्तु उनकी ठोकर से अन्यजातियों को उद्धार मिला है, ताकि वे ईर्ष्या करें। यदि उनकी ठोकर संसार के लिए धन है, और उनकी वफ़िलता अन्यजातियों के लिए धन है, तो उनकी परंपूरणता कतिनी अधिक धन होगी!

रोमियों 11:2-12
चौथे सप्ताह का बुधवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 106

भाइयो, मैं तुम अन्यजातियों से कहता हूँ। अन्यजातियों का प्रेरति होने के नाते, मैं अपनी सेवा का बखान करता हूँ। क्या मैं अपने शरीर के अनुसार अपने कुलजनों में ईर्ष्या न जगाऊँगा और उनमें से कुछ को बचा लूँगा? क्योंकि यदि उनका अस्वीकार संसार के मेल का कारण है, तो उनकी स्वीकृति मेरे हुएों में से जीवन का कारण होगी। यदि भेंट की पहली उपज पवतिर है, तो पूरा भी पवतिर है; और यदि जिड़ पवतिर है, तो डालियाँ भी पवतिर हैं। परन्तु यदि कुछ डालियाँ टूट गईं, और तुम, जो एक जंगली जैतून की टहनी हो, उनकी जगह में गूँथ दिए गए और जैतून के पेड़ की जिड़ और उसके रस में सहभागी हो गए हो, तो डालियों के वरिद्ध घमण्ड न करना। यदि, तथापि, तुम घमंड करते हो, तो याद रखो कि तुमहें जिड़ का सहारा नहीं देता, बल्कि जिड़ तुमहें सहारा देती है। तुम कह सकते हो, 'मुझे इसलिये डाला गया कि वे काट डाले गए।' ठीक है। उन्हें उनके अवशिवास के कारण काट डाला गया, पर तुम अपने वशिवास के कारण टर्कि हो: घमंड मत करो, बल्कि डिर। क्योंकि यदि परमेश्वर ने प्राकृतिक डालियों को भी नहीं बखशा, तो देखो, कहीं ऐसा न हो कि वह तुमहें भी न बखशे। इस प्रकार तुम परमेश्वर की दया और कठोरता को देखते हो: जो लोग वशिवास से गरि गए हैं, उनके प्रति कठोरता, और तुम पर दया, यदि तुम परमेश्वर की अनुकंपा में बने रहो; अन्यथा, तुम भी काट डाले जाओगे। परन्तु वे भी, यदि अवशिवास में बने न रहें, तो फिर से जोड़ दिए जाएँगे, क्योंकि परमेश्वर उन्हें फिर से जोड़ने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली है। क्योंकि यदि तुम, जो स्वभाव से जंगली जैतून की टहनी थे, विपरीत स्वभाव के होते हुए भी अच्छी जैतून की डाल में गूँथे गए, तो ये, जो प्राकृतिक टहनियाँ हैं, अपनी ही जैतून की डाल में कतिने और अधिक गूँथे जाएँगे।

रोमियों 11:13-24
चौथे सप्ताह का गुरुवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 107

भाइयो, मैं इस रहस्य के विषय में तुमहें अनभिज्ञ नहीं रखना चाहता—कि कहीं तुम अपने आप को बहुत बड़ा न समझो—कि इस्राएल पर एक आंशिक कठोरता आई है, जब तक कि अन्यजातियों की पूरी संख्या प्रवेश नहीं कर जाती; और इस प्रकार सारा इस्राएल उद्धार पाएगा, जैसा लिखा है: 'उद्धारक सयियों से आएगा, और वह याकूब से अधर्म को दूर कर देगा। और यह वही वाचा है जो मैं उनके साथ करूँगा, जब मैं उनके पापों को दूर करूँगा। सुसमाचार के विषय में, वे तुम्हारे कारण शत्रु हैं; परन्तु चयना के विषय में, वे अपने पतिरों के कारण परमेश्वर के प्रिय हैं। क्योंकि परमेश्वर के वरदान और बुलावा अटल हैं। जैसे तुम कभी परमेश्वर के आज्ञाकार नहीं थे, परन्तु अब उनकी अवज्ञा के कारण तुमहें दया मिली है, वैसे ही अब वे भी आज्ञाकार नहीं हैं, ताकि तुम्हारे कारण उन्हें दया मिले, और वे भी दया पाएँ। क्योंकि परमेश्वर ने सब को अवज्ञा के अधीन कर दिया, ताकि वह सब पर दया करे। हे परमेश्वर की धन-सम्पत्ति, बुद्धि और ज्ञान की गहराई! उसकी समझ और उसके मार्ग कतिने अथाह हैं! प्रभु का मन कौन जानता है? या उसका कोई परामर्शदाता कौन रहा है? या उसको पहले कसिने कुछ दिया, कि वह बदला दे? क्योंकि सब कुछ उसी से, उसी के द्वारा और उसी के लिए है। उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।

रोमियों का पत्र, आरंभ 108

भाइयो, मैं परमेश्वर की दया के वश में आकर तुम से वनिती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित, पवित्र और परमेश्वर को भानेवाला बलदान चढ़ाओ; और इस संसार के अनुकूल न बनो, परन्तु अपने मन की नूतनता से बदलते जाओ, जिससे तुम परख सको कि परमेश्वर की इच्छा क्या है—किया भला, क्या ग्रहणयोग्य और क्या उत्तम है। मुझे मली कृपा के अनुसार, मैं तुम में से प्रत्येक से कहता हूँ: अपने आप को उस से अधिक बड़ा न समझो जितना समझना चाहिए; बल्कि विनिमृता से सोचो, उस विश्वास के माप के अनुसार जो परमेश्वर ने तुम में से प्रत्येक को दिया है।

रोमियों 12:1-3
सातवें सप्ताह का शनिवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 109

भाइयो, जैसे एक शरीर में कई अंग होते हैं, पर उन सब का काम एक सा नहीं होता, वैसे ही हम भी कई होकर मसीह में एक शरीर हैं, और एक दूसरे के अंग हैं। जो आनन्दति हों, उनके साथ आनन्द मनाओ; जो रोएँ, उनके साथ रोओ। एक दूसरे से सहमत रहो; ऊँची-ऊँची बातों में मन न लगाओ, बल्कि दीनों के साथ मेल मिलाप करो; बड़े-बड़े होने का ढोंग न करो; किसी के बुरे का बदला बुराई से न चुकाओ, बल्कि सब मनुष्यों के देखते हुए भलाई करने का यत्न करो। यदि तुम्हारे वश में हो तो सब मनुष्यों के साथ मेल से रहो। प्रिय, स्वयं बदला न लो, बल्कि परमेश्वर के क्रोध के लिए स्थान दो। क्योंकि लिखा है: 'बदला मेरा है; मैं प्रतफल दूँगा, प्रभु कहते हैं।' इसलिये, यदि तुम्हारा शत्रु भूखा हो, तो उसे भोजन कराओ; यदि वह प्यासा हो, तो उसे पियाओ; क्योंकि ऐसा करके तुम उसके सरि पर जलते हुए कोयले इकट्ठे करोगे। बुराई से न जीते जाओ, बल्कि भलाई से बुराई पर वज्रिय प्राप्त करो।

रोमियों 12:4-5; 15-21
पाँचवें सप्ताह का सोमवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 110

भाइयो और बहनो, जैसा कि हम सब को अनुग्रह के अनुसार अलग-अलग वरदान मिले हैं, यदि किसी को भविष्यद्वाणी का वरदान मिला है तो वह अपने विश्वास के अनुसार भविष्यद्वाणी करे; यदि सेवा का मिला है तो वह सेवा करे; यदि कोई शिक्षक है तो वह सखाए; यदि कोई उत्साह देने वाला है तो वह उत्साह दे; यदि कोई बाँटने वाला है तो वह सरलता से बाँटे; यदि कोई अगुवा है तो वह परश्रम से अगुवाई करे; यदि आप परोपकारी हैं, तो प्रसन्नतापूर्वक दें। प्रेम में सच्चे रहो; बुराई से दूर रहो, भलाई से चपिके रहो; एक दूसरे से स्नेहपूर्वक प्रेम करो; परस्पर आदर दिखाओ; अपने उत्साह में थके नहीं; आत्मा में उत्साही रहो; प्रभु की सेवा करो; आशा में सांत्वना लो; क्लेश में धीरज धरो, और प्रार्थना में स्थिर रहो; संतों की आवश्यकताओं में भाग लो; आतिथ्य दिखाने में उत्सुक रहो। जो तुम्हें सताते हैं, उनके लिए आशीर्वाद मांगो; आशीर्वाद मांगो, और शाप मत दो।

रोमियों 12:6-14
सप्ताह 6

रोमियों का पत्र, आरंभ 111

भाइयो और बहनो, हर एक व्यक्ति शासन करने वालों के अधीन रहे; क्योंकि परमेश्वर के सवि कोई अधिकार नहीं है। जो अधिकार हैं, वे परमेश्वर की ओर से बनाए गए हैं। इसलिये, जो कोई अधिकार का वरीध करता है, वह परमेश्वर की आज्ञा का वरीध करता है। और जो वरीध करते हैं, वे अपने ऊपर न्याय लाएंगे। क्योंकि अधिकारी भले कामों के लिए नहीं, बल्कि बुरे कामों के लिए भय होते हैं। क्या तुम नहीं चाहते कि अधिकार से न डरना पड़े? जो उचित है, करो, और तुम उनसे सराहना प्राप्त करोगे, क्योंकि अधिकारी

रोमियों को पत्र

परमेश्वर के सेवक हैं, जो तुम्हारे भले के लिए काम करते हैं। परन्तु यदि तुम बुरा करते हो, तो डर, क्योंकि वे व्यर्थ तलवार नहीं उठाते: वे परमेश्वर के सेवक हैं, जो दुष्ट पर दण्ड लाने के लिए क्रोध के दूत हैं। इसलिए, आज्ञाकारिता करनी चाहिए, न केवल दण्ड के भय से, बल्कि किरतव्य की भावना से भी। इसी कारण तुम कर भी देते हो, क्योंकि वे परमेश्वर के सेवक हैं, जो इसी काम में सदैव लगे रहते हैं। इसलिए, हर किसी को उसकी देन चुकाओ: जिससे कर लेना है, उससे कर लो; जिससे शुल्क लेना है, उससे शुल्क लो; जिससे आदर मलिन है, उसे आदर दो; जिससे सम्मान मलिन है, उसे सम्मान दो। किसी से कुछ भी बकाया न रखो, सवियाय इसके कएक-दूसरे से प्रेम करो; क्योंकि जो किसी से प्रेम करता है, उसने व्यवस्था को पूरा कर लिया है। क्योंकि आज्ञाएँ, 'व्यभिचार मत करो, हत्या मत करो, चोरी मत करो, झूठी गवाही मत दो, लोभ मत करो,' और अन्य कोई भी आज्ञा, इस एक वचन में संक्षेपित हैं: 'अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम कर।' प्रेम से पड़ोसी को कोई हानि नहीं पहुँचती; इसलिए प्रेम व्यवस्था की पूर्ति है।

रोमियों 13:1-10
आठवें सप्ताह का शनिवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 112

भाइयो, जब हम पहली बार विश्वास लाए थे, तब से उद्धार अब हमसे अधिक निकट है। रात बहुत बीत चुकी है, और दनि समीप आ गया है: इसलिये हम निश्चय ही कामों को त्यागकर, जो अँधेरे में होते हैं, और प्रकाश के हथियार पहनि लीं। जैसे दनि के प्रकाश में, वैसे ही हमें ठीक-ठाक चाल-चलन करना चाहिए, न तो भोज-बरिज और मद्यपान में, न व्यभिचार और कामुकता में, न झगड़े और ईर्ष्या में; बल्कि हमारे प्रभु यीशु मसीह का वस्त्र पहनि, और शरीर की इच्छाओं को वासना उत्पन्न करने न दो। जो विश्वास में कमजोर हैं, उन्हें मतभेदों पर बहस कएि बनि स्वीकार करो। क्योंकि एक व्यक्ति इस बात पर दृढ़ विश्वास रखता है कि वह कुछ भी खा सकता है, जबकि कमजोर व्यक्ति केवल शाकाहारी भोजन ही खाता है। जो खाता है वह न खाए हुए की नदिा करे, और जो न खाता है वह खाने वाले का न्याय न करे; क्योंकि परमेश्वर ने उसे स्वीकार कर लिया है। तुम दूसरे के दास का न्याय करने वाले कौन होते हो? चाहे वह खड़ा हो या गरि, वह अपने प्रभु के सामने खड़ा होगा या गरिगा। और वह उठाया जाएगा, क्योंकि परमेश्वर उसे उठाने में समर्थ है।

रोमियों 13:11ख-14:4
चीज-उपवास सप्ताह।
24 जून, जॉन द बैप्टिस्ट का जन्म

रोमियों को पत्र, आरंभ 113

भाइयो और बहनि, जो कोई दनि में भेद करता है, वह प्रभु के लिए करता है; और जो कोई दनि में भेद नहीं करता, वह भी प्रभु के लिए करता है। जो कोई खाता है, वह प्रभु के लिए खाता है, क्योंकि वे परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं; और जो कोई नहीं खाता, वह भी प्रभु के लिए नहीं खाता, और परमेश्वर का धन्यवाद करता है। क्योंकि हम में से कोई भी अपने लिए नहीं जीता, और हम में से कोई भी अपने लिए नहीं मरता; परन्तु यदि हम जीते हैं, तो हम प्रभु के लिए जीते हैं; और यदि हम मरते हैं, तो हम प्रभु के लिए मरते हैं। इसलिये चाहे हम जीएं, चाहे हम मरें, हम प्रभु के हैं। क्योंकि मसीह इसी कारण मरा और फरि जी उठा, कि वह मरे हुआ और जीवतों दोनों का प्रभु हो।

रोमियों 14:6-9
नवें सप्ताह का शनिवार।
सर्वर्गीय लोगों की स्मृति में (सोमवार)

रोमियों का पत्र, आरंभ 114

भाइयो, मसीह मरा और जी उठा और जीवति है, ताकि वह मरे हुआ और जीवति दोनों पर राज्य करे। और तुम अपने भाई का न्याय क्यों करते हो? या तुम, जो अपने भाई को तुच्छ जानते हो? हम सब मसीह के न्याय-सहिासन के सामने खड़े होंगे। क्योंकि लिखा है: 'जिस प्रकार मैं जीवति हूँ, प्रभु का वचन है, हर घटना मेरे सामने झुकेगा, और हर जीभ ईश्वर की महिा करेगी।' इसलिये हम में से हर एक अपना-अपना हिसाब ईश्वर

रोमियों को पत्र

को देगा। इसलिए अब हम एक-दूसरे का न्याय न करें, बल्कियह ठान लें कि भाई को ठोकर खाने या भटकने का कारण कैसे न बनें। मैं प्रभु यीशु में जानता हूँ और इस बात का नश्चय रखता हूँ कि अपने आप में कुछ भी अशुद्ध नहीं है; पर जसि पर कोई वस्तु अशुद्ध है, उसके लिए वह अशुद्ध है। परन्तु यदि तुम्हारा भाई खाने के कारण दुखी होता है, तो तुम प्रेम के अनुसार नहीं चल रहे हो। अपने खाने-पीने के कारण उस भाई को नाश न करो जसिके लिए मसीह मरे। तुम्हारा भला बुरा न कहा जाए। क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाने-पीने का नहीं, बल्कि धार्मिकता और शान्ति और पवित्र आत्मा में आनन्द है। जो इस रीतिसे मसीह की सेवा करता है, वह परमेश्वर को भाता है और मनुष्यों से भी स्वीकृत होता है।

रोमियों 14:9-18
पाँचवें सप्ताह का मंगलवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 115

भाइयो, हम उस बात का अनुसरण करें जो शान्ति और एक दूसरे के निर्माण के लिए हो। खाने के कारण परमेश्वर का काम नष्ट न करो। सब कुछ शुद्ध है, परन्तु किसी मनुष्य के लिए ऐसा खाना गलत है कि वह दूसरे को ठोकर खिलाए। मांस न खाना, दाखरस न पीना, और न ही ऐसा कुछ करना जो तुम्हारे भाई को ठोकर खिलाए, या भटकाए, या कमजोर कर दे, यह बेहतर है। क्या तुम्हें विश्वास है? उसे परमेश्वर के सामने अपने लिए रखो। धन्य है वह जो उस बात के लिए स्वयं को दोषी नहीं ठहराता जो वह चुनता है। परन्तु जो संदेह करता है, यदि वह खाता है, तो दोषी ठहराया जाता है, क्योंकि वह विश्वास से नहीं करता; और जो कुछ विश्वास से नहीं किया जाता, वह पाप है। अब उस परमेश्वर को महमि हो, जो मेरी सुसमाचार और यीशु मसीह की प्रचार-सेवा के द्वारा, उस रहस्य के प्रगट होने के अनुसार, जो युगों से छपा रहा परन्तु अब प्रगट हो गया है, और जैसा शाश्वत परमेश्वर ने आज्ञा दी थी, भविष्यद्वाणी के ग्रन्थों के द्वारा सब जातियों के पास यह घोषित किया गया कि वे विश्वास की आज्ञाकारिता में आएँ, एकमात्र बुद्धिमान परमेश्वर को, यीशु मसीह के द्वारा, युगानुयुग महमि हो। आमीन।

रोमियों 14:19-26
चीजफेर शनिवार

रोमियों की पत्रिका, पद 116 से आरंभ

भाइयो, हम जो बलवान हैं, उन्हें चाहिए कि हम दुर्बलताओं को सहन करें, और न कि स्वयं को प्रसन्न करें। हम में से प्रत्येक को अपने पड़ोसी को उसके भले के लिए प्रसन्न करना चाहिए, ताकि उसे उत्साहित किया जा सके। क्योंकि मसीह ने अपना भला नहीं चाहा, परन्तु जैसा लिखा है, 'जो तुझ पर अपमान करते हैं, उनका अपमान मुझ पर पड़ा है।' और जो कुछ पहल के समय में लिखा गया, वह सब हमारी ही शक्ति के लिए लिखा गया, ताकि हम धीरज और धर्मशास्त्र में मलिन वाले प्रोत्साहन से आशा बनाए रखें। महमि का और धीरज का परमेश्वर तुम्हें एक मन रखने में अनुग्रह दे, जैसा मसीह यीशु ने किया, ताकि तुम एक ही हृदय और एक ही मुख से हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर पति की महमि करो। इसलिये, एक दूसरे को ग्रहण करो, जैसा मसीह ने तुम्हें ग्रहण किया, परमेश्वर की महमि के लिये।

रोमियों 15:1-7
सप्ताह 7

रोमियों का पत्र, आरंभ 117

भाइयो और बहनो, एक दूसरे को उसी प्रकार स्वीकार करो, जैसे मसीह ने तुम्हें परमेश्वर की महमि के लिए स्वीकार किया। मैं समझता हूँ कि यीशु मसीह खतना किए हुआ का सेवक बना—परमेश्वर के सत्य के निमित्त, पूर्वजों से किए गए वचनों को पूरा करने के लिए—और अन्यजातियों का भी—दया के कारण, ताकि वे परमेश्वर की महमि करें, जैसा लिखा है: 'इसके लिए मैं हे प्रभु, अन्यजातियों में तेरी स्तुति करूँगा, और तेरे नाम का भजन करूँगा।' और फिर कहा गया है: 'हे अन्यजातियों, उसके लोगों के साथ आनन्द मनाओ।' और फिर: 'हे सभी अन्यजातियों, प्रभु की स्तुति करो, और हे सभी राष्ट्रों, उसकी महमि करो।' यशायाह भी कहते

रोमियों को पत्र

हैं: 'यशै की जड़ से एक अंकुर नकिलेगा, और वह अन्यजातियों पर शासन करने के लिए उठेगा; अन्यजाति उसकी आशा रखेंगे।' आशा का परमेश्वर आपको विश्वास में हर प्रकार की आनन्द और शान्ति से परिपूर्ण करे, ताकि पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से आप आशा में अधिक से अधिक धनी हों। और मैं अपने भात्यों और बहनों, आप में निश्चिन्त हूँ कि आप भी भलाई से परिपूर्ण, सब ज्ञान से युक्त और एक दूसरे को उपदेश देने में समर्थ हैं; पर हे भाइयो, मैं ने तुम्हें कुछ नरिभीकता से लिखा है, आंशिकी रूप से तुम्हें याद दिलाने के लिए, उस अनुग्रह के कारण जो परमेश्वर ने मुझे दिया है कि मैं अन्यजातियों का सेवक और परमेश्वर के सुसमाचार का प्रचारक बनूँ, ताकि अन्यजातियों की यह भेंट, पवित्र आत्मा द्वारा पवित्र की गई, परमेश्वर के लिए ग्रहणयोग्य हो।

रोमियों 15:7-16
पाँचवें सप्ताह का बुधवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 118

भाइयो, मैं परमेश्वर के मामलों में यीशु मसीह में घमण्ड कर सकता हूँ, क्योंकि मैं यह कहने का साहस नहीं करूँगा कि मसीह ने मुझ में होकर यह काम नहीं किया है, कि मैं अन्यजातियों को विश्वास में लाया हूँ, शब्द और कर्म से, चर्चों और अद्भुत कार्यों की सामर्थ्य से, परमेश्वर की आत्मा की सामर्थ्य से, इस प्रकार कि मसीह का सुसमाचार मेरे द्वारा यरूशलेम से लेकर और आसपास के प्रदेशों तक और इल्लरिकिम तक प्रचारित किया गया है। इसके अलावा, मैंने यह उद्देश्य बनाया है कि मैं उस जगह प्रचार न करूँ जहाँ मसीह पहले से ही जाने जाते हैं, ताकि मैं दूसरे की नींव पर न बनाऊँ, परन्तु जैसा लिखा है: 'जो उसके विषय में नहीं जानते, वे देखेंगे, और जो नहीं सुन चुके, वे समझेंगे।' वास्तव में, यही बात है जिसने मुझे आपके पास आने से अक्सर रोका है। अब, हालाँकि, चूँकि इन प्रदेशों में ऐसा कोई स्थान नहीं है, और चूँकि मैं बहुत समय से आप लोगों के पास आने की इच्छा रखता था, इसलिए जैसे ही मैं स्पेन की ओर रवाना होऊँगा, मैं आप लोगों के पास आऊँगा। क्योंकि मुझे आशा है कि वहाँ से गुजरते समय मैं आप लोगों से मिलूँगा, और आप लोग भी मेरे साथ वहाँ तक चलेँगे, जब मैं थोड़े समय के लिए ही सही, आप लोगों के संग मलिकर आनंदित हो लूँ। और अब मैं पवित्र लोगों की सेवा के लिए यरूशलेम जा रहा हूँ, क्योंकि मिकदीनिया और अहाया के लोग यरूशलेम में पवित्र लोगों के बीच गरीबों के लिए एक योगदान देने के लिए उत्सुक हैं। वे ऐसा करने के लिए उत्सुक हैं, और वास्तव में वे उन पर ऋणी हैं। क्योंकि यदि अन्यजातियों ने उनकी आध्यात्मिक आशीषों में भाग लिया है, तो उन्हें भौतिक वस्तुओं में भी उनकी सेवा करनी चाहिए। यह पूरा करके और अपने उत्साह का यह फल सुरक्षित रूप से उन्हें सौंपकर, मैं आपके प्रदेश से होकर स्पेन की ओर प्रस्थान करूँगा, और मुझे विश्वास है कि जब मैं आपके पास आऊँगा, तो मैं मसीह के सुसमाचार के पूर्ण आशीर्वाद के साथ आऊँगा।

रोमियों 15:17-29
5वें सप्ताह का गुरुवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 119

भाइयो, मैं तुम से वनिती करता हूँ, हमारे प्रभु यीशु मसीह और आत्मा के प्रेम के द्वारा, मैं तुम से वनिती करता हूँ कि मेरी ओर से परमेश्वर से प्रार्थना में मेरा साथ दो, कि मैं यहूदिया के अविश्वासियों से छुड़ाया जाऊँ और यरूशलेम के लिए मेरी यह सेवा पवित्र लोगों के लाभ के लिए हो, ताकि, यदि परमेश्वर की इच्छा हो, मैं आनंद के साथ तुम्हारे पास आकर तुम में विश्राम पाऊँ। शान्ति का परमेश्वर आप सब के संग रहे। आमीन।

रोमियों 15:30-33
दसवें सप्ताह का शनिवार

रोमियों को पत्र, आरंभ 120

भाइयो और बहनों, मैं आपको फोबे से मलिवाना चाहता हूँ, जो हमारी बहनि है और केनखरेआ की कलीसिया में एक दीकोनेस है। प्रभु में उसका स्वागत करो, जैसा कि पवित्र लोगों के लिए उचित है, और

रोमियों को पत्र

उसकी सहायता करो, जो कुछ भी उसे तुमसे चाहिए, क्योंकि वह बहुतों की, और मेरी भी सहायक रही है। प्रसिकलिला और अक्विला को नमस्कार कहिए, जो मसीह यीशु में मेरे सहकर्मी हैं (जन्होंने मेरे लिए अपनी जान जोखिम में डाली; जिनके लिए न केवल मैं, बल्कि सभी अन्यजाति मंडलियाँ भी धन्यवाद करती हैं), और उनके घर की मंडली को भी। मेरे प्रिय एपेनेत को नमस्कार कहिए, जो अहाया में मसीह के लिए पहलें मन फरिनेवाला हुआ। मरियम को नमस्कार कहिए, जसिने हमारे लिए कड़ी मेहनत की है। अंदरोनकिस और यूनयास को नमस्कार कहिए, जो मेरे कुलजने और सह कैदी हैं, जो प्रेरितों में प्रसिद्ध हैं और जन्होंने मुझसे पहले मसीह पर विश्वास किया था। अम्प्लयास को नमस्कार कहिए, जो प्रभु में मेरे प्रिय हैं। हमारे सहकर्मी मसीह में हमारे सहयोगी उर्बानुस को नमस्कार करो, और स्टैक्स को, जसि मैं प्रेम करता हूँ। अप्पेलस को नमस्कार करो, जो मसीह में परखा हुआ है। अरसितोबुलुस के घराने के विश्वासियों को नमस्कार करो। मेरे भाई हेरोदयिन को नमस्कार करो। नरससिसुस के घराने के जो प्रभु में हैं, उन्हें नमस्कार करो। ट्रफिना और ट्रफियोसा को नमस्कार कहिए, जो प्रभु के लिए परश्रम करती हैं। प्रससि को नमस्कार कहिए, मेरी प्रिय, जसिने प्रभु के लिए बहुत परश्रम किया है। रूफस को नमस्कार कहिए, जो प्रभु में चुना हुआ है, और उसकी माता को और मेरी माता को भी। अस्यंकरीतोस, फ्लेगो, हेरमास, पत्रोबास, हेरमास और उनके साथ के अन्य भाइयों को नमस्कार कहिए। फिलोलोगुस और जूलिया, नेरेउस और उसकी बहन ओलंपस और उनके साथ के सभी पवित्र लोगों को नमस्कार कहिए। एक दूसरे को पवित्र चुम्बन से नमस्कार कहिए। मसीह की सब कलीसियाएँ तुम्हें नमस्कार कहती हैं।

रोमियों 16:1-16
पाँचवें सप्ताह का शुक्रवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 121A

भाइयो, मैं तुम्हें आग्रह करता हूँ कि तुम उन लोगों से सावधान रहो जो फूट डालते हैं और तुम्हारे सीखे हुए उपदेश के विपरीत अड़चनें डालते हैं, और उनसे दूर रहो; क्योंकि ऐसे लोग हमारे प्रभु यीशु मसीह की नहीं, पर अपनी भूख की सेवा करते हैं, और चापलूसी और चकिनी-चुपड़ी बातों से भोले-भाले लोगों के दिलों को बहका देते हैं। आपकी आस्था के प्रतिनिष्ठ सभी को ज्ञात है; इसलिये मैं आपके लिये आनन्दति हूँ, परन्तु मैं चाहता हूँ कि आप भलाई में समझदार और बुराई में नरिदोष हों। शान्तिका परमेश्वर शीघ्र ही शैतान को आपके पावों तले कुचल डाले। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा आप पर बनी रहे। आमीन। मेरे सहकर्मी तिमोथी और लुकयिस, जेसन और सोसपितर, जो मेरे कुलजने हैं, तुम्हें नमस्कार भेजते हैं। मैं, तरतुस, जसिने यह पत्र लिखा है, प्रभु में तुम्हें अपना भी नमस्कार भेजता हूँ। मेरा मेजबान गैसयिस और सारी कलीसिया का भी, अपनी शुभकामनाएँ भेजता है। नगर का कोषाध्यक्ष एरास्त को और भाई क्वारतुस अपनी शुभकामनाएँ भेजते हैं। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा आप सभी के साथ हो। आमीन।

रोमियों 16:17-24
छठे सप्ताह का सोमवार

रोमियों का पत्र, आरंभ 121B

भाइयो और बहनो, मैं तुम्हें आग्रह करता हूँ कि तुम उन लोगों से सावधान रहो जो फूट डालते हैं और तुम्हारी सीखी हुई शिक्षा के विपरीत अड़चनें डालते हैं, और उनसे दूर रहो; क्योंकि ऐसे लोग हमारे प्रभु यीशु मसीह की नहीं, बल्कि अपनी भूख की सेवा करते हैं, और चापलूसी और चकिनी-चुपड़ी बातों से भोले लोगों के दिलों को धोखा देते हैं। तुम्हारी आस्था के प्रति आज्ञाकारिता सबके ज्ञात है; इसलिये मैं तुम्हारे विषय में आनन्दति हूँ, परन्तु मैं यह चाहता हूँ कि तुम भलाई में बुद्धिमान और बुराई में नरिदोष रहो। शान्तिका परमेश्वर शीघ्र ही शैतान को तुम्हारे पावों के नीचे कुचल डालेगा। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा तुम पर हो। आमीन।

रोमियों 16:17-20
महा-तपस्या का पहला सप्ताह, प्रार्थना सेवा के दौरान

कोरन्थियों को पहला पत्र

कोरन्थियों को प्रथम पत्र, आरंभ 122

परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु का प्रेरित पौलुस और हमारा भाई सोसथेनेस, कोरन्थ में परमेश्वर की कलीसिया को, जो मसीह यीशु में पवतिर किए गए हैं, पवतिर जन होने के लिए बुलाए गए हैं, और हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम का हर जगह और हमारे बीच में भी आह्वान करने वालों सब के साथ: तुम्हें अनुग्रह और हमारे पति परमेश्वर तथा प्रभु यीशु मसीह की ओर से शान्ति मिले। मैं तुम्हारे वषिय में सदा अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, क्योंकि तुम्हें मसीह यीशु में परमेश्वर का अनुग्रह मिला है; क्योंकि उसमें तुम हर प्रकार से, हर बात और हर ज्ञान में धनी किए गए हो—जिस प्रकार मसीह की गवाही तुम्हारे बीच में दृढ़ की गई है, — ताकि आप किसी भी वरदान में कमी न रखें, जब तक आप हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगटन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो आपको अंत तक भी दृढ़ कर देंगे, ताकि आप हमारे प्रभु यीशु मसीह के दनि नरिदोष ठहरें। परमेश्वर विश्वासयोग्य है, जिसने आपको अपने पुत्र, हमारे प्रभु यीशु मसीह की संगति में बुलाया है।

1 कोरन्थियों 1:1-9
छठे सप्ताह का मंगलवार

कोरन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 123

भाइयो और बहनो, परमेश्वर हमारे पति और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम पर अनुग्रह और शान्ति हो। मैं तुम लोगों के लिए सदा अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, क्योंकि मसीह यीशु में तुम पर जो परमेश्वर का अनुग्रह हुआ है; क्योंकि उसमें तुम हर तरह से, हर बात में और हर ज्ञान में समृद्ध हुए हो — क्योंकि मसीह की गवाही तुम में दृढ़ की गई है, — ताकि आप किसी भी वरदान में कमी न रखें, जब तक आप हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगटन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो आपको अंत तक भी दृढ़ कर देंगे, ताकि आप हमारे प्रभु यीशु मसीह के दनि नरिदोष ठहरें। परमेश्वर विश्वासयोग्य है, जिसने आपको अपने पुत्र, हमारे प्रभु यीशु मसीह की संगति में बुलाया है।

1 कोरन्थियों 1:3-9
11वें सप्ताह का शनिवार

कोरन्थियों को पहला पत्र, पद 124 से आरंभ

भाइयो और बहनो, मैं तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम पर आग्रह करता हूँ कि तुम सब एक स्वर में बोलो, और तुम्हारे बीच कोई फूट न हो, बल्कि एक आत्मा और एक मन में एक हो जाओ। क्योंकि मेरे पास क्लोई के घराने से, मेरे भाइयो और बहनो, यह समाचार मिला है कि तुम्हारे बीच झगड़े हैं। मेरा मतलब यह है कि तुम में से कुछ कहते हैं, 'मैं पौलुस का हूँ'; 'मैं अपोल्लस का हूँ'; 'मैं केफ़ास का हूँ'; 'मैं मसीह का हूँ'। क्या मसीह विभाजित हुआ? क्या पतरस तुम्हारे लिए सलीब पर चढ़ाया गया? या क्या तुम्हारा बपतिस्मा पतरस के नाम पर हुआ? मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ कि मैंने क्रिस्पास और गाइयस के साथ तुम में से किसी का बपतिस्मा नहीं दिया, कहीं ऐसा न हो कि कोई कहे कि मैंने अपना बपतिस्मा दिया। मैंने सतेफनास के घराने का भी बपतिस्मा दिया; इसके अलावा, मुझे नहीं पता कि मैंने किसी और का बपतिस्मा दिया है या नहीं। क्योंकि मसीह ने मुझे बपतिस्मा देने के लिए नहीं, बल्कि सुसमाचार प्रचार करने के लिए भेजा है—और वह भी वाक्पटु बुद्धि के साथ नहीं, कहीं ऐसा न हो कि मसीह का क्रूस अपना सामर्थ्य खो दे। क्योंकि क्रूस का संदेश नाश होने वालों के लिए मूर्खता है, परन्तु हम जो उद्धार पा रहे हैं, उनके लिए यह परमेश्वर की सामर्थ्य है।

1 कोरन्थियों 1:10-18
सप्ताह 8

कोरन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 125A

भाइयो, जो नाश हो रहे हैं उनके लिए क्रूस का संदेश मूर्खता है, परन्तु हम जो बचाए जा रहे हैं, उनके लिए यह परमेश्वर की सामर्थ्य है। क्योंकि लिखा है: 'मैं ज्ञानियों के ज्ञान को नाश कर डालूँगा, और समझदारों की समझ को अलग कर दूँगा।' बुद्धिमान व्यक्ति कहाँ है? लिखारी कहाँ है? इस युग का वाद-वविवाद करने वाला कहाँ है? क्या परमेश्वर ने इस संसार के ज्ञान को मूर्खता में नहीं बदल दिया? क्योंकि परमेश्वर की बुद्धि के अनुसार, संसार ने अपने ही ज्ञान से परमेश्वर को नहीं जाना; और परमेश्वर को यह ठीक लगा कि जो विश्वास करते हैं, उन्हें संदेश की मूर्खता के द्वारा बचाए। क्योंकि यहूदी चर्चियों की मांग करते हैं और यूनानी ज्ञान की खोज करते हैं; परन्तु हम मसीह के क्रूस पर चढ़ाए जाने का प्रचार करते हैं, जो यहूदियों के लिये ठोकर और यूनानियों के लिये मूर्खता है, परन्तु जो बुलाए हुए हैं, यहूदी भी और यूनानी भी, उनके लिये मसीह परमेश्वर की सामर्थ्य और परमेश्वर का ज्ञान है।

1 कोरन्थियों 1:18-24
14 सतिंबर, पवित्र क्रूस की उन्नति

कोरन्थियों को पहली पत्रिका, आरंभ 125B

भाइयो, जो नाश हो रहे हैं, उनके लिए क्रूस का संदेश मूर्खता है, परन्तु हम जो बचाए जा रहे हैं, उनके लिए यह परमेश्वर की सामर्थ्य है। क्योंकि लिखा है: 'मैं बुद्धिमानों की बुद्धि को नाश करूँगा, और समझदारों की समझ को व्यर्थ कर दूँगा।' बुद्धिमान कहाँ है? लिखारी कहाँ है? इस युग का वाद-वविवाद करने वाला कहाँ है? क्या परमेश्वर ने इस संसार के ज्ञान को मूर्खता में नहीं बदल दिया है? क्योंकि परमेश्वर की बुद्धि के अनुसार, संसार ने अपनी बुद्धि से परमेश्वर को नहीं जाना, इसलिए परमेश्वर को यह भाया कि जो विश्वास करते हैं, उन्हें संदेश की मूर्खता के द्वारा बचाए। क्योंकि यहूदी चर्चियों की मांग करते हैं, और यूनानी बुद्धि की खोज करते हैं; परन्तु हम मसीह की उस बात का प्रचार करते हैं जो सलीब पर चढ़ाया गया: यहूदियों के लिए एक ठोकर और यूनानियों के लिए मूर्खता है, परन्तु जो बुलाए गए हैं—चाहे यहूदी हों या यूनानी—उनके लिए मसीह परमेश्वर की सामर्थ्य और परमेश्वर की बुद्धि है; क्योंकि परमेश्वर की मूर्खता मनुष्यों की बुद्धि से अधिक बुद्धिमान है, और परमेश्वर की दुर्बलता मनुष्यों की सामर्थ्य से अधिक शक्तिशाली है। भाइयो और बहनो, ध्यान से देखो कि तुम में से बुलाए हुए कौन हैं: मनुष्यों की दृष्टि से तुम में से बहुत से न तो बुद्धिमान हैं, न ही शक्तिशाली, न ही कुलीन वंश से हैं; परन्तु परमेश्वर ने जगत के मूर्खों को चुन लिया, ताकि वह बुद्धिमानों को लज्जित करे, और परमेश्वर ने जगत के नरिबल को चुन लिया, ताकि वह बलवन्तों को लज्जित करे; और परमेश्वर ने जगत के नीच और तुच्छ ठहराए गए लोगों को—और जो कुछ नहीं थे—चुन लिया, ताकि जो कुछ हैं, उन्हें शून्य कर दे, ताकि कोई भी प्राणी परमेश्वर के सामने घमण्ड न कर सके। तुम मसीह यीशु में उसी से हो, जो हमारे लिए परमेश्वर की ओर से बुद्धि, धार्मिकता, पवित्रता और छुटकारा बन गए, ताकि, जैसा लिखा है: 'जो घमंड करे, वह प्रभु में घमंड करे।' और जब मैं तुम्हारे पास आया, हे भाइयो, तो मैं परमेश्वर का संदेश तुम्हें प्रचार करने आया, परन्तु मैं तुम्हारे पास न तो उत्तम वाक्पटुता के साथ और न ही मानवीय बुद्धि के साथ आया; क्योंकि मैंने यह निश्चय किया था कि मैं तुम्हारे बीच यीशु मसीह के सिवा और किसी बात को न जानूँ और वह भी सूली पर चढ़ाए गए को।

1 कोरन्थियों 1:18-2:2
गुड फ्राइडे

कोरन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 125B

भाइयों, विचार करो कि तुम्हें कसिने बुलाया है: तुम्हारे में मनुष्य की दृष्टि से बहुत से बुद्धिमान नहीं, बहुत से शक्तिशाली नहीं, बहुत से कुलीन नहीं हैं; परन्तु परमेश्वर ने जगत के मूर्खों को चुन लिया, ताकि वह ज्ञानियों को लज्जित करे; और परमेश्वर ने जगत के नरिबल को चुन लिया, ताकि वह सबल को लज्जित करे; और परमेश्वर ने जगत के नीच और तुच्छ ठहराए गए लोगों को—और जो कुछ नहीं थे—चुन लिया, ताकि जो कुछ हैं, उन्हें शून्य कर दे, ताकि कोई भी देह परमेश्वर के सामने घमण्ड न कर सके।

1 कोरन्थियों 1:26-29

कोरन्थियों को पहला पत्र, श्लोक 126 से आरंभ

भाइयो, हम परपिक्व लोगों के बीच ज्ञान की बातें प्रचार करते हैं, परन्तु इस युग का ज्ञान नहीं, और न ही इस युग के हाकमिों का, जो बीत रहे हैं; बल्कि हम परमेश्वर का वह ज्ञान प्रचार करते हैं जो रहस्यमय और गुप्त है, जसि परमेश्वर ने युगों के आरम्भ से हमारी महिमा के लिए ठहराया था, जसि इस युग के किसी भी हाकमि ने नहीं जाना; क्योंकि यदि उन्होंने इसे जाना होता, तो वे महिमा के प्रभु को सूली पर नहीं चढ़ाते। परन्तु, जैसा लिखा है: 'जो नेत्र ने नहीं देखा, और न कान ने सुना, और न मनुष्य के हृदय में प्रवेश किया, वह परमेश्वर ने अपने प्रेम करने वालों के लिए तैयार किया है।'

1 कोरन्थियों 2:6-9
13वें सप्ताह का शनिवार।
उन्नयन से पहले का शनिवार

पहला पत्र कोरन्थियों को, पाठ 127

भाइयो, कोई आँख ने नहीं देखा, न कान ने सुना, और न मनुष्य के हृदय में यह कल्पना हुई है कि परमेश्वर ने अपने प्रेम करने वालों के लिए क्या तैयार किया है। परन्तु परमेश्वर ने यह हमें अपनी आत्मा के द्वारा प्रगट किया है; क्योंकि आत्मा सब कुछ, यहाँ तक कि परमेश्वर की गहराइयों को भी, परखती है। क्योंकि मनुष्य में कौन वह वस्तु जानता है जो मनुष्य में है, जब तक कि मनुष्य की आत्मा जो उसमें रहती है, नहीं जानती? इसी तरह, परमेश्वर की आत्मा के सिवाय कोई भी परमेश्वर की बातें नहीं जानता। परन्तु हमें इस संसार की आत्मा नहीं मिली, बल्कि परमेश्वर की आत्मा मिली है, ताकि हम उन बातों को जान सकें जो परमेश्वर ने हमें दी हैं; और हम इन्हें मनुष्य की बुद्धि से सिखाए गए शब्दों से नहीं, बल्कि पवित्र आत्मा से सिखाए गए शब्दों से प्रचार करते हैं, आध्यात्मिक सच्चाइयों को आध्यात्मिक सच्चाइयों के साथ मिलाते हुए। जो प्राकृतिक मनुष्य है, वह परमेश्वर की आत्मा से उत्पन्न बात को ग्रहण नहीं करता, क्योंकि वह इसे मूर्खता मानता है; और वह इसे समझ भी नहीं सकता, क्योंकि ऐसी बातों का नरिणय आध्यात्मिक रीति से किया जाना चाहिए। पर जो आध्यात्मिक मनुष्य है, वह सब बातों का नरिणय करता है, पर कोई भी उसका नरिणय नहीं कर सकता। क्योंकि प्रभु का मन कसिने जाना है, कि वह उसकी परीक्षा करे? पर हमारे पास मसीह का मन है। और हे भातियो, मैं तुम से आत्मीय लोगों के साथ नहीं, पर देहधारी लोगों के साथ, अर्थात् मसीह में शिशुओं के साथ, जैसा बोल सकता था। मैं ने तुम को दूध पिलाया, ठोस भोजन नहीं, क्योंकि तुम उसके योग्य अभी तक नहीं थे, और सच तो यह है कि तुम अभी भी नहीं हो, क्योंकि तुम अभी भी देहधारी हो। क्योंकि यदि तुम में ईर्ष्या, विवाद और फूट है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं हो? और क्या तुम मनुष्यों की रीतिके अनुसार नहीं चल रहे हो? क्योंकि जब कोई कहता है, 'मैं पौलुस का हूँ, और कोई कहता है, 'मैं अपोल्लोस का हूँ, तो क्या तुम शारीरिक नहीं हो? पौलुस कौन है? अपोल्लोस कौन है? वे केवल सेवक हैं जिनके द्वारा तुम विश्वास करने को पहुँचे, और वह भी केवल प्रभु ने जैसा प्रत्येक को बाँटा। मैंने बोया, अपोल्लोस ने सचाई की, परन्तु परमेश्वर ने वृद्धि दी; इसलिये न बोनेवाला कुछ है, न सचिनेवाला, परन्तु केवल परमेश्वर, जो वृद्धि देता है। बोनेवाला और सचिनेवाला एक हैं; तौभी जो कुछ बोता है, वही अपना फल पाएगा, और जो कुछ सचिता है, वही अपना फल पाएगा।

1 कोरन्थियों 2:9-16; 3:1-8
छठे सप्ताह का बुधवार

कोरन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 128

भाइयों, हम परमेश्वर के सहकर्मी हैं; तुम परमेश्वर का खेत, परमेश्वर की इमारत हो। परमेश्वर की दी हुई कृपा के अनुसार, एक कुशल वास्तुकार के समान, मैंने नींव रखी है, और दूसरा उस पर निर्माण कर रहा है; परन्तु हर एक को ध्यान रखना चाहिए कि वह कैसे निर्माण करता है। क्योंकि कोई भी उस नींव के सिवा दूसरी नींव नहीं रख सकता जो पहले से रखी जा चुकी है, जो कयीशु मसीह है। चाहे कोई इस नींव पर

कोरिन्थियों को पहला पत्र

सोने, चाँदी, कीमती पत्थरों, लकड़ी, पुआल या भूसे से निर्माण करे, हर एक का काम प्रकट हो जाएगा; क्योंकि वह दनि इसे प्रकाश में लाएगा, क्योंकि यह आग से प्रकट होगा, और आग हर एक के काम को परखेगी क्योंकि वह कसि प्रकार का काम है। यदि किसी का बनाया हुआ काम टकि जाता है, तो वह इनाम पाएगा। पर यदि किसी का बनाया हुआ काम जलकर नष्ट हो जाता है, तो उसे हानि उठाना पड़ेगी; फिर भी वह तो बच जाएगा, पर आग से होकर जैसे-तैसे। क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर का मंदिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है? यदि कोई परमेश्वर के मंदिर को नष्ट करता है, तो परमेश्वर उसे नष्ट कर देगा; क्योंकि परमेश्वर का मंदिर पवित्र है, और तुम वही मंदिर हो।

1 कोरिन्थियों 3:9-17
सेप्टेम्बर का सप्ताह 9

कोरिन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 129

भाइयो, कोई स्वयं को धोखा न दे। यदि तुम में कोई इस युग में बुद्धिमिनि समझता है, तो वह मूर्ख बन जाए, ताकि वह बुद्धिमिनि हो जाए। क्योंकि इस संसार की बुद्धि परमेश्वर के सामने मूर्खता है, जैसा कि लिखा है: 'वह बुद्धिमिनों को उनकी चालाकी में फँसाता है।' और फिर: 'प्रभु जानता है कि बुद्धिमिनों के विचार व्यर्थ हैं।' इसलिए, कोई मनुष्यों पर घमण्ड न करे, क्योंकि सब कुछ तुम्हारा है: चाहे पौलुस हो, या अपोलोस, या केफास, या संसार, या जीवन, या मृत्यु, या वर्तमान, या भविष्य—सब कुछ तुम्हारा है; और तुम मसीह के हो, और मसीह परमेश्वर का है।

1 कोरिन्थियों 3:18-23
छठे सप्ताह का गुरुवार

कोरिन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 130A

भाइयो, हर एक को हमें मसीह के सेवक और परमेश्वर के रहस्यों के प्रबंधक समझना चाहिए। अब प्रबंधकों से यह अपेक्षा की जाती है कि हर एक विश्वासयोग्य पाया जाए। मुझे इस बात की बहुत कम परवाह है कि तुम मेरे बारे में क्या सोचते हो, या दूसरे क्या सोचते हैं; और न ही मैं स्वयं का न्याय करता हूँ। क्योंकि यदि मैं अपने आप में कुछ भी दोषी नहीं ठहराता, पर इससे मैं निर्दोष नहीं ठहरता; जो मेरा न्याय करता है वह प्रभु है। इसलिए समय से पहले निर्णय मत करो, जब तक कि प्रभु न आएँ, जो अँधेरे में छिपी हुई बातों को प्रकाश में लाएँगे और हृदय के इरादों को प्रकट करेंगे; और तब प्रत्येक व्यक्ति को परमेश्वर से प्रशंसा मिलेगी।

1 कोरिन्थियों 4:1-5
14वें सप्ताह का शनिवार

कोरिन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 130B

भाइयो, समय से पहले किसी भी बात का निर्णय न करो, जब तक कि प्रभु न आएँ, जो अँधेरे में छिपी हुई बातों को प्रकाश में लाएँगे और हृदय के इरादों को प्रकट करेंगे; और तब प्रत्येक व्यक्ति को परमेश्वर से प्रशंसा मिलेगी। भाइयो, मैंने यह बात अपने और अपोलोस के विषय में तुम्हारे लिए इसलिए कही है, ताकि तुम हम से यह सीखो कि जो लिखा है उससे आगे न बढ़ो, और एक दूसरे के विरुद्ध घमंड न करो। क्योंकि तुम्हें और से अलग किसने बनाया? तुम्हारे पास वह क्या है जो तुमने पाया नहीं? और यदि तुमने पाया भी है, तो ऐसे क्यों घमण्ड करते हो जैसे कि तुमने पाया ही नहीं? तुम तो पहले ही तृप्त हो गए हो, तुम तो पहले ही धनी हो गए हो, तुमने बना हम ही के राज्य करना आरम्भ कर दिया है। हाय, काश तुम सब में राज्य करते, ताकि हम भी तुम्हारे साथ राज्य करते!

1 कोरिन्थियों 4:5-8
छठे सप्ताह का शुक्रवार

कोरन्थियों को पहली पत्र, पाठ 131

भाइयो, परमेश्वर ने हमें, प्रेरितों में सबसे आखिरी को, इस प्रकार समझा है जैसे मृत्यु के लिए दण्डित किए गए हों, क्योंकि हम संसार, स्वर्गदूतों और मनुष्यों के लिए एक तमाशा बन गए हैं। हम मसीह के लिए मूर्ख हैं, परन्तु तुम मसीह में बुद्धिमान हो; हम कमजोर हैं, परन्तु तुम बलवन्त हो; तुम महिमा में हो, परन्तु हम अपमान में हैं। आज भी हम भूखे और प्यासे रहते हैं, हम फटेहाल हैं, हमें पीटा जाता है, और हम इधर-उधर भटकते हैं; हम परश्रम करते हैं, अपने हाथों से काम करते हैं। जब हम पर अपमान किया जाता है, तो हम आशीष देते हैं; जब हम पर सतावट होती है, तो हम सहते हैं; जब हम पर बदनामी की जाती है, तो हम प्रार्थना करते हैं; हमें संसार की कचरा समझा जाता है, धूल की तरह, जसै आज तक सब ठुकराते हैं। मैं यह तुम्हें लज्जित करने के लिए नहीं लिखता, बल्कि अपने प्रिय बच्चों के नाते तुम्हें समझाने के लिए लिखता हूँ। क्योंकि मसीह में तुम्हारे हजारों शक्तिशाली तो हैं, पर बहुत से पति नहीं हैं; क्योंकि मैं सुसमाचार के द्वारा मसीह यीशु में तुम्हारा पति हुआ हूँ। इसलिये मैं तुम्हें आग्रह करता हूँ कि मेरी नकल करो, जैसे मैं मसीह की नकल करता हूँ।

1 कोरन्थियों 4:9-16
सप्ताह 10.
प्रेरितों को

कोरन्थियों को पहली पत्र, आरंभ 132

भाइयो, मैंने तुम्हारे पास प्रभु में अपने प्रिय और विश्वासयोग्य पुत्र तीमुथियुस को भेजा है, जो मसीह में मेरे मार्गों की तुम्हें याद दिलाएगा, जैसे मैं हर जगह हर मंडली में सिखाता हूँ। क्योंकि मैं आपके पास नहीं आया, इसलिये आप में से कुछ घमण्डी हो गए हैं; परन्तु मैं शीघ्र ही आपके पास आऊँगा, यदि प्रभु चाहे, और मैं घमण्डी लोगों के वचनों की नहीं, बल्कि उनकी शक्त की परीक्षा लूँगा; क्योंकि प्रमेश्वर का राज्य वचन में नहीं, बल्कि शक्ति में है। आप क्या चाहते हैं? क्या मैं आप पर दण्ड लेकर आऊँ, या प्रेम और कोमल आत्मा के साथ? एक विश्वसनीय रपॉर्ट है कि तुम्हारे बीच व्यवहार हो गया है, और ऐसा व्यवहार जो अन्यजातियों में भी नहीं सुना जाता—किएक आदमी अपनी पत्नी के स्थान पर अपने पति की पत्नी के साथ रहता है। और तुम रोने के बजाय घमंड करते हो, ताकि जो ऐसा किया है वह तुम्हारे बीच से निकाल दिया जाए। और मैं, यदि परिदेह से दूर हूँ परन्तु आत्मा से उपस्थित हूँ, तुम्हारे बीच में पहले ही यह नरिणय कर चुका हूँ—जैसे कि मैं तुम्हारे साथ ही हूँ—कि जिसने यह किया है, उसे हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम पर, मेरी आत्मा के मेल से, हमारे प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ्य से, तुम्हारी सभा में शैतान के हवाले कर दिया जाए, ताकि उसका शरीर नाश हो जाए, परन्तु उसकी आत्मा हमारे प्रभु यीशु मसीह के दान उद्धार पाए।

1 कोरन्थियों 4:17-5:5
15वें सप्ताह का शनिवार

कोरन्थियों को प्रथम पत्र, आरंभ 133, 206

भाइयो, थोड़ा सा खमीर पूरे आटे को खमीर देता है। इसलिये पुरानी खमीर को साफ़ कर दो, ताकि तुम एक नया गूँथा हुआ आटा बन जाओ, जैसा कि तुम खमीर रहति हो; क्योंकि हमारे पास की, मसीह, हमारे लिये बलिदान कर दिया गया है। इसलिये हम उत्सव मनाएँ, पर न तो पुरानी खमीर से, न ही दुष्टता और दुराचार की खमीर से, बल्कि खिरेपन और सच्चाई की बनिा खमीर की रोटी से। मसीह ने हमारे लिये शाप बनकर हमें व्यवस्था के शाप से छुड़ाया है (क्योंकि लिखा है: 'जो कोई वृक्ष पर लटकाया जाता है वह शापित है'), ताकि मसीह यीशु के द्वारा अब्राहम का आशीर्वाद अन्यजातियों को मिल सके, और हम विश्वास के द्वारा प्रतज्जिा की आत्मा ग्रहण कर सकें।

1 कोरन्थियों 5:6-8; गलातियों 3:13-14
पवित्र शनिवार, प्रातःसुति में

कोरन्थियों को पहला पत्र, पद 134 से आरंभ

भाइयो, मैंने तुम्हें अपने पत्र में लिखा था कि व्यभिचारियों के साथ संगत न करना; अर्थात् इस संसार के व्यभिचारियों, या लोभियों, या शोषकों, या मूर्तपूजकों के साथ नहीं, क्योंकि नहीं तो तुम्हें इस संसार को ही छोड़ना पड़ता। परन्तु मैंने तुम्हें यह लिखा कि किसी ऐसे व्यक्ति के साथ मेल न करो जो भ्राता कहलाता तो हो, पर व्यभिचारी, या लोभी, या मूर्तपूजक, या बदनाम करने वाला, या पयिकलू, या सूदखोर बना रहे; ऐसे व्यक्ति के साथ तो तुम को खाना भी नहीं चाहिए। क्योंकि बाहरी लोगों का न्याय करना मेरा क्या काम है? क्या तुम भीतर वालों का न्याय नहीं करते? परमेश्वर बाहरी लोगों का न्याय करेगा। इसलिए, अपने बीच से दुष्ट व्यक्ति को निकाल दो। तुम में से किसी की हिम्मत कैसे होती है कि जब तुम्हारा किसी दूसरे से विवाद हो, तो तुम पवित्र लोगों के बजाय अधर्मी लोगों के न्यायालय में चले जाओ? क्या तुम नहीं जानते कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे? तो फिर, इस जीवन के मामलों का न्याय तो हम और भी अधिक क्यों न करें? फिर भी, जब इस जीवन के मामलों को लेकर तुम्हारे बीच विवाद होते हैं, तो तुम चर्च में तुच्छ समझे जाने वाले लोगों को अपना न्यायाधीश नियुक्त करते हो। क्या तुम नहीं जानते कि पवित्र लोग संसार का न्याय करेंगे? यदि, तो, संसार का न्याय तुमसे होना है, तो क्या तुम तुच्छ मामलों का न्याय करने में सक्षम नहीं हो? क्या तुम नहीं जानते कि हमें स्वर्गदूतों का न्याय करना है? तो फिर, इस जीवन के मामलों का तो और भी अधिक न्याय करना ही है। फिर भी जब तुम्हारे बीच इस जीवन के मामलों को लेकर विवाद होते हैं, तो तुम चर्च में तुच्छ समझे जाने वालों को अपना न्यायाधीश नियुक्त करते हो। मैं यह बात लज्जा के साथ कहता हूँ: क्या तुम में कोई एक भी बुद्धिमान नहीं है जो भाइयों के बीच विवाद को सुलझा सके? परन्तु एक भाई दूसरे भाई के विरुद्ध मुकदमा करता है, और वह भी अविश्वासियों के सामने। यह तुम्हारे लिए पहले ही एक बड़ी लज्जा की बात है कि तुम आपस में मुकदमे करते हो। क्या यह तुम्हारे लिए बेहतर नहीं होता कि तुम अन्याय सह लेते? क्या यह तुम्हारे लिए बेहतर नहीं होता कि तुम कष्ट सह लेते? फिर भी आप स्वयं दूसरों पर अत्याचार करते हैं और उन्हें लूटते हैं, और वह भी अपने ही भाइयों को। या क्या आप नहीं जानते कि अधर्मी परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं बनेंगे? धोखा न खाओ: न तो व्यभिचारी, न मूर्तपूजक, न परस्त्रीगामी, न पुरुष-पुरुष के साथ संभोग करने वाले, न चोर, न लोभी, न मदमस्त, न अपवाद करने वाले, न ठग परमेश्वर का राज्य वरिसत में पाएँगे। और तुम में से कुछ ऐसे ही थे; परन्तु तुम धोए गए, तुम पवित्र किए गए, तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर की आत्मा से धर्मी ठहराए गए।

1 कोरन्थियों 5:9-6:11
सातवें सप्ताह का सोमवार

कोरन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 135

भाइयो, सब कुछ मेरे लिए वैध है, पर सब कुछ लाभप्रद नहीं है; सब कुछ मेरे लिए वैध है, पर मैं किसी भी वस्तु का दास नहीं बनूँगा। भोजन पेट के लिए है, और पेट भोजन के लिए है; पर परमेश्वर उन दोनों को नाश कर देगा। परन्तु शरीर व्यभिचार के लिए नहीं, बल्कि प्रभु के लिए है, और प्रभु शरीर के लिए हैं। परमेश्वर ने प्रभु को मरे हुए में से जलाया, और अपनी सामर्थ्य से हमें भी जला उठाएगा। क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारे शरीर मसीह के अंग हैं? क्या मैं तब मसीह के अंग लेकर व्यभिचारिणी के अंग बनाऊँ? कदापि नहीं! या क्या आप नहीं जानते कि जो कोई वेश्या के साथ एक देह बनाता है, वह उसके साथ एक शरीर बन जाता है? क्योंकि कहा गया है, 'वे दोनों एक देह बन जाएँगे।' परन्तु जो प्रभु के साथ एक है, वह प्रभु के साथ एक आत्मा है। व्यभिचार से भागो; मनुष्य का कोई और पाप शरीर के बाहर है, परन्तु जो व्यभिचार करता है, वह अपने ही शरीर के विरुद्ध पाप करता है। क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारा शरीर उस पवित्र आत्मा का मन्दिर है जो तुम में वास करता है, जो तुम्हें परमेश्वर से मिला है, और यह कि तुम अपने आप के नहीं हो? क्योंकि तुम्हें एक मूल्य देकर खरीदा गया है। इसलिए परमेश्वर की महिमा अपने शरीर में और अपने आत्मा में करो, जो परमेश्वर के हैं।

1 कोरन्थियों 6:12-20
सप्ताह 34, खोए हुए पत्र पर

1 कुरन्थियों, पद 136

भाइयो और बहनी, अपने शरीरों और अपनी आत्माओं में परमेश्वर की महिमा करो, जो परमेश्वर की है। अब उन बातों के विषय में, जिनके बारे में तुमने मुझे लिखा था: मनुष्य के लिए स्त्री को न छूना अच्छा है। परन्तु व्यवहार से बचने के लिए, हर पुरुष का अपनी पत्नी हो, और हर स्त्री का अपना पति हो। पति अपनी पत्नी के प्रति अपना कर्तव्य पूरा करे, और उसी प्रकार पत्नी अपने पति के प्रति। पत्नी का अपने शरीर पर अधिकार नहीं है, बल्कि पति का है; उसी प्रकार पति का अपने शरीर पर अधिकार नहीं है, बल्कि पत्नी का है। एक-दूसरे को वंचित न करो, सविधि इसके लिए एक समय के लिए आपसी सहमति से ऐसा करो, ताकि तुम उपवास और प्रार्थना के लिए अपना समय दे सको; और फिर मिला जाओ, ताकि शैतान तुम्हारी आत्म-संयम की कमी के कारण तुम्हें परीक्षा में न डाल दे। परन्तु मैं यह अनुग्रह से कहता हूँ, आज्ञा से नहीं। क्योंकि मैं चाहता हूँ कि सब मनुष्य मेरी नाई हों; पर हर एक का अपना वरदान परमेश्वर से मिला है, किसी का ऐसा, किसी का वैसा। अववाहिकों और विधवाओं से मैं यह कहता हूँ कि उनके लिये अच्छा है कि वे मेरी नाई रहें। पर यदि वे आत्मसंयम न कर सकें, तो विवाह कर लें; क्योंकि कामवासना से जलने से तो विवाह करना ही अच्छा है। जो विवाहित हैं, उनके विषय में आज्ञा मैं नहीं, परन्तु प्रभु देता है: पत्नी अपने पति से अलग न हो – परन्तु यदि हो जाए, तो उसे अववाहिक रहना चाहिए या अपने पति से मेल मिलाप कर लेना चाहिए – और पति को अपनी पत्नी से तलाक़ नहीं देना चाहिए। बाकी लोगों से मैं यह कहता हूँ—प्रभु नहीं—यदि कोई भाई अवशिवासी पत्नी रखता है, और वह उसके साथ रहने के लिए तैयार है, तो उसे उससे तलाक़ नहीं करना चाहिए।

1 कुरन्थियों 6:20ख-7:12
सातवें सप्ताह का मंगलवार

कोरन्थियों को पहली पत्रिका, आरंभ 137

भाइयो, यदि किसी भाई की अवशिवासी पत्नी है, और वह उसके साथ रहने के लिए तैयार है, तो उसे उससे तलाक़ नहीं करना चाहिए; और यदि किसी पत्नी का अवशिवासी पति है, और वह उसके साथ रहने के लिए तैयार है, तो उसे उससे तलाक़ नहीं करना चाहिए। क्योंकि विश्वासी पत्नी से अवशिवासी पति पवित्र होता है, और विश्वासी पति से अवशिवासी पत्नी पवित्र होती है। अन्यथा, तुम्हारे बच्चे अशुद्ध होते, परन्तु अब वे पवित्र हैं। परन्तु यदि अवशिवासी अलग होना चाहे, तो उसे जाने दो; ऐसे मामलों में, भाई या बहन बंधा हुआ नहीं है; क्योंकि प्रभु ने हमें शान्ति के लिए बुलाया है। हे पत्नी, तुम्हें कैसे पता कि तुम अपने पति को बचाओगी? या हे पति, तुम्हें कैसे पता कि तुम अपनी पत्नी को बचाओगे? प्रत्येक व्यक्ति उसी अवस्था में रहे जिसमें परमेश्वर ने उसे रखा है, और उसी बुलावे में जिसमें प्रभु ने उसे बुलाया है। यह मेरी सभी कलीसियाओं के लिए आज्ञा है। यदि कोई खतना किए हुए अवस्था में बुलाया गया, तो वह इसे न छपाए; यदि कोई खतना न किए हुए अवस्था में बुलाया गया, तो वह खतना न कराए। खतना कुछ नहीं, और न खतना कराना कुछ नहीं; महत्वपूर्ण यह है कि परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया जाए। प्रत्येक व्यक्ति उसी बुलावे में बना रहे जिसमें वह बुलाया गया था। यदि तुम दास होते समय बुलाए गए, तो परेशान न हो; परन्तु यदि तुम स्वतंत्र हो सकते हो, तो इसका पूरा लाभ उठाओ। क्योंकि प्रभु ने बुलाया हुआ दास प्रभु का स्वतंत्र मनुष्य है; इसी प्रकार, जो स्वतंत्र होते समय बुलाया गया, वह मसीह का दास है। तुम्हारी कीमत चुकाई गई है; इसलिए मनुष्यों के दास न बनो। हे भाइयो और बहनी, तुम्हारी जो भी पुकार है, उसी अवस्था में परमेश्वर के सामने ठहरे रहो।

1 कुरन्थियों 7:12ख-24
सातवें सप्ताह का बुधवार

कोरन्थियों को पहला पत्र, पद 138 से आरंभ

भाइयो, जिस अवस्था में तुम बुलाए गए थे, उसी अवस्था में परमेश्वर के सामने बने रहो। जहाँ तक ब्रह्मचर्य का प्रश्न है, मुझे प्रभु से कोई आज्ञा नहीं मिली है, परन्तु मैं अपनी सलाह इस प्रकार देता हूँ जैसे एक ऐसे व्यक्ति ने दी है जिसने प्रभु की दया मिली है कि वह उनके प्रति विश्वासयोग्य रहे। वर्तमान

कोरन्थियों को पहला पत्र

संकट को देखते हुए, मैं यह उचित समझता हूँ कि भिन्न-विधियों का ही बना रहे। क्या तुम विवाहित हो? तलाक की खोज न करो। क्या तुम अविवाहित हो? पत्नी की खोज न करो। परन्तु यदि तुम विवाह कर भी लो, तो पाप नहीं करोगे; और यदि कुंवारी विवाह कर ले, तो पाप नहीं करेगी। परन्तु ऐसे लोगों को देह की कलेश होगी; और मैं तुम्हारी दया करता हूँ। भाइयों, मैं तुम से कहता हूँ: समय अब थोड़ा रह गया है, इसलिये जिनकी पत्नियाँ हैं वे ऐसे हों मानो उनकी न हों; और जो शोक करते हैं, वे ऐसे हों मानो शोक न करते हों; और जो आनन्द करते हैं, वे ऐसे हों मानो आनन्द न करते हों; और जो कुछ खरीदते हैं, वे ऐसे हों मानो कुछ प्राप्त नहीं करते; और जो इस संसार का उपयोग करते हैं, वे ऐसे हों मानो इसका उपयोग नहीं करते; क्योंकि इस संसार का रूप मटित जाता है। और मैं चाहता हूँ कि तुम चिन्ता से रहति रहो। एक अविवाहित पुरुष प्रभु के कामों में लगा रहता है, कविह प्रभु को कैसे प्रसन्न करे; पर एक विवाहित पुरुष संसार के कामों में लगा रहता है, कविह अपनी पत्नी को कैसे प्रसन्न करे। एक विवाहित स्त्री और एक अविवाहित स्त्री में यह अंतर है: अविवाहित स्त्री प्रभु के कामों में लगी रहती है, कविह प्रभु को कैसे प्रसन्न करे, ताकि कविह शरीर और आत्मा दोनों से पवित्र रहे; पर विवाहित स्त्री संसार के कामों में लगी रहती है, कविह अपने पतिको कैसे प्रसन्न करे। मैं यह तुम्हारे भले के लिए कहता हूँ, न कि तुम पर कोई जूआ लादने के लिए, बल्कि इसलिये कि तुम बनिा किसी विधिन के, उचित और नरिन्तर रीतिसे प्रभु की सेवा कर सको।

1 कोरन्थियों 7:24-35
सातवें सप्ताह का गुरुवार

कोरन्थियों को पहला पत्र, पद 139 से आरंभ

भाइयो, मैं यह तुम्हारे भले के लिए कहता हूँ, न कि इसलिये कि तुम पर कोई बोझ डालूँ, पर इसलिये कि तुम व्यवस्थिति और बनिा वचिलति हुए प्रभु की सेवा करो। यदि कोई यह उचित नहीं समझता कि उसकी बेटी विवाह योग्य आयु में अविवाहित रहे, तो वह अपनी इच्छा के अनुसार करे; वह पाप नहीं करेगा; ऐसे लोगों को विवाह कर लेना चाहिए। परन्तु जो मन में दृढ़ निश्चय करता है, और आवश्यकता से बाध्य न होकर, बल्कि स्वतंत्र होकर, अपनी बेटी को अविवाहित रखने का मन में निश्चय करता है, वह भला करता है। इसलिये, जो अपनी बेटी का विवाह कराता है वह भला करता है; परन्तु जो नहीं कराता वह और भी भला करता है। जब तक पति जीवति है, पत्नी विधि से बँधी रहती है; परन्तु यदि उसका पति मर जाए, तो वह प्रभु में रहने की शर्त पर, जसै चाहे, उससे विवाह करने के लिए स्वतंत्र है। फिर भी, मेरी सलाह के अनुसार, यदि विह जैसी है वैसी ही रहे तो उसके लिए अधिक शुभ है; और मुझे विश्वास है कि मुझ में भी परमेश्वर का आत्मा है। जहाँ तक मूर्तों को बलदान किए गए भोजन का प्रश्न है, हम में ज्ञान है, क्योंकि हम सब में ज्ञान है; परन्तु ज्ञान घमण्ड उत्पन्न करता है, परन्तु प्रेम संवारता है। जो कोई यह समझता है कि विह कुछ जानता है, वह अब तक वैसा नहीं जानता जैसा उसे जानना चाहिए। परन्तु जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं, उन्हें वह ज्ञान देता है। इसलिये, मूर्तों को चढ़ाया हुआ भोजन खाने के विषय में, हम जानते हैं कि संसार में मूर्त कुछ नहीं है, और यह कि एक ही परमेश्वर के सवि और कोई नहीं है। क्योंकि चाहे स्वर्ग में हों या पृथ्वी पर, तथाकथित देवता तो हैं—जैसा कि वास्तव में कई 'देवता' और कई 'स्वामी' हैं—फिर भी हमारे लिए एक ही परमेश्वर है, पति, जिससे सब कुछ है, और जिसके लिए हम जीते हैं; और एक ही प्रभु है, यीशु मसीह, जिसके द्वारा सब कुछ है, और जिसके द्वारा हम जीते हैं। परन्तु यह ज्ञान सबको नहीं है: कुछ लोग तो आज भी, मूर्तियों को मानने वाले विविक के साथ, मूर्तियों को चढ़ाया हुआ भोजन इस प्रकार खाते हैं जैसे कि यह मूर्तपूजा का बलदान हो, और उनका विविक, जो दुर्बल है, कलंकित हो जाता है।

1 कोरन्थियों 7:35-8:7
सातवें सप्ताह का शुक्रवार

कोरन्थियों को पहला पत्र, पद 140 से आरंभ

भाइयो, भोजन हमें परमेश्वर के समीप नहीं लाता: क्योंकि चाहे हम खाएं या न खाएं, हम कुछ नहीं पाते; चाहे हम न खाएं, हम कुछ नहीं खोते। परन्तु सावधान रहो, कहीं ऐसा न हो कि तुम्हारी यह स्वतंत्रता कमजोरों के लिए ठोकर का कारण बन जाए। क्योंकि यदि कोई देखे कि तुम, जो ज्ञान रखते हो, मन्दिर में मेज़ पर बैठे

कोरन्थियों को पहला पत्र

हो, तो क्या उसका वविक, जो कमजोर है, उसे भी मूर्तपूजा का भोजन खाने के लिए प्रेरति नहीं हो जाएगा? और तुम्हारे ज्ञान के कारण, एक कमजोर भाई—जसिके लिए मसीह मरे—वनिश को प्राप्त कर लेगा। और इस प्रकार अपने भाइयों के वरिद्ध पाप करके और उनकी कमजोर वविक-बुद्धि को आहत करके, तुम मसीह के वरिद्ध पाप करते हो। इसलिए, यदि खाने से मेरा भाई ठोकर खाता है, तो मैं फरि कभी मांस नहीं खाऊँगा, ताकि मैं अपने भाई को ठोकर खाने का कारण न बनूँ। क्या मैं प्रेरति नहीं हूँ? क्या मैं स्वतंत्र नहीं हूँ? क्या मैंने हमारे प्रभु यीशु मसीह को नहीं देखा? क्या तुम प्रभु में मेरा काम नहीं हो? यदि मैं दूसरों के लिए प्रेरति नहीं हूँ, तो मैं तुम्हारे लिए तो हूँ ही; क्योंकि तुम प्रभु में मेरी प्रेरतिता की मुहर हो।

1 कुरन्थियों 8:8-9:2
सप्ताह 35, मासभक्षण सप्ताह

कोरन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 141

भाइयो, तुम प्रभु में मेरी प्रेरतिता की मुहर हो। यह उन लोगों के वरिद्ध मेरा बचाव है जो मुझे दोषी ठहराते हैं। क्या हमें खाने-पीने का अधिकार नहीं है? क्या हमें एक बहन को पत्नी बनाने का अधिकार नहीं है, जैसा अन्य प्रेरतियों, और प्रभु के भाइयों, और केफास को है? या क्या केवल मुझे और बरनाबास को ही काम न करने का अधिकार नहीं है? कौन सा सपिाही अपनी ही जेब से खर्च करके सेवा करता है? कौन ऐसा है जो अँगूर का बगीचा लगाकर उसकी उपज नहीं खाता? कौन भेड़-बकरियों का झुंड चराकर उसका दूध नहीं पीता? क्या मैं केवल मानवीय दृष्टिकोण से ही बात कर रहा हूँ? क्या व्यवस्था भी यही नहीं कहती? क्योंकि मूसा की व्यवस्था में लिखा है: 'जब कोई बैल अनाज कुचल रहा हो तो उसके मुँह पर नकेल नहीं डालनी।' क्या परमेश्वर बैलों की परवाह करते हैं? या यह बात नश्चय ही हमारी ही खातिर कही गई है? हाँ, यह हमारी ही खातिर लिखा गया है; क्योंकि जो हल जोतता है, उसे आशा में जोतना चाहिए, और जो कुचलता है, उसे अपना हसिसा पाने की आशा में कुचलना चाहिए। यदि हमने तुम्हारे बीच आध्यात्मिक बातें बोई हैं, तो क्या यह बहुत अधिक है कि हम तुम्हारे बीच से सांसारिक चीजें काटें? यदि दूसरों को तुम पर अधिकार है, तो क्या हमें और भी अधिक अधिकार नहीं है? फरि भी हमने इस अधिकार का प्रयोग नहीं किया, बल्कि मसीह के सुसमाचार के मार्ग में कोई बाधा न डालने के लिए सब कुछ सहन करते हैं।

1 कुरन्थियों 9:2ख-12
सप्ताह 11

कोरन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 142

भाइयो, क्या तुम नहीं जानते कि जो मंदिर में सेवा करते हैं, वे मंदिर से ही खाते-पीते हैं? और जो वेदी की सेवा करते हैं, वे वेदी की भेंटों में से ही अपना भाग पाते हैं? इसी रीति से प्रभु ने आज्ञा दी है कि जो सुसमाचार का प्रचार करते हैं, वे सुसमाचार से ही जीवें। परन्तु मैं इन किसी भी अधिकारों का प्रयोग नहीं करता। और मैं यह इसलिए नहीं लिखता कि मेरे लिए ऐसा हो। क्योंकि मेरे लिए यह अच्छा है कि मैं मर जाऊँ, परन्तु कोई मेरी बड़ाई का कारण नष्ट न करे। क्योंकि यदि मैं सुसमाचार का प्रचार करता हूँ, तो मुझे घमण्ड करने का कोई कारण नहीं, क्योंकि यह मेरे लिए एक आज्ञा है; और यदि मैं सुसमाचार का प्रचार न करूँ, तो हाय मेरा हाल! क्योंकि यदि मैं यह अपनी इच्छा से करता हूँ तो मुझे फल मिलता है; और यदि जबरदस्ती से करता हूँ तो भी मैं अपना सौपा हुआ काम ही करता हूँ। तो फरि मेरा फल क्या है? यह कि मैं सुसमाचार का प्रचार करते समय नःशुल्क प्रचार करूँ और सुसमाचार के प्रचार में अपने अधिकार का उपयोग न करूँ।

1 कुरन्थियों 9:13-18
आठवें सप्ताह का सोमवार

कोरन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 143A

भाइयो, यद्यपि मैं सब से स्वतंत्र हूँ, फरि भी मैं सब का दास बन गया हूँ, ताकि मैं यथासंभव अधिक लोगों को जीत सकूँ: यहूदियों के लिए मैं यहूदी जैसा बना, ताकि मैं यहूदियों को जीत सकूँ; जो व्यवस्था के अधीन हैं, उनके लिए मैं व्यवस्था के अधीन हुआ, ताकि मैं व्यवस्था के अधीन वालों को जीत सकूँ; जो व्यवस्था के बाहर

कोरिन्थियों को पहला पत्र

हैं, उनके लिए मैं व्यवस्था के बाहर हुआ—यद्यपि मैं परमेश्वर के सामने व्यवस्था के बाहर नहीं हूँ, पर मसीह की व्यवस्था के अधीन हूँ—ताकि मैं व्यवस्था के बाहर वालों को जीत सकूँ; मैं सब के लिए सब कुछ बना, ताकि मैं किसी तरह से उन्हें बचा सकूँ। मैं यह सब सुसमाचार के लिए करता हूँ, ताकि मैं उसमें सहभागी हो सकूँ। क्या तुम नहीं जानते कि दौड़ में सब धावक दौड़ते हैं, पर केवल एक ही इनाम पाता है? मैं सब के लिए सब कुछ बन गया हूँ, ताकि मैं कम से कम कुछ लोगों को बचा सकूँ। मैं यह सब सुसमाचार के लिए करता हूँ, ताकि मैं उसकी आशीषों में सहभागी हो सकूँ। क्या तुम नहीं जानते कि दौड़ में सब धावक दौड़ते हैं, पर केवल एक ही इनाम पाता है? इसलिए इस तरह दौड़ो कि तुम इनाम जीत सको। सभी खिलाड़ी आत्म-संयम का अभ्यास करते हैं: वे एक नष्ट हो जाने वाले मुकुट को जीतने के लिए ऐसा करते हैं, परन्तु हम एक अवनिशी मुकुट को। इसलिये मैं व्यर्थ नहीं दौड़ता; मैं हवा पर मुक्का मारने वाले की तरह मुक्केबाजी नहीं करता; परन्तु मैं अपने शरीर को अनुशासति करके वश में करता हूँ, कहीं ऐसा न हो कि मैं दूसरों को उपदेश देकर स्वयं अयोग्य ठहर जाऊँ।

1 कोरिन्थियों 9:19-27
एपिफेनी की पूर्व संध्या (सोमवार-शुक्रवार)

कोरिन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 143B

भाइयो, यद्यपि मैं सब से स्वतंत्र हूँ, फिर भी मैं सब का दास बन गया हूँ, ताकि मैं और अधिक लोगों को जीत सकूँ। यहूदियों के लिए मैं यहूदी जैसा बन गया, ताकि मैं यहूदियों को जीत सकूँ; जो व्यवस्था के अधीन हैं, उनके लिए मैं व्यवस्था के अधीन बना, ताकि मैं जो व्यवस्था के अधीन हैं उन्हें जीत सकूँ; जो व्यवस्था के बाहर हैं, उनके लिए मैं व्यवस्था के बाहर बना—यद्यपि मैं स्वयं परमेश्वर की व्यवस्था के बाहर नहीं हूँ, बल्कि मसीह की व्यवस्था के अधीन हूँ—ताकि मैं जो व्यवस्था के बाहर हैं उन्हें जीत सकूँ; मैं सब के लिए सब कुछ बना, ताकि मैं किसी तरह कुछ लोगों को बचा सकूँ। मैं यह सब सुसमाचार के लिए करता हूँ, ताकि मैं उसमें सहभागी हो सकूँ। क्या तुम नहीं जानते कि दौड़ में सब धावक दौड़ते हैं, परन्तु केवल कुछ ही इनाम पाते हैं? मैं सब के लिए सब कुछ बन गया हूँ, ताकि मैं कम से कम कुछ लोगों को बचा सकूँ। मैं यह सब सुसमाचार के लिए करता हूँ, ताकि मैं उसमें सहभागी हो सकूँ। क्या तुम नहीं जानते कि दौड़ में सब धावक दौड़ते हैं, पर केवल एक ही इनाम पाता है? इसलिए इस तरह दौड़ो कि तुम इनाम पाओ। सभी खिलाड़ी हर बात में संयम करते हैं: वे तो एक नष्ट हो जाने वाले मुकुट के लिए ऐसा करते हैं, पर हम एक न नष्ट होने वाले के लिए। इसलिये मैं व्यर्थ नहीं दौड़ता, और न ही हवा पर वार करने वाले की तरह मुक्केबाजी करता हूँ; बल्कि मैं अपने शरीर को अनुशासति करके वश में करता हूँ, कहीं ऐसा न हो कि मैं दूसरों को प्रचार करते हुए स्वयं अयोग्य ठहर जाऊँ। भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अनभिज्ञ रहो कि हमारे पूर्वज सब बादल के नीचे थे, और सब समुद्र से होकर गुजरे; और सब बादल में और समुद्र में मूसा के नाम पर बपतिस्मा पाए; और सबने एक ही आध्यात्मिक भोजन खाया; और सबने एक ही आध्यात्मिक पेय पिया: क्योंकि उन्होंने उस आध्यात्मिक चट्टान से पिया जो उनका अनुसरण कर रही थी; और वह चट्टान मसीह था।

1 कोरिन्थियों 9:19-10:4
प्रकटोत्सव की पूर्व संध्या (शनिवार, रविवार)

कोरिन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 143B

भाइयो, मैं यह नहीं चाहता कि तुम इस बात से अनभिज्ञ रहो कि हमारे पूर्वज सब बादल के नीचे थे, और सब समुद्र से होकर गुजरे; और सब बादल और समुद्र में मूसा के नाम पर बपतिस्मा पाए; और सबने एक ही आध्यात्मिक भोजन खाया; और सबने एक ही आध्यात्मिक पान किया: क्योंकि उन्होंने उस आध्यात्मिक चट्टान से पान किया जो उनका अनुसरण कर रही थी; और वह चट्टान मसीह था।

1 कोरिन्थियों 10:1-4
जल का महा अभिषेक

कोरन्थियों को पहली पत्र, आरंभ 144

भाइयो, परमेश्वर हमारे बहुत से पूर्वजों से प्रसन्न नहीं हुए, क्योंकि वे जंगल में मार गिराए गए। और ये बातें हमारे लिए उदाहरण के रूप में हुईं, ताकि हम उन के समान बुराइयों के लालच में न पड़ें। और तुम मूर्तपूजक भी न बनो, जैसा कि उन में से कुछ थे, जिन के वषिय में लिखा है: 'लोग खाने और पीने के लिए बैठ गए, और उठकर मस्ती करने लगे।' आओ हम यौन अनैतिकता न करें, जैसा कि उनमें से कुछ ने किया, और उनमें से तेईस हजार एक ही दिन में नाश हो गए। हम प्रभु की परीक्षा न करें, जैसा कि उनमें से कुछ ने किया, और वे साँपों से नष्ट हो गए। तुम कड़बड़ाओ नहीं, जैसा कि उनमें से कुछ ने किया, और वे वनिशक से नष्ट हो गए। ये सब बातें उनके साथ उदाहरण के तौर पर घटीं, और ये हमारे लिए चेतावनी स्वरूप लिखी गईं, जो इन अंतिम दिनों में जी रहे हैं। इसलिए, जो कोई यह सोचता है कि वह खड़ा है, वह सावधान रहे कि कहीं गिर न जाए।

1 कोरन्थियों 10:5-12
मंगलवार, सप्ताह 8

कोरन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 145

भाइयो और बहनो, जो कोई अपने को स्थिर समझता है, वह सावधान रहे, कहीं ऐसा न हो कि वह गिर जाए। जो परीक्षा तुम पर आती है, वह दूसरों पर आने वाली परीक्षा से भिन्न नहीं है; और परमेश्वर विश्वासयोग्य है, और वह तुम्हें तुम्हारी शक्ति से अधिक परीक्षा में नहीं डालता, परन्तु परीक्षा के साथ वह नकिलने का मार्ग भी प्रदान करता है, ताकि तुम उसे सहन कर सको। इसलिये, मेरे प्रिय लोगों, मूर्तपूजा से भागो। मैं तुमसे समझदार लोगों की तरह बात करता हूँ; जो मैं कहता हूँ, उसे तुम स्वयं परख लो। क्या वह आशीर्वाद का प्याला जैसा हम धन्य कहते हैं, मसीह के लहू में सहभागिता नहीं है? क्या वह रोटी जैसी हम तोड़ते हैं, मसीह के शरीर में सहभागिता नहीं है? एक ही रोटी है, और यद्यपि हम बहुत हैं, फिर भी हम एक ही शरीर हैं; क्योंकि हम सब एक ही रोटी में सहभागिता करते हैं। मांस के अनुसार इस्राएल पर विचार करो: क्या जो बलदान खाते हैं वे वेदी के सहभागी नहीं हैं? तो मैं क्या कहता हूँ? क्या मूर्त कुछ है, या मूर्त को चढ़ाई गई बलदान का कोई अर्थ है? नहीं, परन्तु यह कि जब अन्यायी बलदान चढ़ाते हैं, तो वे परमेश्वर को नहीं बल्कि दुष्टात्माओं को चढ़ाते हैं। पर मैं नहीं चाहता कि तुम दुष्टात्माओं के संगी बनो। तुम प्रभु का प्याला और दुष्टात्माओं का प्याला दोनों नहीं पी सकते; तुम प्रभु की मेज और दुष्टात्माओं की मेज दोनों में हस्तिसेदार नहीं हो सकते। क्या हम प्रभु को चढ़ाने का साहस करें? क्या हम उससे अधिक बलवान हैं?

1 कोरन्थियों 10:12-22
आठवें सप्ताह का बुधवार

कोरन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 146

भाइयो, सब कुछ मेरे लिए वैध है, पर सब कुछ हतिकर नहीं; सब कुछ मेरे लिए वैध है, पर सब कुछ निर्माणकारी नहीं। कोई अपना भला न चाहे, बल्कि दूसरों का भला चाहे। जो कुछ भी बाजार में बेचा जाता है, उसे बना किसी प्रश्न के खाओ, ताकि तुम्हारा वविक निर्मल रहे; क्योंकि पृथ्वी यहोवा की है, और जो कुछ उसमें है वह सब उसी का है। यदि कोई अवशिष्ट तुम्हें निमित्त दे, और तुम जाना चाहो, तो जो कुछ भी तुम्हारे सामने परोसा जाए, उसे बना किसी प्रश्न के खा लो, अपने वविक के लिए। परन्तु यदि कोई तुमसे कहे, 'यह मूर्तों को चढ़ाया गया है,' तो उसे न खाओ, उस व्यक्ति के कारण जसिने तुमसे कहा और अपने वविक के लिए। क्योंकि पृथ्वी प्रभु की है, और जो कुछ उसमें है, वह सब उसी का है।

1 कोरन्थियों 10:23-28
16वें सप्ताह का शनिवार।
मांस-भक्षण शनिवार

कोरन्थियों को पहला पत्र, पद 147 से आरंभ

भाइयो, यदि कोई तुमसे कहे, 'यह मूर्तों को चढ़ाया गया है', तो उस व्यक्ति की और वविक की खातिर उसे मत खाओ। क्योंकि पृथ्वी और जो कुछ उसमें भरपूर है, वह प्रभु की है। अब मैं अपना वविक नहीं, बल्कि दूसरे का वविक कहता हूँ; क्योंकि मेरी स्वतंत्रता का नरिणय दूसरे के वविक से क्यों किया जाए? यदि मैं धन्यवाद करके भोजन ग्रहण करता हूँ, तो जिस पर मैं धन्यवाद करता हूँ, उसके लिए मेरी नदिा क्यों की जाए? इसलिए, चाहे तुम खाओ, चाहे तुम पियो, या जो कुछ भी करो, सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करो। किसी को भी ठोकर न लगने दो—चाहे वे यहूदी हों, यूनानी हों या परमेश्वर की कलीसिया—जैसे मैं हर बात में सभी को प्रसन्न करने का यत्न करता हूँ, अपनी ही भलाई नहीं चाहता, बल्कि बहुतों की, ताकि वे उद्धार पाएँ। मेरे अनुकरण करो, जैसे मैं मसीह का अनुकरण करता हूँ। हे भातियो और बहानि, मैं तुम्हें सराहना देता हूँ कि तुम मेरी सखिाई हुई सब बातों को याद रखते हो और परंपराओं को वैसे ही थामे हुए हो जैसे मैंने उन्हें तुम्हें सौंपा है। मैं यह भी चाहता हूँ कि आप जान लें कि मसीह हर पुरुष का सरि है, पतिपित्नी का सरि है, और परमेश्वर मसीह का सरि है। हर पुरुष जो सरि ढँक कर प्रार्थना या भवषियवाणी करता है, वह अपने सरि का अपमान करता है। और हर वह स्त्री जो बनिा सरि ढके प्रार्थना या भवषियवाणी करती है, वह अपने सरि का अपमान करती है, क्योंकि यह वैया ही है जैसे वह मुंडति हो। क्योंकि यदि कोई स्त्री सरि ढकना नहीं चाहती, तो उसके बाल कटवा लेने चाहिए; परन्तु यदि स्त्री के लिए बाल कटवाना या मुंडति होना लज्जास्पद है, तो उसे सरि ढकना चाहिए। इसलिये पुरुष को अपना सरि ढकना नहीं चाहिए, क्योंकि वह परमेश्वर की प्रतमिा और महिमा है; पर स्त्री पुरुष की महिमा है।

1 कुरन्थियों 10:28–11:7
आठवें सप्ताह का गुरुवार

कोरन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 148

भाइयो, पतिअपनी पत्नी से नहीं है, परन्तु पत्नी अपने पति से है; और न तो पतिपित्नी के लिये बनाया गया, परन्तु पत्नी पति के लिये। इसलिये स्वर्गदूतों के कारण पत्नी को अपने सरि पर अधिकार का चनिह रखना चाहिए। तथापि तो पतिपित्नी के बनिा है, और न पत्नी पति के बनिा, प्रभु में। क्योंकि जैसे पत्नी पति से है, वैसे ही पति भी पत्नी के द्वारा है; परन्तु सब वस्तुएं परमेश्वर से हैं। खुद ही यह नरिणय कर लीजिए: क्या किसी पत्नी के लिए सरि खुला रखकर परमेश्वर से प्रार्थना करना उचित है? क्या प्रकृतस्वयं आपको यह नहीं सखिाती कि यदि किसी पुरुष के बाल लंबे हों तो यह उसके लिए लज्जा की बात है, परन्तु यदि किसी पत्नी के बाल लंबे हों तो यह उसकी महिमा है, क्योंकि उसके बाल उसे आवरण के रूप में दिए गए हैं? परन्तु यदि कोई इस वषिय पर बहस करना चाहे, तो न तो हमारी कोई ऐसी रीति है, और न ही परमेश्वर की कलीसिया की। परन्तु यह सुझाव देते हुए मैं तुम्हारी प्रशंसा नहीं करता, क्योंकि तुम एकत्र होकर भलाई के लिए नहीं, बल्कि बुराई के लिए इकट्ठा होते हो। क्योंकि, सबसे पहले, मैं सुनता हूँ कि जब तुम कलीसिया में इकट्ठा होते हो, तो तुम में फूट होती है, जिसमें मैं आंशिक रूप से विश्वास करता हूँ। क्योंकि तुम में मतभेद तो होने ही चाहिए, ताकि जो अधिक समझदार हैं, वे प्रकट हो सकें। इसके अलावा, जब आप इकट्ठा होते हैं, तो यह प्रभु भोज में भाग लेने के लिए नहीं होता है; क्योंकि हर कोई दूसरों से पहले अपना भोजन खाने के लिए जल्दी करता है, ताकि एक भूखा रह जाए जबकि दूसरा नशे में हो जाए। क्या तुम्हारे पास खाने-पीने के लिए अपने घर नहीं हैं? या क्या तुम परमेश्वर की कलीसिया का तरिस्कार करते हो और जनिके पास कुछ नहीं है, उन्हें लज्जति करते हो? मैं तुमसे क्या कहूँ? क्या मैं इस बात के लिए तुम्हारी प्रशंसा करूँ? मैं नहीं करूँगा।

1 कुरन्थियों 11:8–22
आठवें सप्ताह का शुक्रवार

1 कुरन्थियों की पहली पत्री, आरंभ 149

भाइयो, मैं ने प्रभु से वही बात पाई जो मैं ने तुम्हें भी सुनाई: कि प्रभु यीशु ने जिस रात उसे धोखा दिया गया, रोटी ली, और धन्यवाद करके, उसे तोड़कर कहा, 'लो, खाओ; यह मेरा शरीर है जो तुम्हारे लिए तोड़ा गया है; इसे मेरे स्मरण में करो।' उसी प्रकार, भोज के बाद, उन्होंने प्याला लिया और कहा, 'यह प्याला मेरे रक्त

कोरन्थियों को पहला पत्र

में नई वाचा है; जब-जब तुम इसे पीओ, तो मेरे स्मरण में ऐसा करो।' क्योंकि जब-जब तुम यह रोटी खाते और यह प्याला पीते हो, तब-तब तुम प्रभु की मृत्यु की घोषणा करते हो, जब तक कि वह न आए। इसलिए, जो कोई भी इस रोटी को अयोग्य रूप से खाता है या प्रभु का प्याला पीता है, वह प्रभु के शरीर और लहू के विरुद्ध पाप करने का दोषी होगा। कोई भी व्यक्ति पहले अपना परीक्षण करे, और तब ही वह इस रोटी में से खाए और इस प्याले में से पिए। क्योंकि जो कोई अयोग्य होकर खाता और पीता है, वह प्रभु के शरीर और लहू के विरुद्ध पाप का दोषी होगा। इसलिए मनुष्य अपना परख करे, और तब इस रोटी में से खाए और इस प्याले में से पिए।

1 कोरन्थियों 11:23-32
मौड़ी गुरुवार

कोरन्थियों को पहली पत्र, आरंभ 150

भाइयों, यदि हम स्वयं का न्याय करें, तो हम पर न्याय नहीं होगा। परन्तु जब हम पर न्याय होता है, तो प्रभु हमें अनुशासित करते हैं, ताकि हम संसार के साथ दण्डित न हों। इसलिये हे मेरे भाइयों, जब तुम प्रभु के भोज के लिये इकट्ठे हो, तो एक दूसरे की परीक्षा करना। यदि कोई भूखा हो, तो वह घर पर ही खाए, ताकि तुम्हारा इकट्ठा होना तुम्हारे दण्ड का कारण न बने। जब मैं आऊँगा तो मैं अन्य व्यवस्था करूँगा। हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम आध्यात्मिक वरदानों के विषय में अनभिज्ञ रहो। तुम जानते हो कि जब तुम अनाड़ी थे, तो तुम मूक मूर्तियों के पास जाते थे, जैसे कि वे तुम्हें मार्ग दिखा रही हों। इसलिये मैं तुम्हें बताता हूँ कि जो कोई परमेश्वर की आत्मा के द्वारा बोलता है, वह यीशु को अभिषिक्त नहीं कह सकता, और पवित्र आत्मा के सिवाय कोई यह नहीं कह सकता कि यीशु प्रभु हैं। वरदानों में तो भेद-भेद है, परन्तु आत्मा एक ही है; सेवाओं में तो भेद-भेद है, परन्तु प्रभु एक ही है; और कामों में तो भेद-भेद है, परन्तु परमेश्वर एक ही है, जो सब में सब काम करता है।

1 कोरन्थियों 11:31-12:6
नव सप्ताह का सोमवार

कोरन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 151

भाइयो, सामान्य भलाई के लिए प्रत्येक को आत्मा की एक-एक प्रकटता दी गई है। एक को आत्मा के द्वारा ज्ञान का वचन, दूसरे को उसी आत्मा के द्वारा ज्ञान का वचन; एक को उसी आत्मा के द्वारा विश्वास; एक को उसी आत्मा के द्वारा चंगा करने के वरदान; दूसरे को चमत्कार करने का वरदान, दूसरे को भविष्यदवाणी का वरदान, दूसरे को आत्माओं की परख का वरदान, दूसरे को विभिन्न प्रकार की भाषाओं का वरदान, दूसरे को भाषाओं का अर्थ लगाने का वरदान दिया गया है। तथापि सब एक ही आत्मा का काम है, जो अपनी इच्छा के अनुसार इन सब को एक-एक करके बाँटता है।

1 कोरन्थियों 12:7-11
17 नवंबर, सेंट ग्रेगरी, नेओकेसरेया के बशिप

कोरन्थियों को पहली पत्र, आरंभ 152

भाइयो, जैसे शरीर एक है और उसके कई अंग हैं, और एक ही शरीर के सब अंग, यद्यपि वे बहुत हैं, परन्तु एक ही शरीर बनाते हैं, वैसे ही मसीह के विषय में भी है। क्योंकि हम सब एक ही आत्मा से बपतिस्मा ले कर एक ही शरीर में शामिल किए गए, चाहे हम यहूदी हों या यूनानी, दास हों या स्वतंत्र, और हम सब को एक ही आत्मा से पिलाया गया। परन्तु शरीर एक ही अंग से नहीं, बल्कि बहुत से अंगों से बना है। यदि मैं कहूँ, 'मैं हाथ नहीं हूँ, इसलिए मैं शरीर का अंग नहीं हूँ, तो क्या वह फिर भी शरीर का अंग नहीं रहेगा?' और यदि मैं कहूँ, 'मैं आँख नहीं हूँ, इसलिए मैं शरीर का अंग नहीं हूँ, तो क्या वह फिर भी शरीर का अंग नहीं रहेगा?' यदि पूरा शरीर आँख होता, तो सुनने की इंद्रिय कहाँ होती? यदि पूरा शरीर सुनने की इंद्रिय होता, तो सूँघने की इंद्रिय कहाँ होती? परमेश्वर ने शरीर के अंगों को, जैसा उसे ठीक लगा, वैसे ही व्यवस्थित किया है। और यदि वे सब एक ही अंग होते, तो शरीर कहाँ होता? परन्तु अब बहुत से अंग हैं, फिर भी एक ही शरीर है। आँख हाथ से यह नहीं कह सकती, 'मुझे तुम्हारी जरूरत नहीं है'; और न ही सरि पैरों से यह कह सकता है, 'मुझे तुम्हारी जरूरत

कोरन्थियों को पहला पत्र

नहीं है। इसके विपरीत, शरीर के जो अंग सबसे कमजोर लगते हैं, वे कहीं ज्यादा जरूरी हैं, और जिनमें हम शरीर में कम सम्माननीय समझते हैं, उनकी हम ज्यादा देखभाल करते हैं; और हमारे वे अंग जो दिखाने में ठीक नहीं लगते, उन्हें हम बड़ी सावधानी से ढकते हैं, जबकि हमारे सुंदर अंगों को इसकी जरूरत नहीं होती। परमेश्वर ने शरीर को इस प्रकार व्यवस्थित किया है कि कम उत्तम अंगों को अधिक महत्व दिया गया है, ताकि शरीर में कोई फूट न हो, बल्कि सभी अंग समान रूप से एक-दूसरे की परवाह करें। इसलिए, यदि एक अंग पीड़ित होता है, तो सभी अंग उसके साथ पीड़ित होते हैं; यदि एक अंग का सम्मान होता है, तो सभी अंग उसके साथ आनंदित होते हैं।

1 कोरन्थियों 12:12-26
नवें सप्ताह का मंगलवार

कोरन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 153

भाइयो और बहनो, तुम मसीह की देह हो, और अलग-अलग इसके अंग हो। और परमेश्वर ने कलीसिया में पहली प्रेरति, दूसरे भविष्यदवक्ता, तीसरे शक्तिषक नियुक्त किए हैं; फिर कुछ को चमत्कार करने की सामर्थ्य, कुछ को चंगा करने का वरदान, कुछ को दूसरों की सेवा करने का वरदान, कुछ को नेतृत्व का वरदान, और कुछ को विभिन्न भाषाओं में बोलने का वरदान दिया है। क्या सब प्रेरित हैं? क्या सभी भविष्यदवक्ता हैं? क्या सभी शक्तिषक हैं? क्या सभी चमत्कार करने वाले हैं? क्या सभी के पास चंगा करने का वरदान है? क्या सभी अन्य भाषाओं में बोलते हैं? क्या सभी व्याख्याकार हैं? महान वरदानों के लिए प्रयत्न करो, और मैं तुम्हें एक और भी उत्तम मार्ग दिखाऊंगा। यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की भाषाओं में बोलूँ, पर प्रेम न रखूँ, तो मैं केवल एक गूँजने वाला ढोल या खनकने वाली झाँझ हूँ। यदि मुझमें भविष्यदवाणी का वरदान है और मैं सभी रहस्यों और सभी ज्ञान को समझता हूँ, और यदि मुझमें इतना विश्वास है कि मैं पहाड़ों को हिला सकूँ, पर प्रेम नहीं है, तो मैं कुछ भी नहीं हूँ। और यदि मैं अपनी सारी संपत्ति दान कर दूँ और अपना शरीर जलाने के लिए दे दूँ, पर प्रेम नहीं है, तो इससे मुझे कोई लाभ नहीं होता। प्रेम धैर्यवान है, प्रेम दयालु है; प्रेम ईर्ष्या नहीं करता; प्रेम बड़ाई नहीं करता, घमंडी नहीं होता, असभ्य व्यवहार नहीं करता, अपना हति नहीं खोजता, जल्दी क्रोधित नहीं होता, अन्याय का हिसाब नहीं रखता; प्रेम अधर्म में आनंदित नहीं होता, बल्कि सत्य में आनंदित होता है; यह सब कुछ सहन करता है, सब कुछ विश्वास करता है, सब कुछ आशा करता है, सब कुछ सहन करता है। प्रेम कभी असफल नहीं होता।

1 कोरन्थियों 12:27-13:8क
गैर-पैसे के लिए काम करने वालों को

कोरन्थियों को पहली पत्रिका, आरंभ 154A

भाइयो, प्रेम धीरजवान है, प्रेम सौम्य है; प्रेम ईर्ष्या नहीं करता; प्रेम डींग नहीं मारता, घमण्डी नहीं होता, बदतमीजी नहीं करता, अपना हति नहीं खोजता, शीघ्र क्रोध नहीं करता, बुराई पर विचार नहीं करता, अधर्म में आनंदित नहीं होता, परन्तु सत्य में आनंदित होता है; सब कुछ सहन करता है, सब कुछ विश्वास करता है, सब कुछ आशा करता है, सब कुछ सहन करता है। प्रेम कभी असफल नहीं होता, भले ही भविष्यवाणियाँ समाप्त हो जाएँ, विभिन्न प्रकार की भाषाएँ चुप हो जाएँ, और ज्ञान दूर हो जाए। क्योंकि हम आंशिक रूप से जानते हैं और आंशिक रूप से भविष्यवाणी करते हैं; परन्तु जब वह पूर्ण आ जाएगा, तो आंशिक समाप्त हो जाएगा। जब मैं बच्चा था, तो मैं बच्चे की तरह बोलता था, मैं बच्चे की तरह सोचता था, मैं बच्चे की तरह तर्क करता था; पर जब मैं पुरुष बना, तो मैंने बाल-सुलभ बातों को त्याग दिया। अब हम आईने में झाँककर, अंधेरे में, एक पहली की तरह देखते हैं; परन्तु तब हम आगे-आगे देखेंगे। अब मैं आंशिक रूप से जानता हूँ, परन्तु तब मैं पूरी तरह से जानूँगा, जैसे मैं पूरी तरह से जाना गया हूँ। और अब ये तीनों शेष हैं: विश्वास, आशा और प्रेम; परन्तु इन सबसे महान प्रेम है। प्रेम का यत्न करो; आध्यात्मिक वरदानों के लिए उत्सुक रहो, और विशेषकर भविष्यवाणी के वरदान के लिए। क्योंकि जो कोई अजनबी भाषा में बोलता है, वह मनुष्यों को नहीं, पर परमेश्वर को शिक्षा देता है; क्योंकि कोई भी उसे नहीं समझता, पर वह आत्मा में रहस्य बोलता है; पर जो कोई भविष्यवाणी करता है, वह मनुष्यों को शिक्षा, प्रोत्साहन और सांत्वना देता है। जो कोई जीभ

कोरन्थियों को पहला पत्र

में बोलता है, वह अपना ही नरिमाण करता है; पर जो कोई भवषियदवाणी करता है, वह कलीसिया का नरिमाण करता है। मैं चाहता हूँ कि तुम सब जीभों में बोलो; पर यह उससे अच्छा है कि तुम भवषियदवाणी करो; क्योंकि जो कोई भवषियदवाणी करता है, वह जीभों में बोलने वाले से श्रेष्ठ है, जब तक कि वह व्याख्या भी न करे, ताकि कलीसिया का नरिमाण हो।

1 कोरन्थियों 13:4-14:5
नवें सप्ताह का बुधवार

कोरन्थियों को पहली पत्रिका, आरंभ 154B

भाइयो और बहनो, जब मैं बच्चा था, तो मैं बच्चे की तरह बोलता था, बच्चे की तरह सोचता था, बच्चे की तरह तर्क करता था; परन्तु जब मैं पुरुष बना, तो मैंने बाल-सुलभ बातें त्याग दीं। अब हम आईने में झाँककर, अस्पष्ट रूप में देखते हैं; परन्तु तब मुखामुखा देखेंगे। अब मैं आंशिक रूप में जानता हूँ; परन्तु तब मैं पूरी तरह से जानूँगा, जैसे मैं पूरी तरह से जाना गया हूँ। और अब ये तीनों बने रहते हैं: विश्वास, आशा और प्रेम; परन्तु इन सबसे महान प्रेम है। प्रेम का यत्न करो; आध्यात्मिक वरदानों के लिए उत्सुक रहो, और विशेषकर भवषियवाणी के वरदान के लिए। क्योंकि जो कोई अजनबी भाषा में बोलता है, वह मनुष्यों को नहीं, पर परमेश्वर को शिक्षा देता है; क्योंकि कोई भी उसे नहीं समझता, पर वह आत्मा में रहस्य बोलता है; पर जो कोई भवषियवाणी करता है, वह मनुष्यों को शिक्षा, प्रोत्साहन और सांतवना देता है। जो कोई अनजान भाषा में बोलता है, वह अपना ही नरिमाण करता है; परन्तु जो भवषियदवाणी करता है, वह कलीसिया का नरिमाण करता है। मैं चाहता हूँ कि तुम सब अनजान भाषाओं में बोलो; परन्तु मैं यह भी चाहता हूँ कि तुम भवषियदवाणी करो; क्योंकि जो भवषियदवाणी करता है, वह उस से श्रेष्ठ है जो अनजान भाषा में बोलता है, जब तक कि वह उसका अर्थ भी न लगावे, ताकि कलीसिया का नरिमाण हो।

1 कोरन्थियों 13:11-14:5
15 जुलाई, संत सरिथिकस और जुलिया

कोरन्थियों को पहली पत्रिका, आरंभ 155

भाइयो, यदि मैं तुम्हारे पास आकर अज्ञात भाषाओं में बोलूँ, तो मैं तुम्हारा क्या लाभ करूँगा, जब तक कि मैं तुम्हें इसका अर्थ न समझा दूँ—चाहे वह प्रकटकिरण द्वारा हो, या ज्ञान द्वारा, या भवषियवाणी द्वारा, या शिक्षा द्वारा? यहाँ तक कि ध्वनि उत्पन्न करने वाली नरिजीव वस्तुएँ—एक बांसुरी या एक वीणा—यदि वे अलग-अलग सुर नहीं निकालती, तो कोई कैसे जान सकता है कि बांसुरी या वीणा पर क्या बजाया जा रहा है? और यदि एक तुरही अस्पष्ट ध्वनि देती है, तो कौन युद्ध के लिए तैयारी करेगा? इसलिए यदि आप बोधगम्य शब्द बोले बिना अन्य भाषाओं में बोलते हैं, तो कोई कैसे जान पाएगा कि आप क्या कह रहे हैं? आप हवा में बोल रहे होंगे। उदाहरण के लिए, दुनिया में कतिने ही अलग-अलग शब्द हैं, और उनमें से एक भी अर्थहीन नहीं है। लेकिन अगर मैं शब्दों के अर्थ को नहीं समझता, तो मैं वक्ता के लिए एक अजनबी हूँ, और वक्ता मेरे लिए एक अजनबी है। इसलिए तुम भी, जब आध्यात्मिक वरदानों के लिए यत्न करो, तो कलीसिया के नरिमाण के लिए उनसे समृद्ध होने का प्रयत्न करो। इसलिये, जो कोई किसी अपरचित भाषा में बोलता है, वह व्याख्या के वरदान के लिए प्रार्थना करे। क्योंकि जब मैं अपरचित भाषा में प्रार्थना करता हूँ, तो यद्यपि मेरा आत्मा प्रार्थना करता है, पर मेरा मन निष्फल रहता है। तो मैं क्या करूँ? मैं आत्मा से प्रार्थना करूँगा, और मैं मन से भी प्रार्थना करूँगा; मैं आत्मा से भजन करूँगा, और मैं मन से भी भजन करूँगा। क्योंकि यदि तुम आत्मा में धन्यवाद करते हो, तो वहाँ खड़ा हुआ साधारण मनुष्य तुम्हारी धन्यवाद-प्रार्थना पर 'आमीन' कैसे कह सकता है? क्योंकि वह नहीं समझता कि तुम क्या कह रहे हो। आप धन्यवाद अच्छी तरह देते हैं, परन्तु दूसरे का नरिमाण नहीं होता। मैं अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ कि मैं तुम सब से अधिक भाषाओं में बोलता हूँ; परन्तु मैं कलीसिया में पाँच शब्द अपने मन से बोलना अधिक पसंद करूँगा, ताकि मैं दूसरों को शिक्षा दे सकूँ, बजाय इसके कि मैं किसी अपरचित भाषा में बहुत शब्द बोलूँ।

1 कोरन्थियों 14:6-19
नवें सप्ताह का गुरुवार

कोरन्थियों को पहली पत्रिका, आरंभ 156

भाइयो, अपनी सोच में बच्चे न बनो; बुराई में बच्चे बनो, पर अपनी सोच में परपिक्व बनो। व्यवस्था में लिखा है: 'मैं इस प्रजा से अन्य भाषाओं में और अन्य होंठों से बोलूँगा; फिर भी वे मेरी न सुनेंगे,' प्रभु कहते हैं। इस प्रकार अन्यभाषा बोलना वशिवासियों के लिये नहीं, पर अवशिवासियों के लिये संकेत है; पर भवषियद्वाणी अवशिवासियों के लिये नहीं, पर वशिवासियों के लिये है। यदिसारी कलीसिया एक साथ इकट्ठी हो और सब अज्ञात भाषाओं में बोलने लगे, और कोई अनजान या अवशिवासी आवे, तो क्या वह नहीं कहेगा कि तुम पागल हो? परन्तु जब सब भवषियद्वाणी करते हैं, और कोई अवशिवासी या अनभिज्ञ व्यक्ति आता है, तो वह सबके द्वारा दंग रह जाता है, और सबके द्वारा परखा जाता है। और इस प्रकार उसके मन के भेद प्रगट हो जाते हैं, और वह घुटने टेक कर परमेश्वर को दण्डवत करेगा, और कहेगा: 'सचमुच, परमेश्वर तुम में है।'

1 कुरन्थियों 14:20-25
17वें सप्ताह का शनिवार

कोरन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 157

भाइयो, जब तुम इकट्ठे हो, और तुम में से किसी के पास भजन हो, किसी के पास शक्ति हो, किसी के पास परकी भाषा हो, किसी के पास भवषियद्वाणी हो, किसी के पास व्याख्या हो—तो ये सब बातें उननतिके लिये हों। यदि कोई अजनबी भाषा में बोलता हो, तो दो या अधिकतम तीन बोलें, और एक व्याख्या करे। परन्तु यदि कोई व्याख्या न करे, तो वह कलीसिया में चुप रहे, और अपने आप से और परमेश्वर से बातें करे। और दो या तीन भवषियद्वक्ता बोलें, और अन्य लोग वचार करें कि जो कहा गया है, वह क्या है। परन्तु यदि किसी अन्य जो उपस्थिति है, को कोई दर्शन हो, तो पहला चुप रहे। क्योंकि तुम सब एक के बाद एक भवषियद्वाणी कर सकते हो, ताकि सब सखाए जाएँ और सब प्रोत्साहित हों। और भवषियद्वाणी करने वाली आत्माएँ भवषियद्वक्ताओं के अधीन हैं, क्योंकि परमेश्वर अव्यवस्था का नहीं, बल्कि शांतिका परमेश्वर है। पवित्र लोगों की सभी कलीसियाओं में यही रीति है। तुम्हारी स्त्रियाँ कलीसियाओं में चुप रहें, क्योंकि उन्हें बोलने की अनुमति नहीं है, परन्तु उन्हें आज्ञाकारिता में रहना चाहिए, जैसा कि व्यवस्था भी कहती है। यदि, तथापि, वे कुछ सीखना चाहती हैं, तो उन्हें घर पर अपने पतियों से पूछना चाहिए; क्योंकि कलीसिया में स्त्री का बोलना उचित नहीं है। क्या परमेश्वर का वचन तुम से निकला? या केवल तुम तक ही पहुँचा? यदि कोई स्वयं को भवषियद्वक्ता या आत्मिक मानता है, तो उसे यह मान लेना चाहिए कि मैं तुम्हें यह लिख रहा हूँ, क्योंकि ये प्रभु की आज्ञाएँ हैं। पर यदि कोई नहीं समझता, तो वह न समझे। इसलिये, हे भाइयो और बहनो, भवषियद्वाणी करने का यत्न करो, परन्तु भनि-भनि भाषाओं में बोलने से न रोको; केवल सब कुछ उचित और सुव्यवस्थिति रीति से हो।

1 कुरन्थियों 14:26-40
नवें सप्ताह का शुक्रवार

कोरन्थियों को पहला पत्र, पद 158 से आरंभ

भाइयो और बहनो, मैं तुम्हें उस सुसमाचार की याद दिलाना चाहता हूँ जो मैंने तुम्हें प्रचार किया था, जिससे तुमने ग्रहण किया, जिस पर तुम स्थिर हो, और जिसके द्वारा तुम बचाए जा रहे हो—बशर्ते कि तुम उस संदेश को उसी प्रकार थामे रहो जैसा मैंने तुम्हें प्रचार किया था, जब तक कि तुम व्यर्थ में विश्वास नहीं किए हो। क्योंकि मैं ने तुम्हें वही बात सखाई जो मैं ने आप प्राप्त की थी, जो यह है: कि मिसीह धर्मग्रंथों के अनुसार हमारे पापों के लिए मरा, और उसे जनाया गया, और धर्मग्रंथों के अनुसार तीसरे दिन मरे हुएों में से जी उठा, और वह केफास को, फिर बारहों को दिखाई दिया; फिर वह एक ही समय में पाँच सौ से अधिक भाइयों को दिखाई दिए, जिनमें से अधिकांश आज भी जीवित हैं, यद्यपि कुछ सो गए हैं; फिर वह याकूब को, और फिर सभी प्रेरितों को दिखाई दिए; और सबसे अन्त में वह मुझे भी दिखाई दिए, जैसे किसी अकस्मात् जन्मे हुए को। क्योंकि मैं प्रेरितों में सबसे छोटा हूँ, और प्रेरित कहलाने के योग्य नहीं हूँ, क्योंकि मैंने परमेश्वर की मंडली का उत्पीड़न किया। परन्तु परमेश्वर की कृपा से मैं जो कुछ हूँ, वही हूँ; और मेरी ओर उसकी कृपा व्यर्थ नहीं गई, बल्कि मैं उन सब से कहीं अधिक परश्रमी रहा हूँ—परन्तु मैं नहीं, वरन् मेरी संगति में रहने

कोरिन्थियों को पहला पत्र

वाली परमेश्वर की कृपा। इसलिये चाहे मैं हूँ, चाहे वे हैं, हम यही प्रचार करते हैं, और तुमने इसी पर विश्वास किया है।

1 कोरिन्थियों 15:1-11
सप्ताह 12

कोरिन्थियों को पहली पत्र, आरंभ 159

भाइयो और बहनो, यदि प्रचार किया जाता है कि मसीह मरे हुए लोगों में से जी उठे हैं, तो तुम में से कुछ यह कैसे कहते हैं कि मरे हुए लोगों का पुनरुत्थान नहीं है? यदि मरे हुए लोगों का पुनरुत्थान नहीं है, तो मसीह भी नहीं उठाया गया; और यदि मसीह नहीं उठाया गया, तो हमारा प्रचार व्यर्थ है, और तुम्हारा विश्वास भी व्यर्थ है। इसके अलावा, हम परमेश्वर के विषय में झूठे गवाह ठहरेंगे, क्योंकि हम इस बात की गवाही देंगे कि परमेश्वर ने मसीह को जलाया, जिसने उसने नहीं जलाया, यदि अर्थात्, मरे हुए नहीं उठते; क्योंकि यदि मरे हुए नहीं उठते, तो मसीह भी नहीं उठा है। और यदि मसीह का पुनरुत्थान नहीं हुआ है, तो तुम्हारा विश्वास व्यर्थ है: तुम अभी भी अपने पापों में हो। इसलिए, जो मसीह में मर गए हैं, वे नाश हो गए हैं। और यदि हमने मसीह में केवल इसी जीवन के लिए आशा रखी है, तो हम सबसे अधिक तरस के पात्र हैं।

1 कोरिन्थियों 15:12-19
दसवें सप्ताह का सोमवार

कोरिन्थियों को पहली पत्रिका, आरंभ 160

भाइयो, मसीह मरे हुए लोगों में से जी उठे हैं, जो सो गए हैं उन में पहली फल हुए हैं। क्योंकि जैसे मनुष्य के द्वारा मृत्यु आई, वैसे ही मनुष्य के द्वारा मरे हुए लोगों का पुनरुत्थान भी हुआ है। क्योंकि जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसे ही मसीह में सब जलाए जाएंगे, परन्तु अपना अपना क्रम रखेंगे: पहली फल मसीह, फिर मसीह के आने पर जो उसके हैं। और फिर अंत आता है, जब वह राज्य परमेश्वर पति को सौंप देगा, जब वह हर एक शासन, अधिकार और शक्ति का अंत कर देगा। क्योंकि उसे तब तक राज्य करना है जब तक कि वह अपने सभी शत्रुओं को अपने पैरों तले न ला ले। नष्ट होने वाला अंतिम शत्रु मृत्यु है, क्योंकि उसने सभी चीजों को अपने अधीन कर लिया है। अब जब यह कहा जाता है कि सभी चीजें उसके अधीन कर दी गई हैं, तो यह स्पष्ट है कि इसमें उस को शामिल नहीं किया गया है जिसने सभी चीजों को उसके अधीन किया है। जब वह सभी चीजों को अपने अधीन कर लेगा, तो पुत्र स्वयं भी उस के अधीन हो जाएगा जिसने सभी चीजों को उसके अधीन किया है, ताकि परमेश्वर सब में सब हो जाए।

1 कोरिन्थियों 15:20-28
स्वर्गीय जनों की स्मृति में (गुरुवार)

कोरिन्थियों को पहली पत्र, आरंभ 161

भाइयो, बपतिस्मा लेने वाले मृतकों के लिए क्या करते हैं? यदि मरे हुए बलिकूल जलाए नहीं जाते, तो लोग मृतकों के लिए बपतिस्मा क्यों लेते हैं? हम स्वयं हर घड़ी क्यों संकटों का सामना करते हैं? मैं प्रतिदिन मरता हूँ: मैं इस बात की गवाही तुम्हारी प्रशंसा से देता हूँ, हे भाइयों, जो मुझे हमारे प्रभु मसीह यीशु में प्राप्त है। मानवीय तर्क के अनुसार, जब मैं एफ़ेसिस में जंगली जानवरों से लड़ा, तो यदि मरे हुए फिर जीवित नहीं होते, तो मेरे लिए क्या लाभ? आओ खाएं-पिएं, क्योंकि किल हम मरेंगे! धोखा न खाओ: बुरा संगत चरित्र को बगिड़ देता है। होश में आओ, जैसा कि तुमहें आना चाहिए, और पाप न करो; क्योंकि मुझे लज्जति होकर कहना पड़ता है कि तुम में से कुछ लोग परमेश्वर को नहीं जानते। पर कोई पूछ सकता है: 'मरे हुए लोगों को कैसे जलाया जाएगा?' और वे किस प्रकार के शरीर में आएंगे?' हे मूर्ख! जो तुम बोते हो वह जी उठेगा नहीं, जब तक कि वह मर न जाए। और जब तुम बोते हो, तो तुम वह शरीर नहीं बोते जो होने वाला है, परन्तु एक नंगा दाना, शायद गेहूँ का या किसी और प्रकार का; परन्तु परमेश्वर उसे शरीर देता है जैसा वह चाहे, और हर एक बीज को अपना अपना शरीर देता है।

1 कोरिन्थियों 15:29-38
दसवें सप्ताह का मंगलवार

कोरिन्थियों को पहला पत्र, आरंभ 162

भाइयो, सब मांस एक समान नहीं है; पर मनुष्यों के लिए एक प्रकार का मांस है, और पशुओं के लिए दूसरा, मछलियों के लिए तीसरा, और पक्षियों के लिए चौथा। आसमाणी शरीर हैं और पृथ्वी के शरीर हैं; परन्तु आसमाणी शरीर का तेज एक प्रकार का है, और पृथ्वी के शरीर का तेज दूसरे प्रकार का है। सूर्य का एक तेज है, चन्द्रमा का दूसरा, और तारों का तीसरा; और एक तारा दूसरे तारे से तेज में भिन्न है। मरे हुए के जी उठने का भी ऐसा ही है: यह नाशवान अवस्था में बोया जाता है, और अमर अवस्था में जलाया जाता है; यह तुच्छता में बोया जाता है, और महिमा में जलाया जाता है; यह दुर्बलता में बोया जाता है, यह शक्ति में उठाया जाता है; यह प्राकृतिक देह में बोया जाता है, यह आध्यात्मिक देह में उठाया जाता है। एक प्राकृतिक देह है, और एक आध्यात्मिक देह है। जैसा लिखा है: 'पहला मनुष्य आदम जीवति प्राणी बना'; परन्तु अंतिम आदम जीवन-दायक आत्मा है।

1 कोरिन्थियों 15:39-45
18वें सप्ताह का शनिवार।
स्वर्गवासियों की स्मृति में (मंगलवार)

कोरिन्थियों को पहली पत्रिका, आरंभ 163

भाइयो, पहला मनुष्य पृथ्वी से, मटिटी का मनुष्य था; दूसरा मनुष्य स्वर्ग से प्रभु है। जैसा मटिटी का मनुष्य है, वैसे मटिटी के हैं; और जैसा स्वर्गीय है, वैसे स्वर्ग के हैं। और जैसे हम मटिटी के मनुष्य के स्वरूप को धारण कर चुके हैं, वैसे ही हम स्वर्गीय के स्वरूप को धारण करेंगे। परन्तु हे भाइयो, मैं तुम्हें यह बताता हूँ: मांस और लहू परमेश्वर के राज्य का वरिसत में प्राप्त नहीं कर सकते, और न ही नाशनीयता अवनशिनीयता का वरिसत में प्राप्त करती है। मैं तुमसे एक रहस्य कहता हूँ: हम सब मरेंगे नहीं, परन्तु हम सब बदल जाएँगे—एक क्षण में, पलक झपकते ही, अंतिम तुरही के साथ; क्योंकि तुरही बजाई जाएगी, और मरे हुए अवनशिनीय होकर उठे जाएँगे, और हम बदल जाएँगे। क्योंकि इस नाशवान शरीर को अननाशतिव पहनना है, और इस मर्त्य शरीर को अमरत्व पहनना है। जब यह नाशवान शरीर अननाशतिव पहन लेगा, और यह मर्त्य शरीर अमरत्व पहन लेगा, तब यह वचन पूरा होगा: 'मृत्यु पर विजय में नगिल ली गई।' हे मृत्यु, तेरा डंक कहाँ है? हे पाताल, तेरी विजय कहाँ है? मृत्यु का डंक पाप है, और पाप की शक्ति विवस्था है। परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जय प्रदान करता है!

1 कोरिन्थियों 15:47-57
स्वर्गवासी (शुक्रवार) की स्मृति में

कोरिन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 164

भाइयो और बहनो, दृढ़ रहो, अटल रहो, और प्रभु के काम में सदा बढ़ते चलो, यह जानते हुए कि तुम्हारी मेहनत प्रभु के सामने व्यर्थ नहीं है। जहाँ तक पवित्र लोगों के लिए चंदा की बात है, गलातिया की कलीसियाओं को जैसे मैंने आज्ञा दी थी, वैसे ही करो। सप्ताह के पहले दिन, तुम में से प्रत्येक अपनी-अपनी आय के अनुसार कुछ धन अलग रखे, ताकि जब मैं आऊँ तब कोई संग्रह न करना पड़े। और जब मैं आऊँगा, तो मैं उन लोगों को, जिन्हें तुमने चुन रखा है, पत्रों सहित भेज दूँगा, जो तुम्हारा यह दान यरूशलेम ले जाएँ।

1 कोरिन्थियों 15:58-16:3
19वें सप्ताह का शनिवार

कोरिन्थियों को पहला पत्र, पद 165 से आरंभ

भाइयो, यदि मेरे निकलने का समय उचित है, तो जिन्हें तुमने चुना है, वे मेरे साथ चलेंगे। मैं मैसेडोनिया से होकर तुमसे मिलने आऊँगा, क्योंकि मैं मैसेडोनिया से होकर यात्रा कर रहा हूँ। शायद मैं कुछ समय के लिए तुमसे रहूँगा, या वहाँ सर्दी भी बताऊँगा, ताकि तुम मुझे जहाँ भी जाना हो, वृत्ति कर सको। क्योंकि मैं तुम्हें अब केवल आते-जाते नहीं मलिना चाहता, पर आशा करता हूँ कि यदि प्रभु की इच्छा हुई, तो कुछ समय तुम्हारे यहाँ ठहरूँगा। जहाँ तक एफेसुस का प्रश्न है, मैं पेंतेकोस्त तक वहीं ठहरूँगा, क्योंकि मेरे लिए एक बड़ा और

कोरिन्थियों को पहला पत्र

खुला द्वार खुल गया है, और बहुत से वरिधी हैं। यदतीमुथयुस तुम्हारे पास आता है, तो उसकी देखभाल करना कविह तुम्हारे बीच सुरक्षति रहे; क्योंकिविह प्रभु का काम कर रहा है, जैसे मैं भी कर रहा हूँ। इसलिए कोई भी उसे तुच्छ न जाने, बल्कि उसे शान्तसे वदिा करे, ताकविह मेरे पास आ सके, क्योंकि मैं भाइयों के साथ उसकी प्रतीक्षा कर रहा हूँ। जहाँ तक हमारे भाई अपोल्लस की बात है, मैंने उसे भाइयों के साथ तुम्हारे पास जाने के लिए बहुत आग्रह किया; परन्तु वह अभी जाने को बलिकुल भी इच्छुक नहीं था, यद्यपिजिब उसे ठीक लगेगा तब वह आएगा।

1 कुरिन्थियों 16:4-12
दसवें सप्ताह का बुधवार

कोरिन्थियों को पहली पत्री, आरंभ 166

भाइयो, चौकस रहो, विश्वास में दृढ़ रहो, साहसी बनो, स्थिर रहो। जो कुछ भी तुम करो, प्रेम में करो। मैं तुम्हें आग्रह करता हूँ, भाइयो (तुम स्टेफानस के घराने को जानते हो, कवि अहाया के अग्रदूत हैं और उन्होंने स्वयं को पवतिर लोगों की सेवा के लिए समर्पति कर दिया है), कि ऐसे लोगों और हर उस व्यक्तिका आदर करो जो सहायता करता है और परशिरम करता है। मुझे प्रसन्नता है कि स्तेफानुस, फोर्तुनातुस और अखाइकुस आ गए हैं: उन्होंने मेरी ओर से तुम्हारी कमी पूरी कर दी है, क्योंकि उन्होंने मेरी और तुम्हारी आत्मा को तरोताजा किया है। ऐसे लोगों का आदर करो। एशिया की कलीसियाएँ तुम्हें नमस्कार भेजती हैं; अक्वलिा और प्रसिकलिला, और उनके घर की कलीसिया, प्रभु में तुम्हें प्रेमपूर्ण नमस्कार भेजते हैं। सभी भाइयों की ओर से नमस्कार। एक दूसरे को पवतिर चुम्बन से नमस्कार करो। मेरी अपनी नमस्कार, मेरे अपने हाथ से लिखी, पौलुस की ओर से। यदकि कोई प्रभु यीशु मसीह से प्रेम नहीं करता, तो वह श्रापति हो। मारानाथा। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा तुम पर बनी रहे, और मेरी प्रेम तुम सब पर मसीह यीशु में बनी रहे। आमीन।

1 कुरिन्थियों 16:13-24
सप्ताह 13

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 167A

परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह के प्रेरित पौलुस और हमारे भाई तिमोथी की ओर से, कोरिन्थ में परमेश्वर की कलीसिया को, जो अखाईया में सभी पवित्र लोगों के साथ है: तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिले, हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से। धन्य हो परमेश्वर, हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता, जो दया के पिता और सब प्रकार के सांतवना के परमेश्वर हैं, जो हम पर हमारी सब क्लेशों में सांतवना देते हैं, ताकि हम उस सांतवना से, जिससे परमेश्वर हम पर सांतवना देते हैं, हर क्लेश में पड़े हुएों को सांतवना दे सकें! क्योंकि जैसे मसीह की पीड़ा हम में भरपूर है, वैसे ही मसीह द्वारा हमारा सांतवना भी भरपूर है। चाहे हम क्लेश में हों, यह तुम्हारी सांतवना और उद्धार के लिए है, जो उन्हीं कष्टों को सहने से होती है जो हम स्वयं सहते हैं। और तुम्हारे लिए हमारी आशा दृढ़ है। यदि हमें सांतवना मिलती है, तो यह आपकी सांतवना और उद्धार के लिए है, यह जानते हुए कि आप हमारे दुखों और हमारी सांतवना दोनों में सहभागी हैं।

2 कोरिन्थियों 1:1-7
दसवें सप्ताह का गुरुवार

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 167B

भाइयो और बहनो, हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर, अनुग्रह के पिता और सब प्रकार के सांतवना के परमेश्वर धन्य हों, जो हमें हमारी सब कष्टों में सांतवना देते हैं, ताकि हम हर प्रकार के कष्ट में पड़े हुएों को उसी सांतवना से सांतवना दे सकें, जिससे परमेश्वर हमें सांतवना देते हैं! क्योंकि जैसे मसीह की पीड़ा हम में भरपूर है, वैसे ही मसीह द्वारा हमारा सांतवना भी भरपूर है। यदि हम क्लेशित हैं, तो यह तुम्हारी सांतवना और उद्धार के लिए है, जो उन्हीं कष्टों को सहने से होती है जो हम स्वयं सहते हैं। और तुम्हारे लिए हमारी आशा दृढ़ है। यदि हमें सांतवना मिलती है, तो यह आपकी सांतवना और उद्धार के लिए है, यह जानते हुए कि आप हमारे दुखों और हमारी सांतवना दोनों में सहभागी हैं।

2 कोरिन्थियों 1:3-7
शहीदों के लिए

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 168

भाइयो, हम नहीं चाहते कि तुम उस कष्ट के बारे में अनभिज्ञ रहो जो हमें एशिया में उठाना पड़ा। क्योंकि हम अपनी शक्ति से परे दबाए गए, यहाँ तक कि हमने स्वयं जीवन से भी निराशा त्याग दी। फिर भी, हमने अपने भीतर मृत्यु की सजा संभाली, ताकि हम स्वयं पर नहीं बल्कि परमेश्वर पर भरोसा करें, जो मरे हुएों को जिलाता है, जिसने हमें ऐसी जानलेवा स्थिति से बचाया है, और बचाता रहता है, और जिस पर हम भरोसा करते हैं कि वह हमारी ओर से की जाने वाली प्रार्थनाओं की सहायता से हमें फिर से बचाएगा, ताकि बहुत से लोग हमारी ओर से धन्यवाद करें उस अनुग्रह के लिए जो बहुतों की मध्यस्थता द्वारा हमें दिया गया है।

2 कोरिन्थियों 1:8-11
20वें सप्ताह का शनिवार

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 169

भाइयो, हमारा घमंड यह है: हमारे अंतर्करण की गवाही कि हमने संसार में, और विशेष रूप से तुम लोगों के बीच, सादगी और ईश्वरीय खरापन के साथ आचरण किया है, न कि मांसिक बुद्धि से, बल्कि परमेश्वर की कृपा से। और हम तुम्हें वही लिखते हैं जो तुम पढ़ते और समझते हो, और जो, मुझे आशा है, तुम पूरी तरह से समझोगे, क्योंकि तुमने इसका कुछ अंश पहले ही समझ लिया है, कि हम तुम्हारी बड़ाई का कारण होंगे, जैसे

कोरन्थियों को दूसरी पत्र

तुम हमारी हो, हमारे प्रभु यीशु मसीह के दनि। और इसी भरोसे में मेरा इरादा पहले आप लोगों के पास आने का था, ताकि आप दूसरी बार आशीष प्राप्त करें, और आपके द्वारा मैं मैसेडोनिया को जाता और मैसेडोनिया से फिर आप लोगों के पास आता; और आप मुझे यहूदिया तक पहुँचाते। ऐसा इरादा रखते हुए, क्या मैंने जल्दबाजी में काम किया? या मैं देह के अनुसार काम करता हूँ, कि मैं एक ही समय 'हाँ, हाँ' और फिर 'नहीं, नहीं' कहूँ? परमेश्वर मेरी गवाही है, कि हमारी बात तुमसे कभी एक ही समय 'हाँ' और फिर 'नहीं' नहीं रही। क्योंकि परमेश्वर का पुत्र, यीशु मसीह, जिससे हम ने तुम्हारे बीच में प्रचार किया—मैं, सलिवानुस और तीमुथियुस—वह 'हाँ' और 'नहीं' नहीं था; परन्तु उसमें 'आमेन' था – क्योंकि उसमें परमेश्वर के सब वचन 'आमेन' हैं, और उसमें 'आमेन' – हमारे द्वारा परमेश्वर की महिमा के लिए।

2 कोरन्थियों 1:12-20
दसवें सप्ताह का शुक्रवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, पद 170 से आरंभ

भाइयो, परमेश्वर ही वह है जिसने हमें मसीह में तुम्हारे साथ दृढ़ किया है और हमें अभिषिक्त किया है, जिसने हमें मुहर भी लगाई है और हमारे हृदयों में आत्मा को एक गारंटी के रूप में दिया है। मैं परमेश्वर को अपनी आत्मा का साक्षी ठहराता हूँ कि मैं आपके लहिाज से अब तक कोरन्थ नहीं आया; यह इसलिए नहीं कि हम आपके विश्वास पर प्रभुत्व जमाना चाहते हैं, बल्कि आपके आनन्द में सहभागी होने के लिए, क्योंकि आप विश्वास में दृढ़ बने हुए हैं। इसलिये मैंने मन में ठान लिया कि मैं दुःख लेकर फिर कभी आपके पास न आऊँ। क्योंकि अगर मैं तुम्हें दुःखी करूँ, तो मुझे कौन प्रसन्न करेगा, सिवाय उस व्यक्ति के जिसने मैंने दुःखी किया है? मैंने तुम्हें यही बात इसलिए लिखी, ताकि जब मैं आऊँ तो उन लोगों से मुझे दुःख न हो जिन पर मुझे आनन्दित होना चाहिए; क्योंकि मुझे तुम सब पर यह भरोसा है कि मेरी प्रसन्नता ही तुम सब की प्रसन्नता है। मैंने बहुत संकट और भारी मन से आपको आँसुओं के साथ लिखा, यह आपको दुःखी करने के लिए नहीं, बल्कि यह दिखाने के लिए कि मुझे आपसे कतिना अधिक प्रेम है।

2 कोरन्थियों 1:21-2:4
सप्ताह 14

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 171

भाइयो, मेरी खुशी भी आपकी खुशी है। मैंने आपको बहुत आँसुओं के साथ लिखा था, यह बड़े दुःख और भारी मन से था, आपको दुःखी करने के लिए नहीं, बल्कि ताकि आप जान सकें कि मैं आप सभी के लिए भरपूर प्रेम रखता हूँ। यदि किसी ने दुःख पहुँचाया है, तो उसने केवल मुझे ही नहीं दुःखी किया, बल्कि सरल शब्दों में कहूँ तो—आप सभी को भी। कई लोगों द्वारा यह दंड उसके लिए पर्याप्त है; इसलिए आपके लिए बेहतर है कि आप उसे क्षमा करें और सांतवना दें, ताकि वह अत्यधिक दुःख से अभिभूत न हो जाए। इसलिए मैं तुम्हें आग्रह करता हूँ कि तुम उस पर प्रेम दिखाओ। क्योंकि मैं तुम्हें इसी लिए लिखता था, यह परखने के लिए कि तुम सब बातों में आज्ञाकारी हो या नहीं। और जिससे तुम क्षमा करते हो, उसे मैं भी क्षमा करता हूँ; क्योंकि यदि मैंने किसी को किसी बात के लिए क्षमा किया है, तो मैंने यह मसीह के नाम पर तुम्हारे ही लिए किया है, ताकि शैतान हम पर हावी न हो जाए; क्योंकि हम उसकी युक्तियों से अनभिज्ञ नहीं हैं। जब मैं मसीह का सुसमाचार प्रचार करने के लिए त्रोआस आया, तो यद्यपि प्रभु ने मेरे लिए द्वार बंद कर दिया था, मुझे मन की शांति नहीं मिली क्योंकि मुझे वहाँ अपना भाई तीतुस नहीं मिला; परन्तु उनसे विदा लेकर मैं मकादोनिया चला गया। परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमें मसीह में सदा जय प्राप्त करने की सामर्थ्य देता है, और जो हमारे द्वारा हर जगह अपनी पहचान की सुगंध फैलाता है। क्योंकि हम परमेश्वर के लिए मसीह की सुगंध हैं।

2 कोरन्थियों 2:3ख-15क
11वें सप्ताह का सोमवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, पद 172 से आरम्भ

भाइयो, परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमें हमेशा मसीह में जय पाने की सामर्थ्य देता है और हमारे द्वारा हर जगह अपने ज्ञान की सुगंध फैलाता है। क्योंकि हम उद्धार पाने वालों के बीच और नाश होने वालों के बीच परमेश्वर के लिए मसीह की सुगंध हैं: एक के लिए मृत्यु की, दूसरे के लिए जीवन की। और इन बातों के योग्य कौन है? क्योंकि हम बहुतों की नाई परमेश्वर के वचन को नहीं बगिड़ते, परन्तु खराई से, और परमेश्वर की ओर से, और परमेश्वर के साम्हने मसीह में प्रचार करते हैं। क्या हमें फिर से अपनी मौजूदगी का प्रमाण तुमको देना चाहिए? क्या हमें, कुछ लोगों की नाई, तुमको सफ़ारशी पत्रों की, या तुम से सफ़ारशी पत्रों की, आवश्यकता है? तुम ही हमारी चिट्ठी हो, जो हमारे हृदयों पर लिखी है, और जिससे सब मनुष्य जानते और पढ़ते हैं; तुम अपने चालचलन से यह दिखाते हो कि तुम मसीह की चिट्ठी हो, जो स्याही से नहीं, बल्कि जीवते परमेश्वर के आत्मा से लिखी गई है, और पत्थर की पट्टियों पर नहीं, बल्कि मनुष्य के हृदयों की पट्टियों पर लिखी गई है।

2 कोरन्थियों 2:14-3:3
11वें सप्ताह का मंगलवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 173

भाइयो, मसीह के द्वारा हमें परमेश्वर में ऐसा भरोसा है, कि हम अपने आप से कुछ करने के योग्य नहीं, पर हमारी योग्यता परमेश्वर से आती है। उसने हमें नए नियम के सेवक होने के योग्य बनाया है, अक्षरों के नहीं, पर आत्मा के; क्योंकि अक्षर तो मार डालता है, पर आत्मा जलाता है। यदि फिर, पत्थर पर उकेरी गई घातक व्यवस्था की सेवा इतनी महिमामय थी कि इस्राएल के पुत्र मूसा के चेहरे की कषणिक महिमा के कारण उसके चेहरे को नहीं देख सकते थे, तो आत्मा की सेवा कतिनी अधिक महिमामय होनी चाहिए? क्योंकि यदि देण्ड की सेवा भी महिमामय है, तो धार्मिकता की सेवा तो और भी अधिक महिमामय है। जो बात कभी महिमामय थी, वह अब आने वाली अतशिय महिमा के कारण अब महिमामय भी नहीं मानी जाती। क्योंकि यदि जो नष्ट हो रहा है वह भी महिमामय है, तो जो स्थिर है वह कतिना अधिक महिमामय होगा।

2 कोरन्थियों 3:4-11
11वें सप्ताह का बुधवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 174

भाइयो, ऐसी आशा होने के कारण हम बड़ी नरिभीकता से काम करते हैं, और मूसा की तरह नहीं, जिसने अपने मुंह पर परदा डाल लिया था, ताकि इस्राएल के पुत्र उस नष्ट होने वाली वस्तु के अंत को न देखें। परन्तु उनके मन अंधा कर दिए गए हैं: क्योंकि आज भी जब पुराना नियम पढ़ा जाता है, तो वही परदा उठाया नहीं जाता, क्योंकि वह मसीह द्वारा हटाया जाता है। आज भी, जब वे मूसा को पढ़ते हैं, तो परदा उनके हृदयों पर पड़ा रहता है; परन्तु जब वे प्रभु की ओर फरिते हैं, तब वह परदा हट जाता है। प्रभु आत्मा है; और जहाँ प्रभु का आत्मा है, वहाँ स्वतंत्रता है। पर हम सब, खुलए हुए मुँह से, आईने के समान प्रभु की महिमा को नहिरते हुए, उसी महिमा के अनुसार एक रूप से दूसरे रूप में रूपांतरित हो रहे हैं, जैसा कि प्रभु आत्मा के द्वारा होता है।

2 कोरन्थियों 3:12-18
21वें सप्ताह का शनिवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 175

भाइयो और बहनो, परमेश्वर की कृपा से हमें ऐसी सेवा मिली है, इसलिये हम हमिमत नहीं हारते; परन्तु हम गुप्त और लज्जाजनक कामों को त्यागकर, चालाकी करने या परमेश्वर के वचन को तोड़-मरोड़ने के बनिा, बल्कसित्य को स्पष्ट रूप से प्रकट करके, परमेश्वर के सामने हर मनुष्य के वविक के सामने अपना पक्ष रखते हैं। यदि हमारी सुसमाचार ढँकी हुई है, तो वह उन लोगों के लिए ढँकी हुई है जो नाश हो रहे हैं, अर्थात् अवशिवासियों के लिए, जिनके मन इस युग के देवता ने अंधे कर दिए हैं, ताकि मसीह की महिमा की

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र

सुसमाचार की रोशनी उन पर न चमके, जो अदृश्य परमेश्वर का स्वरूप है। क्योंकि हम अपना प्रचार नहीं करते, परन्तु मसीह यीशु का प्रभुत्व प्रचार करते हैं; और यीशु के कारण हम तुम्हारे सेवक हैं। क्योंकि परमेश्वर, जिसने अंधकार में से ज्योत्स्निका करने की आज्ञा दी, वही हमारे हृदयों में चमका है, ताकि हमें यीशु मसीह के मुख में परमेश्वर की महिमा का ज्ञान प्रकाशित हो।

2 कोरिन्थियों 4:1-6
11वें सप्ताह का गुरुवार

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 176

भाइयो और बहनो, परमेश्वर, जिसने अंधेरे से ज्योत्स्निका आज्ञा दिया, उसने मसीह यीशु के मुख में परमेश्वर की महिमा के ज्ञान का प्रकाश हमें देने के लिए हमारे हृदयों में चमका है। परन्तु हम इस धन को मट्टी के बरतन में उठाए फरिते हैं, ताकि यह अतथित्य सामर्थ्य परमेश्वर की ओर से हो, और हम से न हो। हम हर ओर से दबाव में हैं, पर कुचले नहीं गए; हम कठिन परिस्थितियों में हैं, पर नरिण नहीं; हम सताए जाते हैं, पर परित्यक्त नहीं; हम गरि दिए जाते हैं, पर नष्ट नहीं हुए। हम हर समय यीशु की मृत्यु को अपने शरीर में लिए फरिते हैं, ताकि यीशु का जीवन भी हमारे शरीर में प्रगट हो। क्योंकि हम जो जीवित हैं, वे यीशु के कारण नरिन्तर मृत्यु के हवाले किए जाते हैं, ताकि यीशु का जीवन भी हमारे नश्वर शरीर में प्रगट हो; इसलिये मृत्यु हमारे में और जीवन तुम में काम करती है। परन्तु उसी विश्वास के भाव को धारण करते हुए, जैसा लिखा है: 'मैंने विश्वास किया, और इसलिये मैंने कहा'; और हम विश्वास करते हैं, और इसलिये हम कहते हैं, यह जानते हुए कि जिसने प्रभु यीशु को जलाया, वह यीशु के द्वारा हमें भी जलाएगा और तुम्हें अपने साथ उसकी उपस्थिति में पेश करेगा। क्योंकि ये सब बातें तुम्हारे ही लिये हैं, ताकि अनुग्रह की अधिकता, बहुतेरों के द्वारा, परमेश्वर की महिमा के लिये और भी अधिक धन्यवाद उत्पन्न करे।

2 कोरिन्थियों 4:6-15
सप्ताह 15।
आदरणीय

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 177

भाइयो, उसी विश्वास की आत्मा के साथ, जैसा लिखा है: 'मैंने विश्वास किया, और इसलिये मैंने प्रचार किया'; और हम विश्वास करते हैं, और इसलिये हम प्रचार करते हैं, यह जानते हुए कि जिसने प्रभु यीशु को मरे हुए में से जलाया, वह यीशु के द्वारा हमें भी जला उठाएगा और तुम्हारे साथ हमें अपने साम्हने उपस्थिति कराएगा। क्योंकि यह सब तुम्हारे ही लिये है, ताकि बहुतों के द्वारा अनुग्रह की भरमार होकर धन्यवाद भी बहुत हो और परमेश्वर की महिमा हो। इसलिये हम हयिाव नहीं छोड़ते; परन्तु यद्यपि हमारा बाहरी मनुष्यत्व क्षीण हो जाता है, तौभी हमारा भीतरी मनुष्यत्व दनि-दनि नया होता जाता है। क्योंकि हमारी हल्की और क्षणिक क्लेश हमारे लिये अनंत महिमा उत्पन्न कर रही है, जो नाप से परे है; और हम उन बातों को नहीं, जो दृष्टगोचर हैं, अपितु उन बातों को देखते हैं जो अदृश्य हैं; क्योंकि जो दृष्टगोचर हैं वे क्षणिक हैं, परन्तु जो अदृश्य हैं वे अनन्त हैं।

2 कोरिन्थियों 4:13-18
11वें सप्ताह का शुक्रवार

2 कोरिन्थियों, पद 178

भाइयो और बहनो, हम जानते हैं कि जब हमारा पृथ्वी का घर, यह तम्बू, गरि दिया जाता है, तो हमारे पास स्वर्ग में परमेश्वर की ओर से एक निवास है, एक ऐसा घर जो मनुष्यों के हाथों से नहीं बना, अनन्तकालीन। इसीलिए हम कराहते हैं, और अपनी स्वर्गीय आवास-पोशाक पहनने की लालसा करते हैं, ताकि जब हम उसे पहन लें, तो नंगे न पाए जाएँ। क्योंकि जब तक हम इस तम्बू में हैं, हम बोझ से कराहते हैं, क्योंकि हम इसे उतारना नहीं चाहते, बल्कि इसे पहनना चाहते हैं, ताकि जो नश्वर है वह जीवन में नगिल लिया जाए। इसी उद्देश्य के लिए परमेश्वर ने हमें बनाया और हमें एक गारंटी के रूप में आत्मा दी है। इसलिये, हम हमेशा प्रसन्न रहते हैं; और चूँकि हम जानते हैं कि जब हम शरीर में रहते हैं तो हम प्रभु से दूर होते हैं—क्योंकि हम

कोरन्थियों को दूसरी पत्र

दृष्टिसे नहीं, बल्कि विश्वास से चलते हैं—हम प्रसन्न रहते हैं और शरीर से दूर होकर प्रभु के साथ घर पर रहना ही पसंद करेंगे। और इसलिये हम हर संभव प्रयास करते हैं, चाहे हम शरीर में रहें या उससे अलग हो जाएँ, कि उसे प्रसन्न करें; क्योंकि हम सभी को मसीह की न्याय-सहिासन के सामने उपस्थिति होना है।

2 कोरन्थियों 5:1-10A
22वें सप्ताह का शनिवार।
नधिनप्राप्त आत्माओं की स्मृति में (बुधवार)

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 179

भाइयो, हम सब मसीह के न्याय-सहिासन के सामने उपस्थिति होंगे, ताकि प्रत्येक को शरीर में रहते हुए किए गए कर्मों के अनुसार, चाहे भले हों या बुरे, उसका फल मिले। इसलिये, प्रभु का भय मानते हुए, हम मनुष्यों को समझाते हैं; परन्तु हम परमेश्वर के सामने खुलें हैं; और मुझे आशा है कि हम तुम्हारे अंतःकरण के भी खुलें हैं। हम फिर से अपनी बड़ाई नहीं कर रहे हैं, परन्तु तुम्हें हमारे विषय में घमण्ड करने का एक कारण दे रहे हैं, ताकि तुम उन लोगों को उत्तर दे सको जो दिखावे में घमण्ड करते हैं, न कि हृदय में। क्योंकि यदि हम बेसुध हैं, तो परमेश्वर के लिये; यदि हम होश में हैं, तो तुम्हारे लिये। क्योंकि मसीह का प्रेम हमें विवश करता है, क्योंकि हम इस नषिकर्ष पर पहुँचे हैं कि यदि एक के लिये सब मरे, तो सब मर गए। और मसीह ने सब के लिये प्राण दिए, ताकि जो जीवति हैं, वे अब अपने लिये नहीं, बल्कि उनके लिये जीएं, जिनके लिये मसीह मरा और फिर जी उठा।

2 कोरन्थियों 5:10-15
12वें सप्ताह का सोमवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 180

भाइयो और बहनो, मसीह सब के लिये मरा, ताकि जो जीवति हैं, वे अब अपने लिये न जीएं, बल्कि उसके लिये जीएं जो उनके लिये मरा और फिर जीवति किया गया। इसलिये, अब से हम किसी को शरीर के अनुसार नहीं जानते; यद्यपि हम ने पहली मसीह को शरीर के अनुसार जाना था, पर अब हम ऐसा नहीं जानते। इसलिये, यदि कोई मसीह में है, तो वह एक नई सृष्टि है; पुराना बीत गया, देखो, सब कुछ नया हो गया है। यह सब परमेश्वर की ओर से है, जिसने यीशु मसीह के द्वारा हम से मेल किया और हमें मेल की सेवा दी; क्योंकि परमेश्वर मसीह में था, संसार को अपने आप से मेल करता था, उनके पापों का दोष न लगाता था, और उसने हमें मेल का वचन सौंपा है। इसलिये हम मसीह के राजदूत हैं, मानो परमेश्वर हमसे नविदन कर रहा हो; हम मसीह की ओर से वनिती करते हैं: परमेश्वर से मेल करो। क्योंकि उस ने जैसी पाप का ज्ञान न था, हमारे लिये पाप करारुण, ताकि हम उसी में परमेश्वर की धार्मिकता बन सकें।

2 कोरन्थियों 5:15-21
12वें सप्ताह का मंगलवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 181

भाइयो और बहनो, मसीह के सहकर्मियों के नाते, हम तुम से वनिती करते हैं कि परमेश्वर की कृपा व्यर्थ न ग्रहण करो। क्योंकि यह कहा गया है: 'स्वीकार्य समय में मैंने तुम्हारी सुनी, और उद्धार के दिन मैंने तुम्हारी सहायता की।' देखो, अब स्वीकार्य समय है; देखो, अब उद्धार का दिन है। हम किसी को भी किसी भी बात में ठोकर खाने का कोई कारण नहीं देते, ताकि हमारी सेवा बदनाम न हो; पर हर बात में हम स्वयं को परमेश्वर के सेवक दिखाते हैं: बड़ी सहनशीलता में, कष्टों में, आवश्यकताओं में, तंगियों में, प्रहारों में, कैदखानों में, निवास में, परिश्रम में, जागते हुए रातों में, उपवास में, पवित्रता में, विविक में, उदारता में, दयालुता में, पवित्र आत्मा में, सच्चे प्रेम में, सत्य के वचन में, परमेश्वर की सामर्थ्य में, दाहिनी और बाएँ हाथ में धार्मिकता के हथियारों के साथ, सम्मान और अपमान में, निन्दा और प्रशंसा में: हमें धोखेबाज़ समझा जाता है, फिर भी हम सच्चे हैं; हम अज्ञात हैं, फिर भी पहचाने जाते हैं; हमें मृत समझा जाता है, फिर भी हम जीवति हैं; हमें दंडित किया जाता है, फिर भी हम नहीं मरते; हम उदास होते हैं, फिर भी हम हमेशा आनंदित रहते हैं; हम गरीब हैं, फिर भी हम बहुतों को धनी बनाते हैं; हमारे पास कुछ भी नहीं है, फिर भी हमारे पास सब कुछ है।

कोरन्थियों को दूसरी पत्री, आरंभ 182A

भाइयो, कोरन्थियों, हमारा मुँह तुम्हारे लिए खुला है; हमारा हृदय खुला हुआ है। तुम हम में बँधे नहीं हो; तुम्हारे अपने हृदय बँधे हुए हैं। बदले में, मैं तुम से बच्चों के समान कहता हूँ, तुम भी अपने हृदयों को खोलो। अवशिवासियों के साथ जुआ नहीं जोड़ी; क्योंकि धार्मिकता का अधर्म से क्या मेल? या ज्योतिका अंधकार से क्या सहभाग? मसीह का बेलयिल से क्या समझौता? या वशिवासी का अवशिवासी के साथ क्या हसिसा? परमेश्वर के मंदिर का मूरतों से क्या समझौता? क्योंकि तुम जीवते परमेश्वर का मंदिर हो, जैसा परमेश्वर ने कहा है।

2 कुरन्थियों 6:11-16क
12वें सप्ताह का बुधवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्री, आरंभ 182B

भाइयो, तुम जीवते परमेश्वर का मंदिर हो, जैसा परमेश्वर ने कहा है: 'मैं उन में वास करूँगा और उन के बीच में फरिँगा; मैं उनका परमेश्वर होऊँगा, और वे मेरी प्रजा होंगे।' इसलिये, उनके बीच से नकिल आओ और अलग हो जाओ, प्रभु कहते हैं, और किसी अशुद्ध वस्तु को न छूओ; और मैं तुम्हें ग्रहण करूँगा। 'और मैं तुम्हारा पति होऊँगा, और तुम मेरे पुत्र और पुत्रियाँ होओगे,' सर्वशक्तिमान यहोवा की यही वाणी है। अतः हे प्रिय, चूँकि हमें ऐसे वचन मिले हैं, आओ हम शरीर और आत्मा की हर अशुद्धता से स्वयं को शुद्ध करें, और परमेश्वर के भय में पवतिरता को परिपूर्ण करें।

2 कुरन्थियों 6:16ख-7:1
सप्ताह 17

कोरन्थियों को दूसरी पत्री, पद 183 से आरम्भ

भाइयो, हम देह और आत्मा की हर अशुद्धता से स्वयं को शुद्ध करें, और परमेश्वर के भय में पवतिरता को सिद्ध करें। हमारी सहनशीलता से काम लो। हमने किसी का अन्याय नहीं किया, किसी को हानि नहीं पहुँचाई, किसी से लाभ नहीं चाहा। मैं यह तुम्हें दोष देने के लिए नहीं कहता; क्योंकि मैं पहले कह चुका हूँ कि तुम हमारे हृदय में हो, ताकि हम साथ-साथ जीएँ और मरें। मुझे तुम से बड़ी आशा है, और मैं तुम पर बहुत घमण्ड करता हूँ; मैं अपनी सब कष्टों के बावजूद, सांत्वना से भरपूर और आनंद से लबालब हूँ। क्योंकि जब हम मैसेडोनिया पहुँचे, तो हमारे शरीर को कोई वशिराम नहीं मिला, बल्कि हम हर ओर से तंग थे: बाहर से आक्रमण, और भीतर से भय। परन्तु परमेश्वर, जो दीनों को सांत्वना देता है, ने हमें तीतुस के आने से सांत्वना दी; और न केवल उसके आने से, बल्कि उस सांत्वना से भी जो उसने स्वयं तुम से प्राप्त की, जब उसने हमें तुम्हारे उत्साह, तुम्हारे आँसुओं, और मुझसे मिलने की तुम्हारी लालसा के विषय में बताया, जिससे मैं और भी अधिक आनन्दित हुआ। इसलिये, यदि मैंने अपने पत्र से आपको दुख पहुँचाया है, तो मुझे उस पर पछतावा नहीं है, यद्यपि उस समय मुझे पछतावा हुआ था; क्योंकि मैं देखता हूँ कि पत्र ने आपको दुख पहुँचाया था, यद्यपि केवल कुछ समय के लिए। अब मैं इस बात पर आनन्दित हूँ कि तुम दुखी हुए, परन्तु इसलिये नहीं कि तुम्हारा दुख तुम्हें पश्चाताप तक ले गया; क्योंकि तुम परमेश्वर के लिये दुखी हुए, इसलिये तुमने हमसे किसी भी प्रकार की हानि नहीं उठाई। क्योंकि परमेश्वर के भय से होने वाला शोक उस पश्चाताप को उत्पन्न करता है जो उद्धार तक पहुँचाता है और जिसमें कोई खेद नहीं रहता।

2 कुरन्थियों 7:1B-10A
बारहवें सप्ताह का गुरुवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, पद 184 से आरंभ

भाइयो, परमेश्वर के भय से होने वाला शोक पश्चाताप को उत्पन्न करता है जो उद्धार तक पहुँचाता है, परन्तु सांसारिक शोक मृत्यु को उत्पन्न करता है। क्योंकि परमेश्वर के नमित्त तुम्हारा दुःखित होना— देखो, इसने तुम में कैसी उत्सुकता, कैसी आत्म-रक्षा, अपराधी के विरुद्ध कैसी क्रोध, कैसी चिंता, कैसी लालसा, कैसी उत्सुकता, और न्याय की कैसी इच्छा उत्पन्न की है! हर बात में तुम इस मामले में नरिदोष सिद्ध हुए हो। अब, अगर मैंने तुम्हें लिखा भी, तो अपराधी या जिस पर अन्याय हुआ, उसके कारण नहीं, बल्कि इसलिये लिखा कि हमारी तुम्हारे प्रति जो चिंता है, वह परमेश्वर के सामने तुम्हें स्पष्ट हो जाए। इसलिये हम तुम्हारी सांत्वना से स्वयं सांत्वना पाए; और हम तीतुस की प्रसन्नता से और भी अधिक हर्षित हैं, क्योंकि तुम सबने उसका मन प्रसन्न किया है। इस प्रकार मैं लज्जित नहीं हुआ, यदि मैंने किसी भी प्रकार से उसके पास तुम्हारा बखान किया हो; क्योंकि जैसे हमने तुमसे सारी सच्चाई कही, वैसे ही हमारी प्रशंसा भी तीतुस के सामने सच साबित हुई; और उसका मन तुम पर बहुत झुक गया है, जब वह तुम सबकी आज्ञाकारिता को याद करता है, कि तुमने उसे भय और कांपते हुए ग्रहण किया था। इसलिये मैं प्रसन्न हूँ कि मैं हर बात में आप पर भरोसा कर सकता हूँ।

2 कोरन्थियों 7:10-16
12वें सप्ताह का शुक्रवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 185

भाइयो, हम आपको मैसेडोनिया की कलीसियाओं पर हुए परमेश्वर के अनुग्रह के विषय में सूचित करते हैं; क्योंकि बिड़े-बड़े परीक्षणों और दुःखों के बीच, वे आनंद से परिपूर्ण हुए; और उनकी गहरी गरीबी उनकी उदारता के धन में परिपूर्ण हो गई। क्योंकि उन्होंने स्वेच्छा से दिया है, न केवल अपनी सामर्थ्य के अनुसार, बल्कि अपनी सामर्थ्य से भी अधिक – मैं इसकी गवाही देता हूँ; उन्होंने हमसे बहुत आग्रह किया कि हम उनका यह उपहार और पवित्र लोगों की सेवा के लिए उनका योगदान स्वीकार करें; और उन्होंने न केवल वैसा ही दिया जैसा हमने आशा की थी, बल्कि उन्होंने पहले प्रभु को और फिर परमेश्वर की इच्छा से हमें अपना जीवन अर्पित किया।

2 कोरन्थियों 8:1-5
23वें सप्ताह का शनिवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 186

भाइयो, जैसे तुम हर बात में—विश्वास में, वचन में, ज्ञान में, सब परश्रम में और हमसे अपनी प्रीति में—भरपूर हो, वैसे ही इस दान में भी भरपूर हो। मैं यह आज्ञा के रूप में नहीं कहता, बल्कि दूसरों के उत्साह से आपके प्रेम की खराई की परीक्षा के लिए कहता हूँ। क्योंकि आप हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा जानते हैं, कि वह धनी होते हुए भी आपके लिए गरीब हो गया, ताकि आप उसकी गरीबी से धनी हो जाएँ। मैं यह सलाह देता हूँ; क्योंकि यह आपके लाभ के लिए है, क्योंकि आपने न केवल ऐसा करने का काम शुरू कर दिया है, बल्कि पिछले साल से ऐसा करने के लिए उत्सुक भी रहे हैं। अब, अतः स्वयं कार्य को पूरा करें, ताकि जो आपने उत्सुकता से चाहा है वह आपके साधनों के अनुपात में पूरा हो सके। क्योंकि यदि इच्छा हो, तो वह किसी के पास जो कुछ है, उसके अनुपात में स्वीकार की जाती है, और न कि उस कमी के अनुपात में जो किसी के पास है। इसका उद्देश्य यह नहीं है कि दूसरों को राहत मिले और आप बोझ के नीचे दबें रहें, बल्कि यह है कि सिमानता हो। अभी, आपकी प्रचुरता उनकी कमी को पूरा कर रही है; और बाद में, उनकी प्रचुरता आपकी कमी को पूरा करेगी, ताकि सिमानता हो सके, जैसा कलिखा है: 'जिसने बहुत इकट्ठा किया, उसे कुछ अधिक नहीं मिला, और जिसने थोड़ा इकट्ठा किया, उसे कोई कमी न हुई।'

2 कोरन्थियों 8:7-15
13वें सप्ताह का सोमवार

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 187

भाइयो, परमेश्वर का धन्यवाद हो, जिसने तीतुस के हृदय में तुम लोगों के लिए ऐसा उत्साह डाला है। क्योंकि यदि यही मैंने उससे कहा था, परन्तु वह, जो बहुत उत्साही है, अपनी इच्छा से तुम लोगों के पास गया। हमने उसके साथ एक भाई को भी भेजा है जो अपनी प्रचार-सेवा के कारण सभी मंडलीयों में प्रशंसित है, और जिसने मंडलीयों ने इस दान-कार्य के लिए हमारे साथ भेजने के लिए चुना था, जो हम प्रभु की महिमा के लिए और अपनी उत्सुकता के अनुरूप कर रहे हैं, यह ध्यान रखते हुए कि हमारी सेवा में सौंपी गई भेंटों की प्रचुरता के कारण कोई भी हमें दोष न दे सके; क्योंकि हम यह प्रयास करते हैं कि हम न केवल प्रभु के सामने, बल्कि मनुष्यों के सामने भी सीधे रहें। हमने उनके साथ अपने उस भाई को भी भेजा है, जिसकी लगन को हमने कई बार और कई तरीकों से परखा है, और जो अब आप में अपने बड़े विश्वास के कारण और भी अधिक उत्साही है। जहाँ तक तीतुस की बात है, वह मेरा साथी और आप में मेरा सहकर्मी है; और जहाँ तक हमारे भाइयों की बात है, वे कलीसियाओं के दूत हैं, मसीह की महिमा हैं। इसलिए, मंडलीयों के सामने अपने प्रेम का प्रमाण दिखाओ और यह भी कि हमें तुम पर घमंड करने का उचित कारण है। हालाँकि, पवित्र लोगों के लिए चंदा इकट्ठा करने के विषय में तुम्हें लिखना मेरी ओर से अनावश्यक है, क्योंकि मैं तुम्हारे उत्साह को जानता हूँ और मकदूनियों के सामने घमंड करता हूँ कि अखाईया पछिले साल से ही तैयार है; और तुम्हारे उत्साह ने बहुतों को प्रोत्साहित किया है। तथापि, मैंने भाइयों को इसलिए भेजा है, ताकि इस मामले में मेरे तुम्हारे विषय में घमण्ड करना व्यर्थ न सिद्ध हो, बल्कि यह हो कि, जैसा मैंने कहा, तुम तैयार रहो; और यह भी कि जब मकदूनियाई मेरे साथ आएँ और तुम्हें तैयार न पाएँ, तो हम—न कि 'तुम'—उस घमण्ड के कारण लज्जित न हों, जो हमने इतने विश्वास के साथ किया था। इसलिए मैंने भाइयों से पहले ही आपके पास जाने और आवश्यक व्यवस्थाएँ पहले से करने का आग्रह करना आवश्यक समझा, ताकि जिस आशीष के विषय में आपको पहले ही बताया गया है, वह एक आशीष के रूप में तैयार हो, न कि एक बोझ के रूप में।

2 कोरिन्थियों 8:16-9:5
13वें सप्ताह का मंगलवार

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 188

भाइयो और बहनो, जो उदारता से बोता है, वह उदारता से भी काटेगा, और जो कृपणता से बोता है, वह कृपणता से भी काटेगा। तुम में से हर एक उस रीति से दे, जैसा उसने मन में ठान लिया है, न कि उदासीनता से या विविधता से; क्योंकि परमेश्वर प्रसन्न मन से देने वाले से प्रेम करता है। परमेश्वर हर अनुग्रह में तुम्हें समृद्ध कर सकते हैं, ताकि हर समय और हर मामले में तुम्हारे पास सब कुछ पर्याप्त हो, और तुम हर अच्छे काम में बढ़ो, जैसा लिखा है: 'उसने बखिर दिया, उसने गरीबों को दिया; उसकी धार्मिकता हमेशा बनी रहती है।' जो बोनेवाले को बीज और खाने के लिए अनाज देता है, वह तुम्हारे धर्म के फल को भी प्रदान करेगा और बढ़ाएगा, ताकि तुम हर तरह से हर प्रकार की उदारता में समृद्ध हो जाओ, जो हमारे द्वारा परमेश्वर की धन्यवाद-अर्पण कराती है।

2 कोरिन्थियों 9:6-11
सप्ताह 18

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 189

भाइयो, यह सेवा न केवल पवित्र लोगों की जरूरतों को पूरा करती है, बल्कि बहुतों में परमेश्वर के प्रति प्रचुर धन्यवाद भी उत्पन्न करती है; क्योंकि इस सेवा के कार्य को देखकर वे मसीह के सुसमाचार के प्रति आपकी जो आज्ञाकारिता आप प्रगट करते हैं, और उनके और सब के साथ आपकी जो सच्ची सहभागिता है, उसके कारण वे परमेश्वर की महिमा करते हैं, और आपके लिए प्रार्थना करते हैं, क्योंकि उन्हें आपसे प्रेम है और परमेश्वर की कृपा आप में बहुतायत से है। परमेश्वर का धन्यवाद हो उसकी उस अकथनीय देन के लिए! जहाँ तक मेरी, पौलुस की बात है—जो तुम्हारे बीच में तो नम्र, परन्तु दूर से तुम्हारे लिए साहसी हूँ—मैं तुम्हें मसीह के सौम्य भाव और दीनता से आग्रह करता हूँ। मैं यह प्रार्थना करता हूँ कि जब मैं आऊँ, तो मुझे उस दृढ़ साहस का सहारा न लेना पड़े, जिसका मैं उन कुछ लोगों के विरुद्ध प्रयोग करने का इरादा रखता हूँ

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र

जो हमें देह के अनुसार काम करने वाला समझते हैं। क्योंकि यदि पहिले देह में चलते हैं, परन्तु हम देह के अनुसार युद्ध नहीं करते। हमारी लड़ाई के हथियार देह के नहीं, बल्कि परमेश्वर के द्वारा कलियों को ढाँटने के लिए शक्तिशाली हैं; जिनके द्वारा हम ज्ञान के वरिष्ठ में उठाई गई हर एक ऊँची चीज़ को ध्वस्त करते हैं, और हर एक विचार को मसीह की आज्ञा मानने के लिए बंदी बनाते हैं, और जब आपकी आज्ञाकारिता पूरी हो जाएगी, तो हम हर एक अवज्ञा के काम को दंडित करने के लिए तैयार हैं। क्या आप व्यक्तियों को देखते हैं? जो कोई यह निश्चय करता है कि वह मसीह का है, वह अपने मन में यह निर्णय करे कि जैसे वह मसीह का है, वैसे ही हम भी मसीह के हैं।

2 कोरिन्थियों 9:12-10:7
13वें सप्ताह का बुधवार

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 190

भाइयो, जो कोई यह विश्वास करता है कि वह मसीह का है, वह स्वयं यह निर्णय करे कि जैसे वह मसीह का है, वैसे ही हम भी हैं। क्योंकि यदि मैं प्रभु ने हमें जो अधिकार दिया है, उसके विषय में और भी अधिक घमंड करूँ—तुम्हारे निर्माण के लिए, न कि तुम्हारे विनाश के लिए—तो मुझे लज्जित नहीं किया जाएगा। हालाँकि, ऐसा न लगे कि मैं केवल अपने पत्रों के द्वारा ही आपको डरा रहा हूँ। क्योंकि कुछ लोग कहते हैं, 'अपने पत्रों में तो वह कठोर और प्रभावशाली है, परन्तु जब सामने होता है तो कमजोर है, और उसकी बातें तुच्छ हैं'—ऐसे लोगों को यह जान लेना चाहिए कि जैसे हम अपने पत्रों में अनुपस्थिति में हैं, वैसे ही हम व्यक्तिगत रूप से भी हैं। क्योंकि हम उन लोगों के साथ स्वयं की तुलना करने या स्वयं को उनके बराबर रखने का साहस नहीं करते जो अपनी बड़ाई करते हैं: वे मूर्खतापूर्ण ढंग से स्वयं को स्वयं से नापते हैं और स्वयं की तुलना स्वयं से करते हैं। लेकिन हम हृदय से ज्यादा घमंड नहीं करेंगे, बल्कि केवल उसी दायरे के भीतर घमंड करेंगे जो परमेश्वर ने हमें सौंपा है, ताकि हम आप तक भी पहुँच सकें। क्योंकि हम यह दिखावा नहीं करते कि हम आप तक नहीं पहुँचे हैं, क्योंकि हम वास्तव में मसीह के सुसमाचार के साथ आप तक पहुँचे हैं। हम अकारण घमंड नहीं करते, और न ही हम दूसरों के परिश्रम पर निर्भर करते हैं; परन्तु हम आशा करते हैं कि जैसे-जैसे आपकी आस्था बढ़ेगी, वैसे-वैसे हम भी आपके बीच अपना काम और बढ़ाएंगे, ताकि हम आपके पास सुसमाचार का प्रचार करते रहें, न कि किसी और के क्षेत्र में पहले से हो चुके कामों का घमंड करें। जो घमंड करता है, वह प्रभु में घमंड करे। क्योंकि जो स्वयं की प्रशंसा करता है, वह स्वीकार्य नहीं है, बल्कि वह जैसी प्रभु प्रशंसा करते हैं।

2 कोरिन्थियों 10:7-18
13वें सप्ताह का गुरुवार

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 191

भाइयो, काश तुम मेरी मूर्खता को थोड़ा और सहन करते! परन्तु तुम मेरी सहनशीलता दिखा रहे हो। क्योंकि मैं परमेश्वर की जलन से तुम पर जलन करता हूँ; क्योंकि मैंने तुम्हें एक ही पत्र के लिए मंगनी कर दी है, कि तुम्हें मसीह के सामने एक पवित्र कुंवारी के रूप में पेश करूँ। परन्तु मुझे डर है, कि जैसे साँप ने अपनी चालाकी से हवा को धोखा दिया, वैसे ही कहीं तुम्हारा मन मसीह में जो सादगी है, उससे भटक न जाए। क्योंकि यदि कोई आकर उस यीशु के सवि कोई और यीशु प्रचार करे, जैसी हम ने प्रचार किया है, या तुम उस आत्मा के सवि कोई और आत्मा ग्रहण करो, जैसी तुम ने ग्रहण किया है, या उस सुसमाचार के सवि कोई और सुसमाचार, जैसी तुम ने स्वीकार किया है, तो तुम ऐसे मनुष्य के प्रति बहुत सहिष्णु होते। परन्तु मुझे ऐसा जान पड़ता है कि मैं किसी भी रीति से उन बड़े प्रेरितों से कम नहीं हूँ; चाहे मैं वाकपटुता में कम ही क्यों न हूँ, परन्तु ज्ञान में कदापि कम नहीं हूँ। और हम हर एक बात में तुम्हारे लिये परिचित हैं।

2 कोरिन्थियों 11:1-6
24वें सप्ताह का शनिवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्री, आरंभ 192

भाइयो, मुझे लगता है कि मैं किसी भी तरह से प्रमुख प्रेरितों से कम नहीं हूँ: यद्यपि मैं वाक्पटुता में अकुशल हूँ, परन्तु ज्ञान में नहीं। इसके अलावा, हम हर तरह से तुम्हें परिचित हैं। क्या मैंने यह करके पाप किया है कि मैं स्वयं को नीचा करके तुम्हें ऊँचा उठाऊँ, क्योंकि मैंने तुम्हें नःशुल्क परमेश्वर का सुसमाचार प्रचार किया? मैंने अन्य कलीसियाओं पर भार डाला है, और उनसे सहायता प्राप्त की है ताकि मैं तुम्हारी सेवा करूँ; और जब मैं तुम्हारे साथ था, तब यद्यपि मुझे आवश्यकता थी, मैं किसी पर भार नहीं बना, क्योंकि मकदीनिया से आए भाइयों ने मेरी आवश्यकता पूरी की; और हर बात में मैंने यत्न किया है, और यत्न करता रहूँगा, कि तुम पर भार न बनूँ। मसीह की सच्चाई में मैं यह घोषित करता हूँ कि अखाया के प्रदेशों में यह प्रशंसा मुझसे नहीं छीनी जाएगी। तो फिर मैं ऐसा क्यों करता हूँ? क्या इसलिए कि मैं तुमसे प्रेम नहीं करता? परमेश्वर जाने! परन्तु जैसा मैंने किया है, वैसा ही मैं करता रहूँगा, ताकि बिहाना ढूँढ़ने वालों को कोई अवसर न मिल जाए, कि वे जनि बातों पर घमण्ड करते हैं, उनमें हमारे समान ही साबित हों। क्योंकि ऐसे लोग झूठे प्रेरित, धोखेबाज काम करने वाले हैं, जो स्वयं को मसीह के प्रेरितों का रूप देते हैं। और इसमें कोई आश्चर्य नहीं: क्योंकि शैतान भी स्वयं को प्रकाश के स्वर्गदूत के रूप में दिखाता है; इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है कि उसके सेवक भी धार्मिकता के सेवकों का रूप धारण करें; परन्तु उनका अंत उनके कामों के अनुसार होगा। मैं यह भी कहूँगा: कोई मुझे मूर्ख न समझे; परन्तु यदि नहीं, तो मुझे एक मूर्ख ही मान लो, ताकि मैं भी थोड़ी डींगें मार सकूँ। जो मैं कहने वाला हूँ, वह मैं प्रभु में नहीं कहूँगा, बल्कि इस डींगें मारने की हमिमत के बीच, मानो मूर्खता में कहूँगा। जैसे कई लोग शरीर के वषिय में घमंड करते हैं, वैसे ही मैं भी करूँगा। क्योंकि तुम जो बुद्धिमान हो, तुम मूर्खों को सहज ही सह लेते हो: तुम इस बात को सह लेते हो जब कोई तुम्हें दास बनाता है, जब कोई तुम्हारा शोषण करता है, जब कोई तुम्हें लूटता है, जब कोई अपने आप को बड़ा दिखाता है, जब कोई तुम्हारे मुंह पर थप्पड़ मारता है। मुझे लज्जित होकर कहना पड़ता है कि हम यह करने की सामर्थ्य नहीं रखते थे।

2 कोरन्थियों 11:5-21क
13वें सप्ताह का शुक्रवार

कोरन्थियों को दूसरी पत्री, आरंभ 193

भाइयो, यदि कोई किसी बात पर घमंड करने की हमिमत करता है, तो (मूर्खता से बोलते हुए) मैं भी घमंड करने की हमिमत करता हूँ। क्या वे यहूदी हैं? तो मैं भी हूँ। क्या वे इस्राएली हैं? तो मैं भी हूँ। क्या वे इब्राहीम की संतान हैं? तो मैं भी हूँ। क्या वे मसीह के सेवक हैं? (पागलपन में बोलते हुए:) मैं तो और भी अधिक हूँ। मैंने कहीं अधिक परिश्रम किया है, कहीं अधिक पुरहार झेले हैं, जेल में कहीं अधिक समय बिताया है, और कई बार मृत्यु का सामना किया है। यहूदियों से मैंने पाँच बार चालीस कोड़े कम एक की सजा भोगी; तीन बार डंडों से पीटा गया; एक बार पत्थर मारे गए; तीन बार जहाज दुर्घटनाग्रस्त हुआ; मैं रात-दिन समुद्र की गहराइयों में रहा; मैंने कई बार यात्राएँ की हैं, नदियों पर खतरों का सामना किया है, डाकुओं से खतरा, अपने ही लोगों से खतरा, अवशिवासियों से खतरा, शहर में खतरा, जंगल में खतरा, समुद्र में खतरा, झूठे भाइयों के बीच खतरा, मेहनत और थकान में, अक्सर जागते हुए, भूख और प्यास में, अक्सर उपवास में, ठंड और नग्नता में। इन बाहरी परीक्षाओं के अलावा, मैं प्रतिदिन लोगों की भीड़ और सभी कलीसियाओं की चिंता से घिरा रहता हूँ। यदि कोई कमजोर है, तो क्या मैं उनके साथ कमजोर नहीं होता? यदि कोई भटक जाता है, तो क्या मैं उनके लिए व्याकुल नहीं होता? यदि मुझे घमंड करना ही है, तो मैं अपनी दुर्बलताओं का ही घमंड करूँगा। परमेश्वर और हमारे प्रभु यीशु मसीह के पति, जो युगानुयुग धन्य हैं, जानते हैं कि मैं झूठ नहीं बोल रहा हूँ। दामास्कस में, राजा अरेतास का राज्यपाल मुझे गरिफ्तार करने के लिए दामास्कस नगर की रखवाली कर रहा था; और मुझे दीवार में एक खड़की से एक टोकरी में उतार दिया गया और मैं उसकी चपेट से बच निकला। मेरे लिए घमंड करना लाभदायक नहीं है, क्योंकि मैं प्रभु के दर्शनों और प्रकटवाक्यों पर आऊँगा। मैं मसीह में एक मनुष्य को जानता हूँ, जो चौदह वर्ष पहले (चाहे शरीर में, मैं नहीं जानता; या शरीर से बाहर, मैं नहीं जानता—परमेश्वर जानते हैं), तीसरे स्वर्ग में उठा लिया गया था। और मैं ऐसे एक मनुष्य को जानता हूँ (यद्यपि मैं नहीं

कोरिन्थियों को दूसरी पत्री

जानता कि वह शरीर में था या शरीर से बाहर—परमेश्वर जानते हैं) जो तीसरे स्वर्ग में उठा लिया गया था। और उसने ऐसे अतुल्य वचन सुने जो मनुष्य के कहने योग्य नहीं हैं। मैं ऐसे मनुष्य के वषिय में घमण्ड कर सकता हूँ; परन्तु अपने वषिय में घमण्ड नहीं करूँगा, केवल अपनी दुर्बलताओं को छोड़कर। परन्तु यदि मैं घमण्ड करना चाहूँ, तो मैं मूर्खता नहीं करूँगा, क्योंकि मैं सत्य कहूँगा; परन्तु मैं चुप रहता हूँ, कहीं ऐसा न हो कि कोई मुझे उस से अधिक समझने लगे जतिना वह मुझ में देखता है या मुझ से सुनता है। और इन प्रकाशनों की अतशिय महानता के कारण कहीं मैं घमण्ड नहीं हो जाऊँ, इसलिये मेरे शरीर में एक काँटा दिया गया, शैतान का एक दूत, जो मुझे सताता था, ताकि मैं घमण्ड नहीं हो जाऊँ। मैंने तीन बार प्रभु से वनिती की कि वह इसे मुझसे दूर कर दे। परन्तु प्रभु ने मुझसे कहा, 'मेरा अनुग्रह तेरे लिए पर्याप्त है, क्योंकि मेरी सामर्थ्य दुर्बलता में सिद्ध होती है।' इसलिये मैं अपनी दुर्बलताओं पर और भी प्रसन्नता से घमण्ड करूँगा, ताकि मसीह की सामर्थ्य मुझ पर बनी रहे।

2 कोरिन्थियों 11:21-12:9
29 जून, संत पतरस और पौलुस, प्रेरति

कोरिन्थियों को दूसरी पत्री, पाठ 194

भाइयो, परमेश्वर और हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता, जो युगानुयुग धन्य हैं, जानते हैं कि मैं झूठ नहीं बोलता। दमशिक में, राजा अरेतास का राज्यपाल मुझे गरिफ्तार करने के लिए दमशिक नगर की रखवाली कर रहा था; और मैं दीवार में एक खड़की से एक टोकरी में उतरकर उसके हाथों से बच निकला। मेरे लिए घमंड करना उचित नहीं है, क्योंकि मैं प्रभु के दर्शनों और प्रगटियों पर आऊँगा। मैं मसीह में एक मनुष्य को जानता हूँ जो चौदह वर्ष पहले (चाहे शरीर में, मैं नहीं जानता; चाहे शरीर से बाहर, मैं नहीं जानता—परमेश्वर जानते हैं), तीसरे स्वर्ग तक उठा लिया गया था। और मैं ऐसे एक मनुष्य को जानता हूँ (यद्यपि मैं नहीं जानता कि वह शरीर में था या शरीर से बाहर—परमेश्वर जानता है) कि वह स्वर्ग में उठा लिया गया और उसने ऐसे अकथनीय वचन सुने, जिनमें किसी मनुष्य के लिए कहना उचित नहीं है। मैं ऐसे मनुष्य के वषिय में घमण्ड कर सकता हूँ; परन्तु अपनी दुर्बलताओं को छोड़कर अपने वषिय में घमण्ड न करना ही मेरे लिए उचित है। परन्तु यदि मैं घमण्ड करना चाहूँ, तो मैं मूर्खता नहीं करूँगा, क्योंकि मैं सत्य कहूँगा; परन्तु मैं चुप रहता हूँ, कहीं ऐसा न हो कि कोई मुझे उस से अधिक महान समझे जतिना वह मुझ में देखता है या मुझ से सुनता है। और इन प्रकाशनों की अतशिय महानता के कारण कहीं मैं घमण्ड न करूँ, इसलिये मेरे शरीर में एक काँटा दिया गया, शैतान का एक दूत, जो मुझे सताता था, ताकि मैं घमण्ड न करूँ। मैंने तीन बार प्रभु से वनिती की कि वह इसे मुझसे दूर कर दे। परन्तु प्रभु ने मुझसे कहा, 'मेरा अनुग्रह तेरे लिए पर्याप्त है, क्योंकि मेरी शक्ति दुर्बलता में सिद्ध होती है।' इसलिये मैं अपनी दुर्बलताओं पर और भी प्रसन्नता से घमण्ड करूँगा, ताकि मसीह की शक्ति मुझ पर बनी रहे।

2 कोरिन्थियों 11:31-12:9
सप्ताह 19

कोरिन्थियों को दूसरी पत्री, आरंभ 195

भाइयो, मैं अपनी दुर्बलताओं, अपमानों, कठिनाइयों, उत्पीड़नों और मसीह के लिए अपनी संकटों में आनंदित होता हूँ; क्योंकि जब मैं दुर्बल होता हूँ, तब मैं सबल होता हूँ। मैं तो मूर्खतापूर्वक घमंड करने तक पहुँच गया हूँ; तुमने ही मुझे ऐसा करने के लिए विवश किया है। तुमने मेरी प्रशंसा करनी चाहिए थी, क्योंकि मैं प्रमुख प्रेरितों से किसी भी तरह से कम नहीं हूँ, यद्यपि मैं कुछ भी नहीं हूँ। एक प्रेरित के चनिह तुम्हारे बीच हर प्रकार के धैर्य, चनिहों, अद्भुत कार्यों और चमत्कारों में प्रकट हुए। अन्य कलीसियाओं की तुलना में तुम्हें किस बात की कमी है, सविद्य इसके कि मैं स्वयं तुम्हारे लिए बोझ नहीं बना? इस दोष के लिए मुझे क्षमा करें। देखो, मैं तीसरी बार तुम्हारे पास आने को तैयार हूँ, और मैं तुम्हारे लिए बोझ नहीं बनूँगा, क्योंकि मैं तुम्हारे हति नहीं, बल्कि तुम्हें ही चाहता हूँ। बच्चों को अपने माता-पिता के लिए धन इकट्ठा नहीं करना चाहिए, बल्कि माता-पिता को अपने बच्चों के लिए करना चाहिए। मैं अपनी ही संपत्ति खर्च करने और तुम्हारी आत्माओं के लिए स्वयं को थाकने को तैयार हूँ, यद्यपि मैं तुमसे अत्यधिक प्रेम करता हूँ, पर तुम मुझसे कम प्रेम करते

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र

हो। मान लो कि मैं स्वयं तुम्हारे लिए बोझ नहीं रहा, पर चालाकी से, धोखे से तुमसे लाभ उठाया। पर क्या मैंने तुम्हारे पास भेजे गए किसी भी व्यक्ति के द्वारा तुमसे कुछ प्राप्त किया? मैंने तीतुस को आग्रह किया और उसके साथ भाइयों में से एक को भेजा: क्या तीतुस ने आपसे कोई लाभ उठाया? क्या हमने उसी आत्मा में काम नहीं किया? क्या हमने उसी रीति से नहीं चला? क्या आप अब भी सोचते हैं कि हम केवल अपने आप को आपके सामने सही ठहरा रहे हैं? हम परमेश्वर के सामने, मसीह में बोलते हैं, और प्रिय, यह सब आपकी उन्नतिके लिए है।

2 कोरिन्थियों 12:10-19
14वें सप्ताह का सोमवार

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, पाठ 196

भाइयो, मुझे डर है कि जब मैं आऊँगा तो शायद मैं तुम्हें वैसा न पाऊँ जैसा मैं चाहता हूँ, और शायद तुम मुझे वैसा न पाओगे जैसा तुम चाहते हो; कि मुझे तुम्हारे बीच झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, कलह, बदनामी, नदि, घमंड और अव्यवस्था; कहीं ऐसा न हो कि जब मैं फरि आऊँ, तो मेरा परमेश्वर मुझे तुम्हारे सामने नम्र करे, और मुझे उन बहुतों के लिए शोक मनाना पड़े जिन्होंने पहले पाप किया है और जिनकी की हुई अशुद्धता, व्यभिचार और कामुकता के लिए उन्होंने पश्चाताप नहीं किया है। मैं तीसरी बार तुम लोगों के पास आ रहा हूँ। हर बात की गवाही दो या तीन गवाहों के बयान से पुष्ट की जाएगी। मैंने तुम्हें पहले ही चेतावनी दी है, और मैं फरि से चेतावनी देता हूँ, मानो मैं दूसरी बार तुम्हारे साथ ही हूँ; और अब, जबकि मैं दूर हूँ, मैं उन लोगों को और बाकी सभी को लिख रहा हूँ, जिन्होंने पहले पाप किया है, ताकि जब मैं फरि आऊँ, तो मैं किसी पर भी कोमलता न दिखाऊँ।

2 कोरिन्थियों 12:20-13:2
14वें सप्ताह का मंगलवार

कोरिन्थियों को दूसरी पत्र, आरंभ 197

भाइयो, तुम यह प्रमाण चाहते हो कि क्या मसीह मुझ में बोलता है: वह तुम्हारे लिए शक्तिहीन नहीं, परन्तु तुम में सामर्थी है। क्योंकि यद्यपि वह नरिबलता में सलीब पर चढ़ाया गया, तौभी वह परमेश्वर की सामर्थ्य से जीवित है; और हम भी, यद्यपि उस में नरिबल हैं, परन्तु तुम में परमेश्वर की सामर्थ्य से उसके साथ जीवित रहेंगे। खुद परखो और जाँचो कि क्या तुम विश्वास में हो। क्या तुम्हें यह एहसास नहीं है कि यीशु मसीह तुम में हैं? बशर्ते कि तुम स्वयं वह न हो जो तुम्हें होना चाहिए। जहाँ तक हमारी बात है, मुझे आशा है कि तुम यह पहचानोगे कि हम वही हैं जो हमें होना चाहिए। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आप कोई बुराई न करें, इस लिए नहीं कि हम जो होने चाहिए वह देखें; बल्कि इस लिए कि आप वही करें जो सही है, भले ही हम जो होने चाहिए वह न देखें। क्योंकि हम सत्य के विरुद्ध नहीं, बल्कि सत्य के लिए प्रबल हैं। हम तब प्रसन्न होते हैं जब हम कमजोर होते हैं और आप मजबूत होते हैं; हम इसी के लिए प्रार्थना करते हैं—आपकी पूर्णता के लिए। इसीलिए मैं यह पत्र दूर से लिख रहा हूँ, ताकि जब मैं उपस्थित होऊँ तो मुझे उस अधिकार का प्रयोग न करना पड़े जो प्रभु ने मुझे गरिने के लिए नहीं, बल्कि बिनाने के लिए दिया है। वैसे भी, भाइयों और बहनों, आनंदित होओ, पूर्णता के लिए यत्न करो, एक मन होओ, और शान्ति में रहो – और प्रेम और शान्ति का परमेश्वर तुम्हारे साथ रहेगा। एक दूसरे को पवित्र चुम्बन से नमस्कार करो। सब पवित्र लोग तुम्हें नमस्कार भेजते हैं। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा, और परमेश्वर पति का प्रेम, और पवित्र आत्मा की सहभागिता तुम सब के साथ रहे। आमीन।

2 कोरिन्थियों 13:3-13
चौदहवें सप्ताह का बुधवार

गलातियों को पत्र

गलातियों का पत्र, आरंभ 198

पौलुस प्रेरति, जो मनुष्यों द्वारा या किसी भी मानवीय साधन से नहीं, बल्कि यीशु मसीह और परमेश्वर पति द्वारा चुना गया, जिन्होंने उन्हें मरे हुआँ में से जलाया, और मेरे साथ के सब भाइयों की ओर से – गलातियों की कलीसियाओं को: तुम्हें अनुग्रह और शान्ति परमेश्वर पति और हमारे प्रभु यीशु मसीह की ओर से मल्लि, जसिने हमारे पापों के लिए स्वयं को दे दिया, ताकि हमें इस वर्तमान दुष्ट युग से बचा ले, हमारे परमेश्वर पति की इच्छा के अनुसार; उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन। मैं इस बात पर हैरान हूँ कि आप उस परमेश्वर से इतनी जल्दी मुँह मोड़ रहे हैं जसिने आपको मसीह की कृपा से बुलाया है, और किसी दूसरे सुसमाचार की ओर मुड़ रहे हैं—जो वास्तव में कोई दूसरा सुसमाचार नहीं है, बल्कि केवल उन लोगों का काम है जो आपको परेशान कर रहे हैं और मसीह के सुसमाचार को तोड़-मरोड़ना चाहते हैं। परन्तु यह हिम या स्वर्ग का कोई दूत भी तुम्हें उस सुसमाचार के सविा कोई दूसरा सुसमाचार प्रचार करे, तो वह श्रापित हो। जैसा कि हिमने पहले कहा है, वैसे ही मैं अब फिर से कहता हूँ: जो कोई भी तुम्हें उस सुसमाचार के सविा कोई और सुसमाचार प्रचार करता है, जसि तुमने ग्रहण किया है, वह श्रापित हो। क्या मैं अब मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूँ, या परमेश्वर को? क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करने का यत्न कर रहा हूँ? यदि मैं अब भी मनुष्यों को प्रसन्न करने का यत्न करता, तो मैं मसीह का सेवक न होता। और जो मैं तुम्हें लिख रहा हूँ, उसमें मैं परमेश्वर के सामने झूठ नहीं बोल रहा हूँ। इसके बाद मैं सीरिया और कलिकिया के प्रदेशों में गया। मैं यहूदिया में मसीह की कलीसियाओं को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता था, परन्तु उन्होंने केवल यह सुना था कि वही जसिने कभी उनका पीछा किया था, अब उसी विश्वास का प्रचार कर रहा है जसि वह पहले नष्ट करना चाहता था – और वे मेरे कारण परमेश्वर की महिमा करने लगे। फिर, चौदह वर्ष बाद, मैं बर्नबास के साथ फिर से यरूशलेम गया, और ततिस को भी साथ ले गया। मैं एक प्रकटदेश के अनुसार गया, और वहाँ मैं ने उन मुख्य लोगों के सामने—वशिषकर अगुवों के सामने—जो मैं अन्यजातियों के बीच प्रचार करता था, वही सुसमाचार रखा, यह जानने के लिए कि किहीं मेरा परशिरम व्यर्थ तो नहीं गया था। परन्तु उन्होंने मेरे साथ रहे ततिस को—यद्यपि वह यूनानी था—खतना करवाने के लिए जबरदस्ती नहीं की; और न ही हम एक क्षण के लिए भी उन झूठे भाइयों के आगे झुके, जो चुपके से यह देखने के लिए घुस आए थे कि मसीह यीशु में हमारी स्वतंत्रता पर जासूसी करें, ताकि हमें दास बना सकें; और न ही हम उनके आगे झुके, ताकि तुम में सुसमाचार का सत्य बना रहे।

गलातियों 1:1-10; 1:20-2:5
14वें सप्ताह का गुरुवार

गलातियों का पत्र, आरंभ 199

हे भाइयो, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मल्लि, परमेश्वर पति और हमारे प्रभु यीशु मसीह की ओर से, जिन्होंने हमारे पापों के लिए अपना बलदान दिया, ताकि हमें इस वर्तमान दुष्ट युग से छुड़ा सकें, हमारे परमेश्वर पति की इच्छा के अनुसार; उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन। मैं इस बात पर चकति हूँ कि आप मसीह की कृपा से बुलाए जाने के बाद इतनी जल्दी एक दूसरे सुसमाचार की ओर मुड़ रहे हैं—जो वास्तव में कोई दूसरा सुसमाचार नहीं है, बल्कि उन लोगों का काम है जो आपको परेशान कर रहे हैं और मसीह के सुसमाचार को तोड़-मरोड़ना चाहते हैं। परन्तु यह हिम या स्वर्ग का कोई दूत भी तुम्हें उस सुसमाचार के सविा कोई दूसरा सुसमाचार प्रचार करे, तो वह श्रापित हो। जैसा कि हिमने पहले कहा है, वैसे ही मैं अब फिर से कहता हूँ: जो कोई भी तुम्हें उस सुसमाचार के सविा कोई और सुसमाचार प्रचार करता है, जो तुमने ग्रहण किया है, वह श्रापित हो। क्या मैं अब लोगों को प्रसन्न करना चाहता हूँ, या परमेश्वर को? क्या मैं लोगों को

गलातियों को पत्र

प्रसन्न करने का यत्न कर रहा हूँ? यदि मैं अब भी लोगों को प्रसन्न करने का यत्न करता, तो मैं मसीह का सेवक न होता।

गलातियों 1:3-10
25वें सप्ताह का शनिवार

गलातियों का पत्र, आरंभ 200

भाइयो, मैं तुम्हें बताता हूँ कि जो सुसमाचार मैं प्रचार करता हूँ, वह मनुष्य की ओर से नहीं है। क्योंकि तो मैंने यह किसी मनुष्य से प्राप्त किया है और न ही सीखा है, बल्कि यह यीशु मसीह के प्रगटन से हुआ है। तुमने मेरे यहूदी धर्म में पहिले के चाल-चलन के विषय में सुना है, कि मैं परमेश्वर की मंडली का कतिनी कठोरता से उत्पीड़न करता था और उसे नाश करने का यत्न करता था, और यह भी कि मैं अपनी जाति के अपने समय के बहुतों से यहूदी धर्म में कहीं अधिक बढ़ गया था, क्योंकि मैं अपने पतिरों की परंपराओं का परम उत्साही था। परन्तु जब परमेश्वर, जिसने मुझे मेरी माता के गर्भ से अलग किया और अपनी कृपा से बुलाया, उसे यह उचित लगा कि वह मुझे अपने पुत्र का प्रकाश कराए, ताकि मैं उसे अन्यजातियों के बीच प्रचार करूँ – उस समय मैंने न तो किसी मनुष्य से सलाह ली, और न ही मैं अपने से पहले के प्रेरितों के पास यरूशलेम गया, बल्कि मैं अराबिया में गया, और फिर दमशिक लौट आया। फिर, तीन वर्ष बाद, मैं पतरस से मिलने यरूशलेम गया और पंद्रह दिन तक उसके साथ रहा। जहाँ तक अन्य प्रेरितों का प्रश्न है, मैंने प्रभु के भाई याकूब के सविय उनमें से किसी को नहीं देखा।

गलातियों 1:11-19
सप्ताह 20।
मसीह के जन्म के बाद का सप्ताह

गलातियों का पत्र, 201 से आरंभ

भाइयो, जो लोग किसी भी बात के लिए प्रसिद्ध हैं—चाहे वे जो कुछ भी रहे हों—उनका मेरे लिए कोई महत्व नहीं है: परमेश्वर किसी के प्रतिपक्षपात नहीं करता। और प्रसिद्ध लोगों ने मेरे मशिन में कुछ भी नहीं जोड़ा है। इसके विपरीत, जब उन्होंने देखा कि मुझे अनाच्छादितों के लिए सुसमाचार का कार्य सौंपा गया था, ठीक वैसे ही जैसे पतरस को खतना किए हुए लोगों के लिए सौंपा गया था (क्योंकि जिसने पतरस में खतना किए हुए लोगों के प्रति उसकी प्रेरिता के लिए कार्य किया, उसी ने मुझमें भी अनाच्छादितों के प्रति कार्य किया), और मेरी प्रतिदी गई कृपा को पहचानकर, याकूब, केलास और यूहन्ना, जिन्हें सतम्भ माना जाता था, ने बरनबास और मुझे संगत की दाहनि हाथ दिया, ताकि हम अन्यजातियों के पास जाएँ और वे खतनवालों के पास जाएँ, केवल इस शर्त पर कि हम गरीबों को याद रखें—जिस काम को करने का मैंने निष्ठापूर्वक प्रयत्न किया है।

गलातियों 2:6-10
14वें सप्ताह का शुक्रवार

गलातियों का पत्र, आरंभ 202

भाइयो, जब पतरस अन्तयोकिया आया, तो मैं व्यक्तिगत रूप से उसके विरुद्ध में खड़ा हुआ, क्योंकि वह निन्दा के योग्य था। क्योंकि याकूब के पास से कुछ लोग आने से पहले वह अन्यजातियों के साथ खाता था; परन्तु जब वे आ पहुँचे, तब वह खतनियों से डरकर अलग-थलग रहने लगा। अन्य यहूदियों ने भी उनकी कपटपूर्णता में उनका साथ दिया, यहाँ तक कि बिरनाबास भी उनके कपट में बहक गया। पर जब मैंने देखा कि वे सुसमाचार के सत्य के अनुसार चल नहीं रहे हैं, तो मैंने सबके सामने पतरस से कहा: 'यदि तुम यहूदी होकर भी यहूदी नहीं बल्कि अन्यजात की तरह जी रहे हो, तो तुम अन्यजातियों को यहूदी की तरह जीने के लिए क्यों बाध्य कर रहे हो?' हम जन्म से यहूदी हैं, न कि अन्यजातियों में से पापी; फिर भी, यह जानकर कि मनुष्य व्यवस्था के कार्यों से नहीं, बल्कि केवल यीशु मसीह में विश्वास से ही धर्मी ठहरता है, हम भी मसीह यीशु में विश्वास करते हैं, ताकि हम व्यवस्था के कार्यों से नहीं, बल्कि मसीह में विश्वास से धर्मी ठहरें; क्योंकि व्यवस्था के कार्यों से कोई भी प्राणी धर्मी नहीं ठहरेगा।

गलातियों का पत्र, आरंभ 203

भाइयो, यह जानकर कभिनुष्य व्यवस्था के कार्यों से नहीं बल्किकेवल यीशु मसीह में वशिवास से ही धर्मी ठहरता है, हम मसीह यीशु पर वशिवास कर चुके हैं, ताकिहम व्यवस्था के कार्यों से नहीं बल्किमसीह में वशिवास से धर्मी ठहरें; क्योंकिव्यवस्था के कार्यों से कोई भी प्राणी धर्मी नहीं ठहरेगा। परन्तु यदिहम मसीह में धर्मी ठहरने का यत्न करते हुए स्वयं पापी ठहरें, तो क्या मसीह पाप का सेवक है? कदापि नहीं। क्योंकियदि मैं वही बात फरि से खड़ी करूं जसि मैं ने गरि दिया है, तो मैं स्वयं को अपराधी ठहराता हूं। मैं व्यवस्था के द्वारा व्यवस्था के लिए मरा, ताकिमैं परमेश्वर के लिए जी सकूं। मैं मसीह के साथ सलीब पर चढ़ाया गया हूँ; अब मैं जीवति नहीं, बल्किमसीह मुझ में जीवति है। और जो जीवन मैं अब देह में जीता हूँ, वह मैं परमेश्वर के पुत्र पर वशिवास करके जीता हूँ, जसिने मुझ से प्रेम किया और अपने आप को मेरे लिए दे दिया।

गलातियों 2:16-20
सप्ताह 21।
उन्नयन के बाद का सप्ताह

गलातियों का पत्र, 204 से शुरू

भाइयो, मैं परमेश्वर की कृपा को व्यर्थ नहीं ठहराता; क्योंकियदि धार्मिकता व्यवस्था से आती है, तो मसीह व्यर्थ में मर गए। हे मूर्ख गलातियों! तुम पर किसने जादू-टोना कर दिया है, कि तुम सत्य की आज्ञा न मानो, तुम जनिकी आँखों के सामने यीशु मसीह को, मानो, सलीब पर चढ़ाया हुआ स्पष्ट रूप से प्रकट किया गया था? मैं आप से केवल यही जानना चाहता हूँ: क्या आप ने पवित्र आत्मा व्यवस्था के कामों से प्राप्त किया, या वशिवास के सुसमाचार को सुनने से? क्या आप इतने मूर्ख हैं कि जो आत्मा से आरंभ किया, उसे अब शरीर से पूरा करने का यत्न करते हैं? क्या आप ने व्यर्थ में इतनी तकलीफ उठाई? हाय, काश यह सब व्यर्थ ही होता! क्या वह, जो तुम्हें आत्मा और तुम में चमत्कार करता है, व्यवस्था के कामों से ऐसा करता है, या वशिवास से? जैसे कि अब्राहम ने परमेश्वर पर वशिवास किया, और यह उसे धार्मिकता में गिना गया। तो यह जान लो कि जो वशिवास करते हैं, वे ही अब्राहम की संतान हैं।

गलातियों 2:21-3:7
15वें सप्ताह का मंगलवार

गलातियों का पत्र, आरंभ 205

भाइयो, शास्त्रों ने, यह पूर्वदर्शी होकर कि परमेश्वर अन्यजातियों को वशिवास के द्वारा धर्मी ठहराएगा, अब्राहम से यह भविष्यवाणी की थी: 'तेरे में सब जातियाँ धन्य होंगी।' इस प्रकार जो वशिवास रखते हैं, वे वशिवासयोग्य अब्राहम के साथ धन्य हैं, जबकि जो व्यवस्था के कामों पर निर्भर हैं, वे श्राप के अधीन हैं। क्योंकिलिखा है: 'वलिप उस पर जो व्यवस्था की पुस्तक में लिखी हुई सब बातों को करने में स्थिर नहीं रहता।' और यह स्पष्ट है कि व्यवस्था के द्वारा परमेश्वर के सामने कोई भी धर्मी नहीं ठहरता, क्योंकि 'धर्मी वशिवास से जीवति रहेगा।' पर व्यवस्था वशिवास पर नहीं टिकी है; बल्कि, 'जो इन बातों को करता है, वह इनके द्वारा जीवति रहेगा।'

गलातियों 3:8-12
26वें सप्ताह का सब्बाथ।
मसीह के जन्म से पहले का सब्बाथ

गलातियों की पुस्तक, पाठ 206

पठन [133](#) देखें।

गलातियों की पत्र, पाठ 207

भाइयो, मैं मनुष्य की रीत-कियत के अनुसार कहता हूँ: मनुष्य द्वारा पुष्ट की गई किसी वाचा को कोई न तो रद्द करता है और न ही उसमें कुछ जोड़ता है। परन्तु प्रतजिज्ञाएँ अब्राहम और उसकी संतान से की गई थीं। यह नहीं कहा गया, 'और उसकी संतानों से', जैसे कि यह कई लोगों के बारे में हो, बल्कि एक के बारे में कहा गया: 'और तेरी संतान से', जो मसीह है। मैं यह कह रहा हूँ: वह व्यवस्था, जो चार सौ तीस वर्ष बाद आई, मसीह के वषिय में उस वाचा को रद्द नहीं करती, जो पहले ही परमेश्वर द्वारा दृढ़ की गई थी, ऐसा न हो कि विवाद व्यर्थ हो जाए। क्योंकि यदि विरसित व्यवस्था के द्वारा होती, तो वह अब वादे के द्वारा नहीं होती; परन्तु परमेश्वर ने यह वादे के द्वारा ही अब्राहम को दी। तो फिर व्यवस्था क्यों दी गई? वह बाद में अपराधों के कारण दी गई, उस वंशज के आने के समय तक, जिसका वाचा में उल्लेख है, और यह स्वर्गदूतों के द्वारा एक मध्यस्थ के हाथ से दी गई। पर मध्यस्थ एक से अधिक नहीं है—ईश्वर एक है। तो क्या व्यवस्था ईश्वर की वाचाओं के विरुद्ध है? कदापि नहीं! क्योंकि यदि ऐसा विधान दिया गया होता जो जीवन दे सकता, तो धार्मिकता निश्चय ही व्यवस्था से होती; परन्तु धर्मशास्त्र ने सब को पाप के अधीन कर दिया, ताकि जो प्रतजिज्ञा यीशु मसीह में विश्वास करने वालों को दी जाए।

गलातियों 3:15-22

15वें सप्ताह का बुधवार।

मसीह के जन्म की पूर्व संध्या, संध्या समय (शनिवार, रविवार)

गलातियों की पत्रिका, आरंभ 208A

भाइयो और बहानियों, विश्वास के आने से पहले हम व्यवस्था के अधीन बंदी में रखे गए थे, जब तक कि विश्वास प्रकट न हुआ। इस प्रकार मसीह के आने तक व्यवस्था हमारे लिए संरक्षक का काम करती रही, ताकि हम विश्वास द्वारा धर्मी ठहर सकें; परन्तु अब जब विश्वास आ गया है, तो हम संरक्षक के अधीन नहीं रहे। क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में विश्वास के द्वारा परमेश्वर की संतान हो; तुम सब जो मसीह में बपतिस्मा ले चुके हो, मसीह को पहनि लिया है। अब न यहूदी है और न यूनानी; न दास है और न स्वतंत्र; न कोई नर है और न कोई नारी; क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो। और यदि तुम मसीह के हो, तो तुम इब्राहीम की संतान और प्रतजिज्ञा के अनुसार वारसि हो।

गलातियों 3:23-29

पवित्र स्तरियों के लिए।

मसीह के जन्म के पूर्वसंध्या पर, तीसरे घंटे

गलातियों का पत्र, आरंभ 208B

भाइयो, विश्वास के आने तक हम व्यवस्था के अधीन बंदी थे, जब तक कि विश्वास प्रकट न हो गया। इस प्रकार मसीह के आने तक व्यवस्था हमारी संरक्षक थी, ताकि हम विश्वास से धर्मी ठहरें; परन्तु अब जब विश्वास आ गया है, तो हम संरक्षक के अधीन नहीं रहे। क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में विश्वास के द्वारा परमेश्वर की संतान हो; तुम सब जो मसीह में बपतिस्मा ले चुके हो, ने मसीह को पहन लिया है। अब न यहूदी है और न यूनानी; न दास है और न स्वतंत्र; न नर है और न मादा: क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो। तो, यदि आप मसीह के हैं, तो आप इब्राहीम की संतान और प्रतजिज्ञा के अनुसार वारसि हैं। मैं यह भी कहूँगा: एक वारसि, जब तक वह बच्चा है, एक दास से अलग नहीं है, भले ही वह सब कुछ का मालिक हो; वह अपने पिता द्वारा निर्धारित समय तक अभिभावकों और प्रबंधकों के अधीन रहता है। इसी तरह, जब हम अभी भी बच्चे थे, तो हम संसार की प्राथमिक आत्माओं द्वारा बंदी बनाए गए थे; लेकिन जब समय पूरा हो गया, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, जो स्त्री से उत्पन्न हुआ और व्यवस्था के अधीन जन्मा, ताकि वह व्यवस्था के अधीन वालों को छुड़ा ले, और हम पुत्रों के रूप में दत्तक ग्रहण कर सकें।

गलातियों 3:23-4:5

15वें सप्ताह का गुरुवार

गलातियों का पत्र, आरंभ 209

भाइयो, जब समय की परपूरणता आ पहुंची, तो परमेश्वर ने अपना पुत्र (एकलौता) भेजा, जो सत्री से उत्पन्न हुआ और व्यवस्था के अधीन हुआ, ताकि व्यवस्था के अधीन वालों को छुड़ा ले, और हम पुत्र ठहरें। और क्योंकि तुम पुत्र हो, परमेश्वर ने अपने पुत्र का आत्मा तुम्हारे हृदय में भेजा है, जो पुकारता है, 'अब्बा, हे पति!' इसलिये तुम अब दास नहीं, बल्कि पुत्र हो; और यदि पुत्र हो, तो मसीह के द्वारा परमेश्वर के वारसि हो।

गलातियों 4:4-7
25 दसंबर, क्रिसमस का दिन

गलातियों का पत्र, आरंभ 210A

भाइयो, जब तुम परमेश्वर को नहीं जानते थे, तब तुम उन देवताओं की सेवा करते थे जो वास्तव में देवता नहीं हैं। परन्तु अब जब तुम परमेश्वर को जान चुके हो—या यूँ कहो कि परमेश्वर ने तुम्हें जान लिया है—तो तुम उन कमजोर और तुच्छ भौतिक सिद्धांतों की ओर फरि से क्यों लौट रहे हो, और फरि से उनके दास बनने की कोशिश क्यों कर रहे हो? तुम दिन, महीने, ऋतुएँ और वर्ष मना रहे हो। मुझे तुम्हारी चिंता है; क्या मेरी मेहनत तुम पर व्यर्थ गई? भाइयो, मैं तुम्हें आग्रह करता हूँ कि तुम भी वैसा ही बनो जैसा मैं हूँ, क्योंकि मैं भी वैसा ही हूँ जैसा तुम हो। तुमने मुझ पर कोई अत्याचार नहीं किया: तुम जानते हो कि, यद्यपि मैंने पहली बार देह की दुर्बलता में तुम पर सुसमाचार का प्रचार किया, तुमने मेरे देह में मेरी परीक्षा का तरिस्कार नहीं किया और न ही उससे मुँह मोड़ा, बल्कि तुमने मुझे परमेश्वर के स्वर्गदूत के समान, मसीह यीशु के समान ग्रहण किया। तुम कितने धन्य थे! मैं तुम्हारी गवाही देता हूँ कि, अगर संभव होता, तो तुम अपनी ही आँखें निकालकर मुझे दे देते। तो फरि, क्या मैं तुम्हें सच बताकर तुम्हारा दुश्मन बन गया हूँ? वे तुम्हारे प्रति एक अस्वस्थ तरीके से ईर्ष्यालु हैं; वे तुम्हें बाहर रखना चाहते हैं ताकि तुम उनसे ईर्ष्या करो। अच्छाई के लिए ईर्ष्या करना हर समय अच्छा है, और न कि केवल तब जब मैं तुम्हारे साथ हूँ। हे मेरे बच्चों, जिनके लिए मैं फरि से प्रसव की पीड़ा में हूँ, जब तक मसीह तुम में बन न जाएँ! काश मैं अब तुम्हारे पास होता और अपनी बात बदल सकता, क्योंकि मैं तुम्हारे वषिय में चकरा गया हूँ। मुझ से कहो, हे तुम जो व्यवस्था के अधीन होना चाहते हो, क्या तुम व्यवस्था को नहीं सुनते?

गलातियों 4:8-21
15वें सप्ताह का शुक्रवार

गलातियों की पत्री, आरंभ 210B

भाइयो, जब तुम परमेश्वर को नहीं जानते थे, तब तुम उन देवताओं की सेवा करते थे जो वास्तव में देवता नहीं हैं। परन्तु अब जब तुम परमेश्वर को जान गए हो—या यूँ कहें कि परमेश्वर ने तुम्हें जान लिया है—तो तुम उन दुर्बल और नीच वस्तुओं की ओर फरि क्यों लौट रहे हो, और फरि से उनके दास क्यों बनना चाहते हो? तुम दिन, महीने, समय और वर्ष मना रहे हो। मुझे तुमसे डर लगता है; क्या मेरी मेहनत तुममें व्यर्थ गई? भाइयो और बहनों, मैं तुमसे आग्रह करता हूँ कि तुम मेरे समान बनो, क्योंकि मैं भी तुम्हारे समान ही हूँ। तुमने मुझ पर कोई अन्याय नहीं किया है: तुम जानते हो कि, यद्यपि मैंने तुम्हें पहली बार देह की दुर्बलता में सुसमाचार का प्रचार किया था, तुमने मेरे देह के परीक्षण का तरिस्कार नहीं किया और न ही मुँह मोड़ा, बल्कि तुमने मुझे परमेश्वर के स्वर्गदूत के समान, मसीह यीशु के समान ग्रहण किया।

गलातियों 4:8-14
जो कष्ट झेल रहे हैं, उनके वषिय में

गलातियों की पत्री, आरंभ 210B

भाइयो, अब्राहम के दो पुत्र थे, एक दासी से और दूसरा स्वतंत्र सत्री से। परन्तु दासी से जन्मा पुत्र शरीर के अनुसार जन्मा; और स्वतंत्र सत्री से जन्मा पुत्र प्रतज्जा के अनुसार जन्मा। यहाँ एक दृष्टान्त है। ये दो वाचाएँ हैं: एक सीनाई पर्वत से, जो दासत्व में बच्चों को जन्म देती है—यह हागर है, क्योंकि हागर

गलातियों को पत्र

अरब में सीनाई परवत को दर्शाती है और वर्तमान यरूशलेम के अनुरूप है, क्योंकि वह अपने बच्चों के साथ दासत्व में है; परन्तु ऊपर का यरूशलेम स्वतंत्र है: वह हम सभी की माता है। क्योंकि लिखा है: 'हे बाँझ, जो जन्म नहीं देती, आनंद कर; हे जो प्रसव पीड़ा में नहीं रही, फूट पड़ और ऊँची चिल्लाहट कर; क्योंकि तियागी हुई स्त्री के बच्चे, पतिवाली स्त्री के बच्चों से कहीं अधिक हैं।' भइयो और बहनो, हम इसहाक के द्वारा प्रतज्जिा के संतान हैं। पर जैसे उस समय जो देह के अनुसार जन्मा था, वह आत्मा के अनुसार जन्मे हुए को सताता था, वैसे ही अब भी होता है। तो फिर धर्मशास्त्र क्या कहता है? 'दासी को और उसके पुत्र को निकाल दो, क्योंकि दासी का पुत्र स्वतंत्र स्त्री के पुत्र के साथ वारसि नहीं होगा।' इसलिये, भइयो और बहनो, हम दासी के संतान नहीं, बल्कि स्वतंत्र स्त्री के संतान हैं।

गलातियों 4:22-31

9 सितंबर, धर्मी योआकमि और अन्ना

23 सितंबर, संत यूहन्ना बपतिस्मादाता की गर्भधारण

गलातियों की पत्री, आरंभ 211

भाइयो, हम इसहाक के द्वारा प्रतज्जिा के पुत्र हैं। पर जैसे उस समय जो शरीर के अनुसार जन्मा था, वह आत्मा के अनुसार जन्मे हुए को सताता था, वैसे ही अब भी होता है। तो धर्मशास्त्र क्या कहता है? 'दासी स्त्री और उसके पुत्र को निकाल दो, क्योंकि दासी स्त्री का पुत्र स्वतंत्र स्त्री के पुत्र के साथ वारसि नहीं होगा।' इसलिये, भाइयो, हम दासी स्त्री के पुत्र नहीं, बल्कि स्वतंत्र स्त्री के पुत्र हैं। इसलिये उस स्वतंत्रता में दृढ़ खड़े रहो, जिसमें मसीह ने हमें स्वतंत्र किया है, और फिर से दासता के जुए के अधीन न हो जाओ। सुनो, मैं पौलुस, तुम से यह कहता हूँ: यदि तुम खतना कराते हो, तो मसीह तुम्हारे कुछ भी काम का नहीं होगा। मैं हर उस मनुष्य को भी गवाही देता हूँ जो खतना कराता है कि उसे सारे व्यवस्था का पालन करना ही होगा। तुम जो व्यवस्था के द्वारा धर्मी ठहरना चाहते हो, ने स्वयं को मसीह से अलग कर लिया है; तुम अनुग्रह से गरि गए हो। परन्तु हम, आत्मा के द्वारा, विश्वास से होने वाली धार्मिकता की आशा में प्रतीक्षा करते हैं। क्योंकि मसीह यीशु में न तो खतना कुछ है और न अखतना, परन्तु केवल प्रेम से काम करने वाला विश्वास है। तुम अच्छा कर रहे थे; तुम्हें सत्य की आज्ञा मानने से किसने रोका? ऐसा मनाना तुम्हें उसी ने नहीं बुलाया। थोड़ा सा खमीर पूरे आटे को खमीरति कर देता है। मैं प्रभु में तुम्हारे वषिय में नश्चिति हूँ कि तुम दूसरे मत के नहीं होओगे; पर जो तुम्हें ठोकर लगवाता है, वह जो कोई भी हो, वह अपना न्याय स्वयं उठाएगा।

गलातियों 4:28-5:10

16वें सप्ताह का सोमवार

गलातियों का पत्र, आरंभ 212

भाइयो, यदि मैं अब खतना का प्रचार कर रहा हूँ, तो मुझे क्यों अभी भी सताया जा रहा है? उस स्थिति में, तो क्रूस का अपराध समाप्त हो गया होता। हाय, काश जो तुम्हें क्लेश पहुँचा रहे हैं, वे काट डाले जाएँ! भाइयो और बहनो, तुम स्वतंत्रता के लिए बुलाए गए हो; केवल अपनी स्वतंत्रता को शरीर के लालच का बहाना न बनने दो, बल्कि प्रेम में एक दूसरे की सेवा करो। क्योंकि सारा व्यवस्था एक ही आज्ञा में पूरा हो जाता है: 'अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।' परन्तु यदि तुम एक दूसरे को काट-काट कर खाओ, तो सावधान रहो, कहीं तुम एक दूसरे से नष्ट न हो जाओ। मैं यह कहता हूँ: आत्मा के अनुसार चलो, और तुम शरीर की इच्छाओं को पूरा नहीं करोगे; क्योंकि शरीर आत्मा के विपरीत इच्छा करता है, और आत्मा शरीर के विपरीत: वे एक दूसरे के विरोधी हैं, ताकि तुम वह न करो जो तुम करना चाहते हो। परन्तु यदि तुम आत्मा के द्वारा संचालित होते हो, तो तुम व्यवस्था के अधीन नहीं हो। मांस के काम स्पष्ट हैं; वे हैं: व्यभिचार, वेश्यावृत्ति, अशुद्धता, कामुकता, मूर्तपूजा, जादू-टोना, वैमनस्य, झगड़े, ईर्ष्या, क्रोध, प्रतद्विंद्वति, मतभेद, (प्रलोभन,) वधिरम, घृणा, हत्या, मदपान, कामुक उत्सव, और इसी तरह की अन्य बातें। मैं तुम्हें पहले भी चेतावनी दे चुका हूँ, और फिर चेतावनी देता हूँ कि जो ऐसे काम करते हैं, वे परमेश्वर के राज्य के वारसि नहीं बनेंगे।

गलातियों 5:11-21

16वें सप्ताह का मंगलवार

गलातियों का पत्र, आरंभ 213

भाइयो, आत्मा का फल यह है: प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, सौम्यता, भलाई, विश्वास, नम्रता और आत्म-संयम। ऐसी बातों के वरिद्ध कोई वधान नहीं है। परन्तु जो मसीह के हैं, उन्होंने अपने शरीर को उसके भावों और इच्छाओं सहित सलीब पर चढ़ा दिया है। यदि हम आत्मा के द्वारा जीते हैं, तो आत्मा के द्वारा ही चलें। हम एक-दूसरे के वरिद्ध घमंड न करें, न एक-दूसरे को उकसाएं, न एक-दूसरे से ईर्ष्या करें। भातनों, यदि कोई किसी पाप में पड़ जाए, तो तुम जो आत्मा के अनुसार हो, ऐसे मनुष्य को कोमलता की आत्मा में सुधारा करो, और अपना भी ध्यान रखो, कहीं तुम भी परीक्षा में न पड़ो। एक-दूसरे के बोझ उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरा करो।

गलातियों 5:22-6:2
27वें सप्ताह का शनिवार।
रेवरेंड को

गलातियों का पत्र, पाठ 214

भाइयो, एक दूसरे के बोझ उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरा करो। क्योंकि जो कोई अपने आपको कुछ समझता है, जबकि वह कुछ नहीं है, वह अपने आपको धोखा देता है। हर एक अपना काम परखे, और तब उसे केवल अपने ही वषिय में घमण्ड का कारण मल्लिगा, न कि दूसरे के वषिय में, क्योंकि हर एक अपना ही बोझ उठाएगा। यदि तुम वचन द्वारा शिक्षा पाते हो, तो जो तुम्हें शिक्षा देता है उसके साथ हर एक अच्छी बात में सहभागी हो। धोखा न खाओ: परमेश्वर का मजाक नहीं उड़ाया जाता। जैसा बोएगा, वैसा ही काटेगा। जो अपना बोझ अपने ही शरीर के लिए बोता है, वह शरीर से नाश की कटनी काटेगा, और जो आत्मा के लिए बोता है, वह आत्मा से अनंत जीवन की कटनी काटेगा। भलाई करने में हम सुस्त न हो जाएँ, क्योंकि यदि हम निराश न हों तो समय आने पर हम कटनी करेंगे। तो फिर, जब तक समय है, हम सभी लोगों के प्रति और विशेष रूप से विश्वास के परिवार के लोगों के प्रति भलाई करें।

गलातियों 6:2-10
16वें सप्ताह का बुधवार

गलातियों का पत्र, आरंभ 215A

भाइयो, तुम देख सकते हो कि मैंने तुम्हें अपने हाथ से कतिना लिखा है। जो शरीर में घमण्ड करना चाहते हैं, वे तुम्हें खतना करवाने पर मजबूर कर रहे हैं, केवल इसलिए कि उन्हें मसीह के सलीब के कारण सताया न जाए; क्योंकि खतना करवाने वाले भी व्यवस्था का पालन नहीं करते, फिर भी वे चाहते हैं कि तुम खतना करवाओ ताकि वे तुम्हारे शरीर पर घमण्ड कर सकें। परन्तु मैं अपने प्रभु यीशु मसीह के क्रूस के सिवा कुछ भी घमण्ड करना नहीं चाहता, जिसके द्वारा संसार मेरे लिए सूली पर चढ़ाया गया है, और मैं संसार के लिए। क्योंकि मसीह यीशु में न तो खतना कुछ है और न अखतना, परन्तु एक नई सृष्टि है। जो इस नियम के अनुसार चलते हैं, उन पर और परमेश्वर के इस्त्राएल पर शांति और दया हो। परन्तु कोई मुझे बोझ न डाले, क्योंकि मैं अपने शरीर पर प्रभु यीशु के निशान लिए फरिता हूँ। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा तुम्हारी आत्मा के साथ हो, भाइयो और बहनो। आमीन।

गलातियों 6:11-18
सप्ताह 22

गलातियों का पत्र, आरंभ 215B

भाइयो, मैं घमंड करना नहीं चाहता, सिवाय हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस के, जिसके द्वारा संसार मेरे लिए सूली पर चढ़ाया गया है, और मैं संसार के लिए। क्योंकि मसीह यीशु में न तो खतना कुछ है और न अखतना, परन्तु एक नई सृष्टि है। जो इस नियम के अनुसार चलते हैं, उन पर और परमेश्वर के इस्त्राएल पर शांति और दया हो। परन्तु कोई मुझे बोझ न डाले, क्योंकि मैं अपने शरीर पर प्रभु यीशु के घावों के निशान लिए फरिता हूँ। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा तुम्हारी आत्मा के साथ हो, हे भातियो और बहनो। आमीन।

गलातियों 6:14-18

गलातियों को पत्र

शुक्रवार, प्रथम घड़ी में

एफसियों को पत्र

एफसियों को पत्र, आरंभ 216

परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित पौलुस, एफसिस में मसीह यीशु में पवित्र और विश्वासियों के नाम: तुम्हें अनुग्रह और शान्ति हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से मल्लि। धन्य हो परमेश्वर, हमारे प्रभु यीशु मसीह का पिता, जिसने हमें मसीह में स्वर्गीय ठिकानों में हर आध्यात्मिक आशीष से आशीष दी है, क्योंकि उसने हमें संसार की रचना से पहले ही उसमें चुन लिया था, कि हम प्रेम में उसके सामने पवित्र और नरिदोष हों, और उसने हमें यीशु मसीह के द्वारा अपना पुत्र गोद लेने के लिए पहले से ठहराया था, अपनी इच्छा की सुयोग्यता के अनुसार, उसकी कृपा की महिमा की स्तुति के लिए, जिससे उसने हमें प्रयोजन में आशीष दी है, जिसमें हमें उसके लहू द्वारा छुटकारा मिला है, पापों की क्षमा, उसकी कृपा की संपत्ति के अनुसार, जो उसने हम पर हर बुद्धि और समझ में उंडेल दी है, और हमें अपनी इच्छा के अनुकूल उसकी योजना का रहस्य जानने दिया है।

इफसियों 1:1-9क
16वें सप्ताह का गुरुवार

एफसियों को पत्र, आरंभ 217

भाइयो, उसके लहू के द्वारा हमें छुटकारा मिला है, पापों की क्षमा, उसकी कृपा की संपत्ति के अनुसार, जो उसने हम पर हर बुद्धि और समझ में उंडेल दी है, और हमें अपनी इच्छा का रहस्य अपनी योजना के अनुसार प्रकट किया है, जिससे उसने समय की पूर्ति में, मसीह में पहले से स्थापित किया था, ताकि वह स्वर्ग और पृथ्वी की सभी चीजों को मसीह के अधीन एक कर दे। उसमें हम भी वारिस बन गए हैं, क्योंकि हमें उसी ने पूर्वनिर्धारित किया है जो अपनी इच्छा की योजना के अनुसार सब कुछ करता है, ताकि हम, जिन्होंने पहले मसीह में आशा रखी थी, उसकी महिमा की स्तुति के लिए हों। उसमें तुम भी, सत्य का वचन, अर्थात् अपनी मुक्ति का सुसमाचार सुनकर और उस पर विश्वास करके, प्रतज्जि कए हुए पवित्र आत्मा से मुहर कए गए हो, जो हमारे वारिस होने का प्रमाण है, और यह उसकी महिमा की स्तुति के लिए है, जो उसकी प्रजा को छुटकारा दिलाएगा। इसलिये, मसीह यीशु में तुम्हारे विश्वास और पवित्र जनो के प्रेम के विषय में सुनकर, मैं तुम्हारे लिये नरिन्तर परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, और अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हारा स्मरण करता हूँ, कि हमारे प्रभु यीशु मसीह का परमेश्वर, महिमा का पिता, तुम्हें बुद्धि और प्रकाशन का आत्मा दे।

इफ 1:7-17क
16वें सप्ताह का शुक्रवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 218

भाइयो, मैं तुम्हारे लिये परमेश्वर का धन्यवाद करना नहीं छोड़ता, और अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हारा स्मरण करता हूँ, कि हमारे प्रभु यीशु मसीह का परमेश्वर, महिमा का पिता, तुम्हें उस के ज्ञान में बुद्धि और प्रकाशन का आत्मा दे, और तुम्हारे हृदय की आँखें प्रकाशमान करे, जिससे तुम जानो कि उस के बुलावे की आशा क्या है, और पवित्र लोगों के लिए उसकी महिमामय वरिसत की संपत्ति क्या है, और विश्वास करने वालों में उसकी सामर्थ्य की शक्ति कितीनी असीम है, उसकी उसी सामर्थ्य के अनुसार, जो मसीह में प्रकट हुई, जब उसने उसे मरे हुए में से जलाया और स्वर्ग में अपनी दहनी ओर बैठाया, हर एक प्रधानता और अधिकार और सामर्थ्य से बहुत ऊपर, और प्रभुत्व, और हर उस नाम का, जो न केवल इस युग में बल्कि आने वाले युग में भी नामित किया गया है, और उसने सब कुछ उसके पाँव तले कर दिया है, और उसे मसीसयि

एफसियों का पत्र

सभामण्डल के लिए सब वस्तुओं का सरि ठहराया है, जो उसका शरीर है, और वह उसकी परंपूरणता है जो सब में सब कुछ भरता है।

इफसियों 1:16-23
28वें सप्ताह का शनिवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 219

भाइयो, परमेश्वर और हमारे प्रभु यीशु मसीह के पति ने सब कुछ उनके वश में कर दिया है, और उन्हें सब कुछ पर प्रधान ठहराया है, जो मंडली का सरि है, जो उनका शरीर है, और वह उसी का परंपूरण स्वरूप है जो सब में सब कुछ परंपूरण करता है। और तुम, जो अपने अपराधों और पापों में मरे हुए थे, जिनमें तुम कभी इस संसार के मार्गों पर चलते थे, और उस अधपितिकी आज्ञा मानते थे जो अब आकाशमण्डल में राज्य करता है, वही आत्मा अब आज्ञा न मानने वालों के बीच काम कर रहा है—जनिके बीच हम भी पहले अपने शरीर की इच्छाओं के अनुसार जीते थे, और शरीर तथा मन की इच्छाओं को पूरा करते थे, और स्वभाव से ही क्रोध के बच्चे थे, अन्य सब की तरह—

इफसियों 1:22-2:3
17वें सप्ताह का सोमवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 220A

भाइयो, परमेश्वर, जो दया में धनी है, उसने अपने उस बड़े प्रेम के कारण, जिससे उसने हम से प्रेम किया, जब हम अपने अपराधों में मरे हुए थे, तब भी हमें मसीह के साथ जीवित किया—तुम्हें अनुग्रह से बचाया गया है, – और हमें उसके साथ जीवित कर दिया, और हमें मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में बैठा दिया, ताकि आने वाले युगों में वह अपनी उस कृपा की अकथनीय धनाढ्यता को मसीह यीशु में हम पर अपनी दया के द्वारा प्रकट कर सके। क्योंकि अनुग्रह से मसीह में विश्वास के द्वारा तुम को उद्धार मिला है, और यह तुम से नहीं, परमेश्वर का वरदान है—न कर्मों से, कहीं ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे। क्योंकि हम उसकी हस्तकला हैं, जो मसीह यीशु में भले कामों के लिए सृजित हुए हैं, जो परमेश्वर ने पहले से तैयार किए थे, कि हम उन में चलें।

इफसियों 2:4-10
सप्ताह 23

एफसियों का पत्र, आरंभ 220B

भाइयो, याद करो कि तुम पहले देह में अनाड़ी थे, जिनमें वे जो देह में मनुष्य के हाथों की खतना से स्वयं को 'खुत्ते' कहते हैं, 'अनखुत्ते' कहकर पुकारते थे; उस समय तुम मसीह से रहित थे, इस्राएल के राष्ट्र से परदेशी थे, प्रतज्ज्ञाओं के वाचा से अपरचित थे, तुम्हारे पास कोई आशा नहीं थी और तुम संसार में परमेश्वर के बनिा थे। परन्तु अब मसीह यीशु में, तुम जो पहिले दूर थे, मसीह के लहू के द्वारा नकिट लाए गए हो।

इफसियों 2:11-13
29वें सप्ताह का शनिवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 221

भाइयो, मसीह हमारी शांति है, जिसने दोनों को एक किया और वैमनस्य की विभाजनकारी दीवार को ढाँ दिया, और अपने शरीर के द्वारा आज्ञाओं की व्यवस्था को, और अपनी शिक्षा के द्वारा आज्ञाओं की व्यवस्था को भी समाप्त कर दिया, ताकि वह दोनों से स्वयं एक नया मनुष्य बनावे और इस प्रकार शांति स्थापित करे, और दोनों को एक ही देह में सूली पर चढ़ाए जाकर परमेश्वर से मिलाए, और वैमनस्य को सूली पर चढ़ाकर समाप्त कर दे। और जब वह आए, तो उन्होंने दूर और पास दोनों को शान्तिकी प्रचार किया, क्योंकि उनके द्वारा हम दोनों एक आत्मा में पति के पास पहुँचते हैं। तो अब तुम परदेशी और अजनबी नहीं, बल्कि पवित्र जनो के सह-नागरिक और परमेश्वर के घराने के सदस्य हो, जो प्रेरितों और भविष्यदवक्ताओं की नींव पर बनाया गया है, और जिसकी मुख्य आधारशिला स्वयं मसीह यीशु हैं, जिस पर सारा भवन, जब

एफसियों को पत्र

जोड़ा जाता है, प्रभु में एक पवतिर मन्दिर बनता जाता है, जिसमें तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का नविस स्थान बनने के लिए एक साथ नरिमति हो रहे हो।

इफसियों 2:14-22
सप्ताह 24

एफसियों को पत्र, आरंभ 222

भाइयो और बहनो, तुम अब परदेशी या मुसाफिर नहीं, बल्कपिवतिर लोगों के सह-नागरिक और परमेश्वर के घराने के सदस्य हो, जो प्रेरितों और भवषियदवक्ताओं की नींव पर बनाया गया है, और जिसका कोने का पत्थर स्वयं मसीह यीशु हैं, जिस पर सारा भवन, जब ठीक से जोड़ा जाता है, तो प्रभु में एक पवतिर मन्दिर बनता है, जिसमें तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का नविस स्थान बनने के लिए एक साथ नरिमति हो रहे हो। इसी कारण से मैं, पौलुस, तुम्हारे अन्यजातियों के लिए यीशु मसीह का कैदी हो गया हूँ। जैसा कि आप ने मेरे द्वारा आप लोगों के लिए दी गई परमेश्वर की कृपा के प्रबंध के वषिय में सुना है—क्योंकि रहस्य मुझे प्रकाशन द्वारा प्रकट किया गया है (जैसा कि मैंने ऊपर संक्षेप में लिखा है)—इसलिए, जब आप इसे पढ़ते हैं, तो आप मसीह के रहस्य की मेरी समझ को जान सकते हैं, जो मनुष्यों के पुत्रों की पछिली पीढ़ियों को नहीं बताई गई थी, परन्तु अब पवतिर आत्मा के द्वारा यह उनके पवतिर प्रेरितों और भवषियदवक्ताओं पर प्रगट किया गया है, कि अन्यजात भी सह-वारसि, एक ही शरीर के सदस्य, और मसीह यीशु में सुसमाचार के द्वारा उसकी प्रतज्जा में सहभागी हों, जिसकी मैं तुम्हारे लिए परमेश्वर की शक्त के काम करने से मुझे दी गई उसकी कृपा के वरदान के द्वारा सेवक बना हूँ।

इफसियों 2:19-3:7
17वें सप्ताह का मंगलवार

एफसियों को पत्र, आरंभ 223

भाइयो, मुझे, जो सभी पवतिर जनो में सबसे तुच्छ हूँ, यह अनुग्रह दिया गया – कि मैं अन्यजातियों के बीच मसीह की उस अकथनीय संपन्नता का प्रचार करूँ और सब पर यह प्रकाशति करूँ कि परमेश्वर के भीतर युगों से छिपा हुआ रहस्यमय उद्देश्य क्या है, जिसने यीशु मसीह के द्वारा सब कुछ बनाया, ताकि अब मसीह-सभा के द्वारा स्वर्ग में प्रधानताओं और शक्तियों के सामने परमेश्वर की वह बहुवधि बुद्धि प्रगट हो, जो उस अनंत उद्देश्य के अनुसार है जिससे उसने हमारे प्रभु यीशु मसीह में पूरा किया, जिसमें हमें उस पर विश्वास करने के द्वारा निश्चेष्टा और निश्चिती प्रवेश मिला है। इसलिए मैं तुम्हें हौसला रखने की घोर करिता हूँ, क्योंकि तुम्हारे लिए मेरी पीड़ा तुम्हारा गौरव है। इसी कारण मैं हमारे प्रभु यीशु मसीह के पति के सामने घुटने टेकता हूँ, जिनके नाम पर स्वर्ग और पृथ्वी के सब कुल का नाम रखा गया है, कि वह अपनी महिमा की संपत्ति के अनुसार तुम्हें सामर्थ्य से बलवान बनाए, और तुम्हारे अंतरमन में अपने आत्मा के द्वारा दृढ़ कर दे, और मसीह विश्वास के द्वारा तुम्हारे हृदयों में वास करें; ताकि तुम प्रेम में जड़ें और आधार पाए हुए, तुम सब पवतिर लोगों के साथ उस वसितार और लंबाई और गहराई और ऊँचाई को समझने और मसीह के उस प्रेम को जानने में समर्थ हो, जो ज्ञान से परे है, ताकि तुम परमेश्वर की सारी परिपूर्णता से भर जाओ। अब उसी को महिमा हो, जो हम में काम करने वाली शक्त के द्वारा, हमारी सब प्रार्थनाओं और कल्पनाओं से कहीं अधिक करने में समर्थ है, और मसीह यीशु के द्वारा युगानुयुग, पीढ़ी दर पीढ़ी, कलीसिया में उसकी महिमा हो। आमीन।

एफसि 3:8-21
17वें सप्ताह का बुधवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 224A

भाइयो, मैं प्रभु में एक कैदी हूँ, तुम्हें वनिती करता हूँ कि जिस बुलावे से तुम बुलाए गए हो, उसके योग्य चाल चलो, सब नम्रता और सौम्यता के साथ, धीरज के साथ, प्रेम में एक दूसरे को सहते हुए, और आत्मा की एकता को शान्तिके बन्धन से बनाए रखने का यत्न करो। एक ही शरीर और एक ही आत्मा है, जैसे ही तुम्हें

एफसियों को पत्र

एक ही आशा के लिए बुलाया गया था; एक ही प्रभु, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा; एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सबके ऊपर है, और सबके द्वारा, और हम सब में है।

इफसियों 4:1-6
सप्ताह 25

एफसियों का पत्र, आरंभ 224B

भाइयो, हम में से प्रत्येक को मसीह के वरदान के माप के अनुसार अनुग्रह दिया गया है। इसलिए यह कहा गया है: 'ऊँचे पर चढ़कर, वह बंदियों को अपने पीछे ले गए और मनुष्यों को उपहार दिए।' और 'स्वर्गारोहण' का क्या अर्थ है, यद्यपि कवि पहले पृथ्वी के नचिले हसियों में अवतरति हुए थे? जो अवतरति हुए, वही हैं जो सब आकाशों से बहुत ऊपर आरोहण किए, ताकि वे सब कुछ भर दें। और उसने कुछ को प्रेरित, कुछ को भविष्यद्वक्ता, कुछ को सुसमाचार प्रचारक, और कुछ को रखवाले और शक्तिष्क नियुक्त किया, ताकि प्रवृत्ति जन सेवकाई के काम के लिए सुसज्जित हों, और मसीह की देह का निर्माण हो, जब तक कि हम सब विश्वास की एकता और परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान में एक परपिक्व मनुष्य तक न पहुँच जाएँ, और मसीह की पूर्ण परपिक्वता के मापदंड तक न पहुँच जाएँ।

इफसियों 4:7-13
एफिनी के बाद का सप्ताह।
प्रवृत्ति पिताओं को

एफसियों का पत्र, आरंभ 225

भाइयो, ताकि हम फिर शक्ति न रहें, जो हर प्रकार के धर्म के वहाँ-यहाँ की लहरों से इधर-उधर और उधर-उधर उछाले और हर प्रकार की शक्ति की लहरों से बह जाएँ, मनुष्य की चालाकी और कपटपूर्ण युक्तियों से, बल्कि हर प्रकार से उस में परपिक्व हों जो सरि है, अर्थात् मसीह में, जिससे सारा शरीर, प्रत्येक जोड़ने वाले बंधन से जुड़कर और एक साथ बंधकर, जैसे-जैसे प्रत्येक भाग अपना काम करता है, प्रेम में स्वयं को बनाने के लिए बढ़ता है। इसलिये मैं प्रभु में तुम से यह कहता और वनिता करता हूँ कि तुम अन्य जातियों के समान आचरण न करो, जो अपने मन की व्यर्थता के अनुसार चलते हैं, जिनकी समझ अंधी हो गई है और जो अपने अज्ञान और हृदय की कठोरता के कारण परमेश्वर के जीवन से पराए हो गए हैं। काठोर हो जाने के कारण, उन्होंने स्वयं को व्यभिचार के हवाले कर दिया है, और अतृप्त वासना से हर प्रकार की अशुद्धता करते हैं।

इफ 4:14-19
17वें सप्ताह का गुरुवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 226

भाइयो, मैं प्रभु में तुम से वनिता और प्रार्थना करता हूँ कि तुम अब अन्य जातियों की रीति पर न चलो, जो अपने व्यर्थ विचारों के पीछे चलते हैं, जिनकी समझ अंधी हो गई है और जो अपनी अज्ञानता और हृदय की कठोरता के कारण परमेश्वर के जीवन से पराए हो गए हैं। कामुक होकर, वे हर तरह की अशुद्धता को अतृप्त वासना से करने के लिए स्वयं को कामुकता के हवाले कर दिए हैं। परन्तु तुम मसीह को इस प्रकार नहीं जानने आए; क्योंकि तुम उसके विषय में सुन चुके हो और उसमें सिखाए गए हो—जैसा कि सच्चाई यीशु में है—कि तुम अपने पुराने स्वभाव के उस पहले जीवन को उतार दो, जो कपटी इच्छाओं से भ्रष्ट हो गया है, और अपने मन की आत्मा में नए बने रहो, और नए स्वभाव को पहन लो, जो परमेश्वर के स्वरूप में धार्मिकता और सच्चाई की प्रवृत्ति में बनाया गया है। इसलिये झूठ को छोड़कर, हर एक अपने पड़ोसी से सत्य बोले।

इफसियों 4:17-25
17वें सप्ताह का शुक्रवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 227

भाइयो, झूठ को त्यागकर, एक दूसरे से सच्चाई बोलो, क्योंकि हम एक दूसरे के अंग हैं। क्रोध करो, पर पाप न करो; अपने क्रोध पर सूर्य न अस्त होने दो; और शैतान को कोई स्थान न दो। यदि कोई चोरी कर रहा है, तो वह अब चोरी न करे, बल्कि परिश्रम करे, अपने हाथों से कुछ उपयोगी कार्य करे, ताकि उसके पास उन लोगों के साथ बाँटने के लिए कुछ हो जिन्हें आवश्यकता है। तुम्हारे मुँह से कोई भ्रष्ट करने वाली बात न निकले, बल्कि केवल वही निकले जो विश्वास को बढ़ाने के लिए भली हो, ताकि सुनने वालों को अनुग्रह प्राप्त हो। और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को दुखी न करो, जिस से तुम छुटकारे के दिन के लिए मुहरबंद किए गए हो। तुम से सब कटुता, क्रोध, रोष, कलह और नदि, और सब प्रकार का दुष्टताभाव दूर हो जाए; परन्तु एक दूसरे पर दयालु और करुणामय हो, और एक दूसरे को क्षमा करो, जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हें क्षमा किया।

इफसियों 4:25-32
18वें सप्ताह का सोमवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 228

भाइयो, प्रिय संतान के समान परमेश्वर की नकल करो और प्रेम में चलो, जैसे मसीह ने हम से प्रेम किया और हमारे लिए एक सुगंधित बलदान और भेंट के रूप में अपने आप को परमेश्वर के अर्पण कर दिया। और तुम्हारे बीच न व्यभिचार का, न किसी प्रकार की अशुद्धता का, न लोभ का नाम तक लेना चाहिए, जैसा कि पवित्र लोगों के योग्य है। इसी तरह, अपवित्र बातें, व्यर्थ की बातें और उपहास तुम्हारे लिए उपयुक्त नहीं हैं, बल्कि धन्यवाद करना; क्योंकि यह जान लो: कोई वेश्या, या अशुद्ध व्यक्ति, या लोभी—जो मूर्तपूजक है—को मसीह और परमेश्वर के राज्य में कोई वरिसत्त नहीं मिलती। कोई भी व्यर्थ बातों से तुम्हें धोखा न दे; क्योंकि इन बातों के कारण परमेश्वर का क्रोध अवज्ञा के पुत्रों पर आता है; इसलिये, उनके सहभागी न बनो। तुम कभी अंधेरा थे, परन्तु अब प्रभु में प्रकाश हो गए हो।

इफसियों 5:1-8A
तीसवें सप्ताह का शनिवार

एफसियों को पत्र, आरंभ 229

भाइयो और बहनो, प्रकाश के सन्तान होकर जियो, क्योंकि आत्मा का फल सब प्रकार की भलाई, धार्मिकता और सच्चाई में होता है। यह परखो कि यह परमेश्वर को भाता है, और अंधेरे के निष्फल कामों में भाग न लो, बल्कि उन्हें उजागर करो। क्योंकि जो काम वे गुप्त में करते हैं, उनका उल्लेख करना भी लज्जास्पद है। परन्तु जो कुछ प्रकाश में लाया जाता है, वह प्रकाश से प्रकट हो जाता है; क्योंकि जो कुछ प्रकट हो जाता है, वह प्रकाश है। इसलिये यह कहा गया है: 'हे सोने वाले, जाग उठ; हे मरे हुएों में से उठ खड़ा हो; और मसीह तुझ पर प्रकाश करेगा'। इसलिये, तुम कैसे जीते हो इस बात में सावधान रहो—बेसमझ लोगों की तरह नहीं, बल्कि समझदार लोगों की तरह, समय का पूरा लाभ उठाते हुए, क्योंकि दिन बुरे हैं। इसलिये, मूर्ख न बनो, बल्कि यह समझो कि परमेश्वर की इच्छा क्या है। और शराब से मतवाले न बनो, जिससे व्यभिचार होता है; बल्कि आत्मा से परिपूर्ण हो जाओ, भजन और स्तोत्र और आत्मिक गीतों में एक दूसरे से बात करो, प्रभु के लिए अपने हृदयों में गाओ और स्वर बनाओ।

इफसियों 5:8ख-19
सप्ताह 26।
पवित्र आत्मा का सोमवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 230A

भाइयो, हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में परमेश्वर पति का धन्यवाद सदा हर बात पर करो, और परमेश्वर के भय के कारण एक दूसरे के अधीन रहो। हे पत्नियों, अपने पतियों के अधीन रहो, जैसे कि प्रभु के अधीन रहती हो, क्योंकि पितापितृनी का सरि है, जैसे मसीह कलीसिया का सरि है, और वही देह का उद्धारकर्ता

एफसियों को पत्र

है। पर जैसे मंडली मसीह के अधीन है, वैसे ही पतनियों को भी हर बात में अपने पतियों के अधीन रहना चाहिए। हे पतियों, अपनी पतनियों से प्रेम करो, जैसे मसीह ने मंडली से प्रेम किया और उसे पवित्र करने के लिए अपने आप को उसके लिए दे दिया, और वचन के साथ जल के स्नान द्वारा उसे शुद्ध किया।

एफसि 5:20-26
18वें सप्ताह का मंगलवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 230B

भाइयो और बहनो, हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में परमेश्वर पति को हर बात के लिए सदा धन्यवाद दो, और परमेश्वर के भय के कारण एक दूसरे के अधीन रहो। पतनियों, प्रभु के प्रती वैसे ही अपने पतियों के अधीन रहो, जैसे मसीह ने कलीसिया से प्रेम किया और उसे पवित्र करने के लिए अपने आप को उसके लिए दे दिया, और वचन के द्वारा जल से उसे धोया; ताकि वह उसे अपने लिए एक गौरवमय कलीसिया के रूप में प्रस्तुत कर सके। हे पतियों, अपनी पतनियों से प्रेम करो, जैसे मसीह ने कलीसिया से प्रेम किया और उसे पवित्र करने के लिए अपने आप को उसके लिए दे दिया, और वचन के साथ जल से उसे शुद्ध किया; ताकि वह उसे अपने लिए एक गौरवमय कलीसिया के रूप में प्रस्तुत कर सके, जिसमें न कोई दाग हो, न कोई झुर्री, न कोई ऐसी ही कोई बात हो, बल्कि वह पवित्र और नरिदोष हो। इसी तरह, पतियों को अपनी पतनियों से अपने ही शरीर की तरह प्रेम करना चाहिए; जो अपनी पत्नी से प्रेम करता है, वह स्वयं से प्रेम करता है। क्योंकि कोई भी कभी अपने शरीर से घृणा नहीं करता, बल्कि उसे पोषण देता है और उसका पालन-पोषण करता है, ठीक वैसे ही जैसे मसीह कलीसिया का करते हैं, क्योंकि हम उसके शरीर, उसके मांस और उसकी हड्डियों के अंग हैं। 'इसलिये पुरुष अपने पति और माता को छोड़कर अपनी पत्नी से जुड़ जाएगा, और दोनों एक शरीर बन जाएंगे।' यह एक गहरा रहस्य है—मैं मसीह और कलीसिया की बात कर रहा हूँ। आप में से प्रत्येक को अपनी पत्नी से वैसे ही प्रेम करना चाहिए जैसे वह स्वयं से प्रेम करता है, और पत्नी को अपने पति का आदर करना चाहिए।

एफसि 5:20-33क
विवाह संस्कार के समारोह में

एफसियों की पुस्तक, आरंभ 231

भाइयो, अपनी पतनियों से प्रेम करो, जैसे मसीह ने कलीसिया से प्रेम किया और उसके लिए अपना आप दे दिया, ताकि वह उसे पवित्र करे, और वचन के साथ जल से धोकर शुद्ध किया; इसलिये कि वह उसे अपने लिए एक गौरवमय कलीसिया के रूप में प्रस्तुत करे, जिसमें न कोई दाग हो, न कोई झुर्री, न कोई ऐसी ही कोई बात हो, बल्कि वह पवित्र और नरिदोष हो। इसी प्रकार, पतियों को अपनी पतनियों से अपने ही शरीर की तरह प्रेम करना चाहिए; जो अपनी पत्नी से प्रेम करता है, वह स्वयं से प्रेम करता है। क्योंकि किसी ने भी कभी अपने शरीर से घृणा नहीं की, बल्कि उसे पोषति और संजोता है, जैसे मसीह कलीसिया को करते हैं, क्योंकि हम उसके शरीर, उसके मांस और उसकी हड्डियों के अंग हैं। 'इसलिये पुरुष अपने पति और माता को छोड़कर अपनी पत्नी से जुड़ जाएगा, और दोनों एक शरीर बन जाएंगे।' यह एक गहरा रहस्य है—मैं मसीह और कलीसिया की बात कर रहा हूँ। तुम में से प्रत्येक को अपनी पत्नी से वैसे ही प्रेम करना चाहिए जैसे वह स्वयं से प्रेम करता है।

एफसि 5:25-33क
18वें सप्ताह का बुधवार

एफसियों को पत्र, आरंभ 232

भाइयो, तुम में से हर एक अपनी पत्नी से स्वयं के समान प्रेम करे; और पत्नी यह देखे कि वह अपने पति का आदर करे। हे संतानो, प्रभु में अपने माता-पति की आज्ञा मानो, क्योंकि यह उचित है। 'अपने पति और माता का आदर करो'—यह पहला आज्ञा है जिसमें वचन दिया गया है: 'ताकि तुम्हारा भला हो, और तुम पृथ्वी पर लम्बी आयु प्राप्त करो।' और आप, हे पतिओं, अपने बच्चों को क्रोधति न करें, बल्कि उन्हें प्रभु की

एफसियों को पत्र

अनुशासति शकिषा में पालें। हे दासों, अपने सांसारिक स्वामियों की आज्ञा भय और कांपते हुए, मन की खरापन से करो, जैसे मसीह की, न कि केवल दिखावे के दास की तरह, मानो मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहते हों, परन्तु मसीह के सेवक बनकर, हृदय से परमेश्वर की इच्छा पूरी करो, और मनुष्यों के लिए नहीं, परन्तु प्रभु के लिए सेवा करो, यह जानते हुए कि जो कोई भी भलाई करेगा, वह प्रभु से उसी के अनुसार पाएगा, चाहे वह दास हो या स्वतंत्र मनुष्य। और आप, मालिकों, उनके साथ भी ऐसा ही व्यवहार करें, कोमलता दिखाएँ, यह जानते हुए कि स्वर्ग में आप दोनों के ऊपर एक प्रभु है, और वह पक्षपात नहीं करता।

इफसियों 5:33-6:9
१८वें सप्ताह का गुरुवार

एफसियों का पत्र, आरंभ 233

भाइयो, प्रभु में और उसकी सामर्थ्य की शक्ति में दृढ़ हो जाओ। परमेश्वर का सम्पूर्ण हथियार पहन लो, ताकि तुम बुराई के दान में डटे रह सको और सब कुछ पर विजय पाकर स्थिर रह सको। इसीलिए परमेश्वर का पूरा हथियारबंद पहन लो, ताकि तुम बुराई के दान में डटे रह सको और सब कुछ जीतने के बाद, स्थिर बने रह सको। इसलिए, कमर कसकर सत्य को धारण करके, धार्मिकता की कवच पहनकर, और अपने पैरों में शांति के सुसमाचार की तैयारी के जूते जकड़कर स्थिर खड़े रहो; और इन सब के ऊपर विश्वास की ढाल उठा लो, जिससे तुम उस दुष्ट के सभी जलते हुए तीरों को बुझा सको; और उद्धार का टोप और आत्मा की तलवार, जो परमेश्वर का वचन है, ले लो।

इफसियों 6:10-17
सप्ताह 27.
एफेसी के बाद का शनिवार।
स्वीकारकर्ताओं के लिए

एफसियों को पत्र, आरंभ 234

भाइयो, आत्मा में हर समय हर प्रकार की प्रार्थना और वनिती करते रहो; और इसी विषय में सब पवित्र जनों और मेरे लिए बड़ी स्थिरता और वनिती के साथ जागते रहो, कि मुझे वचन का – मेरे होठों के द्वारा सुसमाचार के रहस्य को खुले तौर पर और नडिरता से प्रचारित करूँ, जिसके लिए मैं बेड़ियों में एक राजदूत के रूप में सेवा कर रहा हूँ, ताकि मैं नडिरता से प्रचार करूँ, जैसा कि मुझे करना चाहिए। और ताकि तुम भी मेरी परस्थितियों और कामों के बारे में जान सको, मेरे प्रिय भाई और प्रभु में विश्वासयोग्य सेवक तर्कीखुस तुम्हें सब कुछ बता देगा; मैं उसे इसी उद्देश्य से तुम्हारे पास भेजता हूँ, ताकि तुम हमारी खबर पाओ और वह तुम्हारे हृदयों को सांतवना दे। भाइयों और बहनों के लिए शान्ति, और परमेश्वर पति और प्रभु यीशु मसीह की ओर से विश्वास सहित प्रेम हो। जो हमारे प्रभु यीशु मसीह से अटूट प्रेम रखते हैं, उन सब पर अनुग्रह हो। आमीन।

इफसियों 6:18-24
18वें सप्ताह का शुक्रवार

फलिप्पियों का पत्र

फलिप्पियों को पत्र, आरंभ 235

पौलुस और तीमुथियुस, जो यीशु मसीह के सेवक हैं, फलिप्पी में मसीह यीशु में रहने वाले सभी पवित्र लोगों को, बशिषों और डकिनों सहित: परमेश्वर हमारे पिता और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम पर अनुग्रह और शान्ति हो। जब भी मैं तुम्हारा स्मरण करता हूँ, तो मैं अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ; और मैं तुम्हारे सब के लिए अपनी सब प्रार्थनाओं में सदा आनन्द के साथ प्रार्थना करता हूँ, क्योंकि सुसमाचार में पहलीं दिन से अब तक तुम्हारी सहभागिता के कारण; और मुझे विश्वास है कि जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया, वह उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा। मैं तुम सब के विषय में ऐसा ही सोचूँ, यह मेरे लिए उचित है, क्योंकि तुम सब मेरे हृदय में हो, मेरे साथ अनुग्रह में सहभागी, मेरी बेड़ियाँ और सुसमाचार की रक्षा और पुष्टि में भी।

फलिप्पियों 1:1-7
19वें सप्ताह का सोमवार

फलिप्पियों का पत्र, आरंभ 236

भाइयो, परमेश्वर मेरी गवाही देते हैं कि मैं तुम सब से मसीह यीशु के प्रेम से प्रेम करता हूँ; और मैं प्रार्थना करता हूँ कि तुम्हारा प्रेम ज्ञान और हर प्रकार की समझ में और अधिक और अधिक बढ़ता जाए, ताकि जैसे तुम उत्तम वस्तुओं का विचार करते हो, वैसे ही तुम शुद्ध और निर्दोष मसीह के दिन तक रहो, और यीशु मसीह के द्वारा धार्मिकता के फल से परिपूर्ण रहो, परमेश्वर की महिमा और स्तुति के लिए। भाइयो, मैं चाहता हूँ कि तुम जानो कि मेरी परस्थितियों ने सुसमाचार की सफलता को बढ़ावा दिया है, ताकि मसीह के लिए मेरी कैद पूरे प्राटोरियम और अन्य सभी लोगों में जानी जाने लगी है, और प्रभु में अधिकांश भाइयों ने, मेरी कैद से प्रोत्साहित होकर, परमेश्वर के वचन को और अधिक धैर्य के साथ और बिना डर के प्रचार करना शुरू कर दिया है।

फलिप्पियों 1:8-14
19वें सप्ताह का मंगलवार

फलिप्पियों का पत्र, आरंभ 237

भाइयो, मैं चाहता हूँ कि तुम जानो कि मेरी परस्थितियों ने सुसमाचार की सफलता को और बढ़ावा दिया है, ताकि मसीह के लिए मेरी कैद पूरे प्राटोरियम और अन्य सभी लोगों तक पहुँच गई है, और प्रभु में अधिकांश भाइयों ने, मेरी कैद से प्रोत्साहित होकर, परमेश्वर के वचन को और अधिक धैर्य और बिना भय के प्रचार करना शुरू कर दिया है। कुछ, यह सच है, ईर्ष्या और प्रतद्विन्द्विता के कारण मसीह का प्रचार करते हैं, जबकि अन्य भले इरादों से करते हैं। कुछ, प्रतद्विन्द्विता के कारण, ईमानदारी से नहीं, यह सोचकर मसीह का प्रचार करते हैं कि वे मेरी बेड़ियों का बोझ बढ़ा देंगे; जबकि अन्य प्रेम से ऐसा करते हैं, यह जानते हुए कि मुझे सुसमाचार का बचाव करने के लिए नियुक्त किया गया है। परन्तु इससे क्या फरक पड़ता है? चाहे वे कपट से मसीह का प्रचार करें या खरापन से, मैं तो इसमें आनन्दति हूँ और आनन्दति ही रहूँगा, क्योंकि मैं जानता हूँ कि यह तुम्हारी प्रार्थनाओं और यीशु मसीह की आत्मा की सहायता से मेरे उद्धार के लिए होगा, मेरी आशा और विश्वास के अनुसार।

फलिप्पियों 1:12-20क
19वें सप्ताह का बुधवार

फलपिपियों का पत्र, पाठ 238

भाइयो, मैं किसी भी बात में लज्जति नहीं होऊँगा, परन्तु हर तरह से, अब और हमेशा की तरह, मसीह मेरे शरीर में महमिमत पाएगा, चाहे जीवन के द्वारा हो या मृत्यु के द्वारा। क्योंकि मेरे लिए जीना मसीह है, और मरना लाभ है। परन्तु यदि देह में जीना मेरी सेवा के लिए फल लाना है, तो मुझे नहीं मालूम कि मैं क्या चुनूँ। मैं दोनों के बीच फँसा हूँ: मैं मसीह के साथ होने की लालसा करता हूँ, क्योंकि यह कहीं बेहतर है; परन्तु आपके लिए यह अधिक आवश्यक है कि मैं देह में रहूँ। और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं तुम्हारी उन्नति और आनन्द के लिये, और यह कजिब मैं दूसरी बार तुम्हारे पास आऊँ तो मसीह यीशु में तुम्हारी बड़ाई मुझ से अधिक हो, मैं तुम्हारे संग रहूँगा और बना रहूँगा। केवल मसीह के सुसमाचार के योग्य जीवन जियो।

फलपिपियों 1:20B-27A
19वें सप्ताह का गुरुवार

फलपिपियों का पत्र, आरंभ 239

भाइयो, मसीह के सुसमाचार के योग्य जीवन जियो, ताकि चाहे मैं आकर तुम्हें देखूँ या न देखूँ, मैं तुम्हारे वषिय में यह सुनूँ कि तुम एक ही आत्मा में स्थिर हो, और एक ही मन से सुसमाचार के विश्वास के लिए परशिरम करते हो, और अपने वरिधियों से किसी भी बात का भय नहीं करते: क्योंकि यह उनके नाश की ओर तुम्हारे उद्धार की नशिानी है। और यह परमेश्वर की ओर से है, क्योंकि मसीह के लिए यह अनुग्रह आप पर यह हुआ है कि न केवल उस पर विश्वास करें, बल्कि उसके लिए दुख भी उठाएँ, जैसे आपने मुझ में देखा है और अब मेरे वषिय में सुनते हैं। इसलिए, यदि मसीह में कोई सांत्वना है, यदि प्रेम का कोई प्रोत्साहन है, यदि आत्मा की कोई सहभागिता है, यदि कोई दया और सहानुभूति है, तो मेरी खुशी पूरी करो: एक ही मन रखो, एक ही प्रेम में रहो, एक ही मन और एक ही विचार के हो जाओ; ईर्ष्या या आत्म-तुष्टि के लिए कुछ भी न करो, बल्कि निम्रता से एक-दूसरे को अपने से बढ़कर समझो। तुम में से हर एक न केवल अपनी-अपनी बातों पर, बल्कि दूसरों की बातों पर भी ध्यान दे।

फलि 1:27-2:4
19वें सप्ताह का शुक्रवार

फलपिपियों को पत्र, पाठ 240

भाइयो, तुम्हारा मन वही होना चाहिए जो मसीह यीशु में था: यद्यपि वह परमेश्वर के स्वरूप में था, उसने परमेश्वर के बराबर होने को कोई ऐसी बात नहीं समझी जसि पकड़ना चाहिए; परन्तु उसने अपना आप खाली किया, दास का रूप धारण किया, मनुष्य के समान बना और मनुष्य के रूप में प्रकट हुआ; उसने अपना आप दीन किया, मृत्यु तक, यहाँ तक कि क्रूस पर मृत्यु तक आज्ञाकारी रहा। इसलिए परमेश्वर ने उसे बहुत ऊँचा किया और उसे हर नाम से ऊपर का नाम दिया, ताकि यीशु के नाम पर स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हर घुटना झुके, और हर जी कहे कि यीशु मसीह प्रभु हैं, पति परमेश्वर की महिमा के लिये।

फलपिपियों 2:5-11
परमेश्वर की परम पवित्र माता

फलपिपियों का पत्र, आरंभ 241

भाइयो, जैसे तुम हमेशा आज्ञाकारी रहे हो—न केवल मेरी उपस्थिति में, बल्कि अब मेरी अनुपस्थिति में और भी अधिक—अपने उद्धार को भय और कम्पन के साथ पूरा करो, क्योंकि परमेश्वर ही है जो अपनी इच्छा के अनुसार तुम में इच्छा करने और कार्य करने का काम करता है। सब कुछ बना शकियत या संदेह के करो, ताकि तुम नरिदोष और शुद्ध रहो, एक टेढ़ी और भ्रामक पीढ़ी के बीच परमेश्वर की नषिकलंक संतान बनो, जिनके बीच तुम संसार में तारों की तरह चमकते हो, जीवन के वचन को थामे हुए, ताकि मसीह के दनि मुझे इस बात पर गर्व हो कि मैंने तुम्हें बोया था।

फलि 2:12-16क
20वें सप्ताह का सोमवार

फलिपिपियों का पत्र, पाठ 242

भाइयो, मैं व्यर्थ में परशिरम नहीं किया, और न ही मेरी मेहनत व्यर्थ गई है। परन्तु यदि मैं तुम्हारे विश्वास की बला और सेवा पर एक पान-भोग के रूप में बहाया भी जाऊँ, तो मैं आनन्दति हूँ और तुम्हारे साथ आनन्दति हूँ। इसी प्रकार तुम भी आनन्दति होओ और मेरे साथ आनन्दति रहो। तब मैं प्रभु यीशु में आशा करता हूँ कि मैं शीघ्र ही तीमुथयुस को तुम्हारे पास भेजूँगा, ताकि मैं भी तुम्हारी दशा के विषय में जानकर आत्मा में शान्त पाऊँ। क्योंकि मुझे उसका सा जैसा उत्साही और कोई नहीं मिला, जो तुम्हारी इतनी सच्चाई से परवाह करे; क्योंकि सब अपने-अपने हति की ही खोज करते हैं, न कि मसीह यीशु की। और आप जानते हैं कि विह कतिना वफादार है, क्योंकि उसने सुसमाचार के काम में मेरी सेवा की है, जैसे एक पुत्र अपने पिता की करता है। इसलिए मैं आशा करता हूँ कि मैं उसे भेज दूँगा, जैसे ही मुझे पता चलेगा कि मेरा क्या होगा।

फलि 2:16ख-23
20वें सप्ताह का मंगलवार

फलिपिपियों का पत्र, आरंभ 243

भाइयो, मुझे प्रभु में विश्वास है कि मैं स्वयं शीघ्र ही तुम्हारे पास आऊँगा। परन्तु मुझे यह उचित लगा कि मैं एपाफ्रोदितुस को तुम्हारे पास भेजूँ—जो मेरा भाई, सहकर्मी और सहसैनिक, और तुम्हारा दूत और मेरी आवश्यकता में मेरी सेवा करने वाला है—क्योंकि विह तुम सब से मिलने के लिए लालायति था और इस बात से बहुत दुखी था कि उसकी बीमारी की अफवाह तुम तक पहुँच गई है। क्योंकि विह बीमार पड़ा था, मृत्यु के समीप था; परन्तु परमेश्वर ने उस पर तरह किया—और केवल उस पर ही नहीं, बल्कि मुझ पर भी, ताकि मेरी उदासी पर उदासी न बढ़ जाए। इसलिये मैं उसे तुरन्त भेज देता हूँ, ताकि जब तुम उसे फरि से देखो तो तुम आनन्दति होओ, और मैं कम उदास रहूँ। इसलिए उसे प्रभु में बड़ी खुशी से स्वागत करो, और ऐसे लोगों का बहुत आदर करो, क्योंकि विह मसीह के काम के लिए मृत्यु के समीप पहुँच गया था, और अपनी जान जोखिम में डालकर मेरी सेवा में तुम्हारी कमी को पूरा करना चाहा।

फलि 2:24-30
20वें सप्ताह का बुधवार

फलिपिपियों का पत्र, आरंभ 244

भाइयो और बहनियो, प्रभु में आनन्दति रहो। मुझे तो तुमहें वही बातें लिखने में कोई कष्ट नहीं है, और यह तुम्हारे लिए शिक्षाप्रद है। कुतर्तों से सावधान रहो, दुष्टों से सावधान रहो, खतना के पक्ष में रहने वालों से सावधान रहो—क्योंकि हम ही सच्चे खतने वाले हैं, जो आत्मा में परमेश्वर की सेवा करते हैं और मसीह यीशु में घमण्ड करते हैं, और शरीर पर भरोसा नहीं करते, यद्यपि मेरे पास शरीर पर भरोसा करने का कारण है। यदि कोई और सोचता है कि उसके पास देह पर भरोसा करने का कारण है, तो मेरे पास और भी अधिक है: मैं आठवें दिन खतना किया हुआ, इस्राएल के लोगों में से, बनियामीन के कुल का, इब्राहीमी वंश का शुद्ध यहूदी हूँ; फरीसियों की शिक्षा के विषय में, मैं परमेश्वर की कलीसिया का एक उत्साही उत्पीड़क था; व्यवस्था के अनुसार मैं नषिकलंक हूँ। परन्तु जो कुछ लाभ मुझे हुआ था, उसे मैं मसीह के कारण हानि समझता हूँ। वास्तव में, मैं सब कुछ हानि समझता हूँ, क्योंकि मसीह यीशु को जानने का उत्तम मूल्य है। उसके कारण मैंने सब कुछ त्याग दिया है, और मैं उन्हें कूड़ा-करकट समझता हूँ, ताकि मैं मसीह को प्राप्त कर सकूँ।

फलिपिपियों 3:1-8
20वें सप्ताह का गुरुवार

फलिपिपियों का पत्र, आरंभ 245

भाइयो, मैं अपने प्रभु यीशु मसीह को जानने की उत्तम कीमत के लिए सब कुछ हानि समझता हूँ; उसकी खातिर मैं सब कुछ त्याग चुका हूँ, और मैं उन सब को कूड़ा-करकट समझता हूँ, ताकि मैं मसीह को प्राप्त करूँ और उसमें पाया जाऊँ; न कि अपनी कोई धार्मिकता हो जो व्यवस्था से हो, बल्कि विह जो मसीह में विश्वास से हो, अर्थात् परमेश्वर की धार्मिकता जो विश्वास के द्वारा आती है; ताकि मैं उसे जानूँ और

फलपिपियों को पत्र

उसके पुनरुत्थान की सामर्थ्य को, और उसकी पीड़ाओं की सहभागिता को, उसके मृत्यु के समान बनकर, कि मैं मरे हुआँ में से जी उठने का भाग पाऊँ। मैं यह नहीं कहता कि मैं ने इसे पा ही लिया है, या सदिध हो ही गया हूँ; परन्तु मैं इस आशा से आगे बढ़ता हूँ कि उसे प्राप्त करूँ, जैसे मसीह यीशु ने मुझे प्राप्त किया है। भाइयो, मैं यह नहीं समझता कि मैंने इसे प्राप्त कर लिया है; परन्तु एक काम करता हूँ: जो पीछे हैं उन्हें भूलकर, जो आगे हैं, उनकी ओर बढ़ता हुआ लक्ष्य की ओर दौड़ता हूँ, ताकि मैं उस इनाम को प्राप्त करूँ, जिसके लिए परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में स्वरगीय बुलावे के लिए दौड़ में लगाया है। इसलिए, हम में से जो कोई भी सदिध है, उसे इसी प्रकार सोचना चाहिए; परन्तु यदि तुम किसी दूसरी बात का विचार करते हो, तो परमेश्वर तुम्हें वह भी प्रगट कर देगा। खैर, हमें उसी के अनुसार सोचना चाहिए, जतिना हम पहुँचे हैं, और उसी मानक के अनुसार जीना चाहिए। भाइयो और बहनियो, मेरे अनुकरण में मेरे साथ मलो, और जो लोग उस आदर्श के अनुसार जीते हैं जो तुमने हम में देखा है, उन पर अपनी आँखें टिकाए रखो। क्योंकि बहुत से ऐसे हैं—जनिके विषय में मैं तुम से बार-बार कहा करता था, और अब आँसुओं के साथ भी कहता हूँ—कि वे मसीह के सलीब के शत्रु हैं। जनिका अंत नाश है, जनिका देवता उनका पेट है, और जनिका गौरव उनकी लज्जा में है; वे सांसारिक बातों में डूबे रहते हैं।

फलपिपियों 3:8ख-19
20वें सप्ताह का शुक्रवार

फलपिपियों का पत्र, आरंभ 246

भाइयो, हमारी नागरिकता स्वर्ग में है, जहाँ से हम एक उद्धारकर्ता, हमारे प्रभु यीशु मसीह की भी प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो अपनी उस सामर्थ्य से, जिससे वह सब कुछ अपने वश में कर लेता है, हमारे दीन शरीर को बदलकर अपने महिमामय शरीर के सदृश कर देगा। इसलिये, हे मेरे प्रिय और लालित्य-योग्य भातियो, जो मेरी आनन्द और मुकुट हो, प्रभु में दृढ़ बने रहो, हे मेरे प्रिय। मैं यूओदिया से आग्रह करता हूँ, मैं सन्तिखे से आग्रह करता हूँ, कि वे प्रभु में एकमत हों। और मैं तुझ से भी, हे मेरे विश्वासयोग्य सहकरमियो, आग्रह करता हूँ, कि तू उनकी मदद कर, जिनोंने सुसमाचार में मेरे साथ परश्रम किया है, क्लोआ और मेरे अन्य सहकरमियों के साथ, जनिके नाम जीवन की पुस्तक में लिखे हैं।

फलपिपियों 3:20-4:3
पवित्र शहीदों को

फलपिपियों को पत्र, पद २४७

भाइयो और बहनियो, प्रभु में सदा आनन्दति रहो; मैं फरि कहता हूँ, आनन्दति रहो। तुम्हारी सौम्यता सब मनुष्यों पर प्रगट हो। प्रभु नकिट है। किसी भी बात की चिन्ता मत करो, परन्तु हर एक बात में प्रार्थना और वनिती द्वारा धन्यवाद सहति अपनी याचनाएँ परमेश्वर के सामने पेश करो; और परमेश्वर की शान्ति, जो सब समझ से परे है, मसीह यीशु में तुम्हारे हृदयों और मन की रक्षा करेगी। अंत में, मेरे भातियो और बहनियो, जो कुछ सत्य है, जो कुछ आदरणीय है, जो कुछ उचित है, जो कुछ पवित्र है, जो कुछ मनोहर है, जो कुछ प्रशंसनीय है—यदि कोई बात उत्तम या प्रशंसनीय है—तो उन बातों के विषय में विचार करो। जो कुछ तुमने मुझ में सीखा है या ग्रहण किया है या सुना है या देखा है—उस पर चलो—और शान्तिका परमेश्वर तुम्हारे साथ रहेगा।

फलपिपियों 4:4-9
वै का सप्ताह

फलपिपियों का पत्र, आरंभ 248

भाइयो, मैं प्रभु में बहुत आनन्दति हुआ कि तुमने फरि से मेरी परवाह करनी शुरू कर दी है; तुम पहले भी मेरी परवाह करते थे, परन्तु तुम्हारे लिए परस्थितियाँ अनुकूल नहीं थीं। मैं यह इसलिए नहीं कहता कि मुझे कुछ चाहिए, क्योंकि मैंने जो कुछ भी मेरे पास है, उसमें संतुष्ट रहना सीख लिया है। मैं जानता हूँ कि अभाव में कैसे रहूँ और मैं जानता हूँ कि ऐश्वर्य में कैसे रहूँ; मैंने हर परस्थिति में संतुष्ट रहने का रहस्य सीखा है, चाहे

फलिपियों को पत्र

पेट भरा हो या भूखा, चाहे ऐश्वर्य हो या अभाव। मैं सब कुछ उस मसीह के द्वारा कर सकता हूँ जो मुझे बल देता है। फिर भी, तुमने मेरी कष्ट में सहभागी होकर अच्छा किया। तुम जानते हो, फलिपियों, किस समाचार की शुरुआत में, जब मैं मैसेडोनिया से निकला था, तो किसी भी अन्य कलीसिया ने मेरे साथ देने और लेने में संगत नहीं की, सवाय तुम्हारे; वास्तव में, तुमने मुझे थसिसलुनीके से कई बार सहायता भेजी। मैं यह इसलिए नहीं कह रहा हूँ कि मुझे उपहार चाहिए, बल्कि मैं उस फल की खोज में हूँ जो आपके पक्ष में बढ़ता है। मुझे सब कुछ मिला गया है और मेरे पास पर्याप्त से अधिक है; मैं तृप्त हूँ, क्योंकि एपाफ्रोदितिस के द्वारा मुझे वह मिला है जो आप लोगों ने भेजा था, एक सुगंधित भेंट, परमेश्वर के लिए एक स्वीकार्य और भावनयिक बलिदान। मेरा परमेश्वर मसीह यीशु के द्वारा अपनी महिमा की संपत्तिके अनुसार तुम्हारी हर एक आवश्यकता पूरी करे। हमारे पति परमेश्वर की महिमा युगानुयुग होती रहे! आमीन। मसीह यीशु में सभी पवित्र लोगों को नमस्कार करो। मेरे साथी भाई तुमको नमस्कार भेजते हैं। सभी पवित्र लोग तुमको नमस्कार भेजते हैं, विशेषकर सीज़र के घराने के लोग। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा तुम सब पर हो। आमीन।

फलिपियों 4:10-23
21वें सप्ताह का सोमवार

कुलुससियों को पत्र

कुलुससियों को पत्र, आरंभ 249A

परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह के प्रेरित पौलुस और हमारे भाई तीमुथयुस की ओर से, कोलोसे में मसीह यीशु में पवित्र और विश्वासियों भाइयों और बहनों को। क्योंकि हमारे प्रिय सहकर्मी एपाफ्रोस ने, जो तुम्हारे लिए मसीह का एक विश्वासयोग्य सेवक है, तुम्हें सखाया है—उसने हमें तुम्हारे प्रेम के बारे में आत्मा में बताया है—इसलिए हम भी, जसि दनि से हमने यह सुना है, तुम्हारे लिए प्रार्थना करना और यह याचना करना नहीं छोड़े कि तुम उसकी इच्छा की सम्पूर्ण बुद्धि और आध्यात्मिक समझ से परिपूर्ण हो जाओ, सारी बुद्धि और आत्मिक समझ के साथ, ताकि तुम परमेश्वर के योग्य जीवन जीओ, हर प्रकार से उसे प्रसन्न करो, हर भले काम में फल लाओ और परमेश्वर के ज्ञान में बढ़ो, उसकी महिमा की सामर्थ्य के अनुसार सब शक्ति से बलवान बनो, सब धीरज और सहनशीलता के साथ, प्रभु में आनंदित रहो।

कुलु 1:1-2, 7-11
21वें सप्ताह का मंगलवार

कुलुससियों का पत्र, आरंभ 249B

भाइयो और बहनो, परमेश्वर हमारे पिता और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम पर अनुग्रह और शान्ति हो। हम अपने प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, और हम सदा तुम्हारे लिये प्रार्थना करते हैं, क्योंकि हमने मसीह यीशु में तुम्हारे विश्वास और पवित्र लोगों के प्रेम के विषय में सुना है, और उस आशा के विषय में जो स्वर्ग में तुम्हारे लिये रखी गई है, जसि के विषय में तुम ने पहिले सच्चे सुसमाचार के वचन में सुना था, जो तुम्हारे बीच में है, जैसा कि वास्तव में सारी संसार में है, और फल दे रहा है, और बढ़ रहा है, ठीक वैसे ही जैसे यह आपके बीच भी बढ़ रहा है, उस दनि से जब आपने सुना और सच्चाई में परमेश्वर की कृपा को जान लिया।

कुलु 1:3-6
31वें सप्ताह का शनिवार

कुलुससियों का पत्र, पद 250 से आरंभ

भाइयो, परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो, जसिने हमें प्रकाश में संतों के हस्से में भागीदार होने के लिए बुलाया है, जसिने हमें अंधकार के अधिकार से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में पहुंचा दिया है, जसिमें हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् पापों की क्षमा मिली है; वह अदृश्य परमेश्वर की प्रतस्मि है, सारी सृष्टि में पहिलौठा है; क्योंकि उसके द्वारा सब वस्तुएँ सृजित हुईं, जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर हैं, दृश्य और अदृश्य: चाहे वे सहिसन हों, प्रभुत्व हों, प्रधानताएँ या शक्तियाँ – सब वस्तुएँ उसके द्वारा और उसके लिए सृजित हुईं; और वह सब वस्तुओं से पहिले है, और उसी में सब वस्तुएँ एक साथ बँधी रहती हैं। और वह शरीर, यानी मंडली का सरि है; वह आरंभ और मरे हुएओं में से पहिलौठा है, ताकि वह हर बात में मुख्य रहे।

कुलु 1:12-18
सप्ताह 28।
16 अगस्त, मानव हाथों से न बनी प्रतस्मि का स्थानांतरण

कुलुससियों का पत्र, आरंभ 251

भाइयो, मसीह शरीर, अर्थात् मंडली का सरि है; वह आरम्भ और मरे हुएओं में से पहिलौठा है, ताकि वह सर्व बातों में प्रधान रहे। क्योंकि पिता को यही भाया कि सारी परिपूर्णता उसी में वास करे, और उसी के द्वारा सब बातों को अपने आप से मिला ले, जब वह उसी के द्वारा, उसी के क्रूस के लोहू से मेलमिलाप कर

कोलोससियों को पत्र

लेगा, चाहे वे पृथ्वी पर हों, चाहे वे स्वर्ग में हों। और तुम, जो कभी पराये और शत्रु थे, और बुरे कामों के लिए झुके हुए थे, तुम्हें अब उसने अपने शरीर की देह में मिला लिया है, उसकी मृत्यु के द्वारा, ताकि वह तुम्हें पवित्र और निर्दोष और दोष से रहति बनाकर उसके सामने प्रस्तुत करे, बशर्ते कि तुम विश्वास में दृढ़ और स्थिर रहो और उस सुसमाचार की आशा से पीछे न हटो जिससे तुमने सुना है, जो स्वर्ग के नीचे की हर सृष्टिक प्रचारित किया गया है, और जिसका मैं, पौलुस, सेवक बना हूँ।

कुलु 1:18-23
21वें सप्ताह का बुधवार

कुलोसियों का पत्र, आरंभ 252

भाइयो, मैं अब तुम्हारे नमित्त अपने दुखों में आनन्दति हूँ और मसीह की पीड़ाओं में जो कमी रह गई है, उसे मैं अपने शरीर में उसके शरीर, अर्थात् मंडली के लिए, पूरा करता हूँ, जिसकी मैं तुम्हारे नमित्त परमेश्वर की कृपा के प्रबंधक के अनुसार सेवा कर रहा हूँ, ताकि परमेश्वर का वचन, जो युगों और पीढ़ियों से छपा रहा, पूरा हो, परन्तु जो अब उसकी संतों पर प्रगट हो गई है, जिन पर परमेश्वर ने यह शिद्दों में इस रहस्य की महिमा की धनाढ्यता क्या है, यह प्रगट करना चाहा, और वह यह है कि मसीह तुम में है, जो महिमा की आशा है। और हम उसी का प्रचार करते हैं, और हर एक मनुष्य को समझाते और हर एक को सारी बुद्धि से सिखाते हैं, ताकि हम हर एक मनुष्य को मसीह यीशु में सिद्ध बना कर खड़ा करें; क्योंकि मैं उसी के लिए परिश्रम और यत्न करता हूँ, जो मुझ में सामर्थ्य से कार्य करता है।

कलससियों 1:24-29
21वें सप्ताह का गुरुवार

कुलुससियों को पत्र, पद 253 से आरंभ

भाइयो, मैं चाहता हूँ कि तुम जानो कि मैं तुम और लौदीकिया और ह्यरापोलिस के लोगों और उन सब के लिए जो देह में मेरा मुँह नहीं देखे, किस प्रकार का संघर्ष कर रहा हूँ, ताकि उनके हृदय प्रोत्साहित हों, प्रेम में एक हों, और पूर्ण समझ की समृद्धि तथा परमेश्वर पति के रहस्य के ज्ञान में बढ़ें, जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सब खजाने छपे हुए हैं। मैं यह इसलिये कहता हूँ कि कोई भी तुम्हें मनोहर बातों से धोखा न दे; क्योंकि यदि यद्यपि मैं देह से दूर हूँ, परन्तु आत्मा में तुम्हारे साथ हूँ, और तुम्हारी उन्नति और मसीह में तुम्हारे विश्वास के दृढ़ निश्चय को देखकर मैं आनन्दति हूँ। इसलिये, जैसे तुमने प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया, वैसे ही उसमें चलो, उस में जड़ें जमाए हुए और स्थापित, और उस विश्वास में दृढ़ बने रहो, जैसा तुम्हें सिखाया गया था, और धन्यवाद के साथ उसमें बढ़ते रहो।

कुलु 2:1-7
21वें सप्ताह का शुक्रवार

कुलुससियों का पत्र, आरंभ 254

भाइयो, सावधान रहो कि कोई भी तुम्हें दर्शन-शास्त्र और व्यर्थ की धोखाधड़ी से बहका न ले, जो मानवीय परंपरा और संसार की मूल शक्तियों के अनुसार है, और मसीह के अनुसार नहीं; क्योंकि उसी में देह रूप में परमेश्वरत्व की सारी परिपूर्णता वास करती है, और तुम उसी में परिपूर्ण हो, जो सभी प्रधानताओं और शक्तियों का सारि है। तुम भी उसी में खतना हुए, पर ऐसा खतना जो हाथों से नहीं हुआ, बल्कि शरीर के खमीर को उतारने से हुआ, जो मसीह का खतना है; और बपतिस्मा में उसी के साथ दफनाए गए, और उसी में परमेश्वर की उस सामर्थ्य पर विश्वास करके उसी के साथ जलाए भी गए, जिसने उसे मरे हुए में से जलाया।

कुलु 2:8-12
1 जनवरी, प्रभु का खतना

कुलोसियों का पत्र, आरंभ 255

भाइयो, परमेश्वर, जिसने तुम्हें तुम्हारे पापों और तुम्हारे शरीर की अखत्तन में मरे हुए से जीवित किया है, उसने हम सबके पापों को क्षमा करके, हमारे विरुद्ध जो हस्तलिखित लेख था, जो हमारे विरुद्ध थे, उसे

कोलोससियों को पत्र

रद्द कर दिया है, और उसे मार्ग से हटाकर क्रूस पर चढ़ा दिया है; उनकी शक्तिहीन करके, और उन्हें अपने क्रूस द्वारा जीतने के बाद, सार्वजनिक रूप से उन्हें लज्जित करके प्रदर्शित किया। इसलिए, कोई भी तुम्हें भोजन या पेय, या पर्वा, या अमावस्या, या सब्त के विषय में न्याय न करे: ये आने वाली बातों की परछाई हैं, परन्तु वास्तविकता मसीह में है। कोई भी आपको स्वयं-नयुक्त नम्रता और स्वर्गदूतों की उपासना के बहाने धोखा न दे, जो उन बातों में दखल देता है जिनमें उसने नहीं देखा, और अपने सांसारिक मन से फूलकर, उस सारि से अलग रहता है, जिससे सारा शरीर अपनी जोड़ियों और मांसपेशियों द्वारा जुड़ा और एक साथ बंधा हुआ है, और परमेश्वर से मिलने वाली वृद्धि के अनुसार बढ़ता है। अब, यदि तुम मसीह के साथ संसार के तत्त्वों से मरे हो, तो जैसे कि तुम अभी भी संसार में जीवित हो, वैसे नियमों के अधीन क्यों होते हो?

कुलु 2:13-20
22वें सप्ताह का सोमवार

कुलुससियों का पत्र, आरंभ 256

भाइयो, यदि तुम मसीह के साथ संसार के तत्त्वों से मरे हो, तो जैसे कि तुम अभी भी संसार में जीवित हो, वैसे क्यों उन आज्ञाओं के अधीन हो जाते हो, जैसे कि 'इसे मत छूना', 'इसे मत चखना', 'इसे मत छूना' (ये सब उपयोग से नष्ट होने के लिए नियत हैं), जो मनुष्यों की आज्ञाओं और शक्तिओं के अनुसार हैं? इसमें केवल आत्म-नयुक्त उपासना, झूठी नम्रता और शरीर के संस्कार का दिखावा है, जबकि यह शरीर के पोषण की कुछ हद तक उपेक्षा करता है। इसलिए, यदि तुम मसीह के साथ जला उठे हो, तो ऊपर की बातों को खोजो, जहाँ मसीह परमेश्वर के दाहिने हाथ पर वरिष्ठमान हैं; अपना मन ऊपर की बातों पर लगाओ, न कि पृथ्वी की बातों पर। क्योंकि तुम मर गए हो, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छपा हुआ है।

कुलु 2:20-3:3
22वें सप्ताह का मंगलवार

कुलुससियों का पत्र, आरंभ 257

भाइयो, जब मसीह, जो तुम्हारा जीवन है, प्रकट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा में प्रकट होओगे। इसलिए, अपने सांसारिक अंगों को मार डालो: व्यभिचार, अशुद्धता, कामवासना, बुरी इच्छा और लालच, जो मूर्तपूजा है; इन कारणों से परमेश्वर का क्रोध अवज्ञा के पुत्रों पर आता है, जिनके बीच तुम भी पहले चलते थे जब तुम उनके बीच रहते थे। पर अब इन सब बातों को दूर करो: क्रोध, रोष, दुष्टता, नदि, और तुम्हारे मुंह से निकली हुई बुरी बातें; एक दूसरे से झूठ न बोलो, क्योंकि तुमने पुराने स्वभाव को उसके कामों सहित उतार दिया है और नया स्वभाव पहन लिया है, जो ज्ञान में अपने सृष्टिकर्ता के स्वरूप में नया किया जाता है, जहाँ न कोई यूनानी है, न कोई यहूदी, न खतना है, न अखतना, न कोई बर्बर, न कोई स्कुथाई, न कोई दास, न कोई स्वतंत्र है, पर मसीह सब कुछ और सब में हैं।

कुलु 3:4-11
सप्ताह 29.
पवित्र पूर्वजों का सप्ताह

कोलोससियों को पत्र, आरंभ 258

भाइयो, परमेश्वर की चुनी हुई, पवित्र और प्रिय प्रजा की नाते, दया, कृपा, नम्रता, सौम्यता और धीरज से अपने को आच्छादित करो; एक दूसरे के साथ सहो और एक दूसरे को क्षमा करो, यदि किसी को किसी दूसरे से कोई शिकायत हो: जैसे मसीह ने तुम्हें क्षमा किया, वैसे ही तुम भी करो। सबसे बढ़कर, प्रेम का वस्त्र पहनी, जो सब बातों को पूर्ण सामंजस्य में बाँधता है। और परमेश्वर की शान्ति तुम्हारे हृदयों में राज्य करे, जिसके लिए तुम एक शरीर में बुलाए गए हो, और एक दूसरे के साथ मेल रखो। मसीह का वचन तुम में भरपूर रहे, सब प्रकार की बुद्धि के साथ; भजन, स्तोत्र और आत्मिक गीतों से एक दूसरे को सिखाते और समझाते हुए, और धन्यवाद के साथ अपने हृदयों में प्रभु के लिए गाते हुए।

कुलु 3:12-16
सप्ताह 30।
आदरणीय

कुलोसियों का पत्र, आरंभ 259

भाइयो, तुम जो कुछ भी करो, चाहे वचन में या कर्म में, सब कुछ प्रभु यीशु मसीह के नाम पर करो, और उसी के द्वारा परमेश्वर पति का धन्यवाद करो। हे पतनियों, प्रभु में अपने पतियों के अधीन रहो, यह उचित है। हे पतियों, अपनी पतनियों से प्रेम करो और उन पर कठोर न बनो। हे बच्चों, हर बात में अपने माता-पति की आज्ञा मानो, क्योंकि यह प्रभु को भाता है। हे पतिओं, अपने बच्चों को करोधति न करो, कहीं वे हतोत्साहित न हो जाएँ। हे दासों, हर बात में अपने सांसारिक स्वामियों की आज्ञा मानो; केवल उनकी उपस्थिति में मनुष्यों को प्रसन्न करने के लिए नहीं, बल्कि पित्र भक्तों के साथ, परमेश्वर का भय मानते हुए। और जो कुछ भी तुम करो, उसे पूरे मन से करो, जैसे कि प्रभु के लिए, न कलियों के लिए, यह जानते हुए कि तुम प्रभु से अपना इनाम पाओगे, क्योंकि तुम प्रभु मसीह की सेवा कर रहे हो। परन्तु जो कोई बुराई करता है, वह अपनी बुराई का फल पाएगा; और परमेश्वर पक्षपात नहीं करता। हे स्वामियों, अपने दासों के साथ न्याय और नष्पिक्षता से बर्ताव करो, यह जानते हुए कि तुम भी स्वर्ग में एक स्वामी रखते हो।

कुलोससियों 3:17-4:1
22वें सप्ताह का बुधवार

कुलोससियों को पत्र, पाठ 260A

भाइयो और बहनो, प्रार्थना में स्थिर रहो, धन्यवाद के साथ उसमें जागते रहो। हमारे लिए भी प्रार्थना करो, कि परमेश्वर वचन का द्वार खोले, ताकि हम मसीह के रहस्य का प्रचार कर सकें, जिसके लिए मैं बेड़ियों में हूँ, और मैं इसे इस तरह प्रकट करूँ जैसे मुझे इसका प्रचार करना चाहिए। बाहरी लोगों के साथ समझदारी से व्यवहार करो, और समय का पूरा लाभ उठाओ। तुम्हारा वचन हमेशा नमक से स्वादित कृपा सहित हो, ताकि तुम जान सको कि हर एक को कैसे उत्तर देना है। तखीक'स, जो मेरा प्रिय भाई और विश्वासयोग्य सेवक और प्रभु में मेरा सहकर्मी है, तुम्हें मेरी सब बातें बता देगा। मैंने उसे इसी नमित्तित तुम्हारे पास भेजा है, कि वह तुम्हारी कुशलता जानकर तुम्हारे हृदय को सांतवना दे, हमारे विश्वासयोग्य और प्रिय भाई ओनेसमिस के साथ, जो तुम में से है। वे तुम्हें यहाँ की हमारी सब अवस्था के विषय में बता देंगे।

कुलो 4:2-9
22वें सप्ताह का गुरुवार

कुलोससियों का पत्र, आरंभ 260B

भाइयो और बहनो, कलीसिया के बाहर के लोगों के प्रति बुद्धिमानी से आचरण करो, और समय का पूरा-पूरा लाभ उठाओ। तुम्हारा वचन हमेशा अनुग्रह से परिपूर्ण और नमक से स्वादित हो, ताकि तुम जान सको कि हर एक को कैसे उत्तर देना है। टकीखुस, मेरा प्रिय भाई और विश्वासयोग्य सेवक और प्रभु में सहकर्मी, तुम्हें मेरी सब बातें बता देगा; मैं उसे इसी नमित्तित तुम्हारे पास भेजता हूँ, कि वह तुम्हारी दशा का पता लगावे और तुम्हारे हृदय को सांतवना देवे, हमारे विश्वासयोग्य और प्रिय भाई ओनेसमिस के साथ, जो तुम में से एक है। वे तुम्हें यहाँ की हमारी सब दशा के विषय में बता देंगे। प्रिय चकितिसक लूका और दमास अपनी शुभकामनाएँ भेजते हैं। मैं, पौलुस, अपना यह अभिवादन अपने हाथ से लिखता हूँ। मेरी बेड़ियों को याद रखना। आप सभी पर अनुग्रह हो। आमीन।

कुलो 4:5-9, 14, 18
18 अक्टूबर, संत लूकस प्रेरति

कोलोससियों को पत्र, आरंभ 261

भाइयो, मेरे साथी कैदी अरस्तारखुस तुम्हें नमस्कार भेजता है, और बर्नबास का भतीजा मरकुस भी (जिसके विषय में तुम्हें यह आज्ञा मिली है कि यदि वह तुम्हारे पास आए तो उसे स्वागत करना), और यीशु, जिससे युस्तस कहते हैं; ये दोनों खतना किए हुए हैं। ये परमेश्वर के राज्य के लिए मेरे एकमात्र सहकर्मी हैं जिन्होंने मुझे सांतवना दी है। आपका अपना एपाफ्रास, जो यीशु मसीह का सेवक है, आपको नमस्कार भेजता है; वह अपनी प्रार्थनाओं में नरिन्तर आपके लिए परशिरम करता है, कि आप दृढ़ बने रहें और परमेश्वर की

कोलोस्सियों को पत्र

सारी इच्छा में परंपूरण हों। मैं गवाही दे सकता हूँ कि उसमें आपके और लाओदीकिया और हएिरापोलसि के लोगों के लिए बहुत उत्साह और चिन्ता है। प्रिय चकित्सक लूका और दमास अपनी शुभकामनाएँ भेजते हैं। लाओदीकिया में भाइयों को, और नुम्फा को, और उसके घर की कलीसिया को नमस्कार कहना। जब यह पत्र तुम में पढ़ा जाए, तो इस बात का ध्यान रखना कि यह लाओदीकिया की कलीसिया में भी पढ़ा जाए; और तुम भी बदले में लाओदीकिया का पत्र पढ़ना। आर्कपिस से कहना: देखो, तुमने प्रभु में जो सेवा-कार्य पाया है, उसे पूरा करो। मेरी हस्तलिखित नमस्कार, पौलुस की ओर से। मेरी बेड़ियों को याद करना। आप सभी पर अनुग्रह हो। आमीन।

कुलु 4:10-18
22वें सप्ताह का शुक्रवार

थेससालोनकियों को पहला पत्र

थसिलुनीकियों को पहली पत्रिका, आरंभ 262

पौलुस, सल्वानेस और तीमुथयुस, थसिसलुनीके में मसीह-सभ को परमेश्वर पति और प्रभु यीशु मसीह की ओर से: तुम पर अनुग्रह और शान्ति हो, परमेश्वर हमारे पति और प्रभु यीशु मसीह की ओर से। हम आप सभ के वषिय में सदा परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, और अपनी प्रार्थनाओं में आपको स्मरण करते हैं, और हमारे परमेश्वर पति के साम्हने हमारे प्रभु यीशु मसीह में आपकी उस वशिवास की कारीगरी, प्रेम की सेवा और हमारे प्रभु यीशु मसीह में आशा के अटल रहने को नरिन्तर स्मरण करते हैं, यह जानते हुए कि हे प्रिय भाइयो और बहनो, तुम परमेश्वर के चुने हुए हो; क्योंकि हमारा सुसमाचार तुम्हारे पास केवल वचन में ही नहीं, बल्कि सामर्थ्य और पवित्र आत्मा में भी, और पूरी दृढ़ता के साथ आया, जैसा कि तुम स्वयं जानते हो कि हम तुम्हारे बीच किस प्रकार के थे।

1 थसिसलुनीकियों 1:1-5
23वें सप्ताह का सोमवार

थसिलुनीकियों को पहली पत्रिका, आरंभ 263

भाइयो, तुम हमारे और प्रभु के अनुयायी बन गए हो, क्योंकि तुमने बहुत कष्टों के बीच पवित्र आत्मा के आनन्द के साथ वचन ग्रहण किया, इसलिये तुम मकदीनिया और अकैया के सभी वशिवासियों के लिए आदर्श बन गए हो। क्योंकि प्रभु का वचन तुम से न केवल मैसेडोनिया और अखाया में फैल गया है, बल्कि तुम्हारे परमेश्वर में वशिवास का समाचार जहाँ-जहाँ पहुँचा है, वहाँ-वहाँ फैल गया है, इसलिये हमें इसके वषिय में कुछ कहने की आवश्यकता नहीं रही। क्योंकि वे स्वयं इस बात की गवाही देते हैं कि हमने तुम्हारे बीच कैसी स्वीकृति पाई, और कैसे तुम मूर्तियों से परमेश्वर की ओर मुड़े, ताकि जीवते और सच्चे परमेश्वर की सेवा करो और स्वर्ग से उसके पुत्र की प्रतीक्षा करो, जिससे उसने मरे हुआँ में से जलाया—येशु, जो हमें आने वाले क्रोध से बचाता है।

1 थसिसलुनीकियों 1:6-10
23वें सप्ताह का मंगलवार

थसिलुनीकियों को पहली पत्रिका, आरंभ 264

भाइयो, तुम स्वयं जानते हो कि हमारे तुम पर आना व्यर्थ नहीं था; बल्कि, जैसा कि तुम जानते हो, फलिपिपी में पहले कष्ट सहने और अपमानित होने के बाद, हमने अपने परमेश्वर में हमिमत करके तुम पर परमेश्वर का सुसमाचार बड़ी निर्भीकता से प्रचार किया। क्योंकि हमारी शिक्षा में न तो कोई भूल है, न कोई अशुद्ध उद्देश्य, और न ही कोई छल; परन्तु जैसे परमेश्वर ने हमें सुसमाचार सौपने के लिए योग्य समझा, वैसे ही हम बोलते हैं, और मनुष्यों को नहीं, बल्कि परमेश्वर को प्रसन्न करना चाहते हैं, जो हमारे हृदयों की परीक्षा करता है। जैसा कि आप जानते हैं, हमने आपके सामने कभी चापलूसी के शब्द नहीं बोले, और न ही हमने स्वार्थ के लिए कुछ किया: परमेश्वर हमारी गवाही है! हम मनुष्यों की प्रशंसा नहीं चाहते, न आपसे और न ही दूसरों से: हम मसीह के प्रेरितों के रूप में अपना बड़ा दिखावा कर सकते थे, परन्तु हम आपके बीच कोमल थे, जैसे कोई स्तनपान कराने वाली माँ अपने बच्चों की कोमलता से देखभाल करती है। इसलिये, आपके लिए हमारी गहरी चिंता के कारण, हम आपको न केवल परमेश्वर का सुसमाचार, बल्कि अपनी आत्माएँ भी देना चाहते थे, क्योंकि आप हमें बहुत प्रिय हो गए थे।

1 थसिसलुनीकियों 2:1-8
23वें सप्ताह का बुधवार

थसिलुनीकियों को पहली पत्र, आरंभ 265

भाइयो, तुम हमारे परशिरम और कष्टों को याद करते हो: दनि-रात काम करते हुए, ताकि हम तुम में से किसी पर भी भार न बनें, हमने तुमको परमेश्वर का सुसमाचार प्रचार किया। तुम और परमेश्वर इस बात के गवाह हो कि हम तुम वशिवासियों के बीच अपने आचरण में कतिने पवतिर, धर्मी और नरिदोष थे; क्योंकि तुम जानते हो कि जैसे एक पति अपने बच्चों के साथ करता है, वैसे ही हमने तुम में से प्रत्येक को परमेश्वर के योग्य जीवन जीने के लिए प्रोत्साहति, उत्साहति और वनिती की, जसिने तुम्हें अपनी राज्य और महिमा में बुलाया है। इसी कारण हम भी परमेश्वर का धन्यवाद करना न छोड़ते हैं, क्योंकि जब तुमने परमेश्वर का वचन जो तुमने हम से सुना, ग्रहण किया, तो तुमने इसे मनुष्यों का वचन नहीं, परन्तु परमेश्वर का वचन समझा—और वास्तव में यह ऐसा ही है—और यह तुम में वशिवास करने वालों में प्रभाव डालता है। क्योंकि हे भाइयो और बहनि, तुम यहूदिया में मसीह यीशु में परमेश्वर की कलीसियाओं के अनुकरण करनेवाले बन गए हो।

1 थसिलुनीकियों 2:9-14 के
23वें सप्ताह का गुरुवार

थसिलुनीकियों को पहली पत्र, श्लोक 266 से आरंभ

भाइयो, तुम मसीह यीशु में यहूदिया में परमेश्वर की कलीसियाओं के अनुकरण करनेवाले बन गए हो, क्योंकि तुमने भी अपने देशवासियों से वही दुख उठाया जो उन्होंने यहूदियों से उठाया, जिन्होंने प्रभु यीशु और भविष्यदवक्ताओं दोनों को मार डाला, और हमें नकिल दिया, और जो परमेश्वर को प्रसन्न नहीं करते, बल्कि सब मनुष्यों के वशिधी हैं, जो हमको अन्यजातियों से बोलने से रोकते हैं, ताकि वे उद्धार पाएँ, और इस प्रकार वे अपने पाप का पूरा-पूरा भार भरते रहते हैं; परन्तु उनका न्याय नकिट आ पहुँचा है। हे भाइयो, जहाँ तक हमारा संबंध है, हम शरीर से थोड़े समय के लिए तुम से अलग तो रहे, परन्तु मन से नहीं; और हम तुम्हारा मुखा-मुखा देखने के लिए और भी अधिक उत्सुक थे। और इसलिये हम—मैं, पौलुस—एक-दो बार तुम्हारे पास आना चाहते थे, पर शैतान ने हमें रोक दिया। क्योंकि हमारी आशा, या हमारा आनन्द, या हमारे गौरव का मुकुट कौन है? क्या वह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आगमन के समय उनके साम्हने तुम ही नहीं हो?

1 थसिलुनीकियों 2:14-19
23वें सप्ताह का शुक्रवार

थसिलुनीकियों को पहली पत्र, पाठ 267

भाइयो, तुम ही हमारी महिमा और हमारा आनन्द हो। और इसलिये, जब हम और सहन न कर सके, तो हमने अकेले एथेन्स में ठहरने का नशिचय किया, और हमारे भाई और परमेश्वर के सेवक और मसीह के सुसमाचार में हमारे सहकर्मी तीमुथयुस को तुम्हें दृढ़ करने और तुम्हारे वशिवास में प्रोत्साहति करने के लिये भेज दिया, ताकि इन क्लेशों से कोई भी डगमगा न जाए; क्योंकि तुम स्वयं जानते हो कि हमें इनका सामना करना ही है। क्योंकि जब हम आपके साथ थे, तब भी हमने पहले से ही बता दिया था कि हमें कष्ट उठाना पड़ेगा, जैसा कि वास्तव में हुआ भी है, और जैसा कि आप जानते हैं। इसलिए, मैं भी, और अधिक सहन न कर सकने के कारण, आपकी आस्था के वषिय में पूछने के लिए भेज दिया, कहीं ऐसा न हो कि परीक्षा करने वाला आपको परीक्षा में डाल दे और हमारी मेहनत व्यर्थ हो जाए। परन्तु अब, जब तीमुथयुस तुम्हारे पास से हमारे पास आया है और तुम्हारे वशिवास और प्रेम और इस बात की सुसमाचार सुना गया है कि तुम सदा हमें प्रेमपूर्वक स्मरण करते हो और हमसे मिलने की लालसा करते हो, जैसे हम तुमसे मिलने की लालसा करते हैं, तो हे भातियो, हम तुम्हारे वशिवास के कारण अपनी सब क्लेश और संकट में तुम से सांतवना पाए हैं; क्योंकि जब तक तुम प्रभु में दृढ़ बने रहते हो, तब तक हम जीवित हैं।

1 थसिलुनीकियों 2:20-3:8
24वें सप्ताह का सोमवार

थसिलुनीकियों को पहली पत्र, आरंभ 268

भाइयो, हम तुम्हारे लिए परमेश्वर का पर्याप्त धन्यवाद कैसे कर सकते हैं, उस सारी आनन्द के लिए जो हम तुम्हारे द्वारा हमारे परमेश्वर के सामने प्राप्त करते हैं, जैसे कहिम दनि-रात बड़ी उत्सुकता से प्रार्थना करते हैं कहिम तुम्हें फरि से देखें और तुम्हारे वशिवास में जो कमी है उसे पूरा करें? परमेश्वर स्वयं, हमारा पति, और हमारा प्रभु यीशु मसीह, हमारी तुम्हारे पास जाने की यात्रा को मार्गदर्शन दें। और प्रभु तुम्हारे हृदय को एक दूसरे से और सब से प्रेम करने में भर दे और अतशिय बढ़ा दे, जैसे हम तुम से प्रेम करते हैं, ताकि हमारे प्रभु यीशु मसीह के अपने सब पवतिर स्वर्गदूतों सहति आने पर तुम्हारे हृदय हमारे परमेश्वर पति के सामने नरिदोष और पवतिरता में दृढ़ रहें। आमीन।

१ थसिलुनीकियों ३:९-१३
24वें सप्ताह का मंगलवार

थसिलुनीकियों को पहली पत्र, आरंभ 269

भाइयो और बहनो, हम मसीह यीशु के नाम में तुम से वनिती और प्रार्थना करते हैं: कि जैसे तुम ने हम से सीखा है कि तुम को कैसा आचरण करना चाहिए और परमेश्वर को प्रसन्न करना चाहिए, वैसे ही और भी अधिक प्रगतिकरो, क्योंकि तुम जानते हो कि प्रभु यीशु ने हमें क्या आज्ञा दी है। क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवतिर बनो: कि तुम व्यभिचार से दूर रहो; कि तुम में से प्रत्येक यह जाने कि अपने शरीर को पवतिरता और आदर के साथ कैसे वश में रखे, न कि कामुकता की वासना में, जैसे वे परमेश्वर को न जानने वाले अन्यायकारिते हैं; कि तुम किसी भी प्रकार से अपने भाई के साथ अन्याय या शोषण न करो: क्योंकि प्रभु इन सब बातों का प्रतशिोध लेने वाले हैं, जैसा कहिम पहले ही तुम से कह चुके हैं और गवाही दे चुके हैं। क्योंकि परमेश्वर ने हमें अशुद्धता के लिए नहीं, बल्कि पवतिरता के लिए बुलाया है। इसलिए, जो आज्ञा न मानने वाला है, वह मनुष्य के प्रतनिही, बल्कि परमेश्वर के प्रतआज्ञा न मानने वाला है, जिसने हमें अपना पवतिर आत्मा भी दिया है। जहाँ तक भाई प्रेम का सवाल है, तुम्हें लिखने की कोई आवश्यकता नहीं है; क्योंकि परमेश्वर ने स्वयं आपको एक-दूसरे से प्रेम करना सिखाया है, और वास्तव में आप मैसेडोनिया में सभी भाइयों और बहनों के प्रतऐसा ही करते हैं। हे भाइयो और बहनो, हम तुम्हें आग्रह करते हैं कि और भी अधिक प्रगतिकरो और अपना मन एक शांत जीवन जीने पर लगाओ, अपना-अपना काम देखो और अपने हाथों से काम करो, जैसा कहिमने तुम्हें आज्ञा दी है; ताकि तुम बाहरी लोगों के सामने ठीक से चल-फरि सको और तुम्हें किसी चीज की कमी न हो।

1 थसिलुनीकियों 4:1-12
24वें सप्ताह का बुधवार

थेसालोनिकियों को पहली पत्र, आरंभ 270

भाइयो और बहनो, मैं नहीं चाहता कि तुम उन लोगों के वषिय में जो मर गए हैं, अनभिज्ञ रहो, कहीं ऐसा न हो कि तुम अन्य लोगों की तरह शोक करो जिनके पास आशा नहीं है। क्योंकि जैसे हम यह मानते हैं कि यीशु मरे और फरि जी उठे, वैसे ही परमेश्वर उन लोगों को भी मसीह के साथ लाएगा जो यीशु में मर गए हैं। क्योंकि हम तुम्हें यह प्रभु के वचन से घोषित करते हैं कि हम जो जीवति हैं और प्रभु के आने तक बचे रहेंगे, सो उन लोगों से पहलि नहीं जाएंगे जो सो गए हैं; क्योंकि प्रभु स्वयं आज्ञा के साथ, और महादूत की आज्ञा, और परमेश्वर की तुरही के साथ स्वर्ग से उतरेंगे, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहलि जी उठेंगे; तब हम जो जीवति बचे रहेंगे, उनके साथ-साथ बादलों में उठा लिए जाएंगे, ताकि हिवा में प्रभु से मिलें; और इस प्रकार हम सदा के लिए प्रभु के साथ रहेंगे।

१ थसिलुनीकियों ४:१३-१७
नधिन की स्मृति में (शनिवार)

थेससलुनीकियों को पहली पत्र, अध्याय 271

भाइयो और बहनो, समयों और ऋतुओं के वषिय में तुम्हें लिखने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि तुम स्वयं भलीभाँटी जानते हो कि प्रभु का दिन रात के चोर के समान आएगा। क्योंकि जब लोग कह रहे होंगे, 'शान्ति और सुरक्षा!' तब उन पर अचानक वनिश आ पड़ेगा, जैसे गर्भवती स्त्री पर प्रसव पीड़ा आती है, और वे बचेंगे नहीं। परन्तु हे भाइयो और बहनो, तुम अन्धकार में नहीं, कि वह दिन चोर की नाई तुम पर आ पड़े। क्योंकि तुम सब प्रकाश के और दिन के सन्तान हो; हम रात के और अन्धकार के सन्तान नहीं। इसलिये हम दूसरे लोगों की नाई सोयें नहीं, बल्कि जागते और होशियार रहें। क्योंकि जो सोते हैं, वे रात को सोते हैं, और जो मतवाले होते हैं, वे रात को मतवाले होते हैं। पर चूंकि हम दिन के बच्चे हैं, इसलिये हम होशियार रहें, और विश्वास और प्रेम का कवच पहन लें, और मसीह के दिन की आशा का टोप।

1 थेसिसलुनीकियों 5:1-8
24वें सप्ताह का गुरुवार

थेससलुनीकियों को पहली पत्र, आरंभ 272

भाइयो और बहनो, परमेश्वर ने हमें क्रोध के लिए नहीं, बल्कि हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार पाने के लिए ठहराया है, जो हमारे लिए मरा, ताकि हम जागे या सोएं, हम उसके साथ ही जीवें। इसलिये एक दूसरे को सांतवना दो और एक दूसरे को दृढ़ बनाओ, जैसा कि तुम करते भी हो। इसलिये, भाइयो, हम तुम्हें आग्रह करते हैं कि तुम अपने बीच परस्पर करने वालों का, और प्रभु में तुम्हारे अगुवों का, और जो तुम्हें शिक्षा देते हैं, उनका आदर करो, और उनके काम के कारण प्रेम सहित उन पर विशेष आदर करो; एक दूसरे के साथ शान्ति से रहो। वह विश्वासयोग्य है जो तुम्हें बुलाता है, और वह यह भी पूरा करेगा। भाइयो, हमारे लिए प्रार्थना करो। सभी भाइयों को पवित्र चुम्बन से नमस्कार कराओ। मैं प्रभु में तुम से वनिती करता हूँ कि यह पत्र सभी पवित्र भाइयों को पढ़वाओ। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा तुम पर हो। आमीन।

1 थेसिसलुनीकियों 4:9-13; 28-29
24वें सप्ताह का शुक्रवार

थसिलुनीकियों को पहला पत्र, 273 की शुरुआत

भाइयो और बहनो, हम तुम्हें आज्ञा देते हैं कि अनुशासनहीनों को समझाओ, डरपोकों को प्रोत्साहित करो, कमजोरों का सहारा बनो, और सब के प्रति धीरज धरना। ध्यान रखो कि कोई भी बुराई का बदला बुराई से न ले, बल्कि एक दूसरे के और सब के प्रति भलाई करने का यत्न करो। सदा आनन्दति रहो। बना रुके प्रार्थना करो। हर परिस्थिति में धन्यवाद दो; क्योंकि मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है। आत्मा को बुझाओ नहीं। भविष्यवाणियों को तुच्छ न समझो। सब कुछ परखो; भलाई को दृढ़ता से थामे रहो। हर प्रकार के बुरे काम से दूर रहो। शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी तरह से पवित्र बनाए, और हमारी आशा मसीह यीशु के आगमन तक तुम्हारा आत्मा और मन और शरीर नरिदोष रहे।

1 थेसिसलुनीकियों 5:14-23
32वें सप्ताह का शनिवार

थेससालोनकियों को दूसरी पत्र

थेससलुनीकियों को दूसरी पत्र, आरंभ 274A

पौलुस, सलिवानेस और तीमुथयुस – थसिसलुनीके में मसीह-सभ को परमेश्वर हमारे पिता और प्रभु यीशु मसीह की ओर से: तुम पर अनुग्रह और शान्ति हो परमेश्वर हमारे पिता और प्रभु यीशु मसीह की ओर से। हे भाइयो, हम सदा, जैसा कि उचित है, तुम्हारे विषय में परमेश्वर का धन्यवाद करें, भाइयो, क्योंकि तुम्हारा विश्वास बढ़ता जाता है, और तुम सब में एक दूसरे के प्रति प्रेम बढ़ता जाता है, इसलिये हम स्वयं परमेश्वर की मंडलियों में तुम्हारे विषय में घमंड करते हैं, तुम्हारे धीरज और विश्वास के विषय में जो तुम सब उन सब सतावनों और क्लेशों में दिखाते हो, जो तुम सहते हो, यह इस बात का प्रमाण है कि परमेश्वर का न्याय उचित है, ताकि तुम परमेश्वर के राज्य के योग्य ठहरो, जिसके लिये तुम दुख उठाते हो। क्योंकि परमेश्वर के सामने यह धर्मी है कि जो तुम्हें सताते हैं, उन्हें कष्ट दे और जो सताए जाते हैं, उन्हें हमारे साथ सांतवना दे, जब प्रभु यीशु स्वर्ग से अपने शक्तिके स्वर्गदूतों के साथ, भड़कते हुए आग में प्रकट होंगे, और उन पर प्रतिशोध लेंगे जो परमेश्वर को नहीं जानते और हमारे प्रभु यीशु मसीह की सुसमाचार की आज्ञा नहीं मानते, जो प्रभु के आगमन पर दण्ड, अर्थात् अनन्त वनिश, भोगेंगे; और यह वनिश प्रभु की ओर से और उसकी सामर्थ्य की महिमा के द्वारा होगा, जब वह अपनी पवित्र जनों के साथ महिमा पाने और उस दिन उन सब के बीच आश्चर्य का विषय बनने आएगा, जिन्होंने विश्वास किया है, क्योंकि तुमने हमारी गवाही पर विश्वास किया है।

२ थसिसलुनीकियों १:१-१०
25वें सप्ताह का सोमवार

थसिलुनीकियों को दूसरी पत्र, आरंभ 274B

भाइयो, तुमने हमारी गवाही पर विश्वास किया है। इस कारण हम सदा तुम्हारे लिये प्रार्थना करते हैं, कि हमारा परमेश्वर तुम्हें उसकी बुलाहट के योग्य ठहराए और अपनी कृपा के हर एक भले काम और विश्वास के काम को सामर्थ्य सहित पूरा करे, ताकि हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम तुम में महिमा पाए, और तुम उस में, हमारे परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की कृपा से। भाइयो और बहनियो, हम तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने और हम सब के उसके पास इकट्ठा होने के विषय में यह आज़रिशी करते हैं, कि किसी आत्मा, वा कही हुई बात, वा हमारे पास से भेजा हुआ ऐसा पत्र, जो यह दावा करता हो कि प्रभु का दिन आ ही चुका है, से तुम जल्दी से न डगमगाओ और न घबराओ।

2 थसिसलुनीकियों 1:10ख-2:2
25वें सप्ताह का मंगलवार

थेससलुनीकियों को दूसरी पत्र, आरंभ 275

भाइयो, हम तुम्हें आग्रह करते हैं, हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने और हम सब के उसके पास एकत्रित होने के विषय में, कि किसी आत्मा या वचन या हमारे द्वारा भेजा हुआ सा पत्र देखकर शीघ्र चंचल न होओ और न घबराओ, यह कहते हुए कि प्रभु का दिन आ ही चुका है। कोई भी किसी भी तरह से तुम्हें धोखा न दे; क्योंकि विह दिन तब तक नहीं आएगा जब तक कि पहले पतन न हो जाए और अधर्म का मनुष्य, वनिश का पुत्र, प्रकट न हो जाए, जो हर उस वस्तु के विरुद्ध विरोध करता है और स्वयं को ऊँचा करता है जसि परमेश्वर कहा जाता है या जसिकी उपासना की जाती है, यहाँ तक कि विह परमेश्वर के मंदिर में बैठा है, और स्वयं को परमेश्वर के रूप में प्रस्तुत करता है। क्या तुम्हें याद नहीं कि जब मैं तुम्हारे साथ था, तब मैंने ये बातें तुमसे कहीं थीं? और अब तुम जानते हो कि उसे किस बात ने रोका हुआ है, ताकि विह अपने समय पर

प्रकट हो सके। क्योंकि अधर्म का रहस्य पहले से ही काम कर रहा है; परन्तु वह तब तक पूरी तरह से प्रकट नहीं होगा, जब तक कि उसे रोकने वाला बीच से हट न जाए। और तब वह अधर्म का मनुष्य प्रकट होगा, जिससे प्रभु यीशु अपनी आत्मा के नशिवास से नष्ट कर देंगे और अपने आगमन के तेज से नाश कर देंगे—वह जिसका आगमन शैतान के काम से होगा, और उसके साथ हर प्रकार की सामर्थ्य, झूठे चर्चों और झूठे अद्भुत कामों के साथ होगा, और जो नाश हो रहे हैं, उनके लिए हर प्रकार के अन्यायपूर्ण धोखे के साथ, क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को स्वीकार नहीं किया जिससे वे बच सकें। और इसी कारण परमेश्वर उन्हें एक शक्तिशाली भ्रम भेजता है, ताकि वे झूठ पर विश्वास करें, और जो सत्य पर विश्वास नहीं करते थे, बल्कि अधर्म में आनंद लेते थे, वे सब दण्डित हों।

२ थसिलुनीकियों २:१-१२
२५वें सप्ताह का बुधवार

थसिलुनीकियों को दूसरी पत्री, पाठ 276

भाइयो, प्रभु से प्रिय भाइयो, हम तुम्हारे लिए परमेश्वर का धन्यवाद करना सदैव उचित समझते हैं, क्योंकि परमेश्वर ने आरम्भ से ही आत्मा की पवित्रता और सत्य में विश्वास के द्वारा तुम्हें उद्धार के लिए चुना, जिसके लिए उसने तुम्हें हमारी सुसमाचार के द्वारा बुलाया भी, ताकि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह की महिमा में सहभागी होओ। इसलिए, भाइयो, दृढ़ और स्थिर रहो और उन परंपराओं को दृढ़ता से थामे रहो जो तुम्हें मौखिक रूप से या हमारे पत्र द्वारा सखाई गई हैं। परमेश्वर हमारे प्रभु यीशु मसीह स्वयं और हमारे पिता, जिन्होंने हमें प्रेम किया और अनुग्रह से हमें अनंत सांतवना और अच्छी आशा दी है, तुम्हारे हृदयों को सांतवना दें और तुम्हें हर अच्छे काम और वचन में स्थिर करें। इसलिए, भाइयों, हमारे लिए प्रार्थना करो, कि प्रभु का वचन तुम्हारे यहाँ की तरह ही शीघ्र फैले और महिमा पाए, और हम अव्यवस्थिति और दुष्ट मनुष्यों से छुड़ाए जाएँ; क्योंकि सब के सब विश्वास नहीं रखते। परन्तु प्रभु विश्वासयोग्य है; वह तुम्हें बल देगा और तुम्हें दुष्ट से बचाए रखेगा। हम प्रभु में तुम पर भरोसा करते हैं कि तुम वही कर रहे हो, और करते रहोगे, जो हम तुम्हें आज्ञा देते हैं। प्रभु तुम्हारे हृदयों को परमेश्वर के प्रेम और मसीह की धीरज की ओर उन्मुख करे।

२ थसिलुनीकियों २:१३-३:५
२५वें सप्ताह का गुरुवार

थसिलुनीकियों को दूसरी पत्री, पाठ 277

भाइयो, हम तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में आग्रह करते हैं कि तुम किसी ऐसे भाई से अलग रहो जो अव्यवस्थिति रीति से चलता हो और उस शक्ति के अनुसार न चलता हो जो तुम ने हम से पाई है; क्योंकि तुम स्वयं जानते हो कि तुम्हें हमारा अनुकरण कैसे करना चाहिए; क्योंकि हम आपके बीच में अव्यवस्थिति नहीं रहे, न ही हमने किसी का भोजन व्यर्थ में खाया, बल्कि हमने दनि-रात परश्रम और मेहनत करके आपको कोई बोझ नहीं बनाया – यह इसलिए नहीं कि हमें ऐसा करने का अधिकार नहीं था, बल्कि इसलिए कि हम आपके लिए एक आदर्श बन सकें, जिसका आप अनुसरण करें। क्योंकि जब हम आपके साथ थे, तब हमने आपको यह आज्ञा दी थी: 'यदि कोई काम करने को तैयार नहीं है, तो उसे खाने भी न दिया जाए।' परन्तु हम सुनते हैं कि तुम में कुछ लोग आलसी हैं, जो कुछ नहीं करते, परन्तु तुच्छ बातों में ही व्यस्त रहते हैं। हम ऐसे लोगों से हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम पर आग्रह करते हैं कि वे चुपचाप काम करें और अपनी रोजी-रोटी स्वयं कमाएँ। परन्तु हे भातियो, भलाई करने से न थको। यदि कोई इस पत्र की आज्ञा का पालन न करे, तो उस मनुष्य पर दृष्टि रखो और उसके संग मेलजोल न करो, कि वह लज्जित हो जाए। परन्तु उसे शत्रु न समझो, बल्कि उसे एक भाई की नाई समझाओ। शान्तिका प्रभु आप सभ पर हर समय और हर प्रकार से शान्त बनाए रखे। प्रभु आप सभ के संग रहे! मेरी हस्तलिखित शुभकामना, पौलुस की, जो हर पत्र में चर्च है; मैं इस प्रकार लिखता हूँ: हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा आप सभी के साथ हो। आमीन।

२ थसिलुनीकियों ३:६-१८
२५वें सप्ताह का शुक्रवार

तीमथयुस को लखी प्रथम पत्री

तमिथयुस को पहली पत्रिका, आरंभ 278

पौलुस, जो परमेश्वर हमारे उद्धारकर्ता और प्रभु यीशु मसीह हमारी आशा के आज्ञानुसार यीशु मसीह का प्रेरति है, तमिथी को, जो विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र है: परमेश्वर हमारे पिता और प्रभु यीशु मसीह की ओर से अनुग्रह, दया और शान्ति। जब मैं मकदोनिया को जाता था, तब मैंने तुझ से आग्रह किया था कि तू एफ़सिस में ठहरा रह और कुछ लोगों को आज्ञा दे कि वे न तो कोई और शिक्षा सखाएँ, और न व्यर्थ की बातों और अनंत वंशावली के पीछे लगें, जो परमेश्वर में विश्वास से होने वाली उन्नति के बजाय झगड़े ही उत्पन्न करती हैं। इस आज्ञा का उद्देश्य शुद्ध हृदय, निर्मल वविक और सच्चे विश्वास से उत्पन्न प्रेम है; परन्तु ये बातें छोड़कर, कुछ लोग व्यर्थ की बातों में पड़ गए हैं, जो व्यवस्था के शिक्षक बनना चाहते हैं, परन्तु न तो यह जानते हैं कि वे क्या कहते हैं और न ही यह कि वे क्या कहलाना चाहते हैं।

1 तीमथयुस 1:1-7
26वें सप्ताह का सोमवार

तमिथी के नाम पहला पत्र, आरंभ 279

मेरे पुत्र तमिथी, हम जानते हैं कि व्यवस्था अच्छी है, बशर्ते कोई उसका प्रयोग वैध रूप से करे, यह जानते हुए कि व्यवस्था धर्मी के लिए नहीं, बल्कि अधर्मी और आज्ञा न मानने वालों, अधर्मी और पापियों, अशुद्ध और अपवित्र लोगों के लिए, उन लोगों के लिए जो अपने पिता या माता का सम्मान नहीं करते, हत्यारों के लिए नहीं रखी गई है, कामवासियों, पुरुष वेश्याओं, अपहरण करने वालों, (अपमान करने वालों, पशु-संभोग करने वालों,) झूठे लोगों, परमेश्वर की कसम खाने वालों, और हर उस बात के विरुद्ध जो सुशील शिक्षा के विपरीत है, उस धन्य परमेश्वर के महिमामय सुसमाचार के अनुसार, जो मुझे सौंपा गया है। मैं हमारे प्रभु मसीह यीशु का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मुझे सामर्थ्य दी है, क्योंकि उन्होंने मुझे विश्वासयोग्य जाना और मुझे अपनी सेवा में नियुक्त किया—मुझे, जो कभी ईश्वर-ननिदा करने वाला, सताने वाला और एक हसिक मनुष्य था, परन्तु मुझे दया दिखाई गई, क्योंकि मैं अज्ञानता और अविश्वास में ऐसा करता था; और हमारे प्रभु (यीशु मसीह) की कृपा मसीह यीशु में विश्वास और प्रेम के साथ मुझ पर बहुतायत से हुई है।

1 तीमथयुस 1:8-14
26वें सप्ताह का मंगलवार

तमिथी को पहला पत्र, आरंभ 280A

मेरे पुत्र तमिथी, मैं हमारे प्रभु मसीह यीशु का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मुझे सामर्थ्य दिया है, और मुझे विश्वासयोग्य जाना और सेवा के काम के लिए नियुक्त किया, यद्यपि मैं पहलें एक ननिदक, एक सतावनेवाला और एक हसिक मनुष्य था; तथापि मुझे दया मिली, क्योंकि मैं अज्ञानता और अविश्वास में काम करता था; और हमारे प्रभु (यीशु मसीह) की कृपा मसीह यीशु में विश्वास और प्रेम के साथ मुझ पर बहुतायत से हुई। यह बात भरोसेमंद और पूरी तरह से स्वीकार करने योग्य है: कि मसीह यीशु पापियों को बचाने के लिए संसार में आए—जिनमें मैं सबसे मुख्य हूँ। परन्तु इसी कारण मुझ पर दया की गई, ताकि मुझ में, जो सबसे बड़ा हूँ, यीशु मसीह अपना सारा धीरज दिखावे, यह एक नमूना हो उन लोगों के लिए जो अनन्त जीवन के लिए उस पर विश्वास करेंगे। युगों के राजा, अक्षय, अदृश्य, और एकमात्र बुद्धिमान परमेश्वर का महिमा और आदर युगानुयुग होता रहे। आमीन।

1 तीमथयुस 1:12-17
2 अक्टूबर, संत साइप्रियन

तमिोथी को पहली पत्र, आरंभ 280B

मेरे पुत्र तमिोथी, यह वचन भरोसेमंद है और पूरी तरह से स्वीकार किए जाने योग्य है: क्रीष्ण मसीह पापियों को बचाने के लिए संसार में आए, जिनमें मैं सबसे बड़ा हूँ। परन्तु इसी कारण मुझ पर दया की गई, ताकि मुझ में, जो सबसे बड़ा हूँ, यीशु मसीह अपना सारा धीरज दिखा सकें, उन लोगों के लिए एक उदाहरण के रूप में जो अनन्त जीवन के लिए उन पर विश्वास करेंगे। युगों के राजा, अक्षय, अदृश्य, और एकमात्र बुद्धिमान परमेश्वर को, युगानुयुग सम्मान और महिमा हो। आमीन।

1 तीमथियुस 1:15-17
सप्ताह 31

तमिोथी को पहला पत्र, आरंभ 281

मेरे पुत्र तमिोथी, मैं तुझे यह आज्ञा देता हूँ, जैसा कि तेरे वषिय में पहली से की गई भविष्यवाणियों के अनुसार है, कि तू उन के अनुसार भली लड़ाई लड़, एक भले सैनिक के समान, विश्वास और भले वविक को थामे रह; जनिहें कुछ लोगों ने ठुकरा दिया और इस प्रकार विश्वास में जहाज-दुर्घटना का शिकार हो गए; जैसे हाइमेनयिस और अलेक्जेंडर, जनिहें मैंने शैतान के हवाले कर दिया है, ताकि वे गाली-गलौज करना सीख जाएँ। इसलिए मैं चाहता हूँ कि तू जगह पुरुष प्रार्थना करें, क्रोध या विवाद के बिना पवित्र हाथ उठाकर; और यह कि स्त्रियाँ भी शालीन वस्त्रों, शालीनता और संयम के साथ सज-संवरें; जटाओं, न सोने, न मोतियों, न महँगे-महँगे वस्त्रों से नहीं, बल्कि शुभ कर्मों से, जैसा कि परमेश्वर की भक्ति में लगे रहने वाली स्त्रियों के लिए उचित है। एक पत्नी को सब आज्ञाकारिता के साथ मौन में सीखना चाहिए; परन्तु मैं पत्नी को न तो सिखाने, न ही अपने पति पर अधिकार करने की आज्ञा देता हूँ, बल्कि उसे मौन में रहना चाहिए। क्योंकि पहली आदम रचा गया, फरि हवा; और आदम धोखा नहीं खाया, पर स्त्री धोखा खाकर अपराध में पड़ी; तौभी वह संतान जनने से बचाई जाएगी, यदि वह विश्वास और प्रेम और पवित्रता के साथ संयम में स्थिर रहे।

1 तीमथियुस 1:18-20; 2:8-15
26वें सप्ताह का बुधवार

तमिोथी को पहला पत्र, आरंभ 282

मेरे पुत्र तमिोथी, मैं तुझसे सबसे पहले नविदन करता हूँ कि विनिती, प्रार्थनाएँ, सभी लोगों के लिए, राजाओं और सत्ता में रहने वालों के लिए विनिती और धन्यवाद किया करो, ताकि हम हर धर्मपरायणता और पवित्रता में एक शांत और शांतपूर्ण जीवन व्यतीत करें; क्योंकि यह हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के लिए भला और स्वीकार्य है, जो चाहता है कि सभी लोग बचें और सत्य के ज्ञान तक पहुँचें। क्योंकि परमेश्वर एक है, और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच एक ही मध्यस्थ है, अर्थात् मसीह यीशु जो मनुष्य हुए, जनिहोंने सब के लिए फरिती के रूप में अपना आप दे दिया। मुझे अपने समय में इसी गवाही देने के लिए नियुक्त किया गया था – मैं मसीह में सच बोलता हूँ, मैं झूठ नहीं बोलता – मैं विश्वास और सच्चाई में अन्यजातियों का शिक्षक हूँ।

1 तीमथियुस 2:1-7
1 सतिंबर, नए वर्ष का दिन

तमिोथी को पहला पत्र, आरंभ 283

मेरे पुत्र तमिोथी, यह बात सच है: जो कोई बशिप का पद चाहता है, वह एक उत्तम काम चाहता है। परन्तु एक बशिप नरिदोष, एक स्त्री का पति, संयमी, आत्म-नियंत्रित, सम्माननीय, धर्मी, अतिथि-प्रेमी, शक्ति करने में समर्थ हो; न तो मदपान करने वाला, न तो हसिक, न तो झगड़ालू, न तो लाभ का लोभी, परन्तु कोमल, शान्तप्रिय, धन का प्रेमी न हो, जो अपने घर को अच्छी तरह से चलाता हो, और अपने बच्चों को पूरी गरमा के साथ आज्ञाकारिता में रखता हो; क्योंकि यदि कोई अपना घर चलाना नहीं जानता, तो वह परमेश्वर की कलीसिया की देखभाल कैसे करेगा? वह नया धर्मांतरित नहीं होना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि वह घमंडी हो जाए और शैतान के दंड के अधीन आ जाए। उसे परदेशियों में भी अच्छी साख रखनी चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि वह निंदा और शैतान के फंदे में पड़ जाए। डीकनों को भी नष्टावान, दोहरे स्वभाव का न होने वाला,

तमिोथी को पहला पत्र

मदयपान में लपित न रहने वाला, लाभ के लालची न होने वाला, और नरिमल अंतकरण से वशिवास के रहस्य को बनाए रखने वाला होना चाहिए। ऐसे पुरुषों की पहले परीक्षा होनी चाहिए; फिर, यदि वे नरिदोष पाए जाएँ, तो उन्हें सेवा में स्वीकार किया जाए। इसी प्रकार, उनकी स्त्रियों को भी नष्टावान, बदनामी करने वाली न होने वाली, संयमी, और हर बात में वशिवासयोग्य होना चाहिए। एक डकिन एक ही पत्नी का पति होना चाहिए, अपने बच्चों और अपने घर को अच्छी तरह से संभालने वाला। क्योंकि जो लोग अच्छी सेवा करते हैं, वे अपने लिए एक अच्छा स्थान और मसीह यीशु में वशिवास में बड़ी दृढ़ता प्राप्त करते हैं।

1 तीमुथियुस 3:1-13
26वें सप्ताह का गुरुवार

तमिोथियुस को पहला पत्र, आरंभ 284

मेरे पुत्र तीमुथियुस, मैं तुझसे यह आशा में लिख रहा हूँ कि शीघ्र ही तुझसे मिलूँगा, ताकि यदि मैं वलिम्बति हो जाऊँ, तो तुझे पता चल जाए कि परमेश्वर के घर में, जो जीवति परमेश्वर की कलीसिया है, सत्य का स्तम्भ और आधार है, मनुष्य को कैसे आचरण करना चाहिए। और नसिंदेह, यह परमेश्वरत्व का महान रहस्य है: परमेश्वर देह में प्रकट हुए, आत्मा द्वारा सिद्ध ठहरे, स्वर्गदूतों द्वारा देखे गए, अन्यजातियों में प्रचारित हुए, संसार भर में वशिवास किया गया, और महिमा में उच्च उठाए गए। आत्मा स्पष्ट रूप से कहता है कि अंतमि दनों में कुछ लोग वशिवास से भटक जाएँगे, वे धोखेबाज आत्माओं और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं का अनुसरण करेंगे, झूठे लोगों के कपट के कारण जनिका विविध जला हुआ है, जो लोगों को विवाह करने और परमेश्वर की सृष्टि को खाने से मना करेंगे, ताकि वशिवासयोग्य लोग जो सत्य को जान चुके हैं, वे धन्यवाद के साथ इसका सेवन कर सकें। क्योंकि परमेश्वर की हर एक सृष्टि अच्छी है, और जो कुछ भी धन्यवाद के साथ ग्रहण किया जाता है, उसे अस्वीकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि वह परमेश्वर के वचन और प्रार्थना से पवित्र हो जाता है।

1 तीमुथियुस 3:14-4:5
एफेसियों से पहले का शनिवार

पहला इममानुएल पत्र, आरंभ 285A

मेरे पुत्र तमिोथी, परमेश्वर की हर सृष्टि अच्छी है, और यदि उसे धन्यवाद के साथ ग्रहण किया जाए तो उसे अस्वीकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह परमेश्वर के वचन और प्रार्थना से पवित्र हो जाती है। भाइयों को ये बातें सखाकर, तुम यीशु मसीह के एक अच्छे सेवक बनोगे, जो वशिवास के वचनों और उस उत्तम शिक्षा से पोषित हो, जिसका तुमने पालन किया है। परन्तु अभक्ति और मूर्खता की कहानियों से दूर रह; बल्कि भक्ति में स्वयं को प्रशिक्षित कर; क्योंकि शारीरिक अभ्यास का मूल्य थोड़ा है, परन्तु भक्ति का मूल्य हर तरह से है, जो वर्तमान और भविष्य दोनों में जीवन का वचन देती है। अपने आप पर और अपनी शिक्षा पर पूरा ध्यान दे; इन बातों में स्थिर रह, क्योंकि ऐसा करके तू स्वयं को और सुनने वालों को भी बचाएगा।

1 तीमुथियुस 4:4-8, 16
26वें सप्ताह का शुक्रवार

तमिोथी को पहला पत्र, आरंभ 285B

मेरे पुत्र तीमुथियुस, यह बात सच है और पूरी तरह से स्वीकार करने योग्य है। क्योंकि हम इसी कारण परश्रम करते और अपमान सहते हैं: क्योंकि हम अपनी आशा जीवते परमेश्वर में रखते हैं, जो सब लोगों का, और विशेष करके वशिवासियों का उद्धारकर्ता है। इन बातों का प्रचार कर और सखा। कोई भी तुम्हारी जवानी को तुच्छ न जाने, बल्कि विचन, आचरण, प्रेम, वशिवास और पवित्रता में वशिवासियों के लिए एक आदर्श बनो। जब तक मैं आता हूँ, तब तक पढ़ने, प्रोत्साहन देने और सखाने में लगे रहो। उस वरदान की उपेक्षा न करना जो मुँह में पड़ा है, जो याजकीय हाथ रखने से भविष्यवाणी के द्वारा तुम्हें दिया गया था। इन बातों पर ध्यान दो; इनके लिए स्वयं को समर्पित करो, ताकि तेरी उन्नतसिब पर प्रगट हो।

1 तीमुथियुस 4:9-15

तमिोथी को पहला पत्र, आरंभ 285B

मेरे पुत्र तीमुथियुस, वृद्ध पुरुष को डाँट मत, परन्तु उसे पति के समान समझा-बुझा कर; जवानों को भाइयों के समान; वृद्ध स्त्रियों को माताओं के समान; और जवान स्त्रियों को बहनों के समान, सब पवत्रिता के साथ। वधिवाओं का आदर करो, अर्थात् सच्ची वधिवाओं का। पर यदि किसी वधिवा के पुत्र या पोते-पोतियाँ हों, तो वे पहली अपने घर में भक्तिकरना और अपने माता-पति का ऋण चुकाना सीखें, क्योंकि यह परमेश्वर को भाता है। एक सच्ची वधिवा, जो अकेली रहती है, वह परमेश्वर में अपनी आशा रखती है और दनि-रात वनिती और प्रार्थना में लगी रहती है; परन्तु जो सुख-भोग में लगी रहती है, वह जीते जी मरे हुए के समान है। और यह बात उनमें पक्की कर दो, कवि नरिदोष हों। क्योंकि यदि कोई अपने, और विशेषकर अपने घराने के लोगों का भरण-पोषण नहीं करता, तो उसने विश्वास का इनकार किया है और अवशिवासी से भी बदतर है। वधिवा की आयु कम से कम साठ वर्ष की होनी चाहिए, वह केवल एक पतिकी पत्नी रही हो, और अपने अच्छे कामों के लिए जानी जाती हो: यदि उसने बच्चों का पालन-पोषण किया हो, अजनबियों की मेजबानी की हो, संतों के पैर धोए हों, जरूरतमंदों की मदद की हो, और हर अच्छे काम में परशिरमी रही हो।

1 तीमुथियुस 5:1-10
27वें सप्ताह का सोमवार

तमिोथी को पहली पत्री, आरंभ 286

मेरे पुत्र तमिोथी, जवान वधिवाओं को स्वीकार न करना, क्योंकि वे मसीह के वपिरीत ऐश-ओ-आराम में डूबकर विवाह करना चाहती हैं। वे ननिदा के योग्य ठहरती हैं क्योंकि उन्होंने अपने पहले के विश्वास को अस्वीकार कर दिया है; इसके अलावा, आलसी होकर वे घर-घर घूमना सीख जाती हैं, और वे न केवल आलसी हैं, बल्कि गिपशप करने वाली, दूसरों के मामलों में दखल देने वाली भी हैं, और ऐसी बातें बोलती हैं जो उन्हें नहीं बोलनी चाहिए। इसलिए मैं चाहता हूँ कि जवान वधिवाएँ विवाह करें, बच्चे जनें, अपने घरों का प्रबंध करें, और वरिधी को नदि का कोई अवसर न दें; क्योंकि कुछ तो पहले ही शैतान के बहकावे में आ गई हैं। यदि किसी विश्वासी के पास वधिवाएँ हैं, तो उन्हें उनका भरण-पोषण करना चाहिए और कलीसिया पर बोझ नहीं डालना चाहिए, ताकि वह सच्ची वधिवाओं का भरण-पोषण कर सके। प्राधकिरण के पदों पर रहने वाले बुजुर्गों, विशेषकर जो वचन और शक्ति में परशिरम करते हैं, को विशेष सम्मान मलिना चाहिए। क्योंकि पवत्रिशास्त्र कहता है: 'धाना किचलने वाले बैल के मुँह पर नाकबंद न लगाओ'; और: 'मजदूर अपने मजदूरी का हकदार होता है।' किसी बुजुर्ग के विरुद्ध कोई आरोप तब तक स्वीकार न करो, जब तक कि दो या तीन गवाह उसकी गवाही न दें। जो लोग सबके सामने पाप करते हैं, उन्हें सबके सामने फटकारो, ताकि अन्य लोग डर जाएँ। मैं तुझे परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह और चुने हुए स्वर्गदूतों की उपस्थिति में आज्ञा देता हूँ कि इन आज्ञाओं का पालन बना पक्षपात के करो, और किसी के प्रतापक्षपात करके कुछ भी न करो।

1 तीमुथियुस 5:11-21
27वें सप्ताह का मंगलवार

तमिोथी को पहली पत्री, आरंभ 287

मेरे पुत्र तमिोथी, किसी पर जल्दबाजी में हाथ मत रखना, और न ही दूसरों के पापों में भाग लेना। स्वयं को शुद्ध रखना। अब से केवल पानी ही मत पीना, बल्कि अपने पेट और अपनी बार-बार होने वाली बीमारियों के लिए थोड़ी सी दाखरस का उपयोग करना। कुछ लोगों के पाप स्पष्ट हैं और सीधे न्याय के लिए जाते हैं, जबकि दूसरों के पाप बाद में प्रकट होते हैं। इसी तरह, अच्छे काम भी स्पष्ट होते हैं; और यदि वे स्पष्ट न भी हों, तो भी उन्हें छिपाया नहीं जा सकता। जो दास जंजीर के नीचे हैं, उन्हें अपने स्वामियों को हर सम्मान के योग्य समझना चाहिए, ताकि परमेश्वर के नाम और उसकी शक्ति पर कोई नदि न आए। जनिके मालकि विश्वासी हैं, उन्हें तुच्छ न समझें, क्योंकि वे भाई हैं; बल्कि उन्हें और भी अधिक सेवा करें क्योंकि वे विश्वासी और प्रिय हैं, और उनके भले का करें। यह सखाओ और उन्हें समझाओ। जो कोई भी इसके वपिरीत सखाता है

तमिोथी को पहला पत्र

और हमारे प्रभु यीशु मसीह के उत्तम वचनों और भक्तों के सदिधांत का अनुसरण नहीं करता, वह घमंडी है, कुछ भी नहीं जानता, बल्कि विविधों और बहसों के जुनून में डूबा रहता है, जिससे ईर्ष्या, झगड़े, बदनामी और दुर्भावनापूर्ण संदेह उत्पन्न होते हैं। ये भ्रष्ट मन वाले लोगों के व्यर्थ तर्क हैं, जो सत्य से अपरचित हैं, और यह मानते हैं कि भक्ति धन लाभ का साधन है। ऐसे लोगों से दूर रहो। परमेश्वर भक्ति और संतोष का जीवन जीना ही महान लाभ है। क्योंकि हम संसार में कुछ भी नहीं लाए, और यह भी स्पष्ट है कि हम इससे कुछ भी नहीं ले जा सकते। यदि हमारे पास भोजन और वस्त्र हैं, तो हमें इन्हीं से संतुष्ट रहना चाहिए। परन्तु जो धनी होना चाहते हैं, वे परीक्षा और फंदे में पड़ते हैं, और बहुत सी मूर्खतापूर्ण और हानिकारक लालसाओं में फँस जाते हैं, जो मनुष्यों को नाश और विनाश में डाल देती हैं; क्योंकि धन का लोभ सब प्रकार के बुरे कामों की जड़ है, और उसमें फँसकर कुछ लोग विश्वास से भटक गए और उन्होंने अपने आप को बहुत दुखों में डाल लिया। परन्तु हे परमेश्वर के मनुष्य, इन सब से दूर रह।

1 तीमोथियुस 5:22-6:11A
27वें सप्ताह का बुधवार

तमिोथी को पहला पत्र, आरंभ 288

मेरे पुत्र तमिोथी, धार्मिकता, ईश्वर-भक्ति, विश्वास, प्रेम, धीरज और कोमलता में बढ़। विश्वास की अच्छी लड़ाई लड़; उस अनंत जीवन को प्राप्त कर जिसके लिए तू बुलाया गया था, और जिसके विषय में तूने बहुत से गवाहों के सामने अच्छा इकरार किया। जीवन के दाता परमेश्वर के सामने, और मसीह यीशु के सामने, जिनोंने पोंतियस पिलातस के सामने भले इकरार की गवाही दी, मैं तुझे आज्ञा देता हूँ कि तू हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रकट होने तक आज्ञा को नरिमल और नरिदोष रख; जो समय पर प्रकट किया जाएगा, और वह धन्य और एकमात्र शक्तिमान राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु है, वही एक है जिसके पास अमरत्व है, जो अप्राप्य ज्योतिर्मास वास करता है, जिसे न किसी ने देखा है और न कोई देख सकता है। उसी की महिमा और अनन्त सामर्थ्य हो! आमीन।

1 तीमोथियुस 6:11ख-16
क्रिसमस के बाद का शनिवार

तमिोथी को पहला पत्र, आरंभ 289

मेरे पुत्र तमिोथी, इस वर्तमान युग के धनी लोगों को समझा कि वे घमण्डी न हों, और न धन-संपत्ति की अनिश्चितता पर आशा रखें, बल्कि परमेश्वर पर रखें, जो आनंद लेने के लिए हमें सब कुछ भरपूर प्रदान करते हैं; ताकि वे उदारता करें, भले कामों में धनी हों, उदार और बाँटने में तैयार रहें, इस प्रकार अपने लिए भविष्य के लिए एक अच्छा आधार जमा करें—ताकि वे अनन्त जीवन प्राप्त करें। हे तमिोथी, जो तुझ पर सौंपा गया है उसकी रक्षा कर; व्यर्थ की बकवास और तथाकथित ज्ञान के झगड़ों से दूर रह, जिनमें कुछ लोग पड़कर विश्वास से भटक गए हैं। अनुग्रह तुम्हारे साथ हो। आमीन।

1 तीमोथियुस 6:17-21
27वें सप्ताह का गुरुवार

तमिोथी को दूसरी पत्री

तीमथयुस को दूसरी पत्री, आरंभ 290A

परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरति पौलुस, मसीह यीशु में जीवन के वचन के अनुसार, मेरे प्रिय पुत्र तीमथयुस को: परमेश्वर पति और हमारे प्रभु मसीह यीशु की ओर से अनुग्रह, दया और शान्ति। हमारे प्रभु यीशु मसीह की गवाही से, और उसकी कैद से, हमलोगों को लज्जति न हो; परन्तु परमेश्वर की सामर्थ्य से मसीह के सुसमाचार के लिये दुख उठा, जसिने हमको बचाया और पवतिर बुलावे से बुलाया, और वह हमारों अपने कामों के कारण नहीं, परन्तु अपने इरादे और अनुग्रह के अनुसार है, जो युगों के आरंभ से पहले मसीह यीशु में हमें दी गई थी, परन्तु अब हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के प्रगट होने से प्रकट हुई है, जसिने मृत्यु का नाश किया और सुसमाचार के द्वारा जीवन और अमरता को प्रकाश में लाया, जसिके लिये मैं अनाड़ी लोगों का प्रचारक और प्रेरति और शक्ति नयिकत हुआ हूँ। इसी कारण मैं दुख उठा रहा हूँ; फरि भी मुझे लज्जा नहीं है। क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैंने कसि पर विश्वास किया है, और मुझे यकीन है कि वह उस दिन तक उस भरोसे की रक्षा कर सकता है जो मैंने उस पर किया है। उस शुद्ध शिक्षा के नमूने को दृढ़ता से थामे रहो जो तुमने मुझसे सुनी है, मसीह यीशु में विश्वास और प्रेम में। पवतिर आत्मा के द्वारा उस उत्तम भरोसे की रक्षा करो जो हम में वास करता है। तुम जानते हो कि सभी एशियाई लोगों ने मुझे छोड़ दिया है; उनमें फगिलुस और हरमोगेनेस भी हैं। प्रभु ओनेसफोरुस के घराने पर दया करें, क्योंकि उसने कई बार मेरा मन प्रसन्न किया और मेरी बेड़ियों से लज्जति नहीं हुआ, बल्कि रोम में बड़ी लगन से मुझे ढूँढ़ निकाला और मुझे पा भी लिया। परमेश्वर करे कि प्रभु उस दिन उस पर अनुग्रह करे; और तू किसी से बढ़कर जानता है कि उसने एफसिस में मेरी कतिनी सेवा की।

2 तीमथयुस 1:1-2, 8-18
27वें सप्ताह का शुक्रवार

तीमथयुस को दूसरी पत्री, आरंभ 290B

मेरे पुत्र तमिोथी, मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, जसिकी मैं अपने पूर्वजों की भाँति निरिमल अंतकरण से सेवा करता हूँ, कि मैं दिन-रात अपनी प्रार्थनाओं में नरिन्तर तेरा स्मरण करता रहता हूँ, और मैं तुम्हारे आँसू याद करके तुम्हें देखने के लिये तरसता हूँ, ताकि मैं आनन्द से भर जाऊँ, जब मैं तुम्हारे उस खरे विश्वास को याद करूँ जो पहली तुम्हारी दादी लोईस और तुम्हारी माँ यूनीस में था; और मुझे विश्वास है कि वह तुम में भी है। इसी कारण मैं तुम्हें याद दिलाता हूँ कि परमेश्वर का वह वरदान फरि से जगाओ जो मेरे हाथ रखने से तुममें मिला है; क्योंकि परमेश्वर ने हमें डर की आत्मा नहीं, बल्कि सामर्थ्य, प्रेम और आत्मसंयम की आत्मा दी है। इसलिए हमारे प्रभु यीशु मसीह की गवाही से, और उसके कैदी होने पर मुझसे भी लज्जति न हो; परन्तु परमेश्वर की सामर्थ्य से मसीह के सुसमाचार के लिये दुख उठा, जसिने हमें बचाया और हमें एक पवतिर बुलावे से बुलाया, यह हमारे अपने कामों के कारण नहीं, बल्कि अपनी ही योजना और अनुग्रह के अनुसार, जो मसीह यीशु में हमें पहले से दिया गया था।

2 तीमथयुस 1:3-9क
22 जनवरी, संत तीमथयुस प्रेरति

तमिोथी को दूसरी पत्री, आरंभ 291

मेरे पुत्र तमिोथी, हमारे प्रभु यीशु मसीह की गवाही से, और उसके कैदी होने से मेरी लज्जति न हो; परन्तु परमेश्वर की शक्ति से मसीह के सुसमाचार के लिये दुख उठा, जसिने हमें बचाया और हमें एक पवतिर बुलावे से बुलाया, हमारे अपने कामों के कारण नहीं, बल्कि अपनी ही योजना और अनुग्रह के अनुसार, जो हमें मसीह

तमिोथी को दूसरी पत्री

यीशु में समय की शुरुआत से पहले दिया गया था, परन्तु अब हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के प्रकट होने से प्रगट किया गया है, जिसने मृत्यु को नाश किया और सुसमाचार के द्वारा जीवन और अमरत्व को प्रकाश में लाया, जिसके लिए मैं जो युगों के आरंभ से पहली मसीह यीशु में हमें दी गई थी, परन्तु अब हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के प्रगट होने से प्रकट हुई है, जिसने मृत्यु को नाश किया और सुसमाचार के द्वारा जीवन और अमरता को प्रकाश में लाया, जिसके लिए मैं अनाड़ी लोगों का प्रचारक और प्रेरित और शक्तिशाली नयिकृत किया गया हूँ। इसी कारण मैं दुख उठा रहा हूँ; फिर भी मुझे लज्जा नहीं है। क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैंने किस पर विश्वास किया है, और मुझे यकीन है कि वह उस दिन तक उस भरोसे की रक्षा कर सकता है जो मैंने उस पर किया है। उस शुद्ध शिक्षा के नमूने को थामे रहो जो तुमने मुझसे सुनी है, मसीह यीशु में विश्वास और प्रेम के साथ। पवित्र आत्मा के द्वारा उस उत्तम भरोसे की रक्षा करो जो हम में वास करता है। तुम जानते हो कि सभी एशियाई लोगों ने मुझे छोड़ दिया है; उनमें फगिलुस और हरमोगेनेस भी हैं। प्रभु ओनेसफोरुस के घराने पर दया करें, क्योंकि उसने कई बार मेरा मन प्रसन्न किया और मेरी बेड़ियों से लज्जित नहीं हुआ, बल्कि रोम में बड़ी लगन से मुझे ढूँढ़ निकाला और मुझे पा लिया। परमेश्वर करे कि वह उस दिन प्रभु के सामने अनुग्रह पाए; और तू किसी से बढ़कर जानता है कि उसने एफेसुस में मेरी कतिनी सेवा की।

2 तीमथियुस 1:8-18
28 नवंबर, संत स्टीफन नव।
पवित्र शहीदों।
सवीकारकर्ता

तीमथियुस को दूसरी पत्री, आरंभ 292

हे मेरे पुत्र तमिोथी, मसीह यीशु की कृपा में दृढ़ हो जा, और जो कुछ तूने बहुत से गवाहों के सामने मुझसे सुना है, उसे विश्वासयोग्य लोगों को सौंप दे जो दूसरे लोगों को भी सिखा सकें। इसलिये यीशु मसीह के एक अच्छे सपिाही के रूप में दुख सह। कोई भी सैनिकी जीवन के रोजमर्रा के मामलों में खुद को नहीं उलझाता, ताकि वह अपने सेनापति को प्रसन्न कर सके। और यदि कोई प्रतस्पर्धा करता है, तो वह नियमों के अनुसार प्रतस्पर्धा करने पर ही मुकुट प्राप्त करता है। खेलों में पराजित करने वाला पहला फल का भागी होता है। मैं जो कह रहा हूँ उसे समझो। प्रभु तुम्हें हर बात में समझ प्रदान करें। परमेश्वर के मसीह यीशु को याद करो, जो दाऊद की संतान से उत्पन्न हुए और मरे हुएों में से जी उठे, मेरी सुसमाचार के अनुसार, जिसके लिए मैं एक अपराधी की तरह बेड़ियाँ पहनकर दुख उठाता हूँ; परन्तु परमेश्वर का वचन बेड़ी में नहीं है। इसलिये मैं चुने हुएों के लिये सब कुछ सहता हूँ, ताकि वे भी मसीह यीशु में अनन्त महिमा के साथ उद्धार प्राप्त करें।

2 तीमथियुस 2:1-10
शहीदों के लिए

तमिोथी को दूसरी पत्री, आरंभ 293

मेरे पुत्र तीमथियुस, यह बात सच है: यदि हम उसके साथ मर गए हैं, तो हम उसके साथ जीएंगे भी; यदि हम धीरज धरते हैं, तो हम उसके साथ राज्य करेंगे भी; यदि हम उसे नकारते हैं, तो वह भी हमें नकार देगा; यदि हम विश्वासघाती होते हैं, तो वह विश्वासयोग्य बना रहता है, क्योंकि वह स्वयं को नकार नहीं सकता। उन्हें यह याद दिलाओ, और प्रभु के सामने दृढ़ता से चेतावनी दो कि वे वाद-विवाद में न पड़ें, क्योंकि ऐसी बातों से कुछ भी लाभ नहीं होता, बल्कि सुनने वालों में केवल भ्रम पैदा होता है। परमेश्वर के सामने स्वयं को एक ऐसे व्यक्तिके रूप में प्रस्तुत करने का यत्न करो जो परखा हुआ और ऐसा काम करने वाला हो जिससे लज्जित होने की आवश्यकता न हो, जो सत्य के वचन को सही-ठीक रीति से समझाता हो। परन्तु व्यर्थ की बकवास से दूर रहो; क्योंकि ऐसे लोग दुष्टता में और भी अधिक बढ़ेंगे, और उनकी शिक्षा कैसर की तरह फैलेगी। ऐसे ही हैं ह्यमेनेओ और फलियो, जो इस सत्य से भटक गए हैं कि मसीह का पुनरुत्थान पहले ही हो चुका है, और कुछ लोगों के विश्वास को कमजोर कर रहे हैं। परन्तु परमेश्वर की दृढ़ नींव स्थिर बनी रहती है, जिस पर यह मुहर लगी है: 'प्रभु अपने लोगों को जानता है', और: 'जो कोई भी प्रभु का नाम लेता है, वह अधर्म से दूर रहे'।

2 तीमथियुस 2:11-19
33वें सप्ताह का शनिवार

तमिोथी को दूसरी पत्री, आरंभ 294

मेरे पुत्र तीमथयुस, एक बड़े घर में न केवल सोने और चांदी के पात्र होते हैं, बल्कलिकड़ी और मटिटी के भी; और कुछ आदरणीय उपयोग के लिए होते हैं, जबकि अन्य साधारण उपयोग के लिए। इसलिए, जो कोई इन बातों से स्वयं को शुद्ध रखता है, वह आदर के पात्र के समान होगा, पवतिर कथिा हुआ और स्वामी के काम के लिए उपयोगी, हर अच्छे काम के लिए तैयार कथिा हुआ। युवावस्था के कामों से भागो, और धार्मकिता, वशिवास, प्रेम, और उन सब के साथ शान्ति को थामे रहो जो शुद्ध हृदय से प्रभु की ओर पुकारते हैं। मूर्खतापूर्ण और अज्ञानी वविादों से दूर रहो, यह जानते हुए कि वे झगड़ों को जन्म देते हैं; परन्तु प्रभु का दास झगड़ना नहीं चाहता, बल्कसिभी के प्रतदियालु, शकिषा देने में समर्थ, झगड़ालू नहीं, और जो उसका वरिध करते हैं उन्हें कोमलता से सखिता है, इस आशा में कि परमेश्वर उन्हें सत्य के ज्ञान के लिए पश्चाताप की अनुग्रह दे, ताकि वे शैतान के फंदे से छूट जाएँ, जसिने उन्हें अपनी इच्छा पूरी करने के लिए बंदी बना लिया है।

2 तीमथयुस 2:20-26
28वें सप्ताह का सोमवार

तमिोथी को दूसरी पत्री, आरंभ 295

मेरे पुत्र तमिोथी, यह जान रख: अंतमि दनों में कठनि समय आएंगे। क्योंकि लोग स्वार्थी, धन के लालची, घमंडी, दंभ करने वाले, बदनाम करने वाले, माता-पति की आज्ञा न मानने वाले, कृतघ्न, पवतिरता से रहति, नरिदयी, नरिदयता करने वाले, नदिक, संयमहीन, कठोर, परमेश्वर से प्रेम करने के बजाय सुख-भोग के प्रेमी, धर्म का ढोंग तो करेंगे, परन्तु उसकी शक्ति को नकार देंगे। नदिक, असंयमी, नरिदयी, भलाई से बैर रखने वाले, वशिवासघाती, लापरवाह, घमंडी, परमेश्वर के प्रेमियों के बजाय सुख के प्रेमी, जनिके पास भक्ति का दिखावा तो है परन्तु उसकी शक्ति से इनकार करते हैं। ऐसे लोगों से दूर रह। इनमें वे लोग भी हैं जो घरों में चुपके से घुस आते हैं और पाप में डूबी उन स्त्रियों को बहका देते हैं, जो वभिनिन प्रकार की वासनाओं से प्रेरति होती हैं, जो हमेशा सीखती रहती हैं, परन्तु सत्य का ज्ञान कभी प्राप्त नहीं कर सकतीं। जैसे यनास और यम्बरसि ने मूसा का वरिध कथिा था, वैसे ही ये लोग भी सत्य का वरिध करते हैं—ये विकृत मन वाले और वशिवास में अज्ञानी हैं। परन्तु वे बहुत आगे नहीं बढ़ेंगे; क्योंकि उनकी मूर्खता सब पर प्रगट हो जाएगी, जैसे उन लोगों की भी हुई थी।

2 तीमथयुस 3:1-9
34वें सप्ताह का शनिवार

तीमथयुस को दूसरी पत्री, आरम्भ 296

मेरे पुत्र तमिोथी, तूने शकिषा, आचरण, उद्देश्य, वशिवास, उदारता, प्रेम, धीरज, और उन सतावटों और कष्टों में मेरे अनुकरण कथिा है जो मुझे अन्तयिकथिा, इकोनयिम और लूस्रयिा में झेलने पड़े; ऐसी सतावटें जनिहें मैंने सहन कथिा, और जनि सब से प्रभु ने मुझे छुड़ाया। नश्चय ही जो कोई भी मसीह यीशु में भक्ति से जीवन व्यतीत करना चाहेगा, वह सताया जाएगा। परन्तु दुष्ट मनुष्य और धोखेबाज बगिड़ते ही चले जाएँगे, और धोखा देते और धोखा खाते रहेंगे। परन्तु जो बातें तुझसे सखाई गईं और जनिके वषिय में तुझ पर वशिवास कथिा गया है, उन पर स्थरि रह; और यह जान कि तुझे कसि से सखाई गईं। और तू बचपन से पवतिर शास्त्र जानता है, जो मसीह यीशु में वशिवास द्वारा उद्धार के लयि तुझे बुद्धमिान बना सकता है।

2 तीमथयुस 3:10-15
सप्ताह 33, महसूल लेने वाले और फरीसी पर

तीमथयुस को दूसरी पत्री, आरंभ 297

मेरे पुत्र तमिोथी, सारी पवतिरशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से लिखा गया है और शकिषा, अनुशासन, सुधार तथा धार्मकिता में प्रशकिषण के लिए लाभदायक है, ताकि परमेश्वर का मनुष्य हर भले काम के लिए पूरी तरह से सुसज्जति हो सके। इसलयि मैं तुझे परमेश्वर और हमारे प्रभु यीशु मसीह की उपस्थति में

तमिोथी को दूसरी पत्री

आज्जा देता हूँ, जो अपनी प्रकटता और अपने राज्य में जीवतों और मरे हुएों का न्याय करने वाले हैं: वचन का प्रचार कर; समय पर और अजग्य पर तैयार रह; डाँट, फटकार और समझाइश कर, सब धीरज और शिक्षा के साथ। क्योंकि वह समय आएगा जब लोग सही शिक्षा को बर्दाश्त नहीं करेंगे, बल्कि अपनी इच्छाओं के अनुसार अपने लिए शिक्षक इकट्ठा कर लेंगे और सत्य को सुनना बंद कर देंगे और कविदंतियों में भटक जाएँगे।

2 तीमुथियुस 3:16-4:4
28वें सप्ताह का मंगलवार

तमिोथी को दूसरी पत्री, आरंभ 298

मेरे पुत्र तमिोथी, सब बातों में चौकस रह, कष्ट सह, प्रचारक का काम कर, अपना प्रचार-कार्य पूरा कर। क्योंकि मैं अब बलक़ के पेय के समान ढल रहा हूँ, और मेरा प्रस्थान का समय आ गया है। मैंने अच्छा संघर्ष किया है, मैंने दौड़ पूरी कर ली है, मैंने विश्वास बनाए रखा है; और अब मेरे लिए धार्मिकता का मुकुट रखा हुआ है, जिससे प्रभु, वह धर्मी न्यायी, उस दिन मुझे प्रदान करेंगे; और न केवल मुझे, बल्कि उन सभी को भी जो उसकी प्रकट होने की प्रतीक्षा में रहे हैं।

2 तीमुथियुस 4:5-8
एफ़िनी से पहले का सप्ताह

तीमुथियुस को दूसरी पत्री, अध्याय 299

मेरे पुत्र तमिोथी, यथाशीघ्र मेरे पास आने का यत्न करना। क्योंकि दिमास ने इस संसार से प्रेम करके मुझे छोड़ दिया है और थसिसलुनीके चला गया है; क्रसिकसि गलातिया में, तीतुस दल्मातीया में; केवल लूका ही मेरे साथ है। मार्कस को ले आना और अपने साथ लाना, क्योंकि मुझे अपनी सेवा के लिए उसकी आवश्यकता है। मैंने तिकीकोस को एफ़ेसस भेज दिया है। जब तुम आओ, तो वह चोगा लाना जो मैंने त्रोआस में कार्पस के पास छोड़ा था, और कतिबें भी, विशेषकर चमड़े की कतिबें। कुंभार अलेक्जेंडर ने मेरा बहुत अहति किया है। प्रभु उसे उसके कामों के अनुसार प्रतफल दे! तुम भी उससे सावधान रहना, क्योंकि उसने हमारे वचन का बहुत वरिध किया है। मेरी पहली अपील के समय कोई भी मेरे साथ नहीं था; सबने मुझे छोड़ दिया। यह उनके लिए दोष का कारण न बने! परन्तु प्रभु मेरे साथ खड़ा रहा और मुझे बल दिया, ताकि मेरे द्वारा संदेश पूरी तरह से प्रचारित हो और सब अन्यायाति उसे सुन सकें; और मैं सहि के मुँह से छुड़ाया गया। और प्रभु मुझे हर बुराई से बचाएगा और मुझे अपनी स्वर्गीय राज्य के लिए सुरक्षित रखेगा; उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन। प्रसिका¹ और अक्विला और ओनेसफ़ोरुस के घराने को नमस्कार कहना। एरास्तस कोरनिथ में ठहर गया है; और त्रोफ़िम² को मैं मलिलैटस में बीमार छोड़ आया हूँ। यत्न करना कि सर्दी पड़ने से पहले आ जाना। यूबुलुस, प्यूसेस, लनिस, क्लौडिया और सभी भाइयों ने अपनी शुभकामनाएँ भेजी हैं। प्रभु यीशु मसीह तुम्हारी आत्मा के साथ रहे। अनुग्रह तुम्हारे साथ हो। आमीन।

2 तीमुथियुस 4:9-22
28वें सप्ताह का बुधवार

तीतुस को पत्र

तीतुस को पत्र, आरंभ 300A

पौलुस, परमेश्वर का दास, और यीशु मसीह का प्रेरति, परमेश्वर के चुने हुएों के विश्वास के कारण और उस सत्य के ज्ञान के कारण जो भक्तों की ओर ले जाता है, उस अनंत जीवन की आशा में, जिसका वादा न बदलने वाले परमेश्वर ने युगों के आरंभ से पहले किया था, और उचित समय पर हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की आज्ञा से मुझे सौंपी गई प्रचार की सेवा द्वारा अपना वचन प्रगट किया, – तितुस, जो सामान्य विश्वास में एक सच्चा पुत्र है: परमेश्वर पति और हमारे उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह की ओर से अनुग्रह, दया और शांति। इन बातों को कहो, उत्साह बढ़ाओ और पूरी अधिकारता से डाँटो, ताकि कोई भी तुम्हारी तुच्छ न जाने। उन्हें याद दिलाओ कि वे अधिकारियों और सत्ता में रहने वालों के अधीन रहें, हर भले काम के लिए तैयार रहें, किसी की बुराई न करें, झगड़ालू न हों, बल्कि कोमल रहें, और सभी मनुष्यों के प्रतिसारी नम्रता दिखाएँ। क्योंकि हम भी पहलें मूर्ख, आज्ञा न माननेवाले, भटकते हुए, अपनी इच्छाओं और तरह-तरह के सुखों के दास थे, और बुराई और ईर्ष्या में जीते हुए, घृणति और एक दूसरे से बैर रखते थे। जब मैं आर्तेमस या तकिखुस को तेरे पास भेजूँ तो पूरी कोशिश करना कि निकोपोलिस में मेरे पास आ जाना, क्योंकि मैं ठान चुका हूँ कि वहाँ ही सरदी बताऊँगा। ध्यान रखना कि जेनस वकील और अपोल्लस को रास्ते पर भेज दिया जाए, ताकि उन्हें किसी बात की कमी न हो। मेरे साथ रहने वाले सब लोग तुम्हें नमस्कार भेजते हैं। जो लोग विश्वास में हमसे प्रेम करते हैं, उन्हें नमस्कार कहना। तुम सब पर अनुग्रह हो। आमीन।

तीतुस 1:1-4; 2:15-3:3; 3:12-13, 15
25 अगस्त, संत तितुस प्रेरति

तीतुस को पत्र, आरंभ 300B

मेरे पुत्र तितुस, मैंने तुम्हें करीट में इसलिये छोड़ा था कि जो कुछ करना बाकी है उसे तुम व्यवस्थिति करो और प्रत्येक नगर में बुजुर्ग नयिकृत करो, जैसा मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी: यदि कोई नरिदोष हो, एक पत्नी का पति, जिसके विश्वासयोग्य बच्चे हों, जिन पर व्यभिचार या अवज्ञा का आरोप न हो। क्योंकि एक बशिप नरिदोष होना चाहिए, परमेश्वर का प्रबंधक, न घमण्डी, न चड़िचड़ा, न मद्यपान करने वाला, न हसिक, न लाभ का लालची, परन्तु अतिथि-प्रेमी, भलाई का प्रेमी, संयमी, धर्मी, धर्मपरायण, संयमी, स्वस्थ शिक्षा के अनुरूप सत्य वचन को दृढ़ता से थामे हुए, ताकि वह दूसरों को स्वस्थ शिक्षा सिखा सके और वरिध करने वालों का खंडन कर सके। क्योंकि आज्ञा न माननेवाले, व्यर्थ बातें करनेवाले और धोखेबाज बहुत हैं, विशेष करके खतना कराए हुएों में से, जिनके मुँह बन्द किए जाने चाहिए: वे लज्जाजनक लाभ के लिए, न चाहिए ऐसी बातें सिखाकर, घरों को उलट-पुलट कर देते हैं। उन्हीं में से एक कवि ने भी कहा है: 'करीती सदा झूठे, दुष्ट, आलसी पेटू होते हैं।' यह गवाही सत्य है। इसलिये उन्हें कठोरता से डाँटो, ताकि वे विश्वास में सुस्थिर हो जाएँ, और यहूदी कविदंतियों और सत्य से मुँह मोड़ने वालों की आज्ञाओं पर कोई ध्यान न दें। पवित्र लोगों के लिए सब कुछ पवित्र है; परन्तु कलंकित और अवशिष्टियों के लिए कुछ भी पवित्र नहीं है; सच तो यह है कि उनका मन और उनकी विवेकबुद्धि दोनों ही कलंकित हैं। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते हैं, पर अपने कामों से उसे नकारते हैं; वे घृणति, आज्ञा न माननेवाले और किसी भी भले काम के लिए अयोग्य हैं। परन्तु तुम को सुठली शिक्षा के अनुसार बात करनी चाहिए।

तीतुस 1:5-2:1
२८वें सप्ताह का गुरुवार

तीतुस को पत्र, प्रारंभ 301

मेरे पुत्र तीतुस, शुद्ध लोगों के लिए सब कुछ शुद्ध है; परन्तु कलंकति और अवशिवासियों के लिए कुछ भी शुद्ध नहीं है; वास्तव में, उनका मन और उनकी विकृति दोनों कलंकित हैं। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते हैं, पर अपने कामों से उसे नकारते हैं, घृणति, आज्ञा न माननेवाले और किसी भी भले काम के लिए अयोग्य हैं। परन्तु तू जो बातें सुठुली शिक्षा के अनुसार है, वही बोलना: कबिडे पुरुष होश-ठिकाने, गंभीर, संयमी, और विश्वास, प्रेम, और धीरज में सुठुले हों; और बड़ी स्त्रियों भी वैसा ही पवतिर वेश धारण करें, जैसा पवतिर लोगों के योग्य है, और बदनामी करने वाली न हों, और मद्यपान की दास न हों, पर भलाई सखाती रहें; ताकि वे जवान स्त्रियों को सखाएँ कि वे अपने पतियों से प्रेम करें, अपने बच्चों से प्रेम करें, संयमी, पवतिर, गृहिणी, दयालु और अपने पतियों के अधीन रहें, ताकि परमेश्वर का वचन बदनाम न हो। युवा पुरुषों को भी संयम रखने के लिए प्रोत्साहित करें। हर काम में अच्छे कामों का उदाहरण प्रस्तुत करें; अपनी शिक्षा में पवतिरता, गरमा, ईमानदारी, सच्ची बात और नरिदोष आचरण दिखाएँ, ताकि विरौधी लज्जति हो जाए और हमारे बारे में कुछ भी बुरा न कह सके। दासों को आज्ञा दें कि वे अपने मालिकों की आज्ञा मानें, हर बात में उन्हें प्रसन्न करें, पलटकर उत्तर न दें, चोरी न करें, बल्कि हर प्रकार की नष्टि दखाएँ, ताकि हर बात में वे हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के उपदेश का गौरव करें।

तीतुस 1:15-2:10
28वें सप्ताह का शुक्रवार

तीतुस को पत्र, आरंभ 302A

मेरे पुत्र तीतुस, परमेश्वर की कृपा प्रगट हुई है, जो सब मनुष्यों के उद्धार के लिये है, और हमें यह सखाती है कि हम अधर्म और सांसारिक वासनाओं को त्यागकर संयम से युक्त, इस वर्तमान युग में धार्मिकता और भक्ति से जीवन व्यतीत करें, जब तक हम धन्य आशा और हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के महिमा के प्रकट होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिन्होंने हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ाने और अपने लिए एक ऐसे लोगों को शुद्ध करने के लिए स्वयं को दे दिया जो उनके अपने हो कर भले कामों के लिए उत्साही हों। परन्तु जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की कृपा और प्रेम प्रगट हुआ, उसने हमें बचाया, हमारे कपड़े धुएँ धर्म के कामों के कारण नहीं, बल्कि अपनी दया के अनुसार, पवतिर आत्मा के द्वारा नए जन्म के स्नान और नवीनीकरण के द्वारा, जैसी उसने हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा हम पर भरपूर रूप से उंडेल दिया, ताकि उसकी कृपा से धर्मी ठहरकर हम अनंत जीवन की आशा के अनुसार वारसि बनें।

तीतुस 2:11-14; 3:4-7
6 जनवरी, प्रभु का बपतिस्मा

तीतुस को पत्र, आरंभ 302B

मेरे पुत्र तीतुस, यह बात सच्ची है; और मैं चाहता हूँ कि तू इस पर दृढ़ता से कायम रह, ताकि जो परमेश्वर पर विश्वास करते हैं, वे भले कामों में लगे रहें: यह अच्छा और लाभदायक है। पर मूर्खतापूर्ण वाद-विवादों, वंशावली, झगड़ों और व्यवस्था के विषय में विवादों से दूर रह, क्योंकि ये व्यर्थ और लाभहीन हैं। जहाँ तक किसी विधर्मी का प्रश्न है, एक या दो बार चेतावनी देने के बाद उससे कोई संबंध न रखो, यह जानते हुए कि ऐसा व्यक्ति भटक गया है और पाप करता है, और स्वयं ही अपने आपको दोषी ठहरा चुका है। जब मैं आर्तेमास या तकिीकोस को तुम्हारे पास भेजूँ तो शीघ्रता से निकोपोलिस में मेरे पास आना, क्योंकि मैंने ठान ली है कि मैं वहाँ ही सरदी बताऊँगा। ध्यान रखना कि जेनस वकील और अपोलोस को उनके रास्ते पर भेज दिया जाए, ताकि उन्हें किसी चीज़ की कमी न हो। हमारे अपने लोग भी सीखें कि भले काम करें, और ज़रूरी ज़रूरतों को पूरा करें, ताकि वे नष्टि न रहें। मेरे साथ जो लोग हैं, वे सब तुम्हें नमस्कार भेजते हैं। जो लोग विश्वास में हमें प्रेम करते हैं, उन्हें नमस्कार कहना। तुम सब पर अनुग्रह हो। आमीन।

तीतुस 3:8-15
पाँचवें सार्वभौमिक परिषद के पवतिर पतिमह

फलिमोन को पत्र

फलिमोन को पत्र, आरंभ 302B

यीशु मसीह के लिए कैदी पौलुस और हमारे भाई तिमोथी की ओर से, हमारे प्रिय और सहकर्मी फलिमोन, हमारी प्रिय बहन अप्फीया, हमारे सहसैनिक अरखपिपस और तेरे घर की कलीसिया के नाम: तुम पर अनुग्रह और हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से शान्ति हो। मैं अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, और अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हें सदा स्मरण करता हूँ, क्योंकि मैंने प्रभु यीशु के प्रति और सभी पवित्र लोगों के प्रति तुम्हारे प्रेम और विश्वास के विषय में सुना है, ताकि मसीह यीशु में तुम्हारे बीच हर भली बात के ज्ञान में तुम्हारे विश्वास का सहभाग प्रभावी हो। क्योंकि हे भाई, तुम्हारे प्रेम से हमें बड़ी प्रसन्नता और हौसला मिला है, क्योंकि तुम्हारे द्वारा पवित्र लोगों के हृदय को सांत्वना मिली है। इसलिये, यद्यपि मसीह में मुझे तुम्हें आज्ञा देने का पूरा अधिकार है, फिर भी प्रेम के कारण मैं विनती करना उचित समझता हूँ—मैं, पौलुस, जो वृद्ध हूँ और अब यीशु मसीह का कैदी हूँ; मैं अपने पुत्र ओनेसिमोस की ओर से आपसे विनती करता हूँ, जैसी मैंने कैद में जन्म दिया है: वह कभी आपके काम का नहीं था, पर अब वह आप और मुझ दोनों के काम का है; मैं उसे आपके पास वापस भेजता हूँ; आप उसे अपने हृदय की तरह स्वीकार करें। मैं उसे अपने पास रखना चाहता था, ताकि वह सुसमाचार के लिए मेरी बेड़ियों में आपके स्थान पर मेरी सेवा करे; परन्तु मैं आपकी अनुमति के बिना कुछ भी नहीं करना चाहता था, ताकि आपका भला काम विघ्न से न हो, बल्कि आपकी स्वेच्छा से हो। क्योंकि शायद उसे कुछ समय के लिए इसलिये ले जाया गया था कि तुम उसे सदा के लिए प्राप्त करो, अब दास के रूप में नहीं, बल्कि दास से भी बढ़कर—एक प्रिय भाई के रूप में, विशेषकर मेरे लिए, और तुम दोनों के लिए, शरीर में और प्रभु में भी। इसलिये, यदि तुम मेरे साथ एकता में हो, तो उसे वैसे ही ग्रहण करो जैसे तुम मुझे ग्रहण करते। यदि उसने किसी भी प्रकार से तुम पर अत्याचार किया है, या तुम पर कुछ भी बकाया है, तो उसका हिसाब मेरे खाते में लिख दो। मैं पौलुस, ने यह अपने हाथ से लिखा है: मैं इसका भुगतान करूँगा; मैं तुम्हें उस बात का उल्लेख नहीं कर रहा हूँ जो तुम स्वेच्छा से मुझे पहले से ही देते हो। तो, हे भाई, प्रभु में मेरा भला करो; प्रभु में मेरे हृदय को शान्त दो। मैं तुम्हारी आज्ञाकारिता पर भरोसा करके लिखता हूँ, यह जानते हुए कि तुम मेरे कहने से भी अधिक करोगे। साथ ही, मेरे ठहरने के लिए एक जगह तैयार रखना; क्योंकि मुझे आशा है कि तुम्हारी प्रार्थनाओं के द्वारा मुझे तुम्हारे यहाँ आने की अनुमति मिलेगी। मसीह यीशु के लिए मेरे सह-कैदी एपाफ्रास तुम्हें नमस्कार भेजता है, और मेरे सहकर्मी मार्क, अरस्तारखुस, दमास और लूका भी नमस्कार भेजते हैं। हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा तुम्हारी आत्मा के साथ रहे। आमीन।

फलिमोन 1:1-25
22 नवंबर, संत फलिमोन प्रेरति

इब्रानियों को पत्र

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 303

ईश्वर, जसिने प्राचीन काल में भवषियदवक्ताओं के द्वारा कई बार और कई प्रकार से पुरखों से बात की, ने इन अंतमि दनों में हमसे अपने पुत्र के द्वारा बात की है, जसि उसने सभी वस्तुओं का वारसि नयिक्त कया है, और जसिके द्वारा उसने संसारों की रचना की। वह, जो उसकी महमा का प्रतबिबि और उसके तत्व का सटीक प्रतरूप है, और अपनी सामर्थ्य के वचन से सब कुछ धारण करता है, ने स्वयं हमारे पापों का प्रायश्चित्त करके उच्च स्थान पर महमा के सहिसन के दाहनि बैठ गया है, और स्वर्गदूतों से इतना श्रेष्ठ है जतिना कि उसे वरिसत में मला हुआ नाम उनके नामों से उत्तम है। क्योंकि कसि स्वर्गदूत से कभी परमेश्वर ने कहा: 'हे पुत्र, आज मैं तुझ को उत्पन्न कया है?' या फरि: 'मैं उसका पति बनूँगा, और वह मेरा पुत्र होगा?' इसी प्रकार, जब वह पहिलौठे को संसार में लाता है, तो वह कहता है: 'परमेश्वर के सब स्वर्गदूत उसकी आराधना करें।' स्वर्गदूतों के वषिय में कहा गया है: 'तुम अपने स्वर्गदूतों को आत्मा और अपने सेवकों को जलती आग बनाता है।' परन्तु पुत्र के वषिय में कहा गया है: 'हे परमेश्वर, तेरा सहिसन युगानुयुग स्थरि रहेगा; तेरे राज्य का राजदण्ड धर्म का राजदण्ड है। तूने धार्मकिता को प्रेम कया और दुष्टता से घृणा की; इसलिये परमेश्वर, तेरा परमेश्वर, अपने साथियों से बढ़कर आनन्द के तेल से अभषिकित हुए हैं। और: 'हे प्रभु, आरम्भ में तूने पृथ्वी की नींव डाली, और आकाश तेरे हाथों का काम है; वे नाश हो जाएँगे, परन्तु तू बना रहेगा; और वे सब एक वस्त्र के समान घसि जाएँगे; तू उन्हें एक चोगा-सा लपेटेगा, और वे बदल जाएँगे; परन्तु तू वही रहेगा, और तेरे वर्ष कभी समाप्त नहीं होंगे।'

इब्रानियों 1:1-12
महा-तपस्या के प्रथम सप्ताह का शनिवार।
मसीह के जन्म की पूर्व संध्या

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 304

हे प्रभु, आरम्भ में, आपने पृथ्वी की नींव डाली, और आकाश आपके हाथों का काम है; वे नष्ट हो जाएँगे, परन्तु आप बने रहेंगे; और वे सब वस्त्र के समान घसि जाएँगे; आप उन्हें एक ओढ़नी की नाई लपेट देंगे, और वे बदल जाएँगे; परन्तु आप वही हैं, और आपके वर्ष कभी समाप्त नहीं होंगे। परमेश्वर ने स्वर्गदूतों में से कसिको कभी यह कहा: 'मेरे शत्रुओं को तेरे पैरों के नीचे तकया बनाने तक मेरे दाहनि बैठ?' क्या वे सब सेवा करने वाले आत्मा नहीं हैं, जो उद्धार के वारसि होने वालों की सेवा के लिए भेजे गए हैं? इसलिये, हमें जसि बात को हमने सुना है, उस पर विशेष ध्यान देना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि हम बहक जाएँ। क्योंकि यदि स्वर्गदूतों के द्वारा प्रचारति वचन दृढ़ था, और हर अनाज्जाकारति और अवज्जा को न्यायसंगत दण्ड मला, तो हम ऐसी महान उद्धार से, जो पहिले प्रभु के द्वारा प्रचारति की गई और फरि सुनने वालों के द्वारा हम पर दृढ़ की गई, कैसे बचेंगे?

इब्रानियों 1:10-2:3
महान तपस्या का दूसरा सप्ताह

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 305

भाइयो, यदि स्वर्गदूतों के द्वारा प्रचारति वचन बाध्यकारी था, और हर उल्लंघन और अवज्जा को उसकी उचित सजा मिली, तो हम ऐसी महान उद्धार से मुँह फेर लेने पर कैसे बचेंगे, जो प्रभु के द्वारा सबसे पहले प्रचारति की गई, और यह हमारे बीच उन लोगों द्वारा पुष्ट कया गया है जिन्होंने यह बातें उसी से सुनीं, और साथ ही परमेश्वर की गवाही भी मिली, जो चनिहों और अद्भुत कामों, और विभिन्न सामर्थ्यों, और उसकी इच्छा के अनुसार पवतिर आत्मा के उंडेलने के द्वारा थी? क्योंकि परमेश्वर ने उस संसार को, जसिके

इब्रानियों को पत्र

वषिय में हम बात कर रहे हैं, स्वर्गदूतों के अधीन नहीं किया, इसके विपरीत, किसी ने कहीं यह गवाही दी है, कहते हुए: 'मनुष्य क्या है कि तु उसकी सुध लेता है? या मनुष्य का पुत्र कि तु उसकी परवाह करता है? तूने उसे स्वर्गदूतों से कुछ ही कम कर दिया है; तूने उसे महिमा और सम्मान का मुकुट पहनाया है, और उसे अपनी हाथों की कृतियों पर प्रभुत्व दिया है; तूने सब कुछ उसके अधीन कर दिया है।' अब जब उसने सब कुछ अपने अधीन कर लिया, तो उसने ऐसा कुछ भी नहीं छोड़ा जो उसके अधीन न हो। फिर भी, अभी हम यह नहीं देखते कि सब कुछ उसके अधीन कर दिया गया है; परन्तु हम यह देखते हैं कि यीशु, जिसी मृत्यु की पीड़ा के कारण स्वर्गदूतों से कुछ ही नीचा किया गया था, महिमा और सम्मान का मुकुट पहनाया गया है, ताकि परमेश्वर की कृपा से वह हर एक के लिए मृत्यु का स्वाद चखें। क्योंकि यह उचित था कि वह, जिसके लिए और जिसके द्वारा सब वस्तुएँ अस्तित्व में हैं, और जो बहुत से पुत्रों को महिमा में पहुँचाता है, उनके उद्धार के कर्ता को दुःख-क्लेश के द्वारा सिद्ध करे।

इब्रानियों 2:2-10
8 नवंबर, महादूत

इब्रानियों की पत्र, आरंभ 306

भाइयो, जो पवित्र करता है और जो पवित्र किए जाते हैं, दोनों ही एक ही से हैं; इसलिये वह उन्हें भाई कहने में लज्जित नहीं होता, और कहता है: 'मैं अपनी भाइयों में तेरा नाम प्रगट करूँगा; मंडली के बीच में मैं तेरी स्तुति करूँगा।' और फिर: 'मैं उस पर अपना भरोसा रखूँगा।' और फिर: 'देखो, मैं और वे बच्चे जिन्हें परमेश्वर ने मुझे दिया है।' और चूँकि बच्चे शरीर और रक्त में भाग लेते हैं, इसलिए उन्होंने भी उन्हीं में भाग लिया, ताकि मृत्यु के द्वारा वे मृत्यु के अधिकार रखने वाले—अर्थात् शैतान—को उसका अधिकार छीन सकें, और उन लोगों को छुड़ा सकें जो मृत्यु के भय से अपने पूरे जीवन दासता के अधीन थे। क्योंकि वह स्वर्गदूतों को नहीं, बल्कि इब्राहीम की संतान को सहायता देते हैं। इसलिए उन्हें हर बात में अपने भाइयों के समान होना आवश्यक था, ताकि वह परमेश्वर के सामने एक दयालु और विश्वासयोग्य महायाजक बन सकें, और लोगों के पापों का प्रायश्चित्त कर सकें। क्योंकि चूँकि उन्होंने स्वयं परीक्षा में पड़कर दुःख उठाया, इसलिए वह परीक्षा में पड़ने वालों की सहायता करने में सक्षम हैं।

इब्रानियों 2:11-18
26 दिसंबर, परमेश्वर की पवित्र माता का पर्व।
25 मार्च, परम पवित्र ईश्वर माता की घोषणा।
शुक्रवार को छठे घण्टे।
जल का लघु आशीर्वाद

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 307

हे पवित्र भाइयो, जो स्वर्गीय बुलावे में सहभागी हो, हमारे विश्वास के दूत और महायाजक यीशु मसीह पर ध्यान दो, जो उस पर विश्वासयोग्य थे जसिने उन्हें नियुक्त किया, जैसे मूसा भी अपने पूरे घर में विश्वासयोग्य थे। क्योंकि वह मूसा से भी अधिक महिमा का योग्य है, जैसे घर का बनाने वाला घर से भी अधिक सम्मान का होता है; क्योंकि हर घर किसी न किसी ने बनाया है, परन्तु सब वस्तुओं का बनाने वाला परमेश्वर है।

इब्रानियों 3:1-4
मंदिर के समर्पण पर

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 308

भाइयो, मूसा परमेश्वर के पूरे घर में एक सेवक के रूप में विश्वासयोग्य था, उस बात की गवाही देने के लिए जो प्रचार की जानी थी; पर मसीह अपनी संतान के रूप में अपने घर में था; और उसका घर हम हैं, यद्यपि हम उस विश्वास और आशा को अंत तक दृढ़ता से थामे रहें, जिनका हम घमंड करते हैं। क्योंकि, जैसा पवित्र आत्मा कहते हैं, 'अब, अतः जब तुम उसकी आवाज़ सुनो, तो मर्मर करने के दनि, जंगल में परीक्षा के दनि की नाई अपने हृदयों को कठोर न करो, जहाँ तुम्हारे पितरों ने मुझे परखा, मुझे आजमाया, और चालीस वर्ष

इब्रानियों को पत्र

तक मेरे काम देखे।' इसलिये मैं उस पीढ़ी से क्रोधित हुआ और कहा: 'वे अपने मन में सदा भटकते रहते हैं; उन्होंने मेरे मार्गों को नहीं जाना'; इसलिये मैंने अपने क्रोध में शपथ ली कि वे मेरी वशिराम-भूमि में प्रवेश नहीं करेंगे। तो फिर चालीस वर्ष तक वह किस पर क्रोधित रहा? क्या यह उन लोगों के वरिद्ध नहीं था जिन्होंने पाप किया, जिन की हड्डियाँ जंगल में गरी पड़ी? तो फिर, उसने किस के वरिद्ध शपथ खाई कि वे उसकी वशिराम-भूमि में प्रवेश नहीं करेंगे, यदि उन के वरिद्ध नहीं जो आज्ञा न मानने वाले थे? तो हम देखते हैं कि वे अपने अवशिष्टास के कारण प्रवेश नहीं कर सके।

इब्रानियों 3:5-11; 17-19
29वें सप्ताह का सोमवार

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 309

भाइयो, सावधान रहो कि तुम में से किसी के मन में कपटी और अवशिष्टासी हृदय न हो, जिससे तुम जीवते परमेश्वर से पीछे न हट जाओ। परन्तु जब तक 'आज' कहलाता है, प्रतिदिन एक दूसरे को प्रोत्साहित करो, कहीं ऐसा न हो कि तुम में से कोई पाप की कपटिता से कठोर हो जाए। क्योंकि हम मसीह के सहभागी बन गए हैं, बशर्ते कि हम उस जीवन को अंत तक दृढ़ता से थामे रहें जो हमने आरंभ किया है, जब तक यह कहा जाता है: 'आज, जब तुम उसकी आवाज़ सुनो, तो मर्मर करने के समय की तरह अपने हृदयों को कठोर मत करो।' क्योंकि जो लोग सुनने आए थे, उनमें से कुछ ने मर्मर किया; परन्तु जो मूसा के साथ मसिर से निकले थे, वे सब नहीं।

इब्रानियों 3:12-16
महान उपवास के दूसरे सप्ताह का शनिवार

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 310

भाइयो, सावधान रहें कि तुम में से किसी के भी मन में यह न आए कि वह परमेश्वर के वशिराम में प्रवेश करने के वचन से चूक गया। क्योंकि यह संदेश हम तक भी ठीक वैसे ही पहुँचाया गया जैसे उन्हें मिला था; परन्तु जो वचन उन्होंने सुना, उससे उन्हें लाभ नहीं हुआ, क्योंकि यह सुनने वालों के वशिष्टास के साथ नहीं मिला था। परन्तु हम जो वशिष्टास कर चुके हैं, हम उस वशिराम में प्रवेश करते हैं, क्योंकि उसने कहा है: 'मैंने अपने क्रोध में शपथ ली है कि वे मेरी वशिराम-स्थली में प्रवेश नहीं करेंगे', यद्यपि उनके कार्य संसार की आरम्भ में ही पूर्ण हो गए थे। क्योंकि सातवें दिन के वषिय में कहीं भी यह नहीं कहा गया है: 'और परमेश्वर अपने सब कामों से सातवें दिन वशिराम किया।' और फिर यहाँ: 'वे मेरी वशिराम-स्थली में प्रवेश नहीं करेंगे।' अब, चूँकि कुछ लोगों को अभी भी उसमें प्रवेश करना बाकी है, और जिनके लिए यह पहली बार घोषित किया गया था, वे अपनी अवज्ञा के कारण उसमें प्रवेश नहीं कर सके, इसलिए वह इतने लंबे समय के बाद दाऊद के द्वारा बोलते हुए, अभी भी एक निश्चिति दिन, 'आज' को नामित करते हैं, जैसा कि ऊपर कहा गया है: 'आज, जब तुम उसकी आवाज़ सुनो, तो अपने हृदयों को कठोर न करो।' क्योंकि यदि यहोशू ने उन्हें वशिराम दिया होता, तो बाद में किसी अन्य दिन का उल्लेख नहीं होता। इसलिए, परमेश्वर के लोगों के लिए एक सब्त का वशिराम शेष है। क्योंकि जो कोई भी उसके वशिराम में प्रवेश कर चुका है, वह भी अपने कामों से वशिराम कर चुका है, जैसे परमेश्वर ने अपने कामों से वशिराम किया। इसलिए हम उस वशिराम में प्रवेश करने का यत्न करें, ताकि कोई भी उसी उदाहरण का अनुसरण करके अवज्ञा में न पड़ जाए। क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित और सक्रिय है, किसी भी दोधारी तलवार से भी अधिक तीक्ष्ण है: यह आत्मा और मन, जोड़ों और मज्जा तक भी प्रवेश करता है, और हृदय के विचारों और इरादों का न्याय करता है। और कोई भी प्राणी उससे छिपा नहीं है, परन्तु सब कुछ उसके सामने नंगा और खुला हुआ है: हमें उसी के सामने अपना हिसाब देना है।

इब्रानियों 4:1-13
29वें सप्ताह का मंगलवार

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 311A

भाइयो, चूंकि हमारे पास परमेश्वर के पुत्र यीशु नाम एक महान महायाजक हैं, जो स्वर्गो में प्रवेश कर चुके हैं, तो हम अपने विश्वास पर दृढ़ बने रहें। क्योंकि हमारा महायाजक हमारी दुर्बलताओं में सहानुभूति रखने वाले नहीं, बल्कि एक ऐसे हैं, जो हर प्रकार से हमारी ही तरह परीक्षित हुए, परन्तु पाप से रहित रहे। आओ, हम विश्वास के साथ अनुग्रह के सहिसन के पास चलें, ताकि हमें दया मिले और हमारी ज़रूरत के समय में मदद के लिए अनुग्रह प्राप्त हो। क्योंकि हर महायाजक मनुष्यों में से चुना जाता है, और मनुष्यों के लिए परमेश्वर की सेवा करने, पापों के लिए भेंट और बलिदान चढ़ाने के लिए नयिकृत किया जाता है; वह अज्ञानी और भटकने वालों के प्रतिद्वंद्वी हो सकता है, क्योंकि वह स्वयं भी कमजोरियों से घिरा हुआ है; और इसी कारण उसे लोगों और अपने लिए पापों के लिए बलिदान चढ़ाना चाहिए। और यह सम्मान कोई स्वयं ग्रहण नहीं करता, परन्तु यह केवल परमेश्वर द्वारा बुलाए जाने पर ही होता है, जैसे हारून को बुलाया गया था। इसी प्रकार मसीह ने भी महायाजक होने का सम्मान स्वयं नहीं लिया, परन्तु उस ने जो उससे कहा: 'हे पुत्र, आज मैं तुझे उत्पन्न किया है'; और जैसा कि वह दूसरी जगह भी कहता है: 'हे याजक, तू मेल्कीजेदक की व्यवस्था के अनुसार सदा के लिए है'।

इब्रानियों 4:14-5:6
महान तपस्या का तीसरा सप्ताह

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 311B

भाइयो, कोई भी स्वयं पर सम्मान नहीं लेता, बल्कि उसे परमेश्वर द्वारा बुलाया जाता है, जैसे हारून को बुलाया गया था। इसी प्रकार मसीह ने स्वयं पर महा-पुजारी होने का सम्मान नहीं लिया, बल्कि उसी ने उनसे कहा: 'तुम मेरे पुत्र हो, मैंने आज तुझे उत्पन्न किया है'; जैसा कि वह दूसरी जगह भी कहते हैं: 'तुम मेल्कीजेदक की व्यवस्था के अनुसार सदा के लिए याजक हो।' अपने देह में रहने के दिनों में, उन्होंने मृत्यु से बचाने में समर्थ परमेश्वर के प्रति उच्च स्वरों और आँसुओं के साथ प्रार्थनाएँ और वनितीएँ अर्पित कीं, और अपनी भक्तिके कारण उनकी सुनी गई; यद्यपि वह पुत्र था, फिर भी उसने दुःख-क्लेश के द्वारा आज्ञाकारिता सीखी; और सिद्ध हो जाने पर, वह उन सब के लिए अनन्त उद्धार का स्रोत बना, जिन्हें वह आज्ञा देता है, क्योंकि उसे परमेश्वर द्वारा मेल्कीजेदक की व्यवस्था के अनुसार महायाजक नयिकृत किया गया था।

इब्रानियों 5:4-10
पवित्र लोगों के लिए

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 312

भाइयो, हमें मसीह के पुरोहितत्व के विषय में वसितार से बात करनी चाहिए; परन्तु यह समझना कठिन है, क्योंकि तुम सुनने में अयोग्य हो गए हो। क्योंकि, बीते हुए समय के अनुसार, तुम्हें तो इस समय तक शिक्षक होना चाहिए था; परन्तु तुम्हें परमेश्वर के वचन के मूल सिद्धांत फिर से सिखाए जाने की आवश्यकता है, और तुम्हें दूध की, न कि ठोस भोजन की, आवश्यकता है। जो दूध पीकर पोषित होता है, वह सत्य के वचन में अनभिज्ञ रहता है, क्योंकि वह एक शिशु है; पर ठोस भोजन परपिक्व लोगों के लिए है, जिनकी इंद्रियाँ अभ्यास से भलाई और बुराई में अंतर करना जानती हैं। इसलिए, मसीह की मूल शिक्षाओं को पीछे छोड़कर, हम परपिक्वता की ओर बढ़ते चलें; और हम फिर से मृत कर्मों से पश्चाताप और परमेश्वर पर विश्वास, बपतिस्माओं के सिद्धांत, हाथ रखने, मरे हुए के पुनरुत्थान और आने वाले न्याय की नींव न रखेंगे। और हम ऐसा ही करेंगे, यदि परमेश्वर चाहे। क्योंकि यह असंभव है—किएक बार लोग ज्ञान प्राप्त कर लें, स्वर्गीय वरदान का स्वाद चख लें, पवित्र आत्मा के सहभागी बन जाएँ, परमेश्वर के उत्तम वचन और आने वाले युग की शक्तियों का स्वाद चख लें, और फिर भी भटक जाएँ—कि उन्हें पश्चाताप के द्वारा फिर से नया बनाया जाए, जब वे स्वयं में परमेश्वर के पुत्र को फिर से सलीब पर चढ़ा रहे हैं और उसका तिरस्कार कर रहे हैं। वह भूमि जो उस पर बार-बार पड़ने वाली वर्षा से उन लोगों के लिए उपयोगी घास उगाती है जिनके लिए उसे जोता जाता है, परमेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करती है; परन्तु जो भूमि किट्टे और बेर उगाती है, वह नकिम्मी है और शापित होने के नकिट है, जिसका अंत जलाया जाना है।

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 313

भाइयो, हम तुम्हारे लिए, हे प्रिय, आशा करते हैं कि तुम उत्तम स्वास्थ्य में हो और अपने उद्धार को दृढ़ता से थामे हुए हो, यद्यपि हम इस प्रकार बात करते हैं। क्योंकि परमेश्वर अन्यायी नहीं है कि वह तुम्हारे काम और उस प्रेम की सेवा को भूल जाए जो तुमने उसके नाम पर संतों की सेवा करके और करते जा रहे हो। इसलिए हम आप में से प्रत्येक से आग्रह करते हैं, कि अपनी आशा में पूर्ण नश्चय के लिए, उसी उत्साह को अंत तक बनाए रखें, ताकि आप सुस्त न हो जाएँ, बल्कि उन लोगों का अनुकरण करें जो विश्वास और धीरज के द्वारा प्रतज्जिओं के वारसि बने हैं।

इब्रानियों 6:9-12
महा-तपस्या के चौथे सप्ताह का शनिवार

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 314

भाइयो, जब परमेश्वर ने अब्राहाम से प्रतज्जि की, और चूंकि वह किसी बड़े की शपथ नहीं खा सकता था, इसलिए उसने अपनी ही शपथ खाई, यह कहते हुए: 'नश्चय ही मैं तुझे आशीष दूँगा और नश्चय ही तुझे बढ़ाऊँगा।' और इस प्रकार अब्राहाम ने धीरज के द्वारा वह प्राप्त किया जो प्रतज्जि किया गया था। लोग किसी उच्चतर प्राधिकारी की शपथ लेते हैं, और एक शपथ, जो पुष्टि के रूप में होती है, उनके बीच हर विवाद को समाप्त कर देती है। इसलिए, परमेश्वर ने, वादे के वारसियों को अपनी इच्छा की अटलता को और भी स्पष्ट रूप से दिखाने के लिए, एक शपथ को एक साधन के रूप में प्रयुक्त किया, ताकि दो अटल चीजों के द्वारा—जिनमें परमेश्वर का झूठ बोलना असंभव है—ताकि हम जो सामने रखी गई आशा को पकड़े हुए हैं, हमें दृढ़ नश्चय प्राप्त हो—एक ऐसी आशा जो, मानो, आत्मा के लिए एक सुरक्षा और मजबूत लंगर है, जो परदे के पीछे भीतरी पवित्र स्थान तक पहुँचती है, जहाँ यीशु हमारे अग्रदूत के रूप में हमारे लिए प्रवेश कर गए, और वे मेलकीजेदक की व्यवस्था के अनुसार सदा के लिए महायाजक बन गए।

इब्रानियों 6:13-20
महान तपस्या का चौथा सप्ताह।
नबियों

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 315

भाइयो, मेलकीजेदक, shalom का राजा और परमप्रधान परमेश्वर का याजक, जो अब्राहम से मिला और उसे आशीष दी जब वह राजाओं को परास्त करके लौट रहा था, जसि अब्राहम ने सब कुछ का दसवाँ हिस्सा दिया—सबसे पहले, उसके नाम के अर्थ के अनुसार—धर्मकृता का राजा—और फरि सलेम का राजा, अर्थात् शान्तिकी राजा, जसिका न कोई पति है, न कोई माता, न कोई वंशावली, न दानों की कोई आरम्भ-सीमा और न जीवन का कोई अन्त है, जो परमेश्वर के पुत्र के समान ठहराया गया है, वह सदा के लिए याजक बना रहता है। देखिए कि वह कतिना महान है, जसि कुलपति इब्राहीम ने भी अपनी सबसे अच्छी लूट का दशांश दिया था। लेवी के पुत्रों से याजकीय पद प्राप्त करने वालों को आज्ञा दी गई है कि वे लोगों से कानून के अनुसार दशांश लें—अर्थात् अपने ही भाइयों से—यद्यपि वे भी इब्राहीम के वंशज हैं। परन्तु यह पुरुष, जो उनकी वंशावली का नहीं है, ने इब्राहीम से दशांश ग्रहण किया और उसको आशीष दी, जसिसे प्रतज्जि की गई थी।

इब्रानियों 7:1-6
29वें सप्ताह का गुरुवार

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 316

भाइयो, बना किसी विवाद के, छोटा बड़े से आशीष प्राप्त करता है। यहाँ नश्वर मनुष्य दशांश प्राप्त करते हैं, पर वहाँ, एक ऐसा है जो गवाही देता है कि वह जीवित है। और, यूँ कहें तो, लेवी स्वयं, जो दशांश प्राप्त करता है, ने अब्राहम के द्वारा दशांश दिया: क्योंकि वह तब भी अपने पति की कोख में था जब मेलकीजेदक

इब्रानियों को पत्र

उससे मिला था। अब, यदलिवियों के पुरोहितत्व के द्वारा पूरणता प्राप्त की जा सकती—क्योंकि लोगों का वधान इसी से जुड़ा हुआ है—तो फिर आरोन के वंश के बजाय मेलकीजेदक के वंश में नामति एक और पुरोहित के उठने की क्या आवश्यकता थी? क्योंकि पुरोहितत्व में परिवर्तन के साथ, वधान में भी परिवर्तन होना चाहिए। क्योंकि जिस के वषिय में यह कहा गया है, वह एक दूसरे गोत्र का था, जिस गोत्र में से किसी ने भी कभी वेदी के पास नहीं आया। क्योंकि यह सर्ववदिति है कि हमारे प्रभु यहूदा के गोत्र से उत्पन्न हुए, जिसके वषिय में मूसा ने याजक पद के बारे में कुछ नहीं कहा। और यह बात इससे भी अधिक स्पष्ट हो जाती है कि, मेलकीजेदक के सदृश, एक अलग याजक उत्पन्न होता है, जो देह संबंधी आज्ञा के वधान के अनुसार नहीं, बल्कि एक अविनाशी जीवन की सामर्थ्य के अनुसार है। क्योंकि यह गवाही दी गई है: 'तू मेलकीजेदक की व्यवस्था के अनुसार सदा का याजक है।'

इब्रानियों 7:7-17
2 फरवरी, मोमबत्ती महोत्सव

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 317

भाइयो, पूर्व आज्ञा का नरिसन उसकी दुर्बलता और व्यर्थता के कारण हुआ है, क्योंकि व्यवस्था ने कुछ भी सिद्ध नहीं किया; परन्तु एक उत्तम आशा प्रस्तुत की गई है, जिसके द्वारा हम परमेश्वर के समीप आते हैं। और यह शपथ के बिना नहीं था – क्योंकि वे बिना शपथ के याजक थे, परन्तु यह एक शपथ के साथ, क्योंकि उसके वषिय में कहा गया है: 'यहोवा ने शपथ खाई है और वह अपना मन नहीं बदलेगा: "तू मेलकीजेदक की व्यवस्था के अनुसार सदा का याजक है" – इसलिये यीशु एक उत्तम वाचा के मध्यस्थ बन गए हैं। इसके अलावा, उन याजकों में बहुत से थे, क्योंकि मृत्यु किसी को भी अपने पद पर बने रहने नहीं देती थी; परन्तु वह, जो युगान्त तक रहता है, एक अनंतकालीन याजकत्व रखता है; इसलिये वह उन लोगों को पूरी तरह से बचा सकता है जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, क्योंकि वह उनके लिये मध्यस्थता करने के लिए सदा जीवित रहता है।

इब्रानियों 7:18-25
29वें सप्ताह का शुक्रवार

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 318A

भाइयो, हमारे लिए ऐसा महापुजारी उपयुक्त है: पवित्र, नरिदोष, नषिकलंक, पापियों से अलग और स्वर्गों से भी ऊपर; जनिहें उन महापुरोहितों की तरह दनि-प्रतदिनि बलदान चढ़ाने की आवश्यकता नहीं है—पहले अपने पापों के लिए, और फिर लोगों के पापों के लिए—क्योंकि उन्होंने यह एक बार ही सबके लिए कर दिया जब उन्होंने स्वयं को बलदान के रूप में अर्पित किया। क्योंकि व्यवस्था कमजोर मनुष्यों को महायाजक नियुक्त करती है; परन्तु प्रतजिज्ञा का वचन, जो व्यवस्था के बाद आया, पुत्र को नियुक्त करता है, जो सदा के लिए सिद्ध है। हम जो कह रहे हैं उसका मुख्य बटु यह है: हमारे पास ऐसा महायाजक है, जो स्वर्ग में महिमा के सहिसन के दाहनि ओर बैठ गया है, और वह पवित्रस्थान और सच्चे मंडप का सेवक है, जिसने मनुष्य ने नहीं, बल्कि प्रभु ने स्थापित किया है।

इब्रानियों 7:26-8:2
पवित्र शहीदों को।
पवित्र शहीदों को।
स्वीकारकर्ता

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 318B

भाइयो, हर एक महायाजक उपहार और बलदान चढ़ाने के लिए नियुक्त होता है; और इसलिये यह भी आवश्यक था कि इस एक के पास भी कुछ चढ़ाने के लिए हो। यदविह पृथ्वी पर ही रह जाता, तो वह बलिकूल भी याजक न होता, क्योंकि यहाँ ऐसे याजक हैं जो व्यवस्था के अनुसार दान चढ़ाते हैं, जो स्वर्गीय वस्तुओं की प्रतमा और छाया हैं, जैसा कि मूसा से कहा गया था जब वह नविस-स्थान बनाने का काम आरंभ करने वाला था: 'देख,' कहा गया, 'सब कुछ उसी नमूने के अनुसार बना, जो तुझे पहाड़ पर दिखाया गया था।' परन्तु

इब्रानियों को पत्र

इस महायाजक को एक ऐसी सेवा मिली है जो और भी उत्तम है, क्योंकि वह उत्तम प्रतजिजाओं पर स्थापित एक उत्तम वाचा का बेहतर मध्यस्थ है।

इब्रानियों 8:3-6
वशिवासियों के लिए

इब्रानियों की पुस्तक, आरंभ 319

भाइयो, यदि पहली वाचा में कोई दोष न होता, तो दूसरे के लिए स्थान ढूँढ़ने की कोई आवश्यकता न होती। परन्तु भविष्यदवक्ता, उन्हें डाँटते हुए, कहता है: 'देखो, वे दानि आ रहे हैं,' प्रभु कहते हैं, 'जब मैं इस्राएल के घराने और यहूदा के घराने के साथ एक नया नियम करूँगा; उस नियम के समान नहीं जो मैंने उनके पूर्वजों के साथ उस दानि किया था जब मैंने उन्हें मिस्र देश से निकालने के लिए उनका हाथ पकड़ा था, क्योंकि वे मेरे नियम पर स्थिर न रहे, और मैं उनसे मुँह मोड़ गया,' प्रभु कहते हैं। 'उन दानियों के बाद मैं इस्राएल के घराने से यह वाचा बाँधूँगा,' यहोवा की यही वाणी है: 'मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में डालूँगा और उन्हें उनके हृदय पर लिखूँगा; और मैं उनका परमेश्वर बनूँगा, और वे मेरी प्रजा होंगे। और फिर कोई अपने पड़ोसी को, और न कोई अपने भाई को यह कहते हुए सखाएगा, 'यहोवा को जानो'; क्योंकि वे सब, छोटे से लेकर बड़े तक, मुझ को जानेंगे। क्योंकि मैं उनकी अधर्म की घातों पर दया करूँगा, और उनके पापों और उनके अधर्म के कामों को फिर स्मरण न करूँगा। इसे 'नया' कहकर, उसने पुराने को अप्रचलित दिखा दिया है; और जो अप्रचलित और पुराना होता जा रहा है, वह लुप्त होने के निकट है।

इब्रानियों 8:7-13
तीसवें सप्ताह का सोमवार

इब्रानियों की पत्र, आरंभ 320

भाइयो, पहले वाचा में उपासना और पृथ्वी के मंडप के वषिय में प्रावधान थे: क्योंकि पहला मंडप स्थापित किया गया था, जिसमें दीवदान, मेज़, और होमबलिका मेज़ था, और जिस पवित्र स्थान कहा जाता है। दूसरे परदे के पीछे, तथापि एक तम्बू था जिस परम पवित्र स्थान कहा जाता था, जिसमें एक सोने का धूपदान और वाचा का संदूक था, जो चारों ओर सोने से ढका हुआ था, जिसमें मानना रखने वाला एक सोने का घड़ा, फूल खिले हुए हारून का डंडा, और वाचा की पट्टियाँ थीं; और इसके ऊपर महिमा के स्वरूप थे, जो प्रायश्चित्त के स्थान पर छाया करते थे; यह एक ऐसा वषिय है जिस पर वर्तमान में वसितार से चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है। इस व्यवस्था के साथ, याजक दविय सेवा करने के लिए हमेशा पहली पवित्र तम्बू में प्रवेश करते हैं; जबकि दूसरी में केवल वर्ष में एक बार महायाजक अकेले ही प्रवेश करते हैं, और वह भी बनि लहू के नहीं, जिससे वह अपने लिए और लोगों की अज्ञानता के पापों के लिए अर्पण करते हैं।

इब्रानियों 9:1-7
21 नवंबर, परमेश्वर की अतिपवित्र माता का समर्पण

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 321A

भाइयो, इससे पवित्र आत्मा यह दिखाता है कि पवित्र स्थान में प्रवेश का मार्ग अभी तक नहीं खुला है, जब कि पहली का मंडप अभी भी खड़ा है। यह वर्तमान समय का एक नमूना है, जिसमें ऐसे दान और बलिदान चढ़ाए जाते हैं जो उपासक की अंतरात्मा को सन्निध नहीं कर सकते, और जिन्हें भोजन-पान तथा शरीर से संबंधित विभिन्न स्नान-संस्कार और रीति-रिवाजों के साथ केवल सुधार के समय तक के लिए ही स्थापित किया गया था। और इस प्रकार वे नए नियम के मध्यस्थ हैं, ताकि उनकी मृत्यु के द्वारा—जो पहले नियम के अधीन की गई अवज्ञाओं के प्रायश्चित्त के लिए थी—जो अनंतकाल के वारस होने के लिए बुलाए गए हैं, वे जो वादा किया गया था उसे प्राप्त कर सकें। क्योंकि जहाँ वसीयत है, वहाँ वसीयत करने वाले की मृत्यु होनी ही चाहिए; क्योंकि वसीयत वसीयत करने वाले की मृत्यु के बाद ही लागू होती है: जब तक वसीयत करने वाला जीवित है, तब तक इसका कोई प्रभाव नहीं होता। इसीलिए पहली वाचा बनि लहू के पुष्टि नहीं की गई थी। क्योंकि भूसा ने, सारी प्रजा के सामने व्यवस्था की सभी आज्ञाओं की घोषणा करने के बाद, बछड़ों और

इब्रानियों को पत्र

बकरियों का लहू, पानी, सुरखी रंग के ऊन और हसिोप के साथ लेकर, स्वयं पुस्तक पर और सारी प्रजा पर छड़िका, और कहा: 'यह वाचा का लहू है जो परमेश्वर ने तुम्हें आज्ञा दी है।' उसने खून का छड़िकाव तम्बू और आराधना में प्रयुक्त सभी पात्रों पर भी किया। वास्तव में, व्यवस्था के अनुसार लगभग सब कुछ खून से शुद्ध किया जाता है, और खून बहाए बिना क्षमा नहीं होती। इस प्रकार, स्वर्गीय वस्तुओं की प्रतमियों को इन साधनों से शुद्ध किया जाना था, जबकि स्वर्गीय वस्तुओं को स्वयं बेहतर बलिदानों से शुद्ध किया जाता है।

इब्रानियों 9:8-10; 15-23
तीसवें सप्ताह का मंगलवार

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 321B

भाइयो, मसीह, जो आनेवाली अच्छी चीजों के महापुरोहित हैं, हाथों से न बने हुए—अर्थात् इस सृष्टि के न होने वाले—एक बड़े और अधिक उत्तम पवित्र स्थान में, बकरों और बछड़ों के लहू से नहीं, बल्कि अपने ही लहू से, एक बार सर्वदा के लिए पवित्र स्थान में प्रवेश करके अनंत उद्धार प्राप्त कर गए। क्योंकि यदि बैलों और बकरियों का लहू, और बछड़ी की राख, छड़िकने से अशुद्ध लोगों को पवित्र करती है, जसिसे उनके शरीर शुद्ध हो जाते हैं, तो मसीह का लहू, जसिने पवित्र आत्मा के द्वारा स्वयं को निर्दोष होकर परमेश्वर को अर्पित किया, हमारे अंतकरण को मृत कर्मों से कतिना अधिक शुद्ध करेगा, ताकि हम जीवते और सच्चे परमेश्वर की सेवा करें।

इब्रानियों 9:11-14
महान तपस्या का पाँचवाँ सप्ताह

इब्रानियों का पत्र, पृष्ठ 322 से

भाइयो, मसीह ने मनुष्यों के बनाए हुए पवित्रस्थान में प्रवेश नहीं किया, जो सच्चे पवित्रस्थान की केवल एक प्रतिलिपि है, बल्कि स्वर्ग में ही प्रवेश किया, ताकि अब परमेश्वर के सामने हमारे पक्ष में प्रकट हों; और न ही यह कविह जैसे महापुजारी दूसरे के लहू के साथ वर्ष-दर-वर्ष पवित्रस्थान में प्रवेश करता है, वैसे ही बार-बार स्वयं को बलिदान करें; क्योंकि ऐसा होता तो उसे संसार की नींव के समय से ही बार-बार दुख उठाना पड़ता; परन्तु वह पाप को दूर करने के लिए अपनी बलिदान द्वारा युगों के अन्त में एक ही बार प्रकट हुआ। जैसे मनुष्यों के लिए एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियत है, वैसे ही मसीह ने भी, बहुतेरों के पाप उठाने के लिए एक ही बार अपना बलिदान चढ़ाकर, दूसरी बार पाप के विषय में नहीं, बल्कि उन लोगों को बचाने के लिए प्रकट होगा जो उसकी प्रतीक्षा में हैं।

इब्रानियों 9:24-28
महा-प्रायश्चित्त के पाँचवें सप्ताह का शनिवार

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 323

भाइयो, व्यवस्था, जो आने वाली अच्छी चीजों की छाया तो है, पर उन चीजों की सच्ची आकृति नहीं, वर्ष-दर-वर्ष चढ़ाए जाने वाले बलिदानों से आने वालों को कभी सिद्ध नहीं कर सकती। नहीं तो ये चढ़ाए जाना बंद हो गए होते, क्योंकि बलिदान चढ़ाने वालों को एक बार शुद्ध हो जाने पर पाप का कोई बोध न रहता। परन्तु वे बलिदान पापों की वार्षिक याद दिलाते हैं, क्योंकि बैलों और बकरियों का लहू पापों को दूर नहीं कर सकता। इसलिये जब मसीह संसार में आए, तो उन्होंने कहा: 'हे परमेश्वर, बलिदान और भेंट तुझे भाती नहीं, परन्तु तूने मेरे लिये एक शरीर तैयार किया है।' 'दहन-बलि और पाप-बलि आपको प्रसन्न नहीं करती।' फिर मैंने कहा: 'मैं यहाँ हूँ—जैसा कि मुझारे विषय में पुस्तक की शुरुआत में लिखा है—हे परमेश्वर, आपकी इच्छा करने के लिए।' पहले यह कहते हुए कि, 'आपको बलिदानों, भेंटों, होमबलिया पापबलि—जो कि व्यवस्था के अनुसार चढ़ाए जाते हैं—की न तो इच्छा थी और न ही उनसे प्रसन्नता होती है', फिर उन्होंने यह जोड़कर कहा: 'देखो, मैं आपकी इच्छा पूरी करने आया हूँ, हे परमेश्वर।' वह बाद वाले को स्थापित करने के लिए पहले वालों को अलग कर देते हैं। यही तो इच्छा है जसिके द्वारा हम यीशु मसीह के शरीर की एक ही बार की गई बलिदान के द्वारा

इब्रानियों को पत्र

पवत्रि कए गए हैं। हर याजक प्रतदिनि सेवा में खड़ा रहता है, और बार-बार वही बलदान चढ़ाता रहता है, जो पापों को कभी दूर नहीं कर सकती। परन्तु उन्होंने पापों के लिए एक ही बलदान चढ़ाकर, सदा के लिए परमेश्वर के दाहिने बैठ गए, और तब से इस समय तक प्रतीक्षा कर रहे हैं जब तक उनके शत्रु उनके पावों के नीचे पादपीठ न बना दिए जाएँ। क्योंकि एक ही बलदान से उन्होंने पवत्रि कए जाने वालों को सदा के लिए सिद्ध कर दिया है। पवत्रि आत्मा भी इस बात की गवाही देता है; क्योंकि यह कहा गया है: 'प्रभु कहते हैं, "उन दानों के बाद मैं अपने लोगों के साथ यह वाचा बांधूंगा: मैं अपनी व्यवस्था उनके हृदयों में डालूंगा, और उन्हें उनके मन पर लिखूंगा; और मैं उनके पापों और अधर्म को फरि कभी याद नहीं रखूंगा।"' अब जहाँ पापों की क्षमा है, वहाँ उनके लिए फरि कोई बलदान नहीं है।

इब्रानियों 10:1-18
तीसवें सप्ताह का बुधवार

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 324

भाइयो, चूंकि हमें यीशु मसीह के लहू के द्वारा पवत्रि स्थान में प्रवेश करने का विश्वास है, एक नए और जीवते मार्ग के द्वारा जैसे उन्होंने परदे, अर्थात् अपने शरीर के द्वारा, हमारे लिए खोल दिया है, और चूंकि परमेश्वर के भवन पर हमारा एक महान महायाजक है, आइए हम एक सच्चे दिल के साथ, विश्वास की पूरी दृढ़ता के साथ नकिट आएँ, अपने दिलों को बुरी अंतरात्मा से शुद्ध करके और अपने शरीर को शुद्ध जल से धोकर; आइए हम अपनी आशा की गवाही पर डटे रहें, बिना हचिकचाए, क्योंकि जिसने वादा किया है वह विश्वासयोग्य है। आइए हम एक-दूसरे पर ध्यान दें, और एक-दूसरे को प्रेम और भले कामों के लिए प्रोत्साहित करें। आओ हम एक-दूसरे के साथ मलिना न छोड़ें, जैसा कि कुछ लोगों की आदत है; बल्कि एक-दूसरे को उत्साहित करें, और भी अधिक जब तुम उस दनि को पास आते हुए देखो। क्योंकि यदि हम सच्चाई का ज्ञान पाकर जान-बूझकर पाप करते हैं, तो पापों के लिए अब और कोई बलदान नहीं रहा, परन्तु न्याय की एक भयानक आशा और वरिधियों को भस्म करने के लिए तैयार आग का प्रकोप शेष है। यदि कोई मूसा की व्यवस्था को अस्वीकार करता है, तो दो या तीन गवाहों की गवाही पर उसे बिना दया के मार डाला जाता है, तो तुम सोचो कि उन लोगों के लिए कतिनी अधिक कठोर सजा रखी जाएगी, जिन्होंने परमेश्वर के पुत्र को पैरों तले रौंदा है, और उस वाचा के लहू को पवत्रि नहीं समझा, जिससे वे पवत्रि कए गए थे, और अनुग्रह की आत्मा का अपमान किया है? हम उसको जानते हैं जिसने कहा है: 'प्रतिकार मेरा है; मैं प्रतफल दूंगा,' प्रभु कहते हैं। और फरि: 'प्रभु अपने लोगों का न्याय करेंगे।' जीवते परमेश्वर के हाथों में पड़ना एक भयानक बात है!

इब्रानियों 10:19-31
शुक्रवार, नवें घण्टे पर

इब्रानियों की पत्री, आरंभ 325

भाइयो, अपने पहलै के दानों को याद करो, जब प्रकाश पाकर तुमने दुख-क्लेश का एक बड़ा संघर्ष सहा, कभी-कभी अपमान और कष्टों के बीच दूसरों के लिए एक तमाशा बने, और कभी-कभी उसी स्थिति में पड़े दूसरों के दुखों में सहभागी बने; क्योंकि तुमने मेरी बेड़ियों पर सहानुभूति दिखाई और अपने सामान के लूट लिए जाने को आनन्दपूर्वक स्वीकार किया, यह जानते हुए कि स्वर्ग में तुम्हारा एक बेहतर और स्थायी उत्तराधिकार है। इसलिए अपनी उस आशा को न छोड़ो, जिसके लिए एक बड़ा इनाम रखा हुआ है। तुम्हें धीरज की आवश्यकता है, ताकि परमेश्वर की इच्छा पूरी करके तुम वह प्राप्त कर सको जो वादा किया गया है; क्योंकि थोड़े और समय के लिए—बल्कि थोड़े ही—और जो आने वाले हैं वे आ जाएँगे और विलंब नहीं करेंगे। धर्मी विश्वास से जीवते रहेंगे।

इब्रानियों 10:32-38A
महा-तपस्या का तीसरा शनिवार।
पवत्रि शहीदों को

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 326

भाइयो, अपनी आशा को न छोड़ो, जिसके लिए एक बड़ा इनाम रखा हुआ है। तुम्हें धीरज की आवश्यकता है, ताकि परमेश्वर की इच्छा पूरी करके जो वचन दिया गया है, उसे प्राप्त करो; क्योंकि थोड़ी ही देर और, बहुत ही थोड़ी देर और, और जो आने वाला है, वह आएगा और वलिंब नहीं करेगा। धरमी विश्वास से जीवति रहेगा; परन्तु यदि कोई संदेह करता है, तो मेरी आत्मा उससे प्रसन्न नहीं है। परन्तु हम उनमें से नहीं हैं जो पीछे हटते हैं और नाश के लिए ठहराए गए हैं, बल्कि विश्वास में दृढ़ बने रहते हैं, अपनी आत्माओं के उद्धार के लिए। विश्वास आशा की गई बातों का सार और न देखी गई बातों का प्रमाण है। विश्वास के द्वारा पुरनैनों को प्रशंसा मिली। विश्वास के द्वारा हम समझते हैं कि संसार परमेश्वर के वचन से बने हैं, ताकि जो कुछ देखा जाता है वह उस से न बने जो दिखाई नहीं देता था। विश्वास के द्वारा हबलि ने काइन से बेहतर बलदान परमेश्वर को अर्पित किया; और इसके द्वारा उसे धार्मिक होने की गवाही मिली, क्योंकि परमेश्वर ने उसकी भेंटों की गवाही दी; और इसके द्वारा वह अपनी मृत्यु के बाद भी बोलता है। विश्वास के द्वारा हनोक को उठा लिया गया, ताकि वह मृत्यु न देखे; और वह नहीं मिला, क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया था। क्योंकि उठाए जाने से पहले, उसे यह गवाही मिली थी कि उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया था। और विश्वास के बिना परमेश्वर को प्रसन्न करना असंभव है; क्योंकि जो कोई परमेश्वर के पास आता है, उसे यह विश्वास करना चाहिए कि वह है, और यह कि वह उनका पुरस्कार देता है जो उसे खोजते हैं। विश्वास के द्वारा नूह ने, यद्यपि उसे ऐसी बातों की चेतावनी दी गई थी जो अभी तक नहीं देखी गई थीं, भक्ति से एक पेटी तैयार की, जिससे अपने घराने के उद्धार के लिए तैयारी की; इसके द्वारा उसने संसार को दोषी ठहराया, और विश्वास के द्वारा धार्मिकता का वारस बना।

इब्रानियों 10:35-11:7
तीसवें सप्ताह का गुरुवार

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 327

भाइयो, विश्वास के द्वारा अब्राहम ने उस देश में जाने के लिए बुलावे की आज्ञा मानी, जसि वह वरिसत में प्राप्त करने वाला था, और वह इस बात को न जानते हुए चला गया कि वह कहाँ जा रहा है। विश्वास के द्वारा सारा ने भी (यद्यपि वह बाँझ थी) गर्भ धारण करने की शक्ति प्राप्त की, और वह प्रसव की आयु से परे एक संतान को जन्म दिया, क्योंकि वह जानती थी कि जिसने वादा किया था, वह विश्वासयोग्य था। और इस प्रकार एक मनुष्य से—और वह भी लगभग मृतक के समान—इतने वंशज उत्पन्न हुए जतिने आकाश के तारे और समुद्र के किनारे की रेत के समान अनगणित। ये सब विश्वास में मरे, यद्यपि प्रतज्जाओं को प्राप्त न हुए, परन्तु उन्हें दूर से देखकर प्रसन्न हुए, और स्वीकार किया, और यह घोषणा की कि वे पृथ्वी पर परदेशी और अस्थायी यात्री हैं; क्योंकि जो ऐसा कहते हैं वे यह प्रगट करते हैं कि वे एक स्वदेश की खोज में हैं। और यदि वे उस स्वदेश को, जहाँ से वे आए थे, ध्यान में रखते, तो लौटने का समय पाते; परन्तु वे एक उत्तम, अर्थात् स्वर्गीय स्वदेश के लिए यत्न कर रहे थे; इसलिये परमेश्वर को यह कहने में लज्जा नहीं होती कि मैं उनका परमेश्वर हूँ; क्योंकि उसने उनके लिये एक नगर तैयार किया है।

इब्रानियों 11:8; 11-16
तीसवें सप्ताह का शुक्रवार

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 328

भाइयो, विश्वास के द्वारा अब्राहम ने प्रतज्जात देश में एक परदेशी के समान निवास किया, और उसी प्रतज्जा के सह-वारसि इसहाक और याकूब के साथ तंबुओं में रहा; क्योंकि वह उस नगर की आशा में था जिसकी बुनियादें हैं, जिसका वास्तुकार और निर्माता परमेश्वर है। विश्वास के कारण ही जब अब्राहम की परीक्षा हुई, तो उसने इसहाक को बलदान किया; और उस वचन को पाकर भी, उसने अपने एकलौते पुत्र को बलदान किया, जिसके विषय में कहा गया था, 'इसहाक के द्वारा तेरे वंशज कहलाए जाएँगे।' क्योंकि उसने यह माना कि परमेश्वर उसे मरे हुए में से भी जिला सकता है, और इसी से उसने उसे एक प्रकार के पुनरुत्थान के रूप में वापस भी पा लिया। विश्वास के द्वारा, भविष्य की ओर देखकर, इसहाक ने याकूब और एसाव दोनों

इब्रानियों को पत्र

को आशीष दी। वशिवास के द्वारा, जब वह मर रहा था, याकूब ने यूसुफ के प्रत्येक पुत्र को आशीष दी और अपनी लाठी के सरि पर झुक गया। वशिवास के द्वारा, अपनी मृत्यु के समय, यूसुफ ने इस्राएलियों के मसिर से नकिलने की भविष्यवाणी की और अपनी हड्डियों के वषिय में आज्ञा दी। वशिवास के कारण मूसा के जन्म के बाद तीन महीने तक उसके माता-पति ने उसे छपा रखा, क्योंकि उन्होंने देखा कि बिच्चा सुंदर था, और वे राजा के आदेश से नहीं डरे। और मैं और क्या कहूँ? गदिन, बराक, शमिशोन और यप्ताह, दाऊद, शमूएल और अन्य भविष्यवक्ताओं, जन्होंने वशिवास के द्वारा राज्यों पर वजिय प्राप्त की, धार्मिकता का अभ्यास किया, प्रतजिजाएँ प्राप्त कीं, संहियों के मुँह बंद किए, आग की शक्ति को बुझाया, तलवार की धार से बच निकले, अपनी दुर्बलता में बलवान बने, युद्ध में पराक्रमी हुए, विदेशी सेनाओं को भागने पर मजबूर किया; उनकी स्त्रियों ने अपने मरे हुएों को जीवित उठाए पाए; जबकि अन्य यातनाएँ सहते रहे, और मुक्ति स्वीकार करने से इनकार कर दिया, ताकि वे एक बेहतर पुनरुत्थान प्राप्त कर सकें; और भी अन्य उपहास और कोड़ों की मार, तथा बेड़ियों और कैद का सामना करते रहे; उन्हें पत्थर मारे गए, आरी से चीर दिया गया, यातनाएँ दी गईं, तलवार से मार डाला गया; वे भेड़ों और बकरियों की खाल पहने हुए इधर-उधर भटकते रहे, और दरदिरता, कष्ट और दुर्व्यवहार सहते रहे; जन्होंने लिये सारा संसार योग्य नहीं था, वे जंगलों और पहाड़ों, गुफाओं और धरती की खाइयों में भटकते रहे। और ये सब, अपने वशिवास की गवाही देने के बाद भी, उस प्रतजिजा को प्राप्त नहीं कर सके, क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिये कुछ और उत्तम की व्यवस्था की थी, ताकि वे हमारे बिना पूर्ण न हों।

इब्रानियों 11:9-10; 17-23; 32-40
मसीह के जन्म से एक सप्ताह पहले, पवित्र पति

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 329A

भाइयो, वशिवास के द्वारा अब्राहम, जब उसकी परीक्षा ली गई, तो इसहाक को बलदान करने को तैयार हुआ; और प्रतजिजा प्राप्त करने के बाद, उसने अपने एकलौते पुत्र को बलदान किया, जिसके वषिय में कहा गया था, 'इसहाक के द्वारा तेरा वंश नामति होगा।' क्योंकि उसने यह माना कि परमेश्वर उसे मरे हुएों में से भी जिला सकता है, और इसी से उसने उसे एक प्रकार के रूप में वापस भी पाया। वशिवास के द्वारा, भविष्य की ओर देखकर, इसहाक ने याकूब और एसाव दोनों को आशीष दी। वशिवास के द्वारा, जब वह मर रहा था, याकूब ने यूसुफ के प्रत्येक पुत्र को आशीष दी और अपनी लाठी के सरि पर झुक गया। वशिवास के द्वारा, अपनी मृत्यु के समय, यूसुफ ने इस्राएलियों के मसिर से नकिलने की भविष्यवाणी की और अपनी हड्डियों के वषिय में आज्ञा दी। वशिवास के कारण मूसा के जन्म के बाद तीन महीने तक उसके माता-पति ने उसे छपा रखा, क्योंकि उन्होंने देखा कि बिच्चा सुंदर था, और वे राजा की आज्ञा से नहीं डरे। वशिवास के कारण उसने मसिर छोड़ दिया, और राजा के क्रोध से नहीं डरता था, क्योंकि वह दृढ़ बना रहा, जैसे कि वह उसको देखता हो जो अदृश्य है। वशिवास के कारण उसने पासका परव मनाया और लहू छड़िका, ताकि पहलौठों के वनिशक उन्हें छू न सके। वशिवास के कारण उन्होंने सूखी भूमि पर जैसे लाल सागर को पार किया—जसि पर मसिरियों ने ऐसा ही करने का प्रयास किया, तो वे डूब गए। वशिवास के द्वारा यरीहो की दीवारें सात दिन परकिर्मा करने के बाद ढह गईं। वशिवास के द्वारा वेश्या राहाब ने जासूसों का शांतपूरक स्वागत किया (और उन्हें दूसरे मार्ग से बाहर ले गई), और वह अवशिवासियों के साथ नष्ट नहीं हुई।

इब्रानियों 11:17-23; 27-31
31वें सप्ताह का सोमवार

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 329B

भाइयो, वशिवास के द्वारा मूसा जब बड़ा हुआ, तब उसने फरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इनकार कर दिया, और परमेश्वर के लोगों के साथ दुख उठाना पाप के क्षणिक सुखों का आनंद लेने से कहीं बेहतर समझा, और मसीह की नदि को मसिर के खजाने से भी बड़ा धन-संपत्ति समझा; क्योंकि वह पुरस्कार की आशा रखता था। और मैं और क्या कहूँ? गदिन, बराका, शमिशोन, यप्ताह, दाऊद, शमूएल और अन्य भविष्यवक्ताओं, जन्होंने वशिवास के द्वारा राज्यों पर वजिय प्राप्त की, धर्म का अभ्यास किया,

इब्रानियों को पत्र

प्रतज्जिआँ प्राप्त की, सहिों के मुँह बंद कएि, आग की शक्ति को बुझाया, तलवार की धार से बच नकिले, अपनी दुर्बलता में बलवान बने, युद्ध में पराक्रमी हुए, वदेशी सेनाओं को भागने पर मजबूर किया; उनकी स्त्रियों ने अपने मरे हुएों को जीवित उठाए हुए प्राप्त कएि; जबकि अन्य यातनाएँ सहते रहे, और मुक्ति स्वीकार करने से इनकार कर दिया, ताकि वे एक बेहतर पुनरुत्थान प्राप्त कर सकें; और भी अन्य का मजाक उड़ाया गया और उन्हें कोड़ों से पीटा गया, तथा उन्हें बेड़ियों में जकड़ा और कैद किया गया; उन्हें पत्थर मारे गए, आरी से चीर दिया गया, यातनाएँ दी गईं, तलवार से मार डाला गया; वे भेड़ों और बकरियों की खाल पहनकर भटकते रहे, और अभाव, कष्ट और दुर्व्यवहार सहते रहे; जनिके लिए संपूर्ण संसार योग्य नहीं था, वे रेगसितानों और पहाड़ों तथा गुफाओं और पृथ्वी की घाटियों में भटकते रहे। और ये सब, अपने विश्वास की गवाही देने के बाद भी, उस प्रतज्जिआ को प्राप्त नहीं कर सके, क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिए कुछ और उत्तम की व्यवस्था की थी, ताकि वे हमारे बनिा पूर्ण न हों। इसलिये, चूँकि हम गवाहों के इतने बड़े बादल से घरे हुए हैं, तो आओ हम हर बोझ और उस पाप को उतार डालें जो हमें आसानी से उलझा लेता है, और धीरज के साथ उस दौड़ को दौड़ें जो हमारे सामने रखी गई है, और अपनी आँखें यीशु पर टकिए रखें, जो हमारे विश्वास का करता और सदिध करने वाला है।

इब्रानियों 11:24-26; 32-12:2A
महान तपस्या का पहला सप्ताह

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 330

भाइयो, सभी संतों ने विश्वास के द्वारा राज्य जीते, धर्म का अभ्यास किया, प्रतज्जिआँ प्राप्त की, सहिों का मुँह बंद किया, आग की शक्ति को बुझाया, तलवार की धार से बच नकिले, अपनी दुर्बलता में बलवान हुए, युद्ध में पराक्रमी बने, और वदेशी सेनाओं को भागने पर मजबूर किया; उनकी स्त्रियों ने अपने मरे हुएों को जीवित होते हुए प्राप्त किया; जबकि अन्य यातनाएँ सहते रहे, और मुक्ति स्वीकार करने से इनकार कर दिया, ताकि वे एक बेहतर पुनरुत्थान प्राप्त कर सकें; और अन्य अपमान और पट्टाई, तथा बेड़ियों और कैद का सामना करते रहे; उन्हें पत्थर मारे गए, आरी से चीर दिया गया, यातना दी गईं, तलवार से मार डाला गया; वे भेड़ और बकरियों की खाल पहने हुए, अभाव, क्लेश और दुर्व्यवहार सहते हुए इधर-उधर भटकते थे; जनिके लिए संपूर्ण संसार योग्य नहीं था, वे रेगसितानों और पहाड़ों तथा गुफाओं और पृथ्वी की खाइयों में भटकते रहे। और ये सब, अपने विश्वास की गवाही देने के बाद भी, उस प्रतज्जिआ को प्राप्त नहीं कर सके, क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिए कुछ बेहतर व्यवस्था की थी, ताकि वे हमारे बनिा पूर्ण न हों। इसलिये, चूँकि हम गवाहों के इतने बड़े बादल से घरे हुए हैं, तो आओ हम हर बोझ और उस पाप को उतार फेंकें जो हमें आसानी से उलझा लेता है, और धीरज के साथ उस दौड़ को दौड़ें जो हमारे सामने रखी गई है, और अपनी आँखें यीशु पर टकिए रखें, जो हमारे विश्वास का करता और सदिध करने वाला है।

इब्रानियों 11:33-12:2A
पेंटेकोस्ट के बाद पहला सप्ताह, सभी संतों का प्रव।
शहीदों को

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 331A

भाइयो, चूँकि हम गवाहों के इतने बड़े बादल से घरे हुए हैं, तो हर बोझ और उस पाप को उतार डालें जो हमें इतनी आसानी से फँसा लेता है, और धीरज के साथ उस दौड़ को दौड़ें जो हमारे सामने रखी गई है, अपनी आँखें यीशु पर टकिए रहें, जो हमारे विश्वास के करता और सदिध करने वाले हैं, जिन्होंने अपने सामने रखी गई आनन्द के लिए, क्रूस को सहन किया और लज्जा की परवाह नहीं की, और परमेश्वर के सहिसन के दाहनि बैठ गए। उस पर विचार करो जसिने पापियों से ऐसी वरिध सहन किया, ताकि तुम थक न जाओ और न हियाव छोड़ो। तुमने पाप के विरुद्ध अपने संघर्ष में अब तक लहू बहाने तक वरिध नहीं किया है, और तुमने पुत्रों के रूप में दी गई इस प्रोत्साहन को भूल गए हो: 'हे मेरे पुत्र, यहोवा की अनुशासति को तुच्छ न समझ, और जब वह तुझे डांटे तब तेरा मन न छूट जाए। क्योंकि यहोवा जसि प्रेम करता है, उसे अनुशासति करता है, और जसि वह ग्रहण करता है, उसे दण्ड देता है।' यदि आप अनुशासन सहते हैं, तो परमेश्वर आपको पुत्रों

इब्रानियों को पत्र

के रूप में मानता है। क्योंकि ऐसा कौन सा पुत्र है जिससे उसका पिता अनुशासति नहीं करता? परन्तु यदि आप उस सामान्य अनुशासन के बनिा हैं जो सभी को मलित है, तो आप अवैध संतान हैं, न कि पुत्र। इसके अलावा, यदि हम अपने सांसारिक माता-पिता द्वारा अनुशासति कए जाने पर उनसे डरते थे, तो क्या हमें आत्माओं के पिता के अधीन नहीं होना चाहिए, ताकि हम जीवित रह सकें? उन्होंने हमें कुछ दानों के लिए अपनी समझ के अनुसार अनुशासति किया; परन्तु वह हमारे भले के लिए अनुशासति करते हैं, ताकि हम उनकी पवित्रता में सहभागी हो सकें।

इब्रानियों 12:1-10
9 मार्च, सेबास्टे के पवित्र शहीद

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 331B

भाइयो, प्रभु जनिसे प्रेम करते हैं, उन्हें अनुशासति करते हैं; और जिस पुत्र को वे स्वीकार करते हैं, उसे दण्ड देते हैं। यदि तुम अनुशासन सहते हो, तो परमेश्वर तुम्हारे साथ पुत्रों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। क्योंकि ऐसा कौन सा पुत्र है जिससे उसका पिता अनुशासति नहीं करता? परन्तु यदि तुम बनिा अनुशासन के—जो सभी के लिए सामान्य है—छोड़ दिए गए हो, तो तुम नाजायज संतान हो, न कि पुत्र। इसके अलावा, यदि हम अपने सांसारिक माता-पिता द्वारा अनुशासति होते समय उनसे डरते थे, तो क्या हमें आत्माओं के पिता के प्रति और भी अधिक आज्ञाकारी नहीं होना चाहिए, ताकि हम जीवित रह सकें? उन्होंने हमें कुछ दानों के लिए अपनी समझ के अनुसार अनुशासति किया; परन्तु वह हमारे भले के लिए हमें अनुशासति करता है, ताकि हम उसकी पवित्रता में सहभागी हो सकें। कोई भी अनुशासन उस समय सुखद नहीं लगता, बल्कि दुःखद होता है; फिर भी बाद में यह उन लोगों के लिए धार्मिकता का शांतदायक फल देता है, जो इसके द्वारा प्रशिक्षित हुए हैं। इसलिए, अपने लटके हुए हाथों और कमजोर घुटनों को मजबूत करो, और अपने पैरों को सीधा चलाओ, ताकि जो लंगड़ा है वह टेढ़ा न हो जाए, बल्कि चिंगा हो जाए। सावधान रहो कि तुम भी उस वक्ता से मुँह न मोड़ो। क्योंकि यदि वे भी जो पृथ्वी पर बोलने वाले की आज्ञा नहीं मानते, दण्ड से नहीं बचे, तो हम तो और भी कैसे बचेंगे यदि हम स्वर्ग से बोलने वाले से मुँह मोड़ें, जिसका स्वर तब पृथ्वी को हिला दिया था, और जिसने अब यह प्रतज्ञा की है: 'मैं फिर से न केवल पृथ्वी को, बल्कि स्वर्गों को भी हिला दूँगा।' 'एक बार फिर' शब्द उस अस्थायी चीज के हट जाने को दर्शाते हैं, जो सृजति की गई थी, ताकि जो स्थायी है वह बना रहे।

इब्रानियों 12:6-13; 25-27
भूकंप के दौरान

इब्रानियों का पत्र, आरंभ 332

भाइयो, सभी लोगों के साथ शान्ति और पवित्रता बनाए रखने का यत्न करो, जिसके बनिा कोई भी प्रभु को नहीं देखेगा। सावधान रहो कि कोई भी परमेश्वर की कृपा से वंचित न रह जाए; कि कोई कड़वी जड़ उगकर किसी को नुकसान न पहुँचाए, और कि बहुत से लोग उससे अशुद्ध न हो जाएँ; कि तुम में कोई व्यभिचारी या दुष्ट व्यक्ति न हो, जो एसाव की तरह एक ही भोजन के लिए अपनी जन्मसिद्ध अधिकार को त्याग दे। क्योंकि तुम जानते हो कि बाद में, जब वह आशीष का वारस होना चाहता था, तो उसे अस्वीकार कर दिया गया; वह अपने पिता का मन नहीं बदल सका, भले ही उसने आँसुओं के साथ उनसे वनिती की। तुम उस पहाड़ पर नहीं आए हो जिससे छुआ जा सकता है और जो आग से जल रहा हो, न ही अंधकार, निराशा और आँधी-तूफान पर, न ही तुरही की ध्वनि और शब्दों की आवाज़ पर, जनिहें सुनने वालों ने वनिती की कि उनसे और कोई बात न की जाए, क्योंकि वे उस आज्ञा को सहन नहीं कर सके: 'यदि कोई पशु भी पहाड़ को छू ले, तो उसे पत्थर से मारा जाएगा (या तीर से मारा जाए); और यह दृश्य इतना भयानक था कि मूसा ने भी कहा: 'मैं डर और भय से भर गया हूँ'। परन्तु तुम सियोन पर्वत और जीवते परमेश्वर के नगर, स्वर्गीय यरूशलेम और स्वर्गदूतों की सेना, प्रथमजातियों की आनंद-सभा और मंडली के समीप आए हो, जिनके नाम स्वर्ग में लिखे हुए हैं, और परमेश्वर के पास, जो सबका न्यायी है, और सिद्ध हुए धर्मी लोगों की आत्माओं के पास, और नए नियम के मध्यस्थ यीशु के पास, और छड़िके जाने वाले लहू के पास, जो हाबेल के लहू से बेहतर बात करता है।

इब्रानियों 12:14-24
आग के दौरान

इब्रानियों की पत्रिका, प्रारंभ 333A

भाइयो, सावधान रहो कि तुम भी उस वक्ता से पीछे न हट जाओ। यद्वि जो पृथ्वी पर बोलने वाले की आज्ञा नहीं मानते थे, दण्ड से नहीं बचे, तो हम कतिने ही कम बचेंगे यद्वि हम स्वर्ग से बोलने वाले से मुँह मोड़ लें, जिसके स्वर से तब पृथ्वी कांप गई थी, और जसिने अब यह प्रतज्ज्ञा की है: 'मैं फरि से न केवल पृथ्वी बल्कि स्वर्ग को भी हला दूँगा।' भाइयो, मैं तुम्हें इस प्रोत्साहन के वचन को मानने की वनिती करता हूँ; मैंने तुम्हें अधिक नहीं लिखा है। जान लो कहिमारा भाई तीमुथयुस छूट गया है, और मैं, उसके साथ ही, यद्वि वह शीघ्र आ गया, तो तुम्हें देखूँगा। अपने सभी शकिषकों और सभी पवतिर लोगों को नमस्कार कहो। इटालयिनों ने तुम्हें नमस्कार कहा है। तुम सब पर अनुग्रह हो। आमीन।

इब्रानियों 12:25-26; 13:22-25
31वें सप्ताह का मंगलवार

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 333B

भाइयो, चूँकि हमें एक अटल राज्य मिला है, उस अनुग्रह को दृढ़ता से थामे रहो, जसिसे हम परमेश्वर की उचति रीति से भक्ति और भय के साथ सेवा कर सकें; क्योंकि हमारा परमेश्वर भस्म करने वाली आग है। तुम में भाईचारे का प्रेम बना रहे। परदेशियों की मेहमाननवाजी करना न भूलो, क्योंकि ऐसा करते हुए कुछ लोगों ने बना जाने-समझे स्वर्गदूतों की मेहमाननवाजी की है। जो जेल में हैं उन्हें ऐसा याद करो मानो तुम भी उनके साथ जेल में हो, और जो अत्याचार सह रहे हैं उन्हें ऐसा याद करो मानो तुम स्वयं अपने शरीर में हो। विवाह सभी के लिए सम्मानति हो, और विवाह का शयनागार अशुद्ध न हो; क्योंकि परमेश्वर व्यभिचारियों और परस्त्रीग्राहकों का न्याय करेंगे। अपने जीवन को धन के प्रेम से मुक्त रखो, और जो तुम्हारे पास है उससे संतुष्ट रहो। क्योंकि उसने स्वयं कहा है: 'मैं तुझ से कभी न छोड़ूँगा और न तुझ से कभी मुँह फेरूँगा'; इसलिये हम नश्चय के साथ कह सकते हैं: 'प्रभु मेरा सहायक है; मैं न डरूँगा: मनुष्य मेरे क्या कर सकेगा?' अपने अगुवों को याद करो, जिन्होंने तुमको परमेश्वर का वचन सुनाया; और उनके जीवन के परिणाम पर ध्यान देकर उनके विश्वास का अनुकरण करो। यीशु मसीह कल भी और आज भी और युगानुयुग एक ही है।

इब्रानियों 12:28-13:8
महा-तपस्या के छठे सप्ताह का शनिवार

इब्रानियों की पत्रिका, आरंभ 334

भाइयो, अपने उन शकिषकों को याद करो जिन्होंने तुम्हें परमेश्वर का वचन सुनाया; और उनके जीवन के अंत के ढंग को देखकर उनके विश्वास का अनुकरण करो। यीशु मसीह कल, आज और सदा एक ही है। विभिन्न और अजीब शकिषाओं से भटक न जाओ; क्योंकि अनुग्रह से हृदय को दृढ़ करना अच्छा है, न कि भोजन से, जिसे उनका अनुसरण करने वालों को कोई लाभ नहीं हुआ। हमारे पास एक वेदी है, जसिसे मंडप की सेवा करने वालों को खाने का अधिकार नहीं है। जैसे पशुओं के शरीर, जिनका लहू महापुजारी पापों की शुद्धता के लिए पवतिर स्थान में ले जाता है, शविरि के बाहर जलाए जाते हैं, वैसे ही यीशु ने भी, लोगों को अपने ही लहू से पवतिर करने के लिए, द्वारों के बाहर दुख उठाया। तो आओ, हम भी उसके पास शविरि के बाहर चलें, उसकी ननिंदा उठाते हुए; क्योंकि यिहाँ हमारा कोई स्थायी नगर नहीं है, परन्तु हम उस नगर की खोज में हैं जो आने वाला है। तो उसके द्वारा हम नरिन्तर परमेश्वर को स्तुति का बलदान चढ़ाएं—अर्थात् होठों का फल जो उसका नाम स्वीकार करता है। भलाई करने और एक दूसरे के साथ बाँटने की उपेक्षा न करो, क्योंकि ऐसे बलदान परमेश्वर को भाते हैं।

इब्रानियों 13:7-16
16 जुलाई के सबसे नकिट रविवार को, छह सार्वभौमिक परषिदों के पवतिर पतिओं को।
पवतिर शहीदों को

इब्रानियों की पत्रिका, प्रारंभ 335

भाइयो, अपने अगुवों की आज्ञा मानो और उन के अधीन रहो, क्योंकि वे तुम्हारी आत्माओं की रखवाली करते हैं, जैसे कि जिन्हें इसका हिसाब देना है; ताकि वे यह काम आनन्द के साथ करें, न कि आह भरते हुए, क्योंकि इससे तुम्हें कोई लाभ नहीं होगा। हमारे लिए प्रार्थना करें; क्योंकि हमें विश्वास है कि हमारा अंतर्करण निर्मल है, और हम हर बात में सम्मानपूर्वक आचरण करना चाहते हैं। मैं आपसे विशेष रूप से यही नविदन करता हूँ, ताकि मैं आप सबके पास शीघ्र ही लौट आ सकूँ। शांति का परमेश्वर, जो भेड़ों के रखवाले, हमारे प्रभु यीशु मसीह को, जो अनन्त वाचा के लहू से मरे हुए हैं, मैं से जी उठा है, तुम्हें हर एक भले काम में समर्थ बनाए कि तुम उसकी इच्छा पूरी करो, और यीशु मसीह के द्वारा जो कुछ उसे भाता है, वह तुम्हारे भीतर काम करे। उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे! आमीन।

इब्रानियों 13:17-21
पत्रिका लोगों के लिए

वर्ष-सूची के लिए।

पत्र से पढ़ने की व्यवस्था के सभी सप्ताहों के लिए

ईस्टर सप्ताह

प्रोकेइमेनन, स्वर 8

यह वह दनि है जसि प्रभु ने बनाया है; / हम इस पर आनन्द करें और हर्षति हों।

पद: प्रभु का धन्यवाद करो, क्योंकि विह भला है; उसकी कृपा सदा के लिए बनी रहती है। भजन संहिता 117:24,

स्वरारोपण 1A.

अललउया, स्वर 4

पद: हे प्रभु, जब आप उठेंगे, तब आप सयोन पर दया करेंगे।

पद: प्रभु ने स्वर्ग से पृथ्वी पर दृष्टि डाली।

भजन संहिता 101:14A, 20B

पवतिर सप्ताह का सोमवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; आकाशमण्डल उनके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 2.

अललlouia, स्वर 1

पद: हे प्रभु, आकाश आपके चमत्कारों की घोषणा करता है।

पद: हम संतों की संगति में परमेश्वर की स्तुति करते हैं।

भजन संहिता 88:6क, 8क

पवतिर सप्ताह का मंगलवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वरमाता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की नम्रता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

आरंभ 4.

अललlouia, स्वर 8

पद: हे प्रभु, उठो और अपने विश्राम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारे पवित्रता का सन्दूक।

पद: प्रभु ने दाऊद से सत्य में शपथ ली, और वह उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:8, 11A

पवित्र सप्ताह का बुधवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 6

मैं तेरे नाम को सभी पीढ़ियों तक स्मरणीय बनाऊँगा।

छंद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

भजन संहिता 44:18A, 11A

आरंभ 5.

अललउया, स्वर 2

पद: मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति होती है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की नम्रता पर दृष्टि डाली है; देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

पवित्र सप्ताह का गुरुवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3

हमारे परमेश्वर के लिए गीत गाओ, गीत गाओ, / हमारे राजा के लिए गीत गाओ, गीत गाओ।

पद: हे सब जातियों, तालियाँ बजाओ; हे परमेश्वर, आनन्द के शब्द से जयजयकार करो।

भजन संहिता 46:7, 2

आरंभ 6.

अललlouia, स्वर 4

छंद: मजबूत बनो, फल-फूलो और सत्य, नम्रता और धार्मिकता के लिए राज्य करो।

पद: तू ने धार्मिकता से प्रेम किया और दुष्टता से घृणा की।

भजन संहिता 44:5A, 8A

पवित्र सप्ताह का शुक्रवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का वर्णन करते हैं; और आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

और प्रोकीमेनोन, स्वर 3, परमेश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति होती है।
लूका 1:46-47

आरंभ 7 और ईश्वर की माता के लिए, आरंभ 240।

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

श्लोक: हे पुत्री, सुन, और देख, और अपना कान लगा।

भजन संहिता 88:6A, 8A; 44:11A

पवतिर सप्ताह का शनिवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3

प्रभु मेरा प्रकाश और मेरा उद्धारकर्ता है: मैं किससे डरूँ?

पद: प्रभु मेरे जीवन के रक्षक हैं: मैं किससे डरूँगा?

भजन संहिता 26:1

आरंभ 8.

अल्लेलूया, स्वर 5

प्रतगान: प्रभु ने सहिसन पर वरिजमान होकर वैभव से परधान धारण किया है।

पद: क्योंकि उसने जगत को दृढ़ किया है, और वह हलिने न पाएगा।

भजन संहिता 92:1क, 1ख

ईस्टर के बाद दूसरा सप्ताह, थॉमस का

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3

महान है हमारा प्रभु, और महान है उसकी सामर्थ्य, / और उसकी बुद्धि अतुलनीय है।

पद: प्रभु की स्तुति करो, क्योंकि भजन गाना भला है; हमारे परमेश्वर की स्तुति मिथुर हो। भजन संहिता 146:5,

स्वरारोपण 14.

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: आओ, हम प्रभु में आनन्द मनाएँ; हम अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के सामने जयजयकार करें।

पद: क्योंकि यहोवा महान परमेश्वर है, और सारी पृथ्वी पर एक महान राजा है।

भजन संहिता 94:1, 3

सोमवार, 9वां सप्ताह।

गुरुवार, चक्र का 12वां दनि।

मंगलवार, सप्ताह का 10वां दनि।

शुक्रवार, चक्र का 13वां दनि।

बुधवार, चक्र का 11वां दनि। शनिवार, 15वाँ.

ईस्टर के बाद तीसरा सप्ताह, मूर्रा-वाहकों पर

प्रोकेइमेनोन, स्वर 6

हे प्रभु, अपने लोगों को बचा / और अपनी वरिसत को आशीर्वाद दे।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ ही को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, चुप न रह, और मुझ से मुँह न फेर। भजन संहिता 27:9, 1क

पठन 16.

अललoulia, स्वर 8

पद: हे प्रभु, तूने अपनी भूमिपर अनुग्रह किया है; तूने याकूब के बंधुओं को वापस लाया है।

पद: दया और सत्य का मलिन हुआ; धार्मिकता और शान्तिने एक-दूसरे को चूमा।

भजन संहिता 84:2, 11

सोमवार, चक्र का 17वां दनि। गुरुवार, चक्र का 20वां दनि।

मंगलवार, चक्र का 18वां दनि। शुक्रवार, 21वाँ.

बुधवार, 19वाँ.

शनिवार, 22वें सप्ताह की शुरुआत।

ईस्टर के बाद का चौथा सप्ताह, लकवाग्रस्त व्यक्तिपर

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

हे प्रभु, आपकी दया हम पर बनी रहे, / क्योंकि हम आप में अपनी आशा रखते हैं।

पद: हे धर्मीजन, प्रभु में आनन्दति हो – धर्मीजन के लिए स्तुतिउपयुक्त है।

भजन संहिता 32:22, 1

समापन 23.

अललoulia, स्वर 5

पद: हे प्रभु, मैं सदा-सर्वदा तेरी दया का गान करूँगा।

पद: क्योंकि आपने कहा है, 'मेरी दया सदा के लिए स्थिर रहेगी।'।

भजन संहिता 88:2A, 3A

सोमवार, सप्ताह 24.

मंगलवार, 25वां सप्ताह।

मध्य-लैट का बुधवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3

महान है हमारा प्रभु, और महान है उसकी सामर्थ्य, / और उसकी बुद्धि अतुलनीय है।

पद: प्रभु की स्तुति कियो, क्योंकि भजन गाना भला है; हमारे परमेश्वर की स्तुति मिधुर हो। भजन संहिता 146:5, 1

आरंभ 34.

अललoulia, स्वर 1

पद: हे प्रभु, अपने लोगों को स्मरण कर, जनिहें तूने आरम्भ से प्राप्त किया है।

परत्येक सप्ताह के परेरतों के पठन का क्रम

पद: परमेश्वर, जो युगों से पहले से हमारे राजा हैं, ने पृथ्वी के मध्य में उद्धार किया है। **भजन संहिता 73:2A, 12**

चक्र के 26वें गुरुवार।

चक्र के 27वें दनि, शुक्रवार।

चक्र का शनिवार, 29वां दनि।

ईस्टर के बाद का पाँचवाँ सप्ताह, सामरी स्त्री पर

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3

हमारे परमेश्वर के लिए गीत गाओ, गाओ, / हमारे राजा के लिए गीत गाओ, गाओ।

पद: हे सब जातियों, तालियाँ बजाओ; परमेश्वर के लिए आनन्द की आज़ा से जयजयकार करो। **भजन संहिता 46:7, 2**

पठन 28.

अललoulouia, स्वर 4

पद: मजबूत हो, फल-फूलो और सत्य, नम्रता और धार्मिकता के लिए राज्य करो।

पद: तू ने धार्मिकता से प्रेम किया और दुष्टता से घृणा की।

भजन संहिता 44:5क, 8क

सोमवार, चक्र का 30वां दनि। गुरुवार, चक्र का 35वां दनि।

मंगलवार, चक्र का 31वां दनि। शुक्रवार, चक्र का 36वां दनि।

बुधवार, चक्र का 32वां दनि। शनिवार, 37वें सप्ताह की शुरुआत।

ईस्टर के बाद छठा सप्ताह, अंधे आदमी पर

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

प्रार्थना करो और हमारे प्रभु, हमारे परमेश्वर के प्रति अपनी प्रतजिज्ञाओं को पूरा करो।

पद: परमेश्वर यहूदिया में परचिति है; उसका नाम इस्राएल में महान है।

भजन संहिता 75:12, 2

पठन 38.

अललoulouia, स्वर 8

पद: मेरी ओर देखो और मुझ पर दया करो।

पद: अपने वचन के अनुसार मेरे कदमों का मार्गदर्शन करें।

भजन संहिता 118:132A, 133A

सोमवार, चक्र 39.

मंगलवार, 40B.

बुधवार, ईस्टर के बाद का दनि

प्रोकेइमेनोन और अल्लेलुया जैसा ईस्टर पर।

सप्ताह 41।

गुरुवार, प्रभु का स्वर्गारोहण

प्रोकीमेनन, स्वर 7

हे परमेश्वर, स्वर्ग में आरोहण करो, / और पृथ्वी पर आपकी महिमा हो।

पद: हे परमेश्वर, मेरा हृदय तैयार है, मेरा हृदय तैयार है; मैं गाऊँगा और अपने गौरव के लिए संगीत करूँगा।

भजन संहिता 56:12, 8

स्वरारंभ 1ख.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: परमेश्वर आनन्द के जयकारों के बीच आरोहण कर चुके हैं; प्रभु तुरही की ध्वनिके बीच।

पद: सभी राष्ट्रों, तालियाँ बजाओ; आनंदपूर्ण स्वर में परमेश्वर के लिए जयजयकार करो।

भजन संहिता 46:6,

2

शुक्रवार, 42वां सप्ताह।

शनिवार, 43वां सप्ताह।

ईस्टर के बाद का 7वां रविवार, पवित्र पतिओं और प्रथम सार्वभौमिक परषिद

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4, पतिगण का गीत

धन्य हैं आप, हे प्रभु, हमारे पूर्वजों के परमेश्वर, / और आपका नाम सदा के लिए स्तुत और महिमा का पात्र है।

पद: क्योंकि जो कुछ तूने हम पर किया है, उसमें तू धर्मी है।

दान 3:26, 27A

आरंभ 44.

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: प्रभु, देवताओं के ईश्वर, ने कहा है और सूर्य के उदय से अस्त तक पृथ्वी को बुलाया है।

पद: उसके संतों को उसके पास इकट्ठा करो, जिन्होंने बलदानों के वषिय में उसके साथ वाचा की है।

भजन संहिता 49:1, 5

सोमवार, आरंभ 45.
मंगलवार, 46वां दनि।
बुधवार, 47वां दनि।

गुरुवार, 48वां दनि।
शुक्रवार, 50A.

शनिवार

आत्मा की शांति के लिए संपूर्ण सेवा।

प्रोकेइमेनोन, स्वर 6

उनकी आत्माएँ आशीर्वादों के बीच वास करेंगी।

छंद: हे प्रभु, मैं अपनी आत्मा तेरी ओर उठाता हूँ, हे मेरे परमेश्वर।

तुलना करें भजन संहिता 24:13A, 1-2A

स्वरारोपण 51A और, आत्मा की शांति के लिए, स्वरारोपण 270।

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

अललouia, स्वर 4

पद: धन्य है वह जिसने तूने चुना और अपने समीप खींचा, हे प्रभु।

पद: और उनकी स्मृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनी रहेगी।

तुलना करें: भजन संहिता 64:5; 44:18A

पेंटेकोस्ट सप्ताह

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी आवाज़ सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन ब्रह्मांड के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषित करते हैं; आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5क, 2

आरंभ 3.

अललouia, स्वर 1

पद: प्रभु के वचन से आकाश स्थापित हुए, और उनके होठों के प्राण से उनकी सारी सेना।

पद: प्रभु ने स्वर्ग से नीचे देखा और मनुष्यों के सभी पुत्रों को देखा।

भजन संहिता 32:6, 13

पेंटेकोस्ट के बाद पहला सप्ताह।

पवतिर आत्मा का सोमवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 6

हे प्रभु, अपने लोगों को बचाओ / और अपनी वरिसत को आशीष दो।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ ही को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, चुप न रह, और मुझ से मुँह न फेर।^{1क} भजन संहिता 27:9,

स्वरारोपण 229.

अललउया, स्वर 2

पद: हे परमेश्वर, अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें।

पद: मुझे अपनी उपस्थितिसे दूर न कर, और अपनी पवतिर आत्मा मुझ में से न ले।

भजन संहिता 50:3, 13

मंगलवार, चक्र 79A.

गुरुवार, चक्र 81A।

बुधवार, पाठ 80।

शुक्रवार, पाठ 82।

शनिवार, पाठ 79B।

पेंटेकोस्ट के बाद पहला सप्ताह, सभी संतों

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

प्रार्थना करो और प्रभु, हमारे परमेश्वर के प्रति अपनी प्रतज्जाएँ पूरी करो।

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

पद: परमेश्वर यहूदिया में जाना जाता है; उसका नाम इस्राएल में महान है।

भजन संहिता 75:12A, 2

और संतों के लिए, प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

ईश्वर अपने संतों में अद्भुत है; इस्राएल का ईश्वर।

भजन संहिता 67:36A

आरंभ 330.

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: धर्मी ने पुकारा, और प्रभु ने उनकी सुनी।

पद: धर्मी लोगों को बहुत दुख होते हैं – और प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18क, 20

सप्ताह 2

सोमवार, आरंभ 83.

गुरुवार, रीडिंग 89.

मंगलवार, शुरुआत 86.

शुक्रवार, शुरुआत 90.

बुधवार: शुरुआत 87.

शनिवार, 84 की शुरुआत।

पेंटेकोस्ट के बाद दूसरा सप्ताह, सभी संतों का दिन, जो रूसी भूमि में प्रकट हुए

प्रोकीमेनोन, स्वर 1

हे प्रभु, आपकी दया हम पर हो, / क्योंकि हम आप में ही आशा रखते हैं।

पद: हे धर्मीजनो, प्रभु में आनन्द मनाओ – धर्मीजनो के लिए स्तुति उपयुक्त है।

भजन संहिता 32:22, 1

और संतों का प्रोकीमेनोन, स्वर 4

जो संतों का निवास उसकी पृथ्वी पर है, प्रभु ने उनमें अद्भुत रूप से अपनी सभी इच्छाएँ प्रकट की हैं।

भजन संहिता 15:3

स्वरारोपण 81B और पवतिर स्वरारोपण 330।

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: ईश्वर मेरा बदला लेता है और मेरी खातिर राष्ट्रों को वश में करता है।

पद: वह महिमा में राजा को बचाता है और अपने अभिषिक्त दाऊद तथा उसकी संतानों पर सदा के लिए दया दिखाता है।

तुलना करें भजन संहिता 17:48, 51

पवतिरजनो के लिए हल्लेलूया, स्वर 4

छंद: हे ईश्वर, हमने अपने कानों से सुना है, और हमारे पूर्वजों ने हमें बताया है।

पद: क्योंकि आपने हमें उन लोगों से बचाया है जो हमें उत्पीड़ित करते हैं और जिन्होंने हमें घृणा की, उन्हें लज्जित किया है।

भजन संहिता 43:2क, 8

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

सप्ताह 3

सोमवार, 94वाँ दनि।	गुरुवार, रीडिंग 98.
मंगलवार, पाठ 95.	शुक्रवार, 101 से शुरू।
बुधवार: शुरुआत 96A.	शनिवार: शुरुआत 85.

सप्ताह 3, शुरुआत 88A.

सप्ताह 4

सोमवार, शुरुआत 102.	गुरुवार, शुरुआत 106.
मंगलवार, शुरुआत 104.	शुक्रवार, शुरुआत 107.
बुधवार: शुरुआत 105.	शनिवार: 92.

सप्ताह 4, शुरुआत 93.

सप्ताह 5

सोमवार, 109 की शुरुआत।	गुरुवार, शुरुआत 118.
मंगलवार, 114 की शुरुआत।	शुक्रवार, शुरुआत 120.
बुधवार: शुरुआत 117.	शनिवार: 97.

सप्ताह 5, 103 से शुरू।

सप्ताह 6

सोमवार, आरंभ 121A.	गुरुवार, शुरुआत 129.
मंगलवार, 122 की शुरुआत।	शुक्रवार, 130B की शुरुआत।
बुधवार, पाठ 127.	शनिवार, शुरुआत 100.

सप्ताह 6, शुरुआत 110.

सप्ताह 7

सोमवार: शुरुआत 134.	गुरुवार, शुरुआत 138.
मंगलवार: शुरुआत 136.	शुक्रवार, शुरुआत 139.
बुधवार, शुरुआत 137.	शनिवार: शुरुआत 108.

सप्ताह 7, शुरुआत 116.

सप्ताह 8

सोमवार, सप्ताह 142 की शुरुआत।	गुरुवार, शुरुआत 147.
मंगलवार, शुरुआत 144.	शुक्रवार, आरंभ 148.
बुधवार, दनि की शुरुआत 145.	शनिवार, शुरुआत 111.

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

सप्ताह 8, शुरुआत 124.

सप्ताह 9

सोमवार: उद्घाटन मूल्य 150. गुरुवार: 155 पर खुलना।
मंगलवार: 152 से शुरू। शुक्रवार: 157 से शुरू।
बुधवार: 154A. शनिवार, शुरुआत 113.

सप्ताह 9, शुरुआत 128.

सप्ताह 10

सोमवार, शुरुआत 159. गुरुवार, आरंभ 167A.
मंगलवार, आरंभ 161. शुक्रवार, आरंभ 169.
बुधवार, आरंभ 165. शनिवार, शुरुआत 119.

सप्ताह 10, शुरुआत 131.

सप्ताह 11

सोमवार, शुरुआत 171. गुरुवार, शुरुआत 175.
मंगलवार, शुरुआत 172. शुक्रवार, शुरुआत 177.
बुधवार, शुरुआत 173. शनिवार: शुरुआत 123.

सप्ताह 11, 141 से शुरू।

सप्ताह 12

सोमवार: 179 पर खुलना। गुरुवार: 183 से शुरुआत।
मंगलवार: 180 की शुरुआत। शुक्रवार, शुरुआत 184.
बुधवार, शुरुआत 182A. शनिवार, शुरुआत 125C.

सप्ताह 12, शुरुआत 158.

सप्ताह 13

सोमवार, आरंभ 186. गुरुवार, शुरुआत 190.
मंगलवार: शुरुआत 187. शुक्रवार, शुरुआत 192.
बुधवार, शुरुआत 189. शनिवार: 126.

सप्ताह 13, 166 से शुरू।

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

सप्ताह 14

सोमवार, आरंभ 195.	गुरुवार, शुरुआत 198.
मंगलवार, 196 से शुरू।	शुक्रवार, शुरुआत 201.
बुधवार, शुरुआत 197.	शनिवार: शुरुआत 130A.

सप्ताह 14, शुरुआत 170.

सप्ताह 15

सोमवार, आरंभ 202.	गुरुवार, आरंभ 208B.
मंगलवार, आरंभ 204.	शुक्रवार, आरंभ 210A.
बुधवार, आरंभ 207.	शनिवार, आरंभ 132.

सप्ताह 15, आरंभ 176.

सप्ताह 16

सोमवार, आरंभ 211.	गुरुवार, शुरुआत 216.
मंगलवार, 212 से शुरू।	शुक्रवार, 217 से शुरू।
बुधवार, 214 की शुरुआत।	शनिवार: शुरुआत 146.

सप्ताह 16, शुरुआत 181.

सप्ताह 17

सोमवार, शुरुआत 219.	गुरुवार, शुरुआत 225.
मंगलवार, शुरुआत 222.	शुक्रवार, आरंभ 226.
बुधवार, शुरुआत 223.	शनिवार: शुरुआत 156.

सप्ताह 17, 182B से शुरू।

सप्ताह 18

सोमवार, शुरुआत 227.	गुरुवार, शुरुआत 232.
मंगलवार, शुरुआत 230A.	शुक्रवार, आरंभ 234.
बुधवार, शुरुआत 231.	शनिवार, आरंभ 162.

सप्ताह 18, शुरुआत 188.

सप्ताह 19

सोमवार, शुरुआत 235.	गुरुवार, शुरुआत 238.
मंगलवार, शुरुआत 236.	शुक्रवार, शुरुआत 239.
बुधवार, 237 की शुरुआत।	शनिवार: 164.

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

सप्ताह 19, शुरुआत 194.

सप्ताह 20

सोमवार, शुरुआत 241.	गुरुवार, शुरुआत 244.
मंगलवार, शुरुआत 242.	शुक्रवार, आरंभ 245.
बुधवार, शुरुआत 243.	शनिवार, शुरुआत 168.

सप्ताह 20, शुरुआत 200.

सप्ताह 21

सोमवार, शुरुआत 248.	गुरुवार, 252 की शुरुआत।
मंगलवार, 249A की शुरुआत।	शुक्रवार, 253 की शुरुआत।
बुधवार, शुरुआत 251.	शनिवार, शुरुआत 174.

सप्ताह 21, शुरुआत 203.

सप्ताह 22

सोमवार, आरंभ 255.	गुरुवार, शुरुआत 260A.
मंगलवार, शुरुआत 256.	शुक्रवार, शुरुआत 261.
बुधवार, 259 की शुरुआत।	शनिवार, शुरुआत 178.

सप्ताह 22, शुरुआत 215A.

सप्ताह 23

सोमवार, आरंभ 262.	गुरुवार, शुरुआत 265.
मंगलवार, शुरुआत 263.	शुक्रवार, शुरुआत 266.
बुधवार, शुरुआत 264.	शनिवार, शुरुआत 185.

सप्ताह 23, शुरुआत 220A.

सप्ताह 24

सोमवार, शुरुआत 267.	गुरुवार, 271 की शुरुआत।
मंगलवार: 268 की शुरुआत।	शुक्रवार, शुरुआत 272.
बुधवार: 269.	शनिवार: 191.

सप्ताह 24, 221 से शुरू।

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

सप्ताह 25

सोमवार, शुरुआत 274A.	गुरुवार, आरंभ 276.
मंगलवार, आरंभ 274B.	शुक्रवार, आरंभ 277.
बुधवार, आरंभ 275.	शनिवार, आरंभ 199.

सप्ताह 25, शुरुआत 224A.

सप्ताह 26

सोमवार, आरंभ 278.	गुरुवार, शुरुआत 283.
मंगलवार, शुरुआत 279.	शुक्रवार, शुरुआत 285A.
बुधवार, शुरुआत 281.	शनिवार, शुरुआत 205.

सप्ताह 26, शुरुआत 229.

सप्ताह 27

सोमवार, आरंभ 285B.	गुरुवार, 289 की शुरुआत।
मंगलवार, 286 की शुरुआत।	शुक्रवार, शुरुआत 290A.
बुधवार, शुरुआत 287.	शनिवार, शुरुआत 213.

सप्ताह 27, शुरुआत 233.

सप्ताह 28

सोमवार, शुरुआत 294.	गुरुवार, शुरुआत 300B.
मंगलवार, शुरुआत 297.	शुक्रवार, शुरुआत 301.
बुधवार, शुरुआत 299.	शनिवार: 218.

सप्ताह 28, 250 से शुरू।

सप्ताह 29

सोमवार, शुरुआत 308.	गुरुवार: 315 से शुरू।
मंगलवार: 310 से शुरू।	शुक्रवार: शुरुआत 317.
बुधवार, शुरुआत 312.	शनिवार: 220B.

सप्ताह 29, शुरुआत 257.

सप्ताह 30

सोमवार, शुरुआत 319.	गुरुवार, शुरुआत 326.
मंगलवार: शुरुआत 321A.	शुक्रवार: शुरुआत 327.
बुधवार, शुरुआत 323.	शनिवार, शुरुआत 228.

प्रत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

सप्ताह 30, शुरुआत 258.

सप्ताह 31

सोमवार, आरंभ 329A. गुरुवार, आरंभ 51B.
मंगलवार, 333A की शुरुआत। शुक्रवार, आरंभ 52.
बुधवार, 50B की शुरुआत। शनिवार, आरंभ 249B.
सप्ताह 31, शुरुआत 280B.

सप्ताह 32

सोमवार, सप्ताह 53 की शुरुआत। गुरुवार, आरंभ 56.
मंगलवार, आरंभ 54. शुक्रवार, 58A की शुरुआत।
बुधवार, 55 की शुरुआत। शनिवार, आरंभ 273.
सप्ताह 32, आरंभ 285B.

सप्ताह 33

सोमवार: 59 से शुरू करें। गुरुवार, 62 की शुरुआत।
मंगलवार: 60 की शुरुआत। शुक्रवार, 64 की शुरुआत।
बुधवार: 61 की शुरुआत। शनिवार, पाठ 293.
सप्ताह 33, कर वसूलने वाले और फरीसी पर, 296 से शुरू।

सप्ताह 34

सोमवार, पाठ 66. गुरुवार, पाठ 69.
मंगलवार, पाठ 67. शुक्रवार, पाठ 70।
बुधवार, 68A की शुरुआत। शनिवार, पाठ 295.
सप्ताह 34, द prodigal son पर, 135 से शुरू।

सप्ताह 35

सोमवार, पाठ 71. गुरुवार, आरंभ 74B.
मंगलवार, आरंभ 72. शुक्रवार, शुरुआत 75.
बुधवार, 73A की शुरुआत।

परत्येक सप्ताह के प्रेरितों के पठन का क्रम

मांस-भक्षण शनिवार

प्रोकेइमेनन, स्वर 6

उनकी आत्माएँ आशीर्वादों के बीच वास करेंगी।

पद: हे प्रभु, मैं अपनी आत्मा तुझ पर उठाता हूँ, हे मेरे परमेश्वर।

तुलना करें भजन संहिता 24:13A, 1-2A

स्वरारोपण 146 और, दविंगत आत्मा की शांति के लिए, स्वरारोपण 270।

अल्लेलूया, स्वर 6

छंद: धन्य है वह जिसने तूने चुना और अपने समीप खींचा, हे प्रभु।

पद: और उनकी स्मृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनी रहती है।

तुलना करें भजन संहिता 64:5; 44:18A

सप्ताह 35, मांस-त्याग

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3

महान है हमारा प्रभु, और महान है उसकी सामर्थ्य, / और उसकी बुद्धि अतुलनीय है।

पद: प्रभु की स्तुति करो, क्योंकि भजन गाना भला है; हमारे परमेश्वर की स्तुति मिथुर हो। भजन संहिता 146:5,

स्वरारोपण 140.

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: आओ, हम प्रभु में आनन्द मनाएँ; हम अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के सामने जयजयकार करें।

पद: आओ हम स्तुति के साथ उसकी उपस्थिति में शीघ्रता करें, और भजनों में उसको जयजयकार करें।

भजन संहिता 94:1, 2

सोमवार, चक्र 76.

मंगलवार, रीडिंग 77.

गुरुवार, 78वां सप्ताह।

शनिवार 37, पनीर-उपवास

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

संतों को महिमा में महिमामय किया जाएगा / और वे अपने सहिसनों पर आनंदित होंगे।

पद: उनकी कंठों में परमेश्वर की स्तुति है, और उनके हाथों में दोधारी तलवारें हैं।

भजन संहिता 149:5, 7

स्वरारोपण 115 और संतों का स्वरारोपण 213।

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

श्लोक: प्रभु में आनन्द मनाओ, और हे धर्मी लोग, हर्षति हो जाओ, और हे सीधे मनवालों, सब जयजयकार करो।

चीज सप्ताह

प्रोफेइमेनोन, स्वर 8

प्रार्थना करो और हमारे परमेश्वर, प्रभु को अपने व्रत पूरे करो।

पद: परमेश्वर यहूदा में परिचित है; उसका नाम इस्राएल में महान है।

भजन संहिता 75:12, 2

स्वरारोहन 112.

अल्लेलुया, स्वर 6

पद: यह अच्छा है कि प्रभु की स्तुति की जाए और हे सर्वोच्च, तेरे नाम का गायन किया जाए।

पद: भोर में तेरा दया प्रकाशित करना और रात भर तेरा सत्य।

भजन संहिता 9 1:2, 3

[वर्षिय-सूची पर वापस।](#)

प्रेरितों के पाठों का क्रम महान लेंट के दौरान

महान लेंट का पहला शनिवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना विश्वास रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

स्वरारोपण 303 और पवतिर स्वरारोपण 292।

अल्लेलुया, स्वर 4

पद: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

महान लेंट का पहला सप्ताह

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4, पूर्वजों का गीत

धन्य हैं आप, हे प्रभु, हमारे पूर्वजों के परमेश्वर, / और आपका नाम युगानुयुग प्रशंसति और महिमामय हो।

पद: क्योंकि जो कुछ आपने हम पर किया है, उसमें आप धर्मी हैं।

दान 3:26, 27A

प्रोकीमेनो 329बी।

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: मूसा और हारून उनके याजकों में, और शमूएल उनमें जो उनके नाम का आह्वान करते हैं।

पद: उन्होंने प्रभु से प्रार्थना की, और उन्होंने उन्हें उत्तर दिया।

भजन संहिता 98:6

प्रार्थना सेवा में प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं / वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

पद: हे धर्मी लोगो, प्रभु में आनन्द मनाओ; सीधे लोगों के लिए स्तुति उपयुक्त है।

भजन संहिता 91:14; 32:1

स्वरारोहण 121ख।

अल्लेलूया नहीं गाया जाता।

महान लेंट के दौरान पत्रों से पठन का क्रम

महा-तपस्या के दूसरे सप्ताह का शनिवार

दनि का और दविंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रोकीमेनन और अल्लेलुया।
पठन 309 और, दविंगतों की शांति के लिए, पठन 270।

महान लेंट का दूसरा सप्ताह

प्रोकीमेनोन, स्वर 5

हे प्रभु, तू हमें इस पीढ़ी से और सदा के लिए रक्षा कर।

पद: हे प्रभु, मेरा उद्धार कर, क्योंकि कोई धर्मी नहीं है।

भजन संहिता 11:8, 2A

और पवतिर प्रोकीमेन, स्वर 1

मेरा मुँह ज्ञान बोलेगा, और मेरे हृदय का मनन समझ होगा।

भजन संहिता 48:4

आरंभ 304 और पवतिर आरंभ 318A।

टोन में अल्लेलुया।

महा-प्रायश्चित्त के तीसरे सप्ताह का शनिवार

दनि के लिए और दविंगत आत्मा की शांति के लिए प्रोकीमेनन और अल्लेलुया।
पठन 325 और, दविंगतों की शांति के लिए, पठन 270।

महान लेंट का तीसरा सप्ताह

प्रोकेइमेनन, स्वर 6

हे प्रभु, अपने लोगों को बचा / और अपनी वरिसत को आशीर्वाद दे।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ पर पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, चुप न रह, न ही मुझे तुच्छ समझ।

भजन संहिता 27:9, 1A

स्वरारोपण 311A.

अल्लेलुया, स्वर 8

पद: अपने लोगों को याद करो, जन्हें तुमने आरंभ से प्राप्त किया है।

पद: परन्तु परमेश्वर, जो युगों से पूर्व हमारा राजा है, ने पृथ्वी के मध्य में उद्धार किया है।

भजन संहिता 73:2A,

12

महा-तपस्या के चौथे सप्ताह का शनिवार

दनि के लिए और दविंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रोकेइमेनन और आल्लेलुया।
313 से आरंभ, और दविंगतों की शांति के लिए, 163 से आरंभ।

महान लेट का चौथा सप्ताह

स्वर का प्रोकीमेनन और संत के लिए प्रोकीमेनन, स्वर 7

संतगण अपनी महिमा में महिमामय होंगे और अपने शयनों में आनंदति होंगे।

भजन संहिता 149:5

पठन 314 और संत के लिए पठन, 229।

स्वर का हल्लेलुया।

संत के लिए अल्लुया

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:14

महा-तपस्या के 5वें सप्ताह का शनिवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वरमाता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

322 से आरंभ और ईश्वर की माता के लिए, 320 से आरंभ।

अल्लेलुया, स्वर 8

पद: हे प्रभु, उठो और अपने वशिराम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारी पवित्रता का सन्दूक।

श्लोक: हे प्रभु, दाऊद और उसकी सारी नम्रता को याद करो।

भजन संहिता 131:8, 1

महान लेट का पाँचवाँ सप्ताह

स्वर और संत का प्रोकीमेनोन, प्रोकीमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने संतों में अद्भुत है; इस्राएल का परमेश्वर।

भजन संहिता 67:36A

321B की शुरुआत और 208A की शुरुआत।

स्वर का हल्लुएला।

महान लेट के छठे सप्ताह का शनिवार, लाजर का शनिवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3

प्रभु मेरा प्रकाश और मेरा उद्धारकर्ता है: / मैं किससे डरूँ?

पद: प्रभु मेरे जीवन का रक्षक है: मैं किससे डरूँ?

भजन संहिता 26:1

आरंभ 333B.

अल्लेलूया, स्वर 5

पद: प्रभु ने सहिसन पर अपना स्थान ग्रहण किया है; उसने वैभव के वस्त्र धारण किए हैं।

पद: क्योंकि उसने जगत को स्थिर किया है, और वह हलिले वाला नहीं है।

भजन संहिता 92:1क, 1ख

वाई संडे

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आता है; / परमेश्वर प्रभु है, और वह हम पर प्रकट हुआ है।

पद: प्रभु का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; उसकी कृपा सदा के लिए बनी रहती है। भजन संहिता 117:26A, 27A, 1

आरंभ 247.

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: प्रभु के लिए एक नया गीत गाओ, क्योंकि प्रभु ने अद्भुत काम किए हैं।

पद: पृथ्वी के छोर तक सबने हमारे परमेश्वर का उद्धार देखा है।

भजन संहिता 97:1A, 3B

मौडी गुरुवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

राजकुमार प्रभु और उसके अभिषिक्त के वरिद्ध एकत्र हुए हैं।

पद: जातियाँ क्यों क्रोधित होती हैं, और लोग व्यर्थ क्यों षड्यंत्र रचते हैं?

भजन संहिता 2:2ख, 1

आरंभ 149.

अल्लेलूया, स्वर 6

पद: धन्य है वह जो गरीबों और ज़रूरतमंदों पर ध्यान देता है; वपित्तिके दिन प्रभु उसे बचाएगा।

श्लोक: मेरे शत्रुओं ने मेरे वषिय में बुराई की है: 'वह कब मरेगा, और उसका नाम नाश हो जाएगा?'

पद: जो मेरी रोटी खाता है, उसने मुझ पर पाँव रखा है।

भजन संहिता 40:2, 6, 10ख

शुभ शुक्रवार

पहले घंटे में, 215B शुरू हुआ।

तीसरे घंटे, 88B शुरू हुआ।

छठे घंटे पर, गनिती 306 से शुरू हुई।

नवें घंटे में, 324 की शुरुआत।

वैसेप्स पर, प्रोकेइमेनोन, स्वर 6

उन्होंने मुझे सबसे गहरी खाई में फेंक दिया है, / अंधकार और मृत्यु की छाया में।

पद: हे प्रभु, मेरे उद्धार के परमेश्वर, मैंने दिन में पुकारा – और रात में तेरे सामने।

भजन संहिता 87:7, 2

पठन 125B.

अललूया, स्वर 5

पद: हे परमेश्वर, मुझे बचा, क्योंकि जिल मेरी आत्मा तक आ गया है।

पद: मेरी आत्मा ने अपमान और कष्ट सहन किया है।

पद: उनकी आँखें अँधेरी हो जाएँ, ताकि वे न देख सकें।

भजन संहिता 68:2, 21A, 24A

पवतिर शनविर

मैटनिस में, प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

उठो, हे प्रभु मेरे परमेश्वर, तेरा हाथ ऊँचा किया जाए; / अपने दीनों को सदा के लिए न भूल।

पद: मैं तुझे हे प्रभु, पूरे हृदय से स्तुति करूँगा; मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों का प्रचार करूँगा। भजन संहिता 9:33,

2

प्रोकेइमेनोन 133, 206.

अल्लेलूया, स्वर 5

पद: परमेश्वर उठो, और उसके शत्रु बखिर जाएँ; जो उससे बैर रखते हैं, वे उसकी उपस्थिति से भाग जाएँ।

छंद: जैसे धुआँ गायब हो जाता है, वैसे ही वे गायब हो जाएँ; जैसे आग के सामने मोम पघिलता है, वैसे ही वे पघिल जाएँ।

पद: इस प्रकार दुष्ट परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों, और धर्मी आनन्द मनाएँ।

भजन संहिता 67:2-4A

लनिजी में, प्रोकेइमेनोन, स्वर 5

सारी पृथ्वी तेरे सामने दण्डवत करे और तेरा भजन गावे, / तेरे नाम का भजन गावे, हे परम ऊँचे।

प्रतकीर्तन: हे सारी पृथ्वी, यहोवा के लिए जयजयकार करो; उसके नाम का स्तुति-गीत गाओ। भजन संहिता 65:4, 1-2क

आरंभ 91.

'आल्लेलूया' के बजाय,
हम भजन संहिता 81, स्वर 7 गाते हैं

पाठक: हे ईश्वर, उठो और पृथ्वी का न्याय करो, क्योंकि तुम सभी राष्ट्रों में अपना वरिसत प्राप्त करोगे।

कोरस: हे ईश्वर, उठो और पृथ्वी का न्याय करो:

पद: ईश्वर देवताओं की सभा में खड़ा है, और देवताओं के बीच न्याय करता है।

मंडली: हे परमेश्वर, उठो और पृथ्वी का न्याय करो:

छंद: तुम कब तक अन्याय से न्याय करोगे और दुष्टों पर अनुग्रह करोगे?

कोरस: हे ईश्वर, उठो और पृथ्वी का न्याय करो:

छंद: अनाथ और गरीब का न्याय करो; नम्र और जरूरतमंद को न्याय दिलाओ।

कोरस: हे ईश्वर, उठो और पृथ्वी का न्याय करो:

छंद: बेसहारा और गरीबों को बचाओ; उन्हें पापी के हाथ से छुड़ाओ।

कोरस: हे परमेश्वर, उठो और पृथ्वी का न्याय करो:

छंद: उन्होंने न तो जाना और न ही समझा; वे अंधकार में भटकते हैं।

कोरस: हे परमेश्वर, उठो और पृथ्वी का न्याय करो:

पद: पृथ्वी की सारी नींव हलि जाएँ। मैंने कहा: 'तुम देवता हो, और तुम सब परमप्रभु के पुत्र हो।' फिर भी तुम मनुष्यों की तरह मरते हो, और किसी राजकुमार की तरह गरिते हो।

कोरस: हे परमेश्वर, उठो और पृथ्वी का न्याय करो:

पाठक: हे परमेश्वर, उठो और पृथ्वी का न्याय करो।

कोरस: क्योंकि तुम राष्ट्रों के बीच एक वरिसत प्राप्त करोगे।

वषिय-सूची पर वापस जाएँ।

प्रोक्मिना और हल्लेलूया रविवार

स्वर 1

प्रोक्मेइमेनॉन

हे प्रभु, तेरा दया हम पर हो, / क्योंकि हम तुझ में आशा रखते हैं।

पद: हे धर्मी लोगो, प्रभु में आनंद मनाओ – धर्मी लोगों के लिए स्तुति उपयुक्त है।

भजन संहिता 32:22, 1

आल्लेलूया

पद: परमेश्वर मेरा बदला लेता है और मेरी खातिर राष्ट्रों को वश में करता है।

पद: वह महिमा में राजा को बचाता है और अपने अभिषिक्त दाऊद तथा उसकी संतान पर सदा के लिए दया दिखाता है।

तुलना करें भजन संहिता 17:48, 51

स्वर 2

प्रोक्मेइमेनॉन

प्रभु मेरी शक्ति और मेरा गीत हैं, / और वही मेरा उद्धार बन गए हैं।

पद: प्रभु ने मुझे अनुशासति किया है, परन्तु उसने मुझे मृत्यु के हवाले नहीं किया।

भजन संहिता 117:14, 18

अल्लेलूया

पद: क्लेश के दनि यहोवा तुम्हें सुने; याकूब के परमेश्वर का नाम तुम्हें रक्षा दे।

पद: हे प्रभु, राजा को बचाओ और जसि दनि हम तुझ से पुकारें, हमें सुन।

भजन संहिता 19:2, 10

स्वर 3

प्रोक्मेइमेनॉन

हमारे परमेश्वर के लिए गीत गाओ, गीत गाओ, / हमारे राजा के लिए गीत गाओ, गीत गाओ।

पद: हे सब जातियों, तालियाँ बजाओ; परमेश्वर के लिए आनन्द की आवाज़ से जयजयकार करो।

46:7, 2

भजन संहिता

अल्लेलूया

पद: हे प्रभु, मैंने तुझ पर अपना भरोसा किया है; मुझे कभी लज्जति न होने दे।

पद: मेरा परमेश्वर और मेरा शरणस्थान बनो, ताकि तू मुझे बचा सके।

भजन संहिता 30:2A, 3B

रविवार के प्रोकीमेना और अल्लेलूया

स्वर 4

प्रोकेइमेनॉन

हे प्रभु, तेरे काम कतिने भव्य हैं; / तूने सभी चीजें बुद्धिसे बनाई हैं।

पद: हे मेरी आत्मा, प्रभु का धन्यवाद कर! हे मेरे प्रभु परमेश्वर, आप अत्यंत महिमामय हैं।

भजन संहिता 103:2A, 1

अल्लेलूया

प्रत्युत्तर-गीत: दृढ़ बनो, और समृद्धि प्राप्त करो, और सत्य, नम्रता और धार्मिकता के लिए राज्य करो।

पद: आपने धार्मिकता से प्रेम किया और दुष्टता से घृणा की।

भजन संहिता 44:5क, 8क

स्वर 5

प्रोकेइमेनोन

हे प्रभु, आप हमें सुरक्षित रखेंगे और रक्षा करेंगे / इस पीढ़ी से और सदा के लिए।

पद: हे प्रभु, मुझे बचा, क्योंकि कोई धर्मी नहीं है।

भजन संहिता 11:8, 2अ

अल्लेलूया

पद: हे प्रभु, मैं युगानुयुग तेरे प्रेम का गीत गाऊँगा; मैं अपने मुँह से पीढ़ी-दर-पीढ़ी तेरा सत्य प्रचार करूँगा।

पद: क्योंकि आपने कहा है, 'दया सदा के लिए स्थायी रहेगी'—आपकी सच्चाई स्वर्ग में स्थापित रहेगी।

भजन संहिता 88:2, 3

स्वर 6

प्रोकेइमेनॉन

हे प्रभु, अपने लोगों को बचा / और अपनी वरिसत को आशीष दे।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ ही को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, मुझ से उदासीन न रह, और मुझ को तुच्छ न समझ।

भजन संहिता 27:9A, 1A

अल्लेलूया

पद: जो सर्वोच्च के छायावास में रहता है, वह स्वर्ग के परमेश्वर की छाया में निवास करेगा।

पद: वह यहोवा से कहेगा: 'तू मेरा ढाल और मेरा शरणस्थान है, हे मेरे परमेश्वर, जिस पर मैं भरोसा करता हूँ।'

भजन संहिता 90:1, 2

रविवार के प्रोकीमेना और अल्लेलूया

स्वर 7

प्रोकेइमेनॉन

प्रभु अपने लोगों को बल देंगे, / प्रभु अपने लोगों को शांति का आशीर्वाद देंगे।

पद: हे परमेश्वर के पुत्रो, यहोवा को अर्पण करो, यहोवा को जवान मेष अर्पण करो। भजन संहिता 28:11, 1क

अल्लेलूया

पद: यहोवा की स्तुतकिरना और हे सर्वोच्च, तेरे नाम का गायन करना भला है।

पद: भोर में तेरा दयालु प्रेम और रात भर तेरी सच्चाई घोषति करना।

भजन संहिता 91:2, 3

स्वर 8

प्रोकेइमेनॉन

प्रार्थना करो और हमारे परमेश्वर, प्रभु को अपने व्रत पूरे करो।

पद: परमेश्वर यहूदा में परचिति हैं; उनका नाम इस्राएल में महान है।

भजन संहिता 75:12A, 2

अल्लेलूया

पद: आओ, हम प्रभु में आनन्द मनाएँ; हम अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के लिए जयजयकार करें।

पद: आओ हम उसकी उपस्थिति में स्तुतिके साथ शीघ्रता करें, और आओ हम उसके लिए भजन गाएं।

भजन संहिता 94:1, 2

वषिय-सूची पर वापस।

प्रोकमैन और हल्लेलुया सप्ताह का वादनि

सोमवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

तू अपने स्वर्गदूतों को आत्माएँ बनाता है, / और अपने सेवकों को आग की ज्वाला।

छंद: हे मेरी आत्मा, प्रभु का धन्यवाद कर! हे मेरे प्रभु परमेश्वर, आप अत्यंत महिमामय हैं।

भजन संहिता 103:4, 1A

अल्लेलूया, स्वर 5

पद: हे उसके सब स्वर्गदूतों, उसकी स्तुतिकिरो; हे उसकी सारी सेनाओं, उसकी स्तुतिकिरो।

पद: क्योंकि उसने कहा, और वे हो गए; उसने आज्ञा दी, और वे सृजति हुए।

भजन संहिता 148:2, 5ख

मंगलवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी यहोवा में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, जब मैं तुझ से प्रार्थना करूँ, तब मेरी वाणी सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

बुधवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, परमेश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महत्ता बढ़ाती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति होती है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की नम्रता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख, और अपना कान लगा।

छंद: लोग आपके अनुग्रह की खोज करेंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

गुरुवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी आवाज़ सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके शब्द ब्रह्मांड के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषित करते हैं; गगन-मंडल उसके हाथों के कार्यों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

अल्लेलुया, स्वर 1

प्रतकीर्तन: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों और आपके सत्य की घोषणा करते हैं – संतों की सभा में।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6, 8क

शुक्रवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

हमारे प्रभु परमेश्वर की महिमा करो, और उसके पादपीठ पर आराधना करो, / क्योंकि वह पवित्र है।

पद: प्रभु ने सहिसन पर अपना स्थान ग्रहण किया है: राष्ट्र क्रोधित हों।

भजन संहिता 98:5, 1क

अल्लेलुया, स्वर 1

पद: अपने लोगों को याद करें, जन्हें आपने आरंभ से प्राप्त किया है।

पद: परन्तु परमेश्वर, जो युगों से पूर्व हमारा राजा है, ने पृथ्वी के मध्य में उद्धार किया है।

भजन संहिता 73:2A,

12

शनिवार

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

प्रभु में आनन्द मनाओ, / और हे धर्मी लोग, प्रसन्न हो जाओ।

पद: धन्य हैं वे जनिके अधर्म क्षमा किए गए हैं और जनिके पाप ढाँपे गए हैं।

भजन संहिता 31:11A, 1

स्वर्गीय आत्मा की शांति के लिए सेवा में, दूसरा प्रोकीमेनोन, स्वर 6

उनकी आत्मा आशीर्वादों के बीच नविस करेगी।

तुलना करें भजन संहिता 24:13A

अल्लेलुया, स्वर 4

पद: धर्मी ने पुकारा, और प्रभु ने उनकी सुनी; उसने उन्हें उनकी सभी कष्टों से छुड़ाया।

पद: धर्मी पर अनेक क्लेश आते हैं – परन्तु प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18, 20

और उनकी आत्माओं की शांति के लिए

पद: धन्य हैं वे जन्हें आपने चुना और अपने समीप खींचा, हे प्रभु। और उनकी स्मृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनी रहती है।

तुलना करें भजन संहिता 64:5; 44:18A

वर्षिय-सूची पर वापस जाएँ।

प्रोक्मिना, प्रेरति और आल्लेलुया स्थरि पर्वों के लिए

सतिंबर

1. आदरणीय साइमयिन द स्टाइलाइट और नया चर्च वर्ष

प्रोक्मेनोन, स्वर 3

महान है हमारा प्रभु, और महान है उसकी सामर्थ्य, / और उसकी बुद्धि अनंत है।

पद: प्रभु की स्तुति करो, क्योंकि भजन गाना भला है; हमारे परमेश्वर की स्तुति मिथुर हो।

भजन संहिता 146:5, 1

और आदरणीय के लिए, प्रोक्मीमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

स्वरारोपण 282 और, पूज्य के लिए, स्वरारोपण 258।

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: हे परमेश्वर, यह तुम्हारे लिए उचित है कि सियोन में तुम्हारा भजन किया जाए, और यरूशलेम में तुम्हें प्रतर्जित करें अर्पण की जाएं।

पद: हे प्रभु, आप अपनी कृपा से वर्ष के मुकुट को धन्य करते हैं।

भजन संहिता 64:2, 12A

और आदरणीय के लिए, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

भजन संहिता 111:1

4. संत जोआसाफ, बेलगोरोद के बशिप

प्रोक्मेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान से सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 318A.

अल्लेलूया, स्वर 2

छंद: धर्मी के होंठ ज्ञान बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

5. पवतिर भवषियवक्ता जकरयाह का और धर्मी एलजिबेथ

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी यहोवा में आनन्द करें, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 314.

अलएलउया, स्वर 7

प्रत्युत्तर-गीत: धर्मी पर प्रकाश चमका है, और सीधे हृदय वालों के लिए आनंद है।

पद: हे धर्मीजन, प्रभु में आनन्द मनाओ, और उसकी पवतिर स्थल की स्मृतिका प्रचार करो।

भजन

संहिता 96:11, 12

6. चमत्कार का स्मरणोत्सव कोलोसा (खोना) में महादूत माइकल का

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

तुम अपने स्वर्गदूतों को आत्माएँ बनाते हो, / और अपने सेवकों को आग की ज्वाला।

पद: हे मेरी आत्मा, यहोवा का धन्यवाद कर! हे मेरे प्रभु परमेश्वर, आप अत्यन्त महिमामय हैं।

भजन संहिता 103:4, 1क

आरंभ 305.

अलएलउया, स्वर 5

पद: हे उसके सब स्वर्गदूतों, उसकी स्तुतिकरो; हे उसकी सारी सेनाओं, उसकी स्तुतिकरो।

पद: क्योंकि उसने कहा, और वे हो गए; उसने आज्ञा दी, और वे सृजति हुए।

भजन संहिता 148:2, 5ख

7. शहीद सोजोट

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी यहोवा में आनन्द करें, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 233.

अलएलउया, स्वर 4

प्रत्युत्तर-श्लोक: धर्मी लोग पुकारे, और प्रभु ने उनकी सुनी।

पद: धर्मी लोगों के दुख अनेक हैं – और प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18A, 20

८. परमेश्वर की परम पवतिर माता का जन्म हमारी ईश्वर माता और सदा कुंवारी मरयिम

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वरमाता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240।

अल्लेलुया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख, और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी तेरी कृपा के खोजी होंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

9. पवतिर और धर्मी ईश्वर-वाहक माता-पति योआकमि और अनना

उत्सव और संतों का प्रोकीमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने संतों में अद्भुत है, इस्राएल का परमेश्वर।

भजन संहिता 67:36A

साधारण इंटरॉइट और संतों के लिए, इंटरॉइट 210B।

उत्सव और संतों के लिए अल्लेलूया, स्वर 1

पद: धर्मी लोगों का उद्धार प्रभु से आता है, और वह संकट के समय उनका शरणस्थान है। भजन संहिता

36:39

11. माउंट अथोस के पूजनीय सलिवान

उत्सव और पूजनीय के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

साधारण प्रवेशगान और पूजनीय के लिए, प्रवेशगान 213।

उत्सव और पूजनीय के लिए अल्लेलूया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2क

12. उत्सव का समापन ईश्वर की माता के जन्मोत्सव का

उत्सव का प्रोकीमेनोन, स्वर 3, ईश्वरमाता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: उसने अपनी दासी की नम्रता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

साधारण और उत्सव प्रवेशगान, प्रवेशगान 240।

उत्सव का अल्लेलूया, स्वर 8

श्लोक: हे पुत्री, सुन, देख, और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी तेरी कृपा के खोजी होंगे।

भजन संहिता 44:11क, 13ख

उन्नयन से पहले का शनवार

प्रोकीमेनोन, स्वर 3

हमारे परमेश्वर के लिए गीत गाओ, गीत गाओ, / हमारे राजा के लिए गीत गाओ, गीत गाओ।

पद: सभी राष्ट्रों, तालियाँ बजाओ; आनंद की आवाज़ से परमेश्वर के लिए जयजयकार करो। भजन संहिता

46:7, 2

स्वरारोपण 126.

अल्लेलुया, स्वर 5

पद: हे प्रभु, मैं सदा-सदा तेरी दया का गान करूँगा; मैं अपने मुँह से पीढ़ी-दर-पीढ़ी तेरी सत्यता का प्रचार करूँगा।

पद: क्योंकि आपने कहा है, 'दया सदा के लिए स्थापति की जाएगी'—आपकी सत्यता स्वर्ग में स्थापति की जाएगी।

भजन संहिता 88:2, 3

उन्नयन से पहले का रविवार**प्रोकेइमेनोन, स्वर 6**

हे प्रभु, अपने लोगों को बचा / और अपनी वरिसत को आशीष दे।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ ही को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, मुझ से उदासीन न रह।

भजन संहिता 27:9A, 1A

स्वरारंभ 215A.

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: मैंने अपने लोगों में से चुने हुए को ऊँचा किया है।

श्लोक: देखो, मेरा हाथ उसे सहारा देगा, और मेरी भुजा उसे बल देगी।

भजन संहिता 88:20ख, 22

**13. मंदिर का नवीनीकरण
यरूशलेम में मसीह के पुनरुत्थान का**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

हे प्रभु, पवत्रिता तेरे भवन को शोभा देती है, / युगानुयुग।

पद: प्रभु ने सहिसन पर अपना स्थान ग्रहण किया है; वह वैभव से सुसज्जित है।

भजन संहिता 92:5ख, 1क

स्वरारोपण 307.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: उसकी नींव पवत्रि परवतों में है।

पद: हे परमेश्वर के नगर, तेरी महिमा की बातें कही जाती हैं।

भजन संहिता 86:1, 3

**14. पवत्रि की महिमा
और प्रभु के जीवन-प्रदायक क्रूस**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु, हमारे परमेश्वर की महिमा करो, / और उनके चरणों में आराधना करो, क्योंकि वे पवत्रि हैं।

पद: प्रभु सहिसन पर वरिजमान हो गए हैं: राष्ट्र क्रोधति हों।

भजन संहिता 98:5, 1A

स्वरारोपण 125A.

अल्लेलुया, स्वर 1

पद: अपने लोगों को याद करें, जन्हें आपने आरंभ से प्राप्त किया है।

पद: परन्तु परमेश्वर, जो युगों से पूर्व हमारा राजा है, ने पृथ्वी के मध्य में उद्धार किया है।

भजन संहिता 73:2A,

12

उन्नयन के बाद का शनिवार

उत्सव का प्रोकीमेनोन और अल्लेलूया।

पठन 125B.

क्रूस की उन्नत के बाद का रविवार

उत्सव का प्रोकीमेनोन और हल्लेलुया।

पठन 203.

१६. महा शहीद यूफेमिया सर्व-स्तुत्य

उत्सव और महान शहीद का प्रोकीमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने संतों में अद्भुत है; इस्राएल का परमेश्वर।

भजन संहिता 67:36A

सामान्य पाठ और महा शहीद का पाठ, पाठ 181।

उत्सव और महा-शहीद का हल्लुएया, स्वर 1

पद: मैंने प्रभु की धीरज से प्रतीक्षा की, और उन्होंने मेरी ओर ध्यान दिया तथा मेरी प्रार्थना सुनी।

पद: उसने मेरे पैरों को चट्टान पर स्थापित किया और मेरे कदमों को स्थिर किया।

भजन संहिता 39:2, 3ख

20. महान शहीद यूस्टैथिस प्लाकडिस

उत्सव और महान शहीद का प्रोकीमेनोन, स्वर 4

जो संतों को उसकी पृथ्वी पर हैं, प्रभु ने उनमें अपनी सभी इच्छाओं को अद्भुत रूप से प्रकट किया है।

भजन संहिता 15:3

सामान्य प्रोकीमेनोन और महा शहीद का प्रोकीमेनोन, प्रोकीमेनोन 233।

उत्सव और महा-शहीद का एलहूया, स्वर 4

श्लोक: धर्मी पुकारते हैं – और प्रभु उनकी सुनते हैं।

पद: धर्मी लोगों को बहुत दुख होते हैं – और प्रभु उन्हें उन सभी से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18क, 20

21. पवतिर क्रूस की उन्नत का पर्व।

संत दमितिरी,

रॉस्तोव के मेट्रोपोलिटन

उत्सव और संत का प्रोकीमेनोन, स्वर 1

मेरा मुँह ज्ञान का वचन बोलेगा, और मेरे हृदय की मनन समझ होगी।

भजन संहिता 48:4

सामान्य इंद्रोइट और संत का इंद्रोइट, इंद्रोइट 318A।

उत्सव और संत का अल्लेलुया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान की बातें बोलेंगे, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करेगी।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है, और उसके पाँव नहीं ठोकर खाँगे।

भजन संहिता 36:30, 31

२३. पूर्ववर्ती सेंट जॉन का गर्भाधान

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

पाठ 210B.

अल्लेलुया, स्वर 4

पद: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

२५. पूज्यनीय की परमधाम गमन राडोनेज़ के सेरजयिस

प्रोक्थेइमेनोन, सप्तम स्वर

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

छंद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतफल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर कए हैं? भजन संहिता 115:6, 3

आरंभ 213.

अललौया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

26. पवतिर प्रेरति और सुसमाचार प्रचारक योहन द थयिलोजयिन

प्रोक्थेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषित करते हैं; आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 73B.

अललौया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे आश्चर्यकर्म और तेरा सत्य संतों की सभा में प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6, 8A

28. आदरणीय चारथिोन, धर्मोपदेशक

प्रोक्थेइमेनोन, स्वर 7

पवतिरजन महिमा में महिमामय होंगे / और अपने सहिसनों पर आनंदित होंगे।

पद: प्रभु के लिए एक नया गीत गाओ; संतों की सभा में उसकी स्तुतिकीरो।

भजन संहिता 149:5, 1

आरंभ 176.

अललौया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संततपृथ्वी पर सामर्थी होगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

30. संत माइकल, कीव के पहले मेट्रोपॉलिटिन और सर्व रूस के, चमत्कार करने वाले

प्रोक्थेइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

छंद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

स्वरारोपण 318A.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

अक्टूबर

1. परमेश्वर की परम पवतिर माता की सुरक्षा।

प्रेरति अनानयास

प्रोक्थमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

छंद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

और प्रेरति के लिए प्रोक्थमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

भजन संहिता 18:5A

थियोटोकोस के लिए, आरंभ 320, और प्रेरति के लिए, आरंभ 21B।

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुनो, देखो, और अपना कान झुकाओ।

पद: लोगो में धनी आपकी कृपा की खोज करेंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

और प्रेरति को, अल्लेलूया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे चमत्कारों का प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6A, 8A

3. पवतिर शहीद को डयोनिसियस एरोपागटि

प्रोक्थमेनोन, स्वर 7

पवतिरजन महिमा में महिमामय होंगे / और अपने शयनों में आनंदति होंगे।

पद: प्रभु के लिए एक नया गीत गाओ।

भजन संहिता 149:5, 1क

आरंभ 40A.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: तेरे याजक धार्मिकता से परधान पहनेंगे, और तेरे संत आनंद से हर्षति होंगे।

पद: आओ हम उसकी पवतिरशाला में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान की उपासना करें जहाँ उसके पाँव कभी ठहरे थे।

भजन संहिता 131:9, 7

5. संत पतरस, अलेक्सयिस, योना, माँस्को के फलिपि और हरमोजेनेस

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टिमें / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतफिल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं? भजन संहिता 115:6,

3

आरंभ 335.

अल्लेलुया, स्वर 2

पद: तेरे याजक धार्मिकता से परधिन पहनेंगे, और तेरे संत आनन्द से उल्लास करेंगे।

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं में बहुत आनन्दति होगा। भजन संहिता 131:9; 111:1

6. संत थॉमस प्रेरति

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; और आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 131.

अल्लेलुया, स्वर 1

प्रतकृति: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6a, 8A

9. संत जेम्स प्रेरति, अल्फाउस के पुत्र

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी आवाज़ सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन ब्रह्मांड के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; आकाशमण्डल उनके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 131.

अल्लेलुया, स्वर 1

प्रतकीर्तन: हे प्रभु, आकाश तेरे चमत्कारों का प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6a, 8A

10. ऑप्टनि के पूजनीय एम्ब्रोस

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टिमें / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतफिल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं? भजन संहिता 115:6,

3

आरंभ 213.

अल्लेलूया, स्वर 6

छंद: धन्य है वह मनुष्य जो प्रभु का भय मानता है; वह अपने सारे हृदय से उसकी आज्ञाओं से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

11. प्रेरति फलिपि, सात डकिनों में से एक

प्रोक्लेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार की सीमाओं तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का वर्णन करते हैं; आकाशमण्डल उनके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

20 से आरंभ।

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6a, 8A

11 अक्टूबर के सबसे नकिट का रविवार। सातवें सार्वत्रिक परषिद की स्मृति ra

प्रोक्लेइमेनोन, स्वर 4, पतिगण का गीत

धन्य है आप, हे प्रभु, हमारे पूर्वजों के परमेश्वर, / और आपका नाम युगानुयुग प्रशंसति और महिमामय हो।

पद: क्योंकि जो कुछ तूने हम पर किया है, उसमें तू न्यायी है।

दान 3:26, 27A

स्वरारोपण 334.

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: प्रभु, देवताओं के ईश्वर, ने वचन कहा और पृथ्वी को बुलाया।

पद: उसके संतों को उसके पास इकट्ठा करो।

भजन संहिता 49:1क, 5क

13. इवेरॉन आइकन परम पवतिर ईश्वर माता की

प्रोक्लेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240.

अल्लेलूया, स्वर 8

छंद: सुन, हे पुत्री, और देख, और अपना कान झुका।

पद: लोगो में धनी आपकी कृपा की खोज करेंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

16. शहीद शताध्यक्ष लोगनिस

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

छंद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 292.

अल्लेलूया, स्वर 4

प्रत्युत्तर-गीत: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

18. पवतिर प्रेरति
और सुसमाचार प्रचारक लूका

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषित करते हैं; आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5क, 2

आरंभ 260B।

अल्लेलूया, स्वर 1

प्रतकीर्तन: हे प्रभु, आकाश तेरे चमत्कारों का प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6a, 8A

22. कजान की प्रतमि
परमेश्वर की अतिपवतिर माता

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदित है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240.

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख, और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी तेरा अनुग्रह खोजेंगे।

भजन संहिता 44:11क, 13ख

23. संत जेम्स प्रेरति,
प्रभु का भाई

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी आवाज़ सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन ब्रह्मांड के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषित करते हैं; आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 200.

अल्लेलुया, स्वर 1

प्रत्युत्तर-गीत: हे प्रभु, आकाश तेरे चमत्कारों का उद्घोष करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6a, 8A

24. परमेश्वर की माता के आइकन 'दुखियों के सभी का आनंद'

प्रोक्वेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता को भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240.

अल्लेलुया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, और देख, और अपना कान लगा।

पद: लोगो में धनी तेरी कृपा की खोज करेंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

26. पवतिर महान शहीद डेमेटरियस और भूकंप की स्मृति जो 740 ईस्वी में कॉन्स्टेंटिनोपल में हुआ था

भूकंप का प्रोक्वेइमेनोन, स्वर 6

हे प्रभु, अपने लोगों को बचा / और अपनी वरिसत को आशीष दे।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ ही को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, मुझ से मुख न मोड़, और न मुझे तुच्छ जानकर चुप रह।

भजन संहिता 27:9, 1क

शहीद का प्रोक्वेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, और उसी में अपना विश्वास रखें।

भजन संहिता 63:11A

आरंभ 331B और पवतिर आरंभ 292।

अल्लेलुया, स्वर 4

पद: हे परमेश्वर, आपने हमें त्याग दिया और हमें नीचा दिखाया।

पद: तूने पृथ्वी को हिला दिया और उसे उथल-पुथल में डाल दिया।

भजन संहिता 59:3A, 4

और पवतिर एक को, स्वर 4

छंद: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार की तरह बढ़ेंगे।

भजन संहिता 91: 13

28. संत डेमेटरियस, रोस्तोव के मेट्रोपोलिटिन

प्रोक्वेइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सभी राष्ट्रों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 318A.

अल्लेलुया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है, और उसके पाँव नहीं ठोकर खाएँगे। भजन संहिता 36:30, 31

**29. आदरणीय अब्राहम,
रॉस्तोव के आर्चमिंड्राइट**

प्रोकेइमेनोन, सप्तम स्वर

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सब का बदला कैसे चुकाऊँगा जो उन्होंने मेरे लिए कएि हैं?

भजन संहिता 115:6, 3

आरंभ 213.

अल्लेलुया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

नवंबर

**1. नःसिवार्थी और चमत्कारी
एशिया के कोस्मास और डैमयिन**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

जो संतों पर वह अपनी पृथ्वी पर है, / प्रभु ने उनमें अपनी सभी इच्छाओं को अद्भुत रूप से प्रकट किया है।

पद: मैं ने सदा यहोवा को अपने साम्हने देखा है, क्योंकि वह मेरे दाहिने हाथ में है, इसलिये मैं डगमगाऊँगा नहीं।

भजन संहिता 15:3, 8

आरंभ 153.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: देखो, कतिनी अच्छी और कतिनी सुखद बात है कभिर्ई एकता में एक साथ रहें।

पद: हेर्मोन की ओस की तरह, जो सयोन के पहाड़ों पर गरिती है; क्योंकि वहाँ प्रभु ने अनंतकाल के लिए आशीर्वाद और जीवन नरिधारति किया है।

भजन संहिता 132:1, 3

**5. संत योना,
नोवगोरोड के आर्चबशिप**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान से सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 318A.

अलैया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

६. खुटनि के पूजनीय बारलाम, नोवगोरोड के चमत्कारकर्ता

प्रोकेइमेनोन, सप्तम स्वर

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतदिन करूँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं? भजन संहिता

115:6, 3

आरंभ 213.

अलैया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

8. महादूत माइकल का समागम और सभी अदेह स्वरगीय सेनाओं

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

आप अपने स्वर्गदूतों को आत्माओं के रूप में बनाते हैं, / और अपने सेवकों को आग की ज्वालाओं के रूप में।

पद: हे मेरी आत्मा, प्रभु का धन्यवाद कर! हे मेरे प्रभु परमेश्वर, आप अत्यंत महिमामय हैं।

भजन संहिता 103:4, 1क

आरंभ 305.

अलैया, स्वर 5

पद: हे उसके सभी स्वर्गदूतों, उसकी स्तुतिकिरो; हे उसकी सभी सेनाओं, उसकी स्तुतिकिरो।

पद: क्योंकि उसने कहा, और वे अस्तित्व में आए; उसने आज्ञा दी, और वे सृजित हुए। भजन संहिता 148:2, 5ख

13. संत जॉन क्राइसोस्टोम

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन—समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 318A.

अलैया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है, और उसके पाँव नहीं ठोकर खाएँगे।

भजन संहिता 36:30, 31

14. संत फलिपि प्रेरति

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; आकाशमण्डल उनके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 131.

अललoulia, स्वर 1

प्रत्युत्तर-श्लोक: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे आश्चर्यकर्म और तेरे सत्य का प्रचार करते हैं—पवतिर जनों की सभा में।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6, 8क

15. आदरणीय पेइसयिस ऑफ वेल्चकोव्स्की

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सब उपकारों के लिए कैसे प्रतफल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर कएि हैं? भजन संहिता 115:6,

3

आरंभ 334.

अललoulia, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

16. पवतिर प्रेरति और सुसमाचार प्रचारक मत्ती

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी आवाज़ सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन ब्रह्मांड के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषति करते हैं; गगन-मंडल उसके हाथों के कार्यों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 131.

अललoulia, स्वर 1

प्रत्युत्तर-श्लोक: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे आश्चर्यों और तेरे सत्य की घोषणा करते हैं – संतों की सभा में।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6, 8क

19. संत फलारेत, मॉस्को और कोलोम्ना के मेट्रोपॉलिटिन

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान से सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 233.

अललoulia, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

21. मंदिर में प्रस्तुति परम पवतिर थओटोकोस की

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 320.

अललौया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी तेरी कृपा की खोज करेंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

22. प्रेरति फलिमोन और अरखप्पिस

उत्सव और प्रेरतियों का प्रोक्कीमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

भजन संहिता 18:5A

साधारण प्रवेशगान और प्रेरतियों के लिए, प्रवेशगान 302B।

उत्सव का हलीलूया और प्रेरतियों के लिए, स्वर 1

छंद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6A, 8A

23. वशिवासियों का वशिराम महान राजकुमार अलेक्जेंडर नेवस्की

उत्सव और धर्मी का प्रोक्कीमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

साधारण प्रवेशगान और धर्मी लोगों के लिए, प्रवेशगान 213।

उत्सव और धर्मात्माओं का हल्लेलूया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतत पृथ्वी पर शक्तिशाली होगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

२४. महा शहीद कैथरीन

उत्सव और महान शहीद का प्रोक्कीमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने संतों में अद्भुत है; इस्राएल का परमेश्वर।

भजन संहिता 67:36A

साधारण प्रवेशगान और महा शहीद के लिए, प्रवेशगान 233।

उत्सव और महा शहीद के लिए हल्लेलूया, स्वर 1

श्लोक: धर्मी पुकारे – और प्रभु ने उनकी सुनी।

पद: धर्मी लोगों को बहुत दुख होते हैं – और प्रभु उन्हें उन सभी से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18क, 20

२५. उत्सव का समापन
मंदिर में परमेश्वर की माता का समर्पण।
पवतिर शहीद क्लेमेंट,
रोम के पोप,
और पीटर, आर्चबिशप
अलेक्जेंडरिया के

उत्सव का प्रोकीमेनोन, स्वर 3, ईश्वरमाता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति होती है।

पद: उसने अपनी दासी की नम्रता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी। लूका 1:46-48

पवतिर शहीदों के लिए प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उसकी संतों की मृत्यु अनमोल है। भजन संहिता 115:6

आरंभ 320 और पवतिर शहीदों के लिए, आरंभ 246।

उत्सव का हल्लेलूया, स्वर 8

श्लोक: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

पद: लोगो में धनी तेरा अनुग्रह खोजेंगे। भजन संहिता 44:11A, 13B

पवतिर शहीदों के लिए अल्लेलूया, स्वर 2

पद: तेरे याजक धार्मिकता से परधान पहनेंगे, और तेरे संत आनंद से उल्लासति होंगे।

पद: आओ हम उसकी पवतिरशाला में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान की आराधना करें जहाँ उसके पाँव कभी ठहरे थे। भजन संहिता 131:9, 7

27. परमेश्वर की अतपिवतिर माता का आइकन,
जो नोवगोरोड में प्रकट हुआ।
महान शहीद
फ़ारस का जेम्स

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता को भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की नम्रता पर अनुग्रह से दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी। लूका 1:46-48

संत के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 4

जो संतों पर वह पृथ्वी पर है, प्रभु ने उनमें अपनी सभी इच्छाओं को अद्भुत रूप से प्रकट किया है। भजन संहिता 15:3

आरंभ 320 और संत के लिए, आरंभ 233।

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: सुनो, हे पुत्री, और देखो, और अपना कान लगाओ।

पद: लोगो में धनी तेरा अनुग्रह खोजेंगे। भजन संहिता 44:11A, 13B

पवतिर एक के लिए अल्लेलूया, स्वर 4

पद: धर्मी कई कष्टों का सामना करते हैं – परन्तु प्रभु उन्हें उन सभी से बचाएगा। भजन संहिता 33:20

30. संत एंड्रयू, प्रथम बुलाए गए प्रेरति

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार की सीमाओं तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; आकाशमण्डल उनके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5क, 2

आरंभ 131.

अललौया, स्वर 1

प्रत्युत्तर-गीत: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे चमत्कारों और तेरे सत्य की घोषणा करते हैं – संतों की सभा में।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6, 8क

दसिंबर

3. पूजनीय सावा स्टोरोजहेव और ज्वेनगिरोद के

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतफल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर कएि हैं? भजन संहिता 115:6,

3

आरंभ 213.

अललौया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

४. संत बारबरा महान शहीद

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने पवतिर जनो में अद्भुत है; / इस्राएल का परमेश्वर।

पद: सभाओं में यहोवा परमेश्वर का धन्यवाद करो, इस्राएल के स्रोतों से।

भजन संहिता 67:36A, 27

आरंभ 208A.

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: मैंने धीरज से प्रभु की प्रतीक्षा की, और उसने मेरी ओर ध्यान दिया और मेरी प्रार्थना सुनी।

पद: उसने मेरे पैरों को चट्टान पर स्थापित किया और मेरे कदमों को स्थिर किया।

भजन संहिता 39:2, 3ख

5. आदरणीय पवतिर सबाथ

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में अपने संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतफल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर कएि हैं? भजन संहिता 115:6,

3

स्वरारोपण 213.**अल्लेलूया, स्वर 6**

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

**6. संत नकिलस,
लसिया के मयरा के आर्चबिशप,
चमत्कार करने वाले**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 335.**अल्लेलूया, स्वर 4**

प्रत्युत्तर-गीत: तेरे याजक धार्मिकता से परधान पहनेंगे, और तेरे संत आनन्द से हर्षित होंगे।

पद: आओ हम उसकी पवित्रशाला में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान पर आराधना करें जहाँ उसके पाँव कभी ठहरे थे।

भजन संहिता 131:9, 7

**९. धर्मी अन्ना का गर्भधारण
परमेश्वर की अति पवित्र माता की**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

ईश्वर अपने संतों में अद्भुत है; / इस्राएल का ईश्वर।

पद: सभाओं में यहोवा परमेश्वर का धन्यवाद करो, जो इस्राएल के मूलों से है।

भजन संहिता 67:36A, 27

आरंभ 210B.**अल्लेलूया, स्वर 1**

पद: धर्मी लोगों का उद्धार प्रभु से आता है, और वह संकट के समय उनका शरणस्थान है।

भजन संहिता

36:39

**10. शहीद मीना,
हरमोजेनेस और यूफ्रेटसि**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

जो संतों को उसकी पृथ्वी पर हैं, / प्रभु ने उनमें अद्भुत रूप से अपनी सभी इच्छाओं को प्रकट किया है।

पद: मैं ने प्रभु को सदा अपने साम्हने देखा है, क्योंकि वह मेरे दाहिने हाथ में है, इसलिये मैं डगमगाऊँगा नहीं।

भजन संहिता 15:3, 8

आरंभ 233.**अल्लेलूया, स्वर 4**

पद: धर्मी ने पुकारा – और प्रभु ने उनकी सुनी।

पद: धर्मी लोगों को अनेक कष्ट होते हैं – परन्तु प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18A, 20

12. संत स्पाइरडिऑन, ट्राइमाइथस के बशिप

प्रोक्केइमेनन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान दो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 335.

अललौया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

13. पवतिर शहीद यूस्ट्रेटयिस, ऑक्सेन्टयिस, यूजेनयिस, मार्डारयिस और ओरेस्ट्स

सेवा 10 दसिंबर जैसी ही है।

17. नबी दानयिल और तीन युवक: अननया, अजरया और मसैल

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने संतों में अद्भुत है; / इस्राएल का परमेश्वर।

पद: सभाओं में इस्राएल के स्रोतों से यहोवा परमेश्वर का धन्यवाद करो।

भजन संहिता 67:36A, 27

आरंभ 330.

अललूया, स्वर 4

पद: धर्मी ने पुकारा, और प्रभु ने उनकी सुनी।

पद: धर्मी लोगों को बहुत दुख होते हैं – और प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18A, 20

पवतिर पूर्वजों का सप्ताह

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 4, पूर्वजों का गीत

धन्य हैं आप, हे प्रभु, हमारे पतिरों के परमेश्वर, / और आपका नाम युगानुयुग प्रशंसति और महिमामय हो।

पद: क्योंकि जो कुछ आपने हमारे लिए किया है, उसमें आप धर्मी हैं।

दान 3:26, 27क

आरंभ 257.

अललूया, स्वर 4

पद: मूसा और हारून उनके याजकों में, और शमूएल उनके नाम का आह्वान करने वालों में।

पद: उन्होंने प्रभु से प्रार्थना की, और उन्होंने उन्हें उत्तर दिया।

भजन संहिता 98:6

उससे पहले का शनवार मसीह के जन्म

दनि का प्रोक्कीमेनोन और अललूया।

पठन 205.

**क्रिसमस से पहले का सप्ताह
मसीह के जन्म,
पवतिर पतिओं**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4, पतिगण का गीत

धन्य हैं आप, हे प्रभु, हमारे पूर्वजों के परमेश्वर, / और आपका नाम सदा के लिए स्तुति और महिमा का पात्र है।

पद: क्योंकि जो कुछ तूने हम पर किया है, उसमें तू न्यायी है।

दान 3:26, 27A

आरंभ 328.

अल्लेलुया, स्वर 4

पद: हे परमेश्वर, हमने अपनी ही कानों से सुना है, और हमारे पूर्वजों ने हमें बताया है।

पद: क्योंकि आपने हमें उन लोगों से छुड़ाया है जो हमें उत्पीड़ित करते हैं और हमें नीचा दखिने वालों को लज्जित किया है।

भजन संहिता 43:2A, 8

**20. क्रोनस्टाट के धर्मी जॉन
और पवतिर शहीद
इग्नाटियस ईश्वर-वाहक**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 311A.

अल्लेलुया, स्वर 4

प्रत्युत्तर-श्लोक: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

**21. मेट्रोपॉलिटन पीटर का नधिन,
संत मोस्को व्स्कोगे**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

मेरा मुँह ज्ञान बोलेगा, / और मेरे हृदय का मनन—बुद्धि।

पद: हे सभी राष्ट्रों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, ध्यान से सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

स्वरारोपण 318A.

अल्लेलुया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधिान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

**22. महान शहीद
अनास्तासिया उद्धारकर्ता**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने संतों में अद्भुत है; / इस्राएल का परमेश्वर।

पद: सभाओं में यहोवा परमेश्वर का धन्यवाद करो, जो इस्राएल के मूलों से है।

भजन संहिता 67:36A, 27

आरंभ 208A.

अल्लेलुया, स्वर 1

पद: मैंने धीरज से प्रभु की प्रतीक्षा की, और उसने मेरी ओर ध्यान दिया और मेरी प्रार्थना सुनी।

पद: उसने मेरे पैरों को चट्टान पर स्थापित किया और मेरे कदमों को स्थिर किया।

भजन संहिता 39:2, 3ख

२४. क्रिसमस की पूर्व संध्या

पहले घंटे में, 303 की शुरुआत।

तीसरे घंटे, 208A की शुरुआत।

छठे घंटे पर, 304 की शुरुआत।

नवें घंटे पर, 306 की शुरुआत।

लुका २४ में

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

प्रभु ने मुझसे कहा: 'तू मेरा पुत्र है; / आज मैंने तुझे उत्पन्न किया है'।

पद: मुझसे माँगो, और मैं तुम्हें राष्ट्रों को तुम्हारा उत्तराधिकार और पृथ्वी के छोरों को तुम्हारा अधिकार दूँगा।

भजन संहिता 2:7ख, 8

प्रोकेइमेनोन 303.

शनचिर या रविवार को संध्या-प्रार्थना में, जो लटिर्जी से अलग मनाई जाती है, पाठ 207।

अल्लेलूया, स्वर 5

पद: यहोवा ने मेरे प्रभु से कहा: 'मेरे दाहनि बैठी, जब तक मैं तेरे शत्रुओं को तेरे पैरों के नीचे का पैदल-पट्टा न कर दूँ।'

पद: प्रभु तुम्हें सयोन से सामर्थ्य का राजदण्ड भेजेंगे, – और तुम अपने शत्रुओं के बीच राज्य करोगे।

पद: 'मैंने तुम्हें गर्भ से ही उत्पन्न किया है, प्रातःकाल के तारे से पहले,' – प्रभु ने शपथ ली है, और वह अपना मन नहीं बदलेंगे।

भजन संहिता 109:1, 2, 3ख-4क

25. मसीह का जन्म

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

सारी पृथ्वी तेरे सामने दण्डवत करे और तेरा भजन गावे; तेरे नाम का भजन गावे।

छंद: हे पृथ्वी के सब लोगो, यहोवा के लिए जयजयकार करो; उसके नाम का गीत गाओ; उसकी स्तुति में महिमा जोड़ो।

भजन संहिता 65:4, 1ख-2

स्वरारोपण 209.

अल्लेलुया, स्वर 1

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का वर्णन करते हैं; और आकाशमण्डल उनके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

पद: दनि-प्रतदिनि यह बात प्रगट करता है, और रात-रात ज्ञान का प्रकाशन करता है।

भजन संहिता 18:2, 3

26. परम पवतिर थओटोकोस का पर्व

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 306.

अललौया, स्वर 8

पद: हे प्रभु, उठो और अपने विश्राम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारी पवतिरता का सन्दूक।

पद: प्रभु ने दाऊद से सत्य में शपथ ली, और वह उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:8, 11क

मसीह के जन्म के बाद का शनिवार

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 4

मैं तेरे नाम को सभी पीढ़ियों तक स्मरणीय बनाऊँगा।

पद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

भजन संहिता 44:18A, 11A

स्वरारोपण 288.

अललौया, स्वर 8

प्रत्युत्तर-गीत: हे प्रभु, उठो और अपने विश्राम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारी पवतिरता का सन्दूक।

पद: प्रभु ने दाऊद से सत्य में शपथ ली, और वह उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:8, 11A

क्रिसमस के बाद का सप्ताह

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 4

ईश्वर अपने संतों में अद्भुत है, / इस्राएल का ईश्वर।

पद: सभाओं में प्रभु परमेश्वर का धन्यवाद करो, इस्राएल के संतों से।

भजन संहिता 67:36A, 27

आरंभ 200.

अललौया, स्वर 4

पद: हे प्रभु, दाऊद और उसकी सारी कोमलता को याद करो।

पद: प्रभु ने दाऊद से सत्य में शपथ ली, और उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:1, 11A

27. पवतिर प्रेरति, पहले शहीद और महादीकन स्तेफन

उत्सव और प्रेरति के लिए प्रोक्कीमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनकी बातें संसार के छोर तक पहुँच गई हैं।

भजन संहिता 18:5A

साधारण प्रवेशगान और प्रेरति के लिए, प्रवेशगान 17।

उत्सव और प्रेरति का हल्लुएया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6क, 8क

28. नकिमेडिया के 20,000 शहीद

उत्सव और शहीदों के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 5

हे प्रभु, आप हमें इस पीढ़ी से और सदा के लिए सुरक्षित रखेंगे।

भजन संहिता 11:8

साधारण प्रवेशगान और शहीदों के लिए, प्रवेशगान 96ख।

उत्सव और शहीदों के लिए एलहूया, स्वर 4

पद: हे पृथ्वी के सब लोग, प्रभु के लिए जयजयकार करो; उसके नाम का भजन करो; उसकी स्तुति में महमिा दो।

पद: क्योंकि हे परमेश्वर, तूने हमें परखा है; तूने हमें वैसे ही शुद्ध किया है जैसे चाँदी को शुद्ध किया जाता है।

भजन संहिता 65:1ख-2, 10

29. हेरोद द्वारा वध किए गए पवतिर शशि

उत्सव और शहीदों के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 6

हे युवाओं, प्रभु की स्तुतिकिरो; प्रभु के नाम की स्तुतिकिरो।

भजन संहिता 112:1

साधारण प्रवेशगान और शहीदों के लिए, प्रवेशगान 180।

उत्सव और शहीदों के लिए हल्लेया, स्वर 5

श्लोक: उन्होंने अपना रक्त पानी की तरह बहाया।

पद: हे प्रभु, तेरा दयालुता शीघ्रता से हमसे मल्लि।

भजन संहिता 78:3क, 8ख

31. मसीह के जन्म का पर्व

उत्सव का प्रोकीमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने पवतिर जनो में अद्भुत है, / इस्राएल का परमेश्वर।

पद: अपनी सभाओं में परमेश्वर, प्रभु का धन्यवाद करो, जो इस्राएल के सोतों से है।

भजन संहिता 67:36A, 27

साधारण आरंभ।

उत्सव का हल्लेया, स्वर 4

पद: हे प्रभु, दाऊद और उसकी सारी नम्रता को याद करो।

पद: प्रभु ने दाऊद से सत्य में प्रतज्जिा की, और उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:1, 11क

जनवरी

1. प्रभु का खतना।

संत बेसलि महान

प्रोकेइमेनोन, स्वर 6

हे प्रभु, अपने लोगों को बचा / और अपनी वरिसत को आशीष दे।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ ही को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, मुझ पर दृष्टिकरके चुप न रह।

भजन संहिता 27:9, 1

और संत का प्रोकीमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, और मेरे हृदय का मनन—बुद्धि

भजन संहिता 48:4

स्वरारोपण 254 और पवतिर स्वरारोपण 318A।

अल्लेलूया, स्वर 8

छंद: हे इस्राएल के चरवाहे, सुन; जो यूसुफ के झुंड का मार्गदर्शन करते हो।

पद: धर्मी का मुख ज्ञान बोलता है, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

भजन संहिता 79:2A; 36:30

एफिनेनी से पहले का शनवार

दनि का प्रोकीमेनोन और अल्लेलूया।

पठन 284.

एफिनेनी से पहले का सप्ताह

प्रोकीमेनोन, स्वर 6

हे प्रभु, अपने लोगों को बचा / और अपनी वरिसत को आशीर्वाद दे।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, चुप न रह, और मुझ से मुख न फेर।

भजन संहिता 27:9, 1अ

आरंभ 298.

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: हे परमेश्वर, हम पर अनुग्रह करें और हमें आशीष दें; अपनी मुखाकृति हम पर प्रकाशति करें और हम पर अनुग्रह करें।

पद: ताक पृथ्वी पर वे तेरा मार्ग जान लें, और सभी राष्ट्रों में तेरा उद्धार।

भजन संहिता 66:2, 3

**2. परम पूज्य की नदिरा
सरोव के सेराफमि**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतफल दूंगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं?

भजन संहिता 115:6,

3

आरंभ 213.

अल्लेलूया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

४. सत्तर पवतिर प्रेरतियों की सभा

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; आकाशमण्डल उनके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5क, 2

आरंभ 96A.

अल्लेलूया, स्वर 1

छंद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं, और आपकी सच्चाई—पवतिरों की सभा में।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6, 8A

5. एफिनी की पूर्व संध्या

पहले घंटे में, सेवा 33 की शुरुआत।

तीसरे घंटे, 42वीं स्तुति।

छठे घंटे पर, 91 की शुरुआत।

नवें घंटे पर, 302A की शुरुआत।

लिटिर्जी में

प्रोक्थेमेनन, स्वर 3

प्रभु मेरी रोशनी और मेरा उद्धारकर्ता है: मैं किससे डरूँ?

पद: प्रभु मेरे जीवन के रक्षक हैं: मैं किससे डरूँ?

भजन संहिता 26:1

पठन 143A.

शनवार और रविवार को, आरंभ 143B।

अल्लेलूया, स्वर 6

पद: मेरे हृदय ने एक उत्तम वचन उगल दिया; मैं अपने कर्म राजा को घोषित करता हूँ।

पद: वह मनुष्यों के पुत्रों में सौंदर्य में शोभति है।

भजन संहिता 44:2A, 3A

जल के आशीर्वाद पर

प्रोक्थेमेनोन जैसा कलिटिर्जी में है।

पठन 143ख।

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: यहोवा का स्वर जल पर है; महिमा का परमेश्वर गरजा है; यहोवा बहुत जल पर है।

भजन संहिता 28:3

6. पवित्र दैवदर्शन

प्रोक्थेमेनोन, स्वर 4

धन्य है वह जो प्रभु के नाम पर आता है; / परमेश्वर प्रभु है, और वह हम पर प्रकट हुआ है।

पद: यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; उसकी दया सदा बनी रहती है। भजन संहिता 117:26क, 27क, 1

आरंभ 302A.

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: हे परमेश्वर के पुत्रो, प्रभु को बल चढ़ाओ, प्रभु को जवान मेष चढ़ाओ।

पद: प्रभु का स्वर जल पर है; महिमा का ईश्वर गरज उठा है; प्रभु महान जल पर है।

भजन संहिता 28:1, 3

7. संत योहन बपतिस्मादाता का पर्व

त्योहार और भवष्यवक्ता का प्रोक्थेमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ और उसी में अपना विश्वास रखें।

भजन संहिता 63:11क

साधारण पाठ और नबी से पाठ, पाठ 42।

उत्सव और नबी के लिए हल्लेया, स्वर 5

पद: धर्मी पर प्रकाश चमका है, और सीधे हृदय वालों के लिए आनंद है।

पद: हे धर्मीजनो, प्रभु में आनन्द मनाओ, और उसकी पवतिर स्थान की स्मृतिका प्रचार करो।
संहति 96:11, 12

भजन

प्रकटोत्सव के बाद का शनिवार

उत्सव सेवा।

आदेश 233.

एफिनी के बाद का सप्ताह**प्रोक्केइमेनोन, स्वर 1**

हे प्रभु, आपकी दया हम पर हो, / क्योंकि हम आप में अपनी आशा रखते हैं।

पद: हे धर्मीजनो, प्रभु में आनन्द मनाओ – धर्मीजनो के लिए स्तुतिउपयुक्त है।

भजन संहति 32:22, 1

और पर्व का प्रोक्कीमेनोन, स्वर 4

धन्य है वह जो प्रभु के नाम पर आता है; प्रभु परमेश्वर है, और वह हमें प्रकट हुआ है।
117:26क, 27क

संहति

स्वरारोपण 224B और नियमति स्वरारोपण।

अल्लेलूया, स्वर 5

पद: हे प्रभु, मैं सदा-सर्वदा तेरी दया का गान करूँगा; मैं अपने मुँह से पीढ़ी-दर-पीढ़ी तेरी सत्यता का प्रचार करूँगा।

पद: क्योंकि आपने कहा है, 'दया सदा के लिए स्थिर रहेगी'—आपकी सच्चाई स्वर्ग में स्थिर रहेगी।
संहति 88:2, 3

भजन

और पर्व का अल्लेलूया, स्वर 4

छंद: हे परमेश्वर के पुत्रो, यहोवा को बलदान चढ़ाओ, यहोवा को जवान मेष चढ़ाओ।

पद: प्रभु की वाणी जल पर है; महिमा का ईश्वर गरज उठा है; प्रभु महान जल पर है।

भजन संहति 28:1, 3

**9. संत फलिपि,
मॉस्को के मेट्रोपॉलिटन****त्योहार और संत के लिए प्रोक्कीमेनोन, स्वर 1**

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, और मेरे हृदय का मनन—समझ।

भजन संहति 48:4

साधारण प्रवेशगान और संत के लिए, प्रवेशगान 335।

उत्सव और संत के लिए एलहूया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहति 36:30, 31

**10. संत थियोफान,
वर्शिस्की के तपस्वी****उत्सव और संत के लिए प्रोक्कीमेनोन, स्वर 1**

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, और मेरे हृदय का मनन समझ है।

भजन संहति 48:4

सामान्य इंद्रोइट और संत के लिए, इंद्रोइट 318A।

उत्सव और संत के लिए अल्लेलूया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

उसी दनि
संत ग्रेगरी के,
नसिा के बशिप

त्योहार और संत का प्रोकीमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

साधारण प्रवेशगान और संत के लिए, प्रवेशगान 151।

उत्सव और संत के लिए एलहूया, स्वर 2

पद: तेरे याजक धार्मिकता से परधानति होंगे, और तेरे संत आनंद से हर्षति होंगे।

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

भजन संहिता 131:9; 111:1

11. संत थियोडोसयिस, मठ समुदाय के प्रमुख

उत्सव और पूजनीय के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

साधारण प्रवेशगान और आदरणीय के लिए, प्रवेशगान 176।

उत्सव और पूजनीय के लिए हल्लेलूया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

14. प्रकटोत्सव का पर्व। संत नीना, प्रेरितों के समकक्ष, जॉर्जिया के प्रकाशक

त्योहार का प्रोकीमेनोन, स्वर 4

धन्य है वह जो प्रभु के नाम पर आता है; / परमेश्वर प्रभु है, और वह हम पर प्रकट हुआ है।

पद: यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; उसकी दया सदा के लिए बनी रहेगी।

27A, 1

भजन संहिता 117:26A,

और पवतिर प्रोकिमिन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

भजन संहिता 18:5A

साधारण और पवतिर इंट्रोइट, इंट्रोइट 131।

त्योहार का अल्लेलूया, स्वर 4

पद: हे परमेश्वर के पुत्रो, यहोवा को अर्पण करो, यहोवा को जवान मेष अर्पण करो।

पद: प्रभु का शब्द जल पर है; महिमा का ईश्वर गर्जना करता है; प्रभु महाजल पर है।

भजन संहिता 28:1, 3

और पवतिर हल्लेलूया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों का प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6A, 8A

१६. प्रेरति पतरस की बेड़ियों का सम्मान

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी आवाज़ सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन ब्रह्मांड के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषति करते हैं; गगन उसके हाथों के कार्यों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 29.

अललौया, स्वर 1

छंद: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे आश्चर्यकरमों की और पवतिरों की सभा में तेरी सच्चाई की घोषणा करते हैं।

भजन संहिता 88:6

17. संत एंथनी महान

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

छंद: मैं प्रभु का उन सब उपकारों के लिए कैसे प्रतफल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर कए हैं? भजन संहिता 115:6,

3

आरंभ 335.

अललौया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर सामर्थी होंगी; धर्मी लोगों की पीढ़ी धन्य होगी।

भजन संहिता 111:1, 2

२०. संत यूथमियस महान

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सब का प्रतफल कैसे चुकाऊँगा जो उन्होंने मेरे लिए कए हैं?

भजन संहिता 115:6, 3

आरंभ 335.

अललौया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

23 और 31 जनवरी के बीच का रविवार।

नए शहीदों और स्वीकारकर्ताओं

रूसी x

नए शहीदों के लिए स्वर 7 का प्रोकीमेनॉन

ईश्वर हमारा शरणस्थान और बल हैं।

भजन संहिता 45:2A

स्वर के प्रेरति और नए शहीदों के लिए, आरंभ 99।

स्वर का हल्लेलुया और नए शहीदों के लिए, स्वर 4

छंद: धर्मी ने पुकारा, और प्रभु ने उनकी सुनी; उसने उन्हें उनकी सभी कष्टों से उबार लिया।

पद: धर्मी पर अनेक क्लेश आते हैं – परन्तु प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18, 20

24. सेंट पीटर्सबर्ग की धन्य जेनया

प्रोक्लामिना, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतफल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं? भजन संहिता 115:6,

आरंभ 213.

अल्लेलुया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

25. संत ग्रेगरी द थियोलोजियन

प्रोक्लामिना, स्वर 1

मेरा मुँह ज्ञान बोलेगा, / और मेरे हृदय का मनन—बुद्धि

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 151.

अल्लेलुया, स्वर 2

पद: हे मेरी प्रजा, मेरी व्यवस्था पर ध्यान दो; अपने कान मेरे मुख के वचनों की ओर लगाओ।

श्लोक: मैं दृष्टान्तों में अपना मुँह खोलूँगा; मैं प्राचीन पहेलियाँ बोलूँगा।

भजन संहिता 77:1, 2

27. अवशेषों का स्थानांतरण संत जॉन क्रिसोस्टोम के

प्रोक्लामिना, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान से सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 318A.

अल्लेलुया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलेंगे, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करेगी।

पद: परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है, और उसके पैर नहीं फिसलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

30. पवतिर पतिओं की परषिद बेसलि द ग्रेट, ग्रेगरी द थियोलोजियन और जॉन क्रिसोस्टोम

प्रोक्लामिना, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; और आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 334.

अललौया, स्वर 1

प्रत्युत्तर-श्लोक: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे आश्चर्यकर्मों और तेरे सत्य की घोषणा करते हैं – संतों की सभा में।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6, 8क

फरवरी**२. प्रभु का मन्दिर में समर्पण****प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, परमेश्वर की माता का भजन**

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की नम्रता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 316.

अललौया, स्वर 8

पद: अब, हे प्रभु, आप अपने दास को अपनी बात के अनुसार शान्ति में जाने दें।

पद: अन्यजातियों के लिए आपकी इच्छा प्रकट करने और आपके लोगों इस्राएल की महिमा के लिए एक प्रकाश।

लूका 2:29, 32

**3. धर्मी समीओन, ईश्वर-स्वीकारकर्ता,
और भवषियवक्ता अन्ना****त्योहार और संतों का प्रोकीमेनोन, स्वर 7**

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, और उसी में अपना विश्वास रखें।

भजन संहिता 63:11A

साधारण प्रवेशगान और संतों के लिए, प्रवेशगान 321B।

उत्सव और संतों के लिए हल्लेलुया, स्वर 6

पद: धर्मी पर प्रकाश चमका है, और सीधे हृदय वालों के लिए आनंद है।

पद: हे धर्मी लोगो, प्रभु में आनन्द मनाओ, और उसकी पवतिरता की स्मृतिका प्रचार करो।

96:11, 12

भजन संहिता

**5. संत थियोडोसयिस,
चेर्नहिभि के आर्चबिशप****त्योहार और संत के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 7**

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

साधारण प्रवेशगान और संत के लिए, प्रवेशगान 335।

उत्सव और संत के लिए एललुया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं में बहुत आनन्दति होगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी; धर्मी की पीढ़ी धन्य होगी।

भजन संहिता 111:1, 2

8. महा शहीद थियोडोर स्ट्रैटेलेट्स

उत्सव और महान शहीद के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, और उसी पर अपना भरोसा रखें।

भजन संहिता 63:11A

साधारण इंद्रोइट और महा शहीद के लिए, इंद्रोइट 292।

उत्सव और महा-शहीद के लिए हल्लेलूया, स्वर 4

श्लोक: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार की तरह बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

९. उत्सव का समापन प्रभु की प्रस्तुति

उत्सव का प्रोकीमेनोन, स्वर 3, ईश्वर-माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

साधारण आरंभ।

उत्सव का एल्लूया, स्वर 8

पद: अब, हे प्रभु, आप अपने दास को अपनी बात के अनुसार शान्ति में जाने दें।

श्लोक: अन्यजातियों के लिए आपकी इच्छा प्रकट करने और आपके लोगों, इस्राएल की महिमा के लिए एक प्रकाश।

लूका 2:29, 32

12. परमेश्वर की माता का आइवरॉन आइकन।

**संत अलेक्सयिस,
मास्को के चमत्कारकर्ता**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता को स्तुति-गीत

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

छंद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

संत के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

240 से आरंभ और संत के लिए, 335 से आरंभ।

अल्लेलूया, स्वर 8

छंद: हे पुत्री, सुन, देख, और अपना कान लगा।

पद: लोगो में धनी तेरा अनुग्रह खोजेंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

पवतिर संत के लिए अल्लेलूया, स्वर 6

पद: धर्मी ने पुकारा, और प्रभु ने उनकी सुनी; उसने उन्हें उनकी सभी कष्टों से छुड़ाया।

पद: धर्मी के लिए बहुत दुख होते हैं – और प्रभु उन्हें उन सभी से बचाएगा।

भजन संहिता 33:18, 20

17. टायर के महान शहीद थयोडोर

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी यहोवा में आनन्द करें, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11क, 2ख

आरंभ 292.

अललौया, स्वर 4

प्रत्युत्तर-गीत: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

24. सरि की पहली और दूसरी खोज
संत यूहन्ना बपतस्मादाता के

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 176.

अल्लेलूया, स्वर 4

छंद: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार की तरह बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

मार्च

९. ४० पवतिर शहीद
सेबास्टे के

प्रोकेइमेनोन, स्वर 5

हे प्रभु, आप हमें सुरक्षति रखेंगे और संरक्षति करेंगे / इस पीढ़ी से और सदा के लिए।

पद: हे प्रभु, मेरा उद्धार कर, क्योंकि कोई धर्मी नहीं है।

भजन संहिता 11:8, 2A

आरंभ 331A.

अललौया, स्वर 4

पद: हे पृथ्वी के सब लोग, यहोवा के लिए जयजयकार करो; उसके नाम का भजन करो; उसकी स्तुति में महिमा जोड़ो।

पद: क्योंकि हे परमेश्वर, तूने हमें परखा है; तूने हमें चाँदी की तरह शुद्ध किया है।

भजन संहिता 65:1ख-2, 10

25. परम पवतिर थओटोकोस की घोषणा

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

दनि-प्रतदिनि / हमारे परमेश्वर के उद्धार की घोषणा करो।

पद: प्रभु के लिए नया गीत गाओ; हे सारी पृथ्वी, प्रभु के लिए गाओ।

भजन संहिता 95:2B, 1

आरंभ 306.

अललौया, स्वर 6

पद: वह ऊन पर वर्षा की तरह आएगा, और पृथ्वी पर गरिती बूंद की तरह।

पद: उसका नाम सदा के लिए धन्य होगा; उसका नाम सूर्य से पहले स्थिर रहेगा।

भजन संहिता 71: 6, 17A

अप्रैल

**23. पवतिर महान शहीद
वजियी जॉर्ज**

एक शहीद के लिए द्रायोडयिन से प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्दति हों और उसी में अपना भरोसा रखें।

भजन संहिता 63:11A

ऑर्डनिरी और शहीद की शुरुआत, आरंभ 29.

द्रायोडयिन और शहीद के लिए हल्लेया, स्वर 4

पद: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

**25. पवतिर प्रेरति
और सुसमाचार प्रचारक मरकुस**

द्रायोडयिन और प्रेरति से प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

भजन संहिता 18:5A

साधारण प्रवेशगान और प्रेरति के लिए, प्रवेशगान 63।

द्रायोडयिन और प्रेरति से एलहूया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे आश्चर्यकर्मों का प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6क, 8क

**27. प्रेरति
और पवतिर शहीद समीन,
यरूशलेम के बशिप,
प्रभु के मांस के अनुसार एक संबंधी**

द्रायोडयिन और प्रेरति से प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

भजन संहिता 18:5A

साधारण इंद्रोइट और पत्र से, इंद्रोइट 131।

द्रायोडयिन और प्रेरति से एलुया, स्वर 1

श्लोक: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे आश्चर्यों का प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6क, 8क

30. पवतिर प्रेरति याकूब, जेबेदी का पुत्र

द्रायोडयिन और प्रेरतियों से प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनकी बातें संसार के छोर तक पहुँच गई हैं। भजन संहिता 18:5A

साधारण हल्लेयुआ और प्रेरति के लिए हल्लेयुआ, हल्लेयुआ 29।

द्रायोडयिन और प्रेरतियों से एलुइया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6A, 8A

हो सके

1. भवषियवक्ता यरिमयाह

द्रायोडयिन और भवषियवक्ता से प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

तुम मेलकीजेदक के क्रम में सदा के लिए याजक हो।

भजन संहिता 109:4ख

साधारण प्रवेशगान और भवषियवक्ता के लिए, प्रवेशगान 156।

द्रायोडयिन और नबी के लिए एलूलूया, स्वर 5

श्लोक: मूसा और हारून उनके याजकों में, और शमूएल उनके नाम का आह्वान करने वालों में।

पद: धर्मी पर प्रकाश चमका है, और सीधे हृदय वालों के लिए आनंद है।

भजन संहिता 98:6क; 96:11

२. अवशेषों का स्थानांतरण

धर्मनष्ट राजकुमार बोरसि और ग्लैब के अवशेषों का स्थानांतरण

द्रायोडयिन और संतों से प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

जो संतों को उनकी पृथ्वी पर, प्रभु ने अद्भुत रूप से उनमें अपनी सभी इच्छाएँ प्रकट की हैं। भजन संहिता 15:3

साधारण इंटरॉइट और संतों के लिए, इंटरॉइट 99।

संतों के लिए द्रायोडयिन से एलुया, स्वर 4

श्लोक: धर्मी पुकारते हैं – और प्रभु उनकी सुनते हैं, और उन्हें उनकी सभी कष्टों से छुड़ाते हैं।

पद: धर्मी पर बहुत क्लेश आते हैं – परन्तु प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18, 20

3. पूजनीय की स्वर्गारोहण गुफाओं के थियोडोसयिस

आदरणीय के लिए द्रायोडयिन से प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

ऑर्डनिरी और वेनेरेबल की शुरुआत, आरंभ 334।

द्रायोडयिन से एलुइया और सम्माननीय के लिए, स्वर 2

छंद: तेरे याजक धार्मिकता से परधानति होंगे, और तेरे संत आनंद से उल्लसति होंगे।

पद: आओ हम उसकी पवतिरशाला में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान की उपासना करें जहाँ उसके पाँव कभी ठहरे थे।

भजन संहिता 131:9, 7

7. स्वर्गों में प्रकट होने का स्मरणोत्सव वर्ष 351 में यरूशलेम में प्रभु के क्रूस की घटना की स्मृति

द्रायोडयिन और क्रॉस से प्रोक्केइमेनोन, स्वर 7

हमारे प्रभु परमेश्वर की महिमा करो, और उसके चरण-पीठ पर आराधना करो, क्योंकि वह पवतिर है।

भजन संहिता 98:5

साधारण इंद्रोइट और क्रॉस के लिए, इंद्रोइट 125A।

द्रायोडयिन और क्रॉस के लिए एलुया, स्वर 1

श्लोक: हे प्रभु, अपने लोगों को स्मरण कर, जनिहें तूने आदि से प्राप्त किया है।

पद: परन्तु परमेश्वर, जो युगों से पूर्व हमारा राजा है, ने पृथ्वी के मध्य में उद्धार का कार्य किया है।

भजन संहिता 73:2A, 12

8. पवतिर प्रेरति और सुसमाचार प्रचारक योहन द थयिलोजयिन

द्रायोडयिन और पत्र से प्रोक्कीमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनकी बातें संसार के छोर तक पहुँच गई हैं।

भजन संहिता 18:5A

साधारण प्रवेशगान और प्रेरति के लिए, प्रवेशगान 68ख।

द्रायोडयिन और पत्र से एलुया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6A, 8A

9. अवशेषों का स्थानांतरण चमत्कार करने वाले संत निकोलस के

संत के लिए द्रायोडयिन से प्रोक्कीमेनोन, स्वर 7

पवतिरजन महिमा में स्तुति पाएँगे और अपने शयनों में आनंदति होंगे।

भजन संहिता 149:5

साधारण और संत का इंद्रोइट, इंद्रोइट 335।

द्रायोडयिन से एलुइया और संत के लिए, स्वर 2

छंद: तेरे पुरोहित धार्मिकिता से परधानति होंगे, और तेरे संत आनंद से हर्षति होंगे।

पद: आओ हम उसके पवतिर मन्दिर में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान की आराधना करें जहाँ उसके पाँव कभी ठहरे थे।

भजन संहिता 131:9, 7

10. संत समीन उत्साही, प्रेरति

प्रोक्कीमेनोन, त्रायोडयिन से प्रेरति के लिए, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

भजन संहिता 18:5A

साधारण प्रवेशगान और प्रेरति के लिए, प्रवेशगान 131।

द्रायोडयिन और प्रेरति से एलुया, स्वर 1

श्लोक: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6क, 8क

11. सरिल और मेथोडयिस, प्रेरतियों के समकक्ष, सुलावों के शक्तिषक

द्रायोडयिन और संतों के लिए प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

सामान्य इंद्रोइट और संतों के लिए, इंद्रोइट 318A।

द्रायोडयिन और संतों से एलुया, स्वर 2

श्लोक: तेरे याजक धार्मिकता से परधान धारण करेंगे, और तेरे संत आनन्द के साथ हर्षति होंगे।

पद: आओ हम उसकी पवतिरशाला में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान की उपासना करें जहाँ उसके पाँव कभी ठहरे थे।

भजन संहिता 131:9, 7

12. पवतिर शहीद हरमोजेनेस, मास्को के पैटरआरक

पवतिर शहीद के लिए द्रायोडयिन से प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, और उसी में अपना विश्वास रखें।

भजन संहिता 63:11A

ऑर्डनिरी और पवतिर शहीद की शुरुआत, आरंभ 335।

द्रायोडयिन से एलुइया और पवतिर शहीद के लिए, स्वर 4

छंद: तेरे याजक धार्मिकता से परधानति होंगे, और तेरे संत आनंद से उल्लसति होंगे।

छंद: आओ हम उसके पवतिर स्थान में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान की उपासना करें जहाँ उसके पैर कभी ठहरे थे।

भजन संहिता 131:9, 7

15. धर्मनष्टिठ राजकुमार उग्लचि के राजकुमार दमित्तिरी

संत के लिए द्रायोडयिन से प्रोकीमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, और उसी में अपना विश्वास रखें।

भजन संहिता 63:11A

साधारण प्रवेशगान और संत के लिए, प्रवेशगान 292।

द्रायोडयिन और संत के लिए एलुया, स्वर 4

श्लोक: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

19. धन्य महा राजकुमार द्वेर के दमित्तिरी

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतदान करूँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं? भजन संहिता 115:6, 3

आरंभ 213.

अललौया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

20. संत एलेक्सयिस के अवशेषों की खोज, मास्को के चमत्कारकर्ता

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

मेरा मुँह ज्ञान बोलेंगा, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान दो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 335.

अल्लेलूया, स्वर 2

छंद: धर्मी के होंठ ज्ञान बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

21. पवतिर प्रेरति-समान कॉन्स्टेंटाइन और हेलेना

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; और आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5क, 2

समारंभ 200.

यद, तथापि, यह पेंटेकोस्ट के पर्व से पहले हो – आरंभ 49.

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: मैंने अपने लोगों में से चुने हुए को उँचा किया है; मैंने अपने दास दाऊद को पाया है।

पद: हे प्रभु, राजा तेरी सामर्थ्य से आनन्दति होगा, और तेरे उद्धार से अत्यंत प्रसन्न होगा।

भजन संहिता 88:20ख-21क; 20:2

उसी दिन, व्लादमीर आइकन परम पवतिर ईश्वर माता का।

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वरमाता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की नम्रता पर अनुग्रह से दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240.

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी लोग आपकी कृपा की खोज करेंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

२३. संत लयिन्टयिस, रॉस्तोव के बशिप

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान दो।

भजन संहिता 48:4, 2

318B से शुरू।

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

25. तीसरा प्रकाशन संत यूहन्ना बपतस्मादाता के सुसमाचार का

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 176.

अल्लेलूया, स्वर 5

प्रत्युत्तर: धर्मी पर प्रकाश चमका है, और सीधे हृदय वालों के लिए आनंद है।

पद: सत्य पृथ्वी से उपजा है, और धार्मिकता स्वर्ग से नहिर रही है।

भजन संहिता 96:11; 84:12

27. रूस के धर्मी जॉन, स्वीकारकर्ता

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

पवत्रिजन महिमा में महिमामय होंगे / और अपने सहिसनों पर आनंदति होंगे।

पद: प्रभु के लिए नया गीत गाओ; संतों की सभा में उसकी स्तुतिकिरो।

भजन संहिता 149:5, 1

स्वरारोपण 233.

अल्लेलूया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतति पृथ्वी पर सामर्थी होगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

जून

८. महान शहीद थियोडोर स्ट्रैटेलेट्स

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 292.

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार की तरह बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

9. संत सरिलि, अलेक्जेंडरिया के आर्चबिशप

प्रोक्वेइमेनोन, स्वर 1

मेरा मुँह ज्ञान का वचन बोलेगा, / और मेरे हृदय का मनन—बुद्धि।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान से सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 334.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है।

भजन संहिता 36:30, 31A

उसी दिन, परमपूज्य सरिलि के, बेलजेरो के मठाध्यक्ष

प्रोक्वेइमेनोन, सप्तम स्वर

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतदिन करूँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं?

115:6, 3

भजन संहिता

आरंभ 213.

अल्लेलूया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

10. संत जॉन, तोबोल्स्क के मेट्रोपॉलिटन

प्रोक्वेइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 335.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

11. प्रेरति बार्थोलोम्यू और बरनबास

प्रोक्थेमिनोन, स्वर 8

उनकी आवाज़ सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन ब्रह्मांड के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषित करते हैं; आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5क, 2

आरंभ 28.

अललौया, स्वर 1

प्रत्युत्तर-गीत: हे प्रभु, आकाश तेरे चमत्कारों का प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6A, 8A

14. एलशिया, परमेश्वर का भवषियवक्ता

प्रोक्थेमिनोन, स्वर 4

तुम सदा के लिए याजक हो, / मेलकीजेदेक की व्यवस्था के अनुसार।

पद: प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा: 'मेरे दाहनि बैठो, जब तक मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे पैरों के लिए पादपीठ न बना दूँ।'

भजन संहिता 109:4ख, 1

आरंभ 57A.

अललौया, स्वर 5

पद: मूसा और हारून उनके याजकों में, और शमूएल उनमें जो उनके नाम का आह्वान करते हैं।

पद: धर्मी पर प्रकाश चमका है, और सीधे हृदय वालों के लिए आनंद है।

भजन संहिता 98:6A; 96:11

१५. संत योना,
मॉस्को के मेट्रोपॉलिटन

प्रोक्थेमिनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 335.

अललौया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन कहते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

18. 'ईश्वर-प्रेमी' आइकन
ईश्वर की माता की
और शहीद लयिन्टयिस

प्रोक्थेमिनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता को भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति होती है।

पद: उसने अपनी दासी की नम्रता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

शहीद के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, और उसी में अपना विश्वास रखें।

भजन संहिता 63:11A

स्वर 240, और शहीद के लिए, स्वर 29।

अल्लेलूया, स्वर 8

छंद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

पद: लोगो में धनी तेरा अनुग्रह खोजेंगे।

भजन संहिता 44:11क, 13ख

शहीद के लिए अल्लेलूया, स्वर 4

पद: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार की तरह बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

19. संत जूडा प्रेरति, प्रभु का भाई

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषित करते हैं; और आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 77.

अल्लेलूया, स्वर 1

प्रतगान: हे प्रभु, स्वर्ग आपके आश्चर्यों और आपके सत्य की घोषणा करते हैं – संतों की सभा में।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6, 8क

उसी दिन, संत योब, मॉस्को और सम्पूर्ण रूस के पैटरआर्क

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय के वचन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान से सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 318A.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: परमेश्वर का वचन उसके हृदय में है, और उसके पाँव नहीं फिसलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

23. व्लादमीर आइकन परमेश्वर की अतिपवित्र माता

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदित है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240.

अलललुआ, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी तेरी कृपा के खोजी होंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

24. अग्रदूत सेंट जॉन का जन्म

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धरमी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 112.

अलललुआ, स्वर 3

प्रत्युत्तर-श्लोक: धन्य हो इस्राएल के परमेश्वर यहोवा, जिन्होंने अपने लोगों का दर्शन किया और उनकी मुक्ति की।

छंद: और हे बालक, तू परमप्रभु का भविष्यवक्ता कहलाएगा।

लूका 1:68, 76A

25. धर्मपरायण राजकुमार पीटर और राजकुमारी फेरोनया, मुरोम के चमत्कार-कर्ता

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतफल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं? भजन संहिता 115:6,

3

आरंभ 213.

अलललुआ, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

26. तक्विनि प्रतमि का प्रकट होना परम पवित्र ईश्वर माता

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वरमाता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदित है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240.

अलललुआ, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी तेरी कृपा के खोजी होंगे।

भजन संहिता 44:11क, 13ख

28. परमेश्वर की परम पवतिर माता के आइकन, जन्हें 'तीन-हाथ वाली' के नाम से जाना जाता है

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240।

अल्लुया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी तेरी कृपा के खोजी होंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

उसी दिन, आदरणीय सेरजयिस और हर्मन, बल्लाम के चमत्कार करने वाले

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / अपने संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रततिदान करूँगा जो उन्होंने मुझ पर कएि हैं? भजन संहिता 115:6, 3

आरंभ 213.

अल्लुया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

29. पवतिर प्रेरति पतरस और पौलुस

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा घोषति करते हैं; आकाशमण्डल उसके हाथों के कार्यों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

स्वरारोपण 193.

अल्लुया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6A, 8A

30. बारह प्रेरतियों का सनिड

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; आकाशमण्डल उनके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 131.

अललौया, स्वर 1

प्रत्युत्तर-गीत: हे प्रभु, आकाश तेरे चमत्कारों का प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6A, 8A

जुलाई

1. नःस्वार्थी और चमत्कारी कोसुमास और डैमयिन, जन्होंने रोम में कष्ट सहे

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

जो संतों परमेश्वर की पृथ्वी पर थे, / उनके बीच परमेश्वर ने अद्भुत रूप से अपनी सभी इच्छाएँ प्रकट कीं।

पद: मैं ने प्रभु को सदा अपने साम्हने देखा है, क्योंकि वह मेरे दाहिने हाथ में है, इसलिये मैं डगमगाऊँगा नहीं।

भजन संहिता 15:3, 8

आरंभ 153.

अललौया, स्वर 4

पद: देखो, कतिनी प्यारी और आनंददायक बात है कि भाई एकता में एक साथ रहें।

पद: हरमोन की ओस के समान, जो सयोन के पहाड़ों पर गरिती है; क्योंकि वहाँ प्रभु ने आशीष और जीवन सदा के लिए ठहराया है।

भजन संहिता 132:1, 3

२. चोगा का स्थान ब्लाचरना में परमेश्वर की अतिपवित्र माता का

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: उसने अपनी दासी की नम्रता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

समापन 320.

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: हे प्रभु, उठो और अपने वशिराम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारी पवित्रता का सन्दूक।

पद: प्रभु ने दाऊद से सत्य में शपथ खाई, और वह उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:8, 11A

3. संत फलिपि के अवशेषों का स्थानांतरण, मॉस्को के मेट्रोपॉलिटन

प्रोक्लामेनन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान से सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 335.

अल्लेलुया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

4. पवतिर राजसी कष्ट-सहने वाले: सम्राट नकोलस द्वितीय, सम्राज्जी अलेक्जेंडरा, राजकुमार अलेक्जेंड्र, ग्रैंड डचेस ओल्गा, टैटियाना, मारिया और अनास्तासिया, धर्मनरिपेक्ष अधिकारियों द्वारा हत्या कए जाने पर।

प्रोक्लामेनन, स्वर 7

हे प्रभु, अपनी शक्ति से राजा आनन्दति होगा, / और वह तेरे उद्धार में अत्यंत हर्षति होगा।

पद: आपने उसे उसके हृदय की इच्छा दी है, और आपने उसके होठों की माँग से उसे वंचति नहीं किया है।

भजन संहिता 20:2, 3

आरंभ 99.

अल्लेलुया, स्वर 1

प्रत्युत्तर-श्लोक: क्योंकि राजा यहोवा पर भरोसा रखता है, और सर्वोच्च की दया से वह डगमगाएगा नहीं।

छंद: हे प्रभु, अपनी सामर्थ्य में ऊँचे उठे रहो! हम तेरी सामर्थ्य का गीत गाएंगे और उसकी स्तुतिकरेंगे।

भजन संहिता 20:8, 14

उसी दनि, परम पूज्य एंड्रैई रुबलेव के, चतिरकार।

प्रोक्लामेनन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उस सब के लिए कैसे प्रतफल दूँ जो उन्होंने मेरे लिए किया है?

भजन संहिता 115:6, 3

स्वरारोपण 334.

अल्लेलुया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

५. माउंट अथोस के पूजनीय अथेनासयिस।

अवशेषों की खोज

सम्माननीय सेरजयिस ऑफ राडोनेज़ के अवशेषों की खोज

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतदिन करूँ जो उन्होंने मुझ पर कएि हैं? भजन संहिता 115:6,

3

आरंभ 213.

अललौया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

8. परमेश्वर की माता का कजान का आइकन

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता को भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240.

अललौया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, और देख, और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी तेरी कृपा के खोजी होंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

10. प्रभु परमेश्वर के वस्त्र का स्थान
और हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु, हमारे परमेश्वर की महिमा करो, / और उनके चरणों में आराधना करो, क्योंकि वे पवित्र हैं।

पद: प्रभु सहिसन पर वरिजमान हुए हैं: राष्ट्र क्रोधति हों।

भजन संहिता 98:5, 1क

और आदरणीय के लिए प्रोकमिन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

भजन संहिता 115:6

125A से आरंभ और पादरी के लिए 213 से आरंभ।

अललौया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, अपने लोगों को स्मरण कर, जन्हें तूने आरम्भ से प्राप्त किया है।

पद: परन्तु परमेश्वर, जो युगों से पूर्व हमारा राजा है, ने पृथ्वी के मध्य में उद्धार किया है। भजन संहिता 73:2A,

12

अललौया रेवरेड के लिए, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2क

11. महान शहीद यूफेमिया सर्व-स्तुत्य

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने संतों में अद्भुत है; / इस्राएल का परमेश्वर।

पद: सभाओं में यहोवा परमेश्वर का धन्यवाद करो, जो इस्राएल के स्रोतों से है।

भजन संहिता 67:36A, 27

आरंभ 181.

अललौया, स्वर 1

पद: मैंने धीरज से प्रभु की प्रतीक्षा की, और उसने मेरी सुनी और मेरी प्रार्थना स्वीकार की।

पद: उसने मेरे पैरों को चट्टान पर स्थापित किया और मेरे कदमों को स्थिर किया।

भजन संहिता 39:2, 3ख

12. परमेश्वर की अतिपवित्र माता के आइकन, जन्हें 'तीन-हाथ वाले' के नाम से जाना जाता है

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240।

अललौया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

पद: लोगो में धनी तेरा अनुग्रह खोजेंगे।

भजन संहिता 44:11क, 13ख

१३. महादूत गबरयिल का पर्व

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 4

तू अपने स्वर्गदूतों को आत्माएँ बनाता है, / और अपने सेवकों को आग की ज्वाला।

पद: हे मेरी आत्मा, प्रभु का धन्यवाद कर! हे मेरे प्रभु परमेश्वर, आप अत्यंत महिमामय हैं।

भजन संहिता 103:4, 1क

आरंभ 305.

अललौया, स्वर 5

पद: हे उसके सब स्वर्गदूतों, उसकी स्तुतिकिरो; हे उसकी सारी सेनाओं, उसकी स्तुतिकिरो।

पद: क्योंकि उसने कहा, और वे हो गए; उसने आज्ञा दी, और वे सृजित हुए।

भजन संहिता 148:2, 5ख

१५. संत व्लादमीर, प्रेरितों के समान, महान राजकुमार व्लादमीर

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 3

हमारे परमेश्वर के लिए गीत गाओ, गीत गाओ, / हमारे राजा के लिए गीत गाओ, गीत गाओ।

पद: हे सब जातियों, तालियाँ बजाओ; परमेश्वर के लिए आनन्द की आवाज़ से जयजयकार करो।

46:7, 2

स्वरारोपण 200.

अललौया, स्वर 6

पद: मैंने अपने लोगों में से चुने हुए को ऊँचा किया है।

पद: देखो, मेरा हाथ उसे सहारा देगा, और मेरी भुजा उसे बल देगी।

भजन संहिता 88:20ख, 22

16 जुलाई के सबसे नकिट का रविवार।

पवतिर पतिओं का स्मरणोत्सव

छह सार्वभौमिक परषिदों के

स्वर का प्रोकीमेनन और प्रोकीमेनन, स्वर 4, पवतिर पतिओं का भजन

धन्य हैं आप, हे प्रभु, हमारे पूर्वजों के परमेश्वर, और आपका नाम युगानुयुग प्रशंसति और महिमामय हो।

दान 3:26

सामान्य और पति परचिय, परचिय 334.

स्वर का हलीलुया और पतिगण का हलीलुया, स्वर 1

छंद: प्रभु, देवताओं के परमेश्वर, ने कहा और सूर्य के उदय से अस्त तक पृथ्वी को बुलाया।

पद: उसके संतों को उसके पास इकट्ठा करो।

भजन संहिता 49:1, 5A

**19. अवशेषों की खोज
के पवतिर अवशेषों की खोज**

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतदिन करूँगा जो उन्होंने मुझ पर कएि हैं? **भजन संहिता 115:6, 3**

आरंभ 213.

अललौया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

20. पवतिर नबी एलियाह**प्रोकेइमेनोन, स्वर 4**

तुम सदा के लिए याजक हो, / मेलकीजेदेक के क्रम के अनुसार।

पद: यहोवा ने मेरे प्रभु से कहा: 'मेरे दाहनि बैठो, जब तक मैं तेरे शत्रुओं को तेरे पैरों के नीचे आसन न बना दूँ।' **भजन संहिता 109:4ख, 1**

आरंभ 57A.

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: मूसा और हारून उनके याजकों में, और शमूएल उनके नाम का आह्वान करने वालों में।

श्लोक: धर्मी पर प्रकाश चमका है, और सीधे हृदय वालों के लिए आनंद है।

भजन संहिता 98:6क; 96:11

**22. मरयिम मगदलीनी, प्रेरितों के समान
मरयिम मगदलीनी**

परमेश्वर अपने पवतिर लोगों में अद्भुत है; / इस्राएल का परमेश्वर।

पद: सभाओं में प्रभु परमेश्वर का धन्यवाद करो, इस्राएल के सोतों से।

भजन संहिता 67:36A, 27

स्वरारोपण 141.

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: मैंने प्रभु की प्रतीक्षा धैर्यपूर्वक की, और उसने मेरी सुनी।

पद: उसने मेरे पैरों को चट्टान पर स्थापित किया और मेरे कदमों को स्थिर किया।

भजन संहिता 39:2A, 3B

23. पोचाइव आइकन परमेश्वर की परम पवित्र माता की

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की नम्रता पर अनुग्रह किया है; देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 320.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: हे प्रभु, उठो और अपने विश्राम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारे पवित्रता का सन्दूक।

पद: प्रभु ने दाऊद से सच्चाई में शपथ खाई, और वह उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:8, 11A

24. पवित्र शहीद राजकुमार बोरसि और ग्लेब

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

जो संतों को उसकी पृथ्वी पर हैं, / प्रभु ने उनमें अद्भुत रूप से अपनी सभी इच्छाएँ प्रकट की हैं।

पद: मैं ने प्रभु को सदा अपने साम्हने देखा है, क्योंकि विह मेरे दाहिने हाथ में है, इसलिये मैं डगमगाऊँगा नहीं।

भजन संहिता 15:3, 8

आरंभ 99.

अल्लेलूया, स्वर 4

प्रत्युत्तर-श्लोक: धर्मी पुकारते हैं, और प्रभु उनकी सुनता है; वह उन्हें उनकी सभी वपित्तियों से छुड़ाता है।

पद: धर्मी के लिए बहुत दुख होते हैं, परन्तु प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:18, 20

25. धर्मी अन्ना का स्वर्गारोहण

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने पवित्र लोगों में अद्भुत है; / इस्राएल का परमेश्वर।

पद: सभाओं में, इस्राएल के सोतों से, परमेश्वर यहोवा का धन्यवाद करो।

भजन संहिता 67:36क, 27

210B से शुरू।

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: धर्मी लोगों का उद्धार प्रभु से आता है, और वह संकट के समय उनका शरणस्थान है।

भजन संहिता

36:39

27. महान शहीद को और चकित्सक पन्टेलेइमोन

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने संतों में अद्भुत है; / इस्राएल का परमेश्वर।

पद: अपने सभाओं में यहोवा परमेश्वर का धन्यवाद करो, जो इस्राएल के संतों से है। भजन संहिता 67:36A, 27

आरंभ 292.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार की तरह बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे। भजन संहिता 91:13, 14

28. स्मोलेस्क आइकन परमेश्वर की अतपिवतिर माता

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर की माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी। लूका 1:46-48

आरंभ 240.

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

श्लोक: लोगो में धनी तेरी कृपा के खोजी होंगे।

भजन संहिता 44:11क, 13ख

30. संत जॉन शहीद, योद्धा

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना भरोसा रखें।

छंद: हे परमेश्वर, जब मैं तुझ से प्रार्थना करूँ तो मेरी वाणी सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

स्वरारोपण 116.

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: धर्मी के बहुत से दुख होते हैं – परन्तु प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 33:20

अगस्त

1. उत्पत्ति (महमि)
प्रभु के प्राचीन जीवन-दायक क्रूस का।
सात शहीद भाइयों, मैकाबीयों,
उनकी माँ सोलोमोनीया
और उनके शक्तिष्क एलेआजर

प्रोकेइमेनोन, स्वर 6

हे प्रभु, अपने लोगों को बचाओ / और अपनी वरिसत को आशीर्वाद दो।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, चुप न रह, न मुझ से मुख मोड़।

भजन संहिता 27:9A, 1A

और संतों का प्रोकीमेनोन, स्वर 4

जनि संतों का वास उसकी पृथ्वी पर है, उनके बीच प्रभु ने अपनी सारी इच्छाएँ अद्भुत रूप से प्रकट की हैं।

भजन संहिता 15:3

इंटोनेशन 125A और संत, इंटोनेशन 330।

अल्लुया, स्वर 4

पद: हे प्रभु, अपने उन लोगों को याद करो जिन्हें आपने आरंभ से प्राप्त किया है।

पद: परन्तु परमेश्वर, जो युगों से पूर्व हमारा राजा है, ने पृथ्वी के मध्य में उद्धार किया है।

12

भजन संहिता 73:2A,

और संतों के लिए, स्वर 4

पद: धर्मी ने पुकारा, और प्रभु ने उनकी सुनी; उसने उन्हें उनकी सभी कष्टों से छुड़ाया।

भजन संहिता 33:18

2. अवशेषों का स्थानांतरण प्रथम शहीद स्तेफन के अवशेषों का स्थानांतरण

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महमि की घोषणा करते हैं; आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 17.

अल्लुया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे चमत्कारों की घोषणा करते हैं, और संतों की सभा में तेरी सत्यता।

भजन संहिता 88:6

6. प्रभु का रूपांतरण

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

हे प्रभु, तेरे काम कतिने भव्य हैं; / तूने सभी चीजें बुद्धिसे बनाई हैं।

छंद: हे मेरी आत्मा, यहोवा का धन्यवाद कर! हे मेरे प्रभु परमेश्वर, तू अतमिहमिमय है।

भजन संहिता 103:24A, 1

आरंभ 65.**अल्लेलुया, स्वर 8**

पद: स्वर्ग तेरा है, और पृथ्वी तेरी है।

पद: धन्य हैं वे लोग जो युद्ध घोष को जानते हैं।

भजन संहिता 88:12A, 16A

**7. संत मटिरोफान,
वोरोनेज़ के बशिप**

त्योहार का प्रोकीमेनोन और संत के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 1

मेरा मुँह ज्ञान का वचन बोलेगा, और मेरे हृदय की मनन समझ होगी।

भजन संहिता 48:4

साधारण आरंभ और संत के लिए आरंभ, 318A.

उत्सव और संत के लिए हल्लेलुया, स्वर 2

छंद: धर्मी के होंठ ज्ञान का उच्चारण करते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है, और उसके पाँव नहीं ठोकर खाएँगे।

भजन संहिता 36:30, 31

9. संत मत्ती प्रेरति**उत्सव और प्रेरति के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 8**

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

भजन संहिता 18:5A

साधारण प्रवेशगान और प्रेरति 2 का प्रवेशगान।

उत्सव और प्रेरति के लिए हल्लेलुया, स्वर 1

पद: हे प्रभु, स्वर्ग आपके चमत्कारों की घोषणा करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6क, 8क

13. रूपांतरण का पर्व।

**संत टर्किऑन,
वोरोनेज़ के बशिप**

उत्सव का प्रोकीमेनोन, स्वर 4

हे प्रभु, तेरे काम कतिने भव्य हैं, / तूने सभी चीज़ें बुद्धिसे बनाई हैं।

पद: हे मेरी आत्मा, प्रभु का धन्यवाद कर! हे मेरे प्रभु परमेश्वर, आप अत्यंत गौरवान्वति हैं।

भजन संहिता 103:24A, 1

और संत के लिए प्रोकीमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, और मेरे हृदय का मनन—समझ।

भजन संहिता 48:4

साधारण इंद्रोइट और संत के लिए इंद्रोइट, 318A।

उत्सव का हल्लेलुया, स्वर 8

पद: स्वर्ग तेरे हैं, और पृथ्वी तेरी है।

पद: धन्य हैं वे लोग जो युद्ध घोष को जानते हैं।

भजन संहिता 88:12A, 16A

और संत को, स्वर 2

छंद: धर्मी के होंठ ज्ञान बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है।

भजन संहिता 36:30, 31A

15. परमेश्वर की अतिपवित्र माता का स्वर्गारोहण

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति होती है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की नम्रता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240।

अल्लेलुया, स्वर 2

पद: हे प्रभु, उठो और अपने वशिराम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारे पवित्रता का सन्दूक।

पद: प्रभु ने दाऊद से सत्य में शपथ खाई, और वह उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:8, 11क

१६. मानव हाथों से न बनी प्रतमा का स्थानांतरण हमारे प्रभु यीशु मसीह का

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

प्रभु के लिए एक नया गीत गाओ, / क्योंकि प्रभु ने अद्भुत काम किए हैं।

पद: पृथ्वी के छोर-छोर तक सब ने हमारे परमेश्वर का उद्धार देखा है।

भजन संहिता 97:1क, 3ख

छवि 250 और सामान्य छवि की शुरुआत।

और पर्व के लिए, प्रोकीमेन, स्वर 3, ईश्वरमाता का गीत

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति होती है।

लूका 1:46-47

अल्लेलुया, स्वर 4

पद: हे प्रभु, हम तेरे मुख के प्रकाश में चलेंगे, और तेरे नाम में सदा आनन्दति रहेंगे।

तुलना करें भजन संहिता 88:16ख-17क

और पर्व का हल्लेलुया, स्वर 2

पद: हे प्रभु, उठो, अपने वशिराम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारी पवित्रता का सन्दूक।

पद: प्रभु ने दाऊद से सत्य में शपथ ली, और वह उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:8, 11A

२३. पर्व का समापन परमेश्वर की अतिपवित्र माता का स्वर्गारोहण

उत्सव का प्रोकीमेनोन, स्वर 3, ईश्वर-माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति होती है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की नम्रता पर अनुग्रह किया है; देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

साधारण और उत्सव प्रवेशगीत, प्रवेशगीत 240।

उत्सव का अल्लेलुया, स्वर 2

पद: हे प्रभु, उठो और अपने वशिराम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारी पवित्रता का सन्दूक।

श्लोक: प्रभु ने दाऊद से सच्चाई में शपथ खाई, और वह उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:8, 11A

24. अवशेषों का स्थानांतरण संत पतरस के, मॉस्को के मेट्रोपॉलिटन

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय के वचन – समझ।

पद: हे सब जातियों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब ध्यान दो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 318A.

अललौया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वचन उसके हृदय में है, और उसके पाँव नहीं ठोकर खाएँगे।

भजन संहिता 36:30, 31

25. अवशेषों का स्थानांतरण प्रेरति बार्थोलोमयुस का। प्रेरति ततिस

प्रोकेइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा की घोषणा करते हैं; आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 300A.

अललौया, स्वर 1

प्रत्युत्तर-गीत: हे प्रभु, आकाश तेरे चमत्कारों का प्रचार करते हैं।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6A, 8A

26. व्लादमीर आइकन का समर्पण परमेश्वर की अतिपवित्र माता

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर-माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि की है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 240.

अललौया, स्वर 8

पद: हे पुत्री, सुन, देख और अपना कान लगा।

पद: लोगो में धनी आपकी कृपा की खोज करेंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

29. का सरि कलम किया जाना संत यूहन्ना बपतस्मादाता का

प्रोकेइमेनोन, सप्तम स्वर

धर्मी प्रभु में आनन्द मनाएँ, / और उसी पर अपना विश्वास रखें।

पद: हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 33.

अललoulia, स्वर 4

प्रतगान: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

30. अवशेषों का स्थानांतरण धर्मपरायण महा राजकुमार के अवशेषों का स्थानांतरण अलेक्जेंडर नेवस्की

प्रोकेइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

छंद: मैं प्रभु का उन सभी उपकारों के लिए कैसे प्रतफल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं?

115:6, 3

भजन संहिता

आरंभ 213.

अललoulia, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

31. बेल्ट की स्थिति परम पवित्र थियोटोकोस की

प्रोकेइमेनोन, स्वर 3, ईश्वर माता का भजन

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति है।

पद: क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि डाली है; क्योंकि देखो, अब से सब पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

आरंभ 320.

अललoulia, स्वर 2

पद: हे प्रभु, उठो और अपने विश्राम में प्रवेश करो, तुम और तुम्हारे पवित्रता का सन्दूक।

पद: प्रभु ने दाऊद से सत्य में शपथ ली, और वह उससे पीछे नहीं हटेगा।

भजन संहिता 131:8, 11क

वर्षिय-सूची पर वापस जाएँ।

प्रोकमैना, प्रेरतियों और आल्लेलुया सभी संतों के लिए सामान्य

परमेश्वर की पवित्र माता की सेवा

प्रोकीमेनोन, स्वर 3, ईश्वर माता का गीत

मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, / और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनंदति होती है।

पद: उसने अपनी दासी की नम्रता पर अनुग्रह किया है; क्योंकि देखो, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी।

लूका 1:46-48

या प्रोकेइमेनोन, स्वर 6

मैं तेरे नाम को सभी पीढ़ियों तक स्मरणीय बनाऊँगा।

पद: हे पुत्री, सुन, देख, और अपना कान झुका।

भजन संहिता 44:18A, 11A

स्वरारोहन 240, या स्वरारोहन 320।

अलैया, स्वर 8

पद: सुनो हे पुत्री, और देखो, और अपना कान लगाओ।

पद: लोगो में धनी आपकी कृपा की खोज करेंगे।

भजन संहिता 44:11A, 13B

स्वर्गीय की सेवा अदेह शक्तियाँ

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

तुम अपने स्वर्गदूतों को आत्माओं के रूप में बनाते हो, / और अपने सेवकों को आग की ज्वालाओं के रूप में।

पद: हे मेरी आत्मा, प्रभु का धन्यवाद कर! हे मेरे प्रभु परमेश्वर, आप अत्यधिक महिमामय हैं।

भजन संहिता 103:4, 1क

आरंभ 305.

अलैया, स्वर 5

पद: हे उसके सब स्वर्गदूतों, उसकी स्तुतिकिरो; हे उसकी सारी सेनाओं, उसकी स्तुतिकिरो।

पद: क्योंकि उसने कहा, और वे हो गए; उसने आज्ञा दी, और वे सृजति हुए।

भजन संहिता 148:2, 5ख

नबियों की सेवा

प्रोकेइमेनोन, स्वर 4

तुम सदा के लिए याजक हो, / मेलकीजेदक के क्रम के अनुसार।

प्रोक्क्यमिना, प्रेरति और अल्लेरिया, जो सभी संतों में सामान्य है।

श्लोक: प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा: 'मेरे दाहिने बैठो, जब तक मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे पैरों के लिए पादपीठ न बना दूँ।'

भजन संहिता 109:4ख, 1

स्वरारोपण 156, या स्वरारोपण 314, या स्वरारोपण 57A।

अल्लेलुया, स्वर 5

पद: मूसा और हारून उनके याजकों में, और शमूएल उनके नाम का आह्वान करने वालों में।

पद: धर्मी पर प्रकाश चमका है, और सीधे हृदय वालों के लिए आनंद है।

भजन संहिता 98:6A; 96:11

प्रेरितों की सेवा

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है, / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का घोषणा करते हैं; और आकाशमण्डल उनके हाथों के कामों की घोषणा करता है।

भजन संहिता 18:5A, 2

आरंभ 131.

अल्लेलुया, स्वर 1

प्रत्युत्तर-श्लोक: हे प्रभु, स्वर्ग तेरे आश्चर्यकर्म और तेरे सत्य की घोषणा करते हैं – संतों की सभा में।

पद: हम संतों की सभा में परमेश्वर की महिमा करते हैं।

भजन संहिता 88:6, 8क

संत की सेवा

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 1

मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे, / और मेरे हृदय का मनन—बुद्धि।

पद: हे सभी राष्ट्रों, यह सुनो; हे संसार में रहने वालों, सब सुनो।

भजन संहिता 48:4, 2

आरंभ 318A.

अल्लेलुया, स्वर 2

पद: धर्मी के होंठ ज्ञान का वचन बोलते हैं, और उसकी जीभ न्याय की घोषणा करती है।

पद: उसके परमेश्वर का वधान उसके हृदय में है; उसके पाँव नहीं फसिलेंगे।

भजन संहिता 36:30, 31

संतों की सेवा

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सब उपकारों के बदले में क्या चुकाऊँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं? भजन संहिता 115:6, 3

स्वरारोपण 335.

अल्लेलुया, स्वर 2

पद: तेरे याजक धार्मिकता से सुसज्जित होंगे, और तेरे संत आनंद से हर्षित होंगे।

प्रोक्ष्यमिना, प्रेरति और एल्लेरिया, जो सभी संतों में सामान्य हैं।

पद: आओ हम उसकी पवित्र मंडप में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान पर आराधना करें जहाँ उसके पैर कभी ठहरे थे।

भजन संहिता 131:9, 7

संतों के लिए सेवा और जो मसीह के लिए मूर्खतापूर्ण व्यवहार करने वाले थे

प्रोक्सेमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

पद: मैं प्रभु का उन सब उपकारों के बदले में क्या चुकाऊँगा जो उन्होंने मुझ पर किए हैं? **भजन संहिता 115:6, 3**
आरंभ 213.

अल्लेलुया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होंगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

शहीद के लिए सेवा

प्रोक्सेमेनोन, स्वर 7

धर्मी प्रभु में आनन्दति होंगे, / और उसी में अपना भरोसा रखेंगे।

पद: हे परमेश्वर, जब मैं तुझ से प्रार्थना करूँ, तब मेरी वाणी सुन।

भजन संहिता 63:11A, 2A

आरंभ 292.

अल्लेलुया, स्वर 4

प्रत्युत्तर-श्लोक: धर्मी खजूर के वृक्ष की तरह फलेंगे; वे लेबनान के देवदार के समान बढ़ेंगे।

पद: जो प्रभु के भवन में रोपे गए हैं, वे हमारे परमेश्वर के प्रांगणों में फलेंगे-फूलेंगे।

भजन संहिता 91:13, 14

शहीदों के लिए सेवा

प्रोक्सेमेनोन, स्वर 4

जो संतों को उसकी पृथ्वी पर हैं, / प्रभु ने उनमें अद्भुत रूप से अपनी सारी इच्छाएँ प्रकट की हैं।

पद: मैं ने सदा यहोवा को अपने साम्हने देखा है, क्योंकि वह मेरे दाहिने हाथ में है, इसलिये मैं डगमगाऊँगा नहीं।

भजन संहिता 15:3, 8

आरंभ 99, या आरंभ 330, या आरंभ 167B।

अल्लेलुया, स्वर 4

पद: धर्मी ने पुकारा, और प्रभु ने उनकी सुनी; प्रभु ने उन्हें उनकी सब कष्टों से छुड़ाया।

पद: धर्मी लोग अनेक कष्टों का सामना करते हैं – परन्तु प्रभु उन्हें उन सभी से बचाएगा। **भजन संहिता 33:18,**

प्रोक्क्यमिना, प्रेरति और अल्लेरिया, जो सभी संतों में सामान्य है।

पवतिर शहीद के लिए सेवा

प्रोक्केइमेनोन, सप्तम स्वर

संतों को महिमा मलिंगी / और वे अपने बसितरों में आनंदति होंगे।

पद: प्रभु के लिए नया गीत गाओ; संतों की सभा में उसकी स्तुतिकिरो।

भजन संहिता 149:5, 1

स्वरारोपण 334.

अल्लेलुया, स्वर 2

प्रत्युत्तर-श्लोक: तेरे याजक धार्मिकता से परधान पहनेंगे, और तेरे संत आनंद से उल्लसति होंगे।

पद: आओ हम उसकी पवतिरशाला में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान की आराधना करें जहाँ उसके पाँव कभी ठहरे थे।

भजन संहिता 131:9, 7

पवतिर शहीदों के लिए सेवा

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में / उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।

छंद: मैं प्रभु का उस सब के लिए कैसे प्रतफिल दूँ जो उन्होंने मेरे लिए किया है?

भजन संहिता 115:6, 3

जाखल 318बी, या जाखल 334, या जाखल 246।

अल्लेलुया, स्वर 2

प्रतीधुन: तेरे याजक धार्मिकता से सुसज्जति होंगे, और तेरे संत आनंद से हर्षति होंगे।

पद: आओ हम उसकी अदालत में प्रवेश करें; आओ हम उस स्थान पर पूजा करें जहाँ उसके पैर कभी ठहरे थे।

भजन संहिता 131:9, 7

सेवा पवतिर शहीदों के लिए

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 7

पवतिरजन महिमा में महिमामय होंगे / और अपने सहिसनों पर आनंदति होंगे।

पद: प्रभु के लिए एक नया गीत गाओ; संतों की सभा में उसकी स्तुतिकिरो।

भजन संहिता 149:5, 1

पवतिर शहीद के लिए, आरंभ 291। पवतिर शहीदों के लिए, आरंभ 99।

अल्लेलुया, स्वर 6

श्लोक: धन्य है वह मनुष्य जो प्रभु का भय मानता है; वह अपनी सारी आत्मा से उसकी आज्ञाओं से प्रेम करेगा।

पद: उसकी संतान पृथ्वी पर शक्तिशाली होगी।

भजन संहिता 111:1, 2A

शहीदों की सेवा

प्रोक्केइमेनोन, स्वर 4

परमेश्वर अपने पवतिर जनो में अद्भुत है; / इस्राएल का परमेश्वर।

पद: सभाओं में यहोवा परमेश्वर का धन्यवाद करो, इस्राएल के सोतों से।

भजन संहिता 67:36A, 27

प्रोक्त्यमिना, प्रेरति और एल्लेरया, जो सभी संतों में सामान्य है।

स्वरारोपण 181, या स्वरारोपण 208A।

अल्लेलूया, स्वर 1

पद: मैंने धीरज से प्रभु की प्रतीक्षा की, और उसने मेरी सुनी और मेरी प्रार्थना स्वीकार की।

पद: उसने मेरे पैरों को चट्टान पर स्थापित किया और मेरे कदमों को स्थिर किया।

भजन संहिता 39:2, 3ख

सेवा पवतिर स्त्रियों के लिए

प्रोक्टेइमेनन और अल्लेलूया शहीदों के समान।

आरंभ 208A।

स्वीकारकर्ताओं के लिए सेवा

पवतिर शहीदों के लिए जैसा प्रोक्टेइमेनन और अल्लेलूया।

स्वरारंभ 233, या स्वरारंभ 318B, या स्वरारंभ 291।

अनुपेक्षति सेवकों के लिए सेवा

शहीदों के लिए प्रोक्टेइमेनन।

पठन 153।

अल्लेलूया, स्वर 2

श्लोक: देखो, कतिनी अच्छी और कतिनी सुखद बात है कभिाइयों का एकता में एक साथ रहना।

पद: हर्मोन की ओस की तरह, जो सयिों के पहाड़ों पर गरिती है; क्योंकि वहाँ प्रभु ने हमेशा के लिए आशीर्वाद और जीवन निर्धारित किया है।

भजन संहिता 132:1, 3

आत्मा की शांति के लिए सेवा

प्रोक्टेइमेनोन, स्वर ६

उनकी आत्माएँ आशीर्वादों के बीच निवास करेंगी।

पद: हे प्रभु, मैं अपनी आत्मा तेरी ओर उठाता हूँ; हे मेरे परमेश्वर, मैं तुझ पर भरोसा करता हूँ— मुझे कभी लज्जति न करना।

तुलना करें भजन संहिता 24:13A, 1-2A

सोमवार, चक्र 113.

गुरुवार, पाठ 160.

मंगलवार, पाठ 162.

शुक्रवार, चक्र 163.

बुधवार, पठन 178.

शनिवार, आरंभ 270.

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: धन्य है वह जिसने हे प्रभु, आपने चुना और अपने समीप खींचा।

पद: और उनकी स्मृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनी रहती है।

तुलना करें भजन संहिता 64:5; 44:18क

वषिय-सूची पर वापस जाएँ।

परोक्षमिना, प्रेरति और अल्लेरिया, जो सभी संतों में सामान्य है।

प्रोक्मिना, प्रेरति और आल्लेलुया वभिन्न अवसरों के लिए

प्रशासन के समय बपतस्मा का संस्कार

प्रोक्मेनोन, स्वर 3

प्रभु मेरी ज्योति और मेरा उद्धारकर्ता है: मैं किससे डरूँ?

पद: प्रभु मेरे जीवन का रक्षक है: मैं किससे डरूँगा?

भजन संहिता 26:1

आरंभ 91.

अल्लेलुया के लिए कोई पद नरिदष्टि नहीं है।

उत्सव के समय ववाह का संस्कार

प्रोक्मेनोन, स्वर 8

तूने उनके सरिं पर कीमती रत्नों के मुकुट रखे हैं; / उन्होंने तुझसे जीवन माँगा, और तूने उन्हें वह दे दिया।

सूचि: क्योंकि तू उन पर अनंतकाल तक आशीर्वाद प्रदान करेगा; तू उन्हें अपनी उपस्थिति में आनंद से प्रसन्न करेगा।

तुलना करें भजन संहिता 20:4ख, 5क, 7

आरंभ 230B.

अल्लेलूया, स्वर 5

पद: हे प्रभु, आप हमें इस पीढ़ी से और सदा के लिए रक्षा करेंगे।

भजन संहिता 11:8

प्रशासन के समय क्रस्माशन का संस्कार

प्रथम प्रोक्मीमेनोन, स्वर 1

हे प्रभु, तेरा दया हम पर हो, / क्योंकि हम तुझ में अपनी आशा रखते हैं।

पद: हे धर्मीजनो, प्रभु में आनन्द मनाओ – धर्मीजनो के लिए स्तुतिउपयुक्त है।

भजन संहिता 32:22, 1

आरंभ 57B.

अल्लेलूया, स्वर 8

छंद: हे प्रभु, मैं तेरी दया और न्याय का गीत गाऊँगा।

भजन संहिता 100:1

दूसरा प्रोक्मीमेनोन, स्वर 2

प्रभु मेरी शक्ति और मेरा गीत है; / उन्होंने मेरा उद्धार किया है।

पद: प्रभु ने मुझे अनुशासित किया है, परन्तु उसने मुझे मृत्यु के हवाले नहीं किया।

भजन संहिता 117:14, 18

आरंभ 116.

अल्लेलूया, स्वर 5

पद: हे प्रभु, मैं सदा-सर्वदा तेरी दया का गीत गाऊँगा।

भजन संहिता 88:2A

तीसरा प्रोकीमेनोन, स्वर 3

प्रभु मेरा प्रकाश और मेरा उद्धारकर्ता है: मैं किससे डरूँ?

पद: प्रभु मेरे जीवन के रक्षक हैं: मैं किससे डरूँ?

भजन संहिता 26:1

आरंभ 153.

अल्लेलूया, स्वर 2

प्रतगान: हे प्रभु, मैं आप पर अपना भरोसा रखता हूँ; मुझे कभी लज्जति न होने दें।

भजन संहिता 30:2A

चौथा प्रोकीमेनोन, स्वर 4

जसि दनि मैं तुझ से पुकारूँ / मुझे शीघ्र उत्तर दे।

पद: हे प्रभु, मेरी प्रार्थना सुन; मेरी पुकार तेरे समीप आए।

भजन संहिता 101:3ख, 2

आरंभ 182B।

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: मैंने प्रभु की धीरज से प्रतीक्षा की, और उसने मुझे उत्तर दिया।

भजन संहिता 39:2A

पाँचवाँ प्रोकीमेनोन, स्वर 5

हे प्रभु, आप हमें सुरक्षित रखेंगे और हमें बचाएंगे / इस पीढ़ी से और हमेशा के लिए।

पद: हे प्रभु, मेरा उद्धार कर, क्योंकि कोई धर्मी नहीं है।

भजन संहिता 11:8, 2A

आरंभ 168.

अल्लेलूया, स्वर 5

पद: हे प्रभु, मैं सदा-सर्वदा तेरी दया का गान करूँगा।

भजन संहिता 88:2A

छठा प्रोकीमेनोन, स्वर 6

हे परमेश्वर, मुझ पर दया करें, / अपनी महान दया के अनुसार।

पद: हे परमेश्वर, मुझ में एक नरिमल हृदय सृज, और मुझ में एक नया और सीधा आत्मा नवोदय कर।

भजन संहिता 50:3क, 12

आरंभ 213.

अल्लेलूया, स्वर 6

पद: धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है; वह उसकी आज्ञाओं को पूरे हृदय से प्रेम करेगा।

भजन संहिता 111:1

सातवाँ प्रोकीमेनोन, स्वर 7

हे प्रभु, अपने क्रोध में मुझे डाँट मत लगाओ / न अपने प्रकोप में मुझे दण्डित करो।

पद: हे प्रभु, मुझ पर दया करें, क्योंकि मैं दुर्बल हूँ।

भजन संहिता 6:2, 3A

आरंभ 273.

अल्लेलूया, स्वर 7

पद: कष्ट के दनि प्रभु तुम्हें सुने; याकूब के परमेश्वर का नाम तुम्हें रक्षा दे।

भजन संहिता 19:2

प्रोक्मिना, प्रेरितों और एलियरिया वभिन्न अवसरों के लिए

भक्तिपुओं के मुंडन के लिए

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 3

प्रभु मेरा प्रकाश और मेरा उद्धारकर्ता है: मैं किससे डरूँ?

पद: प्रभु मेरे जीवन के रक्षक हैं: मैं किससे डरूँगा?

भजन संहिता 26:1

आरंभ 233.

अल्लेया, स्वर 1

पद: इस दरदिर मनुष्य ने पुकारा, और प्रभु ने उसकी सुनी, और उसे उसकी सारी कष्टों से छुड़ाया। **भजन संहिता 33:7**

सामान्य लोगों के दफन के लिए

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 6

धन्य है वह मार्ग जो आज तुम चलो, हे आत्मा, / क्योंकि तुम्हारे लिए विश्राम का स्थान तैयार किया गया है।

पद: हे प्रभु, मैं तेरे पास पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, मुझ पर तुच्छ दृष्टि रखकर चुप न रह।

तुलना करें यशायाह 23:14; 3 राजा 2:2; यूहन्ना 14:2; प्रकाशतिवाक्य 14:13; भजन 27:1

आरंभ 270.

अल्लेया, स्वर 6

पद: धन्य है वह जिसी तूने चुनकर अपने समीप कर लिया है, हे प्रभु।

तुलना करें भजन संहिता 64:5

भक्तिपुओं के अंतिम संस्कार के लिए

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 6

धन्य है वह मार्ग जिसी आज तुम अपनाओगे, हे आत्मा, / क्योंकि तुम्हारे लिए विश्राम का स्थान तैयार किया गया है।

छंद: हे मेरी आत्मा, अपने विश्राम में लौट आ, क्योंकि प्रभु ने तेरे प्रति उदारता दिखाई है।

तुलना करें यशायाह 23:14; 3 राजा 2:2; यूहन्ना 14:2; प्रकाशतिवाक्य 14:13; भजन संहिता 114:7

आरंभ 270.

अल्लेया, स्वर 6

छंद: धन्य है वह जिसी तूने चुना और अपने समीप खींचा, हे प्रभु।

तुलना करें भजन संहिता 64:5

पुरोहितों के अन्त्येष्टि के लिए

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 6

धन्य है वह मार्ग जिसी आज तुम अपनाओगे, हे आत्मा, / क्योंकि तुम्हारे लिए विश्राम का स्थान तैयार किया गया है।

पद: हे मेरी आत्मा, अपने विश्राम में लौट आ, क्योंकि प्रभु ने तेरे प्रति उदारता दिखाई है।

तुलना करें यशायाह 23:14; 3 राजा 2:2; यूहन्ना 14:2; प्रकाशतिवाक्य 14:13; भजन संहिता 114:7

आरंभ 270.

अल्लेलूया, स्वर 6

छंद: धन्य है वह जिसने तूने चुना और अपने समीप खींचा है, हे प्रभु।

तुलना करें भजन संहिता 64:5

दूसरा प्रोकीमेनोन, स्वर 6

धन्य है वह जिसने तूने चुना है / और अपने समीप खींचा है, हे प्रभु।

पद: हे परमेश्वर, सयोन में तेरा गीत उपयुक्त है।

तुलना करें भजन संहिता 64:5, 2A

आरंभ 89.

अल्लेलूया, स्वर 6

पद: धन्य है वह जिसने तूने चुना और अपने समीप खींचा, हे प्रभु।

तुलना करें भजन संहिता 64:5

तीसरा प्रोकीमेनोन, स्वर 6

धन्य है वह जिसने तूने चुना है / और प्रभु, अपने समीप खींचा है।

पद: और उनकी स्मृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनी रहती है।

तुलना करें भजन संहिता 64:5; 44:18A

आरंभ 158.

अल्लेलूया, स्वर 6

प्रत्युत्तर-गीत: धन्य हैं वे जिन्होंने आपने चुना और अपने समीप खींचा है, हे प्रभु।

तुलना करें भजन संहिता 64:5

चौथा प्रोकीमेनोन, स्वर 6

उसकी आत्मा आशीर्वादों के बीच नविस करेगी।

पद: हे प्रभु, मैं तुझ को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर, मुझ पर तुच्छ दृष्टि रखकर मौन न रह।

भजन संहिता 24:13; 27:1क

आरंभ 160.

अल्लेलूया, स्वर 6

प्रत्युत्तर-श्लोक: धन्य है वह पुरुष जो यहोवा का भय मानता है।

पद: उसकी संतति पृथ्वी पर सामर्थी होगी।

भजन संहिता 111:1A, 2A

पाँचवाँ प्रोकीमेनोन, स्वर 6

धन्य है वह जिसने तूने चुना और अपने समीप खींचा, हे प्रभु।

पद: उसकी आत्मा समृद्धि के बीच नविस करेगी।

तुलना करें भजन संहिता 64:5; 24:13

आरंभ 113।

अल्लेलूया, स्वर 6

प्रतीधुन: धन्य है वह जिसने तूने चुना और प्रभु, अपने समीप खींचा।

पद: उसकी आत्मा आशीर्वादों के बीच नविस करेगी।

देखें भजन संहिता 64:5; 24:13

शशिओं के दफ़न के लिए

प्रोकेइमेनोन, स्वर 6

धन्य है वह मार्ग जिससे आज तुम अपनाओगे, हे आत्मा, / क्योंकि तुम्हारे लिए वशिराम का स्थान तैयार किया गया है।

श्लोक: हे मेरी आत्मा, अपने वशिराम में लौट आ, क्योंकि प्रभु ने तेरे साथ उदारता से व्यवहार किया है।

तुलना करें: यशायाह 23:14; 1 राजा 2:2; यूहन्ना 14:2; प्रकाशतिवाक्य 14:13; भजन संहिता 114:7

आरंभ 162.

प्रोक्मिना, प्रेरितों और एलियरिया वभिन्न अवसरों के लिए

अल्लेलुया, स्वर 6

पद: धन्य है वह जिसने तूने चुना और अपने समीप खींचा, हे प्रभु।

पद: उसकी आत्मा समृद्धि के बीच नविस करेगी।

तुलना करें भजन संहिता 64:5; 24:13

जल के लघु आशीर्वाद पर

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 3

प्रभु मेरा प्रकाश और मेरा उद्धारकर्ता है: मैं किससे डरूँ?

पद: प्रभु मेरे जीवन के रक्षक हैं: मैं किससे डरूँ?

भजन संहिता 26:1

आरंभ 306.

अल्लेलुया, स्वर 6

प्रत्युत्तर-गीत: मेरे हृदय ने आशीष का वचन उच्चारित किया है।

पद: मैं अपने कर्मों की घोषणा राजा के समक्ष करता हूँ।

भजन संहिता 44:2A

चर्च के अभिषेक के समय

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 4

हे प्रभु, पवत्रिता तेरे भवन को शोभा देती है, / युगानुयुग।

पद: प्रभु ने सहिसन पर आसन ग्रहण किया है; उसने वैभव का वस्त्र धारण किया है; प्रभु ने सामर्थ्य का वस्त्र धारण किया है और स्वयं को कमरबंद किया है।

भजन संहिता 92:5ख, 1क

आरंभ 307.

अल्लेलुया, स्वर 1

प्रतिगान: उसकी नींव पवत्र परवतों में है। प्रभु सयियों के द्वारों से याकूब के सभी नविसों से अधिक प्रेम करते हैं।

पद: हे परमेश्वर के नगर, तेरी महिमा के वषिय में प्रशंसनीय बातें कही जाती हैं।

भजन संहिता 86:1-2, 3

बीमारों की सेवा के लिए

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 1

मैंने कहा: 'हे प्रभु, मुझ पर दया कर, मेरी आत्मा को चंगा कर, / क्योंकि मैंने तेरे वरिद्ध पाप किया है।'

पद: धन्य है वह जो दरदियों और ज़रूरतमंदों का ध्यान रखता है; संकट के दिन प्रभु उसे बचाएगा।

संहिता 40:5, 2

57B से आरंभ, या 210B से आरंभ।

अल्लेलुया, स्वर 8

पद: मेरी ओर देखो और मुझ पर दया करो।

भजन संहिता 118:132A

प्रोक्मिना, प्रेरितों और एलियरिया वभिन्न अवसरों के लिए

नगर की स्थापना पर

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 4

हे प्रभु, पवतिरता आपके भवन को सदा के लिए शोभा देती है।

पद: क्योंकि उसने संसार को दृढ़ किया है, और वह नहीं हलित सकता।

भजन संहिता 92:5ख, 1ख

आरंभ 40B.

अल्लेलूया, स्वर 2

पद: उसकी नींव पवतिर पर्वतों में है। यहोवा याकूब के सभी नवासों से अधिक सयोन के द्वारों से प्रेम करता है।

पद: हे परमेश्वर के नगर, तेरी महिमा के वषिय में गौरवपूर्ण बातें कही जाती हैं।

भजन संहिता 86:1-2, 3

सूखे के दौरान सेवा के लिए

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 4

पृथ्वी की नालियों को पानी दे, / उसकी उपज बढ़ा।

पद: यह आपकी वर्षा से आनंदित होगा, और फल-फूल उठेगा।

तुलना करें भजन संहिता 64:11

स्वरारोपण 57A.

अल्लेलूया, स्वर 8

छंद: आप अपनी भलाई से वर्ष के मुकुट को आशीष देंगे, और आपके मैदान प्रचुरता से भर जाएंगे।

पद: मरुस्थल के मनोहर स्थान फलेंगे-फूलेंगे, और पहाड़ आनंद से सजेंगे।

भजन संहिता 64:12, 13

सेवा के दौरान लंबे समय तक चलने वाली बारिश

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 4

हे परमेश्वर, मुझे बचा, / क्योंकि जिल मेरी आत्मा तक आ गया है।

पद: मुझे गहरे कीचड़ में फेंक दिया गया है, और कोई ठिकाना नहीं है।

भजन संहिता 68:2, 3क

98 से शुरू।

अल्लेलूया, स्वर

छंद: मुझे कीचड़ से बचा, कि मैं डूब न जाऊँ, और गहरे जल से।

पद: जल पर आँधी मुझ पर हावी न हो, और गहराई मुझे नगिल न ले।

भजन संहिता 68:15A-15C, 16A

सेवा के दौरान एक भूकंप

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 8

हे प्रभु, अपने क्रोध में मुझे डाँट न लगाओ / और अपनी जलन में मुझे दण्ड न दो।

पद: अपने सेवक का मुँह न फेर।

भजन संहिता 37:2; 68:18A

आरंभ 331B.

अल्लेलूया, स्वर 5

प्रत्युत्तर-गीत: हे परमेश्वर, तूने हमें त्याग दिया है और हमें नीचा दिखाया है।

श्लोक: आपने पृथ्वी को हला दिया और उसे उथल-पुथल में डाल दिया; इसके दरारों को भर दीजिए, क्योंकि यह हलि गई है।

भजन संहिता 59:3A, 4

**सेवा के समय
आग लगने के दौरान**

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 1

हे प्रभु, तेरा दया हम पर हो, / क्योंकि हम तुझ में अपनी आशा रखते हैं।

पद: देखो, प्रभु की दृष्टि उन पर है जो उससे डरते हैं, जो उसकी दया में आशा रखते हैं।

भजन संहिता 32:22, 18

आरंभ 332.

अल्लेलूया

प्रभु उन सभी पर अनुग्रहकारी और दयालु हैं जो उनसे प्रार्थना करते हैं।

तुलना करें भजन संहिता 102:8; 144:18

**सेवा में
युद्ध के समय**

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 1

प्रभु शक्तिशाली और बलवान है, / प्रभु युद्ध में शक्तिशाली है।

पद: पृथ्वी यहोवा की है, और जो कुछ उसमें भरा है, संसार और जो उसमें वास करते हैं।

भजन संहिता 23:8ख, 1

आरंभ 233.

अल्लेलूया, स्वर 8

पद: सेनाओं का प्रभु हमारे साथ है; याकूब का परमेश्वर हमारा शरणस्थान है।

पद: परमेश्वर हमारे शरण और बल हैं, संकट के समय में हमारी सहायता करने वाले, जो हम पर बहुत भारी पड़ चुके हैं।

भजन संहिता 45:12, 2

**पूजा के समय
जब शत्रु आक्रमण करता है**

प्रोक्मेइमेनोन, स्वर 4

ईश्वर उठे / और उसके शत्रु बखिर जाएँ।

पद: जैसे धुआँ छंट जाता है, वैसे ही वे छंट जाएँ।

भजन संहिता 67:2क, 3क

स्वरारोपण 220A.

अल्लेलूया

प्रभु, जो युद्ध में कुचलता है; प्रभु उसका नाम है।

शांति की सेवा में

प्रोफेसर्स, स्वर 4

महान है शान्ति – हे प्रभु, जो तुझसे प्रेम करते हैं उनके लिए।

पद: मैंने अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर की प्रतीक्षा की है।

तुलना करें भजन संहिता 118:165A; 54:9A

आरंभ 221.

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: तब यरूशलेम की शान्ति के लिए प्रार्थना करो।

भजन संहिता 121:6A

वर्षिय-सूची पर वापस जाएँ।